णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

चरिमतित्थयर-पंचमगणहर-सुहम्मायरि[illegible]

सुत्तागमे

तत्थ णं

एक्कारसंगसंजुओ पढमो अंसो

पुप्फभिक्खुणा संपादिओ

जइणथाणग 'रेल्वेरोड' गुरुगामछावणीपुव्वपंचालत्थसिरिसुत्तागमपगास-
गसमिइमंतिणा 'बाबू रामलाल जैन' इच्चणेण पगासमाणीओ य।

वीरसंवच्छरं २४७९ } विक्कमवरिसं २००९ { काइट्ठं १९५३

पढमा आवित्ती } पईणं सहस्सं { मुल्लं

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

कृतज्ञताप्रकाश

जिसप्रकार स्थापत्यकलाकोविद अपनी मस्तिष्क शक्तिका उपयोग करके मालिकके आदेश-निर्देशमें तत्पर होकर एक सुंदर प्रासादका निर्माण करता है उसी भाँति मेरे अन्तेवासी प्रशिष्य आयुष्मान 'जिणचंदभिक्खू' ने अपनी विनयता, मृदुता, भक्ति-वैयावृत्य-सेवातत्परता, दक्षता और प्राकृतविज्ञानकलामर्मज्ञता आदि सद्भावनाओंमें तन्मय होकर 'सुत्तागमे' के प्रकाशन संबंधी कार्य तथा प्रूफसंशोधनादिकी सेवाका सहयोग देकर ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्की शासनसेवा, और जिनवाणीकी भक्तितत्परता द्वारा खूब ही साथ दिया है। भला इस कीमती सेवा के मृदु संस्मरणोंको कैसे भुलाया जासकता है। मैं इस मूल्यवान् सेवाकी बड़ी कदर करता हूं। आखिर मनुष्य दो प्रकारके ही तो होते हैं एक उपकार करनेवाला और

प्रकाशकीय

१ आजके इस वैज्ञानिक युगमें जहां मनुष्यने विज्ञानके द्वारा नई २ व्यवहारोपयोगी वस्तुओंका आविष्कार किया है वहां महान् से महान् संहारक अणुवम जैसे शस्त्रोंका भी। यह सब किसलिए? मेरी सत्ता समस्त संसार पर छा जाए, मैं ही सबका प्रभु हो जाऊं, एक ओर तो शस्त्रोंकी होड़में एक देश दूसरे देशसे आगे निकल जाना चाहता है तब दूसरी ओर आधुनिक जनता का अधिक भाग युद्धको न चाहकर शांतिकी झंखना करता है परन्तु शांति शस्त्रोंके बलबूते पर किए गए युद्धोंसे नहीं मिल सकती शांतिका वास तो आध्यात्मिकतामें है भौतिकतामें नहीं और **ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्के** द्वारा प्रतिपादित आगम आध्यात्मिकतासे भरपूर हैं, उस आध्यात्मिकताके प्रसारके लिए ज्ञातपुत्र महावीर जैनसंघानुयायी उग्रविहारी जैन मुनि १०८ श्रीफूलचंद्रजी महाराज की विशुद्ध प्रेरणासे समितिने आगमोंके प्रकाशनका कार्य अपने हाथमें लिया है जिसका प्रथम फल आपके सन्मुख है। ३२ सूत्रोंको 'सुत्तागम' के रूपमें एक ही जिल्दमें देनेकी उत्कट इच्छा होते हुए भी ग्रंथराजका देह-सूत्र बढ़ जानेसे ११ अंगोंका प्रथम अंश अलग बनाना पड़ा। इसके प्रकाशनमें जिन २ महानुभावोंने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूपमें किसी भी प्रकारकी जिनवाणीकी सेवा की है उनका हम हार्दिक आभार मानते हैं, साथ ही सूत्रोंके निकले हुए अलग २ प्रकाशनों पर जिन २ मुनिवरोंने अपनी २ शुभ सम्मतियें भिजवाई हैं हम उनके अनुगृहीत हैं और सहधर्मी महानुभावोंसे निवेदन है कि वे इस पवित्र कार्यमें सहयोग देकर हमारे उत्साह को बढ़ाएं।

सुत्तागमे पर लोकमत

(नं. १) "श्रीपुप्फभिक्खु द्वारा सम्पादित 'आचारांग' का मैंने भली भाँति अवलोकन किया है, धर्मोपदेष्टाजीका यह प्रयास प्रशंसनीय है, संपादन बहुत ही सुंदर बना है, विशेषतः स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए इस शैलीसे अन्य सूत्रोंका भी संपादन हो। मुद्रणकलाकी दृष्टिसे भी रमणीय रहा है, आगमप्रेमी सज्जनगण इस प्रयासमें अधिकसे अधिक सहयोग देकर जिनवाणीका प्रचार करेंगे।"

पूज्य श्रीपृथिवीचंद्रजी महाराज, आगरा (लोहामंडी)

(नं. २) "श्रीधर्मोपदेष्टाजी द्वारा संपादित 'आचारांगसूत्र' मैंने ध्यानपूर्वक देखा है, संपादनकी शैली सुंदर और युगानुकूल है, स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए और साधु-साध्विओंके लिए यह संस्करण बहुत ही उपयुक्त सिद्ध होगा। मुद्रणकलाकी दृष्टिसे भी प्रस्तुत ग्रंथ बड़ा रमणीय दीख पड़ता है, शुद्धिपर काफी ध्यान रक्खा गया है, आचारांग का प्रस्तुत संस्करण समाजमें अधिकाधिक स्थान ग्रहण करे, यही हार्दिक अभिलाषा है, पुस्तक मुझे पसंद है।"

कविरत्न, उपाध्याय श्रीअमरचंदजी महाराज, जैनमुनि
कुंदनभवन ब्यावर

(नं. ३) "यह लघुपुस्तिका लघु होते हुए भी परमोपयोगी है, नित्यपाठ करनेवालोंके लिए यह नित्यकी सहायिका है, इसका प्रकाशन भी बहुत सुंदर हुआ है। इस प्रेमोपहारके लिए **जैनमुनि पं. श्रीहेमचंद्रजी महाराजने** आपका और णायपुत्तमहावीरजइणसंघाणुआई लहुअम पुप्फभिक्खू का शतशः धन्यवाद किया है और हार्दिक कृतज्ञता प्रगट की है, तथा मुनिश्रीको सस्नेह सुखसाता पूछी है।"

समाना मंडी पटियाला (पंजाब)
भगवानदास व्रजलाल जैन बजाज

(नं. ४) "मैंने श्रद्धेय मुनि श्रीफूलचंदजी महाराज द्वारा संपादित आचारांगसूत्रके प्रथमश्रुतस्कंध के मूल संस्करण को देखा, इसे पढ़कर मैं अत्यधिक आनंदित हुआ, इस प्रकार के सुंदर प्रकाशन के लिए मुनिश्री धन्यवाद ।"

श्रीमान् श्रद्धेय प्रवर्तक स्वामीजी
श्री श्री हजारीमलजी म. जैन स्थानक ब्यावर

(नं. ५) "जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी पं. मुनिश्री फूलचंद्रजी महाराज से संपादित होकर प्रकाशित मूल आचारांग सूत्रके प्रथम श्रुतस्कंधको देखकर मुझे वहुतही हर्ष हुआ, इस संस्करणके मूलपाठ वहुत शुद्ध हैं, अपने परिश्रममें मुनिश्री वहुत सफल वने हैं।"

जैन न्याय साहित्यतीर्थ तर्कमनीषी पं. मुनिश्री मिश्रीमलजी म. (मधुकर) प्रेषक धूलचंदजी महता व्यावर

(नं. ६) "सुत्तागमे (आयारे) पुस्तक पहुंच गई, यह उनकी वहुत कृपा है; उनको महाराज साहिव कोटि कोटि धन्यवाद करते हैं और अर्ज़ करते हैं कि और कोई पुस्तक अगर आपने छपवाई हो तो कृपा करके भेजें।"

गणावच्छेदक मुनिश्री रघुवरदयालजी महाराज प्रेषक तेलूराम जैन रईसेआज़म, जालंधर-छावनी (पू. पंजाव)

(नं. ७) "आचारांग सूत्र" जैसी पूर्ण वत्तीसी सूत्ररूपसे निकले, स्वाध्याय करनेवालोंके लिए वड़ी उचकोटीकी वस्तु होगी, ऐसा **श्रीमुनि हीरालालजी म.** ने फर्माया है।"

लालभवन जयपुर

(नं. ८) "तमारा तरफथी सुत्तागमे ए नामनुं पवित्र आगम आचारांगजी नो प्रथम भाग मूळपाठे सम्पादक भिक्खु फूलचंदजी महाराज ! परन्तु [illegible] रवाना करेल ते अमोने गई काले मळ्यो छे अने ते **महाराज श्रीशामजीस्वामी** ने आपेल छे, पुस्तकनी शुद्धि अने सर्वोत्तम जोई महाराजश्री खुब खुशी थया छे।"

डा. मोहनलाल रतनजी [illegible] मांडवी

(नं. ९) जैन जगतके सुप्रसिद्ध पर्य्यटक एवं जैन धर्मोपदेष्टा श्री पुप्फभि॰ द्वारा संपादित सूत्रकृतांगसूत्रका मूलसंस्करण देखकर महती प्रसन्नता हु मूलपाठका शुद्धरूप उत्तम संपादन और नयनाभिराम प्रकाशन, वस्तुतः आ॰ युगमें सर्वतोभावेन आदरणीय है।

स्वाध्याय प्रेमी विद्वानोंके लिए यह प्रयत्न बहुत ही स्तुत्य प्रयत्न है। दिशामें श्रीपुप्फभिक्खूका यह सत्प्रयास चिरस्मरणीय रहेगा। मूल आगमं प्रकाशनकी उनकी योजनाकी मैं हृदयसे सफलता चाहता हूं। सर्वसाध जनताके लिए बड़े काम की वस्तु है।

शंकरलाल वाटिका
१६ मई १९५१
ब्यावर } मुनि 'अमर'

(नोट) आपका पूरा नाम जगद्विख्यात कविरत्न, उपाध्याय, मुनि श्री १०८ श्री अमरचंद्रजी महाराज है।

(नं. १०) श्रीमान् श्रद्धेय मुनिश्री हजारीमलजी महाराज तथा पंडित मुनिश्री मिश्रीमलजी (मधुकर) महाराज की सम्मति

"**आचारांग**" की तरह '**सूत्रकृतांग**' का प्रकाशन भी बहुत सुंदर हुआ है। स्वाध्याय रसिकोंके लिए यह प्रकाशन बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी पंडित मुनिश्री फूलचद (पुप्फभिक्खू) का आगम-साहित्यकी दिशामें यह सत्प्रयत्न हृदयसे अभिनंदनीय है। आशा है जैनसमाज मुनिश्री की इस विराट् आगमसंपादन योजनाका उदार हृदयसे स्वागत करेगा। हम मुनिश्रीके इस स्तुत्य प्रयासकी हार्दिक सफलता चाहते हैं।

प्रेषक श्रीधूलचंदजी महता ब्यावर

(नं. ११) "मैंने पंडितरत्न, मधुर व्याख्याता उग्रविहारी अनथक प्रचारक जैन धर्मोपदेष्टा मुनिश्रीफूलचंदजी महाराज द्वारा संपादित **सूत्रकृतांग** सूत्र [illegible] पुनराकार देखा। संपादकने इसमें पाठोंकी शुद्धि, उपकरणमें हलका [illegible] दृष्टिसे सुंदर व्यवस्थित छपाई आदिका विशेष ध्यान रक्खा

है, अतः स्वाध्याय प्रेमिओंके लिए विशेष उपयोगी है । संपादक शतशः धन्यवादके पात्र हैं, क्योंकि सुत्तागम प्रकाशनरूप जिनवाणीकी अनथक रूपसे आप उपासना कर रहे हैं । मुझे यह भी आशा है कि आगे इसी प्रकार निर्विघ्नतया सेवा करते रहेंगे ।" **मुनि प्रेमचंद, मानसा** (E. P.)

(नं. १२) "श्रीयुत पंडितरत्न, **सुत्तागम** संपादक, जैनधर्मोपदेष्टा, **'पुप्फभिक्खु'** द्वारा संपादित **ठाणांग** सूत्र देखा, जिसमें पाठशुद्धि, भारमें हलका और सुंदर छपाई आदिका ध्यान संपादकका खूब रहा है। इस नई शैलीके प्रकाशनको देखकर प्रत्येक व्यक्ति यह खुले दिलसे कह सकता है कि गागरमें सागरकी उक्ति साफ चरितार्थ है। मुझे पूरा संतोष तब ही होगा जब पूर्ण **आगम बत्तीसी** सुत्तागमरूपेण प्रकाशित होगी। संपादक और सहायक शतशः धन्यवादार्ह हैं।" **निवेदक मुनि प्रेमचंद मानसा** (E. P.)

(नं. १३) श्रीमान् पूज्यवर जैनधर्मोपदेष्टा वीरशासन प्रभाकर विद्यावारिधि, धर्मनायक, पुप्फभिक्खू सादर स्नेहसुधासिक्त अनेक वंदन! और आँग्लभाषा विशारद सुमित्त भिक्खूको सुखशांति पृच्छा । आपश्री का सुत्तागमे सूत्रोंके मूलपाठका संपादनका सुंदर कार्य जैन समाज पर, विशेषकर मुनि और साध्वीवर्ग पर महान उपकारी है। आपने समाजके लिए यह अपूर्व अवसर दिया है। आपका यह मंगलकार्य महान स्तुत्य है। मेरी चिरकालीन अभिलाषा साकार हो उठी। क्योंकि मेरी यह प्रबल इच्छा थी कि जिस प्रकार चार वेद हैं इसी प्रकार हमारे ३२ सूत्रोंका चार भागोंमें प्रकाशन हो । पहला मूळपाठके रूपमें, दूसरा शब्दार्थके रूपमें, तीसरा भावार्थके रूपमें और चौथा संस्कृतच्छाया तथा नई टीकाओंके रूपमें । मूलपाठ सुंदर अक्षरोंमें पुस्तकाकार हो । जैसे कुरान बाइबल ग्रंथसाहब आदि पाए जाते हैं । इसके उपरांत अंग्रेजी, जापानी, चीनी और फ्रेंच आदि पाश्चात्यभाषाओंमें भी अनुवाद हों । आपने तो मेरी सैंकड़ों मीलकी दूर रही भावनाको जानकर यह मंगलकार्य बंबई नगरमें रह कर आरंभ किया है, मुझे तो ठीक यही भास हो उठा है। ठीक भी है क्योंकि मनको मनसे राहत होती है ।

पानीसे पिघला दिया है। कितने ही पशुओंकी बलिवेदीके अड्डोंको उखाड़ फेंका है। हजारों मूक प्राणिओंके प्राणोंको मौतके घाट उतरनेसे बचाया है। धन्य है आपके विश्व वत्सल जीवन को, इस क्रूर हिंसाकी भयावह अंधियारी निशामें आप जैसे भिक्खु ही दयाके प्रकाशमान उडुपति हैं तथा लाइट ऑफ मिनार हैं। आपने अहिंसाके ऊंचे ध्वजको फहराया है यानी देशके बड़े बड़े नगरोंमें दयाधर्मके झंडेको हाथमें लेकर भ्रमण किया है। जैसे कश्मीर, कराची, कलकत्ता, झरिया, कानपुर आदि २ और अबकी बार विभवपूर्ण और सौंदर्य-सम्पन्न कुबेरनगरीके समान बंबई नगरमें जैनधर्मकी विजयपताका लहरा रहे हैं।

इतनी दूर जाकर वीरशासनकी सेवा करना अपनी उपमा आपही है। अस्तु! मेरी तो शासनदेवसे यही प्रार्थना है कि आप दीर्घायु हों! और आपने जो जैनागम प्रचारका शुभसंकल्प किया है इस भगीरथ कार्यमें आपको महान सफलता मिले और तीर्थंकर पदके भागी बनें। यद्यपि आपके पावन दर्शनका अवसर मुझे नहीं मिला तब क्या मैं यह आशा कर सकता हूं कि चतुर्मासके बाद इधर पधार कर दर्शनाभिलाषा पूरी करेंगे? क्योंकि आपके मनोहर और क्रांतिकारी उपदेश सुननेको दिल बहुत चाहता है और जो २ सूत्र प्रकाशित हों उन्हें भिजवानेकी कृपा करें आपकी बड़ी महरबानी होगी। भूलके लिए क्षमा!

प्रेषक
सेक्रेटरी S. S. जैन सभा
सूनक (पेप्सू)

आपका प्यारा दास
मुनि भागचंद

(नं. १४) श्री १००८ श्री गणावच्छेदक श्रीरघुवरदयालजी महाराज के पास अपका भेजा हुआ सूत्रकृतांग सूत्र मिला. "संपादन" सुंदर है। धर्मोपदेष्टा श्रीफूलचंदजी महाराजके परिश्रमका यह फल है। आपकी परिश्रमशीलताको देखकर कौनसा मानव है जो आपकी स्तुति न करे। आप जैन साहित्यका कार्य करके अपने जीवनका चरमलक्ष्य पूरा करेंगे। जिसके लिए आपने कदम उठाया है। महाराज श्री आपको धन्यवाद देते हैं।

निवेदक
५-१०-५१ लाला अछरूमल जैन रईसेआज़म
चौक कसेरान
पटियाला (E. P.)

(नं १५) ता. २०-९-५१ श्रीमान् वावू रामलालजी साहव !

जय जिनेंद्र । आपका इरसाल करदह श्री **आचारांग** सूत्र तथा **सूत्रकृताङ्ग** सूत्र मोसूल हुए। मुलाहिजा **श्री १००८ श्रीवहुसूत्री पंडितरत्न श्रीमुनि नरपतरायजी महाराजने** अत्यन्त प्रसन्नता प्रगट की। नीज़ मुनि श्री फूल-चंद्रजीके इस प्रयासकी अति प्रशंसा करते हैं और फर्माते हैं कि यह कार्य जो उन्होंने आरंभ किया है भगवान् उनको सफलता दे।

संघ सेवक

मदनलाल जैन

फर्म-वंसीलाल वनारसीदास जैन

होशियारपुर E. P.

(नं. १६) **मेवाड़भूषण पूज्य श्री १००८ श्रीमोतीलालजी महाराज** फर्माते हैं कि "आपकी तरफसे **'सुत्तागमे' सूयगडे** नामकी किताव मिली। पूज्यश्रीके नज़र(भेंट)करदी गई। पूज्यश्रीने फर्माया है कि पुस्तक वड़ी ही सराहनीय है। आपने वड़े परिश्रमके साथ आगमोद्धार करना आरंभ किया है। आपको हार्दिक धन्यवाद है।"

कालूराम हरकलाल जैन

कपासन (मेवाड़)

(नं. १७) "आपका भिजवाया हुआ (ठाणांग-समवायांग-मूल सूत्र दो प्रतिएँ) वुक-पोष्ट लाला परसराम जैन खत्री द्वारा हमें प्राप्त हुआ है। एतदर्थ सुमहान धन्यवाद ! ये महान् अनमोल रत्न भिजवाकर हमें कृतार्थ किया है और भविष्यके लिए आशा करते हैं कि इसी प्रकार अन्य अनमोल रत्न भी भिजवाकर अनुगृहीत करते रहेंगे। पुस्तककी छपाई-शुद्धता-सुंदरता-लघुता-आकार-प्रकार सव कुछ वैसा ही है जैसा मैं चाहता था, मानो मेरे विचारोंको समझकर ही आपने प्रकाशित करानेका प्रयत्न किया हो। यह संस्करण स्वाध्यायपरायण लघुविहारी मुनिराजोंके लिए परमोपयोगी है।"

रोपड़ १-९-१९५२ } **भवदीय**
मुनि फूलचंद्र (श्रमण)

(नं. १८) "श्रद्धेय धर्मोपदेष्टाजी जो आगमोंका संशोधित मूलपाठ प्रकाशित करवा रहे हैं इसकी परमावश्यकता थी, इस दिशाकी ओर वहुत कम विद्वान

मुनिओंका ध्यान गया है इस भगीरथ कार्यके लिए श्रीधर्मोपदेष्टाजीका जैनसमाज सदैव ही आभारी रहेगा।"

कविराज श्रीचंदनमुनि,
मु० गीदड़बहा मंडी E. P.

(नं. १९)...**श्री १००८ श्रीरघुवरदयालजी म० ठा० ६** सुखशांतिसे विराजमान है, आपके भेजे दो सूत्र प्राप्त हुए, वे अति सुंदर छपाई सफाई कागजादि सब दृष्टिसे विद्वानोंके लिए महतोपयोगी हैं। आपका कार्य केवल प्रशंसाके योग्य ही नहीं बल्कि आदर्श और आचरणके योग्य है और निःशुल्क भिजवाकर तो अपने समाज पर अपनी अति उदारताका परिचय दिया है अतः इसके लिए कोटि २ धन्यवाद।

ता. १-९-५२ } **मंत्री S. S. जैनसभा. मालेरकोटला. E. P.**

(नं. २०) **श्री आंबाजी स्वामीए** आपने बहुमानथी वंदणा करी सुखशाता पुछावेल छे. आपे भगवती सहित सात सूत्रो छुटक छुटक करी मोकल्या ते माते पुण्यो मल्या छे. ते सहर्ष स्वीकारी लीधा छे। तमो शास्त्रोद्धारनुं काम करी जैनसमाजनी सेवा बजावी रह्या छो. ते घणुं इच्छवा योग्य काम छे. तमोए तथा त्यांनी समितिना कार्यकर्ताओए सूत्रानुवाद गुजराती अने हिंदी तथा काव्योमां बनाववानी भावना प्रदर्शित कीधी छे ए अतिस्तुत्य छे.

पोरबंदर ता० १०-९-१९५२.

(नं. २१) तमारा तरफ थी मागधीभाषामां आपणा शास्त्रनी पुस्तिकाओ मोकली ते मळी छे. 'सुत्तागमे' तेनी बे जुदी २ मळी छे. आप आ ज्ञानोद्धारक शास्त्रोद्धारने माटे कार्य करो छो ते माटे एमना मंत्रीश्रीने खरेखर धन्यवाद छे. ए प्रकाशन जगतउपयोगी छे. ए आपनी परोपकारी भावनाने धन्यवाद घटे छे.

पोरबंदर ता. ३१-८-५२ **मुनिश्री आंबाजी स्वामी**

(नं. २२) जैन मुनि श्रीश्री हजारीमलजी महाराज व पं. मुनिश्री मिश्रीमलजी (मधुकर) महाराज की सम्मति

"स्थानांगसूत्रके दोनों अंश और समवायांगसूत्र हमने पढ़े। आचारांग और सूत्रकृतांगकी तरह ये प्रकाशन भी बहुत सुंदर निकले हैं। इन आगमोंके सम्पादनमें जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी मंत्री मुनि श्रीफूलचंद्रजी महाराजने जो परिश्रम उठाया है वह अत्यन्त प्रशंसाके योग्य है। स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए मुनिश्रीका यह प्रयास बहुत सफल सिद्ध हो रहा है।

भावना तो यह है कि आगेके प्रकाशनभी बहुत शीघ्र हमारे हाथोंमें आजाएँ।"

प्रेपक—गजमल विरधीचंद तातेड़ मु० पो० विजयनगर (अजमेर)

(नं. २३) मुनि श्रीफूलचंद्रजी म. द्वारा संपादित 'सुत्तागम' अंतर्गत आचारांग-सूत्रकृतांग-ठाणायंग और समवायांग पुस्तक नंग ४ भेंट मिलीं। 'सुत्तागमे' की उपरोक्त पुस्तकें स्वाध्याय योग्य होनेसे स्वाध्याय करके अतिप्रमोद प्राप्त हुआ है। जिज्ञासु और स्वाध्याय करनेवालों के लिए यह बहुत उपयोगी साधन है। विजय-डायरी पढ़नेसे मालूम हुआ है कि 'सुत्तागमप्रकाशकसमिति' (गुड़गाँव पंजाब)ने आगमप्रचारविषयक योजना विशाल रक्खी है। यदि सुत्तागमकी तरह सौ १०० भाषाओंमें श्रीश्रमण भगवान महावीरस्वामी द्वारा निर्दिष्ट जगज्जंतुकल्याणक अनेकान्त स्याद्वादगर्भित जैनसिद्धान्त का प्रतिदेश प्रतिप्रान्त और प्रतिघरमें प्रचार हो तो इसके सिवाय दूसरा पुण्यकार्य क्या हो सकता है। यह धर्मप्रचारकी सर्वोपरि योजना है, यह कहते हुए हमें हर्ष होता है। जैनसमाजके श्रीमान् विद्वानोंका और श्रीमान् लक्ष्मीनंदनोंका इसमें पूरा साथ हो तो कार्य जल्दी सुचारुरूपसे हो सकता है अतः दोनों उदार बनें।

जामजोधपुर ता. ३१-८-५२ शुभेच्छुक जैन भिक्खु नन्दुलालजी म०

(नं. २४) आपकी ओरसे सूत्रोंका बुकपोस्ट मिला, **मेवाड़ भूषण. चतुर्भाग्य-विहारसंपन्न श्री १००८ मोतीलालजी म.** की सेवामें प्रस्तुत किया. उन्होंने फर्माया है कि आपको हार्दिक धन्यवाद है, आप बड़े परिश्रमपूर्वक शास्त्रोद्धार कर रहे हैं आपका शास्त्रोद्धार सराहनीय है। ऐसा परिश्रम करके

सूयणा

इक्कारसंगाइमिमाइमम्ह धम्मगुरूण गरिमजियमेरूण साहुकुलचूलामणीण अहिलसग्गुणखणीण चत्तअदत्तकलत्तपुत्तमित्ताण पसंतचित्ताण अग्गिव्व उग्गतवतेयदित्ताण पोम्मं व अलित्ताण पागयजणमुच्छाविहाणनियाणविसयगामविरयाण पंचविहायारनिरइयारचरणनिरयाण भवोयहितारणतरंडाण अण्णाणतमोहपयंडमायंडाण मोहेभनिवारणवरंडाण पासंडिमाणसेलमद्दणवज्जदंडाण वाउरिव अपडिबद्धाण लवसिरिससिद्धाण सम्मअवगयजिणमयसम्मयसुहुमयरवियारसयलभवसिद्धियलोयहिययंगमाण सुसंजयपंचपमियतरलयरकरणतुरंगमाण दुज्जयअणंगमायंगभंगसारंगपुंगवसरिच्छाण अक्कुव्वं सुयणंबुरुहबोहणअण्णाणमोहतिमिरभरहरणधम्मुज्जोयकरणिक्कतल्लिच्छाण दुहतरुउम्मूलणेक्कखरपवणाण चरित्तणाणदंसणफललुद्धमुणिंदसउणमेरुवणाण सारयसलिलं व सुद्धमणाण पाविंधणोहहुयासणाण संसारण्णवमज्जंतजीवमणतारणसमत्थबोहित्थाण अहिव्व धीरिमापडिहत्थाण जिणपवयणगयणनिसायराण मेराणाणचरणाइनिम्मलगुणरयणरयणायराण नियसुद्धुवएसदेसणाणिण्णासियभव्वजन्तुजायजीवियभूयसम्मदंसणणासणपच्चलमिच्छादंसणुग्गगरलाण दुज्जणदुव्वयणपवणवाए वि अतरलाण विसयसुहनिप्पिवासाण मुक्कगिहवासपासाण दूरपरिचत्तविइगिच्छाअरइरइभीइहासाण मित्तसत्तुजणजुम्मसमाणमणोविलासाण नवविहबंभचेरगुत्तिसम्मसंरक्खणेक्कपरायणाण दुक्कम्मदइच्चनिवहविद्धंसणनारायणाण **सुत्तत्थवित्थारयाण** जिणधम्मपसारयाण मरालुव्व परगुणखीरगहणदोसंबुविवज्जणवियक्खणाण कयछक्कायरक्खणाण खं व अणप्पकुवियप्पसंकप्पसुण्णाण खंतिमुत्तिअज्जवमद्दवलाघवाइपुण्णाण धरामंडलव्व सव्वसहाण भवदुक्खायवसंतत्तपंथिसंतिदायगदहाण चंदणवणं व सुसीयलाण जसच्छाइयधरणीयलाण कंदप्पदप्पदलणिक्कमल्लाण नीसल्लाण नियनिरुवमवयणकलारंजियसयललोगाण सव्वहा निम्ममयाए निरासीकयसोगाण आइच्चुव्व तेयसा फुरंताण धम्मुव्व मुत्तिमंताण जियतिजयदप्पकंदप्पमत्तगयवियडकुंभयडदलणसीहाण निरीहाण जिणगणहरसमणुचिण्णसम्ममग्गाणुयाइण निहिलागमपारयाइण परजियपियहियमियफुडभासीण सयलगुणरासीण माणावमाणपसंसणिंदणलाहालाहसुहदुहसमाणमणसाण अंसुमालिव्व फेडियदुम्मइतमसाण संतिमुत्तिणिसियकित्तीण जीवुव्व अप्पडिहयगईण जिणपवयणाणुसारमईण अमयनिग्गसुव्व सोमसहावाण महापहावाण पंचाणणुव्व दुप्पधंसणिज्जाण सयलजणाभिगमणिज्जाण सासणपभावगाण जीवे सम्मग्गे ठावगाण जम्मजरमरणकल्लोलल्लोलजलपज्जपुण्ण-

प्रस्तावना

इस अनादि अनंत संसारमें आत्माने अनन्त वार जन्म मरण किए हैं परन्तु अपने स्वरूपको भूलकर विभाव-परपरिणतिमें रच पचकर कर्मवश होकर अनन्तानन्त दुःख सहन करता रहा है। यद्यपि सुखको पानेके लिए अनेक प्रकारके पापड़ बेलता है लेकिन अवतक उसे वह सच्चा और टिकाऊ सुख नहीं मिल सका है कि जिसके द्वारा संसृतिके सब दुःखोंसे नितान्त छुटकारा पालेता, परन्तु धर्म पुरुषार्थके विना वह सुख कहां? **'धर्मात्सुखं'** धर्मसे सुख मिलता है, सुखके पानेमें धर्म कारणभूत है, तव कारणके विना कार्य कैसे संपन्न हो सकता है। साथ ही यह भी स्मरण रहे कि धर्मपुरुषार्थ ही मोक्षका वास्तविक मार्ग है जिसके मुख्य तीन प्रकार सर्वज्ञों द्वारा प्रतिपादित हैं, वे हैं सम्यग्ज्ञान, सम्यग्दर्शन और सम्यक्चरित्र। शरीर और मनके दुःखोंसे छुटकारा दिलाने वाला यही रत्नत्रय समर्थ साधन है। इस रत्नत्रयमें 'पढमं नाणं तओ दया'के अनुसार सम्यग्ज्ञानकी प्रधानता है। मोहरूपी महा अंधकारके समूहको नष्ट करनेमें ज्ञान सूर्यके समान है। इष्ट वस्तुको प्राप्त करानेमें ज्ञान कल्पवृक्ष है। दुर्जेय कर्मरूपी हाथीको पछाड़नेमें ज्ञान सिंह जैसा है। ज्ञानके अभावमें मुँहपर दो आंखें होनेपर भी वह अन्धेके सदृश है। ज्ञानके भी पांच प्रकार हैं जिनमें 'श्रुतज्ञान' बड़े ही महत्वकी वस्तु और परोपकारी है। केवली भगवान्का केवलज्ञान उनके स्वयंके लिए लाभ दायक है औरोंके लिए नहीं वे भी श्रुतज्ञानके द्वारा ही जगत्के असंख्य भव्यजीवोंको प्रतिबोध देकर महान् उपकार करते हैं। लेकिन श्रुतज्ञानकी भी दो वीथियाँ हैं जिन्हें सम्यक्श्रुत और मिथ्याश्रुत कहते हैं। सम्यक्श्रुतके भी अनेक भेद हैं जिनमें वर्तमान समयमें केवल ३२ आगम ही उपलब्ध हैं और जो १४ पूर्वांग श्रुतज्ञान महान् समुद्रके समान था उसका काल दोषसे इस समय विच्छेद हो चुका है। यह हमारे मंदभाग्य ही का कारण है, तो भी ये वार्तमानिक आगम आजके सत्साहित्यके मूल स्रोतके समान हैं। इन्हीं स्रोतों द्वारा हमारा साहित्य अमर विभूति प्राप्त है। साहित्य वह वस्तु है जो प्रत्येक धर्म और राष्ट्रका प्राणभूत होता है। जिसका अपना निजीसाहित्य न हो वह धर्म मृतकके समान है।

जैनसाहित्यमें आगमोंका स्थान—यों तो जैनसाहित्य अन्य साहित्योंकी अपेक्षा अत्यन्त विशाल है। कोई ऐसा विषय नहीं है जिसपर जैनसाहित्यकों की लेखनी न उठी हो, परन्तु उसमें भी आगमोंका स्थान सर्वोच्च है। या यों कहिए

न कर सकनेके कारण उन्हें भूल से गए। उसके वाद पाटलीपुत्रमें संघ एकत्र हुआ और जिसे जितना याद था सुनकर ११ अंगोंका संकलन किया गया[1] अर्धमागधीमें मगधके आसपासके प्रदेशोंकी भाषाओंकी अपेक्षा दूरस्थ महाराष्ट्रकी भाषाका जो अधिक साम्य देखा जाता है उसका कारण भी यही है। इतिहास द्वारा यह भी सिद्ध है कि पुराने समयमें जैनधर्मका दक्षिणमें भली भांति प्रचार हुआ था, तव यह अनुमान असंगत नहीं हो सकता कि दुर्भिक्षकालमें मुनिवर्ग दक्षिणमें न गया हो, तद्देशीय भाषाज्ञानके विना प्रचार सम्यक्तया नहीं हो सकता, अतः उसका प्रभाव कंठस्थ आगमोंकी भाषा पर भी पड़ा, इसके द्वारा प्रभावित वहुतसे मुनि पूर्वोक्त सम्मेलनमें पधारे, इसलिए अंगोंके संकलनमें भी इसका थोड़ा वहुत असर पड़ा। उससे लगभग ८०० वर्ष वाद थोड़े २ अंतरसे मथुरा और वल्लभीमें आगमोंको पुस्तकारूढ़ करनेके लिए साधुसम्मेलन हुए, जिनमें सव प्रान्तोंसे मुनि आए, जिनके मुखस्थ सूत्रोंपर तत्तत्प्रदेशोंमें वहुत समय तक विचरनेसे उस देशकी भाषा, उच्चारण आर व्याकरणका कुछ न कुछ प्रभाव अंकित था। यही कारण है कि अंगोंमें एक ही अंगके भिन्न २ भागोंमें और कहीं २ एक ही वाक्यमें भाषाभेद दृष्टिगोचर होता है। इस प्रकार भाषापरिवर्तनके वहुतसे कारणोंके उपस्थित होनेपर भी पाटलीपुत्रके सम्मेलनके वाद विल्कुल अथवा अधिक परिवर्तन न होकर मात्र थोड़ा वहुत भाषा-भेद ही हुआ और अर्धमागधीके सैंकड़ों प्राचीन रूप अपने स्वरूपमें सुरक्षित रह सके, इसका श्रेय अशुद्ध उच्चारणके लिए पापवंधके धार्मिक नियमको है जो कि सम्मेलनके पीछे और भी मज़वूत किया गया। वर्तमान आगमोंमें कहीं २ जो पाठ-भेद मिलते हैं उनका कारण उपरोक्त वाचनाएँ हैं। समवायांग औपपातिक [2]व्याख्याप्रज्ञप्ति और [3]प्रज्ञापनासूत्र तथा [4]वहुतसे प्राचीन ग्रंथोंमें जिसे अर्धमागधी कहा

---

१ देखो स्थविरावलिचरित्र सर्ग ९ श्लो. ५५ से ५८ तक। २ देवा णं भंते! कयराए भासाए भासंति? कयरा वा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सति? गोयमा! देवा णं अद्धमागहाए भासाए भासंति, सा वि य णं अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सति। ३ से किं तं भासारिया? भासारिया जे णं अद्धमागहाए भासाए भासंति। ४! आरिसवयणे सिद्धं, देवाणं अद्धमागहा वाणी। (काव्यालंकारकी नमिसाधु कृत टीका २, १२) !! सर्वार्धमागधीं सर्वभाषासु परिणामिनीम्। सर्वेषां सर्वतो वाचं, सार्वज्ञीं प्रणिदध्महे॥ (वाग्भट्टकाव्यानुशासन पृ० २) !!! अकृत्रिमस्वादुपदां, परमार्थाभिधायिनीम्। सर्वभाषापरिणतां, जैनीं वाचमुपास्महे॥ (स्वोपज्ञ काव्यानुशासन, हेमचंद्राचार्य)

(८) दो स्वरोंके बीचके 'व' के स्थानमें 'व' 'त' और 'य' होते हैं, जैसे गौरव=गारव; 'त' कवि=कति; 'य' परिवर्तना=परियट्टणा इत्यादि।

(९) महाराष्ट्रीमें स्वरोंके मध्यवर्ती असंयुक्त 'क-ग-च-ज-त-द-प-य-व' का प्रायः सर्वत्र लोप होता है और कई व्याकरणोंके अनुसार इनके स्थानमें कोई अन्य वर्ण नहीं होता। हेमचंद्राचार्यके प्राकृतव्याकरणानुसार उक्त लुप्तव्यंजनोंके दोनों ओर 'अ' या 'आ' होनेपर उनके स्थानमें 'य' होता है, किन्तु जैन अर्धमागधीमें जैसा कि ऊपरके नियमोंसे घटित है, प्रायः उनके स्थानमें अन्य व्यंजन होते हैं, और कहीं २ तो वही कायम रहता है। कहीं २ दोनों बातें न होकर महाराष्ट्रीकी तरह लोप भी होता है परन्तु वहीं जहां उक्त व्यंजनोंके बाद अवर्णसे भिन्न कोई स्वर हो। जैसे–आतुर=आउर, लोकः=लोओ प्रभृति।

(१०) शब्दके आदि मध्य और संयोगमें सर्वत्र 'ण' की तरह 'न' भी होता है। जैसे–ज्ञातपुत्र=नायपुत्त; अनल=अनल; अन्योन्य=अन्नमन्न; सर्वज्ञ=सव्वन्नु इत्यादि।

(११) एव से पूर्वके 'अम्' के स्थानमें 'आम्' होता है, जैसे यामेव=जामेव; क्षिप्रमेव=खिप्पामेव; एवमेव=एवामेव वगैरह।

(१२) दीर्घ स्वरके बादके 'इति वा' के स्थानमें 'ति वा' और 'इ वा' होता है, जैसे–इन्द्रमह इति वा–इंदमहे ति वा–इंदमहे इ वा इत्यादि।

(१३) 'यथा' और 'यावत्' शब्दके 'य' का लोप और 'ज' दोनों ही देखे जाते हैं जैसे–यथाख्यात=अहक्खाय; यथानामक=जहानामए; यावत्कथा=आवकहा; यावज्जीव=जावज्जीव।

वर्णागम—अर्धमागधीमें गद्यमें भी अनेक जगह पर समासके उत्तर शब्दके पहले 'म्' का आगम होता है, जैसे–अजहन्नमणुक्कोस, अदुक्खमसुहा, गोणमाइ, णिरयंगामी, सामाइयमाइयाइं, उड्ढंगारव आदि। महाराष्ट्रीमें पद्यमें ही पादपूर्तिके लिए कहीं २ 'म्' का आगम देखा जाता है गद्यमें नहीं।

शब्दभेद—(१) अर्धमागधीमें ऐसे बहुतसे शब्द हैं जिनका प्रयोग महाराष्ट्रीमें प्रायः उपलब्ध नहीं होता, जैसे–अज्झत्थिय, अज्झोववन्न, अणुवीति, आघवणा, आघवेत्तग, आणापाणु, आवीकम्म, कण्हुइ, केमहालए, दुरुढ, पच्चत्थिमिल्ल, पाउकुव्वं, पुरत्थिमिल्ल, पोरेवच्च, महतिमहालिया, वक्क, विउस इत्यादि।

(२) ऐसे शब्द भी प्रचुर संख्यामें पाए जाते हैं जिनके रूप अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमें भिन्न २ प्रकारके होते हैं। जैसे कि–

अर्धमागधी	महाराष्ट्री	अर्धमागधी	महाराष्ट्री
अभियागम	अब्भाअम	नितिय	णिच्च
आउंटण	आउंचण	निएय	णिअअ
आहरण	उआहरण	पडुप्पन्न	पच्चुप्पन्न
उप्पिं	उवरिं–अवरिं	पच्छेकम्म	पच्छाकम्म
किया	किरिआ	पाय (पात्र)	पत्त
कीस-केस	केरिस	पुढो (पृथक्)	पुहं-पिहं
केवच्चिर	किअच्चिर	पुरेकम्म	पुराकम्म
गेहि	गिद्धि	पुव्विं	पुव्वं
चियत्त	चइअ	माय (मात्र)	मत्त–मेत्त
छच्च	छक्क	माहण	वम्हण
जाया	जत्ता	मिलक्खु-मेच्छ	मिलिच्छ
णिगण-णिगिण(नग्न)	णग्ग	वग्गू	वाआ
णिगिणिण (नाग्न्य)	णग्गत्तण	वाहणा (उपानह्)	उवाणआ
तच्च (तृतीय)	तइअ	सहेज्ज	सहाअ
तच्च (तथ्य)	तच्छ	सीआण-सुसाण	मसाण
तेगिच्छा	चिइच्छा	सुमिण	सिमिण
दुवालसंग	वारसंग	सुहम-सुहुम	सण्ह
दोच्च	दुइअ	सोहि	सुद्धि

और दुवालस, तेरस, अउणवीसइ, वत्तीस, पणतीस, इगयाल, तेयालीस, पणयाल, अढयाल, एगट्ठि, वावट्ठि, तेवट्ठि, छावट्ठि, अडसट्ठि, अउणत्तरि, वावत्तरि, पण्णत्तरि, सत्तहत्तरि, तेयासी, छलसीइ, वाणउइ **प्रभृति संख्या शब्दोंके रूप जैसे अर्धमागधीमें पाए जाते हैं वैसे महाराष्ट्रीमें नहीं ।**

नामविभक्ति–(१) अर्धमागधीमें पुलिंग अकारांत शब्दके प्रथमाके एकवचनमें प्रायः सर्वत्र 'ए' और क्वचित् 'ओ' होता है जब कि महाराष्ट्रीमें केवल 'ओ' ही होता है ।

(२) सप्तमीका एक वचन 'स्सिं' होता है किन्तु महाराष्ट्रीमें 'म्मि' ।

(३) चतुर्थीके एकवचनमें 'आए' या 'आते' होता है, जैसे-अट्ठाए, गमणाए, देवाए, सवणयाए, अहिताते इत्यादि । महाराष्ट्रीमें ऐसा नहीं ।

(४) अनेक शब्दोंके तृतीयाके एकवचनमें 'सा' होता है, जैसे-मणसा,

वयसा, कायसा, जोगसा, वलसा, चक्खुसा । महाराष्ट्रीमें अनुक्रमसे इनके स्थानमें मणेण, वएण, काएण, जोगेण, वलेण, चक्खुणा होते हैं ।

(५) 'कम्म' और 'धम्म' शब्दके तृतीयाके एकवचनमें 'कम्मुणा' और 'धम्मुणा' होता है, जिसका अनुकरण पाली भाषा भी करती है, जबकि महाराष्ट्रीमें 'कम्मेण' और 'धम्मेण' होता है ।

(६) अर्धमागधीमें 'तत्' शब्दके पंचमीके वहुवचनमें 'तेब्भो' रूप भी देखा जाता है, जब कि महाराष्ट्रीमें इसका 'अदर्शनं लोपः' है ।

(७) 'युष्मत्' शब्दका षष्ठीका एकवचन 'तव' और 'अस्मत्' का षष्ठीका वहुवचन 'अस्माकम्' जिसका अनुकरण संस्कृतभाषा भी करती है, अर्धमागधीमें है महाराष्ट्रीमें नहीं ।

आख्यात-विभक्ति—अर्धमागधीमें भूतकालके बहुवचनमें 'इंसु' प्रत्ययका प्रयोग होता है, जैसे 'आभासिंसु' 'गच्छिंसु' 'पुच्छिंसु' आदि । महाराष्ट्रीमें यह प्रयोग लुप्त है ।

धातुरूप—अर्धमागधीमें अकासी-अब्बवी-आइक्खइ-आघं-आहंसु-कुव्वइ-घेच्छिइ-तिउट्टई-तिउट्टिज्जा-तिवायए-दुरुहइ-पडिसंधयाति-पहारेत्था-भूया-भुविं-विगिंचए-समुच्छिहिंति-सारयती-हुत्था-होक्खती-होत्था-प्रभृति प्रभूत प्रयोगोंमें धातुकी प्रकृति प्रत्यय अथवा दोनों जिन आकारमें पाए जाते हैं महाराष्ट्रीमें वे अलग २ प्रकारके देखे जाते हैं ।

तद्धित

(१) अर्धमागधीमें 'तर' प्रत्ययका 'तराय' रूप होता है, जैसे-अणिट्ठतराए, अप्पतराए, वहुतराए, कंततराए इत्यादि ।

(२) आउसो, आउसंतो, गोमी, वुसिमं, भगवंतो, पुरत्थिम, पच्चत्थिम, ओयंसि, दोसिणो, पोरेवच्च आदि प्रयोगोंमें 'मतुप्' और अन्य तद्धित प्रत्ययोंके जैसे रूप जैन अर्धमागधीमें देखे जाते हैं महाराष्ट्रीमें वे भिन्न प्रकारके होते हैं ।

महाराष्ट्री और अर्धमागधीमें इनके अतिरिक्त वहुतसे सूक्ष्म भेद हैं जिनका उल्लेख लेखका देहसूत्र बढ़नेके भयसे नहीं किया ।

आगमोद्धार

जैसाकि हम ऊपर आगमोंके इतिहास प्रकरणमें लिख चुके हैं स्थानकवासी समाजमें उत्तरोत्तर वृद्धि होती चली गई, अतः ज्ञानमें वृद्धि होनी ही थी । सबसे पहले श्रीधर्मशी स्वामीने मूलसूत्रोंपर 'टब्बे' लिखे, जो कि साधारण अभ्यासीके लिए अत्यंत उपयोगी हैं । क्या ही अच्छा होता यदि उन्हें प्रकाशित किया जाता । इसके वाद पूज्य श्रीअमोलक ऋषिजी म० ने वत्तीसों सूत्रोंका अनुवाद किया । जिसका प्रकाशन हज़ारों रुपया व्यय करके श्रीमान् राजा वहादुर शेठ दानवीर सुखदेवसहाय ज्वालाप्रसाद जौहरीने किया, इसके लिए वे अधिकाधिक धन्यवादके पात्र हैं । लेकिन पाठोंकी अशुद्धि, कागज़की खराबी और मिश्रित हिन्दी होनेके कारण समाजको इतना लाभ न मिल सका जितना मिलना चाहिए था । इसके अनन्तर जैनाचार्य पूज्य श्रीआत्मारामजी महाराज और पूज्य श्री-हस्तीमलजी म० ने भी कई सूत्रोंके अनुवाद किए और घासीलालमुनि भी कर रहे हैं ।

इसके अतिरिक्त रायवहादुर धनपतसिंह (मकसूदावादवाले) और आगमोदय-समिति आदिने भी आगमोंका प्रकाशन किया है पर वे भी अशुद्धियोंसे खाली नहीं । कई प्राध्यापकों ने भी इंग्लिश अनुवाद सहित कुछ सूत्र प्रकाशित किए, परंतु अतिसंक्षिप्त और महाराष्ट्री प्रधान होनेके कारण स्वाध्यायी के लिए अधिक उपयोगी नहीं ।

सूत्रागमप्रकाशकसमिति

वैदिक प्रेस अजमेरकी छपी हुई चारों मूल वेदोंकी पुस्तक एक किसानने गुरु महाराजकी सेवामें पेश की और पूछा कि आपके आगम भी एक जिल्दमें मिल

सकते है, गुरु महाराज क्या उत्तर देते? अतः उन्होंने गुर्जरात स्थानकवासी जैन संघको प्रेरणा दी और श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमितिकी स्थापना हुई। जिसका विस्तृत वर्णन 'विजय डायरी', 'मोहन डायरी', 'सामायिकसूत्र' हिन्दी 'शांति प्रकाश' और 'नेमराजुल बारहमासा' गुजरातीमें पढ़ सकते हैं। विस्तारभयसे उसका उल्लेख यहां नहीं किया गया। **सूत्रागमप्रकाशकसमितिका पहला ध्येय** ३२ आगमोंको आगमत्रयकी पद्धतिसे प्रकाशित करना है।

मूलसूत्रोंका प्रकाशन

मूलसूत्रोंका प्रकाशन छुटक २ कई संस्थाओंने किया है परन्तु पूरे सूत्र किसीने अब तक मूल रूपमें प्रकाशित नहीं किए। आज तक उत्तराध्ययन-दशवैकालिक-सुखविपाक-नंदी बहुतसे और सूयगडांग-आचारांग-अनुयोगद्वार न्यून संख्यामें मूलरूपमें छपे हैं। परन्तु अनुक्रमसे सबके सब आगम नहीं। सूत्रागमप्रकाशक-समितिकी योजना बत्तीसों सूत्रोंको **'सुत्तागमे'** के रूपमें एकही पुस्तकमें प्रकाशित करनेकी थी, परन्तु ग्रन्थकी देहयष्टी बहुत बढ़ जानेसे वैसा न हो सका। इसलिए ११ अंगोंका प्रथम खंड बनाना पड़ा जिसमें लगभग १४०० पृष्ठोंमें ३५००० श्लोक हैं यह जानकर किसे प्रसन्नता न होगी।

आगमोंमें ११ अंगोंका महत्व—यों तो सारे ही आगम अत्यन्त उप-योगी और ज्ञानके अगाध समुद्र रूप हैं, परन्तु उनमें भी ११ अंगोंका अनोखा स्थान है। **आचारांगमें** साधु-साध्वियोंके आचार, भगवान् महावीरकी परिषह-सहिष्णुता, एषणा, पांच महाव्रतोंकी २५ भावना आदिका वर्णन है। जो **'आचारः प्रथमो धर्मः'** की उक्तिको चरितार्थ करता है। **सूत्रकृतांगमें** अन्यमतोंका दिग्दर्शन, उनका खंडन और स्वसमयका मंडन किया गया है। **स्थानांगसूत्रमें** १ से लेकर १० पर्यंत संख्याकी वस्तुओंका वर्णन है। विशेष नौवें ठाणेमें श्रेणिक राजाके आगामी भव पर प्रकाश डाला है। **समवायांगसूत्रमें** १ से लगाकर कोडाकोडी संख्यातकके विषय वर्णित हैं। इसके अतिरिक्त द्वादशांगी स्वरूप भूत-भविष्यत्-वर्तमान त्रिषष्ठिशलाका पुरुषोंके माता पिताओंके नाम एवं उनके नाम, पूर्वभव और आगामी भवके नामोंका वर्णन है। ठाणांग और समवायांगकी यही विशेषता है कि कोई भी विषय इनसे अछूता नहीं। **भगवतीमें** भगवान् गौतम द्वारा पूछे गए ३६००० प्रश्नोंके उत्तर हैं। इसके अंतर्गत रोहा अणगार, स्कंदक, तामली तापस, शिवराजर्षि, महाबल, ऋषभदत्त-देवानंदा, जमालि, गांगेय अणगार, अतिमुक्तकुमारश्रमण, गोशालक, उदायन, मृगावती, जयंती

श्राविका, सोमिल ब्राह्मण आदिके चरित्र भी हैं । **ज्ञाताधर्मकथांगमें** प्रथम-श्रुतस्कंधमें १९ कथाएं उपनय सहित हैं। जो कि रोचक होनेके साथ २ बोधप्रद भी हैं, मेघकुमारकी यावत् कंडरीक-पुंडरीककी । दूसरे श्रुतस्कंधमें शिथिलाचार द्वारा होनेवाले दोषोंका दिग्दर्शन करानेवाली कथाएँ हैं । **उपासकदशांगमें** ज्ञातपुत्र महावीर भगवान् के १० मुख्य श्रावकोंका वर्णन है । उनमें भी आनंद और कामदेव का मुख्य स्थान है। **अंतकृद्दशांगमें** उन ९० महापुरुषोंका चरित्र है जिन्होंने कर्मोंका निकंदन करके मोक्ष प्राप्त किया है । इसमें गजसुकुमाल, पद्मावती राणी, अर्जुन माली, अयवन्ताकुमारकी कथाएँ विशेष उल्लेखनीय हैं । **अनुत्तरोपपातिकसूत्रमें** अनुत्तरविमानमें उत्पन्न होनेवाले महापुरुषोंका वर्णन है । जिसमें महातपोधन धन्ना अणगार का वर्णन मुख्य है । **प्रश्न-व्याकरणमें** आस्रवद्वारमें हिंसा-असत्य-स्तेय-अब्रह्म और परिग्रह इन पांचोंका स्वरूप समझाया है । इनके कर्ताओं और इनके फलका वर्णन भी है । संवरद्वारमें अहिंसा-सत्य-अचौर्य-ब्रह्मचर्य-अपरिग्रह, उनका फल और साथ ही उनकी भावनाएँ वर्णित हैं । **विपाकसूत्रके** प्रथम श्रुतस्कंधमें १० जीवोंका वर्णन है । जिन्होंने असीम पाप करके महान् कष्ट उठाए, मृगापुत्रका यावत् अंजूका । दूसरे श्रुतस्कंधमें उन १० जीवोंका वर्णन है जिन्होंने सुपात्र दान देकर सुख प्राप्त किया । सुबाहुकुमारका यावत् वरदत्तकुमारका ।

इन ११ अंगोंमें धर्मकथानुयोग (प्रथमानुयोग) गणितानुयोग, द्रव्यानुयोग और चरणकरणानुयोगके प्रायः सभी विषय वर्णित हैं । इनका अध्ययन-चिन्तन-मनन करके अनेक भव्य आत्माओंने उत्तरोत्तर संसारका अन्त करके मुक्तिको पाया है । इनकी अधिक महत्ता बताना सूर्यको दीपक दिखानेके समान है । ये सुभाषितोंके महाभंडार हैं ।

प्रस्तुत प्रकाशनकी विशेषता–(१) पाठशुद्धिका पूरा २ खयाल रक्खा गया है ।

(२) इसके संपादनमें शुद्ध प्रतियोंका उपयोग किया है ।

(३) संक्षिप्त अर्धमागधी व्याकरण भी दिया गया है ताकि समझनेमें सरलता हो सके ।

(४) पाठान्तर नवीन पद्धतिसे दिए हैं ।

कार्यविवरण–इसका आरंभ पूना चातुर्माससें हुआ । वहां केवल आचा-

रांग का प्रथम श्रुतस्कंध ही अलग रूपमें प्रगट हो सका जो कि बहुतसे साधु-साध्वियोंके करकमलोंमें पहुँचाया गया। इसके अनन्तर गुरुदेव घोड़नदी अहमद-नगर आदि क्षेत्रोंमें विचरते हुए नासिक पधारे। वहां तक केवल स्थानांगसूत्र तक छप सका। तदनन्तर घाटकोपर चातुर्मासमें समवायांग और भगवतीसूत्र तैयार हुए। पूर्वोक्त सूत्र भी कई साधु-साध्वियोंके पास पहुँचाए गए। शुद्धपाठका निर्णय करनेमें काफ़ी से ज्यादह परिश्रम उठाना पड़ा है। इसके बाद सादड़ी सम्मेलनमें जाना पड़ा। अतः लगभग पांच मास तक कार्य बंद रहा। **दोंडायचा** चतुर्मासमें फिर कार्य आरंभ हुआ। जहां से लगभग १००० सूत्र साधु-साध्वियोंके हाथोंमें पहुँचाए गए। शनैः २ कार्य चलता रहा और **सिरपुर** में ११ अंगोंके कार्यकी पूर्णाहुति हुई।

स्पष्टीकरण-(१) जिनका ११ अंगोंमें वर्णन है उन्होंने भी ११ अंगोंका अध्ययन किया, इसका कारण यह कि इनके प्रणेता श्रीसुधर्मा स्वामी हैं। भगवान् महावीरके पश्चात् वे ही पट्टपर आए, और शासनकी बागडोर संभाली। जैसे अनुत्तरोपपातिकसूत्रमें धन्ना अणगारका वर्णन है। कई प्रतियोंके आरंभमें पाठ मिलता है···**सेणिओ राया**···लेकिन श्रेणिक तो पहले ही मर चुके थे। अतः वह पाठ अशुद्ध है ऐसा जानना चाहिए।

(२) शब्दकोष गाथाबद्ध सानुवाद तैयार किया जा रहा है, अतः शब्दकोष नहीं दिया गया।

(३) अन्य उपयुक्त विषय जो कि ग्रंथके देहसूत्र बढ़ जानेके कारण नहीं दिए जा सके, वे अन्य पुस्तकमें दिए जायंगे।

जिणचंदभिक्खू

शांतिभवन
अंबरनाथ C. R.

ता० ७-२-१९५३

संक्षिप्त-अर्धमागधी-व्याकरण

स्वरोंका प्रयोग

(१) अर्धमागधीमें 'ऋ' 'ऌ' 'ऐ' 'औ' का प्रयोग नहीं होता।

(२) संयुक्त व्यंजनसे पूर्वके दीर्घ स्वरके स्थानमें ह्रस्वका प्रयोग होता है, जैसे-आम्र=अंब इत्यादि।

(३) 'ऋ' के स्थानमें 'अ' और कहीं २ 'इ' 'उ' और 'रि' भी होता है। जैसे-घृत=घय; कृपा=किवा; स्पृष्ट=पुट्ठ; ऋद्धि=रिद्धि।

(४) 'ऌ' के स्थानमें 'इलि' होता है, जैसे-कॢप्त=किलित्त।

(५) संयुक्त व्यंजनसे पूर्वके 'इ' और 'उ' के स्थानमें 'ए' और 'ओ' का प्रयोग प्रायः होता है, जैसे-बिल्व=बेल्ल; पुष्करिणी=पोक्खरिणी।

(६) 'ऐ' और 'औ' के स्थानमें 'ए' 'अइ' और 'ओ' 'अउ' होता है, जैसे-वैद्य=वेज्ज; वैशाख=वइसाह; यौवन=जोव्वण; पौर=पउर; विशेष-सौन्दर्यम्=सुंदेरं; दौवारिकः=दुवारिओ; गौरवम्=गारवं-गउरवं; नौ=नावा इत्यादि।

व्यंजनोंका प्रयोग-(१) 'म्ह' 'ण्ह' और 'ल्ह' के अतिरिक्त विजातीय संयुक्त व्यंजन प्रयुक्त नहीं होते, जैसे-पक्व=पक्क।

(२) स्वर रहित केवल व्यंजनका प्रयोग नहीं होता, जैसे-राजन्=राय; तमस्=तम।

संयुक्त व्यंजनोंमें परिवर्तन-(१) क्त-क्य-क्र-क्ल-क्व-त्क-र्क-ल्क-के स्थानमें 'क्क' होता है। जैसे-मुक्त=मुक्क; शाक्य=सक्क; शक्र=सक्क; विक्लव=विक्कव; पक्व=पक्क; उत्कंठा=उक्कंठा; अर्क=अक्क; वल्कल=वक्कल।

(२) ख-क्ष-ख्य-क्ष्य-त्क्ष-त्ख-ष्क-स्क-स्ख-के स्थानमें 'क्ख' होता है। जैसे-दुःख=दुक्ख; मक्षिका=मक्खिया; मुख्य=मुक्ख; भक्ष्य=भक्ख; उत्क्षिप्त=उक्खित्त; उत्खात=उक्खाय; पुष्कर=पोक्खर; प्रस्कंदन=पक्खंदण; प्रस्खलित=पक्खलिय।

(३) ग्न-ग्म-ग्य-ग्र-ङ्ग-द्ग-र्ग-ल्ग-के स्थानमें 'ग्ग' होता है। जैसे-संविग्न=संविग्ग; युग्म=जुग्ग; आरोग्य=आरोग्ग; समग्र=समग्ग; खङ्ग=खग्ग; मुद्ग=मुग्ग; मार्ग=मग्ग; वल्ग=वग्ग।

(४) घ्न-घ्र-द्घ-र्घ-के स्थानमें 'ग्घ' होता है। जैसे-कृतघ्न=कयग्घ; शीघ्र=सिग्घ; उद्घाटन=उग्घाडण; दीर्घ=दिग्घ।

(५) च्य-त्य-त्व-थ्य-र्च-के स्थानमें 'च्च' होता है। जैसे-वाच्य=वच्च; अपत्य=अवच्च; कृत्वा=किच्चा; तथ्य=तच्च; वर्च=वच्च।

(६) थ्य-क्ष-क्ष्म-कृ-त्स-त्स्य-थ्य-प्स-च्छ-श्च-स्त-के स्थानमें 'च्छ' होता है। जैसे-दक्ष=दच्छ; लक्ष्मी=लच्छी; कृच्छ्र=किच्छ; वत्सल=वच्छल; मत्स्य=मच्छ; नेपथ्य=नेवच्छ; अप्सरा=अच्छरा; मूर्च्छा=मुच्छा; पश्चात=पच्छा; विस्तीर्ण=विच्छिन्न।

(७) ज्य-ज्र-ज्व-द्य-द्व-ब्ज-य्य-र्य-र्ज-र्ज्य-के स्थानमें 'ज्ज' होता है, जैसे-विभाज्य=विभज्ज; वज्र=वज्ज; प्रज्वलित=पज्जलिय; अनवद्य=अणवज्ज; विद्वान=विज्ज; अब्ज=अज्ज; शय्या=सिज्जा; आर्या=अज्जा; नर्जनी=तज्जणी; वर्ज्य=वज्ज।

(८) ध्य-ध्व-ह्य-के स्थानमें 'ज्झ' होता है, जैसे-उपाध्याय=उवज्झाय; बुध्वा=बुज्झा; ग्राह्य=गेज्झ।

(९) र्त-त्त-र्त्त-के स्थानमें 'ट्ट' होता है। जैसे-वर्ता=वट्टी; पत्तन=पट्टण; नर्तक=नट्टग।

(१०) ष्ट-ष्ठ-र्थ-के स्थानमें 'ट्ठ' होता है, जैसे-संतुष्ट=संतुट्ठ; निष्ठुर=निट्ठुर; समर्थ=समट्ठ। र्त-र्द-के स्थानमें 'ड्ड' होता है, जैसे-गर्ता=गड्डा; विच्छर्द=विच्छड्ड। ढ्य-द्ध-र्ध-के स्थानमें 'ड्ढ' होता है, जैसे-धनाढ्य=धणड्ढ; वृद्धि=वुड्ढि; वर्धमान=वड्ढमाण।

(११) ज्ञ-ण्य-न्य-न्व-म्न-र्ण-के स्थानमें 'ण्ण' होता है, जैसे-विज्ञान=विन्नाण; हिरण्य=हिरण्ण; धन्य=धण्ण; अन्वर्थ=अण्णत्थ; निम्न=निण्ण; सुवर्ण=सुवण्ग।

(१२) क्ष्ण-श्न-ष्ण-स्न-ह्न-ह्ण-के स्थानमें 'ण्ह' होता है, जैसे-श्लक्ष्ण=सण्ह; प्रश्न=पण्ह; पृष्णि=पण्हि; स्नान=ण्हाण; पूर्वाह्ण=पुव्वण्ह; वह्नि=वण्हि।

(१३) क्त-त्न-त्म-त्र-त्व-प्त-र्त-के स्थानमें 'त्त' होता है, जैसे-मुक्त=मुत्त; प्रयत्न=पयत्त; आत्मा=अत्ता; पत्र=पत्त; तत्व=तत्त; प्राप्त=पत्त; कर्ता=कत्ता।

(१४) क्थ-त्र-र्थ-स्त-स्थ-के स्थानमें 'त्थ' होता है, जैसे-सिक्थ=सित्थ; तत्र=तत्थ; समर्थ=समत्थ; विस्तार=वित्थार; इन्द्रप्रस्थ=इंदपत्थ। द्र-द्व-ब्द-र्द-के स्थानमें 'द्द' होता है। जैसे-समुद्र=समुद्द; प्रद्वेष=पद्देस; शब्द=सद्द; कर्दम=कद्दम। ग्ध-ध्व-ब्ध-र्ध-के स्थानमें 'द्ध' होता है, जैसे-दुग्ध=दुद्ध; अध्वन्=अद्ध; लब्धि=लद्धि; वर्धमान=वद्धमाण।

(१५) क्म-त्प-त्म-प्य-प्र-प्ल-र्प-ल्प-के स्थानमें 'प्प' होता है, जैसे-रुक्मिणी=रुप्पिणी; उत्पल=उप्पल; परमात्मन्=परमप्प; क्षिप्र=खिप्प; विप्लव=विप्पव; सर्प=सप्प; जल्प=जप्प; कल्प=कप्प। त्फ-ष्प-ष्फ-स्प-स्फ-के स्थानमें 'प्फ' होता है, जैसे-उत्फुल्ल=उप्फुल्ल; पुष्प=पुप्फ; निष्फल=निप्फल; बृहस्पति=विहप्फइ; प्रस्फो-

टित=पप्फोडिय । द्व-र्व-व्र-के स्थानमें 'व्व' होता है, जैसे–उद्बोधित=उव्वोहिय; निर्वल=निव्वल; अव्रह्म–अव्वंभ । ग्भ-द्भ-भ्य-भ्र-र्भ-व्ह-इनके स्थानमें 'ब्भ' होता है, ईषत्प्राग्भार=ईसिपब्भार; सद्भूत=सब्भूय; अभ्यास=अब्भास; शुभ्र=सुब्भ; अर्भक=अब्भग; विह्वल=विब्भल ।

(१६) ग्म-न्म-म्य-र्म-ल्म-श्म-र्म्य-के स्थानमें 'म्म' होता है, जैसे–युग्म=जुम्म; मन्मथ=वम्मह; साम्य=सम्म; धर्म=धम्म; गुल्म=गुम्म; पद्म=पोम्म; हर्म्य=हम्म । क्ष्म-श्म-ष्म-स्म-ह्म-के स्थानमें 'म्ह' होता है, जैसे-पक्ष्मन्=पम्ह; कुश्मान=कुम्हाण; ग्रीष्म=गिम्ह; विस्मय=विम्हय; ब्रह्मा=बम्हा; विशेष–ब्राह्मण=वम्हण, बंभण ।

(१७) र्य-र्ल-ल्य-ल्व-के स्थानमें 'ल्ल' होता है, जैसे–पर्यस्त=पल्लत्थ; निर्लज्ज= निल्लज्ज; कल्याण=कल्लाण; पल्वल=पल्लल; 'ह्ल' को 'ल्ह' आह्लाद=आल्हाय । द्व-र्व-व्य-व्र-के स्थानमें 'व्व' होता है, जैसे–उद्वेग=उव्वेग; उर्वी=उव्वी; काव्य=कव्व; प्रव्रज्या=पव्वज्जा ।

(१८) र्ष-श्म-श्य-श्र-श्व-ष्य-स्य-स्र-स्व-के स्थानमें 'स्स' होता है, जैसे–वर्ष= वस्स; रश्मि=रस्सि; लेश्या=लेस्सा; विश्राम=विस्साम; ईश्वर=इस्सर; दूष्य=दुस्स; तस्य=तस्स; सहस्र=सहस्स; ओजस्विन्=ओयस्सि ।

असंयुक्त व्यंजनोंमें परिवर्तन

(१) क-ग-च-ज-त–द-प-य-व=लुक् और ण-न-के लिए देखो अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमें भेद (१) से (१०) तक ।

(२) ख-घ-थ-ध-भ-के स्थानमें 'ह' होता है, जैसे–सुख=सुह; मेघ=मेह; रथ= रह; वधिर=वहिर; सफल=सहल; सभा=सहा ।

(३) ट-ठ-ड-के स्थानमें ड-ढ-ल होते हैं जैसे–भट=भड; शठ=सढ; गुड=गुल ।

(४) आदि के 'य' को 'ज' होता है और उपसर्ग के पीछे 'य' आनेपर कहीं २ 'ज' होता है, जैसे–यम=जम; संयोग=संजोग ।

(५) कहीं २ 'र' को 'ल' होता है, जैसे–दरिद्र=दलिद्द ।

(६) 'श' और 'ष' के स्थानमें 'स' होता है जैसे–विशेष=विसेस ।

(७) अनुस्वारके पीछे 'ह' आवे तो उसे 'घ' विकल्पसे होता है, जैसे–संहारः= संघारो, संहारो ।

शेष–(१) आदि के क्ष-स्क-त्य-द्य-ध्य-ध्व-स्त-स्थ-स्प और 'ज्ञ' के स्थानमें ख-छ-झ, ख, च, ज, झ, झ, थ, ठ-थ, फ और ण-न होते हैं, जैसे–क्षयः=खओ, क्षीर= छीर, क्षर=झर; स्कन्ध=खंध; त्यागः=चाओ; द्युति=जुइ; ध्यान=झाण; ध्वजः=झओ; स्तुति=थुइ;

स्थान-ठाण; स्थावर=थावर; स्पर्श=फास; ज्ञान=णाण-नाण; आदिके 'क' आदि के स्थानमें 'क' आदि होते हैं जैसे-क्रम=कम; ग्रथित=गथिय; घ्राण=घाण; द्रह=दह; प्रहार=पहार; भ्रम=भम; म्रक्षण=मक्खण; व्रण=वण; श्रम=सम; ह्राद=हाद; त्रस=तस।

(२) उष्ट्र, इष्टा, संदष्ट के 'ष्ट्र' और 'ष्ट' को 'ठ्ठ' न होकर 'ट्ट' होता है, 'समस्त' और 'स्तव' के 'स्त' को 'त्थ' और 'थ' नहीं होता, समस्त=समत्त; स्तंब=तंब। 'ष्प' और 'स्प' को कहीं २ 'फ' नहीं होता। जैसे-निष्प्रभ=णिप्पह; परस्पर=परोप्पर। 'ड्म' को 'प्प' होता है, जैसे-कुड्मल=कुप्पल। 'ज्ञ' के 'ञ' का लोप भी विकल्पसे होता है, मनोज्ञ=मणोज्ञ-मणोण्ण।

(३) द्विरुक्तिको पाए हुए ख्ख-छ्छ-ठ्ठ-थ्थ-फ्फ-घ्घ-झ्झ-ढ्ढ-ध्ध-भ्भ-के स्थानमें अनुक्रमसे क्ख-च्छ-ट्ठ-त्थ-प्फ-ग्घ-ज्झ-ड्ढ-द्ध-ब्भ होते हैं।

(४) शब्दवर्ती 'र्य' का 'रिय' और 'र्ह' का 'रिह' होता है, इसी प्रकार श्री-ह्री-कृत्स्न-क्रिया इन शब्दोंमें संयुक्त अन्त्याक्षरके पूर्व 'इ' होता है, जैसे-भार्या=भारिया, गर्हा=गरिहा; श्रीः=सिरी; ह्रीः=हिरी; कृत्स्न=कसिण; क्रिया=किरिया।

(५) संयुक्त 'ल'के पहले 'इ' होता है, जैसे-क्लेश=किलेस; श्लोक=सिलोग।

(६) 'र्श' अथवा 'र्ष' को 'रिस' विकल्पसे होता है, और 'तप्त' 'वज्र' शब्दमें भी संयुक्त अन्त्याक्षर के पहले 'इ' का आगम विकल्पसे होता है, जैसे-दर्शन=दरिसण-दंसण; वर्षा=वरिसा-वासा; तप्तं=तवियं-तत्तं; वज्रं=वइरं-वज्जं।

(७) स्याद् भव्य और चौर्य तथा उसके समान शब्दोंके संयुक्त व्यंजनोंके अन्त्याक्षरके पूर्व 'इ' होता है, जैसे-स्यात्=सिया; भव्यः=भविओ; सूर्यः=सूरिओ।

(८) जिनके अन्तमें 'वी' संयुक्त व्यंजन हो ऐसे स्त्रीलिंग नामोंमें उससे पूर्व 'उ' होता है, जैसे-तन्वी=तणुवी; पृथ्वी=पुहुवी।

(९) जिस अव्ययके अन्तमें 'त्र' हो उसके स्थानमें हि-ह-त्थ होता है जैसे-तत्र=तहि-तह-तत्थ।

(१०) य-र-व-श-ष-स ये श-ष-स-के साथ पहले या पीछे जुड़े हुए हों तो नियमानुसार लोप होनेपर श-ष-स-को द्वित्व नहीं होता, परन्तु उसके पूर्वका स्वर प्रायः दीर्घ होता है, जैसे-पश्यति=पासइ; वर्षः=वासो; कस्यचित्=कासइ आदि।

(११) अव्ययोंमें तथा 'उत्खात' आदि शब्दोंमें और 'घञ्' प्रत्ययके निमित्तसे वृद्धि पाए हुए 'आ' को 'अ' होता है, जैसे-यथा=जह-जहा। उत्खातं=उक्खयं-उक्खायं। प्रवाहः=पवहो-पवाहो आदि।

(१२) 'उत्साह' और 'उत्सन्न' को छोड़कर जिन शब्दोंमें 'त्स' और 'च्छ' हो तो उनके पूर्वके 'उ' को 'ऊ' होता है, जैसे–उत्सुकः=ऊसुओ; उच्छ्वास=ऊसास।

(१३) 'दृश' के 'दृ' को 'रि' होता है एवं ऋण-ऋजु-ऋषभ-ऋतु-ऋषि इनमें 'ऋ' को 'रि' विकल्पसे होता है, जैसे–सदृश=सरिस; सदृक्ष=सरिच्छ; ऋण=रिण-अण; ऋजु=रिजु–उज्जु; ऋषभ=रिसह–उसह; ऋतु=रिउ–उउ; ऋषि=रिसि–इसि।

(१४) संख्यावाचक शब्दोंमें असंयुक्त 'द' को 'र' होता है और दश–पाषाण शब्दमें श–षको 'ह' विकल्पसे होता है, जैसे–एकादश=एयारह–एगारस; दश=दह–दस; पाषाण=पाहाण–पासाण।

(१५) शब्दके अन्त्य व्यंजनका लोप होता है। सामासिक शब्दोंमें प्रयोगके अनुसार (नित्य अथवा विकल्पसे) लोप होता है, जैसे–तावत्=ताव; सज्जन=सज्जण–सजण।

(१६) स्त्रीलिंगी शब्दोंके अन्त्य व्यंजनके स्थानमें 'आ' अथवा 'या' होता है जैसे–सरित्=सरिआ–सरिया; **अपवाद**—विद्युत्=विज्जु; क्षुध्=छुहा; दिक्=दिसा; अप्सरस्=अच्छरसा–अच्छरा; प्रावृष्=पाउस्; ककुभ्=कउहा। व्यंजनान्त स्त्रीलिंगमें अन्त्य 'र्' को 'रा' होता है, जैसे–धुर्=धुरा। शरद् आदि शब्दोंमें अन्त्य व्यंजनको 'अ' होता है जैसे–शरद्=सरओ; भिषक्=भिसओ **विशेष**—आयुष्=आउसो–आउ; धनुष्=धणुह–धणू।

(१७) दीर्घ स्वर और अनुस्वारके पीछे शेष व्यंजन और आदेशभूत व्यंजनको द्वित्व नहीं होता, एवं र-ह-को भी द्वित्व नहीं होता, जैसे—स्पर्श=फास; सन्ध्या=संझा; ब्रह्मचर्य=बंभचेर; कार्षापण=काहावण। समासमें द्वित्व विकल्प से होता है, जैसे–देवस्तुति=देवत्थुइ–देवथुइ।

(१८) संयुक्त व्यंजनके अन्तमें म-न-य-ल-व-व-र हो तो उसका और संयुक्त व्यंजनका पहला व्यंजन ल-व-व-र हो तो लोप होता है। जहां दोनोंका लोप होता हो वहां प्रयोगानुसार दो मेंसे एक का लोप होता है, जैसे–स्मर=सर; श्याम=साम; श्लक्ष्ण=सण्ह-लण्ह आदि।

पीछे स्वर हो तो अनुस्वार विकल्पसे होता है, जब अनुस्वार न हो तो 'म्' में पिछला स्वर मिल जाता है। जैसे–जिनम्=जिणं; उसभम् अजियं=उसभं अजियं, उसभमजियं; कहीं २ अन्त्य व्यंजनको भी अनुस्वार हो जाता है, जैसे–साक्षात्=सक्खं; यत्=जं; तत्=तं; सम्यक्=सम्मं।

(३) शब्दवर्ती 'ङ्-ञ्-ण्-न्' को अनुस्वार होता है, जैसे–पराङ्मुख=परंमुह; काञ्चनम्=कंचणं; उत्कण्ठा=उक्कंठा; वन्ध्या=वंझा।

(४) अनुस्वारको सवर्गी व्यंजन परे हो तो अनुनासिक विकल्पसे होता है, जैसे–गङ्गा, गंगा; लञ्छणं, लंछणं; कण्टए, कंटए; आणन्दे, आणंदे; चम्पा–चंपा।

(५) वक्रादि शब्दोंमें पहले दूसरे या तीसरे स्वर पर प्रयोगानुसार अनुस्वार होता है, जैसे–वक्रम्=वंकं; मनस्वी=मणंसी; उपरि=उवरिं।

(६) जहां स्वरादि पदोंकी द्विरुक्ति हो वहां विकल्पसे 'म्' का आगम होता है, जैसे–एक्क+एक्क=एक्कमेक्क, एक्केक्क।

(७) कई शब्दोंमें प्रयोगानुसार अनुस्वार का लोप होता है, जैसे–त्रिंशत्=तीसा; सिंह=सीह।

अव्ययसंधि

(१) अपि (अवि) अव्यय किसी भी पदके परे हो तो उसके आदिके 'अ' का लोप विकल्पसे होता है, जैसे–तं+अपि=तंपि–तमवि; केण+अवि=केणवि, केणावि।

(२) पदान्तमें स्वरसे परे 'इति' के स्थानमें 'त्ति' होता है, यदि पदान्तमें स्वर न हो तो 'ति' होता है; जैसे–तहा+इति=तहत्ति; जुत्तं+इति=जुत्तंति।

कारक

(१) अर्धमागधीमें द्विवचन नहीं होता बल्के उसके स्थानमें बहुवचन का ही प्रयोग होता है, जैसे–हस्तौ=हत्था।

(२) चतुर्थी विभक्ति के स्थानमें षष्ठीका प्रयोग होता है, जैसे–नमोऽर्हद्भ्यः=णमो अरिहंताणं।

(३) एक विभक्तिके स्थानमें अन्य विभक्तिका प्रयोग भी देखा जाता है, जैसे–तृतीयाके स्थानमें छट्ठी–तैरेतदनाचीर्णं=तेसिं एयमणाइण्णं; सप्तमीके स्थानमें छट्ठी–दानेषु श्रेष्ठं=दाणाण सेट्ठं; सप्तमीके स्थानमें तृतीया–तस्मिन् काले तस्मिन् समये=तेणं कालेणं तेणं समएणं इत्यादि।

इकारान्त पुल्लिंग

मुणि

प०-मुणी	मुणओ-उ, मुणिणो, मुणी
बि०-मुणिं	मुणिणो, मुणी
त०-मुणिणा	मुणीहि-हिं-हिँ
च०-मुणिणो, मुणिस्स	मुणीण, मुणीणं
पं०-मुणित्तो, मुणीओ-उ-हिंतो, मुणिणो	मुणित्तो, मुणीओ-उ-हिंतो-सुंतो
छ०-मुणिणो, मुणिस्स	मुणीण, मुणीणं
स०-मुणिंसि, मुणिम्मि	मुणीसु, मुणीसुं
सं०-मुणी, मुणि	(प्रथमाके अनुसार)

उकारान्त पुल्लिंग

साहु

प०-साहू	साहवो, साहवे, साहओ-उ, साहू, साहुणो
बि०-साहुं	साहुणो, साहू, साहवे

इससे आगेके रूप इकारान्त 'मुणि' शब्दके समान जानने चाहिएँ।

इकारान्त नपुंसक-लिंग

दहि

प०-दहिं	दहीणि, दहीइं-इँ
बि०-,,	,, ,, ,,

तृतीयासे सप्तमी तकके रूप 'मुणि' के समान समझें।

सं०-दहि	(प्रथमाके अनुसार)

उकारान्त नपुंसक-लिंग

महु

प०-महुं	महूणि-इं-इँ
बि०-,,	,, ,, ,,

तृतीयासे सप्तमी तक 'साहु' शब्दके समान जानें।

सं०-महु	(प्रथमाके अनुसार)

अप्पा-अप्पाण

	एकवचन	बहुवचन
प०	अप्पा, अप्पो, अप्पाणो	अप्पा, अप्पाणा, अप्पाणो
बि०	अप्पं, अप्पाणं, अप्पिणं	अप्पे, अप्पा, अप्पाणे, अप्पाणा-णो
त०	अप्पेण-णं, अप्पाणेण-णं, अप्पणा	अप्पेहि-हिं-हिँ, अप्पाणेहि-हिं-हिँ
च०	अप्पस्स, अप्पाणस्स, अप्पणो	अप्पाण-णं, अप्पाणाण-णं, अप्पिणं
पं०	अप्पत्तो, अप्पाओ-उ-हि-हिंतो, अप्पा, अप्पाणो, अप्पाणत्तो, अप्पाणाओ-उ-हि-हिंतो, अप्पाणा	अप्पत्तो, अप्पाओ-उ-हि-हिंतो-सुंतो, अप्पेहि-हिंतो-सुंतो, अप्पाणत्तो, अप्पाणाओ-उ-हि-हिंतो-सुंतो, अप्पाणेहि-हिंतो-सुंतो
छ०	अप्पस्स, अप्पाणस्स, अप्पणो	अप्पाण-णं, अप्पाणाण-णं, अप्पिणं
स०	अप्पे, अप्पम्मि, अप्पाणे, अप्पाणम्मि	अप्पेसु-सुं, अप्पाणेसु-सुं
सं०	हे अप्प, अप्पो, अप्पा, अप्पाण, अप्पाणो, हे अप्पाणा	अप्पा, अप्पाणा, अप्पाणो

इस प्रकार 'अन्' अंत सब नामोंके रूप जानना।

विशेषः—'राय=रायाण' शब्दके रूपोंमें जो विशेषता है वह इस प्रकार है (१) णो, णा, म्मि ये तीन प्रत्यय लगाते समय पूर्वके 'य' को विकल्पसे 'इ' होता है, जैसे—राइणो, रायणो; राइणा, रायणा; राइम्मि, रायम्मि।

(२) द्वितीयाके एकवचन और छट्ठीके बहुवचनमें प्रत्यय सहित 'राय' शब्दके 'य' को 'इणं' आदेश विकल्पसे होता है। जैसे—द्वि. ए. राइणं अथवा रायं, छ. व. राइणं अथवा रायाणं।

(३) तृतीया पंचमी और छट्ठीके एकवचनमें णा, णो प्रत्ययके पहले 'राय' शब्दके 'आय' को 'अण' विकल्पसे होता है

तृ. ए.	रण्णा	अथवा	राइणा,	रायणा
पं. ए.	रण्णो	अथवा	राइणो,	रायाणो
छ. ए.	रण्णो	अथवा	राइणो,	रायणो

(४) तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी और सप्तमीके बहुवचनमें प्रत्ययोंसे पहले 'राय' शब्दके 'य' को विकल्पसे 'ई' होता है

तृ. व.	राईहि	अथवा	राएहि	
च. छ. व.	राईणं	अथवा	राइणं,	रायाणं
पं. व.	राईओ, राईसुंतो	अथवा	रायाओ,	रायासुंतो
स. व.	राईसुं	अथवा	राएसुं	

सव्व

प०-...	सव्वे
च०छ०-...	सव्वेसिं
पं०-सव्वम्हा	
स०-सव्वत्थ, सव्वस्सि, सव्वहिं, सव्वम्मि	

(नोट) 'एय' और 'इम' को 'हिं' प्रत्यय नहीं लगता।

आकारान्त स्त्रीलिंग सर्वनाम के रूप 'कहा' की तरह होते हैं। विशेष छट्ठीके बहुवचनमें 'सिं' प्रत्यय होता है।

अकारान्त नपुंसकलिंगके रूप 'जल' के समान जानें।

तुम्ह-अम्ह के उपयोगी रूप

तुम्ह

पं०-तं, तुं, तुमं	तुम्हे, तुब्भे, तुज्झे, भे
बी०-तं, तुं, तुमं	,, ,, ,, ,, वो
त०-तए, तुमए, तुमे	तुब्भेहिं, तुम्हेहिं, भे
च० छ०-ते, तुह, तुज्झ	तुब्भाणं, तुम्हाण, भे, वो
पं०-तुमत्तो, तुमाओ	तुम्हत्तो, तुम्हाओ, तुब्भत्तो, तुब्भाओ
स०-तुमए, तए, तइ	तुब्भेसु, तुम्हेसु-सुं

अम्ह

प०-हं, अहं, अहयं	अम्हे, मो, वयं
बी०-मं, ममं	अम्हे, णे
त०-मइ, मए	अम्हेहिं, णे
च० छ०-मे, मम, मज्झ, मह, मज्झं	अम्हं, अम्हाणं, णे, णो
पं०-ममत्तो, ममाओ	अम्हत्तो, अम्हाओ
स०-मइ, मज्झे, ममंसि, मम्हि	अम्हेसु

संख्यावाचक शब्द

एग-एय-इक शब्दके रूप तीनों लिंगोंमें प्रयुक्त होते हैं, उनके रूप 'सव्व'के समान जानना।

स्वरान्त और व्यंजनान्त धातुमें भेद

व्यंजनान्त धातुके अन्तमें 'अ' अवश्य लगता है और स्वरान्त धातुको विकल्पसे।

वर्तमान काल

हस्

एकवचन	बहुवचन
प्र० पु०-हसइ, हसेइ, हसए	हसन्ति, हसन्ते, हसिरे, हसेंति, हसेंते, हसेइरे, हसिंति, हसिंते, हसइरे
म० पु०-हससि, हसेसि, हससे	हसह, हसित्था, हसेह, हसेइत्था, हस-इत्था, हसेत्था
उ० पु०-हसामि, हसमि, हसेमि	हसिमो, हसामो, हसमो, हसेमो

(नोट) उत्तम पुरुषके बहुवचनमें 'मो-मु-म' ये तीन प्रत्यय लगते हैं यहाँ केवल 'मो' के रूप दिए हैं 'मु' और 'म' के रूप भी इसी प्रकार जानलें।

सर्ववचन सर्वपुरुष

हसेज्ज, हसेज्जा, हसिज्ज, हसिज्जा

'अस्' धातुके रूप

प्र० पु०-अत्थि	सन्ति
म० पु०-सि	ह
उ० पु०-मि, अंसि	मो

स्वरान्तधातु 'हो'

जब उपरोक्त नियमानुसार 'अ' लगता है तो इसके रूप 'हस्' की तरह होते हैं जैसे—होअइ, होअसि, होअमि इत्यादि।

जब 'अ' नहीं लगता तो इसके रूप इस प्रकार होते हैं।

प्र० पु०-होइ	होंति, हुंति, होंते, होइरे
म० पु०-होसि	होह, होइत्था
उ० पु०-होमि	होमो, होमु, होम

हो

उपरोक्त नियमानुसार 'हो' और 'होअ' दोनोंको हस्के समान प्रत्यय लगाएँ।

विशेष—कर् धातुको भविष्यकालमें 'का' आदेश विकल्पसे होता है, और त्तम पुरुषके एक वचनमें 'काहं' विकल्पसे होता है। ऐसे ही 'दा' धातुके त्रेषयमें भी जानें।

आज्ञार्थ और विध्यर्थ

हस्

प्र० पु०—हसउ, हसेउ, हसए, हसे	हसंतु, हसेंतु, हसिंतु
म० पु०—हसहि, हससु, हसिज्जसु-ज्जहि-ज्जे-ज्जसि-ज्जासि-ज्जाहि, हसेहि-सु-ज्जसु-ज्जहि-ज्जे-ज्जसि-ज्जासि-ज्जाहि, हस, हसे, हसाहि	हसह, हसेह, हसिज्जाह, हसेज्जाह
उ० पु०—हसमु, हसामु, हसिमु, हसेमु	हसमो, हसामो, हसिमो, हसेमो

सर्वपुरुष-सर्ववचन—हसेज्ज-ज्जा, हसिज्ज-ज्जा

हो

(१) 'होअ' में हस्के समान प्रत्यय जुड़ते हैं।

(२) केवल 'हो' के रूप नीचे लिखे अनुसार हैं।

प्र०पु०—होउ	होंतु
म०पु०—होसु, होहि	होह
उ०पु०—होमु	होमो

क्रियातिपत्यर्थ

'क्रियातिपत्यर्थ' क्रियाकी निष्फलताका सूचक है जैसे—'ऐसा हुआ होता तो ऐसा होता' पर पहला कार्य न होने से दूसरा कार्य भी न बना।

प्रत्यय—विशेष्य के लिंगानुसार प्रथमा के एकवचन और बहुवचनके उस २ लिंगके प्रत्यय, 'न्त' लगाकर तैयार किए गए प्रत्यय और सर्ववचन सर्वपुरुषमें ज्ज-ज्जा प्रत्यय लगानेसे क्रियातिपत्यर्थके रूप होते हैं।

'होअ' अंगके रूप

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
होअन्तो {होअन्ता	होअन्ती {होअन्ता	होअन्तं {होअन्ताइं

सर्ववचन सर्वपुरुष

हस्-हसेज्ज, हसेज्जा

हो-होज्ज, होज्जा, होएज्ज, होएज्जा

कर्मणि

जो धातु सकर्मक हो उसका कर्मणि प्रयोग होता है, कर्तामें तृतीया विभक्ति और कर्ममें प्रथमा विभक्ति होती है तथा कर्मके आधार पर क्रियापद होता है जैसे-बालो पुत्थयं पढइ—बालेण पुत्थयं पढिज्जइ इत्यादि। भाव प्रयोगमें कर्ताके स्थानमें तृतीया विभक्तिका प्रयोग होता है और कर्म न होनेके कारण क्रियापद प्रथम पुरुषके एकवचनमें प्रयुक्त होता है, जैसे-सो गच्छइ-तेण गम्मइ आदि।

धातुसे कर्म और भावमें रूप बनानेके लिए 'ईअ' अथवा 'इज्ज' प्रत्यय प्रयुक्त होता है, इसके बाद काल के पुरुषबोधक प्रत्यय लगते हैं।

भविष्यकाल क्रियातिपत्यर्थ आदिके रूप भाव और कर्ममें कर्ताके समान होते हैं।

कर्म और भावमें प्रयुक्त होनेवाले कुछ धातु

कर्तरि	कर्मणि	
वय्	वुच्च	
सुण्	सुव्व	
हण्	हम्म	
उह्	उज्झ	
भण्	भण्ण	
लह्	लब्भ	
हर्	हीर	
कर्	कीर	
जाण्	नज्ज	इत्यादि विकल्पसे
पास्	दीस	आदि नित्य

कृदन्त

वर्तमानकृदन्त

हसन्त, हसेन्त, हसमाण, हसेमाण (पुल्लिंगके रूप वद्धमाणके समान और नपुंसकलिंगके रूप जलके समान होते हैं)

स्त्रीलिंग–हसन्ती, हसन्ता, हसेन्ती, हसेंता, हसमाणी–माणा, हसेमाणी–माणा (आकारान्त कहाके समान और ईकारान्त मइ के समान)

हो

पुल्लिंग–होन्त, हुन्त, होमाण, होअन्त, होएन्त, होअमाण, होएमाण (पुल्लिंग वद्धमाणकी तरह नपुंसकलिंग जलकी तरह)

स्त्रीलिंग–होन्ती, हुन्ती, होन्ता, हुन्ता, होमाणी-माणा-ई-अई-एई-अन्ती-अन्ता-एन्ती-एन्ता-अमाणी-एमाणी-अमाणा-एमाणा (आकारान्त कहाकी भांति और ईकारान्त मइकी भांति)

धातुके कर्मणि अंगको ये ही प्रत्यय लगानेसे कर्मणि वर्तमान कृदन्त होता है।

विध्यर्थ कृदन्त

धातुके अंगको तव्व–यव्व-अणीअ और अणिज्ज प्रत्यय लगानेसे विध्यर्थ कृदन्त होता है, यदि 'तव्व' और 'यव्व' प्रत्यय लगाते समय पूर्वमें तो उसे 'इ' अथवा 'ए' होता है, जैसे—झाइतव्वं झाअणीअं-झाअणिज्जं इत्यादि।

सुत्ताणुक्कमणिया



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

आयारे

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ तंजहा-पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि? दाहिणाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, पच्चत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उत्तराओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उड्ढाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि? अहो दिसाओ वा आगओ अहमंसि? अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि? एवमेगेसिं णो णायं भवइ. अत्थि मे आया उववाइए. णत्थि मे आया उववाइए के अहं आसि? के वा इओ चुओ इह पेच्चा भविस्सामि? ॥ २ ॥ से जं पुण जाणेज्जा सहसंमइयाए परवागरणेणं. अण्णेसिं अंतिए वा सोच्चा. तंजहा— पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि. जाव अण्णयरीओ दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि. एवमेगेसिं जं णायं भवइ. अत्थि मे आया उववाइए. जो इमाओ-दिसाओ अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ सोहं, सव्वाओ दिसाओ-अणुदिसाओ जो आगओ अणुसंचरइ, सोहं। से आयावाई, लोयावाई, कम्मावाई, किरियावाई ॥ ३ ॥ अकरिस्सं चाहं कारवेसुं चऽहं करओ यावि समणुन्ने भविस्सामि; एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ४ ॥ अपरिण्णायकम्मे खलु अयं पुरिसे, जो इमाओ दिसाओ अणुदिसाओ अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ साहेइ, अणेगरूवाओ जोणीओ संधेइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ॥ ५ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया ॥ ६ ॥ इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जाईमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं ॥ ७ ॥ एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ८ ॥ जस्सेते लोगंसि कम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ९ ॥ **पढमो उद्देसो ॥**

अट्टे लोए परिजुण्णे दुस्संबोहे अविजाणए अस्सिं लोए पव्वहिए तत्थ तत्थ पुढो पास आतुरा अस्सिं परितावेंति ॥ १० ॥ संति पाणा पुढोसिया, लज्जमाणा पुढो

इक्खइ ॥ २० ॥ लज्जमाणा पुढो, पास, अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ २१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव उदयसत्थं समारभति, अण्णेहिं वा उदयसत्थं समारंभावेति, अन्ने उदयसत्थं समारंभंते समणुजाणति, तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥ २२ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं अंतिए इहमेगेसिं णायं भवति, एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ २३ ॥ से बेमि, संति पाणा उदयनिस्सिया जीवा अणेगे, इह च खलु भो! अणगाराणं उदयजीवा वियाहिया। सत्थं चेत्थं अणुवीइ पासा। पुढो सत्थं पवेदितं ॥ २४ ॥ अदुवा अदिन्नादाणं ॥ २५ ॥ कप्पइ णे कप्पइ णे पाउं, अदुवा विभूसाए, पुढो सत्थेहिं विउट्टंति एत्थऽवि तेसिं णो णिकरणाए ॥ २६ ॥ एत्थ सत्थं समारभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति। तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं उदयसत्थं समारंभेज्जा, णेवन्नेहिं उदयसत्थं समारंभावेज्जा उदयसत्थं समारंभंतेऽवि अण्णे ण समणुजाणेज्जा, जस्सेते उदयसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णातकम्मे त्ति बेमि ॥ २७ ॥ **तइओद्देसो** ॥

से बेमि णेव सयं लोयं अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा, जे लोगं अब्भाइक्खति, से अत्ताणं अब्भाइक्खति, जे अत्ताणं अब्भाइक्खति, से लोगं अब्भाइक्खति ॥ २८ ॥ जे दीहलोगसत्थस्स खेयन्ने, से असत्थस्स खेयन्ने; जे असत्थस्स खेयन्ने, से दीहलोगसत्थस्स खेयन्ने ॥ २९ ॥ वीरेहिं एयं अभिभूय दिट्ठं, संजतेहिं सया जत्तेहिं सया अप्पमत्तेहिं ॥ ३० ॥ जे पमत्ते गुणट्ठीए, से हु दंडे त्ति पवुच्चति। तं परिण्णाय मेहावी इयाणिं णो जमहं पुव्वमकासी पमादेणं ॥ ३१ ॥ लज्जमाणा पुढो पास–अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारभमाणे, अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ३२ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव अगणिसत्थं समारंभति, अण्णेहिं वा अगणिसत्थं समारंभावेइ अण्णेवा अगणिसत्थं समारभमाणे समणुजाणाति। तं से अहियाए तं से अबोहिए ॥ ३३ ॥ से तं संबुज्झमाणे आया-

णीयं समुट्ठाय सोच्चा भगवओ अणगाराणं इहमेगेसिं णायं भवति-एस खलु गंथे एस खलु मोहे एस खलु मारे एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ३४ ॥ से बेमि, संति पाणा, पुढविणिस्सिया, तणणिस्सिया, पत्तणिस्सिया, कट्ठणिस्सिया, गोमयणिस्सिया, कयवरणिस्सिया; सन्ति संपातिमा पाणा, आहच्च संपयंति । अगणिं च खलु पुट्ठा, एगे संघायमावज्जंति । जे तत्थ संघायमावज्जंति, ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति ते तत्थ उद्दायंति ॥ ३५ ॥ एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ३६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी नेव सयं अगणिसत्थं समारंभेज्जा, नेवन्नेहिं अगणिसत्थं समारंभावेज्जा, अगणिसत्थं समारंभमाणे अन्ने न समणुजाणेज्जा । जस्सेते अगणिकम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ३७ ॥ **चउत्थोद्देसो** ॥

तं णो करिस्सामि समुट्ठाए मत्ता मतिमं, अभयं विदित्ता, तं जे णो करए, एसोवरए, एत्थोवरए, एस अणगारे त्ति पवुच्चइ ॥ ३८ ॥ जे गुणेसे आवट्टे जे आवट्टे से गुणे ॥ ३९ ॥ उड्ढं-अहं-तिरियं-पाईणं पासमाणे रूवाइं पासइ, सुणमाणे सद्दाइं सुणइ, उड्ढं-अहं-तिरियं पाईणं मुच्छमाणे रूवेसु मुच्छति, सद्देसु यावि एस लोगे वियाहिए । एत्थ अगुत्ते अणाणाए पुणो पुणो गुणासाते वंकसमायारे पमत्तेऽगारमावसे ॥ ४० ॥ लज्जमाणा पुढो पास, अणगारा मोत्ति एगे पवदमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारभमाणा अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसंति ॥ ४१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिता । इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जातिमरण मोयणाए दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव वणस्सइसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा वणस्सइसत्थं समारभमाणे समणुजाणइ, तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥४२॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए इह मेगेसिं णायं भवति-एस खलु गंथे एस खलु मोहे एस खलु मारे एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणे अन्ने अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ४३ ॥ से बेमि,-इमंपि जाइधम्मयं, एयंपि जाइधम्मयं, इमंपि वुड्ढिधम्मयं एयंपि वुड्ढिधम्मयं; इमंपि चित्तमंतयं एयंपि चित्तमंतयं; इमंपि छिन्नं मिलाति, एयंपि छिन्नं मिलाति; इमंपि आहारगं, एयंपि आहारगं; इमंपि अणिच्चयं, एयंपि अणिच्चयं; इमंपि असासयं, एयंपि असासयं; इमंपि चओवचइयं, एयंपि चओवचइयं; इमंपि विपरिणामधम्मयं, एयंपि

विपरिणामधम्मयं ॥ ४४ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाता भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वणस्सइसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं वणस्सइसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे वणस्सइसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते वणस्सइसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ४५ ॥ **पंचमोद्देसो** ॥

से बेमि, संतिमे तसा पाणा, तंजहा–अंडया, पोयया, जराउया, रसया, संसेयया, संमुच्छिमा, उब्भियया, उववातिया, एस संसारेत्ति पवुचति, मंदस्स अवियाणतो ॥४६॥ णिज्झाइत्ता पडिलेहित्ता पत्तेयं परिणिव्वाणं सव्वेसिं पाणाणं, सव्वेसिं भूयाणं, सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, असातं अपरिणिव्वाणं, महब्भयं दुक्खं त्ति बेमि ॥ ४७ ॥ तसंति पाणा पदिसोदिसासुय । तत्थ तत्थ पुढो पास आउरा परितावेंति । संति पाणा पुढोसिता ॥४८॥ लज्जमाणा पुढो पास अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ४९ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिता । इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव तसकायसत्थं समारंभति, अण्णेहिं वा तसकायसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा तसकायसत्थं समारभमाणे समणुजाणति; तं से अहियाए, तं से अवोहीए ॥ ५० ॥ से तं संवुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा भगवओ, अणगाराणं अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ–एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ५१ ॥ से बेमि–अप्पेगे अच्चाए वहंति, अप्पेगे अजिणाए वहंति, अप्पेगे मंसाए वहंति, अप्पेगे सोणिताए वहंति, अप्पेगे हिययाए वहंति, एवंपित्ताए वसाए-पिच्छाए-पुच्छाए-वालाए-विसाणाए-दंताए-दाढाए-णहाए-ण्हारुणीए-अट्ठीए-अट्ठीमिंजाए-अट्ठाए-अणट्ठाए-अप्पेगे हिंसिंसु मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसंति मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसिस्संति मेत्ति वा वहंति ॥ ५२ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ५३ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेवसयं तसकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं तसकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे तसकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते तसकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥५४॥ इइ **छट्ठोद्देसो** ॥

पहू एजस्स दुगंछणाए, आयंकदंसी अहियंति नच्चा। जे अज्झत्थं जाणइ, से वहिया जाणइ, जे वहिया जाणइ, से अज्झत्थं जाणइ। एयं तुलमन्नेसि। इह संतिगया दविया णावकंखंति जीविउं ॥५५॥ लज्जमाणा पुढो, पास, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं, वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ५६ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जाइमरणमोयणाए दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव वाउसत्थं समारंभति, अन्नेहिं वा वाउसत्थं समारंभावेति, अन्ने वा वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणति, तं से अहियाए तं से अवोहीए ॥ ५७ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ अणगाराणं अंतिए इहमेगेसिं णायं भवति-एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अन्ने अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ५८ ॥ से बेमि, संति संपाइमा पाणा, आहच्च संपयंति य फरिसं च खलु पुट्ठा एगे संघायमावज्जंति। जे तत्थ संघायमावज्जंति, ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति, ते तत्थ उद्दायंति ॥ ५९ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ६० ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वाउसत्थं समारंभेज्जा, णेवन्नेहिं वाउसत्थं समारंभावेज्जा, णेवन्ने वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेते वाउसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६१ ॥ एत्थं पि जाणे उवादीयमाणा जे आयारे न रमंति, आरंभमाणा विणयं वयंति, छंदोवणीया, अज्झोववण्णा, आरंभसत्ता पकरंति संगं ॥ ६२ ॥ से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं णो अन्नेसिं ॥६३॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवन्नेहिं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवन्ने छज्जीवणिकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेते छज्जीवणिकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मेत्ति बेमि ॥ ६४ ॥ **सत्तमोद्देसो ॥**

॥ सत्थपरिण्णा णाम पढमज्झयणं समत्तं ॥

जे गुणे से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे, इति से गुणट्ठी महता परियावेणं पुणो पुणो वसे पमत्ते, तंजहा-माया मे, पिया मे, भाया मे, भइणी मे, भज्जा मे, पुत्ता मे, धूया मे, ण्हुसा मे, सहि-सयण-संगंथ-संथुया मे, विवित्तुवगरण-परिवट्टण-भोयण-

च्छायणं मे, इच्चत्थं गढिए लोए वसे पमत्ते ॥ ६५ ॥ अहोय राओ परियप्पमाणे, कालाकालसमुट्ठाई, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ सत्थे पुणो पुणो ॥६६॥ अप्पं च खलु आउयं इहमेगेसिं माणवाणं; तंजहा सोयपरिण्णाणेहिं, परिहायमाणेहिं, चक्खुपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, घाणपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, रसणापरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, फासपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, अभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए तओ से एगया मूढभावं जणयति ॥ ६७ ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति, तेविणं एगया णियगा पुव्विं परिव्वयंति । सो वि ते णियगे पच्छा परिवएज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा । तुमं पि तेसिं नालं ताणाए वा, सरणाए वा । से ण हासाए, ण किड्डाए, ण रतीए, ण विभूसाए, ॥६८॥ इच्चेवं समुट्ठिए अहोविहाराए अंतरं च खलु इमं संपेहाए धीरो मुहुत्तमवि णो पमायए । वओ अच्चेइ जोव्वणं च ॥ ६९ ॥ इह जीविए जे पमत्ता । से हंता, छेत्ता, भेत्ता, लुंपित्ता, विलुंपित्ता, उद्दवित्ता, उत्तासइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे ॥ ७० ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं पोसेंति, सो वा ते नियगे पच्छा पोसिज्जा । णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा । तुमंपि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥ ७१ ॥ उवाईयसेसेण वा संणिहिंसंणियओ-किज्जति, इहमेगेसिं असंजताणं भोयणाए । तओ से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ॥ ७२ ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं परिहरंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिहरिज्जा । णालं ते तव ताणाए वा सरणाए वा तुमं पि तेसिं नालं ताणाए वा सरणाए वा ॥७३॥ एवं जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं, अणभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए खणं जाणाहि पंडिए ॥ ७४ ॥ जाव सोयपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव णेत्तपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव घाणपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव जीहपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव फासपरिण्णाणा अपरिहीणा, इच्चेतेहिं विरूवरूवेहिं पन्नाणेहिं अपरिहीणेहिं आयट्ठं सम्मं समणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ ७५ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो** ॥

अरइं आउट्टे से मेहावी; खणंसि मुक्के ॥ ७६ ॥ अणाणाय पुट्ठावि एगे णियट्टंति मंदा मोहेण पाउडा ॥ ७७ ॥ "अपरिग्गहा भविस्सामो" समुट्ठाय लद्धे कामे अभिगाहेंति, अणाणाए मुणिणो, पडिलेहंति, एत्थं मोहे पुणो पुणो सण्णा, णो हव्वाए णो, पाराए ॥ ७८ ॥ विमुत्ता हु ते जणा, जे जणा पारगामिणो लोभं अलोभेण दुगंछमाणे लद्धे कामे णाभिगाहइ, विणावि लोभं निक्खम्म एस अकम्मे जाणति पासति । पडिलेहाए णावकंखति, एस अणगारित्तिपवुच्चति ॥ ७९ ॥ अहोयराओ

परितप्पमाणे कालाकालसमुट्ठाइ, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ, सत्थे पुणो पुणो ॥ ८० ॥ से आयबले, से णाइबले, से सयणबले, से मित्तबले, से पिच्चबले, से देवबले, से रायबले, से चोरबले, से अतिहिबले, से किविणबले, से समणबले, इच्चेतेहिं विरूवरूवेहिं कज्जेहिं दंडसमायाणं संपेहाए भया कज्जति । पावमुक्खुत्ति मण्णमाणे अदुवा आसंसाए ॥ ८१ ॥ तं परिण्णाय मेहावी, णेव सयं एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभिज्जा, णेवण्णं एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभाविज्जा, एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभंतेवि अण्णे णो समणुजाणिज्जा ॥ ८२ ॥ एस मग्गे आयरिएहिं पवेदिए, जहेत्थ कुसले णोवलिंपिज्जासि-त्ति बेमि ॥ ८३ ॥ **बीओ-द्देसो समत्तो ॥**

से असइं उच्चागोए, असइं णीयागोए । णो हीणे, णो अइरित्ते, णोऽपीहए, इय संखाय को गोयावादी, को माणावादी, कंसि वा एगे गिज्झा ॥ ८४ ॥ तम्हा पंडिए णो हरिसे, णो कुप्पे, भूएहिं जाण पडिलेह सातं, समिते एयाणुपस्सी, तंजहा-अंधत्तं, बहिरत्तं, मूयत्तं, काणत्तं, कुंटत्तं, खुज्जत्तं, वडभत्तं, सामत्तं, सबलत्तं, सहपमाएणं, अणेगरूवाओ जोणीओ, संधायति, विरूवरूवे फासे परिसंवेदेइ ॥ ८५ ॥ से अबुज्झमाणे हतोवहते जाइमरणमणुपरियट्टमाणे ॥ ८६ ॥ जीवियं पुढो पियं इहमेगेसिं माणवाणं खित्तवत्थुममायमाणाणं ॥ ८७ ॥ आरत्तं विरत्तं मणिकुंडलं, सह हिरण्णेण इत्थियाओ परिगिज्झति तत्थेव रत्ता ॥ ८८ ॥ "ण इत्थ तवो वा, दमो वा, णियमो वा, दिस्सति," संपुण्णं बाले जीविउकामे लालप्पमाणे मूढे विप्परियासमुवेति ॥ ८९ ॥ इणमेव णावकंखंति, जे जणा धुवचारिणो; जातीमरणं परिन्नाय, चरे संकमणे दढे ॥ ९० ॥ णत्थि कालस्स णागमो ॥ ९१ ॥ सव्वे पाणा पियाउया, सुहसाया, दुक्खपडिकूला, अप्पियवहा, पियजीविणो, जीविउकामा, ॥ ९२ ॥ सव्वेसिं जीवियं पियं ॥ ९३ ॥ तं परिगिज्झ दुपयं चउप्पयं अभिजुंजिया णं, संसिंचियाणं, तिविधेण जावि से तत्थ मत्ता भवइ अप्पा वा बहुगा वा से तत्थ गड्ढिए चिट्ठइ, भोयणाए ॥ ९४ ॥ तओ से एगया विविहं परिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवति । तंपि से एगया दायाया वा विभयंति, अदत्तहारो वा से अवहरति, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सति वा से, विणस्सति वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ ॥९५॥ इय से परस्सट्ठाए कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण संमूढे विप्परियासमुवेति ॥ ९६ ॥ मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥ ९७ ॥ अणोहंतरा एते, णय ओहं तरित्तए, अतीरंगमा एते, णयतीरं गमित्तए । अपारंगमा एते णय पारं गमित्तए ॥ ९८ ॥ आयाणिज्जं च आयाय, तंमि ठाणे ण चिट्ठइ । वितहं पप्पऽखेयन्ने

तंमि ठाणंसि चिट्ठइ ॥ ९९ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १०० ॥ बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमितदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ त्ति बेमि॥१०१॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

ततो से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ॥ १०२ ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति, ते वा णं एगया णियया पुव्विं परिवयंति । सो वा ते णियगे पच्छा परिवइज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥ १०३ ॥ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ १०४ ॥ भोगा मे व अणुसोयंति-इहमेगेसिं माणवाणं, तिविहेण, जावि से तत्थ मत्ता भवइ, अप्पा वा, बहुगा वा, से तत्थ गड्ढिए चिट्ठति, भोयणाए ॥ १०५ ॥ ततो से एगया विपरिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवति, तंपि से एगया दायाया विभयंति, अदत्तहारो वा से हरति, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारडाहेण वा से डज्झइ ॥ १०६ ॥ इय, से बाले परस्स अट्ठाए कूराणि कम्माणि पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेति ॥ १०७ ॥ आसं च छंदं च विगिंच धीरे ॥ १०८ ॥ तुमं चेव तं सल्लमाहट्टु ॥ १०९ ॥ जेणसिया तेण णो सिया ॥ ११० ॥ इणमेव णावबुज्झंति, जे जणा मोहपाउडा ॥ १११ ॥ थीलोएपव्वहिए ते भो वयंति "एयाइं आयतणाइं" ॥ ११२ ॥ से दुक्खाए-मोहाए-माराए-णरगाए-णरगतिरिक्खाए ॥ ११३ ॥ सततं मूढे धम्मं णाभिजाणाति ॥ ११४ ॥ उदाहु वीरे, अप्पमादो महामोहे ॥ ११५ ॥ अलं कुसलस्स पमादेणं, संति मरणं संपेहाए, भेउरधम्मं संपेहाए ॥११६॥ णालं पास अलं ते एएहिं, एयं पस्स, मुणी ! महब्भयं ॥११७॥ णातिवाइज्ज कंचणं ॥ ११८ ॥ एस वीरे पसंसिए-जे ण णिविज्जति आदाणाए ॥ ११९ ॥ "ण मे देति" ण कुप्पिज्जा, थोवं लद्धुं ण खिंसए, पडिसेहियो परिणमिज्जा, पडिलाभिओ परिणमेज्जा ॥ १२० ॥ एयं मोणं समणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ १२१ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं लोगस्स कम्मसमारंभा कज्जंति, तंजहा-अप्पणो से पुत्ताणं, धूयाणं, सुण्हाणं, णातीणं, धातीणं, राईणं, दासाणं, दासीणं, कम्मकराणं, कम्मकरीणं, आएसाए, पुढोपेहणाए, सामासाए, पायरासाए, संणिहि-संनिचओ कज्जइ, इह मेगेसिं माणवाणं भोयणाए ॥ १२२ ॥ समुट्ठिते अणगारे आरिए आरियदंसी, आरियपण्णे, अयंसंधित्ति, अदक्खु, से णादिए, णादिआवए, णादियंतं समणुजाणइ ॥ १२३ ॥ सव्वामगंधं परिण्णाय णिरामगंधो परिव्वए ॥ १२४ ॥ अदिस्समाणे कयविक्कएसु; से ण किणे, ण किणावए, किणंतं ण समणुजाणइ ॥१२५॥

धुणे कम्मसरीरगं; पंतं लूहं च सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥ १४८ ॥ एस ओघंतरे मुणी, तिन्ने मुत्ते, विरते वियाहितेत्ति बेमि ॥ १४९ ॥ दुव्वसुमुणी अणाणाए० तुच्छए गिलाइ वत्तए ॥ १५० ॥ एस वीरे पसंसिए, अच्चेइ लोयसंजोयं, ॥ १५१ ॥ एस णाए पवुच्चइ, जं दुक्खं पवेदितं इह माणवाणं, तस्स दुक्खस्स कुसला परिण्ण-मुदाहरंति ॥ १५२ ॥ इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो ॥ १५३ ॥ जे अणन्नदंसी से अणण्णारामे, जे अणण्णारामे से अणण्णदंसी ॥ १५४ ॥ जहा पुण्णस्स कत्थति तहा तुच्छस्स कत्थति, जहा तुच्छस्स कत्थति तहा पुण्णस्स कत्थति ॥ १५५ ॥ अविय हणो अणातियमाणे । एत्थंपि जाण, सेयंति णत्थि ॥ १५६ ॥ केयं पुरिसे कंच णए ? एस वीरे पसंसिए, जे बद्धे पडिमोयए, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु ॥१५७॥ से सव्वतो सव्वपरिण्णाचारि ण लिप्पति छणपएण, वीरे ॥ १५८ ॥ से, मेहावी अणुग्घायणखेयन्ने जे य बंधपमुक्खमन्नेसी ॥ १५९ ॥ कुसले पुण णो बद्धे, णो मुक्के ॥ १६० ॥ से जं च आरभे जं च णारभे । अणारद्धं च ण आरभे ॥१६१॥ छणं छणं परिण्णाय लोगसन्नं च सव्वसो ॥ १६२ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १६३ ॥ बाले पुणे णिहे कामसमणुन्ने असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइत्ति बेमि ॥ १६४ ॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

लोगविजय णाम बीअमज्झयणं समत्तं ॥

सुत्ता अमुणी मुणिणो सया जागरंति ॥ १६५ ॥ लोयंसि जाण अहियाय दुक्खं ॥ १६६ ॥ समयं लोगस्स जाणित्ता, इत्थ सत्थोवरए ॥ १६७ ॥ जस्सिमे सद्दा य-रुवाय-गंधा य-रसा य-फासा य-अहिसमन्नागया भवंति, से आयवं-णाणवं-वेयवं-धम्मवं-बंभवं- पन्नाणेहिं परियाणइ लोयं, मुणीति वुच्चे धम्मविऊ, उज्जू आव-ट्टसोए संगमभिजाणति, सीउसिणच्चाई, से निग्गंथे, अरइरइसहे फरुसयं णो वेदेति, जागरे-वेरोवरए-धीरे एवं दुक्खा पमुच्चति ॥ १६८ ॥ जरामच्चुवसोवणीए णरे सययं मूढे धम्मं णाभिजाणाति ॥१६९॥ पासिय आउरपाणे, अप्पमत्तो परिव्वए ॥१७०॥ मंता य, मइमं-पास ॥ १७१ ॥ आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, माइ पमाइ पुण-एइ गब्भं, उवेहमाणो सद्दरूवेसु उज्जू, माराभिसंकी मरणा पमुच्चति ॥ १७२ ॥ अप्पमत्तो कामेहिं, उवरतो पावकम्मेहिं, वीरे आयगुत्ते खेयन्ने ॥ १७३ ॥ जे पज्जवजायस-त्थस्स खेयन्ने, से असत्थस्स खेयन्ने; जे असत्थस्स खेयन्ने, से पज्जवजाय सत्थस्स खेयन्ने ॥ १७४ ॥ अकम्मस्स ववहारो न विज्जइ, कम्मुणा उवाही जायइ ॥ १७५ ॥ कम्मं च पडिलेहाए, कम्ममूलं च जं छणं ॥ १७६ ॥ पडिलेहिय, सव्वं समायाय

दोहिं अंतेहिं अदिस्समाणे ॥ १७७ ॥ तं परिण्णाय मेहावी विदित्ता लोगं, वंता लोगसन्नं से मइमं परक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥ १७८ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो** ॥

जातिं च वुड्ढिं च इहज्ज पासे, भूतेहिं जाणे पडिलेह सातं । तम्हाऽतिविज्जो परमंति णच्चा, संमत्तदंसी ण करेति पावं ॥ १७९ ॥ उम्मुंच पासं इह मच्चिएहिं, आरंभजीवी उभयाणुपस्सी । कामेसु गिद्धा णिचयं करेंति । संसिच्चमाणा पुणरिंति गब्भं ॥ १८० ॥ अवि से हासमासज्ज, हंता णंदीति मन्नति । अलं बालस्स संगेणं वेरं वड्ढेति अप्पणो ॥१८१॥ तम्हा-तिविज्जो परमंति णच्चा, आयंकदंसी ण करेति पावं ॥ १८२ ॥ अग्गं च मूलं च विगिंच धीरे, पलिच्छिंदिया णं णिक्कम्मदंसी ॥ १८३ ॥ एस मरणा पमुच्चति, से हु दिट्ठभए मुणी, लोयंसी परमदंसी विवित्तजीवी उवसंते समिते सहिते सयाजए कालकंखी परिव्वए ॥ १८४ ॥ बहुं च खलु पावकम्मं पगडं, सच्चंमि धिइं कुव्वहा, एत्थोवरए मेहावी सव्वं पावकम्मं झोसति ॥ १८५ ॥ अणेगचित्ते खलु अयं पुरिसे, से केयणं अरिहए पूरिणए से अन्नवहाए, अण्णपरियावा

चरे। सव्वं हासं परिच्चज्ज, आलीणगुत्तो परिव्वए ॥ २०१ ॥ **पुरिसा, तुममेव तुमं मित्तं, किं बहिया मित्तमिच्छसि** ॥ २०२ ॥ जं जाणिज्जा उच्चालइयं तं जाणिज्जा दूरालइयं, जं जाणिज्जा दूरालइयं तं जाणेज्जा उच्चालइयं ॥ २०३ ॥ पुरिसा! अत्ताणमेवं अभिणिगिज्झ एवं दुक्खा पमुच्चसि ॥ २०४ ॥ पुरिसा! सच्चमेव समभिजाणाहि, सच्चस्साणाए से उवट्ठिए मेहावी मारं तरति, सहिओ धम्ममायाय सेयं समणुपस्सति ॥ २०५ ॥ दुहओ, जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जंसि एगे पमायंति ॥ २०६ ॥ सहिओ दुक्खमत्ताए पुट्ठो णो झंझाए; पासिमं दविए लोए लोयालोयपवंचाओ मुच्चइत्ति बेमि ॥ २०७ ॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

से वंता कोहं च, माणं च, मायं च, लोभं च, एयं पासगस्स दंसणं, उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स आयाणं सगडब्भि ॥ २०८ ॥ **जे एगं जाणइ से सव्वं जाणइ, जे सव्वं जाणइ से एगं जाणइ** ॥ २०९ ॥ **सव्वतो पमत्तस्स भयं, सव्वतो अप्पमत्तस्स णत्थि भयं** ॥ २१० ॥ जे एगं णामे से बहुं णामे, जे बहुं णामे से एगं णामे ॥ २११ ॥ दुक्खं लोयस्स जाणित्ता, वंता लोगस्स संजोगं, जंति वीरा महाजाणं, परेण परं जंति, नावकंखंति जीवियं ॥२१२॥ एगं विगिंचमाणे पुढो विगिंचइ पुढो विगिंचमाणे एगं विगिंचइ ॥ २१३ ॥ सड्ढी आणाए मेहावी ॥ २१४ ॥ लोगं च आणाए अभिसमेच्च अकुओभयं ॥ २१५ ॥ अत्थि सत्थं परेण परं, णत्थि असत्थं परेण परं ॥ २१६ ॥ जे कोहदंसी से माणदंसी, जे माणदंसी से मायादंसी, जे मायादंसी से लोभदंसी, जे लोभदंसी से पिज्जदंसी, जे पिज्जदंसी से दोसदंसी, जे दोसदंसी से मोहदंसी, जे मोहदंसी से गब्भदंसी, जे गब्भदंसी से जम्मदंसी, जे जम्मदंसी से मारदंसी, जे मारदंसी से णरयदंसी, जे णरयदंसी से तिरियदंसी, जे तिरियदंसी से दुक्खदंसी ॥ २१७ ॥ से मेहावी अभिनिवट्टिज्जा, कोहं च-माणं च-मायं च-लोहं च-पिज्जं च-दोसं च-मोहं च-गब्भं च-जम्मं च-मरणं च-णरगं च-तिरियं च-दुक्खं च-एयं पासगस्स दंसणं उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स ॥ २१८ ॥ आयाणं णिसिद्धा सगडब्भि ॥ २१९ ॥ किमत्थि ओवाहि पासगस्स? ण विज्जइ? णत्थित्ति, बेमि ॥ २२० ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो** ॥

सीयोसणीयं तइयज्झयणं समत्तं

से बेमि—जेय अईया, जेय पडुप्पन्ना, जेय आगमिस्सा-अरहंता भगवंतो ते सव्वे, एवमाइक्खंति-एवं भासंति-एवं पण्णविंति, एवं परूविंति—सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघितव्वा, ण

परितावेयव्वा, ण उद्दवेयव्वा, ॥ २२१ ॥ एस धम्मे सुद्धे, णिइए-सासए-समिच्च लो खेयन्नेहिं पवेइए, तंजहा-उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा, उवट्ठिय-अणुवट्ठिएसु वा, उ रयदंडेसु वा, अणुवरयदंडेसु वा, सोवहिएसु वा, अणोवहिएसु वा, संजोगरएसु व असंजोगरएसु वा ॥ २२२ ॥ तच्चं चेयं तहा चेयं अस्सिं चेयं पवुच्चइ ॥ २२३ तं आइत्तु ण णिहे ण णिक्खिवे, जाणित्तु धम्मं जहा तहा ॥२२४॥ दिट्ठेहिं णिव्वे गच्छिज्जा ॥ २२५ ॥ णो लोगस्सेसणं चरे ॥ २२६ ॥ जस्स णत्थि इमा जाई अ तस्स कओ सिया ! ॥ २२७ ॥ दिट्ठं सुयं मयं विन्नायं, जमेयं परिकहिज्जइ ॥२२८ समेमाणा पलेमाणा पुणो पुणो जातिं पकप्पंति ॥ २२९ ॥ अहोय राओय जयमा धीरे सया आगयपन्नाणे, पमत्ते बहिया पास अप्पमत्ते सया परिक्कमिज्जासि त्तेमि ॥ २३० ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जे आसवा ते परिस्सवा, जे परिस्सवा ते आसवा ॥ २३१ ॥ जे अणासव ते अपरिस्सवा, जे अपरिस्सवा ते अणासवा ॥ २३२ ॥ एए पए संवुज्झमाणे लो च आणाए अभिसमिच्चा पुढो पवेइयं ॥ २३३ ॥ आघाइ णाणी इह माणवा संसारपडिवन्नाणं संवुज्झमाणाणं विन्नाणपत्ताणं, अट्टावि संता अदुवा पमत्ता, अह सच्च मिणंत्ति-बेमि ॥ २३४ ॥ णाणागमो मच्चुमुहस्स अत्थि । इच्छापणीया वंका णिकेया कालग्गहीआ णिचयणिविट्ठा पुढो पुढो जाइं पकप्पयंति, ॥ २३५ ॥ इह मेगेसिं तत्थ तत्थ संथवो भवति । अहोववाइए फासे पडिसंवेयंति ॥ २३६ ॥ चिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं, चिट्ठं परिचिट्ठति; अचिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं णो चिट्ठं परिचिट्ठति ॥२३७॥ एगे वयंति अदुवावि णाणी, णाणी वयंति अदुवावि एगे ॥२३८॥ आवंती केयावंती लोयंसि समणा य माहणाय पुढो विवायं वदंति, "से दिट्ठं च णे, सुयं च णे, मयं च णे, विण्णायं च णे, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वतो सुपडिलेहियं च णे सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता-हंतव्वा-अज्जावेयव्वा-परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा । एत्थं पि जाणह, णत्थित्थ दोसो ।" अणारियवयणमेयं ॥२३९॥ तत्थ जे ते आरिया, ते एवं वयासी—"से दुद्दिट्ठं च भे, दुस्सुयं च भे, दुम्मयं च भे, दुव्विन्नायं च भे, उड्ढं, अहं, तिरियंदिसासु सव्वतो दुप्पडिलेहियं च भे; जं णं तुब्भे एवमाइक्खह, एवं भासह, एवं परूवेह-एवं पन्नवेह-सव्वे पाणा-सव्वे भूया-सव्वे जीवा-सव्वेसत्ता, हंतव्वा, अज्जावेयव्वा, परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा-एत्थवि जाणह नत्थित्थ दोसो ।" अणारियवयणमेयं ॥ २४० ॥ वयं पुण एवमाइक्खामो, एवं भासामो, एवं परूवेमो, एवं पन्नवेमो, "सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेतव्वा, ण परिघेतव्वा, ण परियावेयव्वा, ण उद्द-

वेयव्वा, एत्थवि जाणह, णत्थित्थ दोसो।" आरियवयणमेयं ॥ २४१ ॥ पुव्वं निकायसमयं, पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो, हं भो पवादिया, किं भे सायं दुक्खं उदाहु असायं ? समिया पडिवन्ने यावि एवं बूया,—सव्वेसिं पाणाणं, सव्वेसिं भूयाणं, सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, असायं, अपरिणिव्वाणं महब्भयं दुक्खं त्ति बेमि ॥ २४२ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

उवेहि णं बहिया य लोयं, से सव्वलोयंसि जे केइ विन्नू ॥ २४३ ॥ अणुवीइ पास, णिक्खित्तदंडा जे केइ सत्ता पलियं चयंति, णरे मुयच्चा धम्मविदुत्ति अंजू; आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, एवमाहु संमत्तदंसिणो ॥ २४४ ॥ ते सव्वे पावाइया दुक्खस्स कुसला परिन्नमुदाहरंति, इति कम्मं परिन्नाय सव्वसो ॥ २४५ ॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, एगमप्पाणं संपेहाए धुणे सरीरं ॥ २४६ ॥ कसेहि अप्पाणं, जरेहि अप्पाणं ॥ २४७ ॥ जहा जुन्नाइं कट्ठाइं हव्ववाहो पमत्थति, एवं अत्तसमाहिए अणिहे ॥२४८॥ विगिंच कोहं अविकंपमाणे, इमं णिरुद्धाउयं संपेहाए ॥२४९॥ दुक्खं च जाण अदुवागमेस्सं, पुढो फासाइं च फासे, लोयं च पास, विप्फंदमाणं ॥ २५० ॥ जे णिव्वुडा, पावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥२५१॥ तम्हाऽतिविज्जो णो पडिसंजलिज्जासित्ति बेमि ॥२५२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

आवीलए पवीलए निप्पीलए, जहित्ता पुव्वसंजोगं हिच्चा उवसमं ॥ २५३ ॥ तम्हा अविमणे वीरे, सारए समिए सहिते सया जए ॥ २५४ ॥ दुरणुचरो मग्गो वीराणं अणियट्टगामीणं ॥ २५५ ॥ विगिंच मंससोणियं, एस पुरिसे दवीए वीरे आयाणिज्जे वियाहिए, जे धुणाइ समुस्सयं वसित्ता बंभचेरंसि ॥ २५६ ॥ णित्तेहिं पलिछिन्नेहिं आयाणसोयगढिए बाले, अव्वोच्छिन्नबंधणे अणभिक्कंतसंजोए। तमंसि अविजाणओ आणाए लंभो णत्थि-त्ति बेमि ॥ २५७ ॥ जस्स नत्थि पुरा पच्छा, मज्झे तस्स कुओ सिया ? ॥ २५८ ॥ से हु पन्नाणमंते बुद्धे आरंभोवरए, सम्ममेयंति पासह, जेण बंधं वहं घोरं परितावं च दारुणं ॥ २५९ ॥ पलिछिंदिय बाहिरगं च सोयं, णिक्कम्मदंसी इह मच्चिएहिं ॥ २६० ॥ कम्माणं सफलं दट्ठूण तओ णिज्जाइ पुव्ववी ॥ २६१ ॥ जे खलु भो ! वीरा ते समिता सहिता सयाजता संघडदंसिणो आतोवरया अहातहं लोगमुवेहमाणा पाईणं पडीणं दाहीणं उदीणं इति सच्चंसि परिचिट्ठिंसु ॥ २६२ ॥ साहिस्सामो णाणं वीराणं समियाणं सहियाणं, सयाजताणं संघडदंसिणं आतोवरयाणं अहातहं लोगसमुवेहमाणाणं किमत्थि उवाधी ? पासगस्स ण विज्जति णत्थित्ति बेमि ॥ २६३ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

सम्मत्तं णाम चउत्थमज्झयणं समत्तं

आवंती केयावंती लोयंसि विप्परामुसंति अट्ठाए अणट्ठाए वा । एएसु चेव विप्परामुसंति, गुरु से कामा, तओ से मारंते, जओ से मारंते, तओ से दूरे, णेव से अंतो णेव से दूरे ॥ २६४ ॥ से पासति फुसियमिव कुसग्गे पणुन्नं णिवइतं वातेरितं, एवं वालस्स जीवियं मंदस्स अविजाणओ ॥ २६५ ॥ कूराइं कम्माइं वाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विपरियासमुवेति, मोहेण गब्भं मरणाइ एति, एत्थ मोहे पुणो पुणो ॥ २६६ ॥ संसयं परियाणतो संसारे परिण्णाते भवति, संसयं अपरिजाणओ संसारे अपरिण्णाते भवति ॥ २६७ ॥ जे छेए से सागारियं ण सेवइ ॥ २६८ ॥ कट्टु एवं अविजाणओ वितिया मंदस्स वालया ॥ २६९ ॥ लद्धा हुरत्था पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणयत्ति बेमि ॥ २७० ॥ पासह एगे रूवेसु गिद्धे परिणिज्जमाणे, इत्थ फासे पुणो पुणो, आवंती केयावंती लोयंसि आरंभजीवी ॥ २७१ ॥ एएसु चेव आरंभजीवी, इत्थवि वाले परिपच्चमाणे रमति पावेहिं कम्मेहिं असरणे सरणंति मण्णमाणे ॥ २७२ ॥ इहमेगेसिं एगचरिया भवति, से वहुकोहे-वहुमाणे-वहुमाए-वहुलोहे-वहुरए-वहुनडे-वहुसढे-वहुसंकप्पे, आसवसक्की पलिउच्छन्ने उट्ठियवायं पवयमाणे "मा मे केइ अदक्खू" अण्णाणपमायदोसेणं, सययं मूढे धम्मं णाभिजाणाइ ॥ २७३ ॥ अट्टा पया माणव ! कम्मकोविया जे अणुवरया अविज्जाए पलिमुक्खमाहु आवट्टमेव अणुपरियट्टंतित्ति बेमि ॥ २७४ ॥

पढमोद्देसो समत्तो ॥

आवंती केयावंती लोए अणारंभजीविणो तेसु ॥ २७५ ॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे "अयं संधीति" अदक्खु, जे इमस्स विग्गहस्स अयं खणेत्ति अन्नेसी ॥ २७६ ॥ एस मग्गे आरिएहिं पवेदिते, **उट्ठिए णो पमायए**, जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ २७७ ॥ पुढो छंदा इह माणवा, पुढो दुक्खं पवेदितं, से अविहिंसमाणे अणवयमाणे, पुट्ठो फासे विप्पणुन्नए । एस समिया परियाए वियाहिते ॥ २७८ ॥ जे असत्ता पावेहिं कम्मेहिं उदाहु ते आयंका फुसंति इति उदाहु धीरे ते फासे पुट्ठो अहियासइ ॥ २७९ ॥ से पुव्वं पेयं, पच्छापेयं भिउरधम्मं विद्धंसणधम्मं-अधुवं अणितियं असासयं चयावचइयं विप्परिण्णामधम्मं, पासह एयं रूवसंधिं ॥ २८० ॥ समुप्पेहमाणस्स इक्कायतणरयस्स इह विप्पमुक्कस्स णत्थि मग्गे विरयस्सत्ति बेमि ॥ २८१ ॥ आवंती केयावंती लोगंसि परिग्गहावंती;-से अप्पं वा, वहुयं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, एतेसु चेव परिग्गहावंती ॥२८२॥ एवमेवेगेसिं महब्भयं भवति, लोगवित्तं च णं उवेहाए ॥ २८३ ॥ एए संगे अविजाणतो से सुपडिवद्धं सूवणीयंति णच्चा, पुरिसा ! परमचक्खू विप्परिक्कमा, एतेसु

चेव बंभचेरं त्ति बेमि ॥ २८४ ॥ से सुयं च मे, अज्झत्थयं च मे, बंधपमुक्खो अज्झत्थेव ॥ २८५ ॥ इत्थ विरते अणगारे दीहरायं तितिक्खए ॥ २८६ ॥ पमत्ते बहिया पास, अप्पमत्तो परिव्वए ॥ २८७ ॥ एयं मोणं सम्मं अणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ २८८ ॥ **बीयोद्देसो समत्तो ॥**

आवंती के यावंती लोयंसि अपरिग्गहावंती एएसु चेव अपरिग्गहावंती सुच्चा वई मेहावी, पंडियाण णिसामिया ॥ २८९ ॥ समियाए धम्मे आरिएहिं पवेदिते जहित्थ मए संधी झोसिए एवमण्णत्थ संधी दुज्झोसए-भवति, तम्हा बेमि णो णिहणिज्ज वीरियं ॥ २९० ॥ जे पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, जे पुव्वुट्ठाई पच्छाणिवाई, जे णो पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, सेऽवि तारिसिए सिया, जे परिण्णाय लोगमण्णेसयंति, एयं णियाय मुणिणा पवेदितं ॥ २९१ ॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, पुव्वावररायं जयमाणे सया सीलं सुपेहाए ॥ २९२ ॥ सुणिया भवे अकामे अझंझे ॥ २९३ ॥ इमेण चेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण वज्झओ? जुद्धारिहं खलु दुल्लहं ॥ २९४ ॥ जहित्थ कुसलेहिं परिन्नाविवेगे भासिए, चुए हु बाले गब्भाइसु रज्जइ ॥ २९५ ॥ अस्सिं चेयं पव्वुच्चति, रूवंसि वा छणंसि वा ॥ २९६ ॥ से हु एगे संविद्धपहे मुणी, अण्णहा लोगमुवेहमाणे ॥ २९७ ॥ इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो से ण हिंसति संजमति णो पगब्भति, उवेहमाणो पत्तेयं सायं ॥ २९८ ॥ वन्नाएसी णारभे कंचणं सव्वलोए, एगप्पमुहे विदिसप्पइन्ने निव्विन्नचारी अरए पयासु ॥ २९९ ॥ से वसुमं सव्वसमन्नागयपन्नाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं तं णो अन्नेसी ॥ ३०० ॥ जं सम्मं ति पासहा तं मोणं ति पासहा, जं मोणं ति पासहा तं सम्मं ति पासहा ॥ ३०१ ॥ ण इमं सक्कं सिढिलेहिं अद्दिज्जमाणेहिं गुणासाएहिं वंकसमायारेहिं पमत्तेहिं गारमावसंतेहिं ॥ ३०२ ॥ मुणी मोणं समायाए, धुणे कम्मसरीरगं, पंतं लूहं सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥ एस ओहं तरे मुणी, तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥ ३०३ ॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

गामाणुगामं दूइज्जमाणस्स दुज्जातं दुप्परक्कंतं भवति अवियत्तस्स भिक्खुणो ॥ ३०४ ॥ वयसावि एगे बुइया कुप्पंति माणवा, उन्नयमाणे य णरे महता मोहेण मुज्झति, संबाहा बहवे भुज्जो २ दुरतिक्कमा अजाणतो, अपासतो, एयं ते मा होउ, एयं कुसलस्स दंसणं ॥ ३०५ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सन्नी तन्निवेसणे जयं विहारी चित्तणिवाती पंथणिज्झाती पलिवाहिरे, पासिय पाणे गच्छिज्जा । से अभिक्कममाणे पडिक्कममाणे संकुचमाणे पसारेमाणे विणिवट्टमाणे संपलिमज्जमाणे ॥ ३०६ ॥ एगया गुणसमियस्स रीयतो कायसंफासं समणुचिन्ना एगतिया पाणा

उद्दायंति; इहलोगवेयणविज्जावडियं, जं आउट्टिकयं कम्मं तं परिन्नाय विवेगमेति, एवं से अप्पमाएणं विवेगं किट्टति पुव्ववी ॥ ३०७ ॥ से पभूयदंसी पभूयपरिन्नाणे उवसंते समिए सहिते सयाजए, दट्ठुं विप्पडिवेदेति अप्पाणं, "किमेस जणो करिस्सति! एस से परमारामो जाओ लोगंमि इत्थीओ", मुणिणा हु एतं पवेदितं ॥ ३०८ ॥ उव्वाहिज्जमाणे गामधम्मेहिं अवि णिव्वलासए, अवि ओमोयरियं कुज्जा, अवि उड्ढं ठाणं ठाइज्जा, अवि गामाणुगामं दूइज्जिज्जा, अवि आहारं वुच्छिदिज्जा, अवि चए इत्थिसु मणं ॥ ३०९ ॥ पुव्वं दंडा पच्छा फासा, पुव्वं फासा पच्छा दंडा, इच्चेते कलहासंगकरा भवंति । पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥ ३१० ॥ से णो काहिए, णो पासणिए, णो मामए, णो कयकिरिए, वइगुत्ते, अज्झप्पसंवुडे, परिवज्जइ सदा पावं, एयं मोणं समणुवासिज्जासि-त्ति बेमि ॥ ३११ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से बेमि—तंजहा, अवि हरए पडिपुन्ने समंसि भोमे चिट्ठइ उवसंतरए सारक्खमाणे, से चिट्ठति सोयमज्झगए, से पास, सव्वतो गुत्ते, पास, लोए महेसिणो, जे य पन्नाणमंता पवुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह, कालस्स कंखाए परिव्वयंति त्ति बेमि ॥ ३१२ ॥ वितिगिच्छसमावन्नेणं अप्पाणेणं णो लभति समाधिं ॥३१३॥ सिया वेगे अणुगच्छंति, असिया वेगे अणुगच्छंति, अणुगच्छमाणेहिं अणणुगच्छमाणे कहं ण णिव्विज्जे, तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ॥ ३१४ ॥ सड्ढिस्स णं समणुन्नस्स संपव्वयमाणस्स समियंति मण्णमाणस्स एगया समिया होति, समियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होति, असमयंति मण्णमाणस्स एगया समिया होति, असमियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होति ॥ ३१५ ॥ समियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, समिया होति उवेहाए ॥ ३१६ ॥ असमियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, असमिया होति उवेहाए ॥ ३१७ ॥ उवेहमाणो अणुवेहमाणं बूया—"उवेहाहि समियाए इच्चेवं तत्थ संधी झोसितो भवति" ॥ ३१८ ॥ से उट्ठियस्स ठियस्स गतिं समणुपासह, एत्थवि बालभावे अप्पाणं णो उवदंसेज्जा ॥ ३१९ ॥ तुमंसि नाम सच्चेव, जं हंतव्वंति मन्नसि, तुमंसि नाम सच्चेव, जं अज्जावेयव्वंति मन्नसि, तुमंसि नाम सच्चेव, जं परितावेयव्वंति मन्नसि, एवं जं परिघित्तव्वंति मन्नसि, जं उद्दवेयव्वंति मन्नसि । अंजू चेयपडिवुद्धजीवी तम्हा ण हंता, ण विघायए अणुसंवेयणमप्पाणेणं जं हंतव्वं णाभिपत्थए ॥ ३२० ॥ जे आया से विन्नाया, जे विन्नाया से आया, जेण विजाणति से आया, तं पडुच्च परिसंखाए, एस आयावाई समियाए परियाए वियाहितेत्ति बेमि ॥ ३२१ ॥ **पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

अणाणाए एगे सोवट्ठाणा आणाए एगे निरुवट्ठाणा एतं ते मा होउ, एयं कुसलस्स दंसणं ॥ ३२२ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे, अभिभूय अदक्खू, अणभिभूते पभू निरालंबणयाए; जे महं अवहिमणे ॥ ३२३ ॥ पवाएणं पवायं जाणिज्जा,सहसम्मइयाए,परवागरणेणं अन्नेसिं वा अंतिए सोच्चा॥ ३२४॥ णिद्देसं णातिवट्टेज्जा मेहावी सुपडिलेहिया सव्वतो सव्वप्पणा सम्ममेव समभिण्णाय ॥ ३२५ ॥ इह आरामं परिण्णाय अल्लीणगुत्तो आरामो परिव्वए, णिट्ठियट्ठी वीरे आगमेण सदा परिक्कमेज्जासि त्ति बेमि ॥ ३२६॥ उड्ढं सोता, अहे सोता, तिरियं सोता वियाहिया; एते सोया वियक्खाया, जेहिं संगंति पासहा ॥ ३२७ ॥ आवट्टं तु उवेहाए, एत्थ विरमिज्ज पुव्ववी ॥ ३२८ ॥ विणइत्तु सोयं णिक्खम्म एसमहं अकम्मा जाणति, पासति, पडिलेहाए णावकंखति, इह आगतिं गतिं परिण्णाय अच्चेइ जातिमरणस्स वट्टमग्गं विक्खायरए ॥ ३२९ ॥ सव्वे सरा णियट्टंति, तक्का जत्थ ण विज्जइ, मई तत्थ ण गाहिता, ओए अप्पतिट्ठाणस्स खेयन्ने ॥ ३३० ॥ से ण दीहे ण हस्से ण वट्टे ण तंसे ण चउरंसे ण परिमंडले, न किण्हे, न णीले, ण लोहिए, ण हालिद्दे ण सुक्किल्ले ण सुरहिगंधे ण दुरहिगंधे ण तित्ते ण कडुए, ण कसाए ण अंबिले ण महुरे ण कक्खडे ण मउए ण गरुए ण लहुए ण सीए ण उण्हे ण णिद्धे ण लुक्खे ण काऊ ण रुहे ण संगे ण इत्थी ण पुरिसे ण अन्नहा परिण्णे, सण्णे ॥ ३३१ ॥ उवमा ण विज्जए, अरूवी सत्ता, अपयस्स पयं णत्थि ॥ ३३२ ॥ से ण सद्दे ण रूवे ण गंधे ण रसे ण फासे इच्चेवत्ति बेमि ॥ ३३३ ॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

॥ लोकसारणाम पंचमज्झयणं समत्तं ॥

ओवुज्झमाणे इह माणवेसु आघाइ से णरे, जस्सिमाओ जाइओ सव्वओ सुपडिलेहियाओ भवंति, आघाइ से णाणमणेलिसं ॥ ३३४ ॥ से किट्टति तेसिं समुट्ठियाणं णिक्खित्तदंडाणं समाहियाणं पन्नाणमंताणं इह मुत्तिमग्गं, एवं एगे महावीरा विप्परिक्कमंति, पासह एगे अविसीयमाणे अणत्तपन्ने ॥ ३३५॥ से बेमि से जहावि कुम्मे हरए विणिविट्ठचित्ते पच्छन्नपलासे उम्मग्गं से णो लहइ ॥ ३३६ ॥ भंजगा इव सन्निवेसं णो चयंति, एवं एगे अणेगरूवेहिं कुलेहिं जाया, रूवेहिं सत्ता, कलुणं थणंति, णियाणओ ते ण लभंति मुक्खं ॥ ३३७॥ अह पास तेहिं कुलेहिं आयत्ताए जाया ॥ ३३८ ॥ गंडी अदुवा कुट्ठी, रायंसी अवमारियं । काणियं झिमियं चेव, कुणियं खुज्जियं तहा ॥ उअरिं पास मूयं च, सूणिअं च गिलासिणिं, वेवइं पीढसप्पिं च, सिलिवयं महुमेहणिं सोलस एते रोगा, अक्खाया अणुपुव्वसो, अह णं फुसंति

आयंका, फासाय असमंजसा ॥ मरणं तेसिं संपेहाए, उववायं चवणं णच्चा; परिं च संपेहाए, तं सुणेह जहा तहा ॥ ३३९ ॥ संति पाणा अंधा तमंसि वियाहिं तामेव सइं असइं अइ अच्च उच्चावयफासे पडिसंवेदेंति, बुद्धेहिं एवं पवेदितं ॥३४०॥ संति पाणा वासगा, रसगा उदए उदएच्चरा आगासगामिणो पाणा पाणे किलेसंति ॥ ३४१ ॥ पास लोए महब्भयं ॥ ३४२ ॥ बहुदुक्खाहु जंतवो ॥ ३४३ ॥ सत्ता कामेसु माणवा, अबलेण वहं गच्छंति सरीरेणं पभंगुरेण ॥ ३४४ ॥ अट्टे से बहुदुक्खे, इति वाले पकुव्वइ; एते रोगा बहु णच्चा, आउरा परितावए ॥ ३४५ ॥ णालं पास, अलं तवेएहिं । एयं पास मुणी ! महब्भयं, णातिवाएज्ज कंचणं ॥ ३४६ ॥ आयाणं भो ! सुस्सूस ! भो धूयवादं पवेदइस्सामि इह खलु अत्तत्ताए तेहिं तेहिं कुलेहिं अभिसेएण, अभिसंभूता, अभिसंजाता, अभिणिव्वुडा, अभिसंवुड्ढा, अभिसंबुद्धा अभिणिक्कंता अणुपुव्वेणं महामुणी ॥ ३४७ ॥ तं परिक्कमंतं परिदेवमाणा मा चयाहि इति ते वदंति; "छंदोवणीया अज्झोववन्ना," अक्कंदकारी जणगा रुवंति । अतारिसे मुणी णो ओहंतरए, जणगा जेण विप्पजढा ॥ ३४८ ॥ सरणं तत्थ णो समेति कहं नु णाम से तत्थ रमति ? एवं णाणं सया समणुवासिज्जासि-त्ति बेमि ॥ ३४९ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

आतुरं लोयमायाए चइत्ता पुव्वसंजोगं, हिच्चा उवसमं, वसित्ता बंभचेरंमि, वसु वा अणुवसु वा जाणित्तु धम्मं अहा तहा, अहेगे तमच्चाइ कुसीला, वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं विउसिज्जा, अणुपुव्वेण अणहियासेमाणा परीसहे दुरहियासए, कामे ममायमाणस्स, इयाणिं मुहुत्तेण वा अपरिमाणाए भेए, एवं से अंतराएहिं कामेहिं आकेवलिएहिं अवइन्नाचेए ॥ ३५० ॥ अहेगे धम्ममादाय आयाणप्पभिइसु पणिहिं चरे अप्पलीयमाणे दढे ॥ ३५१ ॥ सव्वं गिद्धिं परिण्णाय एस पणए महामुणी ॥ ३५२ ॥ अइअच्च सव्वतो संगं "णमहं अत्थित्ति इति एगोहमंसि" जयमाणे एत्थ विरते, अणगारे, सव्वओ मुंडे, रीयंते, जे अचेले परिवुसिए संचिक्खति ओमोयरियाए ॥ ३५३ ॥ से आकुट्ठो वा, हए वा, लुंचिए वा, पलियं पकत्थ, अदुवा पकत्थ, अतहेहिं सद्दफासेहिं, इति संखाए एगतरे अन्नयरे अभिन्नाय तितिक्खमाणे परिव्वए, जे य हिरी जे य अहिरीमाणा, चिच्चा सव्वं विसोत्तियं संफासे फासे समियदंसणे ॥ ३५४ ॥ एते भो णगिणा वुत्ता, जे लोगंसि अणागमणधम्मिणो, ॥ ३५५ ॥ "आणाए मामगं धम्मं" एस उत्तरवादे इह माणवाणं वियाहिते ॥ ३५६ ॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे, आयाणिज्जं परिण्णाय परियाएणं विगिंचइ ॥ ३५७ ॥ इह मेगेसिं एगचरिया होति, तत्थियरा इयरेहिं कुलेहिं सुद्धेसणाए सव्वेसणाए से मेहावी परिव्वए, सुब्भि अदुवा दुब्भि अदुवा तत्थ भेरवा पाणापाणे किलेसंति ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासेज्जासित्ति बेमि ॥ ३५८ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

एयं खु मुणी आयाणं सया सुअक्खायधम्मे विधूतकप्पे णिज्झोसइत्ता ॥३५९॥ जे अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स णो एवं भवइ परिजुण्णे मे वत्थे वत्थं जाइस्सामि, सुत्तं जाइस्सामि, सूइं जाइस्सामि, संधिस्सामि, सीविस्सामि, उक्कसिस्सामि वोक्कसिस्सामि, परिहिस्सामि पाउणिस्सामि ॥ ३६० ॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, तेउफासा सीयफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अन्नयरे विरूवरूवे फासे अहियासेति, अचेले लाघवं आगममाणे, तवेसे अभिसमण्णागए भवति ॥ ३६१ ॥ जहेयं भगवता पवेदितं तमेव अभिसमेच्चा सव्वतो सव्वत्ताए समत्तमेव समभिजाणिज्जा एवं तेसिं महावीराणं चिरराइं पुव्वाइं वासाणि रीयमाणाणं दवियाणं पास, अहियासियं ॥ ३६२ ॥ आगयपन्नाणाणं किसा बाहवो भवंति, पयणुए मंससोणिए, विस्सेणिं कट्टु परिण्णाए, एस तिन्ने मुत्ते विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥ ३६३ ॥ विरयं भिक्खुं रीयंतं चिररातोसियं अरती तत्थ किं विहारए ॥३६४॥ संधे माणे समुट्ठिए, जहासे दीवे असंदीणे ॥३६५॥ एवं से धम्मे आयरियपदेसिए ॥३६६॥ ते अणवकंखमाणा, पाणे अणतिवातेमाणा जइया मेहाविणो पंडिया ॥ ३६७ ॥ एवं तेसिं भगवओ अणुट्ठाणे जहा से दियापोए एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइय त्ति बेमि ॥३६८॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइया तेहिं महावीरेहिं पण्णाणमंतेहिं तेसिमंतिए पण्णाणमुवलब्भ हिच्चा उवसमं फारुसियं समादियंति ॥ ३६९ ॥ वसित्ता बंभचेरंसि आणं तं णो त्ति मण्णमाणा ॥३७०॥ अग्घायं तु सोच्चा णिसम्म "समणुन्ना जीविस्सामो" एगे णिक्खमंते असंभवंता विडज्झमाणा कामेहिं गिद्धा अज्झोववण्णा समाहिमाघायमजोसयंता सत्थारमेव फरुसं वदंति ॥ ३७१ ॥ सीलमंता उवसंता संखाए रीयमाणा "असीला" अणुवयमाणस्स बितिया मंदस्स बालया ॥ ३७२ ॥ णियट्टमाणा वेगे आयारगोयरमाइक्खंति ॥ ३७३ ॥ णाणभट्ठा दंसणलूसिणो णममाणा एगे जीवितं विप्परिणामंति ॥ ३७४ ॥ पुट्ठावेगे णियट्टंति जीवियस्सेव कारणा, णिक्खंतंपि तेसिं दुन्निक्खंतं भवति ॥ ३७५ ॥ बालवयणिज्जा हु ते नरा पुणो पुणो जातिं पकप्पंति अहे संभवंता विद्दायमाणा अहमंसि ति विउक्कसे उदासीणे फरुसं वदंति, पलियं पकत्थे अदुवा पकत्थे अतहेहिं तं मेहावी जाणिज्जा धम्मं ॥ ३७६ ॥ अहम्मट्ठी तुमंसि णामबाले, आरंभट्ठी अणुवयमाणे "हणपाणे" घायमाणे, हणओयावि समणुजाणमाणे "घोरे धम्मे उदीरिए" उवेहइ णं आणाणाए एस विसण्णे वियद्दे वियाहिते त्ति बेमि ॥ ३७७ ॥ किमणेणं भो जणेण करिस्सामि त्ति मण्णमाणा एवं एगे वइत्ता, मातरं पितरं हिच्चा, णातओ य

परिग्गहं, वीरायमाणा समुट्ठाए, अविहिंसा सुव्वया दंता, पस्स दीणे उप्पइए पडिव यमाणे ॥ ३७८ ॥ वसट्टा कायरा य जणा लूसगा भवंति ॥ ३७९ ॥ अहमेगेसि सिलोए पावए भवइ, से समणो भवित्ता विब्भंते२ ॥ ३८० ॥ पासहेगे समन्नागएहिं सह असमण्णागए, णममाणेहिं अणममाणे विरतेहिं अविरते दविएहिं अदविए ॥ ३८१ ॥ अभिसमेच्चा पंडिए मेहावी णिट्ठियट्ठे वीरे आगमेणं सया परक्कमेज्जासि त्ति बेमि ॥ ३८२ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से गिहेसु वा, गिहंतरेसु वा, गामेसु वा, गामंतरेसु वा, नगरेसु वा, नगरंतरेसु वा, जणवएसु वा, जणवयंतरेसु वा, गामजणवयंतरे वा गामणयरंतरे वा णगरजणवयंतरे वा, संतेगतिया जणा लूसगा भवंति, अदुवा फासा फुसंति, ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासए ओए समियदंसणे ॥ ३८३ ॥ दयं लोगस्स, जाणित्ता पादीणं पडीणं, दाहीणं उदीणं, आइक्खे, विभये, किट्टे, पुव्ववी ॥ ३८४ ॥ से उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेदए, संतिं, विरतिं, उवसमं, णिव्वाणं, सोयं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवत्तियं ॥ ३८५ ॥ सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं जीवाण सव्वेसिं सत्ताणं अणुवीइ भिक्खु धम्ममाइक्खेज्जा ॥ ३८६ ॥ अणुवीइ भिक्खु धम्ममाइक्खमाणे णो अत्ताणं आसाइज्जा, णो परं आसाइज्जा, णो अन्नाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं आसाएज्जा ॥ ३८७ ॥ से अणासादए अणासादमाणे वज्झमाणाणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं, जहा से दीवे असंदीणे एवं से भवति सरणं महामुणी ॥ ३८८ ॥ एवं से उट्ठिए ठियप्पा अणिहे अचले चले अबहिल्लेस्से परिव्वए ॥ ३८९ ॥ संखाय पेसलं धम्मं, दिट्ठिमं परिणिव्वुडे ॥ ३९० ॥ तम्हा संगं ति पासह, गंथेहिं गढिया णरा विसण्णा कामक्कंता, तम्हा लूहाओ णो परिवित्तसेज्जा ॥ ३९१ ॥ जस्सिमे आरंभा सव्वतो सव्वप्पयाए सुपरिण्णाया भवंति तेसिंमे लूसिणो णो परिवित्तसंति से वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च, एस तुट्टे वियाहिते त्ति बेमि ॥ ३९२ ॥ कायस्स वियाघाए संगामसीसे वियाहिए, से हु पारंगमे मुणी, अविहम्ममाणे फलगावयट्ठि कालोवणीते कंखेज्जकालं जाव सरीरभेउत्ति बेमि ॥ ३९३ ॥ **पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

॥ धूताक्खं छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥

महापरिण्णा णामं सत्तमज्झयणं वोच्छिण्णं

से बेमि समणुन्नस्स वा असमणुन्नस्स वा असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, वत्थं वा, पडिग्गहं वा, कंबलं वा, पायपुंच्छणं वा णो पाएज्जा, णो णिमंतिज्जा

णो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणेत्ति बेमि ॥ ३९४ ॥ धुयं चेतं जाणेज्जा असणं वा जाव पायपुंछणं वा, लभिया णो लभिया, भुंजिया णो भुंजिया पंथं विउत्ता विउकम्म विभत्तं धम्मं जोसेमाणे समेमाणे चलेमाणे पाएज्जा वा णिमंतेज्जा वा कुज्जा वेयावडियं परं अणाढायमाणेत्ति बेमि ॥ ३९५ ॥ इहमेगेसिं आयार-गोयरे णो सुणिसंते भवति, ते इह आरंभट्ठी अणुवयमाणा "हण पाणा" घायमाणा हणतो यावि समणुजाणमाणा अदुवा अदिन्नमाययंति, अदुवा वायाओ विउज्जति; तंजहा-अत्थि लोए णत्थि लोए धुवे लोए अधुवे लोए सादिए लोए अणादिए लोए सपज्जवसिते लोए अपज्जवसिते लोए सुकडेत्ति वा दुक्कडेत्ति वा कल्लाणेत्ति वा पावेत्ति वा साहुत्ति वा असाहुत्ति वा सिद्धीत्ति वा, असिद्धीत्ति वा, णिरएत्ति वा अणिरएत्ति वा ॥ ३९६ ॥ जमिणं विप्पडिवण्णा "मामगं धम्मं" पन्नवेमाणा, इत्थवि जाणह अकम्हा । एवं तेसिं णो सुअक्खाए सुपन्नत्ते धम्मे भवति, से जहेयं भगवया पवेदितं आसुपण्णेण जाणया पासया, अदुवा गुत्ती वओगोयरस्स त्ति बेमि ॥३९७॥ सव्वत्थ संमयं पावं, तमेव उवाइकम्म, एस महं विवेगे वियाहिते ॥ ३९८ ॥ गामे अदुवा रण्णे, णेव गामे णेव रण्णे, धम्ममायाणह पवेदितं माहणेण मईमया ॥३९९॥ जामा तिण्णि उदाहिया, जेसु इमे आयरिया संवुज्झमाणा समुट्ठिया ॥४००॥ जे णिव्वुया पावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥ ४०१ ॥ उड्ढं अहे तिरियं दिसासु सव्वतो सव्वावंति च णं पाडियक्कं जीवेहिं कम्मसमारंभे णं ॥ ४०२ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं एतेहिं कायेहिं दंडं समारंभेज्जा, णेवण्णे एतेहिं कायेहिं दंडं समारंभावेज्जा, नेवन्ने एएहिं काएहिं दंडं समारंभंतेवि समणुजाणेज्जा ॥४०३॥ जेयन्ने एतेहिं काएहिं दंडं समारंभंति तेसिंपि वयं लज्जामो ॥४०४॥ तं परिण्णाय मेहावी तं वा दंडं अण्णं वा णो दंडेमि, दंडं समारंभिज्जासि त्ति बेमि ॥ ४०५ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खु परक्कमेज्ज वा, चिट्ठेज्ज वा, णिसीएज्ज वा, तुयट्टेज्ज वा, सुसाणंसि वा, सुन्नागारंसि वा, गिरिगुहंसि वा, रुक्खमूलंसि वा, कुंभाराययणंसि वा, हुरत्था वा, कहिं चि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावती बूया आउसंतो समणा ! अहं खलु तव अट्ठाए असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, वत्थं वा, पडिग्गहं वा, कंबलं वा, पायपुंछणं वा, पाणाइं, भूयाइं, जीवाइं, सत्ताइं, समारब्भ समुद्दिस्स कीयं, पामिच्चं, अच्छिज्जं, अणिसट्ठं, अभिहडं आहट्टु चेतेमि, आवसहं वा समुस्सि-णोमि, से भुंजह, वसह ॥ ४०६ ॥ आउसंतो समणा ! भिक्खु तं गाहावतिं समणसं सवयसं संपडियाइक्खे आउसंतो गाहावति ! णो खलु ते वयणं आढामि, णो खलु ते वयणं परिजाणामि, जो तुमं मम अट्ठाए असणं वा (४) वत्थं वा (४) पाणाइं

उज्जालेत्ता पज्जालेत्ता कायं आयावेज्जा वा पयावेज्जा वा, तं च भिक्खु पडिलेहाए आगमेत्ता आणविज्जा, अणासेवणाए त्ति बेमि ॥४२०॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

जे भिक्खु तिवत्थेहिं परिवुसिते पायचउत्थेहिं तस्स णं णो एवं भवति "चउत्थं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोविज्जा णो रएज्जा णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा, अपलिओवमाणे, गामंतरेसु, ओमचेलिए, एयं खु वत्थधारिस्स सामग्गियं ॥ ४२१ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा; उवातिक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवन्ने अहापरिजुन्नाइं वत्थाइं परिट्ठविज्जा, अदुवा संतरुत्तरे, अदुवा ओमचेले, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमन्नागए भवति । जमेयं भगवया पवेदितं तमेव अभिसमेच्चा, सव्वतो सव्वत्ताए समत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४२२ ॥ जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवति, पुट्ठो खलु अहमंसि, नालमहमंसि सीयफासं अहियासित्तए, से वसुमं सव्वसमण्णागयपन्नाणेणं अप्पाणेणं केइ अकरणयाए आउट्टे, तवस्सिणो हु तं सेयं जमेगे विहमाइए, तत्थवि तस्स कालपरियाए, से वि तत्थ विअंतिकारए, इच्चेतं विमोहायतणं हियंसुहंखमंणिस्सेयसं आणुगामियं त्ति बेमि ॥४२३॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो** ॥

से भिक्खु दोहिं वत्थेहिं परिवुसिते, पायतइएहिं, तस्स णं णो एवं भवति, तइयं वत्थं जाइस्सामि, से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, जाव एवं खलु तस्स भिक्खुस्स सामग्गियं ॥ ४२४ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा, उवाइक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवन्ने, अहा परिजुण्णाइं वत्थाइं परिट्ठवेज्जा २ अदुवा संतरुत्तरे, अदुवा ओमचेलए, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवति, जहेयं भगवता पवेदितं तमेव अभिसमेच्चा सव्वतो सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४२५ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति, पुट्ठो अबलो अहमंसि, नालमहमंसि गिहंतरसंकमणं भिक्खायरियं गमणाए, से चेवं वदंतस्स परो अभिहडं असणं वा (४) आहट्टु दलएज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसंतो गाहावती, णो खलु मे कप्पइ अभिहडं असणं वा (४) भोत्तए वा, पायए वा, अन्ने वा एयप्पगारे ॥ ४२६ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स अयं पगप्पे; अहं च खलु पडिण्णत्तो अपडिन्नत्तेहिं, गिलाणो अगिलाणेहिं, अभिकंख साहम्मिएहिं, कीरमाणं वेयावडियं साइज्जिस्सामि । अहं वा वि खलु अपडिन्नत्तो पडिण्णत्तस्स अगिलाणे गिलाणस्स, अभिकंख साहम्मिअस्स कुज्जा वेयावडिअं करणाए ॥ ४२७ ॥ आहट्टु परिण्णं अणुक्खिस्सामि, आहडं च सातिज्जिस्सामि, (१) आहट्टु परिण्णं आणक्खेस्सामि, आहडं च णो सातिज्जिस्सामि (२) आहट्टु परिण्णं, णो आणक्खेस्सामि, आहडं

ो संचाएमि अहियासित्तए, एवं से कप्पति कडिबंधणं धारित्तए॥ ४३३ ॥ अदुवा त्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अन्नयरे विरूवरूवे फासे अहियासेति अचेले लाघवियं आगममाणे, जाव समभिजाणिया ॥ ४३४ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति; अहं च खलु अन्नेसिं भिक्खूणं असणं वा (४) आहट्टु दलइस्सामि, आहडं च सातिज्जिस्सामि [१] जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति, अहं च खलु अन्नेसिं भिक्खूणं असणं वा (४) आहट्टु दलइस्सामि आहडं च णो सातिज्जिस्सामि (२) जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति; अहं च खलु असणं वा (४) आहट्टु नो दलइस्सामि आहडं च सातिज्जिस्सामि (३) जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा (४) आहट्टु नो दलइस्सामि आहडं च णो सातिज्जिस्सामि ॥ ४ ॥ अहं च खलु तेण अहाइरित्तेणं अहेसणिज्जेण अहापरिग्गहिएणं असणेणं वा (४) अभिकंख साहम्मियस्स कुज्जा वेयावडियं करणाए, अहं वावि तेण अहातिरित्तेणं अहेसणिज्जेणं अहापरिग्गहिएणं असणेणं वा (४) अभिकंख साहम्मिएहिं कीरमाणं वेयावडियं सातिज्जिस्सामि लाघवियं आगममाणे जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३५ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवति से गिलामि खलु अहं इमम्मि समये इमं सरीरं अणुपुव्वेणं परिवहित्तए, से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा, संवट्टइत्ता कसाए पयणुए किच्चा समाहिअच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे, अणुपविसित्ता गामं वा जाव रायहाणिं वा तणाइं जाएज्जा, तणाइं जाएत्ता, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अप्पंडे जाव तणाइं संथरेज्जा, इत्थवि समए कायं च, जोगं च, इरियं च, पच्चक्खाएज्जा ॥ ४३६ ॥ तं सच्चं सच्चावादीओए तिन्ने छिन्नकहंकहे आतीतट्ठे अणातीते चेच्चाण भिउरं कायं संविहूणिय विरूवरूवे परिसहोवसग्गे अस्सिं विसंभणाए भेरवमणुचिन्ने तत्थवि तस्सकालपरियाए से तत्थ विअंतिकारए इच्चेयं विमोहायतणं हियं सुहं खमं णिस्सेयसं आणुगामियं त्ति वेमि ॥ ४३७ ॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो** ॥

अणुपुव्वेण विमोहाइं, जाइं धीरा समासज्ज; वसुमंतो मइमंतो, सव्वं णच्चा अणेलिसं ॥१॥४३८॥ दुविहंपि विदित्ताणं, जिणा धम्मस्स पारगा; अणुपुव्वीइ संखाए, कम्मुणाउ तिउट्टति ॥२॥४३९॥ कसाए पयणू किच्चा, अप्पाहारो तितिक्खए; अह भिक्खु गिलाएज्जा, आहारस्सेव अंतियं ॥ ३ ॥ ४४० ॥ जीवियं णाभिकंखेज्जा, मरणं णोवि पत्थए; दुहतोवि ण सज्जेज्जा, जीविते मरणे तहा ॥४॥ मज्झत्थो णिज्जरापेही, समा-

हिमणुपालए; अंतो वाहिं विउस्सिज्ज, अज्झत्थं सुद्धमेसए ॥५॥४४१॥ जं किंचुवक्कमं जाणे, आउक्खेमस्स अप्पणो; तस्सेव अंतरद्धाए, खिप्पं सिक्खेज्ज पंडिए ॥६॥४४२॥ गामे वा अदुवा रण्णे, थंडिलं पडिलेहिया; अप्पपाणं तु विन्नाय, तणाइं संथरे मुणी ॥७॥४४३॥ अणाहारो तुअट्टेज्जा, पुट्ठो तत्थ हियासए; णातिवेलं उवचरे, माणुस्सेहिं विपुट्ठवं ॥८॥४४४॥ संसप्पगा य जे पाणा, जे उ उड्ढमहाचरा; भुंजंति मंससोणितं, ण छणे ण पमज्जए ॥ ९ ॥ ४४५ ॥ पाणा देहं विहिंसंति, ठाणाओ ण वि उब्भमे; आसवेहिं विवित्तेहिं, तिप्पमाणोऽहियासए ॥ १० ॥ गंथेहिं विवित्तेहिं, आउकालस्स पारए ॥४४६॥ पग्गहियतरगं चेयं, दवियस्स वियाणतो ॥११॥४४७॥ अयं से अवरे धम्मे, **णायपुत्तेण** साहिए; आयवज्जं पडीयारं, विजहिज्जा तिहा तिहा ॥ १२ ॥ ४४८ ॥ हरिएसु ण णिवज्जेज्जा, थंडिलं मुणिआ सए; विउस्सिज्ज अणाहारो, पुट्ठो तत्थ हियासए ॥ १३ ॥ ४४९ ॥ इंदिएहिं गिलायंते, समियं आहरे मुणी; तहावि से अगरिहे, अचले जे समाहिए ॥ १४ ॥ ४५० ॥ अभिक्कमे पडिक्कमे, संकुचए पसारए; कायसाहारणट्ठाए, इत्थं वा वि अचेयणे ॥१५॥४५१॥ परिक्कमे परिकिलंते, अदुवा चिट्ठे अहायते; ठाणेण परिकिलंते, णिसिइज्जाय अंतसो ॥ १६ ॥ ४५२ ॥ आसीणे णेलिसं मरणं, इंदियाणि समीरए; कोलावासं समासज्ज, वितहं पादुरेसए ॥ १७ ॥ ४५३ ॥ जओ वज्जं समुप्पज्जे, ण तत्थ अवलंबए; ततो उक्कसे अप्पाणं, सव्वे फासे अहियासए ॥ १८ ॥ ४५४ ॥ अयं चायततरे सिया, जो एवं अणुपालए; सव्वगायणिरोधेवि, ठाणातो णवि उब्भमे ॥१९॥४५५॥ अयं से उत्तमे धम्मे, पुव्वट्ठाणस्स पग्गहे; अचिरं पडिलेहित्ता, विहरे चिट्ठ माहणे ॥ २० ॥ ४५६ ॥ अचित्तं तु समासज्ज, ठावए तत्थ अप्पगं; वोसिरे सव्वसो कायं, ण मे देहे परीसहा ॥ २१ ॥ ४५७ ॥ जावज्जीवं परीसहा, उवसग्गा इति संखया; संवुडे देहभेयाए, इति पण्णे हियासए ॥२२॥४५८॥ भेउरेसु न रज्जेज्जा, कामेसु वहुतरेसु वि; इच्छा लोभं ण सेवेज्जा, धुवं वन्नं सपेहिया ॥ २३ ॥ ४५९ ॥ सासएहिं णिमंतेज्जा, दिव्वमायं ण सद्दहे; तं पडिवुज्झ माहणे, सव्वं नूमं विधूणिया ॥ २४ ॥ ४६० ॥ सव्वट्ठेहिं अमुच्छिए, आउकालस्स पारए; तितिक्खं परमं णच्चा, विमोहन्नतरं हितं त्ति बेमि ॥ २५ ॥ ४६१ ॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो** ॥

॥ विमोक्खणामगट्ठमज्झयणं समत्तं ॥

अहासुयं वदिस्सामि, जहा से समणे भगवं उट्ठाय; संखाय तंसि हेमंते, अहुणा पव्वइए रीयत्था ॥ ४६२ ॥ णो चेविमेण वत्थेण, पिहिस्सामि तंसि हेमंते; से पारए आवकहाए, एवं खु अणुधम्मियं तस्स ॥ ४६३ ॥ चत्तारि साहिए मासे, बहवे पाणजाइया आगम्म; अभिरुज्झकायं विहरिंसु, आरुहियाणं तत्थ हिंसिंसु ॥ ४६४ ॥ संवच्छरं साहियं मासं, जं ण रिक्कासि वत्थगं भगवं; अचेलए ततो चाई, तं वोसिरिज्ज वत्थमणगारे ॥ ४६५ ॥ अदु पोरिसिं तिरियंभित्तिं, चक्खुमासज्ज अंतसो झायति; अह चक्खुभीया संहिया, ते हंता बहवे कंदिंसु ॥ ४६६ ॥ सयणेहिं वितिमिस्सेहिं, इत्थीओ तत्थसे परिण्णाय; सागारियं ण सेवेइ, य इति से सयं पवेसिया झाति ॥४६७॥ जे केइ इमे अगारत्था, मीसीभावं पहाय ते झाति; पुट्ठो वि णाभिभासिंसु, गच्छति णाइवत्तइ अंजू ॥ ४६८ ॥ णो सुगरमेतमेगेसिं, णाभिभासे अभिवायमाणे; हयपुव्वो तत्थ दंडेहिं, लूसियपुव्वो अप्पपुन्नेहिं ॥ ४६९ ॥ फरुसाइं दुत्तितिक्खाइं, अतिअच्च मुणी परक्कममाणे; आघायणट्टगीताइं, दंडजुज्झाइं मुट्ठिजुज्झाइं ॥ ४७० ॥ गढिए मिहो कहासु, समयंमि णायसुए विसोगे अदक्खू; एताइं सो उरालाइं, गच्छइ णायपुत्ते असरणाए ॥ ४७१ ॥ अविसाहिए दुवे वासे, सीतोदं अभोच्चा णिक्खंते; एगत्तगए पिहियच्चे, से अहिन्नायदंसणे संते ॥ ४७२ ॥ पुढविं च आउक्कायं, तेउक्कायं च वाउकायं च; पणगाइं बीयहरियाइं, तसकायं च सव्वसो णच्चा "एयाइं संति" पडिलेहे, चित्तमंताइं से अभिन्नाय; परिवज्जिय विहरित्था, इति संखाय से महावीरे ॥ ४७३ ॥ अदु थावरा तसत्ताए, तसजीवाय थावरत्ताए; अदुवा सव्व-जोणीया, सत्ता कम्मुणा कप्पिया पुढो वाला ॥ ४७४ ॥ भगवं च एवमन्नेसिं, सोवहिए हु लुप्पती बाले; कम्मं च सव्वसो णच्चा, तं पडियाइक्खे पावगं भगवं ॥ ४७५ ॥ दुविहं समिच्च मेहावी, किरियमक्खायमणेलिसं णाणी; आयाण-सोयमतिवायसोयं जोगं च सव्वसोणच्चा ॥ ४७६ ॥ अइवत्तियं अणाउट्टिं, सयमन्नेसिं अकरणयाए; जस्सित्थिओ परिण्णाया, सव्वकम्मावहाउसे अदक्खू ॥ ४७७ ॥ अहाकडं न से सेवे, सव्वसो कम्मुणा बंधं अदक्खू; जं किंचि पावगं भगवं, तं अकुव्वं वियडं भुंजित्था ॥४७८॥ णो सेवती य परवत्थं, परपाएवि से ण भुंजित्था; परिवज्जियाण ओमाणं, गच्छति संखडिं असरणयाए ॥ ४७९ ॥ मायन्ने असण-पाणस्स, णाणुगिद्धे रसेसु अपडिण्णे; अच्छिंपि णो पमज्जिज्जा, णोवि य कंडूयये मुणी गायं ॥ ४८० ॥ अप्पं तिरियं पेहाए, अप्पं पिट्ठओ व पेहाए; अप्पं बुइए पडिभाणी, पंथपेही चरे जयमाणे ॥ ४८१ ॥ सिसिरंसि अद्धपडिवन्ने, तं वोसिज्ज वत्थमणगारे; पसारित्तु बाहुं परक्कमे, णो अवलंबिया ण खंधंसि ॥ ४८२ ॥ एस

समणा तत्थ य विहरिंसु ॥ ५०२ ॥ एवं पि तत्थ विहरंता, पुट्ठपुव्वा अहेसि सुणएहिं; संलुंचमाणा सुणएहिं, दुच्चरगाणि तत्थ लाढेहिं ॥ निधाय दंडं पाणेहिं, तं कायं वोसिज्जमणगारे ॥ अह गामकंटए भगवं, ते अहियासए अभिसमेच्चा ॥५०२॥ णागो संगामसीसे वा, पारए तत्थ से महावीरे ॥ ५०३ ॥ एवं पि तत्थ लाढेहिं, अलद्धपुव्वो वि एगदा गामे उवसंकमंतमपडिन्नं, गामंतियंमि अप्पत्तं; पडिणिक्ख-मित्तु लूसिंसु, एतातो परं पलेहित्ति ॥ ५०४ ॥ हयपुव्वो तत्थ दंडेण, अदुवा मुट्ठिणा, अदु कुंताइफलेणं; अदु लेलुणा कवालेणं, हंता हंता बहवे कंदिंसु ॥५०५॥ मंसाणि छिन्नपुव्वाइं, उट्ठंभिया एगया कायं; परीसहाइं लुंचिंसु, अहवा पंसुणा उवकरिंसु ॥ उच्चालइय णिहणिंसु, अदुवा आसणाओ खलइंसु; वोसट्ठकाये पणयासी, दुक्खसहे भगवं अपडिन्ने ॥ ५०६ ॥ सूरो संगामसीसे वा, संवुडे तत्थ से महा-वीरे; पडिसेवमाणे फरुसाइं, अचले भगवं रीइत्था ॥ ५०७ ॥ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया; बहुसो अपडिन्नेणं, भगवया एवं रीयंति, त्ति बेमि ॥ ५०८ ॥

तइओद्देसो समत्तो ॥

ओमोदरियं चाएति, अपुट्ठेवि भगवं रोगेहिं; पुट्ठो वा से अपुट्ठो वा, णो से साति-ज्जति तेइच्छं ॥ ५०९ ॥ संसोहणं च वमणं च, गायब्भंगणं च सिणाणं च; संबा-हणं ण से कप्पे, दंतपक्खालणं परिण्णाए ॥ ५१० ॥ विरए य गामधम्मेहिं, रीयति माहणो अबहुवाई ॥ ५११ ॥ सिसिरंमि एगदा भगवं, छायाए झाई आसीया ॥ आयावई य गिम्हाणं, अच्छति उक्कुडुए अभित्तावे ॥ ५१२ ॥ अदु जावइत्थ लूहेणं, ओयणमंथुकुम्मासेणं ॥ एयाणि तिन्नि पडिसेवे, अट्ठमासे य जावयं भगवं ॥ ५१३ ॥ अवि इत्थ एगया भगवं, अद्धमासं अदुवा मासंपि ॥ अविसाहिए दुवे मासे, छप्पिमासे अदुवा विहरित्था ॥ रायोवरायं अपडिन्ने, अन्नगिलायमेगया भुंजे; छट्ठेण एगया भुंजे, अदुवा अट्ठमेणं दसमेणं; दुवालसमेण एगया भुंजे, पेह-माणे समाहिं अपडिन्ने ॥ ५१४ ॥ णच्चा णं से महावीरे, णोवि य पावगं सयमकासी ॥ अन्नेहिं वा ण कारित्था, कीरंतंपि णाणुजाणित्था ॥ ५१५ ॥ गामं पविस्स णयरं वा, घासमेसे कडं परट्ठाए; सुविसुद्धमेसिया भगवं, आयतजोगयाए सेवित्था ॥ ५१६ ॥ अदु वायसा दिगिंछित्ता, जे अन्ने रसेसिणो सत्ता; घासेसणाए चिट्ठंति, सययं णिवतिए य पेहाए ॥ ५१७ ॥ अदु माहणं व समणं वा, गामपिंडोलगं च अतिहिं वा; सोवागं मूसियारं वा कुक्कुरं वा विठ्ठितं पुरतो ॥ वित्तिच्छेदं वज्जंतो, तेसिमप्पत्तियं परिहरंतो; मंदं परक्कमे भगवं, अहिंसमाणो घासमेसित्था ॥५१८॥ अविसूइयं वा सुक्कं वा, सीयपिंडं पुराणकुम्मासं; अदु बुक्कसं पुलागं वा, लद्धे पिंडे

णमो त्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

विइये सुयक्खंधे

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जं पुणजाणेज्जा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पाणेहिं वा पणएहिं वा बीएहिं वा, हरिएहिं वा, संसत्तं उम्मिस्सं सीओदएणं वा ओसित्तं, रयसा वा परिघासियं, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा, परहत्थंसि वा परपायंसि वा, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभेवि संते णो पडिगाहेज्जा ॥ ५२३ ॥ से य आहच्च पडिग्गहिए सिया से तं आयाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए, अप्पहरिए, अप्पोसे, अप्पोदए, अप्पुत्तिंग-पणग-दग-मट्टियमक्कडासंताणए विगिंचिय विगिंचिय उम्मीसं विसोहिय विसोहिय तओ संजयामेव भुंजिज्ज वा, पीइज्ज वा, जं च णो संचाइज्जा भोत्तए वा पायए वा, से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अहे ज्झामथंडिलंसि वा, किट्टरासिंसि वा, तुसरासिंसि वा, सुक्कगोमयरासिंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव परिट्ठविज्जा ॥ ५२४ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा कसिणाओ सासिआओ अविदलकडाओ अतिरिच्छछिन्नाओ, अव्वोच्छिन्नाओ तरुणियं वा छिवाडिं अणभिक्कंतभज्जियं पेहाए, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५२५ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव. पविट्ठे समाणे से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा, अकसिणाओ असासियाओ, विदलकडाओ, तिरिच्छछिन्नाओ, वोच्छिण्णाओ, तरुणिअं वा छिवाडिं अभिक्कंतं भज्जियं पेहाए फासुयं एसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते पडिगाहेज्जा ॥ ५२६ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिहुयं वा बहुरयं वा, भुज्जियं वा, मंथुं वा, चाउलं वा, चाउलपलंबं वा, सइं संभज्जियं, अफासुयं अणेसणिज्जं मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५२७ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा असइं भज्जियं दुक्खुत्तो वा भज्जियं तिक्खुत्तो वा भज्जियं फासुयं एसणिज्जं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥५२८॥ से भिक्खु वा भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे णो अन्नउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएणं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) अट्ठमिपोसहिएसु वा, अद्धमासिएसु वा, मासिएसु वा, दोमासिएसु वा, तिमासिएसु वा, चाउमासिएसु वा, पंचमासिएसु वा, छमासिएसु वा, उऊसु वा, उऊसंधीसु वा, उउपरियट्टेसु वा, बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगे एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, तिहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, चउहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, कुंभीमुहाओ वा कलोवाइओ वा, संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं (४) अपुरिसंतरकडं जाव अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं णो पडिगाहिज्जा ॥ ५४० ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव आसेवियं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४१ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा; तंजहा–उग्गकुलाणि वा भोगकुलाणि वा, राइण्णकुलाणि वा, खत्तियकुलाणि वा, इक्खागकुलाणि वा, हरिवंसकुलाणि वा, एसियकुलाणि वा, वेसियकुलाणि वा, गंडागकुलाणि वा, कोट्टागकुलाणि वा, गामरक्खकुलाणि वा, वोक्कसालियकुलाणि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु कुलेसु अदुगुंछिएसु अगरहिएसु वा, असणं वा (४) फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४२ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) समवाएसु वा, पिंडणियरेसु वा, इंदमहेसु वा, खंदमहेसु वा, रुद्दमहेसु वा, मुगुंदमहेसु वा, भूयमहेसु वा, जक्खमहेसु वा, णागमहेसु वा, थूभमहेसु वा, रुक्खमहेसु वा, गिरिमहेसु वा, दरिमहेसु वा, अगडमहेसु वा, तडागमहेसु वा, दहमहेसु वा, णईमहेसु वा, सरमहेसु वा, सागरमहेसु वा, आगरमहेसु वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु विरूवरूवेसु महामहेसु वट्टमाणेसु, बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं जाव संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा (४) अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५४३ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, दिण्णं जं तेसिं दायव्वं, अह तत्थ भुंजमाणे पेहाए गाहावइभारियं वा, गाहावइभगिणिं वा, गाहावइपुत्तं वा, गाहावइधूयं वा, सुण्हं वा, धाइं वा, दासं वा, दासिं वा, कम्मकरं वा, कम्मकरिं वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसि त्ति वा भगिणित्ति वा, दाहिसि मे इत्तो अन्नयरं भोयणजायं ? से सेवं वयंतस्स परो असणं वा (४) आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं असणं वा (४) सयं वा पुण जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४४ ॥ से भिक्खू वा (२) परं अद्धजोयणमेराए

हित्ता आहारं आहारेत्तए, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, से तत्थ कालेण अणुप-विसित्ता तत्थेयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा ॥ ५५२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणेज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संखडि सिया तंपि य गामं वा जाव रायहाणिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया आयाणमेयं ॥ ५५३ ॥ आइण्णा अवमा णं संखडिं अणुपविस्समाणस्स पाएण वा पाए अक्कंतपुव्वे भवइ, हत्थेण वा हत्थे संचालियपुव्वे भवइ, पाएण वा पाए आवडियपुव्वे भवइ, सीसेण वा सीसे संघट्टियपुव्वे भवइ, काएण वा काए संखोभियपुव्वे भवइ, दंडेण वा मुट्ठिणा वा लेलुणा वा कवालेण वा अभिहयपुव्वे वा भवइ, सीओदएण वा उसित्तपुव्वे भवइ, रयसा वा परिधासियपुव्वे भवइ, अणेस-णिज्जेण वा परिभुत्तपुव्वे भवइ, अण्णेसिं वा दिज्जमाणे पडिगाहियपुव्वे भवइ, तम्हा से संजए णिग्गंथे तहप्पगारं आइण्णाऽवमा णं संखडिं संखडिपडियाए नो अभिसं-धारिज्जा गमणाए ॥ ५५४ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) एसणिज्जं सिया अणेसणिज्जं सिया वितिगिच्छसमावण्णेणं अप्पाणेणं असमाहडाए लेस्साए तहप्पगारं असणं वा (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५५५ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पविसित्तु कामे सव्वं भंडगमायाय गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥ ५५६ ॥ से भिक्खू वा (२) वहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्ख-ममाणे पविसमाणे वा सव्वं भंडगमायाए वहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥ ५५७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्ज-माणे सव्वं भंडगमायाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ५५८ ॥ से भिक्खू वा (२) अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वासं वासेमाणं पेहाए, तिव्वदेसियं महियं संणिव्वयमाणं पेहाए महावाएण वा रयं समुद्धुयं पेहाए तिरिच्छसंपाइमा वा तसा पाणा संथडा सन्निचयमाणा पेहाए, से एवं णच्चा णो सव्वं भंडगमायाय गाहावइ-कुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा वहिया वियारभूमिं वा विहार-भूमिं वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ५५९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, तंजहा–खत्तियाण वा, राईण वा, कुराईण वा, रायपेसियाण वा, रायवंसट्ठियाण वा अंतो वा वहिं वा संणिविट्ठाण वा, गच्छंताण वा णिमंतेमाणाण वा अणिमंतेमाणाण वा असणं वा (४) लाभे संते णो पडिगा-हिज्जा त्ति वेमि ॥ ५६० ॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

चेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा ॥ ५६६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५६६ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अग्गपिंडं उक्खिप्पमाणं पेहाए, अग्गपिंडं णिक्खिप्पमाणं पेहाए अग्गपिंडं हीरमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिभाइज्जमाणं पेहाए, परिभुंजमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिट्ठविज्जमाणं पेहाए, पुरा असिणाइ वा, अवहाराइ वा पुरा जत्थन्ने समणमाहणअतिहिकिवण-वणीमगा खद्धं खद्धं उवसंक्रमंति, से हंता अहमवि खद्धं २ उवसंकमामि, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा ॥ ५६७ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव पविट्ठे समाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा, अग्गलपासगाणि वा सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमिज्जा, णो उज्जुयं गच्छिज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥ ५६८ ॥ से तत्थ परक्कममाणे पयलिज्ज वा, पक्ख-लेज्ज वा पवडिज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पक्खलेज्जमाणे पवडमाणे वा, तत्थ से काये उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेग वा सिंघाणेण वा, वंतेण वा पित्तेण वा, पूएण वा, सुक्केण वा, सोणिएण वा, उवलित्ते सिया, तहप्पगारं कायं णो अणंतरहि-याए पुढवीए णो ससिणिद्धाए पुढवीए, णो ससरक्खाए पुढवीए, णो चित्तमंताए सिलाए, णो चित्तमंताए लेलूए, कोलावासंसि वा, दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे जाव ससंताणए, णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा, संलिहिज्ज वा, विलिहिज्ज वा, उव्व-लिज्ज वा, उवट्टिज्ज वा, आयाविज्ज वा, पयाविज्ज वा, से पुव्वामेव अप्पससरक्खं तणं वा, पत्तं वा, कट्ठं वा, सक्करं वा, जाइज्जा, जाइत्ता सेतमायाय एगंतमवक्कमिज्जा, २ अहे झामथंडिलंसि वा, जाव अण्णयरंसि वा, तहप्पगारंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥ ५६९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा गोणं वियालं पडिपहे पेहाए, महिसं वियालं पडिपहे पेहाए एवं मणुस्सं आसं हत्थिं सीहं वग्घं विगं दीवियं अच्छं तरच्छं परिसरं सियालं विरालं सुणयं कोलसुणयं कोकंतियं चित्ताचेल्लरयं वियालं पडिपहे पेहाए सइपरक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥ ५७० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे अंतरा से ओवाओ वा, खाणू वा, कंटए वा, घसी वा, भिलुगा वा, विसमे वा, विज्जले वा, परियावज्जिज्जा, सति परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥५७१॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलस्स दुवार-वाहं कंटकबोंदियाए परिपिहियं पेहाए तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणणुन्नविय अपडि-लेहिय अपमज्जिय णो अवंगुणिज्ज वा, पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा, तेसिं पुव्वामेव

वेठ्ठिज्जा, नो गाहावइकुलस्स चंदणिउयए चिठ्ठेज्जा, णो० सिणाणस्स वा वच्चस्स वा लोए सपडिदुवारें चिठ्ठिज्जा णो गाहावइकुलस्स आलोयं वा थिग्गलं वा संधिं वा गभवणं वा बाहाउ पगिज्झिय २ अंगुलियाए वा उद्दिसिय २ उण्णमिय २ अवन-मेय २ णिज्झाइज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए उद्दिसिय २ जाइज्जा, णो गाहावइं अंगुलियए चालिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियए तज्जिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए उक्खुलंपिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं वंदिय २ जाएज्जा, णो वयणं फरुसं वइज्जा ॥ ५८० ॥ अह तत्थ कंचि भुंजमाणं पेहाए, तंजहा–गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोइज्जा, "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अन्नयरं भोयणजायं" से एवं वयंतस्स परो हत्थं वा मत्तं वा दव्विं वा भायणं वा सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति, वा भइणित्ति वा, मा एयं तुमं हत्थं वा, मत्तं वा, दव्विं वा, भायणं वा, सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेहि वा पहोवेहि वा, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा (४) सीओदगवियडेण वा २ उच्छोलेत्ता पहोइत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारेण पुरे कम्मकएणं हत्थेण वा (४) असणं वा (४) अफासुयं अणेस-णिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा; अह पुण एवं जाणिज्जा णो पुरेकम्मएणं उदउल्लेणं तहप्पगारेणं वा ससिणिद्धेण वा हत्थेण वा (४) असणं वा (४) अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा अह पुण एवं जाणेज्जा णो उदउल्लेग ससिणिद्धेणं सेसं तं चेव, एवं ससरक्खे, मट्टिया, ऊसे हरियाले, हिंगुलए, मणोसिला, अंजणे, लोणे, गेरुय, वन्निय, सेढिय, सोरट्ठिय पिट्ठ कुक्कुस उक्कुट्ठ संसट्ठेणं ॥ ५८१ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, णो असंसट्ठे, संसट्ठे तहप्पगारेण संसट्ठेण हत्थेण वा (४) असणं वा (४) फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५८२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणेज्जा पिहुयं वा बहुरयं वा जाव चाउलपलंबं वा, असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव मक्कडासंताणाए कुट्टिंसु वा, कुट्टिंति वा, कुट्टिस्संति वा, उप्फणिंसु वा (३) तहप्पगारं पिहुयं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८३ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव संताणाए भिंदिंसु वा, भिंदंति वा, भिंदिस्संति वा, रुचिंसु वा (३) बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८४ ॥ से भिक्खू वा जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) अगणिणिक्खित्तं तहप्पगारं

४) आउक्कायपइट्ठियं चेव एवं अगणिकायपइट्ठियं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, वलीवूया' "आयाणमेयं" असंजए भिक्खूपडियाए अगणिं उस्सक्किय २ णिस- ये २ ओहरिय २ आहट्टु दलएज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो पडिगा- ज्जा ॥ ५९१ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, सणं वा (४) अच्चुसिणं असंजए भिक्खुपडियाए, सुप्पेण वा, विहुयणेण वा, लियंटेण वा, पत्तेण वा, साहाए वा, साहाभंगेण वा, पिहुणेण वा, पिहुणहत्थेण , चेलेण वा, चेलकन्नेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, फुमिज्ज वा, वीएज्ज वा, पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणि त्ति वा, मा एयं तुमं, असणं , (४) अच्चुसिणं सुप्पेण वा जाव फुमाहि वा, वीयाहि वा, अभिकंखसि मे दाउं मेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो सुप्पेण वा जाव वीइत्ता आहट्टु दलएज्जा, हप्पगारं असणं वा (४) अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९२ ॥ से भिक्खू (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) वणस्सइकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा (४) वणस्सइकायपइट्ठियं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, एवं तसकाएवि ॥ ५९३ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा—उस्सेइमं वा, संसेइमं वा, चाउलोदगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं, अहुणाधोयं, अणंबिलं, अवोक्कंतं, अपरिणयं अविद्धत्थं, अफासुयं, अणेसणिज्जं, मण्णमाणे णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९४ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, चिराधोयं, अंबिलं, वुक्कंतं, परिणयं, विद्धत्थं, फासुयं जाव पडिगा- हिज्जा ॥ ५९५ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा—तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा, आयामं वा, सोवीरं वा, सुद्धवियडं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणित्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अन्नयरं पाणगजायं?" से सेवं वयंतं परो वएज्जा "आउसंतो समणा, तुमं चेवेदं पाणगजायं पडिग्गहेण वा उस्सिंचियाणं २ ओयत्तियाणं गिण्हाहि" तहप्पगारं पाणगजायं सयं वा गिण्हिज्जा, परो वा से दिज्जा, फासुयं लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥ ५९६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण पाणगं जाणेज्जा अणंतरहियाए पुढवीए जाव संताणए ओहट्टु निक्खित्ते सिया असंजए भिक्खुपडियाए, उदउल्लेण वा, ससिणिद्धेण वा, सकसाएण वा, मत्तेण वा सीओद- एण वा, संभोएत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९७ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५९८ ॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो ॥**

, पूइपिण्णागं वा, सप्पिं वा, पेज्जं वा लेज्झं वा खाइमं वा साइमं वा, पुराणं ःथ पाणा, अणुप्पसूया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा अवुक्कंता, ःथ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था, णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०७ ॥ से भिक्खू ।, (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुमेरगं वा अंककरेलुयं वा, कसेरुगं ।, सिंघाडगं वा, पूतिआलुगं वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं ाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, उप्पलं ा, उप्पल नालं वा, भिसं वा, भिसमुणालं वा, पोक्खलं वा, पोक्खलविभंगं वा, ण्णतरं वा तहप्पगारं, जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०९ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे, से जं पुण जाणिज्जा, अग्गवीयाणि वा, मूलवीयाणि वा, खंधवीयाणि वा, ोरवीयाणि वा, अग्गजायाणि वा, मूलजायाणि वा, खंधजायाणि वा, पोरजायाणि ा, णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा, तक्कलिसीसेण वा, णालिएरमत्थएण वा, खज्जूरमत्थएण वा, तालमत्थएण वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुं वा, काणगं, अंगारियं संमिस्सं, विगदूसियं, वेत्तग्गं वा, कंदलीऊसयं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६११ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, लसुणं वा, लसुणपत्तं वा, लसुणनालं वा, लसुणकंदं वा, लसुणचोयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं कंदजायं णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अच्छिअं वा, कुंभिपक्कं, तिंदुगं वा, टिंवरुयं वा, विलुयं वा, पलगं वा, कासवणालियं वा, अण्णतरं वा आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१३ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, कणं वा कणकुंडगं वा, कणपूयलियं वा, चाउलं वा, चाउलपिट्ठं वा, तिलं वा, तिलपिट्ठं वा, तिलपप्पडगं वा, अन्नतरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१४ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६१५ ॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥**

इह खलु पाईणं वा, पडीणं वा, दाहिणं वा, उदीणं वा, संतेगइया सड्ढा भवंति, गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा; तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ जे इमे भवंति समणा, भगवंतो, सीलमंता, वयमंता, गुणमंता, संजया, संवुडा, बंभचारी, उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एएसिं कप्पइ आहाकम्मिए असणं वा (४) भोइत्तए वा पाइत्तए वा; से जं पुण इमं अम्हं अप्पणो अट्ठाए णिट्ठियं, तंजहा—असणं वा (४) सव्वमेयं समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वय पच्छा अप्पणो अट्ठाए असणं

, पूइपिण्णागं वा, सप्पिं वा, पेज्जं वा लेज्जं वा खाइमं वा साइमं वा, पुराणं थ पाणा, अणुप्पसूया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा अवुक्कंता, थ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था, णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०७ ॥ से भिक्खू , (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुमेरगं वा अंककरेलुयं वा, कसेरुगं , सिंघाडगं वा, पूतिआलुगं वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं ाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, उप्पलं ा, उप्पल नालं वा, भिसं वा, भिसमुणालं वा, पोक्खलं वा, पोक्खलविभंगं वा, ण्णतरं वा तहप्पगारं, जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०९ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव माणे, से जं पुण जाणिज्जा, अग्गबीयाणि वा, मूलबीयाणि वा, खंधबीयाणि वा, ोरबीयाणि वा, अग्गजायाणि वा, मूलजायाणि वा, खंधजायाणि वा, पोरजायाणि ा, णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा, तक्कलिसीसेण वा, णालिएरमत्थएण वा, खज्जूरमत्थ-ए वा, तालमत्थएण वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडि-गाहिज्जा ॥ ६१० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुं ा, काणगं, अंगारियं संमिस्सं, विगदूसियं, वेत्तग्गं वा, कंदलीऊसयं वा, अण्णयरं ा, तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६११ ॥ से भिक्खू ा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, लसुणं वा, लसुणपत्तं वा, लसुणनालं ा, लसुणकंदं वा, लसुणचोयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं कंदजायं णो पडिगा-हिज्जा ॥ ६१२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अच्छिअं ा, कुंभिपक्कं, तिंदुगं वा, टिंवरुयं वा, विलुयं वा, पलगं वा, कासवणालियं वा, अण्ण-तरं वा आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१३ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, कणं वा कणकुंडगं वा, कणपूयलियं वा, चाउलं वा, चाउलपिट्ठं वा, तिलं वा, तिलपिट्ठं वा, तिलपप्पडगं वा, अन्नतरं वा, तहप्प-गारं आमं असत्थपरिणयं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१४ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६१५ ॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥**

इह खलु पाईणं वा, पडीणं वा, दाहिणं वा, उदीणं वा, संतेगइया सड्ढा भवंति, गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा; तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ जे इमे भवंति समणा, भगवंतो, सीलमंता, वयमंता, गुणमंता, संजया, संवुडा, बंभचारी, उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एएसिं कप्पइ आहाकम्मिए असणं वा (४) भोइत्तए वा पाइत्तए वा; से जं पुण इमं अम्हं अप्पणो अट्ठाए णिट्ठियं, तंजहा—असणं वा (४) सव्वमेयं समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वय पच्छा अप्पणो अट्ठाए असणं

वा, पूइपिण्णागं वा, सप्पिं वा, पेज्जं वा लेज्झं वा खाइमं वा साइमं वा, पुराणं एत्थ पाणा, अणुप्पसूया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा अवुक्कंता, एत्थ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था, णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०७ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुमेरगं वा अंककरेलुयं वा, कसेरुगं वा, सिंघाडगं वा, पूतिआलुगं वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, उप्पलं वा, उप्पल नालं वा, भिसं वा, भिसमुणालं वा, पोक्खलं वा, पोक्खलविभंगं वा, अण्णतरं वा तहप्पगारं, जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०९ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे, से जं पुण जाणिज्जा, अग्गबीयाणि वा, मूलबीयाणि वा, खंधबीयाणि वा, पोरबीयाणि वा, अग्गजायाणि वा, मूलजायाणि वा, खंधजायाणि वा, पोरजायाणि वा, णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा, तक्कलिसीसेण वा, णालिएरमत्थएण वा, खज्जूरमत्थएण वा, तालमत्थएण वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुं वा, काणगं, अंगारियं संमिस्सं, विगदूसियं, वेत्तग्गं वा, कंदलीऊसयं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६११ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, लसुणं वा, लसुणपत्तं वा, लसुणनालं वा, लसुणकंदं वा, लसुणचोयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं कंदजायं णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अंच्छिअं वा, कुंभिपक्कं, तिंदुगं वा, टिंवरुयं वा, विलुयं वा, पलगं वा, कासवणालियं वा, अण्णतरं वा आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१३ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, कणं वा कणकुंडगं वा, कणपूयलियं वा, चाउलं वा, चाउलपिट्ठं वा, तिलं वा, तिलपिट्ठं वा, तिलपप्पडगं वा, अन्नतरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१४ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६१५ ॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥**

इह खलु पाईणं वा, पडीणं वा, दाहिणं वा, उदीणं वा, संतेगइया सड्ढा भवंति, गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा; तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ जे इमे भवंति समणा, भगवंतो, सीलमंता, वयमंता, गुणमंता, संजया, संवुडा, बंभचारी, उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एएसिं कप्पइ आहाकम्मिए असणं वा (४) भोइत्तए वा पाइत्तए वा; से जं पुण इमं अम्हं अप्पणो अट्ठाए णिट्ठियं, तंजहा—असणं वा (४) सव्वमेयं समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वय पच्छा अप्पणो अट्ठाए असणं

(४) जावइयं (२) परिसडइ तावइयं (२) भोक्खामो वा, पाहामो वा, सव्व-मेयं परिसडइ, सव्वमेयं भोक्खामो वा" २ ॥ ६२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, परं समुद्दिस्स बहिया णीहडं तं परेहिं असमणुन्नायं अणिसिट्ठं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, तं परेहिं समणुन्नायं संणिसिट्ठं फासुयं लाभे संते जाव पडिगाहिज्जा ॥ ६२३ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६२४ ॥ **नवमोद्देसो समत्तो ॥**

१ से एगइओ साहारणं वा पिंडवायं पडिगाहित्ता, ते साहम्मिए अणापुच्छित्ता जस्स जस्स इच्छइ तस्स तस्स खद्धं खद्धं दलयइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा (२) पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसंतो समणा, संति मम पुरे संथुया वा पच्छासंथुया वा, तंजहा-आयरिए वा, उवज्झाए वा, पवित्ती वा, थेरे वा, गणी वा, गणहरे वा, गणावच्छेइए वा, अवियाइं एएसिं खद्धं खद्धं दाहामि" से सेवं वयंतं परो वएज्जा, कामं खलु आउसो अहापज्जत्तं णिसिराहि जावइयं २ परो वयइ तावइयं २ णिसिरेज्जा, सव्वमेयं परो वयइ सव्वमेयं णिसिरेज्जा ॥ ६२५ ॥ से एगइओ मणुन्नं भोयणजायं पडिगाहित्ता पंतेण भोयणेण पलिच्छाएति "मामेयं दाइयं संतं, दट्ठूणं सयमायए, आयरिए वा जाव गणावच्छेइए वा, णो खलु मे कस्सवि किंचि दायव्वं सिया" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, (२) पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे पडिग्गहं कट्टु "इमं खलु इमं खलु त्ति" आलोएज्जा, णो किंचिवि णिगूहेज्जा ॥ ६२६ ॥ से एगइओ अण्णतरं भोयण-जायं पडिगाहित्ता, भद्दयं भद्दयं भोच्चा, विवन्नं विरसमाहरइ, माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा ॥ ६२७ ॥ से भिक्खू वा, (२) से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छियं वा, उच्छुगंडियं वा, उच्छुचोयगं वा, उच्छुमेरगं वा, उच्छुसालगं वा, उच्छुडालगं वा, सिंवलिं वा, सिंवलथालगं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे सिया भोयण-जाए, बहुउज्झियधम्मिए, तहप्पगारं अंतरुच्छुयं जाव सिंवली थालगं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६२८ ॥ से भिक्खु वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, बहुबीयगं-बहुकंटगं-फलं अस्सिं खलु पडिगाहियंसि अप्पेसिया भोयणजाए बहु-उज्झियधम्मिए-तहप्पगारं बहुबीयगं बहुकंटगं फलं लाभे संते जाव णो पडिगा-हिज्जा ॥ ६२९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे, सिया णं परो बहुबीयएण, बहुकंटगेण फलेण उवणिमंतेज्जा "आउसंतो समणा अभिकंखसि! बहुबीयगं-बहुकंटगं फलं पडिगाहित्तए?" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणित्ति वा, णो खलु मे कप्पइ से बहुकंटयं बहु-

चीयअं फलं पडिगाहित्तए, अभिकंखसि मे दाउं, जावइयं तावइयं फलस्स सार-भागं दलयाहि, मा य चीयाइं "से सेवं वयंतस्स परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गह-गंसि बहुबीयअं २ फलं परिभाएत्ता णिहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहगं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, से आहच्च पडिगाहिए सिया तं णो हिं त्ति वएज्जा, णो अणहिंत्ति वएज्जा, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा (२) अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडए जाव अप्पसंताणए, फलस्स सारभागं भुच्चा बीयाइं कंटए गहाय से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, अहे ज्झामथंडिलंसि वा, जाव पमज्जिय २ परिट्ठविज्जा ॥ ६३० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे सिया परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गहए विलं वा लोणं, उब्भियं वा लोगं, परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहगं परहत्थंसि वा, परपायंसि वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा से आहच्च पडिग्गाहिए सिया तं च णाइदूरगए जाणिज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छिज्जा (२) पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा, इमं ते किं जाणया दिन्नं उदाहु अजाणया ? सो य भणेज्जा, णो खलु मे जाणया दिन्नं अजाणया दिन्नं, कामं खलु आउसो इदाणिं णिसिरामि तं भुंजह च णं परिभाएह च णं, तं परेहिं समणुन्नायं समणुसिट्ठं तओ संजयामेव, भुंजेज्ज वा पीएज्ज वा, जं च णो संचाएति भोत्तए वा पायए वा साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया समणुन्ना अपरिहारिया अदूरगया तेसिं अणुपयायव्वं, सिया णो जत्थ साहम्मिया जहेव बहुपरियावन्ने कीरति तहेव कायव्वं सिया ॥ ६३१ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६३२ ॥ **दसमोद्देसो समत्तो** ॥

भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे मणुण्णं भोयणजायं लभित्ता "से य भिक्खू गिलाई से हंदह णं तस्साहरह से य भिक्खू णो भुंजिज्जा आहरिज्जा तुमं चेव णं भुंजिज्जासि" से एगइओ भोक्खामित्ति कट्टु पलिउंचिय २ आलोएज्जा, तंजहा–इमे पिंडे इमे लोए इमे तित्तए इमे कडुए इमे कसाए इमे अंबिले इमे महुरे णो खलु एत्तो किंचि गिलाणस्स सयइत्ति माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, तहेव तं आलोएज्जा, जहेव तं गिलाणस्स सयइत्ति, तंजहा–तित्तयं तित्तएत्ति वा, कडुयं कडुएत्ति वा, कसायं कसाएत्ति वा, अंबिलं अंबिलेत्ति वा, महुरं महुरेत्ति वा ॥ ६३३ ॥ भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु, समाणे वा वसमाणे वा, गामाणुगामं दूइज्जमाणे मणुन्नं भोयणजायं लभित्ता से भिक्खू गिलाइ से हंदह णं तस्साहरह सेय भिक्खू णो भुंजिज्जा, आहरेज्जा, से णं

णो खलु मे अंतराए आहरिस्सामि इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइक्कम्म ॥ ६३४ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा सत्त पिंडेसणाओ सत्त पाणेसणाओ तत्थ खलु इमा पढमा पिंडेसणा असंसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते, तहप्पगारेण असंसट्ठेण हत्थेण वा मत्तेण वा, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से दिज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **इति पढमा पिंडेसणा** ॥ ६३५ ॥ **अहावरा दोच्चा पिंडेसणा,** संसट्ठे हत्थे संसट्ठे मत्तए तहेव दोच्चा पिंडेसणा **इति दोच्चा पिंडेसणा** ॥ ६३६ ॥ अहावरा **तच्चा पिंडेसणा,** इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया सड्ढा भवंति गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा, तेसिं च णं अण्णतरेसु विरूवरूवेसु भायणजाएसु उवणिक्खित्तपुव्वे सिया तंजहा थालंसि वा, पिढरंसि वा सरगंसि वा, परगंसि वा, वरगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा, असंसट्ठे हत्थे संसट्ठे मत्ते, संसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते से य पडिग्गहधारी सिया पाणिपडिग्गहिए वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसोत्ति वा, भगिणि त्ति वा, एएणं तुमं असंसट्ठेण हत्थेण संसट्ठेण मत्तेण संसट्ठेण वा हत्थेण असंसट्ठेण मत्तेण अस्सिं पडिग्गहगंसि वा पाणिंसि वा णिहट्टु उचित्तु दलयाहि" तहप्पगारं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **तच्चा पिंडेसणा** ॥ ६३७ ॥ अहावरा **चउत्था पिंडेसणा** ॥ से भिक्खू वा, (२) से जं पुण जाणिज्जा, पिहुअं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे अप्पे पज्जवजाए, तहप्पगारं पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा सयं वा जाएज्जा जाव पडिगाहिज्जा। **इति चउत्था पिंडेसणा** ॥ ६३८ ॥ अहावरा **पंचमा पिंडेसणा** से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, जाव समाणे, उग्गहितमेव भोयणजायं जाणिज्जा, तंजहा-सरावंसि वा, डिंडिमंसि वा, कोसगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा बहुपरियावन्ने पाणीसु उदगलेवे तहप्पगारं असणं वा (४) सयं वा णं जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा ॥ **पंचमा पिंडेसणा** ॥ ६३९ ॥ अहावरा **छट्ठा पिंडेसणा,** से भिक्खू वा (२) पग्गहियमेव भोयणजायं जाणिज्जा, जं च सयट्ठाए पग्गहियं जं च परट्ठाए पग्गहियं तं पायपरियावन्नं तं पाणिपरियावण्णं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **छट्ठा पिंडेसणा** ॥ ६४० ॥ अहावरा **सत्तमा पिंडेसणा,** से भिक्खू वा (२) जाव समाणे बहुउज्झियधम्मियं भोयणजायं जाणिज्जा, जं चऽन्ने बहवे दुपय-चउप्पय-समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमगा णावकंखंति तहप्पगारं उज्झियधम्मियं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से दिज्जा जाव फासुयं पडिगाहिज्जा ॥ **सत्तमा पिंडेसणा** ॥ **इच्चेयाओ सत्त पिंडेसणाओ** ॥ ६४१ ॥ अहावराओ सत्त पाणेसणाओ, तत्थ

खलु इमा पडमा पाणेसणा, अमंगट्ठे इत्थे २ तं चेव भाणियव्वं, णवरं चउत्थाए णाणत्तं, से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तंजहा- तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा, आयामं वा, सोवीरं वा, सुद्धवियडं वा, अस्सिं खलु पडिग्गाहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे, तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥ ६४२ ॥ इच्चेयासिं सत्तण्हं पिंडेसणाणं सत्तण्हं पाणेसणाणं अण्णतरं पडिमं पडिवज्जमाणे णो एवं वएज्जा "मिच्छापडिवण्णा खलु एते भयंतारो अहमेगे सम्मं पडिवन्ने, जे एते भयंतारो एयाओ पडिमाओ पडिवज्जित्ताणं विहरंति, जो य अहमंसि एयं पडिमं पडिवज्जित्ताणं विहरामि सव्वेऽवि ते उ जिणाणाए उवट्ठिया अन्नोन्नसमाहीए एवं च णं विहरंति ॥ ६४३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६४४॥

पिंडेसणा णामज्झयणस्स एगारसमोद्देसो, विइयसुयक्खंधस्स पिंडेसणा णामं पढमज्झयणं समत्तं ॥

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा, **उवस्सयं** एसित्तए, से अणुपविसे गामं वा जाव रायहाणिं वा ॥ ६४५ ॥ से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, सअंडं जाव ससंताणयं तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६४६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, अप्पंडं अप्पपाणं जाव अप्पसंताणयं तहप्पगारे उवस्सए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६४७ ॥ से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएति तहप्पगारे **उवस्सए** पुरिसंतरगडे वा अपुरिसंतरगडे वा जाव अणासेविते वा णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा । एवं वहवे साहम्मिया एगा साहम्मिणी वहवे साहम्मिणीओ॥६४८॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा असंजए भिक्खुपडियाए वहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं जाव चेएइ तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६४९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए कडिए वा, उक्कंविए वा, छन्ने वा, लित्ते वा, घट्ठे वा, मट्ठे वा, संमट्ठे वा, संपधूमिए वा, तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए, णो ठाणं वा, सेज्जं वा, णिसीहियं वा, चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसे-

विए, पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव जाव चेतेज्जा ॥ ६५० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए खुड्डियाओ दुवारियाओ महल्लिआओ कुज्जा, जहा पिंडेसणाए जाव संथारगं संथारिज्जा, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविते णो ठाणं वा, सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव जाव चेतेज्जा ॥ ६५१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए उदगप्पसूयाणि वा, कंदाणि वा, मूलाणि वा, पत्ताणि वा, पुप्फाणि वा, फलाणि वा, बीयाणि वा, हरियाणि वा, ठाणाओ ठाणं साहरति, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा। अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरगडे जाव चेतेज्जा ॥ ६५२ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, से जं पुण जाणिज्जा, असंजए भिक्खूपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा उदूहलं वा ठाणाओ ठाणं साहरइ बहिया वा णिण्णक्खु, तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव चेतेज्जा ॥ ६५३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तंजहा खंधंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अन्नतरंसि वा तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि, णण्णत्थ आगाढाणागाढेहिं कारणेहिं, ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा णो चेतेज्जा ॥ ६५४ ॥ से आहच्च चेतिते सिया णो तत्थ सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, हत्थाणि वा, पादाणि वा, अच्छीणि वा, दंताणि वा, मुहं वा, उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा, णो तत्थ ऊसढं पगरेज्जा, तंजहा–उच्चारं वा, पासवणं वा, खेलं वा, सिंघाणं वा, वंतं वा, पित्तं वा, पूयं वा, सोणियं वा, अन्नयरं वा सरीरावयवं केवली बूया "आयाण मेयं" से तत्थ ऊसढं पगरेमाणे पयलेज्ज वा, पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे पवडेमाणे वा हत्थं वा, जाव सीसं वा अन्नतरं वा कायंसि इंदियजालं लूसेज्जा पाणाणि वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** अंतलिक्खजाए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा सइत्थियं सखुड्डं सपसुभत्तपाणं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा, आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइकुलेण सद्धिं संवसमाणस्स अलसए वा, विसूइया वा छड्डी वा उव्वाहिज्जा अन्नतरे वा से दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा असं-

जए कलुणपडियाए तं भिक्खुस्स गातं तेल्लेण वा, घएण वा, उव्वट्टणेण वा अब्भं-गेज्ज मक्खिज्ज वा, सिणाणेण वा, कक्केण वा, लोद्धेण वा, वण्णेण वा चुण्णेण वा, पउमेण वा, आघंसेज्ज वा, पघंसेज्ज वा, उव्वलेज्ज वा, उवट्टेज्ज वा सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, सिणाविज्ज वा, सिंचिज्ज वा, दारुणा वा दारुपरिणामं कट्टु, अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा, उज्जालित्ता २ कायं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना जं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५६ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स सागारिए **उवस्सए** वसमाणस्स इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा अन्नमन्नं अक्कोसंति वा, पचंति वा रुंभंति वा उद्दविंति वा अह भिक्खूणं उच्चावयं मणं णियंछेज्जा एते खलु अन्नमन्नं उक्कोसंतु वा मा वा उक्कोसंतु जाव मा वा उद्दविंतु । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना जाव जं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५७ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइ अप्पणो सअट्ठाए अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा विज्झावेज्ज वा, अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियंछेज्जा, एते खलु अगणिकायं उज्जालेंतु वा जाव मा वा विज्झावेंतु अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए नो ठाणं वा सेज्जं वा, निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५८ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स कुंडले वा, गुणे वा, मणी वा, मोत्तिए वा, हिरण्णे वा, सुवण्णे वा, कडगाणि वा, तुडियाणि वा, तिसरगाणि वा, पालंबाणि वा, हारे वा, अद्धहारे वा, एगावली वा, मुत्तावली वा, कणगावली वा, रयणावली वा, तरुणियं वा कुमारिं अलंकियविभूसियं पेहाए, अह भिक्खू उच्चावयं मणं, णियंछेज्जा, "एरिसिया वा सा णो वा एरिसिया" इति वा णं वूया, इति वा णं मणं साएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा ४ जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६५९ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइणीओ वा, गाहावइधूयाओ वा, गाहावइसुण्हाओ वा, गाहावइधाईओ वा, गाहावइदासीओ वा, गाहावइकम्मकरीओ वा, तासिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो जाव उवरया मेहुणधम्माओ णो खलु एतेसिं कप्पइ मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टित्तए, जा य खलु एएहिं सद्धिं मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टाविज्जा पुत्तं खलु सा लभेज्जा, ओयस्सिं तेयस्सिं वच्चस्सिं जसस्सिं संपराइयं आलोयणदरिसणिज्जं," एयप्पगारं

णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तासिं च णं अण्णयरी सङ्की तं तवस्सिं भिक्खुं मेहुण-धम्मपरियारणाए आउट्टावेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६६० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६६१ ॥ **सेज्जाज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

गाहावइ णामेगे सुइसमायारा भवंति से भिक्खू य असिणाणाए से तग्गंधे दुग्गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, जं पुव्वकम्मं तं पच्छाकम्मं, जं पच्छाकम्मं तं पुव्वकम्मं तं भिक्खुपडियाए वट्टमाणे करेज्जा वा नो करेज्जा वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६६२ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सअट्ठाए विरूवरूवे भोयणजाए उवक्खडिए सिया अह पच्छा भिक्खुपडियाए असणं वा (४) उवक्खडेज्ज वा उवकरेज्ज वा तं च भिक्खू अभिकंखेज्जा भोत्तए वा पायए वा वियट्टित्तए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं नो तहप्पगारे उवस्सए ठाणं चेतेज्जा ॥ ६६३ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइणा सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयट्ठाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिन्नपुव्वाइं भवंति, अह पच्छा भिक्खुपडियाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिंदेज्ज वा, किणेज्ज वा पामिच्चेज्ज वा, दारुणा वा दारुपरिणामं कट्टु अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा, तत्थ भिक्खू अभिकंखेज्ज वा आतावेत्तए वा, पयावेत्तए वा, वियट्टित्तए वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं चेतेज्जा ॥ ६६४ ॥ से भिक्खू वा (२) उच्चारपासवणेणं उव्वाहिज्जमाणे राओ वा विआले वा, गाहावइकुलस्स दुवारवाहं अवंगुणेज्जा तेणे य तस्संधिचारी अणुपविसेज्जा, तस्स भिक्खुस्स णो कप्पइ एवं वदित्तए "अयं तेणे पविसइ वा णो वा पविसइ, उवल्लियइ वा णो वा उवल्लियइ, आवयाति वा णो वा आवयति, वदति वा णो वा वदति, तेण हडं अण्णेण हडं, तस्स हडं अण्णस्स हडं, अयं तेणे अयं उवयरए, अयं हंता, अयं एत्थमकासी," तं तवस्सिं भिक्खुं अतेणं तेणं ति संकइ, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो चेतेज्जा ॥ ६६५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा तणपुंजेसु पलालपुंजेसु वा, सअंडे जाव ससंताणए तहप्प-गारे **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६६६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तणपुंजेसु वा, पलालपुंजेसु वा अप्पंडे जाव चेएज्जा ॥ ६६७ ॥ से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा

गच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो वज्जकिरिया या वि भवइ ॥६७३॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ, जाव तं रोयमाणेहिं वहवे समण जाव वणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेतिताइं भवंति तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति, इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो महावज्जकिरिया या वि भवइ ॥६७४॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं वहवे समण० जाव समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेतिआइं भवंति-तंजहा आएसणाणि वा जाव भवण-गिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति, अयमाउसो सावज्जकिरिया या वि भवइ ॥ ६७५ ॥ इह खलु पाईणं वा जाव उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तंजहा-गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ जाव तं रोयमाणेहिं एक्कं समणजायं समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेतिताइं भवंति, तंजहा आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढवीकायसमारंभेणं एवं महया आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ-तसकायसमारंभेणं महया संरंभेणं महया आरंभेणं महया विरूवरूवेहिं पावकम्मेहिं तंजहा छायणओ, लेवणओ, संथारदुवारपिहणाओ, सीतोदए वा, परिट्ठवियपुव्वे भवइ, अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इय-राइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति दुपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो महासावज्जकिरिया या वि भवइ ॥ ६७६ ॥ इह खलु पाईणं वा जाव तं रोयमाणेहिं अप्पणो सअट्ठाए तत्थ २ अगारीहिं जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढविकायसमारंभेणं जाव अग-णिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति एगपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो अप्पसावज्जा किरिया या वि भवइ ॥ ६७७ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६७८ ॥ **सेज्जाज्झयणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥**

"से य णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे णो य खलु सुद्धे इमेहिं पाहुडेहिं, तंजहा-छायणओ, लेवणओ संथारदुवारपिहणओ पिंडवाएसणाओ से य भिक्खू चरियारए ठाणरए निसीहियारए सेज्जासंथारपिंडवाएसणारए" संति भिक्खुणो एव मक्खाइणो उज्जुया णियागपडिवन्ना अमायं कुव्वमाणा वियाहिया ॥ ६७९ ॥ संते-

गइआ पाहुडिया उक्खित्तपुव्वा भवइ एवं णिक्खित्तपुव्वा भवइ परिभाइयपुव्वा भवइ परिभुत्तपुव्वा भवइ परिट्ठवियपुव्वा भवइ एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरेति ? हंता भवइ ॥ ६८० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा खुड्डियाओ खुड्डदुवारियाओ नीयाओ संनिरुद्धाओ भवंति, तहप्पगारे **उवस्सए** राओ वा विआले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पुरा हत्थेण वा पच्छा पाएण वा तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेयं' जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा छत्तए वा मत्तए वा दंडए वा लट्ठिआ वा भिसिया वा नालिया वा चेले वा चिलिमिली वा चम्मए वा चम्मकोसए वा चम्मछेदणए वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले भिक्खू य राओ वा वियाले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पयलिज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा पायं वा जाव इंदियजायं वा लूसेज्ज वा, पाणाणि जाव सत्ताणि वा, अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** पुरा हत्थेणं पच्छा पाएणं तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ६८१ ॥ से आगंतारेसु वा अणुवीइ **उवस्सयं** जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए, ते **उवस्सयं** अणुण्णवेज्जा, कामं खलु आउसो अहालंदं अहापरिण्णातं वसिस्सामो जाव आउसंतो जाव आउसंतस्स **उवस्सए** जाव साहम्मियाए तओ **उवस्सयं** गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥६८२॥ से भिक्खू वा (२) **जस्सुवस्सए** संवसिज्जा तस्स णामगोयं पुव्वामेव जाणिज्जा तओ पच्छा तस्स गिहे णिमंतेमाणस्स अणिमंतेमाणस्स वा असणं वा (४) अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ६८३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं णो पण्णस्स निक्खमणपवेसणाए, णो पण्णस्स वायण जाव चिंताए, तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६८४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झं मज्झेणं गंतुं पंथए पएपएपडिवद्धं णो पण्णस्स णिक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६८५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णमक्कोसंति वा जाव उद्दवेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा अब्भंगेंति वा

मक्खेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा, अण्णमण्णस्स गायं सिणाणेण वा कक्केण वा लोद्देण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा, आघंसंति वा पघंसंति वा उव्वलंति वा उव्वट्टिंति वा णो पण्णस्स णिक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलंति वा पधोवेंति वा सिंचंति वा सिणावेंति वा णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा णिगिणा ठिआ णिगिणा उल्लीणा मेहुणधम्मं विण्णवेंति रहस्सियं वा मंतं मंतेंति णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६९० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खं णो पण्णस्स जाव चिंताए जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६९१ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा संथारं एसित्तए ॥ ६९२ ॥ से जं पुण संथारयं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणगं तहप्पगारं संथारगं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण संथारयं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं गरुयं तहप्पगारं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण संथारगं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं अपाडिहारियं तहप्पगारं सेज्जा संथारयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण संथारगं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं पाडिहारियं णो अहावद्धं तहप्पगारं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण संथारयं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं पाडिहारियं अहावद्धं तहप्पगारं संथारयं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥ ६९७ ॥ इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइक्कम्म अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं चउहिं पडिमाहिं संथारगं एसित्तए तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा;-से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय उद्दिसिय संथारगं जाएज्जा, तंजहा-इक्कडं वा कढिणं वा जंतुयं वा परगं वा मोरगं वा तणं वा सोरगं वा कुसं वा कुच्चगं वा पव्वगं वा पिप्पलगं वा पलालगं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भगिणी त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संथारगं ? तहप्पगारं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं एसणिज्जं लाभे संते पडिगाहिज्जा **पढमा पडिमा**

जाव उवागया उवागमिस्संति य अप्पाइण्णा वित्ती जाव रायहाणिंसि वा तओ संज-यामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥ ७१५ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासावासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंचदसरायकप्पे परिवुसिए अंतरा से मग्गा बहुपाणा जाव संताणगा णो जत्थ बहवे समण जाव उवागया उवागमिस्संति य सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७१६॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासा वासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंच दस रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव असंताणगा बहवे जत्थ समण जाव उवागमिस्संति य सेवं णच्चा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७१७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुरओ जुगमायं पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्टु पायं रीएज्जा साहट्टु पायं रीएज्जा उक्खिप्पपायं रीएज्जा तिरिच्छं वा कट्टु पायं रीएज्जा सति परक्कमे संज-तामेव परिक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१८ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्टिया वा अविद्धत्थे सइ परक्कमे जाव णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विरूवरूवाणि पच्चंतिकाणि दस्सुगायतणाणि मिल-क्खूणि अणायरियाणि दुस्सन्नप्पाणि दुप्पण्णवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकाल-परिभोईणि सति लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जाणवएहिं णो विहारवत्तियाए पव-ज्जेज्जा गमणाए केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला "अयं तेणे अयं उवचरए अयं तओ आगए" त्ति कट्टु तं भिक्खुं अक्कोसेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा वत्थं पडि-ग्गहं कंबलं पायपुंछणं अच्छिदेज्ज वा अभिंदेज्ज वा अवहरिज्ज वा, परिट्ठविज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा पइण्णा जाव जं णो तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि पच्चंति-याणि दस्सुगायतणाणि जाव विहारवत्तियाए णो पवज्जेज्जा गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से अरायाणि वा, गणरायाणि वा, जुवरायाणि वा, दोरज्जाणि वा, वेरज्जाणि वा, विरुद्धरज्जाणि वा, सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्जगमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला 'अयं तेणे' तं चेव जाव णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२१॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, एगाहेण वा, दयाहेण वा, तियाहेण वा, चउयाहेण वा, पंचाहेण वा,

णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली वूया 'आयाणमेयं' अंतरा से वासे सिया, पाणेसु वा, पणएसु वा, वीएसु वा, हरिएसु वा, उदएसु वा, मट्टियाए वा, अविद्धत्थाए, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं अणेगाहगमणिज्जं जाव णो गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा गमणाए ॥७२२॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से णावा संतारिमे उदए सिया, से जं पुण णावं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए किणेज्ज वा, पामिच्चेज्ज वा, णावाए वा णावं परिणामं कट्टु, थलाओ वा णावं जलंसि ओगाहेज्जा, जलाओ वा णावं थलंसि उक्कसेज्जा, पुण्णं वा णावं उस्सिंचेज्जा, सण्णं वा णावं उप्पीलावेज्जा, तहप्पगारं णावं उड्ढगामिणिं वा, अहेगामिणिं वा, तिरियगामिणिं वा, परं जोयणमेराए अद्धजोयणमेराए अप्पतरो वा, भुज्जतरो वा, णो दुरुहेज्ज गमणाए ॥ ७२३ ॥ से भिक्खू वा (२) पुव्वामेव तिरिच्छसंपातिमं णावं जाणिज्जा जाणित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, भंडगं पडिलेहिज्जा, पडिलेहित्ता एगओ भोयणभंडगं करेज्जा २ ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता सागारियभत्तं पच्चक्खाएज्जा पच्चक्खाइत्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव णावं दुरुहेज्जा ॥ ७२४ ॥ से भिक्खू वा (२) णावं दुरुहमाणे णो णावाए पुरओ दुरुहेज्जा, णो णावाए अग्गओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मज्झतो दुरुहेज्जा, णो वाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय अंगुलिए उवदंसिय २ ओणमिय २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा ॥ ७२५ ॥ से णं परो णावागतो णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा! एयं ता तुमं णावं उक्कसाहि वा वोक्कसाहि वा खिवाहि वा रज्जूए वा गहाय आकसाहि" णो से तं परिन्नं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२६ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा णो संचाएसि णावं उक्कसित्तए वा वोक्कसित्तए वा खिवित्तए वा रज्जुयाए वा गहाय आकसित्तए आहर एतं णावाए रज्जूयं सयं चेव णं वयं णावं उक्कसिस्सामो वा जाव रज्जूए वा गहाय आकसिस्सामो" णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२७ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा आउसंतो समणा एयं ता तुमं णावं आलित्तेण वा, पीढेण वा वंसेण वा वलएण वा अवलुएण वा वाहेहि णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२८ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वदेज्जा "आउसंतो समणा एयं ता तुमं णावाए उदयं हत्थेण वा पाएण वा मत्तेण वा पडिग्गहेण वा णावा उस्सिंचणेण वा उस्सिंचाहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२९ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, आउसंतो समणा एतं तो तुमं णावाए उत्तिंगं हत्थेण

जाव उवागया उवागमिस्संति य अप्पाइण्णा वित्ती जाव रायहाणिंसि वा तओ संज-यामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥ ७१५ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासावासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंचदसरायकप्पे परिवुसिए अंतरा से मग्गा बहुपाणा जाव संताणगा णो जत्थ बहवे समण जाव उवागया उवागमिस्संति य सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७१६॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासा वासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंच दस रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव असंताणगा बहवे जत्थ समण जाव उवागमिस्संति य सेवं णच्चा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७१७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुरओ जुगमायं पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्टु पायं रीएज्जा साहट्टु पायं रीएज्जा उक्खिप्पपायं रीएज्जा तिरिच्छं वा कट्टु पायं रीएज्जा सति परक्कमे संज-तामेव परिक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१८ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्टिया वा अविद्धत्थे सइ परक्कमे जाव णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विरूवरूवाणि पच्चंतिकाणि दस्सुगायतणाणि मिल-क्खूणि अणायरियाणि दुस्सन्नप्पाणि दुप्पण्णवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकाल-परिभोईणि सति लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जाणवएहिं णो विहारवत्तियाए पव-ज्जेज्जा गमणाए केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं वाला "अयं तेणे अयं उवचरए अयं तओ आगए" त्ति कट्टु तं भिक्खुं अक्कोसेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा वत्थं पडि-ग्गहं कंबलं पायपुंछणं अच्छिंदेज्ज वा अभिंदेज्ज वा अवहरिज्ज वा, परिट्ठविज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा पइण्णा जाव जं णो तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि पच्चंति-याणि दस्सुगायतणाणि जाव विहारवत्तियाए णो पवज्जेज्जा गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से अरायाणि वा, गणरायाणि वा, जुवरायाणि वा, दोरज्जाणि वा, वेरज्जाणि वा, विरुद्धरज्जाणि वा, सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्जगमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं वाला 'अयं तेणे' तं चेव जाव णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२१॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, एगाहेण वा, दुयाहेण वा, तियाहेण वा, चउयाहेण वा, पंचाहेण वा, पाउणिज्ज वा, नो पाउणिज्ज वा, तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्जं सति लाढे जाव

णो विहारवत्तियाए पवज्जेज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतरा से वासे सिया, पाणेसु वा, पणएसु वा, वीएसु वा, हरिएसु वा, उदएसु वा, मट्टियाए वा, अविद्धत्थाए, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं अणेगाहगमणिज्जं जाव णो गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा गमणाए ॥७२२॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से णावा संतारिमे उदए सिया, से जं पुण णावं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए किणेज वा, पामिच्चेज वा, णावाए वा णावं परिणामं कट्टु, थलाओ वा णावं जलंसि ओगाहेज्जा, जलाओ वा णावं थलंसि उक्कसेज्जा, पुण्णं वा णावं उस्सिंचेज्जा, सण्णं वा णावं उप्पीलावेज्जा, तहप्पगारं णावं उड्ढगामिणिं वा, अहेगामिणिं वा, तिरियगामिणिं वा, परं जोयणमेराए अद्धजोयणमेराए अप्पतरो वा, भुज्जतरो वा, णो दुरुहेज्ज गमणाए ॥ ७२३ ॥ से भिक्खू वा (२) पुव्वामेव तिरिच्छसंपातिमं णावं जाणिज्जा जाणित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, भंडगं पडिलेहिज्जा, पडिलेहित्ता एगओ भोयणभंडगं करेज्जा २ ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता सागारियभत्तं पच्चक्खाएज्जा पच्चक्खाइत्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव णावं दुरुहेज्जा ॥ ७२४ ॥ से भिक्खू वा (२) णावं दुरुहमाणे णो णावाए पुरओ दुरुहेज्जा, णो णावाए अग्गओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मज्झतो दुरुहेज्जा, णो बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय अंगुलिए उवदंसिय २ ओणमिय २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा ॥ ७२५ ॥ से णं परो णावागतो णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावं उक्कसाहि वा वोक्कसाहि वा खिवाहि वा रज्जूए वा गहाय आकसाहि" णो से तं परिन्नं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२६ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा णो संचाएसि णावं उक्कसित्तए वा वोक्कसित्तए वा खिवित्तए वा रज्जुयाए वा गहाय आकसित्तए आहर एतं णावाए रज्जूयं सयं चेव णं वयं णावं उक्कसिस्सामो वा जाव रज्जूए वा गहाय आकसिस्सामो" णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२७ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा आउसंतो समणा एयं ता तुमं णावं आलित्तेण वा, पीढेण वा वंसेण वा वलएण वा अवल्लुएण वा वाहेहि णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२८ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वदेज्जा "आउसंतो समणा एयं ता तुमं णावाए उदयं हत्थेण वा पाएण वा मत्तेण वा पडिग्गहेण वा णावा उस्सिंचणेण वा उस्सिंचाहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२९ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, आउसंतो समणा एतं तो तुमं णावाए उत्तिंगं हत्थेण

ज्जिज्जा ॥ ७५४ ॥ से भिक्खू वा (२) आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया से एवं वएज्जा "आउसंतो समणा के तुब्भे? कओ वा एह? कहिं वा गच्छिहिह" जे तत्थ आयरियउवज्झाए से भासेज्ज वा, वियागरेज्ज वा, आयरियोवज्झायस्स भासमाणस्स वा वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं करेज्जा, तओ संजयामेव अहारातिणिए वा० दूइज्जेज्जा ॥ ७५५ ॥ से भिक्खू वा (२) अहारातिणियं गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अहारातिणियस्स हत्थेण हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव अहारातिणियं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७५६ ॥ से भिक्खू वा (२) अहारातिणियं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वदेज्जा, आउसंतो समणा के तुब्भे? कओ वा एह? कहिं वा गच्छिहिह? जे तत्थ सव्वरातिणिए से भासेज्ज वा वागरेज्ज वा अहारातिणियस्स भासमाणस्स वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं भासेज्जा, तओ संजयामेव अहाराइणियाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७५७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया आगच्छेज्जा, ते णं पाडिपहिया एवं वदेज्जा "आउसंतो समणा! अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह तंजहा–मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा पसुं वा पक्खि वा, सिरीसिवं वा जलयरं वा से आइक्खह दंसेह" तं णो आइक्खेज्जा णो दंसेज्जा णो तेसिं तं परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा, **जाणं वा, णो जाणंति वएज्जा,** तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७५८ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया आगच्छेज्जा ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा "आउसंतो समणा अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह उदगपसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा पत्ताणि वा पुप्फाणि वा फलाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदगं वा संणिहियं अगणिं वा संणिक्खित्तं, सेसं तं चेव से आइक्खह, जाव दूइज्जेज्जा ॥ ७५९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा ते णं पाडिपहिया एवं वएज्जा, आउसंतो समणा अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह, जवसाणि वा, जाव से णं वा, विरूवरूवं संणिविट्ठं, से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया जाव "आउसंतो समणा! केवइए एत्तो गामे वा जाव रायहाणी वा से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६१ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया जाव "आउसंतो समणा केवइए एत्तो गामस्स णगरस्स वा जाव रायहाणीए वा मग्गे, से आइक्खह तहेव जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६२ ॥ से भिक्खु वा

अज्झत्थवयणं, उवणीयवयणं, अवणीयवयणं, उवणीयावणीयवयणं, अवणीयोवणीयवयणं, तीयवयणं, पडुप्पन्नवयणं, अणागयवयणं, पच्चक्खवयणं, परोक्खवयणं ॥ ७६९ ॥ से एगवयणं वदिस्सामीति एगवयणं वएज्जा, जाव परोक्खवयणं वइस्सामीति परोक्खवयणं वएज्जा, इत्थी वेस पुरिसो वेस, णपुंसगं वेस, एवं वा चेयं, अण्णं वा चेयं, अणुवीइ णिट्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासिज्जा, इच्चेयाइं आयतणाइं उवातिकम्म ॥ ७७० ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चत्तारि भासज्जायाइं, तंजहा-सच्चमेगं पढमं भासज्जायं, बीयं मोसं, तइयं सच्चामोसं, जं णेव सच्चं णेव मोसं नेव सच्चामोसं "असच्चामोसं" णाम तं चउत्थं भासजातं ॥ ७७१ ॥ से बेमि जे अतीता जे य पडुप्पन्ना जे य अणागया अरहंता भगवंतो सव्वे ते एयाणि चेव चत्तारि भासांजायाइं भासिंसु वा भासंति वा भासिस्संति वा, पण्णविंसु वा, पण्णवेंति वा, पण्णविस्संति वा, सव्वाइं च णं एयाइं अचित्ताणि वण्णमंताणि गंधमंताणि रसमंताणि फासमंताणि चओवचइयाइं विपरिणामधम्माइं भवंतीति समक्खायाइं ॥ ७७२ ॥ से भिक्खू वा (२) पुव्विं भासा अभासा भासमाणा भासा भासा, भासासमयविइक्कंता च णं भासिया भासा अभासा ॥७७३॥ से भिक्खू वा (२) जाय भासा सच्चा, जाय भासा मोसा, जाय भासा सच्चामोसा, जाय भासा असच्चामोसा, तहप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं कक्कसं कडुयं निट्ठुरं फरुसं अण्हयकरिं छेयणभेयणकरिं परितावणकरिं उद्दवकरिं भूतोवघाइयं अभिकंख भासं णो भासेज्जा ॥ ७७४ ॥ से भिक्खू वा (२) जा य भासा सच्चा सुहुमा जाय भासा असच्चामोसा तहप्पगारं भासं असावज्जं अकिरियं जाव अभूतोवघाइयं अभिकंख भासं भासेज्जा, अदुवा य पुमं आमंतेमाणे आमंतिते वा अपडिसुणेमाणं णो एवं वएज्जा, होले त्ति वा गोले त्ति वा वसुले त्ति वा कुपक्खे त्ति वा घडदासे त्ति वा साणे त्ति वा तेणे त्ति वा चारिए त्ति वा माई त्ति वा मुसावाई त्ति वा एयाइं तुमं ते जणगा वा, एतप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं जाव अभिकंख नो भासेज्जा ॥ ७७५ ॥ से भिक्खू वा (२) पुमं आमंतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणे एवं वएज्जा, असुगे त्ति वा आउसोत्ति वा आउसंतोत्ति वा सावगे त्ति वा उपासगेत्ति वा धम्मिएत्ति वा धम्मपियेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूतोवघाइयं अभिकंख भासेज्जा ॥ ७७६ ॥ से भिक्खू वा (२) इत्थिं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणीं नो एवं वएज्जा, होली इ वा गोली इ वा इत्थीगमेणं णेतव्वं ॥ ७७७ ॥ से भिक्खू वा (२) इत्थियं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणीं एवं वएज्जा, आउसि त्ति वा भगिणि त्ति वा भगवइ त्ति वा साविगे त्ति वा उवासिए त्ति वा धम्मिए त्ति

पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा-आरंभकडे त्ति वा सावज्जकडे त्ति वा पयत्तकडेत्ति वा भद्दयं भद्दए त्ति वा ऊसढं ऊसढे त्ति वा रसियं रसिए त्ति वा मणुण्णं मणुण्णे त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७८७ ॥ से भिक्खू वा (२) मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा मिगं वा पसुं वा पक्खि वा सरीसिवं वा जलयरं वा से त्तं परिवूढकायं पेहाए णो एवं वएज्जा थूलेइ वा पमेइलेइ वा वट्टेइ वा वज्झे इ वा पाइमे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७८८ ॥ से भिक्खू वा (२) मणुस्सं जाव जलयरं वा से तं परिवूढकायं पेहाए एवं वएज्जा, परिवूढकाएत्ति वा, उवचियकाए त्ति वा थिरसंघयणेत्ति वा उवचियमंस-सोणिएत्ति वा बहुपडिपुण्णइंदिएत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासिज्जा ॥ ७८९ ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाओ गाओ पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा-गाओ दोज्झाओ त्ति वा दम्मेत्ति वा गोरहत्ति वा वाहिमत्ति वा रहजोग्गत्ति वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९० ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाओ गाओ पेहाए एवं वएज्जा तंजहा-जुवंगवेत्ति वा धेणु त्ति वा रसवइ त्ति वा हस्से इ वा महल्लए इ वा महव्वए इ वा संवहणि त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९१ ॥ से भिक्खू वा (२) तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाइं वणाणि वा रुक्खा महल्ला पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा-पासायजोग्गा ति वा तोरणजोग्गाति वा गिहजोग्गा इ वा फलिहजोग्गाइ वा अग्गल-नावा-उदगदोणि-पीढ-चंगवेर-णंगल-कुलिय-जंतलट्ठी-णाभि-गंडी-आसण-सयण-जाण-उवस्सय-जोग्गा इ वा, एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९२ ॥ से भिक्खू वा (२) तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्व-याणि वणाणि य रुक्खा महल्ला पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा-जातिमंता इ वा दीहवट्टा इ वा महालया इ वा पयायसाला इ वा विडिमसाला इ वा पासाइया इ वा जाव पडिरूवा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९३ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुसंभूया वणफला पेहाए तहावि ते णो एवं वएज्जा तंजहा-पक्का ति वा पायक्खज्जाइ वा वेलोइयाति वा टालाइ वा वेहिया इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९४ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुसंभूयाफला अंबा पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा-असंथडा इ वा बहुणिवट्टिमफला इ वा बहुसंभूया इ वा भूयरूवित्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९५ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि ताओ णो एवं वएज्जा, तंजहा-पक्का इ वा नीलिया इ वा छवीइ वा

वा, चीणंसुयाणि वा, देसरागाणि वा, अमिलाणि वा, गज्जफलाणि वा, फालियाणि वा, कोयवाणि वा, कंबलगाणि वा, पावरणाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं वत्थाइं महद्धणमोल्लाइं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ८०८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण आईणपाउरणाणि वत्थाणि जाणिज्जा, तंजहा-उद्दाणि वा पेसाणि वा, पेसलाणि वा किण्हमिगाईणगाणि वा णीलमिगाईणगाणि वा गोरमिगाईण-गाणि वा कणगाणि वा कणगकंताणि वा कणगपट्टाणि वा कणगखइयाणि वा कणगफुसियाणि वा वग्घाणि वा विवग्घाणि वा आभरणाणि वा आभरणविचि-त्ताणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि आईणपाउरणाणि वत्थाणि लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ८०९ ॥ इच्चेइयाइं आयतणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू जाणिज्जा, चउहिं पडिमाहिं वत्थं एसित्तए ॥ ८१० ॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा, से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय २ वत्थं जाएज्जा, तंजहा-जंगियं वा साणयं वा पोत्तयं वा खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा णं देज्जा, फासुयं एसणीयं लाभे संते पडिगाहिज्जा, **पढमा पडिमा** ॥ ८११ ॥ **अहावरा दोच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) पेहाए २ जाएज्जा, तंजहा-गाहावई वा जाव कम्मकरी वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अण्णतरं वत्थं? तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, जाव फासुयं एसणीयं लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥ **दोच्चा पडिमा,** ॥ ८१२ ॥ **अहावरा तच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा तंजहा-अंतरिज्जगं वा उत्तरिज्जगं वा तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहिज्जा ॥ **तच्चा पडिमा** ॥ ८१३ ॥ **अहावरा चउत्था पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) उज्झियधम्मियं वत्थं जाएज्जा, जं चऽण्णे बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं उज्झियधम्मियं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं जाव पडिगाहेज्जा, **चउत्था पडिमा** ॥ ८१४ ॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं जहा पिंडेसणाए ॥ ८१५ ॥ सिया णं एयाए एसणाए एसमाणं परो वएज्जा आउसंतो समणा एज्जाहि तुमं मासेण वा दसराएण वा पंचराएण वा सुए वा सुयतरे वा तो ते वयं आउसो अण्णयरं वत्थं दाहामो।" तहप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संगारे वयणे पडिसुणेत्तए अभिकंखसि मे दाउं इयाणिमेव दलयाहि, से णेवं वयंतं परो वएज्जा आउसंतो समणा अणुगच्छाहि तो ते वयं अण्णतरं वत्थं दाहामो से पुव्वामेव आलोएज्जा

आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संगारवयणे पडिसु-णेत्तए, अभिकंखसि मे दाउं इयाणिमेव दलयाहि।" से सेवं वयंतं परो णेया वदेज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं वत्थं समणस्स दाहामो अवियाइं वयं पच्छावि अप्पणो सयट्ठाए पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स जाव चेइस्सामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१६ ॥ सिया णं परो णेया वएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं वत्थं सिणाणेण वा ४ जाव आघंसित्ता वा पघंसित्ता वा समणस्स णं दाहामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलो-एज्जा, आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा मा एयं तुमं वत्थं सिणाणेण वा जाव पघंसाहि वा अभिकंखसि मे दाउं, एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो सिणाणेण वा जाव पघंसित्ता दलएज्जा, तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१७ ॥ से णं परो णेया वएज्जा, "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहर एयं वत्थं सीओदग-वियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेत्ता वा पधोवेत्ता वा समणस्स दाहामो एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा मा एयं तुमं वत्थं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेहि वा पहोवेहि वा अभिकंखसि सेसं तहेव जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१८ ॥ से णं परो णेया वएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं वत्थं कंदाणि वा जाव हरियाणि वा विसोहित्ता समणस्स दाहामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जाव "भइणि त्ति वा मा एयाणि तुमं कंदाणि वा जाव विसोहेहि णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे वत्थे पडिगाहित्तए" से सेवं वयंतस्स परो कंदाणि वा जाव विसोहित्ता दलएज्जा तहप्पगारं वत्थं अफासुयं णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८१९ ॥ सिया से परो णेया वत्थं णिसिरेज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा तुमं चेवणं संतियं वत्थं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जिस्सामि" केवली बूया आयाणमेयं वत्थंतेण बद्धे सिया कुंडले वा गुणे वा हिरण्णे वा सुवण्णे वा मणी वा जाव रयणावली वा पाणे वा बीए वा हरिए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं पुव्वामेव वत्थं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥ ८२० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडि-गाहेज्जा ॥ ८२१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अणलं अथिरं अधुवं अधारणिज्जं रोइज्जंतं ण रोच्चइ तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ५२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं

जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं रोइज्जंतं रुच्चइ तहप्पगारं वत्थं फासुयं जाव पडिग्गाहेज्जा ॥ णो णवए मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा जाव पघंसेज्जा ॥ ८२३ ॥ पुण णो णवए मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सीतोदगवियडेण वा जाव पहोवेज्जा ॥ ८२४ ॥ पुण दुब्भिगंधे मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा तहेव सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा (आलावओ) ॥ ८२५ ॥ पुण अभिकंखेज्ज वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं णो अणंतरहियाए जाव पुढवीए णो ससिणद्धाए जाव संताणाए आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२६ ॥ पुण अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं थूणंसि वा गिहेलुगंसि वा उसुयालंसि वा कामजलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे दुन्निक्खित्ते अणिकंपे चलाचले णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२७ ॥ पुण अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं कुडियंसि भित्तिंसि सिलंसि वा लेलुंसि वा अण्णतरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२८ ॥ पुण अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारे वत्थे खंधंसि वा मंचंसि-मालंसि-पासायंसि-हम्मियतलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२९ ॥ से तमादाय एगंतमवक्कमेज्जा अहे ज्झामथंडिलंसि वा जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव वत्थं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं सया जइज्जासि त्ति बेमि ॥ ८३१ ॥

वत्थेसणाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा, णो रएज्जा, णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा अपलिउंचमाणे गामंतरेसु ओमचेलिए, एयं खलु वत्थधारिस्स सामग्गियं ॥ ८३२ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइ कुलं पिंडवायपडियाए पविसिउकामे सव्वं चीवरमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, एवं बहिया विचारभूमिं विहारभूमिं वा गामाणुगामं दूइज्जेज्जा । अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वा वासं वासमाणं पेहाए जहा पिंडेसणाए णवरं सव्वं चीवरमायाए ॥ ८३३ ॥ से एगइओ मुहुत्तगं २ पाडिहारियं वीयं वत्थं जाएज्जा, जाव एगाहेण वा दुयाहेण वा तिया-चउ-पंचाहेण वा विप्पवसिय २ उवागच्छेज्जा, तहप्पगारं वत्थं णो अप्पणा गिण्हेज्जा, णो अण्णमण्णस्स देज्जा, णो पामिच्चं कुज्जा, णो वत्थेण वत्थपरिणामं

आलावगा, पंचमे बहवे समणमाहणा पगणिय २ तहेव ॥ ८४३ ॥ पुण असंजए भिक्खुपडियाए बहवे समणमाहणा (वत्थेसणाऽऽलावओ) ॥ ८४४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण पादाइं जाणिज्जा विरूवरूवाइं महद्धणमुल्लाइं तंजहा-अयपादाणि वा तउ० तंबपादाणि वा सीसग-हिरण्ण-सुवण्ण-रीरिय-हारपुड-पायाणि वा मणि-काय-कंस-संख-सिंग-दंत-चेल-सेल-पायाणि वा चम्मपायाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइं पायाइं अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८४५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण पायाइं जाणिज्जा, विरूवरूवाइं महद्धणबंधणाइं तं० अयबंधणाणि वा जाव चम्मबंधणाणि वा अन्नयराइं तहप्पगाराइं महद्धणबंधणाइं अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा, इच्चेइयाइं आयतणाइं उवातिकम्म ॥ ८४६ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चउहिं पडिमाहिं पायं एसित्तए, तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय २ पायं जाएज्जा, तंजहा-अलाउयपायं वा दारुपायं वा मट्टियापायं वा तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा ॥ **पढमा-पडिमा** ॥ ८४७ ॥ **अहावरा दोच्चा पडिमा,** से भिक्खू वा (२) पेहाए पायं जाएज्जा, तंजहा-गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पायं, तंजहा-अलाउयपायं वा" जाव तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा जाव पडिगाहेज्जा ॥ **दोच्चा पडिमा** ॥ ८४८ ॥ **अहावरा तच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण पायं जाणिज्जा, संगतियं वा वेजइयंतियं वा तहप्पगारं पायं सयं वा जाव पडिगाहिज्जा ॥ **तच्चा पडिमा** ॥ ८४९ ॥ **अहावरा चउत्था पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) उज्झियधम्मियं पायं जाएज्जा, जं चऽण्णे बहवे समणमाहणा जाव वणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाव पडिगाहिज्जा, **चउत्था पडिमा** ॥ ८५० ॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं (जहा पिंडेसणाए) ॥ ८५१ ॥ से णं एताए एसणाए एसमाणं पासित्ता परो वएज्जा, "आउसंतो समणा एज्जासि तुमं मासेण वा जाव" **जहा वत्थेसणाए** ॥ ८५२ ॥ से णं परो णेया वएज्जा, आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं पायं तेल्लेण वा घएण वा अब्भंगेत्ता वा तहेव सिणाणाइ तहेव सीओदगकंदाइं तहेव ॥ ८५३ ॥ से णं परो णेया वएज्जा, "आउसंतो समणा मुहुत्तगं २ अच्छाहि जाव ताव अम्हे असणं वा उवकरेंसु उवक्खडेंसु वा, तो ते वयं आउसो सपाणं सभोयणं पडिग्गहगं दाहामो, तुच्छए पडिग्गहए दिण्णे समणस्स णो सुट्ठु साहु भवइ" से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो

त्ति वा भइणि त्ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मिए असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा भोत्तए वा पायए वा मा उवकरेहि मा उवक्खडेहि, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि से सेवं वयंतस्स परो असणं वा जाव उवकरित्ता उवक्खडित्ता, सपाणगं सभोयणं पडिग्गहगं दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८५४ ॥ सिया से परो उवणेत्ता पडिग्गहं णिसिरेज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा तुमं चेव णं संतियं पडिग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिस्सामि ॥ ८५५ ॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहंसि पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा जाव अह भिक्खूणं एस पइण्णा जं पुव्वामेव पडिग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥ ८५६ ॥ सअंडाइं सव्वे आलावगा भाणियव्वा जहा वत्थेसणाए, णाणत्तं तेल्लेण वा घएण वा सिणाणाइ जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्जा ॥८५७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिएहिं सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ८५८ ॥ **पत्तेसणाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे, पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहगं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं ततो संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ८५९ ॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहगंसि पाणे वा बीए वा रए वा परियावज्जेज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जं पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥ ८६० ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइ० जाव० समाणे सिया से परो आहट्टु अंतो पडिग्गहगंसि सीओदगं परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८६१ ॥ सेय आहच्च पडिग्गहिए सिया से खिप्पामेव उदगंसि साहरिज्जा, से पडिग्गहमायाए पाणं परिट्ठवेज्जा, ससणिद्धाए वा भूमीए णियमिज्जा ॥ ८६२ ॥ से भिक्खू वा (२) उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा पडिग्गहं णो आमज्जिज्ज वा जाव पयावेज्ज वा ॥ ८६३ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा-विगओदए मे पडिग्गहए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं पडिग्गहं तओ संजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥ ८६४ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं वा० पविसिउकामे से पडिग्गहमायाए गाहा० पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा एवं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥८६५॥ तिव्वदेसियाए जहा बिइयाए वत्थेसणाए णवरं एत्थ पडिग्गहे ॥८६६॥

एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ८६७ ॥ **पत्तेसणाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥**

छट्ठं पत्तेसणाज्झयणं समत्तं ॥

समणे भविस्सामि अणगारे अकिंचणे अपुत्ते अपसू परदत्तभोई पावं कम्मं णो करिस्सामि त्ति समुट्ठाए सव्वं भंते अदिण्णादाणं पच्चक्खामि ॥ ८६८ ॥ से अणुपविसित्ता गामं वा जाव० णेव सयं अदिन्नं गिण्हिज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हावेज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हंतं समणुजाणेज्जा। जेहिवि सद्धिं संपव्वइए तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुण्णविय अपडिलेहिय अपमज्जिय णो गिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा तेसिं पुव्वामेव उग्गहं जाइज्जा अणुण्णविय पडिलेहिय पमज्जिय तओ सं० उगिण्हिज्ज वा पगिण्हिज्ज वा ॥ ८६९ ॥ से आगंतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुण्णवेज्जा कामं खलु आउसो अहालंदं अहापरिण्णातं वसामो जाव आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मिया एइ ताव उग्गहं गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८७० ॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि **एवोग्गहियंसि** ? जे तत्थ साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवागच्छेज्जा, जे तेण सयमेसित्तए असणे वा (४) तेण ते साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवणिमंतेज्जा, णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७१ ॥ से आगंतारेसु वा (४) जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि, जे तत्थ साहम्मिया अण्णसंभोइया समणुन्ना उवागच्छेज्जा जे तेणं सयमेसित्तए पीढे वा फलए वा सेज्जासंथारए वा, तेण ते साहम्मिए अण्णसंभोइए समणुन्ने उवणिमंतेज्जा णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७२ ॥ से आगंतारेसु वा (४) जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सूई वा पिप्पलए वा कण्णसोहणए वा णहच्छेयणए वा अप्पणो तं एगस्स अट्ठाए पाडिहारियं जाइत्ता णो अण्णमण्णस्स देज्ज वा अणुपदेज्ज वा सयं करणिज्जं त्ति कट्टु से तमादाए तत्थ गच्छेज्जा गच्छित्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे त्ति कट्टु भूमीए वा ठवेत्ता 'इमं खलु इमं खलु' त्ति आलोएज्जा, णो चेव णं सयं पाणिणा परपाणिंसि पच्चप्पिणेज्जा ॥ ८७३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा अणंतरहियाए पुढवीए ससणिद्धाए पुढवीए जाव संताणाए तहप्पगारं उग्गहं णो उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८७४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा थूणंसि वा (४) तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा

॥ ८७५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा कुलियंसि वा जाव णं उगिण्हेज्ज वा (२) ॥ ८७६ ॥ से भिक्खू वा (२) खंधंसि वा अण्णयरे व तहप्पगारे जाव णो उगिण्हेज्ज वा (२) ॥ ८७७ ॥ से जं पुण उग्गहं जाणिज्ज ससागारियं सागणियं सउदयं सइत्थि सखुड्डं सपसुं सभत्तपाणं णो पण्णस्स णिक्खम णपवेसे जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे **उवस्सए** ससागारिए जा सखुड्ड-पसु-भत्तपाणे णो उग्गहं उगिण्हेज्जा वा २ ॥ ८७८ ॥ से भिक्खू वा (२ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथे पडिबद्धं वा णा पण्णस्स जाव से एवं णच्चा तहप्पगारे **उवस्सए** णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८७९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा तहेव तेल्ल-सिणाण-सीओदगवि-यडणिगिणाइ य जहा सिज्जाए आलावगा णवरं उग्गहवत्तवया ॥८८०॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खे णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे **उवस्सए** णो उग्गहं उगिण्हिज्ज वा २ ॥ ८८१ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामग्गियं ॥ ८८२ ॥ **उग्गहपडिमाज्झयणे पढमोद्देसो** ॥

से आगंतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुण्णविज्जा कामं खलु आउसो अहालंदं अहा परिण्णायं वसामो जाव आउसो, आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मियाए ताव उग्गहं उगिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८८३ ॥ से किं पुण तत्थ उग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा दंडए वा छत्तए वा जाव चम्मछेदणए वा तं णो अंतो-हिंतो वाहिं णीणेज्जा, वहियाओ वा णो अंतो पवेसेज्जा, णो सुत्तं वा णं पडिबोहेज्जा, णो तेसिं किंचिवि अप्पत्तियं पडिणीयं करेज्जा ॥ ८८४ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा **अंबवणं** उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुजाणावेज्जा, कामं खलु जाव विहरिस्सामो ॥ ८८५ ॥ से किं पुण तत्थोग्ग-हंसि एवोग्गहियंसि अह भिक्खु इच्छेज्जा **अंबं** भोत्तए वा से जं पुण अंबं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणं तहप्पगारं अंबं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, ॥ ८८६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण **अंबं** जाणिज्जा, अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अति-रिच्छछिन्नं अवोच्छिन्नं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ८८७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण अंबं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छच्छिण्णं वोच्छिन्नं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ८८८ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा **अंबभि-त्तगं** वा **अंबपेसियं** वा **अंबचोयगं** वा **अंबसालगं** वा **अंबडालगं** वा

भोत्तए वा पायए वा से जं पुण जाणिज्जा, **अंबभित्तगं** वा जाव **अंबडालगं** वा सअंडं जाव संताणगं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८८९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, **अंबभित्तगं** वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं अतिरिच्छच्छिन्नं वा अवोच्छिन्नं वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा **अंबभित्तगं** वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छछिन्नं वोच्छिन्नं फासुयं जाव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९१ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा **उच्छुवणं** उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जाव उग्गहंसि० ॥ ८९२ ॥ अह भिक्खू इच्छेज्जा **उच्छुं** भोत्तए वा पायए वा से जं उच्छुं जाणिज्जा, सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ अतिरिच्छच्छिन्नं तहेव, तिरिच्छच्छिन्ने वि तहेव ॥ ८९३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण अभिकंखेज्जा **अंतरुच्छुयं उच्छुगंडियं वा उच्छुचोयगं** वा **उच्छुसालगं** वा उच्छुडालगं वा सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा अप्पंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा, अतिरिच्छच्छिन्नं तहेव ॥ ८९६ ॥ तिरिच्छच्छिन्नं तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९७ ॥ से भिक्खू वा (२) आगंतारेसु वा (४) जाव उग्गहियंसि जे तत्थ, गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइक्कम्म ॥ ८९८ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं सत्तहिं पडिमाहिं उग्गहं उगिण्हित्तए ॥ ८९९ ॥ **पढमा पडिमा,** से आगंतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा जाव० विहरिस्सामो ॥ ९०० ॥ **दोच्चा पडिमा,** जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं गिण्हिस्सामि, अण्णेसिं भिक्खूणं उग्गहिए उग्गहे उवल्लिस्सामि, ॥ ९०१ ॥ **तच्चा पडिमा,** जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं च उग्गहिए उग्गहे णो उवल्लिस्सामि ॥ ९०२ ॥ **चउत्था पडिमा,** जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं णो उगिण्हिस्सामि अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि ॥ ९०३ ॥ **पंचमा पडिमा,** जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, अहं च खलु अप्पणो अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, णो दोण्हं, णो तिण्हं, णो चउण्हं, णो पंचण्हं, ॥ ९०४ ॥ **छट्ठा पडिमा,** जस्सेव उग्गहे उवल्लिएज्जा, जे तत्थ अहा समण्णागए, तंजहा–इक्कडे जाव पलाले वा तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा ॥ ९०५ ॥ **सत्तमा**

पडिमा, से भिक्खू वा, अहासंथडमेव उग्गहं जाएज्जा, तंजहा-पुढविसिलं वा, कट्ठसिलं वा, अहासंथडमेव तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुओ वा णेसज्जिओ वा, विहरेज्जा ॥ ९०६ ॥ इच्चेसिं सत्तण्हं पडिमाणं अण्णयरं, जहा पिंडेसणाए ॥ ९०७ ॥ सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते, तंजहा-देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे ॥ ९०८ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामग्गियं ॥ ९०९ ॥ **उग्गहपडिमाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥ सत्तमं उग्गहपडिमाज्झयणं समत्तं, पढमा चूडा समत्ता ॥**

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा ठाणं ठाइत्तए से अणुपविसिज्जा, गामं वा, नगरं वा, जाव सण्णिवेसं वा, से अणुपविसित्ता, गामं वा जाव सण्णिवेसं वा, से जं पुण ठाणं जाणिज्जा, सअंडं जाव समक्कडासंताणयं तं तहप्पगारं ठाणं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, एवं सेज्जागमेण णेयव्वं, जाव उदयपसूयाइंति ॥९१०॥ इच्चेयाइं आयतणाइं उवातिकम्म अह भिक्खू इच्छेज्जा, चउहिं पडिमाहिं ठाणं ठाइत्तए ॥९११॥ **पढमा पडिमा**-अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्मादि सवियारं ठाणं ठाइस्सामि ॥" ॥ ९१२ ॥ **दोच्चा पडिमा**-अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्माइ णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि ॥९१३॥ **तच्चा पडिमा**-अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा णो काएण, विपरिकम्माइं णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति ॥ ९१४ ॥ **चउत्था पडिमा**-अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा, णो अवलंबेज्जा काएण, णो विपरिकम्माइं णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति वोसट्ठकाए वोसट्ठकेसमंसुलोमणहे संणिरुद्धं वा ठाणं ठाइस्सामि त्ति ॥ ९१५ ॥ इच्चेयासिं चउण्हं पडिमाणं जाव पग्गहियतरायं विहरेज्जा, णो तत्थ किंचिवि वएज्जा ॥ ९१६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति वेमि ॥ ९१७ ॥ **ठाणसत्तिक्कयं अट्ठमं अज्झयणं समत्तं, पढमं सत्तिक्कयं समत्तं ॥**

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा णिसीहियं फासुयं गमणाए से पुण णिसीहियं जाणिज्जा, सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं अणेसणिज्जं लाभे संते णो चेतिस्सामि ॥ ९१८ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा णिसीहियं गमणाए से जं पुण णिसीहियं जाणिज्जा अप्पंडं अप्पपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं फासुयं एसणिज्जं लाभे संते चेतिस्सामि एवं सेज्जागमेणं

णेयव्वं जाव उदगप्पसूयाइं ॥ ९१९ ॥ जे तत्थ दुवग्गा जाव पंचवग्गा वा अभिसंधारेंति णिसीहियं गमणाए ते णो अण्णमण्णस्स कायं आलिंगेज्ज वा विलिंगेज्ज वा चुंबेज्ज वा दंतेहिं णहेहिं वा अच्छिदेज्ज वा वुच्छिदेज्ज वा ॥ ९२० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स (२) वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जएज्जा सेयमिणं मण्णिज्जासि त्ति बेमि ॥ ९२१ ॥ **णवमं णिसीहियाज्झयणं समत्तं, णिसीहियासत्तिक्कयं समत्तं बीयं ॥**

से भिक्खू वा (२) उच्चारपासवणकिरियाए उव्वाहिज्जमाणे सयस्स पायपुंछणस्स असईए तओ पच्छा साहम्मियं जाएज्जा ॥ ९२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अप्पपाणं अप्पबीयं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए बहवे साहम्मिया समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए एगं साहम्मिणिं समुद्दिस्स अस्सिं पडियाए बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स अस्सिं० बहवे समणमाहणवणीमया पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं (४) जाव उद्देसियं चेतेति, तहप्पगारं थंडिलं पुरिसंतरकडं जाव बहिया णीहडं वा अनीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, बहवे समणमाहणकिवणवणीमगअतिही समुद्दिस्स पाणाइं (४) जाव उद्देसियं चेतेति, तहप्पगारं थंडिलं अपुरिसंतरकडं जाव बहिया अणीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२६ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरकडं जाव बहिया णीहडं वा अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए कयं वा कारियं वा पामिच्चियं वा छण्णं वा घट्ठं वा मट्ठं वा लित्तं वा संपधूमियं वा अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा गाहावइपुत्ता वा कंदाणि वा मूलाणि वा जाव हरियाणि वा अंतराओ वा बाहिं णीहरंति बहियाओ वा अंतो साहरंति अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, खंधंसि वा पीढंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा

अट्टंसि वा पासायंसि वा अण्णयरंसि वा थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अणंतरहियाए पुढवीए ससिणिद्धाए पुढवीए ससरक्खाए पुढवीए मट्टियामक्कडाए चित्तमंताए सिलाए चित्तमंताए लेलुयाए कोलावासंसि वा दारुयंसि वा जीवपइट्ठियंसि वा जाव मक्कडासंताणयंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा गाहावइ पुत्ता वा कंदाणि वा जाव बीयाणि वा परिसाडेंसु वा परिसाडिंति वा परिसाडिस्संति वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३२॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा गाहावइपुत्ता वा सालीणि वा वीहीणि वा मुग्गाणि वा मासाणि वा कुलत्थाणि वा जवाणि वा जवजवाणि वा पतिरिंसु वा पतिरिंति वा पतिरिस्संति वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आमोयाणि वा घासाणि वा भिलुयाणि वा विज्जलयाणि वा खाणुयाणि वा कडयाणि वा पगडाणि वा दरीणि वा पदुग्गाणि वा समाणि वा विसमाणि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, माणुसरंधणाणि वा, महिसकरणाणि वा, वसभकरणाणि वा, अस्सकरणाणि वा, कुक्कुडकरणाणि वा, मक्कडकरणाणि वा लावयकरणाणि वा, वट्टयकरणाणि वा, त्तित्तिरकरणाणि वा, कवोयकरणाणि वा, कपिंजलकरणाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, वेहाणसट्ठाणेसु वा, गिद्धपिट्ठठाणेसु वा, तरुपडणट्ठाणेसु वा, मेरुपडणट्ठाणेसु वा, विसभक्खणयट्ठाणेसु वा, अगणिपडणठाणेसु वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा, सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, तिगाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउमुहाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं

वोसिरेज्जा ॥ ९३९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इंगारडाहेसु वा, खारडाहेसु वा, मडयडाहेसु वा, मडयथूभियासु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा णदियाययणेसु वा, पंकाययणेसु वा, ओघाययणेसु वा, सेयणवहंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, णवियासु वा मट्टियखाणियासु णवियासु गोप्पहिलियासु वा, गवाणीसु वा, खाणीसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, डागवच्चंसि वा, सागवच्चंसि वा, मूलगवच्चंसि वा, हत्थंकरवच्चंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, असणवणंसि वा, सणवणंसि वा, धायइवणंसि वा, केयइवणंसि वा, अंबवणंसि वा, असोगवणंसि वा, णागवणंसि वा, पुण्णागवणंसि वा, चुल्लगवणंसि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु वा पत्तोवेएसु वा, पुप्फोवेएसु वा, फलोवेएसु वा, बीओवेएसु वा, हरिओवेएसु वा णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४४ ॥ से भिक्खू वा (२) सयपाययं वा परपाययं वा गहाय सेतमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अणावायंसि असंलोइयंसि अप्पपाणंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा **उवस्सयंसि** तओ संजयामेव उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा, उच्चारपासवणं वोसिरित्ता सेतमायाए एगंतमवक्कमे अणावाहंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा, ज्झामथंडिलंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि अचित्तंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं परिठ्ठवेज्जा ॥ ९४५ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्तिबेमि ॥ ९४६ ॥ **उच्चारपासवणसत्तिक्कयं दसमज्झयणं समत्तं ॥ सत्तिक्कयं समत्तं तइयं ॥**

से भिक्खू वा (२) मुइंगसद्दाणि वा, नंदीसद्दाणि वा, झल्लरीसद्दाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि वितताइं सद्दाइं कण्णसोयणपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९४७ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वीणासद्दाणि वा, विपंचीसद्दाणि वा, पिप्पीसगसद्दाणि वा, तूणयसद्दाणि वा, वणयसद्दाणि वा, तुंबवीणियसद्दाणि वा, ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाणि सद्दाणि वितताइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९४८ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—

तालसद्दाणि वा, कंसतालसद्दाणि वा, लत्तियसद्दाणि वा, गोहियसद्दाणि वा, किरिकिरियसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं तालसद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९४९ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-संखसद्दाणि वा, वेणुसद्दाणि वा, वंससद्दाणि वा, खरमुहीसद्दाणि वा, पिरिपिरियसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं झुसिराइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५० ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, जाव सराणि वा, सागराणि वा सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, अण्णयराइं तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५१ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-कच्छाणि वा, णूमाणि वा, गहणाणि वा, वणाणि वा, वणदुग्गाणि वा, पव्वयाणि वा, पव्वयदुग्गाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९५२॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-गामाणि वा, णगराणि वा, णिगमाणि वा, रायहाणिआसमपट्टणसंनिवेसाणि वा, अण्णयराइं तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५३ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५४ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा अट्टाणि वा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५५ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-तियाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउम्मुहाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५६ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-महिसट्ठाणकरणाणि वा, वसभट्ठाणकरणाणि वा, अस्सट्ठाणकरणाणि वा, हत्थिट्ठाणकरणाणि वा जाव कविंजलट्ठाणकरणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५७ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-महिसजुद्धाणि वा, वसभजुद्धाणि वा, अस्सजुद्धाणि वा, हत्थिजुद्धाणि वा जाव कविंजलजुद्धाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९५८ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा-जूहियट्ठाणाणि वा, हयजूहियट्ठाणाणि अण्णयराइं

तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९५९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव सुणेति तंजहा–अक्खाइयट्ठाणाणि वा, माणुम्माणियट्ठाणाणि वा, महयाऽऽहयणट्टगीयवाइय-तंतितलतालतुडियपडुप्पवाइयट्ठाणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसं-धारेज्ज गमणाए ॥ ९६० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव सुणेति तंजहा–कलहाणि वा, डिंबाणि वा, डमराणि वा, दोरज्जाणि वा, वेररज्जाणि वा विरुद्धरज्जाणि वा, अण्णय-राइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥९६१॥ से भिक्खू वा (२) जाव सद्दाइं सुणेइ खुड्डियं दारियं परिभुत्तमंडियालंकियनिवुज्झमाणिं पेहाए एगं पुरिसं वा वहाए णीणिज्जमाणं पेहाए अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६२ ॥ से भिक्खू वा (२) अण्णयराइं विरूवरूवाइं महासवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा बहुसगडाणि वा, बहुरहाणि वा, बहुमिलक्खूणि वा, बहुपच्चंताणि वा, अण्ण-यराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महासवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६३ ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाइं महुस्सवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा–इत्थीणि वा, पुरिसाणि वा, थेराणि वा, डहराणि वा, मज्झिमाणि वा, आभ-रणविभूसियाणि वा, गायंताणि वायंताणि वा, णच्चंताणि वा, हसंताणि वा, रमंताणि वा, मोहंताणि वा, विउलं असणपाणखाइमसाइमं परिभुंजंताणि वा, परिभाइंताणि वा, विच्छड्डियमाणाणि वा, विगोवयमाणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरू-वरूवाइं महुस्सवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६४ ॥ से भिक्खू वा (२) णो इहलोइएहिं सद्देहिं णो परलोइएहिं सद्देहिं, णो सुएहिं सद्देहिं, णो असुएहिं सद्देहिं, णो दिट्ठेहिं सद्देहिं णो अदिट्ठेहिं सद्देहिं, णो कंतेहिं सद्देहिं सज्जिज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा ॥ ९६५ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ९६६ ॥ **सद्दस-त्तिक्कयं एयारहममज्झयणं समत्तं सद्दसत्तिक्कयं चउत्थं ॥**

से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं रूवाइं पासइ तंजहा–गंथिमाणि वा, वेढिमाणि वा, पूरिमाणि वा, संघाइमाणि वा, कट्ठकम्माणि वा, पोत्थकम्माणि वा, चित्तक-म्माणि वा, मणिकम्माणि वा, दंतकम्माणि वा, पत्तच्छेज्जकम्माणि वा, विविहाणि वा वेढिमाइं जाव अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं चक्खुदंसणपडियाए णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९६७ ॥ एवं णायव्वं जहा सद्दपडियाए सव्वा वाइत्तवज्जा रूवपडियाएवि ॥ ९६८ ॥ **रूवसत्तिक्कयं दुवालसममज्झयणं समत्तं रूव-सत्तिक्कयं पंचमं ॥**

परकिरियं अज्झत्थियं संसेसियं णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९६९ ॥ सिया

से परो पाए आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पादाइं संवाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं फुसेज्ज वा रएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पादाइं तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भिगिज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो पादाइं लोद्देण वा कक्केण वा चुन्नेण वा वन्नेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो पादाइं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पादाइं अण्णयरेण विलेवणजाएण आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो पादाइं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पादाओ खाणुं वा कंटयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से परो पादाओ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९७० ॥ सिया से परो कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं लोद्देण वा संवाहिज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो कायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं अण्णयरेणं विलेवणजाएणं आलिंपेज्ज वा, विलिंपेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं णियमे। सिया से परो कायं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा, पधूवेज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९७१ ॥ सिया से परो कायंसि वणं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि वणं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भंगिज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे। सिया से परो कायंसि वणं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वल्लेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९७२ ॥ से सिया परो कायंसि वणं अन्नयरेणं विलेवणजाएणं आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा नो तं २। सिया से परो कायंसि वणं अन्नयरेणं धूवणजाएणं धूवेज्ज वा प० नो तं०. २। सिया से परो कायंसि

वणं अन्नयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदिज्ज वा विच्छिंदिज्ज वा प० नो तं० २। सिया से परो कायंसि वणं अन्न० सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता वा विच्छिंदित्ता वा पूयं वा सोणियं वा नीहरिज्ज वा वि० नो तं० २। सिया से परो कायंसि गंडं वा, अरइं वा, पुलइयं वा, भगंदलं वा, आमज्जेज्ज वा, पमज्जेज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे। सिया से परो कायंसि गंडं वा, अरइयं वा, पुलइयं वा, भगंदलं वा, संबाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा, तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भिंगेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे। सिया से कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा, लोद्देण वा, कक्केण वा चुण्णेण वा, वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा, उव्वलेज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे। सिया से परो कायंसि गंडं वा भगंदलं वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पधोवेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं नियमे, सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदेज्ज विच्छिंदेज्ज वा, सिया से परो अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता वा २ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७३॥ सिया से परो कायाओ सेयं वा जल्लं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७४॥ सिया से परो अच्छिमलं, कण्णमलं वा, दंतमलं वा णहमलं वा, णीहरिज्ज वा विसोहिज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७५॥ सिया से परो दीहाइं वालाइं, दीहाइं रोमाइं, दीहाइं भमुहाइं, दीहाइं कक्खरोमाइं, दीहाइं वत्थिरोमाइं, कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७६॥ सिया से परो सीसाओ लिक्खं वा जूयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९७७ ॥ सिया से परो अंकंसि पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता पादाइं आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा एवं हिट्ठिमो गमो पायादि भाणियव्वो, सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता, हारं वा अद्धहारं वा उरत्थं वा, गेवेयं वा, मउडं वा, पालंबं वा सुवण्णसुत्तं वा, आविहिज्ज वा, पिणहिज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९७८ ॥ सिया से परो आरामंसि वा, उज्जाणंसि वा, णीहरित्ता वा पविसित्ता वा पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९७९ ॥ एवं णेयव्वा अण्णमण्णकिरियावि ॥ ९८० ॥ सिया से परो सुद्धेणं वइबलेणं तेइच्छं आउट्टे सिया से परो असुद्धेणं वतिबलेणं तेइच्छं आउट्टे, सिया से परो गिलाणस्स सचित्ताणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा हरियाणि वा खणित्तु वा कड्ढित्तु वा कड्ढावित्तु वा तेइच्छं आउट्टाविज्जा णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९८१ ॥ कडुवेयणा पाणभूयजीवसत्ता वेयणं वेदेंति ॥ ९८२ ॥

एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिते समिते सदा जए सेयमिणं मण्णेज्जासि त्ति बेमि ॥ ९८३ ॥ **परकिरियासत्तिक्कयं समत्तं छट्ठं, तेरहममज्झयणं समत्तं ॥**

से भिक्खू वा (२) अण्णमण्णकिरियं अज्झत्थियं संसेइयं णो तं सायए णो तं नियमे ॥ ९८४ ॥ सिया से अण्णमण्णं पाए आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९८५॥ सेसं तं चेव ॥९८६॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं ॥ ९८७ ॥ **अन्नुन्नकिरिया सत्तिक्कयं समत्तं सत्तमं, चउद्दसममज्झयणं समत्तं, बीया चूडा समत्ता ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे यावि होत्था, तंजहा–हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए, हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए, हत्थुत्तराहिं कसिणे पडिपुण्णे अव्वाघाए निरावरणे अणंते अणुत्तरे केवलवरनाणदंसणे समुप्पण्णे, साइणा परिनिव्वुए भगवं ॥ ९८८ ॥ समणे भगवं महावीरे, इमाए ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए विइक्कंताए, सुसमाए समाए वीतिक्कंताए, सुसमदुसमाए समाए वीतिक्कंताए, दुसमसुसमाए समाए बहुवीतिक्कंताए, पण्णहत्तरीए वासेहिं मासेहि य अद्धणवयसेसेहिं, जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे, आसाढसुद्धे,तस्सणं आसाढसुद्धस्स छट्ठीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं, महाविजयसिद्धत्थपुप्फुत्तरपवरपुंडरीयदिसासोवत्थियवद्धमाणाओ महाविमाणाओ वीसंसागरोवमाई आउयं पालइत्ता, आउक्खएणं, भवक्खएणं ठिइक्खएणं चुए चइत्ता इह खलु जंबुद्दीवे दीवे, भारहे वासे, दाहिणड्ढभरहे दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेसंमि उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगोत्तस्स देवाणंदाए माहणीए जालंधरस्स गुत्ताए सीहुब्भवभूएणं अप्पाणेणं कुच्छिसि गब्भं वक्कंते, समणे भगवं महावीरे तिन्नाणोवगए यावि होत्था, चइस्सामित्ति जाणइ चुएमित्ति जाणइ, चयमाणे न जाणेइ, सुहुमे णं से काले पन्नत्ते । तओ णं समणे भगवं महावीरे **हियाणुकंपए** णं देवेणं जीयमेयं त्ति कट्टु जे से वासाणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे आसोयबहुले तस्स णं आसोयबहुलस्स तेरसीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं बासीहिं राइंदिएहिं विइक्कंतेहिं तेसीइमस्स राइंदियस्स परियाए वट्टमाणे दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेसाओ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंनिवेसंसि णायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगुत्तस्स तिसलाए खत्तियाणीए वासिट्ठसगुत्ताए असुभाणं पुग्गलाणं अवहारं करेत्ता सुभाणं पुग्गलाणं पक्खेवं करेत्ता कुच्छिसि **गब्भं साहरइ,** जेवि य से

तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे तंपि य दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेसंसि उस...को...देवा...जालंधरायणगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भं साहरइ ॥ ९८९ ॥ समणे भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, साहरिज्जिस्सामित्ति जाणइ, साहरिज्जमाणे न जाणइ साहरिएमित्ति जाणइ समणाउसो ! ॥ ९९० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं तिसलाए खत्तियाणीए अह अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं वीतिक्कंताणं जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चित्तसुद्धे तस्सणं चित्तसुद्धस्स तेरसीपक्खेणं, हत्थुत्तराहिं जोगमुवागएणं समणं भगवं महावीरं आरोग्गारोग्गं पसूया ॥९९१॥ जं णं राइं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं राइं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहि य देवीहि य उवयंतेहि य उप्पयंतेहि य एगे महं दिव्वे देवुज्जोए देवसण्णिवाते देवकहक्कहे उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ॥ ९९२ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया तं णं रयणिं बहवे देवा य देवीओ य एगं महं अमयवासं च, गंधवासं च, चुण्णवासं च, पुप्फवासं च, हिरण्णवासं च, रयणवासं च वासिंसु ॥ ९९३ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं रयणिं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स सूइकम्माइं तित्थयराभिसेयं च करिंसु ॥ ९९४ ॥ जओ णं पभिइ भगवं महावीरे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भं आगए ततो णं पभिइ तं कुलं विपुलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ, ततो णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो एयमट्ठं जाणित्ता णिव्वत्तदसाहंसि वोक्कंतंसि सुचिभूयंसि विपुलं असणपाणखाइमसाइमं उवक्खडावेंति उवक्खडावेत्ता मित्तणातिसयणसंबंधिवग्गं उवणिमंतेंति उवणिमंतेत्ता बहवे समणमाहणकिवणवणिमगाहिं भिच्छुंडगपंडरगातीण विच्छड्डेंति विग्गोवेंति विस्साणेंति दातारेसु णं दाणं पज्जभाइंति, विच्छड्डित्ता विग्गोवित्ता विस्साणित्ता दायारेसु णं दाणं पज्जभाइत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं भुंजावेंति भुंजावेत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गेण इमेयारूवं णामधेज्जं कारवेंति, जओ णं पभिइ इमे कुमारे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे आगए, तओणं पभिइ इमं कुलं, विउलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ तं होउ णं कुमारे "वद्धमाणे" ॥ ९९५ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पंचधातिपरिवुडे तंजहा-खीरधाईए-मज्जणधाईए-मंडावणधाइए-खेल्लावणधाइए-अंकधाईए अंकाओ अंकं साहरिज्जमाणे रम्मे मणिकोट्टिमतले गिरिकंदरस-

मल्लीणे विव चंपयपायवे अहाणुपुव्वीए संवड्ढइ ॥ ९९६ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे विण्णायपरिणये विणियत्तबालभावे अणुस्सुयाइं उरालाइं माणुस्सगाइं पंचलक्खणाइं कामभोगाइं सद्दफरिसरसरूवगंधाइं परियारेमाणे एवं च णं विहरइ ॥ ९९७ ॥ समणे भगवं महावीरे कासवगोत्ते तस्सणं इमे तिण्णि णाम धेज्जा एवमाहिज्जंति, अम्मापिउसंतिए "वद्धमाणे," सहसम्मइए "समणे" भीमभयभेरवं उरालं अचेलयं परिसहं सहइ त्ति कट्टु देवेहिं से णामं कयं "समणे भगवं महावीरे" ॥ ९९८ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पिआ कासवगोत्तेणं तस्स णं तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा-सिद्धत्थे त्ति वा, सेज्जंसेत्ति वा, जसंसे त्ति वा ॥ ९९९ ॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मा वासिट्ठसगोत्ता तीसेणं तिण्णि णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति तंजहा-तिसला इ वा, विदेहदिण्णा इ वा, पियकारिणी इ वा ॥ १००० ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पित्तियए 'सुपासे' कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठे भाया णंदिवद्धणे कासवगोत्तेणं समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठा भइणी सुदंसणा कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स भज्जा जसोया गोत्तेणं कोडिण्णा, समणस्स भगवओ महावीरस्स धूया कासवगोत्तेणं, तीसेणं दो णाम धेज्जा, एवमाहिज्जंति, तंजहा-अणोज्जा इ वा, पियदंसणा इ वा, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स णत्तुई कोसियगोत्तेणं तीसेणं दो णामधेज्जा, एव माहिज्जंति, तंजहा-सेसवई इ वा, जसवती इ वा ॥ १००१ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो पासावच्चिज्जा समणोवासगा यावि होत्था, ते णं बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पालइत्ता छण्हं जीवनिकायाणं संरक्खणनिमित्तं आलोइत्ता निंदित्ता गरहित्ता पडिक्कमित्ता अहारिहं उत्तरगुणपायच्छित्तं पडिवज्जित्ता कुससंथारं दुरुहित्ता, भत्तं पच्चक्खाइंति भत्तं पच्चक्खाइत्ता अपच्छिमाए मारणंतियाए संलेहणाए झूसियसरीरा कालमासे कालं किच्चा तं सरीरं विप्पजहित्ता अच्चुए कप्पए देवत्ताए उववण्णा, तओणं आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चुए चइत्ता महाविदेहवासे चरिमेणं ऊसासेणं सिज्झिस्संति, बुज्झिस्संति, मुच्चिस्संति, परिणिव्वाइस्संति, सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १००२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे **णाए णायपुत्ते णायकुलणिव्वत्ते** विदेहे विदेहदिण्णे विदेहजच्चे विदेहसूमाले तीसं वासाइं विदेहंसित्ति कट्टु अगारमज्झे वसित्ता अम्मापिऊहिं कालगएहिं देवलोगमणुपत्तेहिं समत्तपइण्णे चिच्चा हिरण्णं, चिच्चा सुवण्णं, चिच्चा बलं, चिच्चा वाहणं चिच्चा धणधण्णकणयरयणसंतसारसावइज्जं, विच्छड्डेत्ता, विगोवित्ता, विस्साणित्ता, दायारे

दाणं दाइत्ता परिभाइत्ता, संवच्छरं दलइत्ता, जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरवहुले, तस्सणं मग्गसिरवहुलस्स दसमीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं अभिणिक्खमणाभिप्पाए यावि होत्था ॥ १००३ ॥ संवच्छरेण होहिंति अभिणिक्खमणं तु जिणवरिंदाणं, तो अत्थि संपदाणं, पव्वत्तई पुव्वसूराओ ॥ १००४ ॥ एगा हिरण्णकोडी, अट्ठेव अणूणया सयसहस्सा, सूरोदयमाईयं दिज्जइ जा पायरासोत्ति ॥ १००५ ॥ तिण्णेव य कोडिसया अठ्ठासीइं च होंति कोडीओ, असिइं च सयसहस्सा, एवं संवच्छरे दिण्णं ॥ १००६ ॥ वेसमणकुंडलधरा, देवा लोगंतिया महिड्ढिया। वोहिंति य तित्थयरं, पण्णरससु कम्मभूमिसु ॥ १००७ ॥ वंभंमि य कप्पंमि य वोद्धव्वा कण्हराइणो मज्झे; लोगंतिया विमाणा, अठ्ठसुवत्था असंखेज्जा ॥ १००८ ॥ एते देवणिकाया, भगवं वोहिंति जिणवरं वीरं, सव्वजगज्जीवहियं, अरहं तित्थं पव्वत्तेहि ॥ १००९ ॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अभिणिक्खमणाभिप्पायं जाणेत्ता भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य सएहिं सएहिं रूवेहिं, सएहिं सएहिं णेवत्थेहिं, सएहिं सएहिं चिंधेहिं, सव्विड्ढीए, सव्वजुईए, सव्ववलसमुदएणं, सयाइं सयाइं जाणविमाणाइं दुरुहंति सयाइं २ जाणविमाणाइं दुरुहित्ता, अहा वादराइं पोग्गलाइं परिसाडेंति परिसाडित्ता, अहासुहुमाइं पोग्गलाइं परियाइंति परियाइत्ता, उड्ढं उप्पयंति उप्पइत्ता, ताए उक्किठ्ठाए सिग्घाए चवलाए तुरियाए दिव्वाए देवगईए अहेणं उवयमाणा २ तिरिएणं असंखेज्जाइं दीवसमुद्दाइं वीतिक्कममाणा २ जेणेव जंवुद्दीवे दीवे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता, जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसे तेणेव उवागच्छित्ता, तस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए तेणेव झत्तिवेगेण उवठ्ठिया ॥ १०१० ॥ तओ णं सक्के देविंदे देवराया सणियं सणियं जाणविमाणं ठवेति ठवेत्ता, सणियं २ जाणविमाणाओ पच्चोत्तरति, पच्चोत्तरित्ता एगंतमवक्कमेति एगंतमवक्कमेत्ता, महया वेउव्विएणं समुग्घाएणं समोहणति, महया वेउव्विएणं समुग्घाएणं समोहणित्ता, एगं महं णाणामणिकणगरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं देवच्छंदयं विउव्वति, तस्सणं देवच्छंदयस्स वहुमज्झदेसभाए एगं महं सपायपीढं सीहासणं णाणामणिकणयरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं विउव्वइ विउव्वित्ता, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छति उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, समणं भगवं महावीरं वंदति णमंसति, वंदित्ता णमंसित्ता समणं भगवं महावीरं गहाय जेणेव देवच्छंदए तेणेव उवागच्छति उवागच्छित्ता, सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयावेइ णिसीयावेत्ता सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भंगेति

अब्भंगेत्ता गंधकासाइएहिं उल्लोलेति उल्लोलित्ता, सुद्धोदएणं मज्जावेइ मज्जावित्ता, जस्स णं मुल्लं सयसहस्सेणं तिपडोलतित्तिएणं साहिएणं सीएणं गोसीसरत्तचंदणेणं अणुलिंपति अणुलिंपित्ता ईसिंणिस्सासवातवोज्झं वरणगरपट्टणुग्गयं कुसलणरपसंसितं अस्सलालापेलवं छेयायरियकणगखचियंतकम्मं हंसलक्खणं, पट्टजुयलं णियंसावेइ, णियंसावेत्ता हारं अद्धहारं उरत्थं नेवत्थं एगावलिं पालंबसुत्तं पट्टमउडरयणमालाओ आविंधावेति आविंधावेत्ता गंठिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं मल्लेणं कप्परुक्खमिव समलं-करेति २ दोच्चंपि महया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता एगं महं चंद-प्पभं सिवियं सहस्सवाहिणिं विउव्वइ तंजहा–ईहामियउसभतुरगणरमकरविहगवा-णरकुंजररुरुसरभचमरसद्दूलसीहवणलयपउमलयभत्तिचित्तलयविचित्तविज्जाहरमिहुण-जुयलजंतजोगजुत्तं, अच्चीसहस्समालिणीयं सुणिरूवियं मिसिमिसिंतरूवगसहस्सकलियं, ईसिंभिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं, मुत्ताहलमुत्तजालंतरोपियंतवणीय-पवरलंबूसगपलंबंतमुत्तदामं, हारद्धहारभूसणसमोणयं अहियपिच्छणिज्जं पउमलयभ-त्तिचित्तं, असोककुंदणाणालयभत्तिचित्तं विरइयं सुभं चारुकंतरूवं णाणामणिपंचवण्ण-घंटापडायपरिमंडियग्गसिहरं पासादीयं दरिसणीयं सुरूवं ॥१०११॥ सीया उवणीया जिणवरस्स जरमरणविप्पमुक्कस्स; ओसत्तमल्लदामा, जलथलयदिव्वकुसुमेहिं ॥ १ ॥ सिवियाइ मज्झयारे, दिव्वं वररयणरूवचिंचइयं; सीहासणं महरिहं सपादपीढं जिण-वरस्स ॥ २ ॥ आलइयमालमउडो भासुरबोंदी वराभरणधारी; खोमियवत्थणि-यत्थो, जस्स य मोल्लं सयसहस्सं ॥ ३ ॥ छट्ठेण उ भत्तेणं अज्झवसाणेण सोहणेण जिणो, लेसाहि विसुज्झंतो, आरुहइ उत्तमं सीयं ॥ ४ ॥ सीहासणे णिविट्ठो सक्की-साणा य दोहिं पासेहिं, वीयंति चामराहिं मणिरयणविचित्तदंडाहिं ॥ ५ ॥ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं साहट्ठरोमपुलएहिं, पच्छा वहंति देवा, सुरअसुरगरुलणागिंदा ॥ ६ ॥ पुरओ सुरा वहंती असुरा पुण दाहिणंमि पासंमि । अवरे वहंति गरुला, णागा पुण उत्तरे पासे ॥ ७ ॥ वणसंडं व कुसुमियं, पउमसरो वा जहा सरयकाले; सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ८ ॥ सिद्धत्थवणं व जहा, कणिया-रवणं व चंपयवणं वा, सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ९ ॥ वरपडहभेरिज्झल्लरिसंखसयसहस्सिएहिं तूरेहिं । गगणतले धरणितले तूरणिणाओ परमरम्मो ॥ १० ॥ ततविततं घणझुसिरं आउज्जं चउविहं बहुविहीयं; वायंति तत्थ देवा, बहुहिं आणट्टगसएहिं ॥ ११ ॥ १०१२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्सणं मग्गसिरबहुलस्स दस-मीपक्खेणं, सुव्वएणं दिवसेणं, विजएणं मुहुत्तेणं, हत्थुत्तराणक्खत्तेणं जोगोवगएणं

पाईणगामिणीए छायाए बिइयाए पोरिसीए छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं, एगसाडगमायाए, चंदप्पहाए सिवियाए सहस्सवाहिणीए सदेवमणुयासुराएपरिसाए समणिज्जमाणे २ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसस्स मज्झंमज्झेणं णिगच्छित्ता जेणेव णायसंडे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ईसिंरयणिप्पमाणं अच्छोप्पेणं भूमिभागेणं सणियं २ चंदप्पभं सिवियं सहस्सवाहिणिं ठवेइ ठवेत्ता सणियं २ चंदप्पभाओ सिवियाओ सहस्सवाहिणीओ पच्चोयरइ, पच्चोयरित्ता सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयेइ, आभरणालंकारं ओमुयइ, तओणं वेसमणे देवे जन्नुव्वायपडिओ समणस्स भगवओ महावीरस्स हंसलक्खणेणं पडेणं आभरणालंकारं पडिच्छइ; तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, तओ णं सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स जन्नुव्वायपडिए वयरामयेणं थालेणं केसाइं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता "अणुजाणेसि भंते" त्ति कट्टु खीरोयसायरं साहरइ, तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेत्ता सिद्धाणं णमोक्कारं करेइ करेत्ता, **"सव्वं मे अकरणिज्जं पावकम्मं"**ति कट्टु सामाइयं चरित्तं पडिवज्जइ, सामाइयं चरित्तं पडिवज्जित्ता देवपरिसं मणुयपरिसं च आलिक्खचित्तभूयमिव ठवेइ ॥ १०१३ ॥ दिव्वो मणुस्सघोसो, तुरियणिणाओ य सक्कवयणेण, खिप्पामेव णिलुक्को, जाहे पडिवज्जइ चरित्तं ॥ १ ॥ पडिवज्जित्तु चरित्तं अहोणिसिं सव्वपाणभूतहितं; साहट्टु लोमपुलया, सव्वे देवा निसामिंति २ ॥ १०१४ ॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सामाइयं खाओवसमियं चरित्तं पडिवन्नस्स मणपज्जवणाणे णामं णाणे समुप्पन्ने, अड्ढाइज्जेहिं दीवेहिं दोहिं य समुद्देहिं सण्णीणं पंचेंदियाणं पज्जत्ताणं वियत्तमणसाणं मणोगयाइं भावाइं जाणेइ ॥ १०१५ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पव्वइते समाणे मित्तणातिसयणसंबंधिवग्गं पडिविसज्जेति, पडिविसज्जित्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, "बारसवासाइं वोसट्ठकाए चत्तदेहे जे केइ उवसग्गा समुप्पज्जंति, तंजहा-दिव्वा वा, माणुस्सा वा, तेरिच्छिया वा, ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे सम्मं सहिस्सामि, खमिस्सामि अहियासइस्सामि" ॥ १०१६ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हित्ता वोसट्ठकाए चत्तदेहे दिवसे मुहुत्तसेसे कुमारगामं समणुपत्ते ॥ १०१७ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे वोसट्ठचत्तदेहे अणुत्तरेणं आलएणं, अणुत्तरेणं विहारेणं, एवं संजमेणं, पग्गहेणं, संवरेणं तवेणं, बंभचेरवासेणं, खंतीए, मोत्तीए, तुट्ठीए, समितीए, गुत्तीए, ठाणेणं, कम्मेणं, सुचरियफलणिव्वाणमुत्तिमग्गेणं, अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ १०१८ ॥ एवं वा विहरमाणस्स जे केइ उवसग्गा समुपज्जंति दिव्वा

वा माणुस्सा वा तेरिच्छिया वा ते सव्वे उवसग्गे समुप्पन्ने समाणे अणाउले अव्वहिए अदीणमाणसे तिविहमणवयणकायगुत्ते सम्मं सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ ॥ १०१९ ॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स एएणं विहारेणं विहरमाणस्स वारसवासा विइक्कंता, तेरसमस्स वासस्स परियाए वट्टमाणस्स जे से गिम्हाणं दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे वइसाहसुद्धे, तस्सणं वइसाहसुद्धस्स दसमीपक्खेणं सुव्वएणं दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगोवगतेणं पाईणगामिणीए छायाए वियत्ताए पोरिसीए जंभियगामस्स णगरस्स वहिया णईए उज्जुवालियाए उत्तरे कूले, सामागस्स गाहावइस्स कट्ठकरणंसि वेयावत्तस्स चेइयस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सालरुक्खस्स अदूरसामंते उक्कुडुयस्स गोदोहियाए आयावणाए आयावेमाणस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं उड्ढंजाणुअहोसिरस्स धम्मज्झाणकोट्ठोवगयस्स सुक्कज्झाणंतरियाए वट्टमाणस्स निव्वाणे, कसिणे, पडिपुण्णे, अव्वाहए, णिरावरणे, अणंते, अणुत्तरे, केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ॥ १०२० ॥ से भयवं अरहा जिणे जाए, केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी, सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स पज्जाए जाणइ, तंजहा-आगतिं गतिं ठितिं चवणं, उववायं भुत्तं पीयं कडं पडिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं लवियं कहियं मणोमाणसियं सव्वलोए सव्वजीवाणं, सव्वभावाइं जाणमाणे पासमाणे एवं च णं विहरइ ॥ १०२१ ॥ जण्णं दिवसं समणस्स भगवओ महावीरस्स णिव्वाणे कसिणे जाव समुप्पण्णे, तण्णं दिवसं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहिं य देवीहि य उव्वयंतेहिं य जाव उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ॥१०२२॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णवरणाणदंसणधरे अप्पाणं च लोगं च अभिसमिक्ख पुव्वं देवाणं धम्ममाइक्खति तओ पच्छा मणुस्साणं ॥ १०२३ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं पंच महव्वयाइं सभावणाइं छज्जीवनिकायाइं आइक्खइ, भासइ, परूवेइ, तंजहा-पुढविकाए जाव तसकाए ॥१०२४॥ पढमं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि, सव्वं पाणाइवायं से सुहमं वा वायरं वा तसं वा: ... णेव
ग.

अहावरा दोच्चा भावणा, मणं परिजाणाइ से णिग्गंथे, जे य मणे पावए सावज्जे सकिरिए अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे अधिकरणिए पाउसिए, परिताविए पाणाइवाइए, भूओवघाइए तहप्पगारं मणं णो पधारेज्जा, मणं परिजाणाति से णिग्गंथे जे य मणे अपावए त्ति **दोच्चा भावणा** ॥ १०२८ ॥ अहावरा तच्चा भावणा ॥ वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जा य वई पाविया सावज्जा सकिरिया जाव भूओवघाइया तहप्पगारं वइं णो उच्चारिज्जा, जे वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जाय वई अपाविय त्ति **तच्चा भावणा** ॥ १०२९ ॥ **अहावरा चउत्था भावणा,** आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गंथे, णो अणायाणभंडमत्तणिक्खेणासमिए णिग्गंथे केवली बूया, आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए णिग्गंथे पाणाइंभूयाइंजीवाइं सत्ताइं अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गंथे णो आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए त्ति चउत्था भावणा ॥ १०३० ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणालोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पाणाइं वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोइ त्ति पंचमा भावणा ॥ १०३१ ॥ एतावता पढमे महव्वए सम्मं काएण फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ ॥ १०३२ ॥ पढमे भंते ! महव्वए पाणाइवायाओ वेरमणं ॥ १०३३ ॥ **अहावरं दोच्चं महव्वयं** पच्चक्खामि सव्वं मुसावायं वइदोसं से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, णेव सयं मुसं भासेज्जा, णेवन्नेणं मुसं भासावेज्जा, अण्णं पि मुसं भासंतं ण समणुजाणेज्जा, तिविहं तिविहेणं मणसा वायसा कायसा तस्स भंते पडिक्कमामि जाव वोसिरामि ॥ १०३४ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०३५ ॥ **तत्थिमा पढमा भावणा,** अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणणुवीइभासी; केवली बूया, अणणुवीइभासी से णिग्गंथे समावज्जिज्ज मोसं वयणाए, अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणणुवीइभासि त्ति पढमा भावणा ॥ १०३६ ॥ **अहावरा दोच्चा भावणा,** कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो कोहणे सिया, केवली बूया, कोहपत्ते कोहत्तं समावदेज्जा मोसं वयणाए, कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णय कोहणे सियत्ति दोच्चा भावणा ॥ १०३७ ॥ **अहावरा तच्चा भावणा,** लोभं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सिया, केवली बूया, लोभपत्ते लोभी समावदेज्जा मोसं वयणाए, लोभं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०३८ ॥ **अहावरा चउत्था भावणा,**

भयं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो भयभीरुए सिया; केवली बूया, भयप्पत्ते भीरु समावदेज्जा मोसं वयणाए, भयं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो भयभीरुए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०३९ ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिया, केवली बूया, हासप्पत्ते हासी समावदेज्जा मोसं वयणाए, हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिय त्ति पंचमा भावणा ॥ १०४० ॥ एतावता दोच्चे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आणाए आराहिए या वि भवति ॥ **दोच्चे भंते महव्वए०** ॥ १०४१ ॥ **अहावरं तच्चं भंते! महव्वयं** पच्चक्खामि सव्वं अदिण्णादाणं; से गामे वा, णगरे वा, अरण्णे वा, अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं अदिण्णं गिण्हिज्जा, णेवण्णेहिं अदिण्णं गेण्हावेज्जा अण्णंपि अदिण्णं गिण्हंतं न समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए जाव वोसिरामि ॥ १०४२ ॥ तस्सिमाओ **पंचभावणाओ** भवंति तत्थिमा **पढमा भावणा,** अणुवीइ मिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीईमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे केवली बूया अणणुवीईमिओग्गहं जाई से णिग्गंथे अदिण्णं गिण्हेज्जा अणुवीइमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीइमिओग्गहंजाइ त्ति पढमा भावणा ॥ १०४३ ॥ **अहावरा दोच्चा भावणा,** अणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे अदिण्णं भुंजेज्जा, तम्हा अणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोइ त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०४४ ॥ **अहावरा तच्चा भावणा,** णिग्गंथे णं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं उग्गहंसि अणुग्गहियंसि एतावताव अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०४५ ॥ **अहावरा चउत्था भावणा,** णिग्गथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा णिग्गंथे उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०४६ ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** अणुवीइमितोग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिउग्गहजाई, केवली बूया, अणणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु अदिण्णं उगिण्हेज्जा, अणुवीइमिओग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिओग्गहजाई इइ पंचमा भावणा ॥ १०४७ ॥ एतावताव तच्चे महव्वए सम्मं जाव आणाए आराहिए यावि भवइ, तच्चं भंते महव्-

व्वयं ॥ १०४८ ॥ अहावरं **चउत्थं महव्वयं** पच्चक्खामि सव्वं मेहुणं, से दिव्वं वा, माणुसं वा, तिरिक्खजोणियं वा, णेव सयं मेहुणं गच्छेज्जा तं चेव अदिण्णादाणवत्तव्वया भाणियव्वा, जाव वोसिरामि ॥ १०४९ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०५० ॥ तत्थिमा **पढमा भावणा,** णो णिग्गंथे अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहेमाणे संतिभेदा संतिविभंगा संतिकेवलीपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहित्तए सिय त्ति पढमा भावणा ॥१०५१॥ अहावरा **दोच्चा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएमाणे णिज्झाएमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिय त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०५२ ॥ अहावरा **तच्चा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०५३ ॥ अहावरा **चउत्था भावणा,** णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो पणीयरसभोयणभोई, केवली बूया, अइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पणीयरसभोयणभोई य संतिभेदा जाव भंसेज्जा, णोऽतिमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो पणीयरसभोयणभोइ त्ति **चउत्था भावणा,** ॥ १०५४ ॥ अहावरा **पंचमा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवेमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सियत्ति पंचमा भावणा ॥१०५५॥ एतावताव चउत्थे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आराहिए या वि भवइ, चउत्थं भंते ! महव्वयं० ॥१०५६॥ अहावरं पंचमं भंते ! महव्वयं सव्वं परिग्गहं पच्चक्खामि, से अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं परिग्गहं गिण्हेज्जा, णेवण्णेहिं परिग्गहं गिण्हाविज्जा, अण्णंपि परिग्गहं गिण्हंतं ण समणुजाणिज्जा, जाव वोसिरामि ॥ १०५७ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, सोयओणं जीवे मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथेणं मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं सज्जमाणे

जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०५८ ॥ ण सक्का ण सोउं सद्दा, सोयविसयमागता; रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०५९ ॥ सोयओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ० ॥ १०६० ॥ अहावरा **दोच्चा भावणा,** चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ॥ १०६१ ॥ ण सक्का रूवमदट्ठुं चक्खुविसयमागयं, रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥१०६२॥ चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ ॥ १०६३ ॥ अहावरा **तच्चा भावणा,** घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेदा संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ॥ १०६४ ॥ णो सक्का गंधमग्घाउं णासाविसयमागयं, रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०६५ ॥ घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ० ॥ १०६६ ॥ अहावरा **चउत्था भावणा,** जिब्भाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्सादेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेदा जाव भंसेज्जा ॥ १०६७ ॥ णो सक्का रसमस्साउं, जीहाविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०६८ ॥ जीहाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्सादेइ० ॥ १०६९ ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** फासओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेदेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे, संतिभेदा संतिविभंगा, संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०७० ॥ णो सक्का फासमवेदेउं

पालित्ता, तीरित्ता, किट्टित्ता, आणाए आराहिए यावि भवइ ॥१०७४॥ **भावणा-ज्झयणं पणरहमं समत्तं इय तइआ चूला समत्ता ॥**

अणिच्चमावासमुवेंति जंतुणो, पलोयए सुच्चमिदं अणुत्तरं; विऊसिरे विन्नु अगार-बंधणं, अभीरु आरंभपरिग्गहं चए ॥ १०७५ ॥ तहागअं भिक्खुमणंतसंजयं, अणेलिसं विन्नु चरंतमेसणं; तुदंति वायाहिं अभिद्दवं णरा, सरेहिं संगामगयं व कुंजरं ॥ १०७६ ॥ तहप्पगारेहिं जणेहिं हीलिए, ससद्दफासा फरुसा उईरिया; तितिक्खए णाणि अदुट्ठचेयसा, गिरिव्व वाएण ण संपवेयए ॥१०७७॥ उवेहमाणे कुसलेहिं संवसे, अकंतदुक्खी तसथावरा दुहीं; अलूसए सव्वसहे महामुणी, तहा हि से सुस्समणे समाहिए ॥ १०७८ ॥ विऊ णए धम्मपयं अणुत्तरं, विणीयतण्हस्स मुणिस्स ज्झायओ; समाहियस्सऽग्गिसिहा व तेयसा, तवो य पण्णा य जसो य वड्ढइ ॥ १०७९ ॥ दिसोदिसिंऽणंतजिणेण ताइणा, महव्वया खेमपदा पवेदिता; महागुरू णिस्सयरा उदीरिया, तमेव तेऊत्तिदिसं पगासया ॥ १०८० ॥ सिएहिं भिक्खू असिए परिव्वए, असज्जमित्थीसु चएज्ज पूअणं; अणिस्सिओ लोगमिणं तहा परं, णमिज्जइ कामगुणेहिं पंडिए ॥ १०८१ ॥ तहा विमुक्कस्स परिण्णचारिणो धिईमओ दुक्खखमस्स भिक्खुणो; विसुज्झई जंसि मलं पुरेकडं, समीरियं रुप्पमलं व जोइणा ॥ १०८२ ॥ से हु प्परिण्णा समयंमि वट्टइ, णिराससे उवरय मेहुणा चरे; भुजंगमे जुण्णतयं जहा जहे, विमुच्चइ से दुहसेज्ज माहणे ॥ १०८३ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारगं, महासमुद्दं व भुयाहिं दुत्तरं; अहे य णं परिजाणाहि पंडिए, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०८४ ॥ जहा हि बद्धं इह माणवेहिं, जहा य तेसिं तु विमोक्ख आहिओ; अहा तहा बंधविमोक्ख जे विऊ, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०८५ ॥ इमंमि लोए परए य दोसुवि, ण विज्जइ बंधणं जस्स किंचिवि; से हु णिरालंवणमप्पइट्ठिए, कलंकली भावपहं विमुच्चइ त्ति बेमि ॥ १०८६ ॥ **-सोलहमं विमुत्तिज्झयणं समत्तं ॥ सदाचारणाम बीओ सुयक्खंधो संपुण्णो, चउत्था चूडा समत्ता ॥**

इइ आयारे



जे ते उ वाइणो एवं न ते ओहंतराऽऽहिया ॥ २० ॥ २० ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एवं न ते संसारपारगा ॥ २१ ॥ २१ ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एवं न ते गब्भस्स पारगा ॥ २२ ॥ २२ ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एवं न ते जम्मस्स पारगा ॥ २३ ॥ २३ ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एवं न ते दुक्खस्स पारगा ॥ २४ ॥ २४ ॥ ते नावि संधिं नच्चा णं न ते धम्मविऊ जणा । जे ते उ वाइणो एवं न ते मारस्स पारगा ॥ २५ ॥ २५ ॥ नाणाविहाइं दुक्खाइं अणुहोन्ति पुणो पुणो । संसारचक्कवालम्मि मच्चुवाहिजराकुले ॥ २६ ॥ २६ ॥ उच्चावयाणि गच्छन्ता गब्भमेस्सन्ति णन्तसो । **नायपुत्ते महावीरे** एवमाह जिणुत्तमे ॥ २७ ॥ २७ ॥ त्ति बेमि ॥ **समयज्झयणे पढमुद्देसो** ॥

आघायं पुण एगेसिं उववन्ना पुढो जिया । वेदयन्ति सुहं दुक्खं अदु वा लुप्पन्ति ठाणओ ॥ १ ॥ २८ ॥ न तं सयं कडं दुक्खं कओ अन्नकडं च णं । सुहं वा जइ वा दुक्खं सेहियं वा असेहियं ॥ २ ॥ २९ ॥ सयं कडं न अन्नेहिं वेदयन्ति पुढो जिया । संगइयं तं तहा तेसिं इहमेगेसिमाहियं ॥ ३ ॥ ३० ॥ एवमेयाणि जम्पन्ता बाला पण्डियमाणिणो । निययानिययं सन्तं अयाणन्ता अबुद्धिया ॥ ४ ॥ ३१ ॥ एवमेगे उ पासत्था ते भुज्जो विप्पगब्भिया । एवं उवट्ठिया सन्ता न ते दुक्खविमोक्खगा ॥ ५ ॥ ३२ ॥ जविणो मिगा जहा सन्ता परियाणेण वज्जिया । असङ्कियाइं सङ्कन्ति सङ्कियाइँ असङ्किणो ॥ ६ ॥ ३३ ॥ परियाणियाणि सङ्कन्ता पासियाणि असङ्किणो । अन्नाणभयसंविग्गा संपलिन्ति तहिं तहिं ॥ ७ ॥ ३४ ॥ अह तं पवेज्ज वज्झं अहे वज्झस्स वा वए । मुच्चेज्ज पयपासाओ तं तु मन्दे न देहई ॥ ८ ॥ ३५ ॥ अहियप्पाहियपन्नाणे विसमन्तेणुवागए । स बद्धे पयपासेणं तत्थ घायं नियच्छइ ॥ ९ ॥ ३६ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । असङ्कियाइं सङ्कन्ति सङ्कियाइँ असङ्किणो ॥ १० ॥ ३७ ॥ धम्मपन्नवणा जा सा तं तु सङ्कन्ति मूढगा । आरम्भाइं न सङ्कन्ति अवियत्ता अकोविया ॥ ११ ॥ ३८ ॥ सव्वप्पगं विउक्कस्सं सव्वं नूमं विहूणिया । अप्पत्तियं अकम्मंसे एयमट्ठं मिगे चुए ॥ १२ ॥ ३९ ॥ जे एयं नाभिजाणन्ति मिच्छदिट्ठी अणारिया । मिगा वा पासबद्धा ते घायमेस्सन्ति णन्तसो ॥ १३ ॥ ४० ॥ माहणा समणा एगे सव्वे नाणं सयं वए । सव्वलोगे वि जे पाणा न ते जाणन्ति किंचण ॥ १४ ॥ ४१ ॥ मिलक्खू अमिलक्खुस्स जहा वुत्ताणुभासए । न हेउं से वियाणाइ भासियं तऽणुभासए ॥ १५॥

॥ ४२ ॥ एवमन्नाणिया नाणं वयन्ता वि सयं सयं । निच्छयत्थं ण जाणन्ति मिलक्खु व्व अवोहिया ॥ १६ ॥ ४३ ॥ अन्नाणियाणं वीमंसा अन्नाणे न नियच्छइ । अप्पणो य परं नालं कुतो अन्नाणुसासिउं ॥ १७ ॥ ४४ ॥ वणे मूढे जहा जन्तू मूढे नेयाणुगामिए । दो वि एए अकोविया तिव्वं सोयं नियच्छई ॥ १८ ॥ ४५ ॥ अन्धो अन्धं पहं नेन्तो दूरमद्धाणुगच्छइ । आवज्जे उप्पहं जन्तू अदु वा पन्थाणुगामिए ॥ १९ ॥ ४६ ॥ एवमेगे नियागट्ठी धम्ममाराहगा वयं । अदु वा अहम्ममावज्जे न ते सव्वज्जुयं वए ॥ २० ॥ ४७ ॥ एवमेगे वियक्काहिं नो अन्नं पज्जुवासिया । अप्पणो य वियक्काहिं अयमञ्जू हि दुम्मई ॥ २१ ॥ ४८ ॥ एवं तक्काइ साहेन्ता धम्माधम्मे अकोविया । दुक्खं ते नाइतुट्टन्ति सउणी पञ्जरं जहा ॥ २२ ॥ ॥ ४९ ॥ सयं सयं पसंसन्ता गरहन्ता परं वयं । जे उ तत्थ विउस्सन्ति संसारं ते विउस्सिया ॥ २३ ॥ ५० ॥ अहावरं पुरक्खायं किरियावाइदरिसणं । कम्मचिन्तापणट्ठाणं संसारस्स पवड्ढणं ॥ २४ ॥ ५१ ॥ जाणं काएणऽणाउट्टी अवुहो जं च हिंसइ । पुट्ठो संवेयइ परं अवियत्तं खु सावज्जं ॥ २५ ॥ ५२ ॥ सन्तिमे तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । अभिकम्मा य पेसा य मणसा अणुजाणिया ॥ २६ ॥ ५३ ॥ एए उ तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । एवं भावविसोहीए निव्वाणमभिगच्छई ॥ २७ ॥ ५४ ॥ पुत्तं पिया समारब्भ आहारेज्ज असंजए । भुञ्जमाणो य मेहावी कम्मुणा नोवलिप्पई ॥ २८ ॥ ५५ ॥ मणसा जे पउस्सन्ति चित्तं तेसिं न विज्जइ । अणवज्जमतहं तेसिं न ते संवुडचारिणो ॥२९॥ ॥ ५६ ॥ इच्चेयाहि य दिट्ठीहिं सायागारवनिस्सिया । सरणं ति मन्नमाणा सेवन्ती पावगं जणा ॥ ३० ॥ ५७ ॥ जहा अस्साविणिं नावं जाइअन्धो दुरूहिया । इच्छई पारमागन्तुं अन्तरा य विसीयई ॥ ३१ ॥ ५८ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । संसारपारकंखी ते संसारं अणुपरियट्टन्ति ॥ ३२ ॥ ५९ ॥ त्ति बेमि ॥ समयज्झयणे बिइयुद्देसो ॥

जं किंचि उ पूइकडं सड्ढीमागन्तुमीहियं । सहस्सन्तरियं भुञ्जे दुपक्खं चेव सेवई ॥ १ ॥ ६० ॥ तमेव अवियाणन्ता विसमंसि अकोविया । मच्छा वेसालिया चेव उदगस्सभियागमे ॥ २ ॥ ६१ ॥ उदगस्स पहावेणं सुक्कं सिग्धं तमेन्ति उ । ढङ्केहि य कङ्केहि य आमिसत्थेहि ते दुही ॥ ३ ॥ ६२ ॥ एवं तु समणा एगे वट्टमाणसुहेसिणो । मच्छा वेसालिया चेव घायमेस्सन्ति णन्तसो ॥ ४ ॥ ६३ ॥ इणमन्नं तु अन्नाणं इहमेगेसिमाहियं । देवउत्ते अयं लोए बम्भउत्ते इ आवरे ॥ ५ ॥ ॥ ६४ ॥ ईसरेण कडे लोए पहाणाइ तहावरे । जीवाजीवसमाउत्ते सुहदुक्खसम-

न्निए ॥ ६ ॥ ६५ ॥ सयंभुणा कडे लोए इइ वुत्तं महेसिणा । मारेण संथुया माया तेण लोए असासए ॥ ७ ॥ ६६ ॥ माहणा समणा एगे आह अण्डकडे जए । असो तत्तमकासी य अयाणन्ता मुसं वए ॥ ८ ॥ ६७ ॥ सएहिं परियाएहिं लोगं बूया कडे त्ति य । तत्तं ते न वियाणन्ति न विणासी कयाइ वि ॥ ९ ॥ ६८ ॥ अमणुन्नसमुप्पायं दुक्खमेव वियाणिया । समुप्पायमयाणन्ता कहं नायन्ति संवरं ॥ १० ॥ ६९ ॥ सुद्धे अपावए आया इहमेगेसिमाहियं । पुणो किड्डापदोसेणं सो तत्थ अवरज्झई ॥ ११ ॥ ७० ॥ इह संवुडे मुणी जाए पच्छा होइ अपावए । वियडम्बु जहा भुज्जो नीरयं सरयं तहा ॥ १२ ॥ ७१ ॥ एयाणुवीइ मेहावी बम्भचेरेण ते वसे । पुढो पावाउया सव्वे अक्खायारो सयं सयं ॥ १३ ॥ ७२ ॥ सए सए उवट्ठाणे सिद्धिमेव न अन्नहा । अहे इहेव वसवत्ती सव्वकामसमप्पिए ॥ १४ ॥ ७३ ॥ सिद्धा य ते अरोगे य इहमेगेसिमाहियं । सिद्धिमेव पुरो काउं सासए गढिया नरा ॥ १५ ॥ ७४ ॥ असंवुडा अणाईयं भमिहिन्ति पुणो पुणो । कप्पकालमुवज्जन्ति ठाणा आसुरकिब्बिसिय ॥ १६ ॥ ७५ ॥ त्ति बेमि ॥ **समयज्झयणे तइयुद्देसो ॥**

एए जिया भो न सरणं बाला पण्डियमाणिणो । हिच्चा णं पुव्वसंजोयं सिया किच्चोवएसगा ॥ १ ॥ ७६ ॥ तं च भिक्खू परिन्नाय वियं तेसु न मुच्छए । अणुक्कस्से अप्पलीणे मज्झेण मुणि जावए ॥ २ ॥ ७७ ॥ सपरिग्गहा य सारम्भा इहमेगेसिमाहियं । अपरिग्गहा अणारम्भा भिक्खू ताणं परिव्वए ॥ ३ ॥ ७८ ॥ कडेसु घासमेसेज्जा विऊ दत्तेसणं चरे । अगिद्धो विप्पमुक्को य ओमाणं परिवज्जए ॥ ४ ॥ ७९ ॥ लोगवायं निसामेज्जा इहमेगेसिमाहियं । विवरीयपन्नसंभूयं अन्नउत्तं तयाणुयं ॥ ५ ॥ ८० ॥ अणन्ते निइए लोए सासए न विणस्सई । अन्तवं निइए लोए इइ धीरोऽतिपासई ॥ ६ ॥ ८१ ॥ अपरिमाणं वियाणाइ इहमेगेसिमाहियं । सव्वत्थ सपरिमाणं इइ धीरोऽतिपासई ॥ ७ ॥ ८२ ॥ जे केइ तसा पाणा चिट्ठन्ति अदु थावरा । परियाए अत्थि से अञ्जु जेण ते तसथावरा ॥ ८ ॥ ८३ ॥ उरालं जगओ जोगं विवज्जासं पलेन्ति य । सव्वे अक्कन्तदुक्खा य अओ सव्वे अहिंसिया ॥ ९ ॥ ८४ ॥ एयं खु नाणिणो सारं जं न हिंसइ किंचण । अहिंसासमयं चेव एयावन्तं वियाणिया ॥ १० ॥ ८५ ॥ वुसिए य विगयगेही आयाणं सम्म रक्खए । चरियासणसेज्जासु भत्तपाणे य अन्तसो ॥ ११ ॥ ८६ ॥ एएहिं तिहि ठाणेहिं संजए सययं मुणी । उक्कसं जलणं नूमं मज्झत्थं च विगिञ्चए ॥ १२ ॥ ८७ ॥ समिए उ सया साहू पञ्चसंवरसंवुडे । सिएहि असिए भिक्खू आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ १३ ॥ ८८ ॥ त्ति बेमि ॥ **समयज्झयणं पढमं ॥**

वेयालियज्झयणे बिइए

संबुज्झह किं न बुज्झह संबोही खलु पेच्च दुल्लहा । नो हूवणमन्ति राइयो नो सुलभं पुणरावि जीवियं ॥ १ ॥ ८९ ॥ डहरा वुड्ढा य पासह गब्भत्था वि चयन्ति माणवा । सेणे जह वट्टयं हरे एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ २ ॥ ९० ॥ मायाहिं पियाहिं लुप्पई नो सुलहा सुगई य पेच्चओ । एयाइ भयाइ पेहिया आरम्भा विरमेज्ज सुव्वए ॥ ३ ॥ ९१ ॥ जमिणं जगई पुढो जगा कम्मेहिं लुप्पन्ति पाणिणो । सयमेव कडेहि गाहई नो तस्स मुच्चेज्जऽपुट्ठयं ॥ ४ ॥ ९२ ॥ देवा गन्धव्वरक्खसा असुरा भूमिचरा सरीसिवा । राया नरसेट्ठिमाहणा ठाणा ते वि चयन्ति दुक्खिया ॥ ५ ॥ ९३ ॥ कामेहि य संथवेहि गिद्धा कम्मसहा कालेण जन्तवो । ताले जह बन्धणच्चुए एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ ६ ॥ ९४ ॥ जे यावि बहुस्सुए सिया धम्मिय माहण भिक्खुए सिया । अभिनूमकडेहि मुच्छिए तिव्वं ते कम्मेहि किच्चई ॥ ७ ॥ ९५ ॥ अह पास विवेगमुट्ठिए अवितिण्णे इह भासई धुवं । नाहिसि आरं कओ परं वेहासे कम्मेहि किच्चई ॥ ८ ॥ ९६ ॥ जइ वि य नगिणे किसे चरे जइ वि य भुञ्जिय मासमन्तसो । जे इह मायाहि मिज्जई आगन्ता गब्भाय णन्तसो ॥ ९ ॥ ९७ ॥ पुरिसोरम पावकम्मुणा पलियन्तं मणुयाण जीवियं । सन्ना इह काममुच्छिया मोहं जन्ति नरा असंवुडा ॥ १० ॥ ९८ ॥ जययं विहराहि जोगवं अणुपाणा पन्था दुरुत्तरा । अणुसासणमेव पक्कमे वीरेहिं सम्मं पवेइयं ॥ ११ ॥ ९९ ॥ विरया वीरा समुट्ठिया कोहकायरियाइपीसणा । पाणे न हणन्ति सव्वसो पावाओ विरया-ऽभिनिव्वुडा ॥ १२ ॥ १०० ॥ न वि ता अहमेव लुप्पए लुप्पन्ती लोगंसि पाणिणो । एवं सहिएहि पासए अणिहे से पुट्ठेऽहियासए ॥ १३ ॥ १०१ ॥ धुणिया कुलियं व लेववं किसए देहमणासणाइहिं । अविहिंसामेव पव्वए अणुधम्मो मुणिणा पवेइयो ॥ १४ ॥ १०२ ॥ सउणी जह पंसुगुण्डिया विहुणिय धंसयई सियं रयं । एवं दविओवहाणवं कम्मं खवइ तवस्सि माहणे ॥ १५ ॥ १०३ ॥ उट्ठियमणगारमेसणं समणं ठाणठियं तवस्सिणं । डहरा वुड्ढा य पत्थए अवि सुस्से न य तं लभेज्ज नो ॥ १६ ॥ १०४ ॥ जइ कालुणियाणि कासिया जइ रोयन्ति य पुत्तकारणा । दवियं भिक्खुं समुट्ठियं नो लब्भन्ति न संठवित्तए ॥ १७ ॥ १०५ ॥ जइ वि य कामेहि लाविया जइ नेज्जाहि ण बन्धिउं घरं । जइ जीविय नावकङ्खए नो लब्भन्ति न संठवित्तए ॥ १८ ॥ १०६ ॥ सेहन्ति य णं ममाइणो माय पिया य सुया य भारिया । पोसाहि ण पासओ तुमं लोग परं पि जहासि पोसणो ॥ १९ ॥ १०७ ॥ अन्ने अन्नेहिं मुच्छिया मोहं जन्ति नरा असंवुडा । विसमं विसमेहि गाहिया ते

पावेहिं पुणो पगब्भिया ॥ २० ॥ १०८ ॥ तम्हा दवि इक्ख पण्डिए पावाओ विरएऽभिनिव्वुडे । पणए वीरं महाविहिं सिद्धिपहं नेयाउयं धुवं ॥ २१ ॥ १०९ ॥ वेयालियमग्गमागओ मणवयसा काएण निव्वुडो । चिच्चा वित्तं च नायओ आरम्भं च सुसंवुडे चरे ॥ २२ ॥ ११० ॥ त्ति बेमि **वेयालियज्झयणे पढमुद्देसो** ॥

तयसं व जहाइ से रयं इइ संखाय मुणी न मज्जई । गोयन्नतरेण माहणे अहसेयकरी अन्नेसि इंखिणी ॥ १ ॥ १११ ॥ जो परिभवई परं जणं संसारे परिवत्तई महं । अदु इंखिणिया उ पाविया इइ संखाय मुणी न मज्जई ॥ २ ॥ ११२ ॥ जे यावि अणायगे सिया जे वि य पेसगपेसगे सिया । जे मोणपयं उवट्ठिए नो लज्जे समयं सया चरे ॥ ३ ॥ ११३ ॥ सम अन्नयरम्मि संजमे संसुद्धे समणे परिव्वए । जे आवकहा समाहिए दविए कालमकासि पण्डिए ॥ ४ ॥ ११४ ॥ दूरं अणुपस्सिया मुणी तीयं धम्ममणागयं तहा । पुट्ठे फरुसेहि माहणे अवि हण्णू समयम्मि रीयइ ॥ ५ ॥ ११५ ॥ पन्नसमत्ते सया जए समताधम्ममुदाहरे मुणी । सुहुमे उ सया अलूसए नो कुज्झे नो माणि माहणे ॥ ६ ॥ ११६ ॥ बहुजणनमणम्मि संवुडो सव्वट्ठेहि नरे अणिस्सिए । हरए व सया अणाविले धम्मं पादुरकासि कासवं ॥ ७ ॥ ११७ ॥ बहवे पाणा पुढो सिया पत्तेयं समयं समीहिया । जे मोणपयं उवट्ठिए विरइं तत्थ अकासि पण्डिए ॥ ८ ॥ ११८ ॥ धम्मस्स य पारगे मुणी आरम्भस्स य अन्तए ठिए । सोयन्ति य णं ममाइणो नो लब्भन्ति नियं परिग्गहं ॥ ९ ॥ ११९ ॥ इहलोगदुहावहं विऊ परलोगे य दुहं दुहावहं । विद्धंसणधम्ममेव तं इइ विज्जं को गारमावसे ॥ १० ॥ १२० ॥ महयं पलिगोव जाणिया जा वि य वंदणपूयणा इहं । सुहुमे सल्ले दुरुद्धरे विउमंता पयहिज्ज संथवं ॥ ११ ॥ १२१ ॥ एगे चर ठाणमासणे सयणे एग समाहिए सिया । भिक्खू उवहाणवीरिए वइगुत्ते अज्झत्तसंवुडो ॥ १२ ॥ १२२ ॥ नो पीहे न यावपंगुणे दारं सुन्नघरस्स संजए । पुट्ठे न उदाहरे वयं न समुच्छे नो संथरे तणं ॥ १३ ॥ १२३ ॥ जत्थत्थमिए अणाउले समविसमाइं मुणी हियासए । चरगा अदु वा वि भेरवा अदु वा तत्थ सरीसिवा सिया ॥ १४ ॥ १२४ ॥ तिरिया मणुया य दिव्वगा उवसग्गा तिविहा हियासिया । लोमादीयं न हारिसे सुन्नागारगओ महामुणी ॥ १५ ॥ १२५ ॥ नो अभिकंखेज्ज जीवियं नो वि य पूयणपत्थए सिया । अब्भत्थमुवेन्ति भेरवा सुन्नागारगयस्स भिक्खुणो ॥ १६ ॥ १२६ ॥ उवणीयतरस्स ताइणो भयमाणस्स विविक्कमासणं । सामाइयमाहु तस्स जं जो अप्पाण भए न दंसए ॥ १७ ॥ १२७ ॥ उसिणोदगतत्तभोइणो धम्मठियस्स मुणिस्स हीमतो । संसग्गे असाहु राईहिं

असमाही उ तहागयस्स वि ॥ १८ ॥ १२८ ॥ अहिगरणकडस्स भिक्खुणो वयमाणस्स पसज्झ दारुणं । अट्ठे परिहायई बहू अहिगरणं न करेज्ज पण्डिए ॥ १९ ॥ १२९ ॥ सीओदग पडि दुगुंछिणो अपडिन्नस्स लवावसप्पिणो । सामाइयमाहु तस्स जं जो गिहिमत्तेऽसणं न भुञ्जई ॥ २० ॥ १३० ॥ न य संखयमाहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई । बाले पावेहि मिज्जई इइ संखाय मुणी न मज्जई ॥ २१ ॥ १३१ ॥ छंदेण पले इमा पया बहुमाया मोहेण पाउडा । वियडेण पलेन्ति माहणे सीउण्हं वयसा हियासए ॥ २२ ॥ १३२ ॥ कुजए अपराजिए जहा अक्खेहिं कुसलेहि दीवयं । कडमेव गहाय नो कलिं नो तीयं नो चेव दावरं ॥ २३ ॥ १३३ ॥ एवं लोगम्मि ताइणा बुइए जे धम्मे अणुत्तरे । तं गिण्ह हियं ति उत्तमं कडमिव सेसऽवहाय पण्डिए ॥ २४ ॥ १३४ ॥ उत्तर मणुयाण आहिया गामधम्म इइ मे अणुस्सुयं । जंसी विरया समुट्ठिया कासवस्स अणुधम्मचारिणो ॥ २५ ॥ १३५ ॥ जे एय चरन्ति आहियं नाएणं महया महेसिणा । ते उट्ठिय ते समुट्ठिया अन्नोन्नं सारेन्ति धम्मओ ॥ २६ ॥ १३६ ॥ मा पेह पुरा पणामए अभिकंखे उवहिं धुणित्तए । जे दूमण तेहि नो नया ते जाणन्ति समाहिमाहियं ॥ २७ ॥ १३७ ॥ नो काहिएँ होज्ज संजए पासणिए न य संपसारए । नच्चा धम्मं अणुत्तरं कयकिरिए न यावि मामए ॥ २८ ॥ १३८ ॥ छन्नं च पसंस नो करे न य उक्कोस पगास माहणे । तेसिं सुविवेगमाहिए पणया जेहि सुजोसियं धुयं ॥२९॥ ॥ १३९ ॥ अनिहे सहिए सुसंवुडे धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । विहरेज्ज समाहिइंदिए अत्तहियं खु दुहेण लब्भइ ॥ ३० ॥ १४० ॥ न हि नूण पुरा अणुस्सुयं अदु वा तं तह नो समुट्ठियं । मुणिणा सामाइ आहियं नाएणं जगसव्वदंसिणा ॥३१॥१४१॥ एवं मत्ता महन्तरं धम्ममिणं सहिया बहू जणा । गुरुणो छंदाणुवत्तगा विरया तिण्ण महोघमाहियं ॥३२॥१४२॥ ति बेमि ॥ **वेयालियज्झयणम्मि विइयुद्देसो ॥**

संवुडकम्मस्स भिक्खुणो जं दुक्खं पुट्ठं अबोहिए । तं संजमओऽवचिज्जई मरणं हेच्च वयन्ति पण्डिया ॥१॥१४३॥ जे विन्नवणाहिजोसिया संतिण्णेहि समं वियाहिया । तम्हा उड्ढं ति पासहा अदक्खु कामाइँ रोगवं ॥ २ ॥ १४४ ॥ अग्गं वणिएहिं आहियं धारेन्ती राइणिया इहं । एवं परमा महव्वया अक्खाया उ सराइभोयणा ॥ ३ ॥ १४५ ॥ जे इह सायाणुगा नरा अज्झोववन्ना कामेहि मुच्छिया । किवणेण समं पगब्भिया न वि जाणन्ति समाहिमाहियं ॥ ४ ॥ १४६ ॥ वाहेण जहा व विच्छए अवले होइ गवं पचोइए । से अन्तसो अप्पथामए नाइवहे अवले विसीयइ ॥ ५ ॥ १४७ ॥ एवं कामेसणं विऊ अज्ज सुए पयहेज्ज संथवं । कामी कामे न

कामए लद्धे वा वि अलद्ध कण्हुई ॥ ६ ॥ १४८ ॥ मा पच्छ असाहुया भवे अच्चेही अणुसास अप्पगं । अहियं च असाहु सोयई से थणई परिदेवई बहुं ॥ ७ ॥ १४९ ॥ इह जीवियमेव पासहा तरुणे वा ससयस्स तुट्टई । इत्तरवासे य बुज्झह गिद्ध नरा कामेसु मुच्छिया ॥ ८ ॥ १५० ॥ जे इह आरम्भनिस्सिया आयदण्ड एगन्तलूसगा। गन्ता ते पावलोगयं चिररायं आसुरियं दिसं ॥ ९ ॥ १५१ ॥ न य संखयमाहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई ॥ पच्चुप्पन्नेण कारियं को दट्ठुं परलोगमागए ॥ १० ॥ १५२ ॥ अदक्खुव दक्खुवाहियं तं सद्दहसु अदक्खुदंसणा । हंदि हु सुनिरुद्धदंसणे मोहणिएण कडेण कम्मुणा ॥ ११ ॥ १५३ ॥ दुक्खी मोहे पुणो पुणो निव्विन्देज्ज सिलोगपूयणं। एवं सहिए हिपासए आयतुलं पाणेहि संजए ॥१२॥ ॥ १५४ ॥ गारं पि य आवसे नरे अणुपुव्वं पाणेहि संजए। समया सव्वत्थ सुव्वए देवाणं गच्छे सलोगयं ॥ १३ ॥ १५५ ॥ सोच्चा भगवाणुसासणं सच्चे तत्थ करेज्जुवक्कमं । सव्वत्थ विणीयमच्छरे उञ्छं भिक्खु विसुद्धमाहरे ॥ १४ ॥ १५६ ॥ सव्वं नच्चा अहिट्ठए धम्मट्ठी उवहाणवीरिए। गुत्ते जुत्ते सया जए आयपरे परमायतट्ठिए ॥ १५ ॥ १५७ ॥ वित्तं पसवो य नाइओ तं बाले सरणं ति मन्नई । एए मम तेसु वी अहं नो ताणं सरणं न विज्जई ॥ १६ ॥ १५८ ॥ अब्भागमियम्मि वा दुहे अहवा उक्कमिए भवन्तिए । एगस्स गई य आगई विदुमन्ता सरणं न मन्नई ॥ १७ ॥ १५९ ॥ सव्वे सयकम्मकप्पिया अवियत्तेण दुहेण पाणिणो । हिण्डन्ति भयाउला सढा जाइजरामरणेहिऽभिद्दुया ॥ १८ ॥ १६० ॥ इणमेव खणं वियाणिया नो सुलभं बोहिं च आहियं। एवं सहिए हिपासए आह जिणे इणमेव सेसगा ॥ १९ ॥ १६१ ॥ अभविंसु पुरा वि भिक्खुवो आएसा वि भवन्ति सुव्वया। एयाइँ गुणाइँ आहु ते कासवस्स अणुधम्मचारिणो ॥ २० ॥ १६२ ॥ तिविहेण वि पाण मा हणे आयहिए अणियाण संवुडे। एवं सिद्धा अणन्तसो संपइ जे य अणागयावरे ॥ २१ ॥ १६३ ॥ एवं से उदाहु अणुत्तरनाणी अणुत्तरदंसी अणुत्तरनाणदंसणधरे । अरहा नायपुत्ते भगवं वेसालिए वियाहिए ॥ २२ ॥ १६४ ॥ त्ति बेमि ॥ **वेयालियज्झयणं बिइयं** ॥

उवसग्गज्झयणे तइए

सूरं मन्नइ अप्पाणं जाव जेयं न पस्सई । जुज्झन्तं दढधम्माणं सिसुपालो व महारहं ॥ १ ॥ १६५ ॥ पयाया सूरा रणसीसे संगामम्मि उवट्ठिए । माया पुत्तं

न जाणाइ जेएण परिविच्छए ॥ २ ॥ १६६ ॥ एवं सेहे वि अप्पुट्ठे भिक्खायरिया-अकोविए । सूरं मन्नइ अप्पाणं जाव लूहं न सेवए ॥ ३ ॥ १६७ ॥ जया हेमन्त-मासम्मि सीयं फुसइ सव्वगं । तत्थ मन्दा विसीयन्ति रज्जहीणा व खत्तिया ॥ ४ ॥ ॥ १६८ ॥ पुट्ठे गिम्हाहितावेणं विमणे सुपिवासिए । तत्थ मन्दा विसीयन्ति मच्छा अप्पोदए जहा ॥ ५ ॥ १६९ ॥ सया दत्तेसणा दुक्खा जायणा दुप्पणोल्लिया । कम्मत्ता दुब्भगा चेव इच्चाहंसु पुढोजणा ॥ ६ ॥ १७० ॥ एए सद्दे अचायन्ता गामेसु नगरेसु वा । तत्थ मन्दा विसीयन्ति संगामम्मि व भीरुया ॥ ७ ॥ १७१ ॥ अप्पेगे खुहियं भिक्खुं सुणी डंसइ लूसए । तत्थ मन्दा विसीयन्ति तेउपुट्ठा व पाणिणो ॥ ८ ॥ १७२ ॥ अप्पेगे पडिभासन्ति पडिपन्थियमागया । पडियारगया एए जे एए एवजीविणो ॥ ९ ॥ १७३ ॥ अप्पेगे वइ जुञ्जन्ति नगिणा पिण्डोलगाहमा । मुण्डा कण्डूविणट्ठङ्गा उज्जल्ला असमाहिया ॥ १० ॥ १७४ ॥ एवं विप्पडिवन्नेगे अप्पणा उ अजाणया । तमाओ ते तमं जन्ति मन्दा मोहेण पाउडा ॥ ११ ॥ १७५ ॥ पुट्ठो य दंसमसगेहिं तणफासमचाइया । न मे दिट्ठे परे लोए जइ परं मरणं सिया ॥ १२ ॥ १७६ ॥ संतत्ता केसलोएणं बम्भचेरपराइया । तत्थ मन्दा विसीयन्ति मच्छा विट्ठा व केयणे ॥ १३ ॥ १७७ ॥ आयदण्डसमायारे मिच्छासंठियभावणा । हरिसप्पओसमावन्ना केई लूसन्तिऽनारिया ॥ १४ ॥ १७८ ॥ अप्पेगे पलियन्तेसिं चारो चोरो त्ति सुव्वयं । बन्धन्ति भिक्खुयं बाला कसायवयणेहि य ॥ १५ ॥ १७९ ॥ तत्थ दण्डेण संवीते मुट्ठिणा अदु फलेण वा । नाईणं सरई बाले इत्थी वा कुद्धगा-मिणी ॥ १६ ॥ १८० ॥ एए भो कसिणा फासा फरुसा दुरहियासया । हत्थी वा सरसंवित्ता कीवावस गया गिहं ॥ १७ ॥ १८१ ॥ ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणे पढमुद्देसे** ॥

अहिमे सुहुमा संगा भिक्खूणं जे दुरुत्तरा । जत्थ एगे विसीयन्ति न चयन्ति जवित्तए ॥ १ ॥ १८२ ॥ अप्पेगे नायओ दिस्स रोयन्ति परिवारिया । पोस णे ताय पुट्ठो सि कस्स ताय जहासि णे ॥ २ ॥ १८३ ॥ पिया ते थेरओ ताय ससा ते खुड्डिया इमा । भायरो ते सगा ताय सोयरा किं जहासि णे ॥ ३ ॥ १८४ ॥ मायरं पियरं पोस एवं लोगो भविस्सइ । एवं खु लोइयं ताय जे पालेन्ति य मायरं ॥ ४ ॥ १८५ ॥ उत्तरा महुरुल्लावा पुत्ता ते ताय खुड्डया । भारिया ते नवा ताय मा सा अन्नं जणं गमे ॥ ५ ॥ १८६ ॥ एहि ताय घरं जामो मा य कम्मे सहा वयं । बिइयं पि ताय पासामो जामु ताव सयं गिहं ॥६॥१८७॥ गन्तुं ताय पुणो गच्छे न तेणा समणो सिया । अकामगं परिक्कम्मं को ते वारेउमरिहइ ॥७॥१८८॥

जं किंचि अणगं ताय तं पि सव्वं समीकयं । हिरण्णं ववहाराइ तं पि दाहामु ते वयं ॥८॥१८९॥ इच्चेव णं सुसेहन्ति कालुणीयसमुट्ठिया । विवद्धो नाइसंगेहिं तओऽगारं पहावइ ॥ ९ ॥ १९० ॥ जहा रुक्खं वणे जायं मालुया पडिबन्धइ । एवं णं पडिबन्धन्ति नाइओ असमाहिणा ॥ १० ॥ १९१ ॥ विवद्धो नाइसंगेहिं हत्थी वा वि नवग्गहे । पिट्ठओ परिसप्पन्ति सुय गो व्व अदूरए ॥ ११ ॥ १९२ ॥ एए संगा मणूसाणं पायाला व अतारिमा । कीवा जत्थ य किस्सन्ति नाइसंगेहिं मुच्छिया ॥ १२ ॥ १९३ ॥ तं च भिक्खू परिन्नाय सव्वे संगा महासवा । जीवियं नावकंखिज्जा सोच्चा धम्ममणुत्तरं ॥ १३ ॥ १९४ ॥ अहिमे सन्ति आवट्टा कासवेणं पवेइया । बुद्धा जत्थावसप्पन्ति सीयन्ति अबुहा जहिं ॥ १४ ॥ १९५ ॥ रायाणो रायऽमच्चा य माहणा अदु व खत्तिया । निमन्तयन्ति भोगेहिं भिक्खुयं साहुजीविणं ॥ १५ ॥ १९६ ॥ हत्थस्सरहजाणेहिं विहारगमणेहि य । भुञ्ज भोगे इमे सग्घे महरिसी पूजयामु तं ॥ १६ ॥ १९७ ॥ वत्थगन्धमलंकारं इत्थीओ सयणाणि य । भुञ्जाहिमाइँ भोगाइं आउसो पूजयामु तं ॥ १७ ॥ १९८ ॥ जो तुमे नियमो चिण्णो भिक्खु भावम्मि सुव्वया । अगारमावसन्तस्स सव्वो संविज्जए तहा ॥ १८॥१९९॥ चिरं दूइज्जमाणस्स दोसो दाणिं कुओ तव । इच्चेव णं निमन्तेन्ति नीवारेण व सूयरं ॥ १९ ॥ २०० ॥ चोइया भिक्खचरियाए अचयन्ता जवित्तए । तत्थ मन्दा विसीयन्ति उज्जाणंसि व दुब्बला ॥ २० ॥ २०१ ॥ अचयन्ता व लूहेणं उवहाणेण तज्जिया । तत्थ मन्दा विसीयन्ति उज्जाणंसि जरग्गवा ॥ २१ ॥ २०२ ॥ एवं निमन्तणं लद्धुं मुच्छिया गिद्ध इत्थिसु । अज्झोववन्ना कामेहिं चोइज्जन्ता गया गिहं ॥ २२ ॥ २०३ ॥ ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणे बिइयुद्देसे** ॥

जहा संगामकालम्मि पिट्ठओ भीरु वेहइ । वलयं गहणं नूमं को जाणइ पराजयं ॥ १ ॥ २०४ ॥ मुहुत्ताणं मुहुत्तस्स मुहुत्तो होइ तारिसो । पराजियाऽवसप्पामो इइ भीरू उवेहई ॥ २ ॥ २०५ ॥ एवं उ समणा एगे अबलं नच्चाण अप्पगं । अणागयं भयं दिस्स अवकप्पन्तिमं सुयं ॥ ३ ॥ २०६ ॥ को जाणइ विऊवायं इत्थीओ उदगाउ वा । चोइज्जन्ता पवक्खामो न नो अत्थि पकप्पियं ॥ ४ ॥ २०७ ॥ इच्चेव पडिलेहन्ति वलया पडिलेहिणो । वितिगिच्छसमावन्ना पन्थाणं च अकोविया ॥ ५ ॥ २०८ ॥ जे उ संगामकालम्मि नाया सूरपुरंगमा । नो ते पिट्ठमुवेहिन्ति किं परं मरणं सिया ॥ ६ ॥ २०९ ॥ एवं समुट्ठिए भिक्खू वोसिज्जा गारबन्धणं । आरम्भं तिरियं कट्टु अत्तत्ताए परिव्वए ॥ ७ ॥ २१० ॥ तमेगे परिभासन्ति भिक्खुयं साहुजीविणं । जे एवं परिभासन्ति अन्तए ते समाहिए ॥ ८ ॥ २११ ॥

संबद्धसमकप्पा उ अन्नमन्नेसु मुच्छिया । पिण्डवायं गिलाणस्स जं सारेह दलाह य ॥ ९ ॥ २१२ ॥ एवं तुब्भे सरागत्था अन्नमन्नमणुव्वसा । नट्ठसप्पहसब्भावा संसारस्स अपारगा ॥ १० ॥ २१३ ॥ अह ते परिभासेज्जा भिक्खु मोक्खविसारए । एवं तुब्भे पभासन्ता दुपक्खं चेव सेवह ॥ ११ ॥ २१४ ॥ तुब्भे भुञ्जह पाएसु गिलाणो अभिहडम्मि य । तं च बीओदगं भोच्चा तमुद्दिस्सादि जं कडं ॥ १२ ॥ २१५ ॥ लित्ता तिव्वाभितावेणं उज्झिया असमाहिया । नाइकण्डूइयं सेयं अरुयस्सावरज्झई ॥ १३ ॥ २१६ ॥ तत्तेण अणुसिट्ठा ते अपडिन्नेण जाणया । न एस नियए मग्गे असमिक्खा वई किई ॥ १४ ॥ २१७ ॥ एरिसा जा वई एसा अग्गवेणु व्व करिसिया । गिहिणो अभिहडं सेयं भुञ्जिउं न उ भिक्खुणं ॥ १५ ॥ २१८ ॥ धम्मपन्नवणा जा सा सारम्भा न विसोहिया । न उ एयाहि दिट्ठीहिं पुव्वमासिं पगप्पियं ॥ १६ ॥ २१९ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं अचयन्ता जवित्तए । तओ वायं निराकिच्चा ते भुज्जो वि पगब्भिया ॥ १७ ॥ २२० ॥ रागदोसाभिभूयप्पा मिच्छत्तेण अभिद्दुया । आउस्से सरणं जन्ति टंकणा इव पव्वयं ॥ १८ ॥ २२१ ॥ बहुगुणप्पगप्पाइं कुज्जा अत्तसमाहिए । जेणन्ने न विरुज्झेज्जा तेण तं तं समायरे ॥ १९ ॥ २२२ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २० ॥ २२३ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिनिव्वुडे । उवसग्गे नियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥२१॥२२४॥ त्ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणे तइयुद्देसे** ॥

आहंसु महापुरिसा पुव्विं तत्ततवोधणा । उदएण सिद्धिमावन्ना तत्थ मन्दो विसीयइ ॥ १ ॥ २२५ ॥ अभुञ्जिया नमी विदेही रामगुत्ते य भुञ्जिया । बाहुए उदगं भोच्चा तहा नारायणे रिसी ॥ २ ॥ २२६ ॥ आसिले देविले चेव दीवायण महारिसी । पारासरे दगं भोच्चा बीयाणि हरियाणि य ॥ ३ ॥ २२७ ॥ एए पुव्वं महापुरिसा आहिया इह संमया । भोच्चा बीयोदगं सिद्धा इइ मेयमणुस्सुयं ॥ ४ ॥ २२८ ॥ तत्थ मन्दा विसीयन्ति वाहच्छिन्ना व गद्दभा । पिट्ठओ परिसप्पन्ति पिट्ठसप्पी य संभमे ॥ ५ ॥ २२९ ॥ इहमेगे उ भासन्ति सायं साएण विज्जई । जे तत्थ आरियं मग्गं परमं च समाहियं ॥ ६ ॥ २३० ॥ मा एयं अवमन्नन्ता अप्पेणं लुम्पहा बहुं । एयस्स उ अमोक्खाए अयोहारि व्व जूरह ॥ ७ ॥ २३१ ॥ पाणाइवाए वट्टन्ता मुसावाए असंजया । अदिन्नादाणे वट्टन्ता मेहुणे य परिग्गहे ॥ ८ ॥ २३२ ॥ एवमेगे उ पासत्था पन्नवन्ति अणारिया । इत्थीवसं गया बाला जिणसासणपरंमुहा ॥ ९ ॥ २३३ ॥ जहा गण्डं पिलागं वा परिपीलेज्ज मुहुत्तगं । एवं विन्नवणित्थीसु

दोसो तत्थ कओ सिया ॥ १० ॥ २३४ ॥ जहा मन्धादणे नाम थिमियं भुञ्जई दगं। एवं विन्नवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ॥ ११ ॥ २३५ ॥ जहा विहंगमा पिङ्गा थिमियं भुञ्जई दगं। एवं विन्नवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ॥ १२ ॥ २३६ ॥ एवमेगे उ पासत्था मिच्छदिट्ठी अणारिया। अज्झोववन्ना कामेहिं पूयणा इव तरुणए ॥ १३ ॥ २३७ ॥ अणागयमपस्सन्ता पच्चुप्पन्नगवेसगा। ते पच्छा परितप्पंति खीणे आउम्मि जोव्वणे ॥ १४ ॥ २३८ ॥ जेहिं काले परिक्कन्तं न पच्छा परितप्पए। ते धीरा बंधणुम्मुक्का नावकंखन्ति जीवियं ॥ १५ ॥ २३९ ॥ जहा नई वेयरणी दुत्तरा इह संमया। एवं लोगंसि नारीओ दुत्तरा अमईमया ॥१६॥२४०॥ जेहिं नारीण संजोगा पूयणा पिट्ठओ कया। सव्वमेयं निराकिच्चा ते ठिया सुसमाहिए ॥ १७ ॥ २४१ ॥ एए ओघं तरिस्सन्ति समुद्दं ववहारिणो। जत्थ पाणा विसन्नासि किच्चन्ती सयकम्मुणा ॥ १८ ॥ २४२ ॥ तं च भिक्खू परिन्नाय सुव्वए समिए चरे। मुसावायं च वज्जिज्जा अदिन्नादाणं च वोसिरे ॥ १९ ॥ २४३ ॥ उड्ढमहे तिरियं वा जे केई तसथावरा। सव्वत्थ विरइं कुज्जा सन्ति निव्वाणमाहियं ॥ २० ॥ २४४ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं। कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २१ ॥ २४५ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिनिव्वुडे। उवसग्गे नियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ २४६ ॥ त्ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणं तइयं ॥**

इत्थिपरिन्नज्झयणे चउत्थे

जे मायरं च पियरं च विप्पजहाय पुव्वसंजोगं। एगे सहिए चरिस्सामि आरयमेहुणो विवित्तेसु ॥ १ ॥ २४७ ॥ सुहुमेणं तं परिक्कम्म छन्नपएण इत्थिओ मन्दा। उव्वायं पि ताउ जाणंसु जहा लिस्सन्ति भिक्खुणो एगे ॥ २ ॥ २४८ ॥ पासे भिसं निसीयन्ति अभिक्खणं पोसवत्थं परिहिन्ति। कायं अहे वि दंसन्ति बाहू उद्धट्टु कक्खमणुव्वए ॥ ३ ॥ २४९ ॥ सयणासणेहिं जोगेहिं इत्थियो एगया निमन्तेन्ति। एयाणि चेव से जाणे पासाणि विरूवरूवाणि ॥ ४ ॥ २५० ॥ नो तासु चक्खु संधेज्जा नो वि य साहसं समभिजाणे। नो सहियं पि विहरेज्जा एवमप्पा सुरक्खिओ होइ ॥ ५ ॥ २५१ ॥ आमन्तिय उस्सविया भिक्खुं आयसा निमन्तेन्ति। एयाणि चेव से जाणे सद्दाणि विरूवरूवाणि ॥ ६ ॥ २५२ ॥ मणबन्धणेहिं णेगेहिं कलुणविणीयमुवगसित्ताणं। अदु मञ्जुलाइँ भासन्ति आणवयन्ति भिन्नकहाहिं ॥ ७ ॥ २५३ ॥

सीहं जहा व कुणिमेणं निब्भयमेगचरं ति पासेणं। एवित्थियाउ बन्धन्ति संवुडं एगइयमणगारं ॥ ८ ॥ २५४ ॥ अह तत्थ पुणो नमयन्ती रहकारो व नेमिं आणुपुव्वीए। बद्धो मिए व पासेणं फन्दन्ते वि न मुच्चए ताहे ॥ ९ ॥ २५५ ॥ अह सेऽणुतप्पई पच्छा भोच्चा पायसं व विसमिस्सं। एवं विवेगमायाय संवासो न वि कप्पए दविए ॥ १० ॥ २५६ ॥ तम्हा उ वज्जए इत्थी विसलित्तं व कण्टगं नच्चा। ओए कुलाणि वसवत्ती आघाए न से वि निग्गन्थे ॥ ११ ॥ २५७ ॥ जे एयं उञ्छं अणुगिद्धा अन्नयरा होन्ति कुसीलाणं। सुतवस्सिए वि से भिक्खू नो विहरे सह णमित्थीसु ॥ १२॥ २५८ ॥ अवि धूयराहि सुण्हाहिं धाईहिं अदुव दासीहिं। महईहि वा कुमारीहिं संथवं से न कुज्जा अणगारे ॥ १३ ॥ २५९ ॥ अदु नाइणं च सुहीणं वा अप्पियं दट्ठु एगया होइ। गिद्धा सत्ता कामेहिं रक्खणपोसणे मणुस्सोऽसि ॥ १४ ॥ ॥ २६० ॥ समणं पि दट्ठुदासीणं तत्थ वि ताव एगे कुप्पन्ति। अदु वा भोयणेहिं नत्थेहिं इत्थीदोसं संकिणो होन्ति ॥ १५ ॥ २६१ ॥ कुव्वन्ति संथवं ताहिं पब्भट्ठा समाहिजोगेहिं। तम्हा समणा न समेन्ति आयहियाए संनिसेज्जाओ ॥१६॥२६२॥ बहवे गिहाइँ अवहट्टु मिस्सीभावं पत्थुया य एगे। धुवमग्गमेव पवयन्ति वायावीरियं कुसीलाणं ॥ १७ ॥ २६३ ॥ सुद्धं रवइ परिसाए अह रहस्सम्मि दुक्कडं करेन्ति। जाणन्ति य णं तहाविऊ माइल्ले महासढेऽयं ति ॥ १८ ॥ २६४ ॥ सयं दुक्कडं च न वयइ आइट्ठो वि पकत्थइ बाले। वेयाणुवीइ मा कासी चोइज्जन्तो गिलाइ से भुज्जो ॥ १९ ॥ २६५ ॥ ओसिया वि इत्थिपोसेसु पुरिसा इत्थिवेयखेयन्ना। पन्नासमन्निया वेगे नारीणं वसं उवकसन्ति ॥ २० ॥ २६६ ॥ अवि हत्थपायछेयाए अदु वा वद्धमंसउक्कन्ते। अवि तेयसाभितावणाणि तच्छिय खारसिंचणाइँ य ॥२१॥२६७॥ अदु कण्णनासछेयं कण्ठच्छेयणं तिइक्खन्ती। इइ एत्थ पावसंतत्ता न वेन्ति पुणो न काहिन्ति ॥ २२ ॥ २६८ ॥ सुयमेयमेवमेगेसिं इत्थीवेय त्ति हु सुयक्खायं। एयं पि ता वइत्ताणं अदु वा कम्मुणा अवकरेन्ति ॥ २३ ॥ २६९ ॥ अन्नं मणेण चिन्तेन्ति वाया अन्नं च कम्मुणा अन्नं। तम्हा न सद्दहे भिक्खू बहुमायाओ इत्थिओ नच्चा ॥ २४ ॥ २७० ॥ जुवई समणं बूया विचित्तलंकारवत्थगाणि परिहित्ता। विरया चरिस्सहं रुक्खं धम्ममाइक्ख णे भयन्तारो ॥ २५ ॥ २७१ ॥ अदु साविया पवाएणं अहमंसि साहम्मिणी य समणाणं। जउकुम्भे जहा उवज्जोई संवासे विऊ विसीएज्जा ॥ २६ ॥ २७२ ॥ जउकुम्भे जोइउवगूढे आसुभितत्ते नासमुवयाइ। एवित्थियाहि अणगारा संवासेण नासमुवयन्ति ॥ २७ ॥ २७३ ॥ कुव्वन्ति पावगं कम्मं पुट्ठा वेगेवमाहिंसु। नो हं करेमि पावं ति अंकेसाइणी ममेस त्ति ॥२८॥२७४॥

वालस्स मन्दयं बीयं जं च कडं अवजाणइ भुज्जो । दुगुणं करेइ से पावं पूयणकामो विसन्नेसी ॥ २९ ॥ २७५ ॥ संलोकणिज्जमणगारं आयगयं निमन्तणेणाहंसु । वत्थं च ताइ पायं वा अन्नं पाणगं पडिग्गाहे ॥ ३० ॥ २७६ ॥ नीवारमेवं वुज्झेज्जा नो इच्छे अगारमागन्तुं । बद्धे विसयपासेहिं मोहमावज्जइ पुणो मन्दे ॥ ३१ ॥ २७७ ॥ त्ति बेमि ॥ **इत्थिपरिन्नज्झयणे पढमुद्देसे ॥**

ओए सया न रज्जेज्जा भोगकामी पुणो विरज्जेज्जा । भोगे समणाण सुणेह जह भुञ्जन्ति भिक्खुणो एगे ॥ १ ॥ २७८ ॥ अह तं तु भेयमावन्नं मुच्छियं भिक्खुं काममइवट्टं । पलिभिन्दिया णं तो पच्छा पादुद्धट्टु मुद्धि पहणन्ति ॥ २ ॥ २७९ ॥ जइ केसिया णं मए भिक्खु नो विहरे सह णमित्थीए । केसाणवि हं लुञ्चिस्सं नन्नत्थ मए चरेज्जासि ॥ ३ ॥ २८० ॥ अह णं से होइ उवलद्धो तो पेसन्ति तहाभूएहिं । अलाउच्छेयं पेहेहि वग्गुफलाइं आहराहि त्ति ॥ ४ ॥ २८१ ॥ दारूणि सागपागाए पज्जोओ वा भविस्सई राओ । पायाणि य मे रयावेहि एहि ता मे पिट्ठओमद्दे ॥५॥ ॥ २८२ ॥ वत्थाणि य मे पडिलेहेहि अन्नं पाणं च आहराहि त्ति । गन्धं च रओहरणं च कासवगं च मे समणुजाणाहि ॥ ६ ॥ २८३ ॥ अदु अञ्जणिं अलंकारं कुक्कययं मे पयच्छाहि । लोद्धं च लोद्धकुसुमं च वेणुपलासियं च गुलियं च ॥ ७ ॥ ॥ २८४ ॥ कुट्ठं तगरं च अगरुं संपिट्ठं सम्मं उसिरेणं । तेल्लं मुहभिंजाए वेणुफलाइं संनिहाणाए ॥ ८ ॥ २८५ ॥ नन्दीचुण्णगाइं पाहराहि छत्तोवाणहं च जाणाहि । सत्थं च सूवच्छेज्जाए आणीलं च वत्थयं रयावेहि ॥ ९ ॥ २८६ ॥ सुफणिं च सागपागाए आमलगाइं दगाहरणं च । तिलगकरणिमञ्जणसलागं घिंसु मे विहूणयं विजाणेहि ॥ १० ॥ २८७ ॥ संडासगं च फणिहं च सीहलिपासगं च आणाहि । आदंसगं च पयच्छाहि दन्तपक्खालणं पवेसाहि ॥११॥२८८॥ पूगफलं तंबोल्यं सूई सुत्तगं च जाणाहि । कोसं च मोयमेहाए सुप्पुक्खलगं च खारगालणं च ॥ १२ ॥ ॥ २८९ ॥ चन्दालगं च करगं च वच्चघरं च आउसो खणाहि । सरपाययं च जायाए गोरहगं च सामणेराए ॥ १३ ॥ २९० ॥ घडिगं च सडिण्डिमयं च चेलगोलं कुमारभूयाए । वासं समभिआवण्णं आवसहं च जाण भत्तं च ॥ १४ ॥ २९१ ॥ आसन्दियं च नवसुत्तं पाउल्लाइं संकमट्ठाए । अदु पुत्तदोहलट्ठाए आणप्पा हवन्ति दासा वा ॥ १५ ॥ २९२ ॥ जाए फले समुप्पन्ने गेण्हसु वा णं अहवा जहाहि । अह पुत्तपोसिणो एगे भारवहा हवन्ति उट्टा वा ॥ १६ ॥ २९३ ॥ राओ वि उट्ठिया सन्ता दारगं च संठवन्ति धाई वा । सुहिरामणा वि ते सन्ता वत्थधोवा हवन्ति हंसा वा ॥ १७ ॥ २९४ ॥ एवं बहुहिं कयपुव्वं भोगत्थाए जेऽभियावन्ना ।

दासे मिए व पेसे व पसुभूए वा से न वा केई ॥ १८ ॥ २९५ ॥ एवं खु तासु विन्नप्पं संथवं संवासं च वज्जेज्जा । तज्जातिया इमे कामा वज्जकरा य एवमक्खाए ॥ १९ ॥ २९६ ॥ एयं भयं न सेयाए इइ से अप्पगं निरुम्भित्ता । नो इत्थिं नो पसुं भिक्खु नो सयं पाणिणा निलिज्जेज्जा ॥ २० ॥ २९७ ॥ सुविसुद्धलेसे मेहावी परकिरियं च वज्जए नाणी । मणसा वयसा काएणं सव्वफाससहे अणगारे ॥ २१ ॥ ॥ २९८ ॥ इच्चेवमाहु से वीरे धुयरए धुयमोहे से भिक्खु । तम्हा अज्झत्तविसुद्धे सुविमुक्के आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ २९९ ॥ त्ति बेमि ॥ **इत्थिपरिन्नज्झयणं चउत्थं ॥**

निरयविभत्तियज्झयणे पञ्चमे

पुच्छिस्सहं केवलियं महेसिं कहं भितावा नरगा पुरत्था । अजाणओ मे मुणि बूहि जाणं कहिं नु बाला नरगं उवेन्ति ॥ १ ॥ ३०० ॥ एवं मए पुट्ठे महाणुभावे इणमोऽब्बवी कासवे आसुपन्ने । पवेयइस्सं दुहमट्ठदुग्गं आईणियं दुक्कडिणं पुरत्था ॥ २ ॥ ३०१ ॥ जे केइ बाला इह जीवियट्ठी पावाइँ कम्माइँ करेन्ति रुद्दा । ते घोररूवे तमिसन्धयारे तिव्वाभितावे नरगे पडन्ति ॥ ३ ॥ ३०२ ॥ तिव्वं तसे पाणिणो थावरे य जे हिंसई आयसुहं पडुच्चा । जे लूसए होइ अदत्तहारी न सिक्खई सेयवियस्स किंचि ॥ ४ ॥ ३०३ ॥ पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई अनिव्वुए घायमुवेइ बाले । निहो निसं गच्छइ अन्तकाले अहोसिरं कट्टु उवेइ दुग्गं ॥ ५ ॥ ३०४ ॥ हण छिन्दह भिन्दह णं दहेति सद्दे सुणेन्ता परधम्मियाणं । ते नारगाओ भयभिन्नसन्ना कंखन्ति कं नाम दिसं वयामो ॥ ६ ॥ ३०५ ॥ इङ्गालरासिं जलियं सजोइं तत्तोवमं भूमिमणुक्कमन्ता । ते डज्झमाणा कलुणं थणन्ति अरहस्सरा तत्थ चिरट्ठिईया ॥ ७ ॥ ३०६ ॥ जइ ते सुया वेयरणी भिदुग्गा निसिओ जहा खुर इव तिक्खसोया । तरन्ति ते वेयरणिं भिदुग्गं उसुचोइया सत्तिसु हम्ममाणा ॥ ८ ॥ ॥ ३०७ ॥ कीलेहि विज्झन्ति असाहुकम्मा नावं उवेन्ते सइविप्पहूणा । अन्ने उ सूलाहि तिसूलियाहिं दीहाहि विद्धूण अहे करेन्ति ॥ ९ ॥ ३०८ ॥ केसिं च बन्धित्तु गले सिलाओ उदगंसि बोलेन्ति महालयंसि । कलंबुयावालुयमुम्मुरे य लोलन्ति पयन्ति य तत्थ अन्ने ॥ १० ॥ ३०९ ॥ आसूरियं नाम महाभितावं अन्धंतमं दुप्पतरं महन्तं । उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु समाहिओ जत्थगणी झियाइ ॥ ११ ॥ ३१० ॥ जंसी गुहाए जलणेऽतिउट्टे अविजाणओ डज्झइ लुत्तपन्नो । सया य कलुणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं ॥ १२ ॥ ३११ ॥ चत्तारि

हन्ति। रहंसि जुत्तं सरयन्ति बालं आरुस्स विज्झन्ति तुदेण पिट्ठे ॥ ३ ॥ ३२९ ॥ अयं व तत्तं जलियं सजोइ तऊवमं भूमिमणुक्कमन्ता। ते डज्झमाणा कलुणं थणन्ति उसुचोइया तत्तजुगेसु जुत्ता ॥ ४ ॥ ३३० ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमन्ता पविज्जलं लोहपहं च तत्तं। जंसी भिदुग्गंसि पवज्जमाणा पेसे व दण्डेहि पुरा करेन्ति ॥ ५ ॥ ॥ ३३१ ॥ ते संपगाढंसि पवज्जमाणा सिलाहि हम्मन्ति निपातिणीहिं। संतावणी नाम चिरट्ठिईया संतप्पई जत्थ असाहुकम्मा ॥ ६ ॥ ३३२ ॥ कन्दूसु पक्खिप्प पयन्ति बालं तओ वि दड्ढा पुण उप्पयन्ति। ते उड्ढकाएहि पखज्जमाणा अवरेहि खज्जंन्ति सणप्फएहिं ॥ ७ ॥ ३३३ ॥ समूसियं नाम विधूमठाणं जं सोयतत्ता कलुणं थणन्ति। अहोसिरं कट्टु विगत्तिऊणं अयं व सत्थेहि समोसवेन्ति ॥ ८ ॥ ॥ ३३४ ॥ समूसिया तत्थ विसूणियंगा पक्खीहि खज्जन्ति अयोमुहेहिं। संजीवणी नाम चिरट्ठिईया जंसी पया हम्मइ पावचेया ॥ ९ ॥ ३३५ ॥ तिक्खाहि सूलाहि निवाययन्ति वसोगयं सावययं व लद्धं। ते सूलविद्धा कलुणं थणन्ति एगन्तदुक्खं दुहओ गिलाणा ॥ १० ॥ ३३६ ॥ सया जलं नाम निहं महन्तं जंसी जलन्तो अगणी अकट्ठो। चिट्ठन्ति बद्धा बहुकूरकम्मा अरहस्सरा केइ चिरट्ठिईया ॥ ११ ॥ ॥ ३३७ ॥ चिया महन्तीउ समारभित्ता छुब्भन्ति ते तं कलुणं रसन्ति। आवट्टई तत्थ असाहुकम्मा सप्पी जहा पडियं जोइमज्झे ॥ १२ ॥ ३३८ ॥ सया कसिणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं। हत्थेहि पाएहि य बन्धिऊणं सत्तुव्वदण्डेहि समारभन्ति ॥ १३ ॥ ३३९ ॥ भञ्जन्ति बालस्स वहेण पुट्ठी सीसं पि भिन्दन्ति अयोघणेहिं। ते भिन्नदेहा फलगं व तच्छा तत्ताहि आराहि नियोजयन्ति ॥ १४ ॥ ३४० ॥ अभिजुंजिया रुद्द असाहुकम्मा उसुचोइया हत्थिवहं वहन्ति। एगं दुरुहित्तु दुवे तओ वा आरुस्स विज्झन्ति ककाणओ से ॥ १५ ॥ ३४१ ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमन्ता पविज्जलं कण्टइलं महन्तं। विबद्धतप्पेहि विवण्णचित्ते समीरिया कोट्टबलिं करेन्ति ॥ १६ ॥ ३४२ ॥ वेयालिए नाम महाभितावे एगायए पव्वयमन्तलिक्खे। हम्मन्ति तत्था बहुकूरकम्मा परं सहस्साण मुहुत्तगाणं ॥ १७ ॥ ॥ ३४३ ॥ संबाहिया दुक्कडिणो थणन्ति अहो य राओ परितप्पमाणा। एगन्तकूडे नरगे महन्ते कूडेण तत्था विसमे हया उ ॥ १८ ॥ ३४४ ॥ भञ्जन्ति णं पुव्वमरी सरोसं समुग्गरे ते मुसले गहेउं। ते भिन्नदेहा रुहिरं वमन्ता ओमुद्धगा धरणितले पडन्ति ॥ १९ ॥ ३४५ ॥ अणासिया नाम महासियाला पागब्भिणो तत्थ सयायकोवा। खज्जन्ति तत्था बहुकूरकम्मा अदूरगा संकलियाहि बद्धा ॥ २० ॥ ॥ ३४६ ॥ सयाजला नाम नई भिदुग्गा पविज्जलं लोहविलीणतत्ता। जंसी भिद्-

गंसि पवज्जमाणा एगायतताणुक्कमणं करेन्ति ॥ २१ ॥ ३४७ ॥ एयाइँ फासाइँ फुसन्ति बालं निरन्तरं तत्थ चिरट्ठिईयं । न हम्ममाणस्स उ होइ ताणं एगो सयं पच्चणुहोइ दुक्खं ॥ २२ ॥ ३४८ ॥ जं जारिसं पुव्वमकासि कम्मं तमेव आगच्छइ संपराए । एगन्तदुक्खं भवमज्जणित्ता वेयन्ति दुक्खी तमणन्तदुक्खं ॥ २३ ॥ ॥ ३४९ ॥ एयाणि सोच्चा नरगाणि धीरे न हिंसए किंचण सव्वलोए । एगन्तदिट्ठी अपरिग्गहे उ बुज्झिज्ज लोगस्स वसं न गच्छे ॥ २४ ॥ ३५० ॥ एवं तिरिक्खे मणुयामरेसुं चउरन्तणन्तं तयणुव्विवागं । स सव्वमेयं इइ वेयइत्ता कंखेज्ज कालं धुयमायरेज्ज ॥ २५ ॥ ३५१ ॥ त्ति बेमि ॥ **निरयविभत्तियज्झयणं पञ्चमं ॥**

सिरिवीरत्थुइयज्झयणे छट्ठे

पुच्छिस्सु णं समणा माहणा य अगारिणो या परतित्थिया य । से केइ नेगंतहियं धम्ममाहु अणेलिसं साहुसमिक्खयाए ॥ १ ॥ ३५२ ॥ कहं च नाणं कह दंसणं से सीलं कहं नायसुयस्स आसि । जाणासि णं भिक्खु जहातहेणं अहासुयं बूहि जहा निसन्तं ॥ २ ॥ ३५३ ॥ खेयन्नए से कुसलासुपन्ने अणन्तनाणी य अणन्तदंसी । जसंसिणो चक्खुपहे ठियस्स जाणाहि धम्मं च धिइं च पेहि ॥ ३ ॥ ३५४ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । से निच्चनिच्चेहि समिक्ख पन्ने दीवे व धम्मं समियं उदाहु ॥ ४ ॥ ३५५ ॥ से सव्वदंसी अभिभूयनाणी निरामगन्धे धिइमं ठियप्पा । अणुत्तरे सव्वजगंसि विज्जं गन्था अईए अभए अणाऊ ॥ ५ ॥ ३५६ ॥ से भूइपन्ने अणिएअचारी ओहंतरे धीरे अणन्तचक्खू । अणुत्तरं तप्पइ सूरिए वा वइरोयणिन्दे व तमं पगासे ॥ ६ ॥ ३५७ ॥ अणुत्तरं धम्ममिणं जिणाणं नेया मुणी कासव आसुपन्ने । इन्दे व देवाण महाणुभावे सहस्सणेया दिवि णं विसिट्ठे ॥ ७ ॥ ३५८ ॥ से पन्नया अक्खयसागरे वा महोदही वा वि अणन्तपारे । अणाविले वा अकसाइ मुक्के सक्के व देवाहिवई जुईमं ॥ ८ ॥ ३५९ ॥ से वीरिएणं पडिपुण्णवीरिए सुदंसणे वा नगसव्वसेट्ठे । सुरालए वा सि मुदागरे से विरायए नेगगुणोववेए ॥ ९ ॥ ३६० ॥ सयं सहस्साण उ जोयणाणं तिकण्डगे पण्डगवेजयन्ते । से जोयणे नवनवते सहस्से उद्धुस्सियो हेट्ठ सहस्समेगं ॥ १० ॥ ॥ ३६१ ॥ पुट्ठे नभे चिट्ठइ भूमिवट्ठिए जं सूरिया अणुपरिवट्टयन्ति । से हेमवण्णे बहुनन्दणे य जंसी रइं वेययई महिन्दा ॥ ११ ॥ ३६२ ॥ से पव्वए सद्दमहप्पगासे विरायई कञ्चणमट्ठवण्णे । अणुत्तरे गिरिसु य पव्वदुग्गे गिरीवरे से जलिए व भोमे

॥ १२ ॥ ३६३ ॥ महीइ मज्झम्मि ठिए नगिन्दे पन्नायए सूरियसुद्धलेसे । एवं सिरीए उ स भूरिवण्णे मणोरमे जोयइ अच्चिमाली ॥ १३ ॥ ३६४ ॥ सुदंसणस्सेव जसो गिरिस्स पवुच्चई महओ पव्वयस्स । एओवमे समणे नायपुत्ते जाईजसोदंसण-नाणसीले ॥ १४ ॥ ३६५ ॥ गिरीवरे वा निसहाययाणं रुयए व सेट्ठे वलयायययाणं । तओवमे से जगभूइपन्ने मुणीण मज्झे तमुदाहु पन्ने ॥ १५ ॥ ३६६ ॥ अणुत्तरं धम्ममुईरइत्ता अणुत्तरं झाणवरं झियाइ । सुसुक्कसुक्कं अपगण्डसुक्कं संखिन्दुएगन्तव-दायसुक्कं ॥ १६ ॥ ३६७ ॥ अणुत्तरग्गं परमं महेसी असेसकम्मं स विसोहइत्ता । सिद्धिं गए साइमणन्तपत्ते नाणेण सीलेण य दंसणेण ॥ १७ ॥ ३६८ ॥ रुक्खेसु णाए जह सामली वा जस्सिं रइं वेययई सुवण्णा । वणेसु वा नन्दणमाहु सेट्ठं नाणेण सीलेण य भूइपन्ने ॥ १८ ॥ ३६९ ॥ थणियं व सद्दाण अणुत्तरे उ चन्दो व ताराण महाणुभावे । गन्धेसु वा चन्दणमाहु सेट्ठं एवं मुणीणं अपडिन्नमाहु ॥१९॥३७०॥ जहा सयंभू उदहीण सेट्ठे नागेसु वा धरणिन्दमाहु सेट्ठं । खोओदए वा रस वेजयन्ते तवोवहाणे मुणि वेजयन्ते ॥ २० ॥ ३७१ ॥ हत्थीसु एरावणमाहु नाए सीहो मिगाणं सलिलाण गङ्गा । पक्खीसु वा गरुले वेणुदेवो निव्वाणवादीणिह नायपुत्ते ॥ २१ ॥ ॥ ३७२ ॥ जोहेसु नाए जह वीससेणे पुप्फेसु वा जह अरविन्दमाहु । खत्तीण सेट्ठे जह दन्तवक्के इसीण सेट्ठे तह वद्धमाणे ॥ २२ ॥ ३७३ ॥ दाणाण सेट्ठं अभयप्प-याणं सच्चेसु वा अणवज्जं वयन्ति । तवेसु वा उत्तमं बम्भचेरं लोगुत्तमे समणे नाय-पुत्ते ॥ २३ ॥ ३७४ ॥ ठिईण सेट्ठा लवसत्तमा वा सभा सुहम्मा व सभाण सेट्ठा । निव्वाणसेट्ठा जह सव्वधम्मा न नायपुत्ता परमत्थि नाणी ॥ २४ ॥ ३७५ ॥ पुढोवमे धुणइ विगयगेही न संनिहिं कुव्वइ आसुपन्ने । तरिउं समुद्दं व महाभवोघं अभयंकरे वीर अणन्तचक्खू ॥ २५ ॥ ३७६ ॥ कोहं च माणं च तहेव मायं लोभं चउत्थं अज्झत्तदोसा । एयाणि वन्ता अरहा महेसी न कुव्वई पाव न कारवेइ ॥ २६ ॥ ३७७ ॥ किरियाकिरियं वेणइयाणुवायं अन्नाणियाणं पडियच्च ठाणं । से सव्ववायं इइ वेयइत्ता उवट्ठिए संजमदीहरायं ॥ २७ ॥ ३७८ ॥ से वारिया इत्थि सराइभत्तं उवहाणवं दुक्खखयट्ठयाए । लोगं विदित्ता आरं परं च सव्वं पभू वारिय सव्ववारं ॥ २८ ॥ ३७९ ॥ सोचा य धम्मं अरहन्तभासियं समाहियं अट्ठपदोव-सुद्धं । तं सद्दहाणा य जणा अणाऊ इन्दा व देवाहिव आगमिस्सन्ति ॥२९॥३८०॥ त्ति बेमि ॥ **सिरिवीरत्थुइज्झयणं छट्ठं** ॥

कुसीलपरिभासियज्झयणे सत्तमे

पुढवी य आऊ अगणी य वाऊ तण रुक्ख बीया य तसा य पाणा । जे अण्डया जे य जराउ पाणा संसेयया जे रसयाभिहाणा ॥ १ ॥ ३८१ ॥ एयाइँ कायाइँ पवेइयाइं एएसु जाणे पडिलेह सायं । एएण काएण य आयदण्डे एएसु या विप्परियासुवेन्ति ॥ २ ॥ ३८२ ॥ जाईपहं अणुपरिवट्टमाणे तसथावरेहिं विणिघायमेइ । से जाइ जाइं बहुकूरकम्मे जं कुव्वई मिज्जइ तेण बाले ॥ ३ ॥ ३८३ ॥ अस्सिं च लोए अदु वा परत्था सयग्गसो वा तह अन्नहा वा । संसारमावन्न परं परं ते बन्धन्ति वेयन्ति य दुन्नियाणि ॥ ४ ॥ ३८४ ॥ जे मायरं वा पियरं च हिच्चा समणव्वए अगणिं समारभिज्जा । अहाहु से लोएँ कुसीलधम्मे भूयाइँ जे हिंसइ आयसाए ॥५॥ ॥ ३८५ ॥ उज्जालओ पाण निवायएज्जा निव्वावओ अगणिँ निवायवेज्जा । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं न पण्डिए अगणिँ समारभिज्जा ॥ ६ ॥ ३८६ ॥ पुढवी वि जीवा आऊ वि जीवा पाणा य संपाइम संपयन्ति । संसेयया कट्ठसमस्सिया य एए दहे अगणिं समारभन्ते ॥ ७ ॥ ३८७ ॥ हरियाणि भूयाणि विलम्बगाणि आहार देहा य पुढो सियाइ । जे छिन्दई आयसुहं पडुच्च पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई ॥ ८ ॥ ३८८ ॥ जाइं च वुड्ढिं च विणासयन्ते बीयाइ अस्संजय आयदण्डे । अहाहु से लोएँ अणज्जधम्मे बीयाइ से हिंसइ आयसाए ॥ ९ ॥ ३८९ ॥ गब्भाइ मिज्जन्ति बुयाबुयाणा नरा परे पञ्चसिहा कुमारा । जुवाणगा मज्झिम थेरगा य चयन्ति ते आउखए पलीणा ॥ १० ॥ ३९० ॥ संबुज्झहा जन्तवो माणुसत्तं दट्ठुं भयं बालिसेणं अलम्भो । एगन्तदुक्खे जरिए व लोए सकम्मुणा विप्परियासुवेइ ॥ ११ ॥ ३९१ ॥ इहेग मूढा पवयन्ति मोक्खं आहारसंपज्जणवज्जणेणं । एगे य सीओदगसेवणेणं हुएण एगे पवयन्ति मोक्खं ॥ १२ ॥ ३९२ ॥ पाओसिणाणाइसु नत्थि मोक्खो खारस्स लोणस्स अणासणेणं । ते **मज्जमंसं लसुणं** च भोच्चा अन्नत्थ वासं परिकप्पयन्ति ॥ १३ ॥ ३९३ ॥ उदगेण जे सिद्धिमुदाहरन्ति सायं च पायं उदगं फुसन्ता । उदगस्स फासेण सिया य सिद्धी सिज्झिंसु पाणा बहवे दगंसि ॥ १४ ॥ ३९४ ॥ मच्छा य कुम्मा य सिरीसिवा य मग्गू य उट्टा दगरक्खसा य । अट्ठाणमेयं कुसला वयन्ति उदगेण जे सिद्धिमुदाहरन्ति ॥ १५ ॥ ३९५ ॥ उदगं जई कम्ममलं हरेज्जा एवं सुहं इच्छामित्तमेव । अन्धं व नेयारमणुस्सरित्ता पाणाणि चेवं विणिहन्ति मन्दा ॥ १६ ॥ ३९६ ॥ पावाइँ कम्माइँ पकुव्वओ हि सिओदगं ऊ जइ तं हरेज्जा । सिज्झिंसु एगे दगसत्तघाई मुसं वयन्ते जलसिद्धिमाहु ॥ १७ ॥ ॥ ३९७ ॥ हुएण जे सिद्धिमुदाहरन्ति सायं च पायं अगणिं फुसन्ता । एवं सिया

सिद्धि हवेज्ज तम्हा अगणिं फुसन्ताण कुकम्मिणं पि ॥ १८ ॥ ३९८ ॥ अपरिक्ख दिट्ठं न हु एव सिद्धी एहिन्ति ते घायमबुज्झमाणा । भूएहि जाणं पडिलेह सायं विज्जं गहायं तसथावरेहिं ॥ १९ ॥ ३९९ ॥ थणन्ति लुप्पन्ति तसन्ति कम्मी पुढो जगा परिसंखाय भिक्खू । तम्हा विऊ विरओ आयगुत्ते दट्ठुं तसे या पडिसंहरेज्जा ॥ २० ॥ ४०० ॥ जे धम्मलद्धं विणिहाय भुञ्जे वियडेण साहट्टु य जे सिणाइं । जे धोवई लूसयई व वत्थं अहाहु ते नागणियस्स दूरे ॥ २१ ॥ ४०१ ॥ कम्मं परिन्नाय दगंसि धीरे वियडेण जीवेज्ज य आदिमोक्खं । से बीयकन्दाइ अभुञ्जमाणे विरए सिणाणाइसु इत्थियासु ॥ २२ ॥ ४०२ ॥ जे मायरं च पियरं च हिच्चा गारं तहा पुत्तपसुं धणं च । कुलाइँ जे धावइ साउगाइं अहाहु से सामणियस्स दूरे ॥ २३ ॥ ॥ ४०३ ॥ कुलाइँ जे धावइ साउगाइं आघाइ धम्मं उयराणुगिद्धे । अहाहु से आयरियाण सयंसे जे लावएज्जा असणस्स हेऊ ॥ २४ ॥ ४०४ ॥ निक्खम्म दीणे परभोयणम्मि मुहमङ्गलीए उयराणुगिद्धे । नीवारगिद्धे व महावराहे अदूरए एहिइ घायमेव ॥ २५ ॥ ४०५ ॥ अन्नस्स पाणस्सिहलोइयस्स अणुप्पियं भासइ सेवमाणे । पासत्थयं चेव कुसीलयं च निस्सारए होइ जहा पुलाए ॥ २६ ॥ ४०६ ॥ अन्नाय-पिण्डेण हियासएज्जा नो पूयणं तवसा आवहेज्जा । सद्देहि रूवेहि असज्जमाणं सव्वेहिं कामेहिं विणीय गेहिं ॥ २७ ॥ ४०७ ॥ सव्वाइँ संगाइँ अइच्च धीरे सव्वाइँ दुक्खाइं तितिक्खमाणे । अखिले अगिद्धे अणिएयचारी अभयंकरे भिक्खु अणाविलप्पा ॥ २८ ॥ ४०८ ॥ भारस्स जाआ मुणि भुञ्जएज्जा कंखेज्ज पावस्स विवेग भिक्खू । दुक्खेण पुट्ठे धुयमाइएज्जा संगामसीसे व परं दमेज्जा ॥ २९ ॥ ४०९ ॥ अवि हम्ममाणे फलगावतट्ठी समागमं कंखइ अन्तगस्स । निधूय कम्मं न पवञ्चुवेइ अक्खक्खए वा सगडं ति बेमि ॥ ३० ॥ ४१० ॥ **कुसीलपरिभासियज्झयणं सत्तमं ॥**

वीरियज्झयणे अट्ठमे

दुहा वेयं सुयक्खायं वीरियं ति पवुच्चई । किं नु वीरस्स वीरत्तं कहं चेयं पवुच्चई ॥ १ ॥ ४११ ॥ कम्ममेगे पवेदेन्ति अकम्मं वा वि सुव्वया । एएहिं दोहि ठाणेहिं जेहिं दीसन्ति मच्चिया ॥ २ ॥ ४१२ ॥ पमायं कम्ममाहंसु अप्पमायं तहावरं । तब्भावादेसओ वा वि बालं पण्डियमेव वा ॥ ३ ॥ ४१३ ॥ सत्थमेगे तु सिक्खन्ता अइवायाय पाणिणं । एगे मन्ते अहिज्जन्ति पाणभूयविहेडिणो ॥ ४ ॥ ४१४ ॥ मायिणो कट्टु माया य कामभोगे समारभे । हन्ता छेत्ता पगब्भित्ता आयसायाणु-

गामिणो ॥५॥ ४१५॥ मणसा वयसा चेव कायसा चेव अन्तसो । आरओ परओ वा वि दुहा वि य असंजया ॥ ६ ॥ ४१६ ॥ वेराइं कुव्वई वेरी तओ वेरेहिं रज्जई । पावोवगा य आरम्भा दुक्खफासा य अन्तसो ॥ ७ ॥ ४१७ ॥ संपरायं नियच्छन्ति अत्तदुक्कडकारिणो । रागदोसस्सिया वाला पावं कुव्वन्ति ते वहुं ॥ ८ ॥ ४१८ ॥ एवं सकम्मविरियं वालाणं तु पवेइयं । इत्तो अकम्मविरियं पण्डियाणं सुणेह मे ॥ ९ ॥ ॥ ४१९ ॥ दविए वन्धणुम्मुक्के सव्वओ छिन्नवन्धणे । पणोल्ल पावगं कम्मं सल्लं कंतइ अन्तसो ॥ १० ॥ ४२० ॥ नेयाउयं सुयक्खायं उवायाय समीहए । भुज्जो भुज्जो दुहावासं असुहत्तं तहा तहा ॥ ११ ॥ ४२१ ॥ ठाणी विविहठाणाणि चइस्सन्ति न संसओ । अणियए अयं वासे नायएहि सुहीहि य ॥ १२ ॥ ४२२ ॥ एवमायाय मेहावी अप्पणो गिद्धिमुद्धरे । आरियं उवसंपज्जे सव्वधम्ममकोवियं ॥ १३ ॥ ४२३ ॥ सहसंमइए नच्चा धम्मसारं सुणेत्तु वा । समुवट्ठिए उ अणगारे पच्चक्खायपावए ॥ १४ ॥ ४२४ ॥ जं किंचुवक्कमं जाणे आउक्खेमस्स अप्पणो । तस्सेव अन्तरा खिप्पं सिक्खं सिक्खेज्ज पण्डिए ॥ १५ ॥ ४२५ ॥ जहा कुम्मे सअङ्गाइं सए देहे समाहरे । एवं पावाइँ मेहावी अज्झप्पेण समाहरे ॥ १६ ॥ ॥ ४२६ ॥ साहरे हत्थपाए य मणं पञ्चिन्दियाणि य । पावगं च परीणामं भासादोसं च तारिसं ॥ १७ ॥ ४२७ ॥ अणु माणं च मायं च तं परिन्नाय पण्डिए । सायागारवणिहुए उवसन्ते निहे चरे ॥ १८ ॥ ४२८ ॥ पाणे य नाइवाएज्जा अदिन्नं पि य नायए । साइयं न मुसं वूया एस धम्मे वुसीमओ ॥ १९ ॥ ४२९ ॥ अइक्कम्मन्ति वायाए मणसा वि न पत्थए । सव्वओ संवुडे दन्ते आयाणं सुसमाहरे ॥ २० ॥ ४३० ॥ कडं च कज्जमाणं च आगमिस्सं च पावगं । सव्वं तं नाणुजाणन्ति आयगुत्ता जिइन्दिया ॥ २१ ॥ ४३१ ॥ जे याऽवुद्धा महाभागा वीरा असमत्तदंसिणो । असुद्धं तेसिं परक्कन्तं सफलं होइ सव्वसो ॥ २२ ॥ ४३२ ॥ जे य वुद्धा महाभागा वीरा सम्मत्तदंसिणो । सुद्धं तेसिं परक्कन्तं अफलं होइ सव्वसो ॥ २३ ॥ ४३३ ॥ तेसिं पि न तवो सुद्धो निक्खन्ता जे महाकुला । जं नेवन्ने वियाणन्ति न सिलोगं पवेज्जए ॥ २४ ॥ ४३४ ॥ अप्पपिण्डासि पाणासि अप्पं भासेज्ज सुव्वए । खन्ते भिनिव्वुडे दन्ते वीयगिद्धी सया जए ॥ २५ ॥ ४३५ ॥ झाणजोगं समाहट्टु कायं विउसेज्ज सव्वसो । तितिक्खं परमं नच्चा आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २६ ॥ ४३६ ॥ त्ति वेमि ॥ **वीरियज्झयणं अट्ठमं ॥**

धम्मज्झयणे नवमे

१ कयरे धम्मे अक्खाए माहणेण मईमया । अञ्जु धम्मं जहातच्चं जिणाणं तं सुणेह मे ॥ १ ॥ ४३७ ॥ माहणा खत्तिया वेस्सा चण्डाला अदु वोक्कसा । एसिया वेसिया सुद्दा जे य आरम्भनिस्सिया ॥ २ ॥ ४३८ ॥ परिग्गहनिविट्ठाणं पावं तेसिं पवड्ढई । आरम्भसंभिया कामा न ते दुक्खविमोयगा ॥ ३ ॥ ४३९ ॥ आघायकिच्चमाहेउं नाइओ विसएसिणो । अन्ने हरन्ति तं वित्तं कम्मी कम्मेहि किच्चई ॥ ४ ॥ ४४० ॥ माया पिया ण्हुसा भाया भज्जा पुत्ता य ओरसा । नालं ते तव ताणाय लुप्पन्तस्स सकम्मुणा ॥ ५ ॥ ४४१ ॥ एयमट्ठं सपेहाए परमट्ठाणुगामियं । निम्ममो निरहंकारो चरे भिक्खू जिणाहियं ॥ ६ ॥ ४४२ ॥ चिच्चा वित्तं च पुत्ते य नाइओ य परिग्गहं । चिच्चा णँ अन्तगं सोयं निरवेक्खो परिव्वए ॥ ७ ॥ ४४३ ॥ पुढवी अगणी वाऊ तणरुक्ख सबीयगा । अण्डया पोयजराऊ रससंसेयउब्भिया ॥ ८ ॥ ४४४ ॥ एएहिं छहिं काएहिं तं विज्जं परिजाणिया । मणसा कायवक्केणं नारम्भी न परिग्गही ॥ ९ ॥ ४४५ ॥ मुसावायं बहिद्धं च उग्गहं च अजाइया । सत्थादाणाइ लोगंसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ १० ॥ ४४६ ॥ पलिउञ्चणं च भयणं च थण्डिल्लुस्सयणाणि य । धूणादाणाइ लोगंसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ ११ ॥ ४४७ ॥ धोयणं रयणं चेव वत्थीकम्मं विरेयणं । वमणञ्जणपलीमंथं तं विज्जं परिजाणिया ॥ १२ ॥ ४४८ ॥ गन्धमल्लसिणाणं च दन्तपक्खालणं तहा । परिग्गहित्थिकम्मं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १३ ॥ ४४९ ॥ उद्देसियं कीयगडं पामिच्चं चेव आहडं । पूयं अणेसणिज्जं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १४ ॥ ४५० ॥ आसूणिमक्खिरागं च गिद्धुवघायकम्मगं । उच्छोलणं च कक्कं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १५ ॥ ४५१ ॥ संपसारी कयकिरिए पसिणाययणाणि य । सागारियं च पिण्डं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १६ ॥ ४५२ ॥ अट्ठावयं न सिक्खिज्जा वेहाईयं च नो वए । हत्थकम्मं विवायं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १७ ॥ ४५३ ॥ पाणहाओ य छत्तं च नालीयं वालवीयणं । परकिरियं अन्नमन्नं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १८ ॥ ४५४ ॥ उच्चारं पासवणं हरिएसु न करे मुणी । वियडेण वा वि साहट्टु नावमज्जे कयाइ वि ॥ १९ ॥ ४५५ ॥ परमत्ते अन्नपाणं न भुञ्जेज्ज कयाइ वि । परवत्थं अचेलो वि तं विज्जं परिजाणिया ॥ २० ॥ ४५६ ॥ आसन्दी पलियङ्के य निसिज्जं च गिहन्तरे । संपुच्छणं सरणं वा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २१ ॥ ४५७ ॥ जसं कित्तिं सिलोगं च जा य वन्दणपूयणा । सव्वलोगंसि जे कामा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २२ ॥ ४५८ ॥ जेणेहं निव्वहे भिक्खू

अन्नपाणं तहाविहं । अणुप्पयाणमन्नेसिं तं विज्जं परिजाणिया ॥ २३ ॥ ४५९ ॥ एवं उदाहु निग्गन्थे महावीरे महामुणी । अणन्तनाणदंसी से धम्मं, देसितवं सुयं ॥ २४ ॥ ४६० ॥ भासमाणो न भासेज्जा नेव वम्फेज्ज मम्मयं । माइट्ठाणं विवज्जेज्जा अणुचिन्तिय वियागरे ॥ २५ ॥ ४६१ ॥ तत्थिमा तइया भासा जं वइत्ताणुतप्पई । जं छन्नं तं न वत्तव्वं एसा आणा नियण्ठिया ॥ २६ ॥ ४६२ ॥ होलावायं सहीवायं गोयावायं च नो वए । तुमं तुमं ति अमणुन्नं सव्वसो तं न वत्तए ॥ २७ ॥ ४६३ ॥ अकुसीले सया भिक्खू नेव संसग्गियं भए । सुहरूवा तत्थुवस्सग्गा पडिबुज्झेज्ज ते विऊ ॥ २८ ॥ ४६४ ॥ नन्नत्थ अन्तराएणं परगेहे न निसीयए । गामकुमारियं किड्डं नाइवेलं हसे मुणी ॥ २९ ॥ ४६५ ॥ अणुस्सुओ उरालेसु जयमाणो परिव्वए । चरियाए अप्पमत्तो पुट्ठो तत्थ हियासए ॥ ३० ॥ ॥ ४६६ ॥ हम्ममाणो न कुप्पेज्ज वुच्चमाणो न संजले । सुमणे अहियासेज्जा न य कोलाहलं करे ॥ ३१ ॥ ४६७ ॥ लद्धे कामे न पत्थेज्जा विवेगे एवमाहिए । आयरियाइं सिक्खेज्जा गुरूणं अन्तिए सया ॥ ३२ ॥ ४६८ ॥ सुस्सूसमाणो उवासेज्जा सुप्पन्नं सुतवस्सियं । वीरा जे अत्तपन्नेसी धिइमन्ता जिइन्दिया ॥ ३३ ॥ ॥ ४६९ ॥ गिहे दीवमपासन्ता पुरिसादाणिया नरा । ते वीरा बन्धणुम्मुक्का नावकंखन्ति जीवियं ॥ ३४ ॥ ४७० ॥ अगिद्धे सद्दफासेसु आरम्भेसु अनिस्सिए । सव्वं तं समयातीयं जमेयं लवियं बहु ॥ ३५ ॥ ४७१ ॥ अइमाणं च मायं च तं परिन्नाय पण्डिए । गारवाणि य सव्वाणि निव्वाणं संधए मुणि ॥ ३६ ॥ ४७२ ॥ त्ति बेमि ॥ **धम्मज्झयणं नवमं** ॥

समाहियज्झयणे दसमे

आघं मईमं अणुवीइ धम्मं अञ्जू समाहिं तमिमं सुणेह । अपडिन्न भिक्खू उ समाहिपत्ते अणियाण भूएसु परिव्वएज्जा ॥ १ ॥ ४७३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । हत्थेहि पाएहि य संजमित्ता अदिन्नमन्नेसु य नो गहेज्जा ॥ २ ॥ ४७४ ॥ सुयक्खायधम्मे वितिगिच्छतिण्णे लाढे चरे आयतुले पयासु । आयं न कुज्जा इह जीवियट्ठी चयं न कुज्जा सुतवस्सि भिक्खू ॥ ३ ॥ ॥ ४७५ ॥ सव्विन्दियाभिनिव्वुडे पयासु चरे मुणी सव्वउ विप्पमुक्के । पासाहि पाणे य पुढो वि सत्ते दुक्खेण अट्टे परितप्पमाणे ॥ ४ ॥ ४७६ ॥ एएसु बाले य पकुव्वमाणे आवट्टई कम्मसु पावएसु । अइवायओ कीरइ पावकम्मं निउञ्जमाणे उ करेइ कम्मं ॥ ५ ॥ ४७७ ॥ आदीणवित्ती व करेइ पावं मन्ता उ एगन्तसमाहिमाहु । तम्हे समाहीय रए विवेगे पाणाइवाया विरए ठियप्पा ॥ ६ ॥ ४७८ ॥

सव्वं जगं तू समयाणुपेही पियमप्पियं कस्स वि नो करेज्जा । उट्ठाय दीणो य पुणो विसण्णो संपूयणं चेव सिलोयकामी ॥ ७ ॥ ४७९ ॥ आहाकडं चेव निकाम-मीणे नियामचारी य विसण्णमेसी । इत्थीसु सत्ते य पुढो य बाले परिग्गहं चेव पकुव्वमाणे ॥ ८ ॥ ४८० ॥ वेराणुगिद्धे निचयं करेइ इओ चुए से इहमट्ठदुग्गं । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं चरे मुणि सव्वउ विप्पमुक्के ॥ ९ ॥ ४८१ ॥ आयं न कुज्जा इह जीवियट्ठी असज्जमाणो य परिव्वएज्जा । निसम्मभासी य विणीय गिद्धिं हिंसन्नियं वा न कहं करेज्जा ॥ १० ॥ ४८२ ॥ आहाकडं वा न निकामएज्जा निकामयन्ते य न संथवेज्जा । धुणे उरालं अणुवेहमाणे चिच्चा न सोयं अणवेक्ख-माणो ॥ ११ ॥ ४८३ ॥ एगत्तमेयं अभिपत्थएज्जा एवं पमोक्खो न मुसं ति पासं । एसप्पमोक्खो अमुसे वरे वि अक्कोहणे सच्चरए तवस्सी ॥ १२ ॥ ४८४ ॥ इत्थीसु या आरय मेहुणाओ परिग्गहं चेव अकुव्वमाणे । उच्चावएसु विसएसु ताई निस्संसयं भिक्खु समाहिपत्ते ॥ १३ ॥ ४८५ ॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू तणाइफासं तह सीयफासं । उण्हं च दंसं चऽहियासएज्जा सुब्भिं व दुब्भिं व तितिक्खएज्जा ॥ १४ ॥ ४८६ ॥ गुत्तो वईए य समाहिपत्तो लेसं समाहट्टु परिव्वएज्जा । गिहं न छाए न वि छायएज्जा संमिस्सभावं पयहे पयासु ॥ १५ ॥ ४८७ ॥ जे केइ लोगम्मि उ अकिरियआया अन्नेण पुट्ठा धुयमादिसन्ति । आरम्भसत्ता गढिया य लोए धम्मं न जाणन्ति विमोक्खहेउं ॥ १६ ॥ ४८८ ॥ पुढो य छन्दा इह माणवा उ किरियाकिरीयं च पुढो य वायं । जायस्स बालस्स पकुव्व देहं पवड्ढई वेरम-संजयस्स ॥ १७ ॥ ४८९ ॥ आउक्खयं चेव अबुज्झमाणे ममाइ से साहसकारि मन्दे । अहो य राओ परितप्पमाणे अट्टेसु मूढे अजरामरे व्व ॥ १८ ॥ ४९० ॥ जहाहि वित्तं पसवो य सव्वं जे बन्धवा जे य पिया य मित्ता । लालप्पई से वि य एइ मोहं अन्ने जणा तंसि हरन्ति वित्तं ॥ १९ ॥ ४९१ ॥ सीहं जहा खुड्डमिगा चरन्ता दूरे चरन्ति परिसंकमाणा । एवं तु मेहावि समिक्ख धम्मं दूरेण पावं परिवज्जएज्जा ॥ २० ॥ ४९२ ॥ संबुज्झमाणे उ नरे मईमं पावाउ अप्पाण निवट्ट-एज्जा । हिंसप्पसूयाइँ दुहाइँ मत्ता वेराणुबन्धीणि महब्भयाणि ॥ २१ ॥ ४९३ ॥ मुसं न बूया मुणि अत्तगामी निव्वाणमेयं कसिणं समाहिं । सयं न कुज्जा न य कारवेज्जा करन्तमन्नं पि य नाणुजाणे ॥ २२ ॥ ४९४ ॥ सुद्धे सिया जाएँ न दूस-एज्जा अमुच्छिए न य अज्झोववन्ने । धिइमं विमुक्के न य पूयणट्ठी न सिलोयगामी य परिव्वएज्जा ॥ २३ ॥ ४९५ ॥ निक्खम्म गेहाउ निरावकंखी कायं विउस्सेज्ज नियाणछिन्ने । नो जीवियं नो मरणाभिकंखी चरेज्ज भिक्खू वलया विमुक्के ॥ २४ ॥ ॥ ४९६ ॥ त्ति बेमि ॥ **समाहियज्झयणं दसमं ॥**

मग्गज्झयणे एयारहमे

कयरे मग्गे अक्खाए माहणेणं मईमया । जं मग्गं उज्जु पावित्ता ओहं तरइ दुत्तरं ॥ १ ॥ ४९७ ॥ जं मग्गं णुत्तरं सुद्धं सव्वदुक्खविमोक्खणं । जाणासि णं जहा भिक्खू तं णो बूहि महामुणी ॥ २ ॥ ४९८ ॥ जइ णो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा । तेसिं तु कयरं मग्गं आइक्खेज्ज कहाहि णो ॥ ३ ॥ ४९९ ॥ जइ वो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा । तेसिमं पडिसाहेज्जा मग्गसारं सुणेह मे ॥ ४ ॥ ५०० ॥ अणुपुव्वेण महाघोरं कासवेण पवेइयं । जमायाय इओ पुव्वं समुद्दं ववहारिणो ॥ ५ ॥ ५०१ ॥ अतरिंसु तरन्तेगे तरिस्सन्ति अणागया । तं सोच्चा पडिवक्खामि जन्तवो तं सुणेह मे ॥ ६ ॥ ५०२ ॥ पुढवीजीवा पुढो सत्ता आउजीवा तहागणी । वाउजीवा पुढो सत्ता तणरुक्खा सबीयगा ॥ ७ ॥ ५०३ ॥ अहावरा तसा पाणा एवं छक्काय आहिया । एयावए जीवकाए नावरे कोइ विज्जई ॥ ८ ॥ ५०४ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं मइमं पडिलेहिया । सव्वे अक्कन्तदुक्खा य अओ सव्वे न हिंसया ॥ ९ ॥ ५०५ ॥ एयं खु नाणिणो सारं जं न हिंसइ कंचण । अहिंसा समयं चेव एयावन्तं वियाणिया ॥ १० ॥ ५०६ ॥ उड्ढं अहे य तिरियं जे केइ तसथावरा । सव्वत्थ विरइं विज्जा सन्ति निव्वाणमाहियं ॥ ११ ॥ ५०७ ॥ पभू दोसे निराकिच्चा न विरुज्झेज्ज केण वि । मणसा वयसा चेव कायसा चेव अन्तसो ॥ १२ ॥ ५०८ ॥ संवुडे से महापन्ने धीरे दत्तेसणं चरे । एसणासमिए निच्चं वज्जयन्ते अणेसणं ॥ १३ ॥ ५०९ ॥ भूयाइं च समारम्भ तमुद्दिस्सा य जं कडं । तारिसं तु न गिण्हेज्जा अन्नपाणं सुसंजए ॥ १४ ॥ ५१० ॥ पूईकम्मं न सेवेज्जा एस धम्मे वुसीमओ । जं किंचि अभिकंखेज्जा सव्वसो तं न कप्पए ॥ १५ ॥ ॥ ५११ ॥ हणन्तं नाणुजाणेज्जा आयगुत्ते जिइन्दिए । ठाणाइँ सन्ति सड्ढीणं गामेसु नगरेसु वा ॥ १६ ॥ ५१२ ॥ तहा गिरं समारब्भ अत्थि पुण्णं ति नो वए । अहवा नत्थि पुण्णं ति एवमेयं महब्भयं ॥ १७ ॥ ५१३ ॥ दाणट्ठया य जे पाणा हम्मन्ति तसथावरा । तेसिं सारक्खणट्ठाए तम्हा अत्थि त्ति नो वए ॥ १८ ॥ ५१४ ॥ जेसिं तं उवकप्पन्ति अन्नपाणं तहाविहं । तेसिं लाभन्तरायं ति तम्हा नत्थि त्ति नो वए ॥ १९ ॥ ५१५ ॥ जे य दाणं पसंसन्ति वहमिच्छन्ति पाणिणं । जे य णं पडिसेहन्ति वित्तिच्छेयं करन्ति ते ॥ २० ॥ ५१६ ॥ दुहओ वि ते न भासन्ति अत्थि वा नत्थि वा पुणो । आयं रयस्स हेच्चा णं निव्वाणं पाउणन्ति ते ॥ २१ ॥ ॥ ५१७ ॥ निव्वाणं परमं बुद्धा नक्खत्ताण व चन्दिमा । तम्हा सया जए दन्ते निव्वाणं संधए मुणी ॥ २२ ॥ ५१८ ॥ वुज्झमाणाण पाणाणं किच्चन्ताण सकम्मुणा ।

आघाइ साहु तं दीवं पइट्ठेसा पवुच्चई ॥ २३ ॥ ५१९ ॥ आयगुत्ते सया दन्ते छिन्नसोए अणासवे । जे धम्मं सुद्धमक्खाइ पडिपुण्णमणोलिसं ॥ २४ ॥ ५२० ॥ तमेव अवियाणन्ता अवुद्धा वुद्धमाणिणो । वुद्धा मो त्ति य मन्नन्ता अन्त एए समाहिए ॥ २५ ॥ ५२१ ॥ ते य बीयोदगं चेव तमुद्दिस्सा य जं कडं । भोच्चा झाणं झियायन्ति अखेयन्नासमाहिया ॥ २६ ॥ ५२२ ॥ जहा ढंका य कंका य कुलला मग्गुका सिही । मच्छेसणं झियायन्ति झाणं ते कलुसाधमं ॥ २७ ॥ ५२३ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । विसएसणं झियायन्ति कंका वा कलुसाहमा ॥ २८ ॥ ५२४ ॥ सुद्धं मग्गं विराहित्ता इहमेगे उ दुम्मई । उम्मग्गगया दुक्खं घायमेसन्ति तं तहा ॥ २९ ॥ ५२५ ॥ जहा आसाविणिं नावं जाइअन्धो दुरूहिया । इच्छई पारमागन्तुं अन्तरा य विसीयइ ॥ ३० ॥ ५२६ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । सोयं कसिणमावन्ना आगन्तारो महब्भयं ॥ ३१ ॥ ५२७ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । तरे सोयं महाघोरं अत्तत्ताए परिव्वए ॥ ३२ ॥ ५२८ ॥ विरए गामधम्मेहिं जे केइ जगई जगा । तेसिं अत्तुवमायाए थामं कुव्वं परिव्वए ॥ ३३ ॥ ५२९ ॥ अइमाणं च मायं च तं परिन्नाय पण्डिए । सव्वमेयं निराकिच्चा निव्वाणं संधए मुणी ॥ ३४ ॥ ५३० ॥ संधए साहुधम्मं च पावधम्मं निराकरे । उवहाणवीरिए भिक्खू कोहं माणं न पत्थए ॥ ३५ ॥ ५३१ ॥ जे य वुद्धा अतिक्कन्ता जे य वुद्धा अणागया । सन्ति तेसिं पइट्ठाणं भूयाणं जगई जहा ॥ ३६ ॥ ५३२ ॥ अह णं वयमावन्नं फासा उच्चावया फुसे । न तेसु विणिहण्णेज्जा वाएण व महागिरी ॥ ३७ ॥ ५३३ ॥ संवुडे से महापन्ने धीरे दत्तेसणं चरे । निव्वुडे कालमाकंखी एवं केवलिणो मयं ॥ ३८ ॥ ५३४ ॥ ति बेमि ॥ **मग्गज्झयणं एयारहमं ॥**

समोसरणज्झयणे बारहमे

चत्तारि समोसरणाणिमाणि पावादुया जाइँ पुढो वयन्ति । किरियं अकिरियं विणयं ति तइयं अन्नाणमाहंसु चउत्थमेव ॥ १ ॥ ५३५ ॥ अन्नाणिया ता कुसला वि सन्ता असंथुया नो वितिगिच्छतिण्णा । अकोविया आहु अकोवियेहिं अणाणुवीइत्तु मुसं वयन्ति ॥ २ ॥ ५३६ ॥ सच्चं असच्चं इति चिन्तयन्ता असाहु साहु त्ति उदाहरन्ता । जेमे जणा वेणइया अणेगे पुट्ठा वि भावं विणइंसु नाम ॥ ३ ॥ ॥ ५३७ ॥ अणोवसंखा इइ ते उदाहु अट्ठे स ओभासइ अम्ह एवं । लवावसंकी

य अणागएहिं नो किरियमाहंसु अकिरियवाई ॥ ४ ॥ ५३८ ॥ संमिस्सभावं च गिरा गहीए से मुम्मुई होइ अणाणुवाई । इमं दुपक्खं इममेगपक्खं आहंसु छलाययणं च कम्मं ॥ ५ ॥ ५३९ ॥ ते एवमक्खन्ति अबुज्झमाणा विरूवरूवाणि अकिरियवाई । जे मायइत्ता बहवे मणूसा भमन्ति संसारमणोवदग्गं ॥ ६ ॥ ॥ ५४० ॥ नाइच्चो उदेइ न अत्थमेइ न चन्दिमा वड्ढइ हायई वा । सलिला न सन्दन्ति न वन्ति वाया वञ्झो नियओ कसिणे हु लोए ॥ ७ ॥ ५४१ ॥ जहा हि अन्धे सह जोइणा वि रूवाइँ नो पस्सइ हीणनेत्ते । सन्तं पि ते एवमकिरियवाई किरियं न पस्सन्ति निरुद्धपन्ना ॥ ८ ॥ ५४२ ॥ संवच्छरं सुविणं लक्खणं च निमित्तदेहं च उप्पाइयं च । अट्ठङ्गमेयं बहवे अहित्ता लोगंसि जाणन्ति अणागयाइं ॥ ९ ॥ ५४३ ॥ केई निमित्ता तहिया भवन्ति केसिंचि तं विप्पडिएइ नाणं । ते विज्जभावं अणहिज्जमाणा आहंसु विज्जा परिमोक्खमेव ॥ १० ॥ ५४४ ॥ ते एवमक्खन्ति समिच्च लोगं तहा तहा समणा माहणा य । सयंकडं नन्नकडं च दुक्खं आहंसु विज्जाचरणं पमोक्खं ॥ ११ ॥ ५४५ ॥ ते चक्खु लोगंसिह नायगा उ मग्गाणुसासन्ति हियं पयाणं । तहा तहा सासयमाहु लोए जंसी पया माणव संपगाढा ॥ १२ ॥ ५४६ ॥ जे रक्खसा वा जमलोइया वा जे वा सुरा गंधव्वा य काया । आगासगामी य पुढोसिया जे पुणो पुणो विप्परियासुवेन्ति ॥ १३ ॥ ॥ ५४७ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारगं जाणाहि णं भवगहणं दुमोक्खं । जंसी विसण्णा विसयङ्गणाहिं दुहओ वि लोयं अणुसंचरन्ति ॥ १४ ॥ ५४८ ॥ न कम्मुणा कम्म खवेन्ति बाला अकम्मुणा कम्म खवेन्ति धीरा । मेहाविणो लोभभयावईया संतोसिणो नो पकरेन्ति पावं ॥ १५ ॥ ५४९ ॥ ते तीयउप्पन्नमणागयाइं लोगस्स जाणन्ति तहागयाइं । नेयारो अन्नेसि अणन्ननेया बुद्धा हु ते अन्तकडा भवन्ति ॥ १६ ॥ ५५० ॥ ते नेव कुव्वन्ति न कारवेन्ति भूयाहिसंकाइ दुगुञ्छमाणा । सया जया विप्पणमन्ति धीरा विण्णत्ति धीरा य हवन्ति एगे ॥ १७ ॥ ५५१ ॥ डहरे य पाणे वुड्ढे य पाणे ते अत्तओ पासइ सव्वलोए । उव्वेहई लोगमिणं महन्तं बुद्धेपमत्तेसु परिव्वएज्जा ॥ १८ ॥ ५५२ ॥ जे आयओ परओ वा वि नच्चा अलमप्पणो होन्ति अलं परेसिं । तं जोइभूयं च सयावसेज्जा जे पाउकुज्जा अणुवीइ धम्मं ॥ १९ ॥ ५५३ ॥ अत्ताण जो जाणइ जो य लोगं गइं च जो जाणइ नागइं च । जो सासयं जाण असासयं च जाइं च मरणं च जणोववायं ॥ २० ॥ ५५४ ॥ अहो वि सत्ताण विउट्टणं च जो आसवं जाणइ संवरं च । दुक्खं च जो जाणइ निज्जरं च सो भासिउमरिहइ किरियवायं ॥ २१ ॥

॥ ५५५ ॥ सद्देसु रूवेसु असज्जमाणे गन्धेसु रसेसु अदुस्समाणे । नो जीवियं नो मरणाहिकंखी आयाणगुत्ते वलया विमुक्के ॥ २२ ॥ ५५६ ॥ त्ति बेमि ॥ **समोसरणज्झयणं बारहमं ॥**

आहत्तहीयज्झयणे तेरहमे

आहत्तहीयं तु पवेयइस्सं नाणप्पकारं पुरिसस्स जायं । सओ य धम्मं असओ असीलं सन्ति असन्ति करिस्सामि पाउं ॥ १ ॥ ५५७ ॥ अहो य राओ य समुट्ठिएहिं तहागएहिं पडिलब्भ धम्मं । समाहिमाघायमजोसयन्ता सत्थारमेवं फरुसं वयन्ति ॥ २ ॥ ५५८ ॥ विसोहियं ते अणुकाहयन्ते जे आयभावेण वियागरेज्जा । अट्ठाणिए होइ बहूगुणाणं जे नाणसंकाइ मुसं वएज्जा ॥ ३ ॥ ५५९ ॥ जे यावि पुट्ठा पलिउञ्चयन्ति आयाणमट्ठं खलु वञ्चइत्ता । असाहुणो ते इह साहुमाणी मायण्णि एस्सन्ति अणन्तघायं ॥ ४ ॥ ५६० ॥ जे कोहणे होइ जयट्ठभासी विओसियं जे उ उदीरएज्जा । अन्धे व से दण्डपहं गहाय अविओसिए धासइ पावकम्मी ॥ ५ ॥ ५६१ ॥ जे विग्गहीए अन्नायभासी न से समे होइ अझञ्झपत्ते । ओवायकारी य हिरीमणे य एगन्तदिट्ठी य अमाइरूवे ॥ ६ ॥ ५६२ ॥ से पेसले सुहुमे पुरिसजाए जच्चन्निए चेव सुउज्जुयारे । बहुं पि अणुसासिएँ जे तहच्चा समे हु से होइ अझञ्झपत्ते ॥ ७ ॥ ५६३ ॥ जे यावि अप्पं वसुमं ति मत्ता संखाय वायं अपरिक्ख कुज्जा । तवेण वाहं सहिउ त्ति मत्ता अन्नं जणं पस्सइ बिम्बभूयं ॥ ८ ॥ ५६४ ॥ एगन्तकूडेण उ से पलेइ न विज्जई मोणपयंसि गोत्ते । जे माणणट्ठेण विउक्कसेज्जा वसुमन्नतरेण अबुज्झमाणे ॥ ९ ॥ ५६५ ॥ जे माहणे खत्तियजायए वा तहुग्गपुत्ते तह लेच्छई वा । जे पव्वईए परदत्तभोई गोत्ते न जे थब्भइ माणबद्धे ॥ १० ॥ ५६६ ॥ न तस्स जाई व कुलं व ताणं नन्नत्थ विज्जाचरणं सुचिण्णं । निक्खम्म से सेवइऽगारिकम्मं न से पारए होइ विमोयणाए ॥ ११ ॥ ५६७ ॥ निर्किंचणे भिक्खु सुलूहजीवी जे गारवं होइ सिलोगकामी । आजीवमेयं तु अबुज्झमाणो पुणो पुणो विप्परियासुवेन्ति ॥ १२ ॥ ५६८ ॥ जे भासवं भिक्खु सुसाहुवाई पडिहाणवं होइ विसारए य । आगाढपन्ने सुविभावियप्पा अन्नं जणं पन्नया परिहवेज्जा ॥ १३ ॥ ५६९ ॥ एवं न से होइ समाहिपत्ते जे पन्नवं भिक्खु विउक्कसेज्जा । अहवा वि जे लाहमयावलित्ते अन्नं जणं खिसइ बालपन्ने ॥ १४ ॥ ५७० ॥ पन्नामयं चेव तवोमयं च निन्नामए गोयमयं च भिक्खू ।

आजीवगं चेव चउत्थमाहु से पण्डिए उत्तमपोग्गले से ॥ १५ ॥ ५७१ ॥ मयाइँ एयाइँ विगिञ्च धीरा न ताणि सेवन्ति सुधीरधम्मा । ते सव्वगोत्तावगया महेसी उच्चं अगोत्तं च गतिं वयन्ति ॥ १६ ॥ ५७२ ॥ भिक्खू मुयच्चे तह दिट्ठधम्मे गामं च नगरं च अणुप्पविस्सा । से एसणं जाणमणेसणं च अन्नस्स पाणस्स अणाणुगिद्धे ॥ १७ ॥ ५७३ ॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू बहूजणे वा तह एगचारी । एगन्तमोणेण वियागरेज्जा एगस्स जन्तो गइरागई य ॥ १८ ॥ ॥ ५७४ ॥ सयं समेच्चा अदुवा वि सोच्चा भासेज्ज धम्मं हिययं पयाणं । जे गरहिया सणियाणप्पओगा न ताणि सेवन्ति सुधीरधम्मा ॥ १९ ॥ ५७५ ॥ केसिंचि तक्काइ अबुज्झ भावं खुद्दं पि गच्छेज्ज असद्दहाणे । आउस्स कालाइयारं वघाए लद्धाणुमाणे य परेसु अट्ठे ॥ २० ॥ ५७६ ॥ कम्मं च छन्दं च विगिञ्च धीरे विणइज्ज ऊ सव्वउ आयभावं । रूवेहिं लुप्पन्ति भयावहेहिं विज्जं गहाया तसथावरेहिं ॥ २१ ॥ ५७७ ॥ न पूयणं चेव सिलोयकामी पियमप्पियं कस्सइ नो करेज्जा । सव्वे अणट्ठे परिवज्जयन्ते अणाउले या अकसाइ भिक्खू ॥ २२ ॥ ॥ ५७८ ॥ आहत्तहीयं समुपेहमाणे सव्वेहिं पाणेहिं निहाय दण्डं । नो जीवियं नो मरणाहिकंखी परिव्वएज्जा वलया विमुक्के ॥ २३ ॥ ५७९ ॥ त्ति बेमि ॥ **आहत्तहीयज्झयणं तेरहमं ॥**

गन्थज्झयणे चोद्दहमे

गन्थं विहाय इह सिक्खमाणो उट्ठाय सुबम्भचेरं वसेज्जा । ओवायकारी विणयं सुसिक्खे जे छेय से विप्पमायं न कुज्जा ॥ १ ॥ ५८० ॥ जहा दियापोयमपत्तजायं सावासगा पविउं मन्नमाणं । तमचाइयं तरुणमपत्तजायं ढंकाइ अव्वत्तगमं हरेज्जा ॥ २ ॥ ५८१ ॥ एवं तु सेहं पि अपुट्ठधम्मं निस्सारियं वुसिमं मन्नमाणा । दियस्स छायं व अपत्तजायं हरिंसु णं पावधम्मा अणेगे ॥ ३ ॥ ५८२ ॥ ओसाणमिच्छे मणुए समाहिं अणोसिए णन्तकरिं ति नच्चा । ओभासमाणे दवियस्स वित्तं न निक्कसे बहिया आसुपन्नो ॥ ४ ॥ ५८३ ॥ जे ठाणओ य सयणासणे य परक्कमे यावि सुसाहुजुत्ते । समिईसु गुत्तीसु य आयपन्ने वियागरिं ते य पुढो वएज्जा ॥५॥५८४॥ सद्दाणि सोच्चा अदु भेरवाणि अणासवे तेसु परिव्वएज्जा । निद्दं च भिक्खू न पमाय कुज्जा कहंकहं वा वितिगिच्छतिण्णे ॥ ६ ॥ ५८५ ॥ डहरेण वुड्ढेणऽणुसासिए उ राइणिएणावि समव्वएणं । सम्मं तयं थिरओ नाभिगच्छे निज्जन्तए वावि अपारए से ॥ ७ ॥ ५८६ ॥ विउट्ठिएणं समयाणुसिट्ठे डहरेण वुड्ढेण उ चोइए य । अच्चुट्ठि-

याए घडदासिए वा अगारिणं वा समयाणुसिट्ठे ॥ ८ ॥ ५८७ ॥ न तेसु कुज्झे न य पव्वहेज्जा न यावि किंची फरुसं वएज्जा । तहा करिस्सं ति पडिस्सुणेज्जा सेयं खु मेयं न पमाय कुज्जा ॥ ९ ॥ ५८८ ॥ वणंसि मूढस्स जहा अमूढा मग्गाणुसासन्ति हियं पयाणं । तेणेव मज्झं इणमेव सेयं जं मे वुहा समणुसासयन्ति ॥१०॥५८९॥ अह तेण मूढेण अमूढगस्स कायव्व पूया सविसेसजुत्ता । एओवमं तत्थ उदाहु वीरे अणुगम्म अत्थं उवणेइ सम्मं ॥ ११ ॥ ५९० ॥ नेया जहा अन्धकारंसि राओ मग्गं न जाणाइ अपस्समाणे । से सूरियस्स अब्भुग्गमेणं मग्गं वियाणाइ पगासियंसि ॥ १२ ॥ ५९१ ॥ एवं तु सेहे वि अपुट्ठधम्मे धम्मं न जाणाइ अवुज्झमाणे । से कोविए जिणवयणेण पच्छा सूरोदए पासइ चक्खुणेव ॥ १३ ॥ ५९२ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । सया जए तेसु परिव्वएज्जा मणप्पओसं अविकम्पमाणे ॥ १४ ॥ ५९३ ॥ कालेण पुच्छे समियं पयासु आइक्खमाणो दवियस्स वित्तं । तं सोयकारी य पुढो पवेसे संखा इमं केवलियं समाहिं ॥ १५ ॥ ५९४ ॥ अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण तायी एएसु या सन्ति निरोहमाहु । ते एवमक्खन्ति तिलोगदंसी न भुज्जमेयन्ति पमायसंगं ॥ १६ ॥ ५९५ ॥ निसम्म से भिक्खु समीहियट्ठं पडिभाणवं होइ विसारए य । आयाणअट्ठी वोदाणमोणं उवेच्च सुद्धेण उवेइ मोक्खं ॥ १७ ॥ ५९६ ॥ संखाइ धम्मं च वियागरन्ति बुद्धा हु ते अन्तकरा भवन्ति । ते पारगा दोण्ह वि मोयणाए संसोधियं पण्हमुदाहरन्ति ॥ १८ ॥ ५९७ ॥ नो छायए नो वि य लूसएज्जा माणं न सेवेज्ज पगासणं च । न यावि पन्ने परिहास कुज्जा न याऽऽसियावाय वियागरेज्जा ॥ १९ ॥ ५९८ ॥ भूयाभिसंकाइ दुगुञ्छमाणे न निव्वहे मन्तपएण गोयं । न किंचिमिच्छे मणुए पयासुं असाहुधम्माणि न संवएज्जा ॥ २० ॥ ५९९ ॥ हासं पि नो संधइ पावधम्मे ओए तहीयं फरुसं वियाणे । नो तुच्छए नो य विकंथइज्जा अणाइले या अकसाइ भिक्खू ॥ २१ ॥ ६०० ॥ संकेज्ज याऽसंकियभाव भिक्खू विभज्जवायं च वियागरेज्जा । भासादुयं धम्मसमुट्ठिएहिं वियागरेज्जा समयासुपन्ने ॥ २२ ॥ ६०१ ॥ अणुगच्छमाणे वितहं विजाणे तहा तहा साहु अकक्कसेणं । न कत्थई भास विहिंसइज्जा निरुद्धगं वावि न दीहइज्जा ॥ २३ ॥ ६०२ ॥ समालवेज्जा पडिपुण्णभासी निसामिया समियाअट्ठदंसी । आणाइ सुद्धं वयणं भिउंजे अभिसंधए पावविवेगं भिक्खू ॥ २४ ॥ ६०३ ॥ अहाबुइयाइं सुसिक्खएज्जा जइज्जया नाइवेलं वएज्जा । से दिट्ठिमं दिट्ठि न लूसएज्जा से जाणइ भासिउं तं समाहिं ॥२५॥६०४॥ अलूसए नो पच्छन्नभासी नो सुत्तमत्थं च करेज्ज ताई । सत्थारभत्ती अणुवीइ वायं

सुयं च सम्मं पडिवाययन्ति ॥ २६ ॥ ६०५ ॥ से सुद्धसुत्ते उवहाणवं च धम्मं च जे विन्दइ तत्थ तत्थ। आएज्जवक्के कुसले वियत्ते स अरिहेइ भासिउं तं समाहिं ॥ २७ ॥ ६०६ ॥ ति बेमि ॥ **गन्थज्झयणं चोद्दहमं ॥**

आयाणियज्झयणे पण्णरहमे

जमईअं पडुप्पन्नं आगमिस्सं च नायओ। सव्वं मन्नइ तं ताई दंसणावरणन्तए ॥ १ ॥ ६०७ ॥ अन्तए वितिगिच्छाए से जाणइ अणेलिसं। अणेलिसस्स अक्खाया न से होइ तहिं तहिं ॥ २ ॥ ६०८ ॥ तहिं तहिं सुयक्खायं से य सच्चे सुआहिए। सया सच्चेण संपन्ने मेत्तिं भूएहिं कप्पए ॥ ३ ॥ ६०९ ॥ भूएहिं न विरुज्झेज्जा एस धम्मे वुसीमओ। वुसिमं जगं परिन्नाय अस्सिं जीवियभावणा ॥ ४ ॥ ६१० ॥ भावणाजोगसुद्धप्पा जले नावा व आहिया। नावा व तीरसंपन्ना सव्वदुक्खा तिउट्टइ ॥ ५ ॥ ६११ ॥ तिउट्टई उ मेहावी जाणं लोगंसि पावगं। तुट्टन्ति पावकम्माणि नवं कम्ममकुव्वओ ॥ ६ ॥ ६१२ ॥ अकुव्वओ नवं नत्थि कम्मं नाम विजाणइ। विन्नाय से महावीरे जेण जाई न मिज्जई ॥ ७ ॥ ६१३ ॥ न मिज्जई महावीरे जस्स नत्थि पुरेकडं। वाउ व्व जालमच्चेइ पिया लोगंसि इत्थियो ॥ ८ ॥ ६१४ ॥ इत्थियो जे न सेवन्ति आइमोक्खा हु ते जणा। ते जणा बन्धणुम्मुक्का नावकंखन्ति जीवियं ॥ ९ ॥ ६१५ ॥ जीवियं पिट्ठओ किच्चा अन्तं पावन्ति कम्मुणं। कम्मुणा संमुहीभूया जे मग्गमणुसासई ॥ १० ॥ ६१६ ॥ अणुसासणं पुढो पाणी वसुमं पूयणासु ते। अणासए जए दन्ते दढे आरयमेहुणे ॥ ११ ॥ ६१७ ॥ नीवारे व न लीएज्जा छिन्नसोए अणाविले। अणाइले सया दन्ते संधिं पत्ते अणेलिसं ॥१२॥ ॥६१८॥ अणेलिसस्स खेयन्ने न विरुज्झेज्ज केणइ। मणसा वयसा चेव कायसा चेव चक्खुमं ॥ १३ ॥ ६१९ ॥ से हु चक्खू मणुस्साणं जे कंखाए य अन्तए। अन्तेण खुरो वहई चक्कं अन्तेण लोट्टई ॥ १४ ॥ ६२० ॥ अन्ताणि धीरा सेवन्ति तेण अन्तकरा इह। इह माणुस्सए ठाणे धम्ममाराहिउं नरा ॥ १५ ॥ ६२१ ॥ निट्ठियट्ठा व देवा वा उत्तरीए इयं सुयं। सुयं च मेयमेगेसिं अमणुस्सेसु नो तहा ॥१६॥ ॥ ६२२ ॥ अन्तं करन्ति दुक्खाणं इहमेगेसिमाहियं। आघायं पुण एगेसिं दुल्लभेऽयं समुस्सए ॥ १७ ॥ ६२३ ॥ इओ विद्धंसमाणस्स पुणो संबोहि दुल्लहा। दुल्लहाओ तहच्चाओ जे धम्मट्ठं वियागरे ॥ १८ ॥ ६२४ ॥ जे धम्मं सुद्धमक्खन्ति पडिपुण्णमणेलिसं। अणेलिसस्स जं ठाणं तस्स जम्मकहा कओ ॥ १९ ॥ ६२५ ॥ कओ कयाइ मेहावी उप्पज्जन्ति तहागया। तहागया अप्पडिन्ना चक्खू लोगस्सणुत्तरा

॥ २० ॥ ६२६ ॥ अणुत्तरे य ठाणे से कासवेण पवेइए। जं किच्चा निव्वुडा एगे निट्ठं पावन्ति पण्डिया ॥ २१ ॥ ६२७ ॥ पण्डिए वीरियं लद्धुं निग्घायाय पवत्तगं धुणे पुव्वकडं कम्मं नवं वा वि न कुव्वई ॥ २२ ॥ ६२८ ॥ न कुव्वई महावीरे अणुपुव्वकडं रयं। रयसा संमुहीभूया कम्मं हेच्चाण जं मयं ॥ २३ ॥ ६२९ ॥ जं मयं सव्वसाहूणं तं मयं सल्लगत्तणं। साहइत्ताण तं तिण्णा देवा वा अभविंसु ते ॥२४॥६३०॥ अभविंसु पुरा धीरा आगमिस्सा वि सुव्वया। दुन्निबोहस्स मग्गस्स अन्तं पाउकरा तिण्णे ॥२५॥६३१॥ त्ति बेमि ॥ **आयाणियज्झयणं पण्णरहमं ॥**

गाहज्झयणे सोळसमे

अहाह भगवं—एवं से दन्ते दविए वोसट्ठकाए त्ति वच्चे माहणे त्ति वा १ समणे त्ति वा २ भिक्खु त्ति वा ३ निग्गन्थे त्ति वा ४। पडिआह–भन्ते कहं नु दन्ते दविए वोसट्ठकाए त्ति वच्चे माहणे त्ति वा समणे त्ति वा भिक्खु त्ति वा निग्गन्थे त्ति वा। तं नो बूहि महामुणी ॥ इति विरए सव्वपावकम्मेहिं पिज्जदोसकलह० अब्भक्खाण० पेसुन्न० परपरिवाय० अरइरइ० मायामोस० मिच्छादंसणसल्लविरए समिए सहिए सया जए नो कुज्झे नो माणी माहणे त्ति वच्चे ॥ १ ॥ ६३२ ॥ एत्थ वि समणे अनिस्सिए अणियाणे आयाणं च अइवायं च मुसावायं च बहिद्धं च कोहं च माणं च मायं च लोहं च पिज्जं च दोसं च इच्चेव जओ जओ आयाणं अप्पणो पद्दोसहेऊ तओ तओ आयाणाओ पुव्वं पडिविरए पाणाइवाया सिआ दन्ते दविए वोसट्ठकाए समणे त्ति वच्चे ॥ २ ॥ ६३३ ॥ एत्थ वि भिक्खू अणुन्नए विणीए नामए दन्ते दविए वोसट्ठकाए संविधुणीय विरूवरूवे परीसहोवसग्गे अज्झप्पजोगसुद्धादाणे उवट्ठिए ठिअप्पा संखाए परदत्तभोई भिक्खु त्ति वच्चे ॥ ३ ॥ ६३४ ॥ एत्थ वि निग्गन्थे एगे एगविऊ बुद्धे संछिन्नसोए सुसंजए सुसमिए सुसामाइए आयवायपत्ते विऊ दुहओ वि सोयपलिछिन्ने णो पूयणसक्कारलाभट्ठी धम्मट्ठी धम्मविऊ नियाग पडिवन्ने समियं चरे दन्ते दविए वोसट्ठकाए निग्गन्थे त्ति वच्चे ॥ ४ ॥ ६३५ ॥ से एवमेव जाणह जमहं भयन्तारो ॥ त्ति बेमि ॥ **गाहज्झयणं सोळसमं, पढमे सुयक्खन्धे समत्ते ॥**

पोण्डरियज्झयणे पढमे

सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु पोण्डरीए नामज्झयणे

तस्स णं अयमट्ठे पन्नत्ते। से जहानामए पुक्खरिणी सिया बहुउदगा बहुसेया बहु-पुक्खला लद्धट्ठा पुण्डरिकिणी पासादिया दरिसणिया अभिरूवा पडिरूवा। तीसे णं पुक्खरिणीए तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहवे पउमवरपोण्डरीया वुइया, अणु-पुव्वुट्ठिया ऊसिया रुइला वण्णमन्ता गन्धमन्ता रसमन्ता फासमन्ता पासादिया दरिसणिया अभिरूवा पडिरूवा। तीसे णं पुक्खरिणीए बहुमज्झदेसभाए एगे महं पउमवरपोण्डरीए वुइए, अणुपुव्वुट्ठिए ऊसिए रुइले वण्णमन्ते गन्धमन्ते रसमन्ते फासमन्ते पासादीए जाव पडिरूवे। सव्वावन्ति च णं तीसे पुक्खरिणीए तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहवे पउमवरपोण्डरीया वुइया अणुपुव्वुट्ठिया ऊसिया रुइला जाव पडिरूवा। सव्वावन्ति च णं तीसे णं पुक्खरिणीए बहुमज्झदेसभाए एगे महं पउमवरपोण्डरीए वुइए अणुपुव्वुट्ठिए जाव पडिरूवे॥ १॥ ६३६॥ अह पुरिसे पुरित्थिमाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं ऊसियं जाव पडिरूवं। तए णं से पुरिसे एवं वयासी—अहमंसि पुरिसे खेयन्ने कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू। अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुया से पुरिसे अभिक्कमेइ तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमेइ तावं तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे पढमे पुरिसजाए ॥ २॥ ६३७॥ अहावरे दोच्चे पुरिसजाए। अह पुरिसे दक्खिणाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवर-पोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं पासादीयं जाव पडिरूवं। तं च एत्थ एगं पुरिसजायं पासइ पहीणतीरं अपत्तपउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णं। तए णं से पुरिसे तं पुरिसं एवं वयासी—अहो णं इमे पुरिसे अखेयन्ने अकुसले अपण्डिए अवियत्ते अमेहावी बाले नो मग्गट्ठे नो मग्गविऊ नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं णं एस पुरिसे। अहमंसि खेयन्ने कुसले जाव पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि। नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एस पुरिसे मन्ने। अहमंसि पुरिसे खेयन्ने कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुया से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमेइ तावं तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे दोच्चे पुरिसजाए॥ ३॥ ६३८॥

अहावरे तच्चे पुरिसजाए। अह पुरिसे पच्चत्थिमाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं एगं महं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ दोण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए जाव सेयंसि निसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी–अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना अकुसला अपण्डिया अवियत्ता अमेहावी बाला नो मग्गट्ठा नो मग्गविऊ नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं णं एए पुरिसा एवं मन्ने–अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि पुरिसे खेयन्ने कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए जाव अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे तच्चे पुरिसजाए ॥ ४ ॥ ६३९ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए। अह पुरिसे उत्तराओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ तिण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव सेयंसि निसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी–अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना जाव नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं णं एए पुरिसा एवं मन्ने–अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि पुरिसे खेयन्ने जाव मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए जाव निसण्णे चउत्थे पुरिसजाए ॥ ५ ॥ ६४० ॥ अह भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयन्ने जाव गइपरिक्कमन्नू अन्नयराओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं जाव पडिरूवं। ते तत्थ चत्तारि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे। तए णं से भिक्खू एवं वयासी–अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना जाव नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं एए पुरिसा एवं मन्ने अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो, नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयन्ने जाव गइपरिक्कमन्नू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से भिक्खू

नो अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा सद्दं कुज्जा–उप्पयाहि खलु भो पउमवरपोण्डरीया उप्पयाहि। अह उप्पइए से पउमवरपोण्डरीए॥ ६॥ ॥ ६४१॥ किट्टिए नाए समणाउसो, अट्ठे पुण से जाणियव्वे भवइ। भन्ते त्ति समणं भगवं महावीरं निग्गन्था य निग्गन्थीओ य वन्दन्ति नमंसन्ति वन्दित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–किट्टिए नाए समणाउसो, अट्ठं पुण से न जाणामो समणाउसो त्ति। समणे भगवं महावीरे ते य बहवे निग्गन्थे य निग्गन्थीओ य आमन्तेत्ता एवं वयासी–हन्त समणाउसो आइक्खामि विभावेमि कित्तेमि पवेएमि सअट्ठं सहेउं सनिमित्तं भुज्जो भुज्जो उवदंसेमि। से बेमि॥ ७॥ ६४२॥ लोयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो पुक्खरिणी बुइया। कम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से उदए बुइए। कामभोगे य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से सेए बुइए। जण-जाणवयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ते बहवे पउमवरपोण्डरीए बुइए। रायाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से एगे महं पउमवरपोण्डरीए बुइए। अन्नतित्थिया य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ते चत्तारि पुरिसजाया बुइया। धम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से भिक्खू बुइए। धम्मतित्थं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से तीरे बुइए। धम्मकहं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से सद्दे बुइए। निव्वाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो से उप्पाए बुइए। एवमेयं च मए अप्पाहट्टु समणाउसो से एवमेयं बुइयं॥ ८॥ ६४३॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति अणुपुव्वेणं लोगं उववन्ना। तंजहा–आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोत्ता वेगे णीयागोया वेगे कायमन्ता वेगे रहस्समन्ता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं मणुयाणं एगे राया भवइ महया हिमवन्तमलयमन्दर-महिन्दसारे अच्चन्तविसुद्धरायकुलवंसप्पसूए निरन्तररायलक्खणविराइयङ्गमङ्गे बहु-जणबहुमाणपूइए सव्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुदिए मुद्धाभिसित्ते माउपिउसुजाए दय-प्पिए सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे मणुस्सिंदे जणवयपिया जणवयपुरोहिए सेउकरे केउकरे नरपवरे पुरिसपवरे पुरिससीहे पुरिसआसीविसे पुरिसवरपोण्डरीए पुरिसवरगंधहत्थी अड्ढे दित्ते वित्ते वित्थिण्णविउलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरयए आओगपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदास-गोमहिसगवेलगप्पभूए पडिपुण्णजंतकोसकोट्ठागाराउहागारे बलवं दुब्बलपच्चामित्ते ओहयकण्टयं निहयकण्टयं मलियकण्टयं उद्धियकण्टयं अकण्टयं ओहयसत्तू निहयसत्तू मलियसत्तू उद्धियसत्तू निज्जियसत्तू पराइयसत्तू ववगयदुब्भिक्खमारिभयविप्पमुक्कं

(रायवण्णओ जहा ओववाइए) जाव पसंतडिम्बडमरं रज्जं पसाहेमाणे विहरइ। तस्स णं रन्नो परिसा भवइ उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता इक्खागाइ इक्खागाइ-पुत्ता नाया नायपुत्ता कोरव्वा कोरव्वपुत्ता भट्टा भट्टपुत्ता माहणा माहणपुत्ता लेच्छइ लेच्छइपुत्ता पसत्थारो पसत्थपुत्ता सेणावई सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ कामं तं समणा वा माहणा वा संपहारिंसु गमणाए। तत्थ अन्नयरेणं धम्मेणं पन्नत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पन्नवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपन्नत्ते भवइ। तं जहा–उड्ढं पायतला अहे केसग्गमत्थया तिरियं तयपरियंते जीवे एस आयापज्जवे कसिणे एस जीवे जीवइ, एस मए नो जीवइ, सरीरे धरमाणे धरइ विणट्ठम्मि य नो धरइ। एयं तं जीवियं भवइ, आदहणाए परेहिं निज्जइ, अगणिझामिए सरीरे कवोयवण्णाणि अट्ठीणि भवंति, आसंदीपञ्चमा पुरिसा गामं पच्चागच्छंति, एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं असंते असंविज्जमाणे तेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अन्नो भवइ जीवो अन्नं सरीरं, तम्हा ते एवं नो विपडिवे-देंति–अयमाउसो आया दीहे त्ति वा हस्से त्ति वा परिमण्डले त्ति वा वट्टे त्ति वा तंसे त्ति वा चउरंसे त्ति वा आयए त्ति वा छलंसिए त्ति वा अट्ठंसे त्ति वा किण्हे त्ति वा नीले त्ति वा लोहियहालिद्दे त्ति वा सुक्किले त्ति वा सुब्भिगंधे त्ति वा दुब्भिगंधे त्ति वा तित्ते त्ति वा कडुए त्ति वा कसाए त्ति वा अम्बिले त्ति वा महुरे त्ति वा कक्खडे त्ति वा मउए त्ति वा गुरुए त्ति वा लहुए त्ति वा सीए त्ति वा उसिणे त्ति वा निद्धे त्ति वा लुक्खे त्ति वा। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अन्नो जीवो अन्नं सरीरं, तम्हा ते नो एवं उवलब्भंति। से जहानामए–केइ पुरिसे कोसीओ असिं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो असी अयं कोसी, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए केइ पुरिसे मुञ्जाओ इसियं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो मुञ्जे इयं इसियं, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे मंसाओ अट्ठिं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो मंसे अयं अट्ठी, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे करयलाओ आमलकं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदं-सेज्जा अयमाउसो करयले अयं आमलए, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अय-माउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे दहीओ नवणीयं अभिनिव्व-ट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो नवणीयं अयं तु दही, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे जाव सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे तिलेहिंतो तेल्लं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा

अयमाउसो तेल्लं अयं पिण्णाए, एवमेव जाव सरीरं। से जहानामए-केइ पुरिसे इक्खूओ खोयरसं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो खोयरसे अयं छोए, एवमेव जाव सरीरं। से जहानामए-केइ पुरिसे अरणीओ अग्गिं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो अरणी अयं अग्गी, एवमेव जाव सरीरं। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ तं जहा-अन्नो जीवो अन्नं सरीरं। तम्हा ते मिच्छा ॥ से हंता तं हणह खणह छणह डहह पयह आलुम्पह विलुम्पह सहसक्कारेह विपरामुसह, एयावया जीवे नत्थि परलोए। ते नो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा-किरिया इ वा अकिरिया इ वा सुक्कडे इ वा दुक्कडे इ वा कल्लाणे इ वा पावए इ वा साहु इ वा असाहु इ वा सिद्धी इ वा असिद्धी इ वा निरए इ वा अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभन्ति भोयणाए ॥ एवं एगे पागब्भिया निक्खम्म मामगं धम्मं पन्नवेंति। तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा तं रोएमाणा साहु सुयक्खाए समणे त्ति वा माहणे त्ति वा कामं खलु आउसो तुमं पूययामि, तं जहा-असणेण वा पाणेण वा खाइमेण वा साइमेण वा वत्थेण वा पडिग्गहेण वा कम्बलेण वा पायपुञ्छणेण वा। तत्थेगे पूयणाए समाउट्टिंसु तत्थेगे पूयणाए निकाइंसु ॥ पुव्वमेव तेसिं नायं भवइ-समणा भविस्सामो अणगारा अकिंचणा अपुत्ता अपसू परदत्तभोइणो भिक्खुणो पावं कम्मं नो करिस्सामो समुट्ठाए। ते अप्पणा अप्पडिविरया भवंति, सयमाइयंति अन्ने वि आइयावेंति अन्नं पि आययंतं समणुजाणंति एवमेव ते इत्थिकामभोगेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्झोववन्ना लुद्धा रागदोसवसट्टा। ते नो अप्पाणं समुच्छेदेंति ते नो परं समुच्छेदेंति ते नो अन्नाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समुच्छेदेंति, पहीणा पुव्वसंजोगं आयरियं मग्गं असंपत्ता इति ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा। इति पढमे पुरिसजाए तज्जीवतच्छरीरए त्ति आहिए ॥ ९ ॥ ६४४ ॥

अहावरे दोच्चे पुरिसजाए पञ्चमहब्भूइए त्ति आहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ६ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति अणुपुव्वेण लोयं उववन्ना, तं जहा-आरिया वेगे अणारिया वेगे एवं जाव दुरूवा वेगे। तेसिं च णं महं एगे राया भवइ महया एवं चेव निरवसेसं जाव सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवति कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए। तत्थ अन्नयरेणं धम्मेणं पन्नत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पन्नवइस्सामो से एवमायाणह भयन्तारो जहा मए एस धम्मे सुअक्खाए सुपन्नत्ते भवइ। इह खलु पञ्चमहब्भूया जेहिं नो विज्जइ किरिय त्ति वा अकिरिय त्ति वा त्ति वा दुक्कडे त्ति वा कल्लाणे त्ति वा पावए त्ति वा साहु त्ति वा असाहु त्ति

वा सिद्धि त्ति वा असिद्धि त्ति वा निरए त्ति वा अनिरए त्ति वा अवि अन्तसो तणमायमवि ॥ तं च पिहुद्देसेणं पुढोभूयसमवायं जाणेज्जा । तं जहा पुढवी एगे महब्भूए, आऊ दुच्चे महब्भूए, तेऊ तच्चे महब्भूए, वाऊ चउत्थे महब्भूए, आगासे पञ्चमे महब्भूए । इच्चेए पञ्च महब्भूया अनिम्मिया अनिम्माविया अकडा नो कित्तिमा नो कडगा अणाइया अणिहणा अवञ्झा अपुरोहिया सतंता सासया आयछट्ठा । पुण एगे एवमाहु-सओ नत्थि विणासो असओ नत्थि संभवो । एयावया व जीवकाए एयावया व अत्थिकाए एयावया व सव्वलोए, एयं मुहं लोगस्स करणयाए, अवि अन्तसो तणमायमवि । से किणं किणावेमाणे हणं घायमाणे पयं पयावेमाणे अवि अन्तसो पुरिसमवि कीणित्ता घायइत्ता एत्थं पि जाणाहि नत्थित्थ दोसो । ते नो एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा-किरिया इ वा जाव अनिरए इ वा । एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए । एवमेव ते अणारिया विप्पडिवन्ना तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा जाव ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा । दोच्चे पुरिसजाए पञ्चमहब्भूइए त्ति आहिए ॥ १० ॥ ६४५ ॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोयं उववन्ना । तं जहा-आरिया वेगे जाव तेसिं च णं महंते एगे राया भवइ जाव सेणावइपुत्ता । तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए जाव जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपन्नत्ते भवइ । इह खलु धम्मा पुरिसादिया पुरिसोत्तरिया पुरिसप्पणीया पुरिससंभूया पुरिसपज्जोइया पुरिसमभिसमन्नागया पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए-गण्डे सिया सरीरे जाए सरीरे संवुड्ढे सरीरे अभिसमन्नागए सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए-अरई सिया सरीरे जाया सरीरे संवुड्ढा सरीरे अभिसमन्नागया सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति से जहानामए-वम्मिए सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमन्नागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति, से जहानामए-रुक्खे सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमन्नागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए-पुक्खरिणी सिया पुढविजाया जाव पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए-उदगपुक्खले सिया उदगजाए जाव

उदगमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति ।से जहानामए–उदगबुब्बुए सिया उदगजाए जाव उदगमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । जं पि य इमं समणाणं निग्गंथाणं उद्दिट्ठं पणीयं वियञ्जियं दुवालसङ्गं गणिपिडगं, तं जहा–आयारो सूयगडो जाव दिट्ठिवाओ, सव्वमेवं मिच्छा, न एयं तहियं न एयं आहातहियं, इमं सच्चं इमं तहियं इमं आहातहियं । ते एवं सन्नं कुव्वंति, ते एवं सन्नं संठवेंति, ते एवं सन्नं सोवट्ठवंति । तमेवं ते तज्जाइयं दुक्खं नाइउट्टंति सउणी पञ्जरं जहा । ते नो एवं विप्पडिवेदेंति तं जहा–किरिया इ वा जाव अणिरए इ वा, एवामेव ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारम्भेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारम्भंति भोयणाए । एवामेव ते अणारिया विप्पडिवन्ना एवं सद्दहमाणा जाव इति ते नो हव्वाए नो पाराए, अंतरा कामभोगेसु विसण्णे त्ति, तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिए ॥ ११ ॥ ६४६ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए नियइवाइए त्ति आहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ६ तहेव जाव सेणावइपुत्ता वा । तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य संपहारिंसु गमणाए जाव मए एस धम्मे सुअक्खाए सुपन्नत्ते भवइ । इह खलु दुवे पुरिसा भवंति–एगे पुरिसे किरियमाइक्खइ एगे पुरिसे नोकिरिय माइक्खइ । जे य पुरिसे किरियमाइक्खइ जे य पुरिसे नोकिरियमाइक्खइ दो वि ते पुरिसा तुल्ला एगट्ठा कारणमावन्ना । बाले पुण एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावन्ने–अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा अहमेयमकासि, परो वा जं दुक्खइ वा सोयइ वा जूरइ वा तिप्पइ वा पीडइ वा परितप्पइ वा परो एवमकासि । एवं से बाले सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावन्ने । मेहावी पुण एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावन्ने–अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा, नो अहं एवमकासि । परो वा जं दुक्खइ वा जाव परितप्पइ वा नो परो एवमकासि, एवं से मेहावी सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावन्ने । से बेमि पाईणं वा ६ जे तसथावरा पाणा ते एवं संघायमागच्छंति ते एवं विप्परियासमावज्जंति ते एवं विवेगमागच्छंति ते एवं विहाणमागच्छंति ते एवं संगइयन्ति उवेहाए । नो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा–किरिया इ वा जाव निरए इ वा अनिरए इ वा । एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारम्भेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए । एवमेव ते अणारिया विप्पडिवन्ना तं सद्दहमाणा जाव इति ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा । चउत्थे

पुरिसजाए नियइवाइए त्ति आहिए ॥ इच्चेए चत्तारि पुरिसजाया नाणापन्ना नाणाछंदा नाणासीला नाणादिट्ठी नाणारुई नाणारम्भा नाणाअज्झवसाणसंजुत्ता पहीणपुव्वसंजोगा आरियं मग्गं असंपत्ता इति ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा ॥ १२ ॥ ६४७ ॥ से बेमि पाईणं वा ६ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा-आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमन्ता वेगे हस्समन्ता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाणि भवंति, तं जहा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा। तेसिं च णं जणजाणवयाइं परिग्गहियाइं भवन्ति, तं जहा अप्पयरा भुज्जयरा वा। तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म अभिभूय एगे भिक्खायरियाए समुट्ठिया। सओ वा वि एगे नायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया। असओ वा वि एगे नायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया। [जे ते सओ वा असओ वा नायओ य अणायओ य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया] पुव्वमेवं तेहिं नायं भवइ। तं जहा-इह खलु पुरिसे अन्नमन्नं ममट्ठाए एवं विप्पडिवेदेति । तं जहा-खेत्तं मे वत्थू मे हिरण्णं मे सुवण्णं में धणं मे धन्नं मे कंसं मे दूसं मे विपुलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएयं मे। सद्दा मे रूवा मे गंधा मे रसा मे फासा मे। एए खलु मे कामभोगा अहमवि एएसिं। से मेहावी पुव्वामेव अप्पणो एवं समभिजाणेज्जा। तं जहा-इह खलु मम अन्नयरे दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुन्ने अमणामे दुक्खे नो सुहे। से हंता भयंतारो कामभोगाइं मम अन्नयरं दुक्खं रोगायंकं परियाइयह अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुन्नं अमणामं दुक्खं नो सुहं । ता अहं दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा इमाओ मे अन्नयराओ दुक्खाओ रोगायंकाओ पडिमोयह अणिट्ठाओ अकंताओ अप्पियाओ असुभाओ अमणुन्नाओ अमणामाओ दुक्खाओ नो सुहाओ। एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ। इह खलु कामभोगा नो ताणाए वा नो सरणाए वा। पुरिसे वा एगया पुव्विं कामभोगे विप्पजहइ, कामभोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहन्ति। अन्ने खलु कामभोगा अन्नो अहमंसि। से किमंग पुण वयं अन्नमन्नेहिं कामभोगेहिं मुच्छामो । इति संखाए णं वयं च कामभोगेहिं विप्पजहिस्सामो। से मेहावी जाणेज्जा बाहिरगमेयं इणमेव उवणीययरागं। तं जहा-माया मे पिया मे भाया मे भगिणी मे भज्जा मे पुत्ता मे धूया मे पेसा मे नत्ता मे सुण्हा मे सुहा मे पिया मे सहा मे सयणसंगंथसंथुया मे । एए खलु मम नायओ

अहमवि एएसिं। एवं से मेहावी पुव्वामेव अप्पणा एवं समभिजाणेज्जा। इह खलु मम अन्नयरे दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव दुक्खे नो सुहे। से हंता भयंतारो नायओ इमं मम अन्नयरं दुक्खं रोगायंकं परियाइयह अणिट्ठं जाव नो सुहं। ता अहं दुक्खामि वा सोयामि वा जाव परितप्पामि वा, इमाओ मे अन्नयराओ दुक्खाओ रोगायंकाओ परिमोएह अणिट्ठाओ जाव नो सुहाओ, एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ। तेसिं वा वि भयंताराणं मम नाययाणं अन्नयरे दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव नो सुहे, से हंता अहमेएसिं भयंताराणं नाययाणं इमं अन्नयरं दुक्खं रोगायंकं परियाइयामि अणिट्ठं जाव नो सुहे, मा मे दुक्खंतु वा जाव मा मे परितप्पंतु वा, इमाओ णं अन्नयराओ दुक्खाओ रोगायंकाओ परिमोएमि अणिट्ठाओ जाव नो सुहाओ, एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ। अन्नस्स दुक्खं अन्नो न परियाइयइ अन्नेण कडं अन्नो नो पडिसंवेदेइ पत्तेयं जायइ पत्तेयं मरइ पत्तेयं चयइ पत्तेयं उववज्जइ पत्तेयं झंझा पत्तेयं सन्ना पत्तेयं मन्ना एवं विन्नू वेयणा। इइ खलु नाइसंजोगा नो ताणाए वा नो सरणाए वा। पुरिसे वा एगया पुव्विं नाइसंजोगे विप्पजहइ, नाइसंजोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहन्ति, अन्ने खलु नाइसंजोगा अन्नो अहमंसि, से किमंग पुण वयं अन्नमन्नेहिं नाइसंजोगेहिं मुच्छामो, इति संखाए णं वयं नाइसंजोगं विप्पजहिस्सामो। से मेहावी जाणेज्जा बहिरङ्गमेयं, इणमेव उवणीययरागं। तं जहा–हत्था मे पाया मे बाहा मे ऊरू मे उयरं मे सीसं मे सीलं मे आऊ मे बलं मे वण्णो मे तया मे छाया मे सोयं मे चक्खू मे घाणं मे जिब्भा मे फासा मे ममाइज्जइ, वयाउ पडिजूरइ। तं जहा–आउओ बलाओ वण्णाओ तयाओ छायाओ सोयाओ जाव फासाओ। सुसंधिओ संधी विसंधीभवइ, वलियतरंगे गाए भवइ, किण्हा केसा पलिया भवन्ति। तं जहा–जं पि य इमं सरीरगं उरालं आहारोवइयं एयं पि य अणुपुव्वेणं विप्पजहियव्वं भविस्सइ। एयं संखाए से भिक्खू भिक्खायरियाए समुट्ठिए दुहओ लोगं जाणेज्जा, तं जहा–जीवा चेव अजीवा चेव, तसा चेव थावरा चेव ॥ १३ ॥ ६४८ ॥ इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, जे इमे तसा थावरा पाणा ते सयं समारभन्ति अन्नेण वि समारम्भावेंति अन्नं पि समारभंतं समणुजाणन्ति। इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, जे इमे कामभोगा सचित्ता वा अचित्ता वा ते सयं परिगिण्हन्ति अन्नेण वि परिगिण्हावेन्ति अन्नं पि परिगिण्हंतं समणुजाणंति। इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि

सारम्भा सपरिग्गहा, अहं खलु अणारम्भे अपरिग्गहे, जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, एएसिं चेव निस्साए बम्भचेरवासं वसिस्सामो। कस्स णं तं हेउं? जहा पुव्वं तहा अवरं जहा अवरं तहा पुव्वं, अञ्जू एए अणुवरया अणुवट्ठिया पुणरवि तारिसगा चेव। जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, दुहओ पावाइं कुव्वंति इति संखाए दोहि वि अंतेहिं अदिस्समाणो इति भिक्खू रीएज्जा। से बेमि पाईणं वा ६ जाव एवं से परिन्नायकम्मे, एवं से ववेयकम्मे, एवं से विअंतकारए भवइ त्ति-मक्खायं ॥ १४ ॥ ६४९ ॥ तत्थ खलु भगवया छज्जीवनिकायहेऊ पन्नत्ता। तं जहा-पुढवीकाए जाव तसकाए। से जहानामए-मम असायं दण्डेण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आउट्टिज्जमाणस्स वा हम्ममाणस्स वा तज्जिज्जमाणस्स वा ताडिज्जमाणस्स वा परियाविज्जमाणस्स वा किलामिज्जमाणस्स वा उद्दविज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि, इच्चेवं जाण सव्वे जीवा सव्वे भूया सव्वे पाणा सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आउट्टिज्जमाणा वा हम्ममाणा वा तज्जिज्जमाणा वा ताडिज्जमाणा वा परियाविज्जमाणा वा किलामिज्जमाणा वा उद्दविज्जमाणा वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेंति। एवं नच्चा सव्वे पाणा जाव सत्ता न हंतव्वा न अज्जावेयव्वा न परिघेयव्वा न परितावेयव्वा न उद्दवेयव्वा। से बेमि जे य अईया जे य पडुप्पन्ना जे य आगमिस्सा अरिहंता भगवंता सव्वे ते एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पन्नवेंति एवं परूवेंति सव्वे पाणा जाव सत्ता न हंतव्वा न परिघेयव्वा न अज्जावेयव्वा न परितावेयव्वा न उद्दवेयव्वा। एस धम्मे धुवे नीइए सासए समिच्च लोगं खेयन्नेहिं पवेइए। एवं से भिक्खू विरए पाणाइवायाओ जाव विरए परिग्गहाओ नो दंतपक्खालणेणं दंते पक्खालेज्जा नो अञ्जणं नो वमणं नो धूवणे नो तं परिआविएज्जा॥ से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे अमाणे अमाए अलोहे उवसंते परिनिव्वुडे नो आसंसं पुरओ करेज्जा इमेण मे दिट्ठेण वा सुएण वा मएण वा विन्नाएण वा इमेण वा सुचरियतवनियमबम्भचेरवासेण इमेण वा जायामायावुत्तिएणं धम्मेणं इओ चुए पेच्चा देवे सिया कामभोगाण वसवत्ती सिद्धे वा अदुक्खमसुभे एत्थ वि सिया एत्थ वि नो सिया। से भिक्खू सद्देहिं अमुच्छिए रूवेहिं अमुच्छिए गंधेहिं अमुच्छिए रसेहिं अमुच्छिए फासेहिं अमुच्छिए विरए कोहाओ माणाओ मायाओ लोभाओ पेज्जाओ दोसाओ कलहाओ अब्भक्खाणाओ पेसुन्नाओ परपरिवायाओ

अरइरईओ मायामोसाओ मिच्छादंसणसल्लाओ इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू। जे इमे तसथावरा पाणा भवंति ते नो सयं समारम्भइ नो वन्नेहिं समारम्भावेइ अन्ने समारम्भंते वि न समणुजाणइ इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू जे इमे कामभोगा सच्चित्ता वा अचित्ता वा ते णो सयं परिगिण्हंति णो अण्णेणं परिगिण्हावेंति अन्नं परिगिण्हंतंपि न समणुजाणंति इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरओ से भिक्खू। जं पि य इमं संपराइयं कम्मं किज्जइ, नो तं सयं करेइ नो अन्नाणं कारवेइ अन्नं पि करेंतं न समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए। से भिक्खू जाणेज्जा असणं वा ४ अस्सिं पडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारम्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अनिसट्टं अभिहडं आहट्टुद्देसियं तं चेइयं सिया तं नो सयं भुञ्जइ नो अन्नेणं भुञ्जावेइ अन्नं पि भुञ्जंतं न समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू अह पुण एवं जाणेज्जा तं विज्जइ तेसिं परक्कमे। (जस्सट्ठा ते वेइयं सिया तंजहा अप्पणो पुत्ताइणट्ठाए जाव आएसाए पुढो पहेणाए सामासाए पायरासाए संनिहिसंनिचओ किज्जइ इह एएसिं माणवाणं भोयणाए) तत्थ भिक्खू परकडं परनिट्ठियमुग्गमुप्पायणेसणासुद्धं सत्थाईयं सत्थपरिणामियं अविहिंसियं एसियं वेसियं सामुदाणियं पत्तमसणं कारणट्ठा पमाणजुत्तं अक्खोवञ्जणवणलेवणभूयं संजमजायामायावत्तियं विलमिव पन्नगभूएणं अप्पाणेणं आहारं आहारेज्जा अन्नं अन्नकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले। से भिक्खू मायन्ने अन्नयरं दिसं अणुदिसं वा पडिवन्ने धम्मं आइक्खे विभए किट्टे उवट्ठिएसु वा अणुवट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेयए, संतिविरइं उवसमं निव्वाणं सोयवियं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवाइयं सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं जाव सत्ताणं अणुवाइं किट्टए धम्मं। से भिक्खू धम्मं किट्टमाणे नो अन्नस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो पाणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो वत्थस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो लेणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो सयणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, नो अन्नेसिं विरूवरूवाणं कामभोगाणं हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, अगिलाए धम्ममाइक्खेज्जा, नन्नत्थ कम्मनिज्जरट्ठाए धम्ममाइक्खेज्जा। इह खलु तस्स भिक्खुस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म उट्ठाणेणं उट्ठाय वीरा अस्सिं धम्मे समुट्ठिया। जे तस्स भिक्खुस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म सम्मं उट्ठाणेणं उट्ठाय वीरा अस्सिं धम्मे समुट्ठिया ते एवं सव्वोवगया ते एवं सव्वोवरया ते एवं सव्वोवसंता ते एवं सव्वत्ताए परिणिव्वुडे त्ति बेमि। एवं

से भिक्खू धम्मट्ठी धम्मविऊ नियागपडिवन्ने से जहेयं वुइयं अदुवा पत्ते पउमवरपोण्डरीयं अदुवा अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं, एवं से भिक्खू परिन्नायकम्मे परिन्नाय संगे परिन्नायगेहवासे उवसंते समिए सहिए सयाजए। सेयं वयणिज्जे तं जहा—समणे त्ति वा माहणे त्ति वा खंते त्ति वा दंते त्ति वा गुत्ते त्ति वा मुत्ते त्ति वा इसि त्ति वा मुणि त्ति वा कइ त्ति वा विउ त्ति वा भिक्खु त्ति वा लूहे त्ति वा तीरट्ठि त्ति वा चरणकरणपारविउ त्ति बेमि ॥ १५ ॥ ६५० ॥ **पोण्डरियज्झयणं पढमं समत्तं ॥**

किरियाठाणज्झयणे बिइये

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु किरियाठाणे नामज्झयणे पन्नत्ते, तस्स णं अयमट्ठे। इह खलु संजूहेणं दुवे ठाणे एवमाहिज्जंति। तं जहा। धम्मे चेव अधम्मे चेव उवसंते चेव अणुवसंते चेव। तत्थ णं जे से पढमस्स ठाणस्स अहम्मपक्खस्स विभङ्गे तस्स णं अयमट्ठे पन्नत्ते। इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं इमं एयारूवं दण्डसमादाणं संपेहाए। तं जहा—नेरइएसु वा तिरिक्खजोणिएसु वा मणुस्सेसु वा देवेसु वा जे यावन्ने तहप्पगारा पाणा विन्नू वेयणं वेयंति॥ तेसिं पि य णं इमाइं तेरस किरियाठाणाइं भवंतीतिमक्खायं। तं जहा—अट्ठादण्डे १, अणट्ठादण्डे २, हिंसादण्डे ३, अकम्हादण्डे ४, दिट्ठिविपरियासियादण्डे ५, मोसवत्तिए ६, अदिन्नादाणवत्तिए ७, अज्झत्थवत्तिए ८, माणवत्तिए ९, मित्तदोसवत्तिए १०, मायावत्तिए ११, लोभवत्तिए १२, इरियावहिए १३ ॥१॥६५१॥ पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए—केइ पुरिसे आयहेउं वा नाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा मित्तहेउं वा नागहेउं वा भूयहेउं वा जक्खहेउं वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव निसिरइ अन्नेण वि निसिरावेइ अन्नं पि निसिरंतं समणुयाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिए॥ २ ॥ ६५२ ॥ अहावरे दोच्चे दण्डसमादाणे अणट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए—केइ पुरिसे जे इमे तसा पाणा भवंति ते नो अच्चाए नो अजिणाए नो मंसाए नो सोणियाए एवं हिययाए पित्ताए वसाए पिच्छाए पुच्छाए वालाए सिंगाए विसाणाए

दंताए दाढाए नहाए ण्हारुणिए अट्ठीए अट्ठिमज्जाए नो हिंसिंसु मे त्ति नो हिंसंति मे त्ति नो हिंसिस्संति मे त्ति नो पुत्तपोसणाए नो पसुपोसणाए नो अगारपरिवूहणयाए नो समणमाहणवत्तणाहेउं नो तस्स सरीरगस्स किंचि विप्परियाइत्ता भवंति। से हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता उज्झिउं वाले वेरस्स आभागी भवइ अणट्ठादण्डे। से जहानामए केइ पुरिसे जे इमे थावरा पाणा भवंति। तं जहा-इक्कडा इ वा कडिणा इ वा जंतुगा इ वा परगा इ वा मोक्खा इ वा तणा इ वा कुसा इ वा कुच्छगा इ वा पव्वगा इ वा पलाला इ वा, ते नो पुत्तपोसणाए नो पसुपोसणाए नो अगारपरिवूहणयाए नो समणमाहणपोसणयाए नो तस्स सरीरगस्स किंचि विपरियाइत्ता भवंति। से हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता उज्झिउं वाले वेरस्स आभागी भवइ अणट्ठादण्डे॥ से जहानामए केइ पुरिसे कच्छंसि वा दहंसि वा उदगंसि वा दवियंसि वा वलयंसि वा नूमंसि वा गहणंसि वा गहणविदुग्गंसि वा वणंसि वा वणविदुग्गंसि वा पव्वयंसि वा पव्वयविदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय ऊसविय सयमेव अगणिकायं निसिरइ अन्नेण वि अगणिकायं निसिरावेइ अन्नं पि अगणिकायं निसिरंतं समणुजाणइ अणट्ठादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दोच्चे दण्डसमादाणे अणट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिए॥ ३॥ ६५३॥ अहावरे तच्चे दण्डसमादाणे हिंसादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए-केइ पुरिसे ममं वा ममिं वा अन्नं वा अन्निं वा हिंसिंसु वा हिंसइ वा हिंसिस्सइ वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव निसिरइ अन्नेण वि निसिरावेइ अन्नं पि निसिरंतं समणुजाणइ हिंसादण्डे, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। तच्चे दण्डसमादाणे हिंसादण्डवत्तिए त्ति आहिए॥४॥६५४॥ अहावरे चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए-केइ पुरिसे कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा मियवत्तिए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिय त्ति काउं अन्नयरस्स मियस्स वहाए उसुं आयामेत्ता णं निसिरेज्जा, स मियं वहिस्सामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा चडगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविं वा कविंजलं वा विंधित्ता भवइ, इह खलु से अन्नस्स अट्ठाए अन्नं फुसइ अकम्हादण्डे। से जहानामए केइ पुरिसे सालीणि वा वीहीणि वा कोद्दवाणि वा कंगूणि वा परगाणि वा रालाणि वा निलिज्जमाणे अन्नयरस्स तणस्स वहाए सत्थं निसिरेज्जा, से सामगं तणगं कुमुदुगं वीहीऊसियं कलेसुयं तणं छिन्दिस्सामि त्ति कट्टु सालिं वा वीहिं वा कोद्दवं वा कंगुं वा परगं वा रालयं वा छिन्दित्ता भवइ। इति खलु से अन्नस्स अट्ठाए अन्नं फुसइ अकम्हादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं

सावज्जं आहिज्जइ । चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए आहिए ॥५॥६५५॥ अहावरे पञ्चमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे माईहिं वा पिईहिं वा भाईहिं वा भगिणीहिं वा भज्जाहिं वा पुत्तेहिं वा धूयाहिं वा सुण्हाहिं वा सद्धिं संवसमाणे मित्तं अमित्तमेव मन्नमाणे मित्ते हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे । से जहानामए-केइ पुरिसे गामघायंसि वा नगरघायंसि वा खेडघायंसि कब्बडघायंसि मडंबघायंसि वा दोणमुहघायंसि वा पट्टणघायंसि वा आसमघायंसि वा संनिवेसघायंसि वा निग्गमघायंसि वा रायहाणिघायंसि वा अतेणं तेणमिति मन्नमाणे अतेणे हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । पञ्चमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ ६ ॥ ६५६ ॥ अहावरे छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे आयहेउं वा नाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा सयमेव मुसं वयइ अण्णेण वि मुसं वाएइ मुसं वयन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए त्ति आहिए ॥७॥६५७॥ अहावरे सत्तमे किरियट्ठाणे अदिन्नादाणवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे आयहेउं वा जाव परिवारहेउं वा सयमेव अदिन्नं आदियइ अन्नेणं वि अदिन्नं आदियावेइ अदिन्नं आदियन्तं अन्नं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । सत्तमे किरियट्ठाणे अदिन्नादाणवत्तिए त्ति आहिए ॥८॥६५८॥ अहावरे अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे नत्थि णं केइ किंचि विसंवादेइ सयमेव हीणे दीणे दुट्ठे दुम्मणे ओहयमणसंकप्पे चिन्तासोगसागरसंपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठिए झियाइ, तस्स णं अज्झत्थया आसंसइया चत्तारि ठाणा एवमाहिज्जन्ति । तं जहा-कोहे माणे माया लोहे । अज्झत्थमेव कोहमाणमायालोहे । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिए ॥९॥६५९॥ अहावरे नवमे किरियट्ठाणे माणवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे जाइमएण वा कुलमएण वा बलमएण वा रूवमएण वा तवमएण वा सुयमएण वा लाभमएण वा इस्सरियमएण वा पन्नामएण वा अन्नयरेण वा मयट्ठाणेणं मत्ते समाणे परं हीलेइ निन्देइ खिंसइ गरहइ परिभवइ अवमन्नेइ, इत्तरिए अयं, अहमंसि पुण विसिट्ठजाइकुलबलाइगुणोववेए । एवं अप्पाणं समुक्कस्से, देहचुए कम्मविइए अवसे पयाइ । तं जहा-गब्भाओ गब्भं ४ जम्माओ जम्मं माराओ मारं नरगाओ नरगं चण्डे थद्धे चवले माणी यावि भवइ । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं

अज्झोववन्ना जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छद्दसमाइं अप्पयरो वा भुजयरो वा भुञ्जित्तु भोगभोगाइं कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु आसुरिएसु किव्विसिएसु ठाणेसु उववत्तारो भवन्ति । तओ विप्पमुच्चमाणे भुज्जो भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए जाइमूयत्ताए पच्चायन्ति । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । दुवालसमे किरियट्ठाणे लोभवत्तिए त्ति आहिए । इच्चेयाइं दुवालस किरियट्ठाणाइं दविएणं समणेण वा माहणेण वा सम्मं सुपरिजाणियव्वाइं भवन्ति ॥ १३ ॥ ६६३ ॥ अहावरे तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ । इह खलु अत्तत्ताए संवुडस्स अणगारस्स इरियासमियस्स भासासमियस्स एसणासमियस्स आयाणभण्डमत्तनिक्खेवणासमियस्स उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमियस्स मणसमियस्स वयसमियस्स कायसमियस्स मणगुत्तस्स वयगुत्तस्स कायगुत्तस्स गुत्तिन्दियस्स गुत्तबम्भयारिस्स आउत्तं चिट्ठमाणस्स आउत्तं निसीयमाणस्स आउत्तं तुयट्टमाणस्स आउत्तं भुञ्जमाणस्स आउत्तं गच्छमाणस्स आउत्तं भासमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कम्बलं पायपुञ्छणं गिण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा जाव चक्खुपम्हनिवायमवि अत्थि विमाया सुहुमा किरिया इरियावहिया नाम कज्जइ । सा पढमसमए बद्धा पुट्ठा बिईयसमए वेइया तइयसमए निज्जिण्णा सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेइया निज्जिण्णा सेयकाले अकम्मे यावि भवइ । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ, तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ । से बेमि जे य अईया जे य पडुप्पन्ना जे य आगमिस्सा अरिहन्ता भगवन्ता सव्वे ते एयाइं चेव तेरस किरियट्ठाणाइं भासिंसु वा भासेन्ति वा भासिस्सन्ति वा पन्नविंसु वा पन्नवेन्ति वा पन्नविस्सन्ति वा, एवं चेव तेरसमं किरियट्ठाणं सेविंसु वा सेवन्ति वा सेविस्सन्ति वा ॥ १४ ॥ ६६४ ॥ अदुत्तरं च णं पुरिसविजयं विभङ्गमाइक्खिस्सामि । इह खलु नाणापन्नाणं नाणाछन्दाणं नाणासीलाणं नाणादिट्ठीणं नाणारुईणं नाणारम्भाणं नाणाज्झवसाणसंजुत्ताणं नाणाविहपावसुयज्झयणं एवं भवइ । तं जहा–भोमं उप्पायं सुविणं अन्तलिक्खं अङ्गं सरं लक्खणं वञ्जणं इत्थिलक्खणं पुरिसलक्खणं हयलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं मेण्ढलक्खणं कुक्कुडलक्खणं तित्तिरलक्खणं वट्टगलक्खणं लावयलक्खणं चक्कलक्खणं छत्तलक्खणं चम्मलक्खणं दण्डलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं कागिणिलक्खणं सुभगाकरं दुब्भगाकरं गब्भाकरं मोहणकरं आहव्वणिं पागसासणिं दव्वहोमं खत्तियविज्जं चन्दचरियं सूरचरियं सुक्कचरियं बहस्सइचरियं उक्कापायं दिसादाहं मियचक्कं वायसपरिमण्डलं पंसुवुट्ठिं केसवुट्ठिं मंसवुट्ठिं रुहिरवुट्ठिं वेयालिं अद्धवेयालिं ओसोवणिं तालुग्घाडणिं सोवागिं सोवारिं दामिलिं कालिङ्गिं

गोवालभावं पडिसंधाय तमेव गोवालं वा परिजविय परिजविय हन्ता जाव उव-क्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियभावं पडिसंधाय तमेव सुणगं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियन्तियभावं पडिसंधाय तमेव मणुस्सं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव आहारं आहारेइ इति से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ ॥ १६ ॥ ६६६ ॥ से एगइओ परिसामज्झाओ उट्ठित्ता अहमेयं हणामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविञ्जलं वा अन्नयरं वा तसं वा पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं सस्साइं झामेइ अन्नेण वि अगणिकाएणं सस्साइं झामावेइ अगणिकाएणं सस्साइं झामन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अन्नेण वि कप्पावेइ कप्पन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा गोणसालाओ वा घोडगसालाओ वा गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाए पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ अन्नेण वि झामावेइ झामन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा कुण्डलं वा मणिं वा मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ अन्नेण वि अवहरावेइ अवहरन्तं पि अन्नं समणुजाणइ इति से महया जाव भवइ॥ से एगइओ केणइ वि आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा भण्डगं वा मत्तगं वा लट्ठिं वा भिसिगं वा चेलगं वा चिलिमिलिगं वा चम्मयं वा छेयणगं वा चम्मकोसियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ, इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ॥ से एगइओ नो वितिगिञ्छइ। तं जहा–गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं ओसहीओ झामेइ जाव अन्नं पि झामन्तं समणुजाणइ, इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ नो वितिगिञ्छइ, तं जहा–गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अन्नेण वि कप्पावेइ अन्नं पि कप्पन्तं समणुजाणइ। से एगइओ

गिज्झन्ति। एस ठाणे अणारिए अकेवले अप्पडिपुण्णे अणेयाउए असंसुद्धे असल्लगत्तणे असिद्धिमग्गे अमुत्तिमग्गे अनिव्वाणमग्गे अनिज्जाणमग्गे असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहु। एस खलु पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥१७॥६६७॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा-आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमन्ता वेगे हस्समन्ता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाइं भवन्ति, एसो आलावगो जहा पोण्डरीए तहा नेयव्वो, तेणेव अभिलावेण जाव सव्वोवसन्ता सव्वत्ताए परिनिव्वुडे त्ति बेमि॥ एस ठाणे आरिए केवले जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगन्तसम्मे साहु। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए॥१८॥६६८॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ। जे इमे भवन्ति आरण्णिया आवसहिया गामणियन्तिया कण्हुईरहस्सिया जाव ते तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूयाए तमूयत्ताए पच्चायन्ति। एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहू। एस खलु तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥ १९ ॥ ६६९ ॥ अहावरे पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति-गिहत्था महिच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अधम्मिया अधम्माणुया अधम्मिट्ठा अधम्मक्खाई अधम्मपायजीविणो अधम्मपलोई अधम्मपलज्जणा अधम्मसीलसमुदायारा अधम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति। हण छिन्द भिन्द विगत्तगा लोहियपाणी चण्डा रुद्दा खुद्दा साहस्सिया उक्कुञ्चणवञ्चणमायानियडिकूडकवडसाइसंपओगबहुला दुस्सीला दुव्वया दुप्पडियाणन्दा असाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कोहाओ जाव मिच्छादंसणसल्लाओ अप्पडिविरया, सव्वाओ ण्हाणुम्मद्दणवण्णगन्धविलेवणसद्दफरिसरसरूवगन्धमल्लालंकाराओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसियासंदमाणियासयणासणजाणवाहणभोगभोयणपवित्थरविहीओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कयविक्कयमासद्धमासरूवगसंववहाराओ अप्पडिविरया, जावज्जीवाए, सव्वाओ हिरण्णसुवण्णधणधन्नमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कूडतुलकूडमाणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ आरम्भसमारम्भाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ करणकारावणाओ अप्पडिविरया

कालं किच्चा धरणियलमइवइत्ता अहे नरगयलपइट्ठाणे भवइ ॥ २० ॥ ६७० ॥ ते णं नरगा अन्तो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिया निच्चन्धकारतमसा ववगयगहचन्दसूरनक्खत्तजोइसप्पहा मेदवसामंसरुहिरपूयपडलचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणयला असुई वीसा परमदुब्भिगन्धा कण्हा अगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरएसु वेयणाओ ॥ नो चेव नरएसु नेरइया निद्दायन्ति वा पयलायन्ति वा सुइं वा रइं वा धिइं वा मइं वा उवलभन्ते । ते णं तत्थ उज्जलं विउलं पगाढं कडुयं कक्कसं चण्डं दुक्खं दुग्गं तिव्वं दुरहियासं नेरइया वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ २१ ॥ ६७१ ॥ से जहानामए रुक्खे सिया पव्वयग्गे जाए मूले छिन्ने अग्गे गरुए जओ निण्णं जओ विसमं जओ दुग्गं तओ पवडइ, एवामेव तहप्पगारे पुरिसजाए गब्भाओ गब्भं जम्माओ जम्मं माराओ मारं नरगाओ नरगं दुक्खाओ दुक्खं दाहिणगामिए नेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहिए यावि भवइ । एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहू । पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥ २२ ॥ ६७२ ॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा–अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुगा धम्मिट्ठा जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति, सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणन्दा सुसाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जीवाए जाव जे यावन्ने तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मन्ता परपाणपरियावणकरा कज्जन्ति तओ वि पडिविरया जावज्जीवाए ॥ से जहानामए–अणगारा भगवन्तो इरियासमिया भासासमिया एसणासमिया आयाणभण्डमत्तनिक्खेवणसमिया उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपरिट्ठावणियासमिया मणसमिया वयसमिया कायसमिया मणगुत्ता वयगुत्ता कायगुत्ता गुत्ता गुत्तिन्दिया गुत्तबम्भयारी अकोहा अमाणा अमाया अलोभा सन्ता पसन्ता उवसन्ता परिनिव्वुडा अणासवा अग्गन्था छिन्नसोया निरुवलेवा कंसपाइ व्व मुक्कतोया संखो इव निरञ्जणा जीव इव अपडिहयगई गगणतलं पिव निरालम्बणा वाउरिव अपडिबद्धा सारदसलिलं व सुद्धहियया पुक्खरपत्तं व निरुवलेवा कुम्मो इव गुत्तिन्दिया विहग इव विप्पमुक्का खग्गिविसाणं व एगजाया भारुण्डपक्खी व अप्पमत्ता कुंजरो इव सोण्डीरा वसभो इव जायत्थामा सीहो इव दुद्धरिसा मन्दरो इव अप्पकम्पा सागरो इव गम्भीरा चन्दो इव सोमलेसा सूरो इव दित्ततेया जच्चकञ्चणगं व जायरूवा वसुंधरा इव सव्वफासविसहा सुहुयहुयासणो विय तेयसा जलन्ता । नत्थि णं तेसिं भगवन्ताणं

पवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोंदी पलम्बवणमालाधरा दिव्वेणं रूवेणं दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गन्धेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाएणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चाए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा गइकल्लाणा ठिइकल्लाणा आगमेसिभद्दया यावि भवन्ति। एस ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तसम्मे सुसाहू। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥ २३ ॥ ६७३ ॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्सविभङ्गे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा-अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणन्दा साहू एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावजीवाए एगच्चाओ अप्पडिविरया जाव जे यावन्ने तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मन्ता परपाणपरितावणकरा कज्जन्ति तओ वि एगच्चाओ अप्पडिविरया। से जहानामए समणोवासगा भवन्ति अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा आसवसंवरवेयणानिज्जराकिरियाहिगरणबन्धमोक्खकुसला असहेज्जदेवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसगरुलगन्धव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं निग्गन्थाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा, इणमेव निग्गन्थे पावयणे निस्संकिया निक्कंखिया निव्विइगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा अट्ठिमिञ्जपेम्माणुरागरत्ता। अयमाउसो निग्गन्थे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे उसियफलिहा अवंगुयदुवाराअचियत्तन्तेउरपरघरपवेसा चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे निग्गन्थे फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकम्बलपायपुञ्छणेणं ओसहभेसज्जेणं पीठफलगसेज्जासन्थारएणं पडिलाभेमाणा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरन्ति ॥ ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता आबाहंसि उप्पण्णंसि वा, अणुप्पण्णंसि वा बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्च-

भाइमरणाणं भगिणीमरणाणं भज्जापुत्तधूयासुण्हामरणाणं दारिद्दाणं दोहग्गाणं अप्पिय-संवासाणं पियविप्पओगाणं बहूणं दुक्खदोमणस्साणं आभागिणो भविस्संति अणादियं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं भुज्जो भुज्जो अणुपरियट्टिस्संति ते णो सिज्झिस्संति णो बुज्झिस्संति जाव णो सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति एस तुला एस पमाणे एस समोसरणे पत्तेयं तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोसरणे। तत्थ णं जे ते समणा माहणा एवमाइक्खन्ति जाव परूवेन्ति। सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता न हन्तव्वा न अज्जावेयव्वा न परिघेयव्वा न उद्दवेयव्वा ते नो आगन्तुच्छेयाए ते नो आगन्तुभेयाए जाव जाइजरामरणजोणिजम्मणसंसारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलंकलीभागिणो भविस्सन्ति, जाव अणाइयं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरन्तसंसारकन्तारं भुज्जो भुज्जो नो अणुपरियट्टिस्सन्ति, ते सिज्झिस्सन्ति जाव सव्वदुक्खाणं अन्तं करिस्सन्ति ॥ २८ ॥ ६७८ ॥ इच्चेएहिं बारसहिं किरिया-ठाणेहिं वट्टमाणा जीवा नो सिज्झिंसु नो बुज्झिंसु नो मुच्चिंसु नो परिणिव्वाइंसु जाव नो सव्वदुक्खाणं अन्तं करेंसु वा नो करेन्ति वा नो करिस्सन्ति वा। एयंसि चेव तेरसमे किरियाठाणे वट्टमाणा जीवा सिज्झिंसु बुज्झिंसु मुच्चिंसु परिणिव्वाइंसु जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेंसु वा करंति वा करिस्संति वा। एवं से भिक्खू आयट्ठी आय-हिए आयगुत्ते आयजोगे आयपरक्कमे आयरक्खिए आयाणुकम्पए आयणिप्फेडए आयाणमेव पडिसाहरेज्जासि त्ति बेमि **किरियाठ्ठाणज्झयणं बिइयं** ॥२९॥६७९॥

आहारपरिन्नज्झयणे तइये

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु आहारपरिन्ना नामज्झयणे तस्स णं अयमट्ठे। इह खलु पाईणं वा ४ सव्वओ सव्वावंति य णं लोगंसि चत्तारि बीयकाया एवमाहिज्जंति। तं जहा–अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया। तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढवीसंभवा पुढवी-वुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणा-विहजोणियासु पुढवीसु रुक्खत्ताए विउट्टंति॥ ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउसरीरं तेउसरीरं वाउसरीरं वणस्सइसरीरं। नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं। तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणयं सारूवियकडं संतं। अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा नाणावण्णा नाणागंधा नाणारसा

नाणाफासा नाणासंठाणसंठिया नाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववन्नगा भवन्तीति मक्खायं ॥ १ ॥ ६८० ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा पुढवीजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खत्ताए विउट्टंति । ते जीवा तेसिं पुढवीजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति, ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइसरीरं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं । तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विप्परिणामियं सारूवियकडं सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा नाणावण्णा नाणागन्धा नाणारसा नाणाफासा नाणासंठाणसंठिया नाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववन्नगा भवन्तीति मक्खायं ॥ २ ॥ ६८१ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु रुक्खत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति, पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइसरीरं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणामियं सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा जाव ते जीवा कम्मोववन्नगा भवंति त्ति मक्खायं ॥ ३ ॥ ६८२ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु रुक्खेसु मूलत्ताए कंदत्ताए, खंधत्ताए तयत्ताए सालत्ताए पवालत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं तं सरीरगं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवियणं तेसिं रुक्खजोणियाणं मूलाणं कंदाणं खंधाणं तयाणं सालाणं पवालाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जाव णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववन्नगा भवंति त्ति मक्खाय ॥ ४ ॥ ६८३ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभव रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोववन्नगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कम रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणिया रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं सं अवरेवि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारुहाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खा

॥ ५ ॥ ६८४ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थ वुक्कमा रुक्खजोणिएसु अज्झारोहेसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ६ ॥ ६८५ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थ वुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति-पुढविसरीरं आउसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोह जोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ७ ॥ ६८६ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति जाव अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं मूलाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ८ ॥ ६८७ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढविजोणिया पुढविसंभवा जाव णाणाविहजोणियासु पुढवीसु तणत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति जाव ते जीवा कम्मोववन्ना भवंति त्ति मक्खायं-एवं पुढविजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति जाव मक्खायं-एवं तणजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति तणजोणियं तणसरीरं च आहारेंति, जाव-मक्खायं-एवं तणजोणिएसु तणेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा जाव एवमक्खायं-एवं ओसहीणं वि चत्तारि आलावगा-एवं हरियाणवि चत्तारि आलावगा-॥ ९-१० ॥ ६८८-६८९ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढविसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणियासु पुढवीसु आयत्ताए वायत्ताए कायत्ताए कूहणत्ताए कन्दुकत्ताए उव्वेहणियत्ताए निव्वेहणियत्ताए सछत्ताए छत्तगत्ताए वासाणियत्ताए कूरत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेन्ति । ते वि जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं आयत्ताणं जाव कूराणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । एगो चेव आलावगो सेसा तिण्णि नत्थि । अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणिएसु उदएसु रुक्खत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं

गाणं अकम्मभूमगाणं अन्तरदीवगाणं आरियाणं मिलक्खुयाणं । तेसिं च णं अहा-बीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणिए एत्थ णं मेहुणवत्तियाए (व) नामं संजोगे समुप्पज्जइ। ते दुहओ वि सिणेहं संचिणन्ति। तत्थ णं जीवा इत्थि-त्ताए पुरिसत्ताए नपुंसगत्ताए विउट्टन्ति, ते जीवा माओउयं पिउसुक्कं तं तदुभयं संसट्ठं कलुसं किब्बिसं तं पढमत्ताए आहारमाहारेंति तओ पच्छा जं से माया णाणाविहाओ रसविहीओ आहारमाहारेंति तओ एगदेसेणं ओयमाहारेंति अणुपुव्वेण वुड्ढा पलिपाग-मणुपवन्ना तओ कायाओ अभिनिवट्टमाणा इत्थि वेगया जणयंति पुरिसं वेगया जण-यंति, णपुंसगं वेगया जणयंति, ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीरं सप्पिं आहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा ओयणं कुम्मासं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं मणुस्सगाणं कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं आरियाणं मिलक्खूणं सरीरा णाणावण्णा भवंति त्ति मक्खायं ॥ ६९२ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं जलचराणं पंचिंदियतिरिक्ख-जोणियाणं, तंजहा–मच्छाणं जाव सुंसुमाराणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडा तहेव जाव तओ पच्छा एगदेसेणं ओयमाहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा पलिपागमणुपवन्ना तओ कायाओ अभिनिवट्टमाणा अंडं वेगया जणयंति पोयं वेगया जणयंति, से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगया जणयंति, पुरिसं वेगया जणयंति, णपुंसगं वेगया जणयंति, ते जीवा डहरा समाणा आउसिणेहमा-हारेंति, आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं जलचरपंचिंदियतिरिक्ख-जोणियाणं मच्छाणं सुंसुमाराणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ६९३ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तंजहा एगखुराणं दुखुराणं गंडीपदाणं सणप्पयाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थिपुरिसस्स य कम्म जाव मेहुणवत्तिए णामं संजोगे समुप्पज्जइ ते दुहओ सिणेहं संचिणंति तत्थणं जीवा इत्थित्ताए पुरिसत्ताए जाव विउट्टंति ते जीवा माउओयं पिउसुक्कं एवं जहा माणुस्साणं इत्थिं वेगया जणयंति पुरिसंपि नपुंसगंपि ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीरं सप्पिं आहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं चउप्प-यथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एगखुराणं जाव सणप्पयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ६९४ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिं-दियतिरिक्खजोणियाणं तंजहा–अहीणं अयगराणं आसालियाणं महोरगाणं तेसिं च

णं अहावीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स जाव एत्थणं मेहुणे एवं तं चेव नाणत्तं अंडं वेगइया जणयंति पोयं वेगइया जणयंति से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगइया जणयंति पुरिसंपि णपुंसगंपि, ते जीवा डहरा समाणा वाउकायमाहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरपाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्ख० अहीणं जाव महोरगाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जावमक्खायं ॥ ६९५ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा—गोहाणं नउलाणं सिहाणं सरडाणं सल्लाणं सरघाणं खराणं घरकोइलियाणं विस्संभराणं मुसगाणं मंगुसाणं पयलाइयाणं विरालियाणं जोहाणं चउप्पाइयाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थिए पुरिसस्स य जहा उरपरिसप्पाणं तहा भाणियव्वं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पपंचिंदियथलयरतिरिक्खाणं तं० गोहाणं जावमक्खायं ॥ ६९६ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं खहचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा—चम्मपक्खीणं लोमपक्खीणं समुग्गपक्खीणं विततपक्खीणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए जहा उरपरिसप्पाणं नाणत्तं ते जीवा डहरा समाणा माउगात्तसिणेहमाहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं नाणाविहाणं खहचरपञ्चिन्दियतिरिक्खजोणियाणं चम्मपक्खीणं जाव मक्खायं ॥ १३ ॥ ६९७ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया नाणाविहसंभवा नाणाविहवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पोग्गलाणं सरीरेसु वा सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा अणुसूयत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं अणुसूयगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं। एवं दुरूवसंभवत्ताए। एवं खुरदुगत्ताए ॥ १४ ॥ ६९८ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा तं सरीरगं वायसंसिद्धं वा वायसंगहियं वा वायपरिग्गहियं उड्ढवाएसु उड्ढभागी भवइ, अहेवाएसु अहेभागी भवइ, तिरियवाएसु तिरियभागी भवइ। तं जहा—ओसा हिमए महिया करए हरतणुए सुद्धोदए। ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणि-

यागं ओसाणं जाव सुद्धोदगाणं सरीरा नाणावण्णा जावमक्खायं । अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा तसथावरजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं तसथावरजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं उदगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाणं जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा उदगजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टन्ति ते जीवा तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाणं जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा उदगजोणिएसु उदएसु तसपाणत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं तसपाणाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं ॥ १५ ॥ ६९९ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा अगणिकायत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं अगणीणं सरीरा नाणावण्णा जावमक्खायं। सेसा तिण्णि आलावगा जहा उदगाणं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणियाणं जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा वाउकायत्ताए विउट्टन्ति । जहा अगणीणं तहा भाणियव्वा चत्तारि गमा ॥ १६ ॥ ॥ ७०० ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा पुढवित्ताए सक्करत्ताए वालुयत्ताए। इमाओ गाहाओ अणुगन्तव्वाओ-पुढवी य सक्करा वालुया य उवले सिला य लोणूसे। अय तउय तम्ब सीसग रुप्प सुवण्णेय वइरे य (१) हरियाले हिंगुलए, मणोसिला सासगंजणपवाले, अब्भपडलब्भवालुय, बायरकाए मणिविहाणा (२) गोमेज्जए य रुयए, अंके फलिहे य लोहियक्खेय, मरगयमसारगल्ले भुयमोयगइंदनीले य (३) चंदणगेरुयहंसगब्भे, पुलए सोगंधिए य बोद्धव्वे, चंदप्पभवेरुलिए, जलकंते सूरकंते य (४) एयाओ एएसु भाणियव्वाओ गाहाओ जाव सूरकंतत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं

णं अहावीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स जाव एत्थणं मेहुणे एवं तं चेव नाणत्तं अंडं वेगइया जणयंति पोयं वेगइया जणयंति से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगइया जणयंति पुरिसंपि णपुंसगंपि, ते जीवा डहरा समाणा वाउकायमाहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरपाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्ख० अहीणं जाव महोरगाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जावमक्खायं ॥ ६९५ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा—गोहाणं नउलाणं सिहाणं सरडाणं सल्लाणं सरघाणं खराणं घरकोइलियाणं विस्संभराणं मुसगाणं मंगुसाणं पयलाइयाणं विरालियाणं जोहाणं चउप्पाइयाणं तेसिं च णं अहावीएणं अहावगासेणं इत्थिए पुरिसस्स य जहा उरपरिसप्पाणं तहा भाणियव्वं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पपंचिंदियथलयरतिरिक्खाणं तं० गोहाणं जावमक्खायं ॥ ६९६ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं खहचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा—चम्मपक्खीणं लोमपक्खीणं समुग्गपक्खीणं विततपक्खीणं तेसिं च णं अहावीएणं अहावगासेणं इत्थीए जहा उरपरिसप्पाणं नाणत्तं ते जीवा डहरा समाणा माउगात्तसिणेहमाहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं नाणाविहाणं खहचरपंचिन्दियतिरिक्खजोणियाणं चम्मपक्खीणं जाव मक्खायं ॥ १३ ॥ ६९७ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया नाणाविहसंभवा नाणाविहवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पोग्गलाणं सरीरेसु वा सच्चित्तेसु वा अच्चित्तेसु वा अणुसूयत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं अणुसूयगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं। एवं दुरूवसंभवत्ताए। एवं खुरदुगत्ताए ॥ १४ ॥ ६९८ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सच्चित्तेसु वा अच्चित्तेसु वा तं सरीरगं वायसंसिद्धं वा वायसंगहियं वा वायपरिग्गहियं उड्ढवाएसु उड्ढभागी भवइ, अहेवाएसु अहेभागी भवइ, तिरियवाएसु तिरियभागी भवइ। तं जहा—ओसा हिमए महिया करए हरतणुए सुद्धोदए। ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणि-

पावे कम्मे कज्जइ, तं सम्मं कस्स णं तं हेउं? आयरिय आह, तत्थ खलु भगवया छज्जीवणिकायहेऊ पण्णत्ता, तंजहा पुढविकाइया जाव तसकाइया इच्चेएहिं छहिं जीवणिकाएहिं आया अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, निच्चं पसढविउवातचित्तदंडे, तंजहा-पाणाइवाए जाव परिग्गहे, कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ ७०६ ॥ आयरिय आह तत्थ खलु भगवया वहए दिट्ठन्ते पण्णत्ते। से जहानामए-वहए सिया गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि संपहारेमाणे से किं नु हु नाम से वहए तस्स गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ? एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरे चोयए-हंता भवइ। आयरिय आह-जहा से वहए तस्स गाहावइस्स वा तस्स गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि त्ति पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे, एवमेव वाले वि सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे। तं जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एवं खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगन्तदण्डे एगन्तवाले एगन्तसुत्ते यावि भवइ। से वाले अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि न पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ। जहा से वहए तस्स वा गाहावइस्स जाव तस्स वा रायपुरिसस्स पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमादाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ, एवमेव वाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमादाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ ॥२॥७०७॥ नो इणट्ठे समट्ठे [चोयए]। इह खलु वहवे पाणा० जे इमेणं सरीरसमुस्सएणं नो दिट्ठा वा सुया वा नाभिमया वा विन्नाया वा जेसिं नो पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे। तं जहा पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥३॥७०८॥ आयरिय आह-तत्थ खलु भगवया दुवे दिट्ठन्ता पण्णत्ता। तं जहा-सन्निदिट्ठन्ते य असन्निदिट्ठन्ते य। से किं तं सन्निदिट्ठन्ते? जे इमे सन्निपञ्चिन्दिया पज्जत्तगा एएसिं णं छजीवनिकाए पडुच्च, तं जहा-पुढवी-

कायं जाव तसकायं। से एगइओ पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। तस्स णं एवं भवइ-एवं खलु अहं पुढवीकाएणं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि, नो चेव णं से एवं भवइ-इमेण वा इमेण वा से एएगं पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। से णं तओ पुढवीकायाओ असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे यावि भवइ। एवं जाव तसकाए त्ति भाणियव्वं। से एगइओ छजीवनिकाएहिं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। तस्स णं एवं भवइ-एवं खलु छजीवनिकाएहिं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि। नो चेव णं से एवं भवइ-इमेहिं वा २, से य तेहिं छहिं जीवनिकाएहिं जाव कारवेइ वि। से य तेहिं छहिं जीवनिकाएहिं असंजयअविरयअप्पडिहय-पच्चक्खायपावकम्मे, तं जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एस खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सुविणमवि अपस्सओ। पावे य से कम्मे कज्जइ। से तं सन्निदिट्ठन्ते॥ से किं तं असन्निदिट्ठन्ते? जे इमे असन्निणो पाणा, तं जहा-पुढवीकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा वेगइया तसा पाणा, जेसिं नो तक्का इ वा सन्ना इ वा पन्ना इ वा मणा इ वा वई इ वा सयं वा करणाए अन्नेहि वा कारवेत्तए करन्तं वा समणुजाणित्तए, ते वि णं बाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्त-भूया मिच्छासंठिया निच्चं पसढविउवायचित्तदंडा तं० पाणाइवाए जाव मिच्छा-दंसणसल्ले। इच्चेव जाव नो चेव मणो नो चेव वई पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खण-याए सोयणयाए जूरणयाए तिप्पणयाए पिट्टणयाए परितप्पणयाए। ते दुक्ख-णसोयण जाव परितप्पणवहबन्धणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवन्ति। इति खलु से असन्निणो वि सत्ता अहोनिसिं पाणाइवाए उवक्खाइज्जन्ति जाव अहोनिसिं परिग्गहे उवक्खाइज्जन्ति जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जन्ति [एवं भूयवाई]। सव्वजोणिया वि खलु सत्ता सन्निणो हुच्चा असन्निणो होन्ति असन्निणो हुच्चा सन्निणो होन्ति, होच्चा सन्नी अदुवा असन्नी, तत्थ से अविविंचित्ता अविधूणित्ता असंमुच्छित्ता अणणुतावित्ता असन्निकायाओ वा सन्निकाए संकमन्ति सन्निकायाओ वा असन्निकायं संकमन्ति, सन्निकायाओ वा सन्निकायं संकमन्ति असन्निकायाओ वा असन्निकायं संकमन्ति। जे एए सन्नि वा असन्नि वा सव्वे ते मिच्छायारा निच्चं पसढविउवाय-चित्तदण्डा। तं जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एवं खलु भगवया अ-क्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगन्तदण्डे एगन्तबाले एगन्तसुत्ते से बाले अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि न पासइ पावे य से कम्मे कज्जइ॥ ४॥ ७०९॥ चोयए-से किं कुव्वं किं कारवं कहं संजयविर-

यप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे भवइ? आयरिय आह–तत्थ खलु भगवया छज्जीव-निकायहेऊ पन्नत्ता, तं जहा–पुढवीकाइया जाव तसकाइया। से जहानामए मम अस्सायं दण्डेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आतोडिज्जमाणस्स वा जाव उवद्दविज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि, इच्चेवं जाण सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आतोडिज्जमाणे वा हम्ममाणे वा तज्जिज्जमाणे वा तालिज्जमाणे जाव उवद्दविज्जमाणे वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारं दुक्खं भयं पडिसंवेदेन्ति। एवं नच्चा सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता न हन्तव्वा जाव न उद्दवेयव्वा। एस धम्मे धुवे निइए सासए समिच्च लोगं खेयन्नेहिं पवेइए। एवं से भिक्खू विरए पाणाइवायाओ जाव मिच्छा-दंसणसल्लाओ। से भिक्खू नो दन्तपक्खालणेणं दन्ते पक्खालेज्जा, नो अञ्जणं नो वमणं नो धूवणित्तं पि आइए। से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे जाव अलोभे उवसन्ते परिनिव्वुडे। एस खलु भगवया अक्खाए संजयविरयपडिहयपच्चक्खाय-पावकम्मे अकिरिए संवुडे एगन्तपण्डिए भवइ त्ति बेमि ॥ ५ ॥ ७१० ॥ **पच्च-क्खाणकिरियज्झयणं चउत्थं ॥**

आयारसुयज्झयणे पञ्चमे

आदाय बम्भचेरं च आसुपन्ने इमं वइं। अस्सिं धम्मे अणायारं नायरेज्ज कयाइ वि ॥ १ ॥ ७११ ॥ अणाईयं परिन्नाय अणवदग्गे त्ति वा पुणो। सासयमसासए वा इइ दिट्ठिं न धारए ॥ २ ॥ ७१२ ॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ३ ॥ ७१३ ॥ समुच्छिहिन्ति सत्थारो सव्वे पाणा अणेलिसा। गण्ठिगा वा भविस्सन्ति सासयं ति व नो वए ॥ ४ ॥ ॥ ७१४ ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ५ ॥ ७१५ ॥ जे केइ खुद्दगा पाणा अदुवा सन्ति महालया। सरिसं तेहि वेरं ति असरिसं ति य नो वए ॥ ६ ॥ ७१६ ॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ७ ॥ ७१७ ॥ अहाकम्माणि भुञ्जन्ति, अन्नमन्ने सकम्मुणा। उवलित्ते त्ति जाणिज्जा अणुवलित्ते त्ति वा पुणो ॥ ८ ॥ ७१८ ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ९ ॥ ७१९ ॥ जमिदं ओरालमाहारं कम्मगं च तहेव य। सव्वत्थ वीरियं अत्थि नत्थि सव्वत्थ वीरियं ॥ १० ॥ ७२० ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई। एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ११ ॥ ७२१ ॥

नत्थि लोए अलोए वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि लोए अलोए वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १२ ॥ ७२२ ॥ नत्थि जीवा अजीवा वा नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि जीवा अजीवा वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १३ ॥ ७२३ ॥ नत्थि धम्मे अधम्मे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि धम्मे अधम्मे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १४ ॥ ७२४ ॥ नत्थि बन्धे व मोक्खे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि बन्धे व मोक्खे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १५ ॥ ७२५ ॥ नत्थि पुण्णे व पावे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि पुण्णे व पावे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १६ ॥ ७२६ ॥ नत्थि आसवे संवरे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि आसवे संवरे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १७ ॥ ७२७ ॥ नत्थि वेयणा निज्जरा वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि वेयणा निज्जरा वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १८ ॥ ७२८ ॥ नत्थि किरिया अकिरिया वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि किरिया अकिरिया वा एवं सन्नं निवेसए ॥ १९ ॥ ७२९ ॥ नत्थि कोहे व माणे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि कोहे व माणे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २० ॥ ७३० ॥ नत्थि माया व लोभे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि माया व लोभे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २१ ॥ ७३१ ॥ नत्थि पेज्जे व दोसे वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि पेज्जे व दोसे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २२ ॥ ७३२ ॥ नत्थि चाउरन्ते संसारे नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि चाउरन्ते संसारे एवं सन्नं निवेसए ॥ २३ ॥ ७३३ ॥ नत्थि देवो व देवी वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि देवो व देवी वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २४ ॥ ७३४ ॥ नत्थि सिद्धी असिद्धी वा नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि सिद्धी असिद्धी वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २५ ॥ ७३५ ॥ नत्थि सिद्धी नियं ठाणं नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि सिद्धी नियं ठाणं एवं सन्नं निवेसए ॥ २६ ॥ ७३६ ॥ नत्थि साहू असाहू वा नेवं सन्नं निवेसए। अत्थि साहू असाहू वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २७ ॥ ७३७ ॥ नत्थि कल्लाण पावे वा नेवं सन्नं निवेसए । अत्थि कल्लाण पावे वा एवं सन्नं निवेसए ॥ २८ ॥ ७३८ ॥ कल्लाणे पावए वा वि ववहारो न विज्जइ। जं वेरं तं न जाणन्ति समणा बालपण्डिया ॥ २९ ॥ ७३९ ॥ असेसं अक्खयं वावि सव्वदुक्खे इ वा पुणो। वज्झा पाणा न वज्झ त्ति इइ वायं न नीसरे ॥ ३० ॥ ७४० ॥ दीसन्ति समियायारा भिक्खुणो साहुजीविणो । एए मिच्छोवजीवन्ति इइ दिट्ठिं न धारए ॥ ३१ ॥ ७४१ ॥ दक्खिणाए पडिलम्भो अत्थि वा नत्थि वा पुणो। न वियागरेज्ज मेहावी सन्तिमग्गं च बूहए ॥ ३२ ॥ ७४२ ॥ इच्चेएहिं ठाणेहिं जिणदिट्ठेहिं संजए। धारयन्ते उ अप्पाणं आ मोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ ३३ ॥ ७४३ ॥ त्ति बेमि ॥ **आयारसुयज्झयणं पञ्चमं** ॥

अद्दइज्जज्झयणे छट्ठे

पुराकडं अद्द इमं सुणेह मेगन्तयारी समणे पुरासी । से भिक्खुणो उवणेत्ता अणेगे आइक्खइएण्हिं पुढो वित्थरेणं ॥ १ ॥ ७४४ ॥ साऽऽजीविया पट्ठवियाऽथिरेणं सभागओ गणओ भिक्खुमज्झे । आइक्खमाणो बहुजणमत्थं न संधयाई अवरेण पुव्वं ॥ २ ॥ ७४५ ॥ एगन्तमेवं अदुवा वि एण्हिं दोऽवऽण्णमन्नं न समेइ जम्हा । पुव्विं च एण्हिं च अणागयं वा एगन्तमेवं पडिसंधयाइ ॥ ३ ॥ ७४६ ॥ समिच्च लोगं तसथावराणं खेमंकरे समणे माहणे वा । आइक्खमाणो वि सहस्समज्झे एगन्तयं सारयई तहच्चे ॥ ४ ॥ ७४७ ॥ धम्मं कहन्तस्स उ नत्थि दोसो खन्तस्स दन्तस्स जिइन्दियस्स । भासाय दोसे य विवज्जगस्स गुणे य भासाय निसेवगस्स ॥ ५ ॥ ७४८ ॥ महव्वए पञ्च अणुव्वए य तहेव पञ्चासव संवरे य । विरइं इह स्सामणियम्मि पण्णे लवावसक्की समणे त्ति बेमि ॥ ६ ॥ ७४९ ॥ सीओदगं सेवउ बीयकायं आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एगन्तचारिस्सिह अम्ह धम्मे तवस्सिणो नाभिसमेइ पावं ॥ ७ ॥ ७५० ॥ सीओदगं वा तह बीयकायं आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एयाइ जाणं पडिसेवमाणा अगारिणो अस्समणा भवन्ति ॥ ८ ॥ ॥ ७५१ ॥ सिया य बीयोदगइत्थियाओ पडिसेवमाणा समणा भवन्तु । अगारिणो वि समणा भवन्तु सेवन्ति ऊ ते पि तहप्पगारं ॥ ९ ॥ ७५२ ॥ जे यावि बीयोदगभोइ भिक्खू भिक्खं विहं जायइ जीवियट्ठी । ते नाइसंजोगमविप्पहाय कायोवगा नन्तकरा भवन्ति ॥ १० ॥ ७५३ ॥ इमं वयं तु तुम पाउकुव्वं पावाइणो गरिहसि सव्व एव । पावाइणो पुढो किट्टयन्ता सयं सयं दिट्ठि करेन्ति पाउ ॥ ११ ॥ ॥ ७५४ ॥ ते अन्नमन्नस्स उ गरहमाणा अक्खन्ति भो समणा माहणा य । सओ य अत्थी असओ य नत्थि गरहामु दिट्ठिं न गरहामु किंचि ॥ १२ ॥ ७५५ ॥ न किंचि रूवेणऽभिधारयामो सदिट्ठिमग्गं तु करेमु पाउं । मग्गे इमे किट्टिए आरिएहिं अणुत्तरे सप्पुरिसेहिं अञ्जू ॥ १३ ॥ ७५६ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । भूयाहिसंकाभिदुगुञ्छमाणा नो गरहइ वुसिमं किंचि लोए ॥ १४ ॥ ७५७ ॥ आगन्तगारे आरामगारे समणे उ भीए न उवेइ वासं । दक्खा हु सन्ती बहवे मणुस्सा ऊणाइरित्ता य लवालवा य ॥ १५ ॥ ७५८ ॥ मेहाविणो सिक्खिय बुद्धिमन्ता सुत्तेहि अत्थेहि य निच्छयन्ना । पुच्छिंसु मा णे अणगार अन्ने इइ संकमाणो न उवेइ तत्थ ॥ १६ ॥ ७५९ ॥ नो कामकिच्चा न य वालकिच्चा रायाभियोगेण कुओ भएणं । वियागरेज्ज पसिणं न वा वि सकामकिच्चेणिह आरियाणं ॥ १७ ॥ ७६० ॥ गन्ता च तत्था अदुवा अगन्ता वियागरेज्जा समियासुपन्ने ।

अणारिया दंसणओ परित्ता इइ संकमाणो न उवेइ तत्थ ॥ १८ ॥ ७६१ ॥ पण्णं जहा वणिए उदयट्ठी आयस्स हेउं पगरेइ सङ्गं । तयोवमे समणे **नायपुत्ते** इच्चेव मे होइ मई वियक्को ॥ १९ ॥ ७६२ ॥ नवं न कुज्जा विहुणे पुराणं चिच्चाऽमइं ताइ य साह एवं । एयावया बम्भवइ त्ति वुत्ता तस्सोदयट्ठी समणे त्ति बेमि ॥ २० ॥ ॥ ७६३ ॥ समारभन्ते वणिया भूयगामं परिग्गहं चेव ममायमाणा । ते नाइसंजोगमविप्पहाय आयस्स हेउं पगरेन्ति सङ्गं ॥ २१ ॥ ७६४ ॥ वित्तेसिणो मेहुणसंपगाढा ते भोयणट्ठा वणिया वयन्ति । वयं तु कामेसु अज्झोववन्ना अणारिया पेमरसेसु गिद्धा ॥ २२ ॥ ७६५ ॥ आरम्भगं चेव परिग्गहं च अविउस्सिया निस्सिय आयदण्डा । तेसिं च से उदए जं वयासी चउरन्तणन्ताय दुहाय नेह ॥ २३ ॥ ७६६ ॥ नेगन्ति नच्चन्ति य ओदए सो वयन्ति ते दो वि गुणोदयम्मि । से उदए साइमणन्तपत्ते तमुदयं साहयइ ताइ नाई ॥ २४ ॥ ७६७ ॥ अहिंसयं सव्वपयाणुकम्पी धम्मे ठियं कम्मविवेगहेउं । तमायदण्डेहिं समायरन्ता अबोहिए ते पडिरूवमेयं ॥ २५ ॥ ७६८ ॥ पिण्णागपिण्डीमवि विद्ध सूले केई पएज्जा पुरिसे इमे त्ति । अलाउयं वा वि कुमारए त्ति स लिप्पई पाणिवहेण अम्हं ॥२६॥ ७६९॥ अहवा वि विद्धूण मिलक्खु सूले पिण्णागबुद्धीइ नरं पएज्जा । कुमारगं वा वि अलाबुयं ति न लिप्पई पाणिवहेण अम्हं ॥ २७ ॥ ७७० ॥ पुरिसं च विद्धूण कुमारगं वा सूलंमि केई पए जायतेए । पिण्णागपिण्डं सइमारुहेत्ता बुद्धाण तं कप्पइ पारणाए ॥ २८ ॥ ७७१ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए भिक्खुयाणं । ते पुण्णखन्धं सुमहं जिणित्ता भवन्ति आरोप्प महन्त सत्ता ॥ २९ ॥ ७७२ ॥ अजोगरूवं इह संजयाणं पावं तु पाणा ण पसज्झ काउं । अबोहिए दोण्ह वि तं असाहु वयन्ति जे यावि पडिस्सुणन्ति ॥ ३० ॥ ७७३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु विन्नाय लिङ्गं तसथावराणं । भूयाभिसंकाइ दुगुन्छमाणे वए करेज्जा व कुओ विहऽत्थि ॥ ३१ ॥ ७७४ ॥ पुरिसे त्ति विन्नत्ति न एवमत्थि अणारिए से पुरिसे तहा हु । को संभवो पिण्णगपिण्डियाए वाया वि एसा बुइया असच्चा ॥ ३२ ॥ ७७५॥ वायाभियोगेण जमावहेज्जा नो तारिसं वायमुदाहरेज्जा । अट्ठाणमेयं वयणं गुणाणं नो दिक्खिए बूयमुरालमेयं ॥ ३३ ॥ ७७६ ॥ लद्धे अट्ठे अहो एव तुब्भे जीवाणुभागे सुविचिन्तिए व । पुव्वं समुद्दं अवरं च पुट्ठे ओलोइए पाणितले ठिए वा ॥ ३४ ॥ ७७७ ॥ जीवाणुभागं सुविचिन्तयन्ता आहारिया अन्नविहीऍ सोहिं । न वियागरे छन्नपओपजीवी एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥ ३५ ॥ ७७८ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए भिक्खुयाणं । असंजए लोहियपाणि से ऊ

नियच्छई गरिहमिहेव लोए ॥ ३६ ॥ ७७९ ॥ थूलं उरब्भं इह मारियाणं उद्दिट्ठ-भत्तं च पगप्पएत्ता । तं लोणतेल्लेण उवक्खडेत्ता सपिप्पलीयं पगरन्ति मंसं ॥३७॥ ॥ ७८० ॥ तं भुञ्जमाणा पिसियं पभूयं नो ओवलिप्पामु वयं रएणं । इच्चेवमाहंसु अणज्जधम्मा अणारिया बाल रसेसु गिद्धा ॥ ३८ ॥ ७८१ ॥ जे यावि भुञ्जन्ति तहप्पगारं सेवन्ति ते पावमजाणमाणा । मणं न एयं कुसला करेन्ति वाया वि एसा बुइया उ मिच्छा ॥ ३९ ॥ ७८२ ॥ सव्वेसि जीवाण दयट्ठयाए सावज्जदोसं परिवज्जयन्ता । तस्संकिणो इसिणो **नायपुत्ता** उद्दिट्ठभत्तं परिवज्जयन्ति ॥ ४० ॥ ॥ ७८३ ॥ भूयाभिसंकाए दुगुञ्छमाणा सव्वेसि पाणाग निहाय दण्डं । तम्हा न भुञ्जन्ति तहप्पगारं एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥ ४१ ॥ ७८४ ॥ निग्गन्थधम्मम्मि इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा अणिहे चरेज्जा । बुद्धे मुणी सीलगुणोववेए अच्चत्थयं पाउणई सिलोगं ॥ ४२ ॥ ७८५ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए माहणाणं । ते पुण्णखन्धे सुमहऽज्जणित्ता भवन्ति देवा इइ वेयवाओ ॥४३॥७८६॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए कुलालयाणं । से गच्छई लोलुवसंप-गाढे तिव्वाभितावी नरगाभिसेवी ॥ ४४ ॥ ७८७ ॥ दयावरं धम्म दुगुञ्छमाणा वहावहं धम्म पसंसमाणा । एगं पि जे भोययई असीलं निवो निसं जाइ कुओऽसु-रेहिं ॥ ४५ ॥ ७८८ ॥ दुहओ वि धम्मम्मि समुट्ठियामो अस्सिं सुट्ठिच्चा तह एस-कालं । आयारसीले बुइएह नाणी न संपरायम्मि विसेसमत्थि ॥ ४६ ॥ ७८९ ॥ अव्वत्तरूवं पुरिसं महन्तं सणातणं अक्खयमव्वयं च । सव्वेसु भूएसु वि सव्वओ से चन्दो व ताराहि समत्तरूवे ॥ ४७ ॥ ७९० ॥ एवं न मिज्जन्ति न संसरन्ति न माहणा खत्तिय वेस पेसा । कीडा य पक्खी य सरीसिवा य नरा य सव्वे तह देवलोगा ॥ ४८ ॥ ७९१ ॥ लोगं अयाणित्तिह केवलेणं कहन्ति जे धम्ममजाण-माणा । नासन्ति अप्पाण परं च नट्ठा संसार घोरम्मि अणोरपारे ॥ ४९ ॥ ७९२ ॥ लोगं विजाणन्तिह केवलेणं पुण्णेण नाणेण समाहिजुत्ता । धम्मं समत्तं च कहन्ति जे उ तारन्ति अप्पाण परं च तिण्णा ॥ ५० ॥ ७९३ ॥ जे गरहियं ठाणमिहाव-सन्ति जे यावि लोए चरणोववेया । उदाहडं तं तु समं मईए अहाउसो विप्परिया-समेव ॥ ५१ ॥ ७९४ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं बाणेण मारेउ महागयं तु । सेसाण जीवाण दयट्ठयाए वासं वयं वित्ति पकप्पयामो ॥ ५२ ॥ ७९५ ॥ संवच्छ-रेणावि य एगमेगं पाणं हणन्ता अणियत्तदोसा । सेसाण जीवाण वहेण लग्गा सिया य थोवं गिहिणो वि तम्हा ॥ ५३ ॥ ७९६ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं पाणं हणन्ता समणव्वएसु । आयाहिए से पुरिसे अणज्जे न तारिसे केवलिणो भवन्ति

॥ ५४ ॥ ७९७ ॥ बुद्धस्स आणाए इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण ताई। तरिउं समुद्दं व महाभवोघं आयाणवं धम्ममुदाहरेज्ज ॥ ५५ ॥ ७९८ ॥ त्ति बेमि ॥ अद्दइज्जज्झयणं छट्टं ॥

नालन्दइज्जज्झयणे सत्तमे

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धे (वण्णओ) जाव पडिरूवे। तस्स णं रायगिहस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं नालन्दा नामं बाहिरिया होत्था अणेगभवणसयसंनिविट्ठा जाव पडिरूवा। तत्थ णं नालन्दाए बाहिरियाए लेवे नामं गाहावई होत्था अड्ढे दित्ते वित्ते विच्छिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरजए आओगपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था ॥ १ ॥ ७९९ ॥ से णं लेवे नामं गाहावई समणोवासए यावि होत्था अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ निग्गन्थे पावयणे निस्संकिए निक्कंखिए निव्विइगिच्छे लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगहियट्ठे अट्ठिमिञ्जा पेमाणुरागरत्ते। अयमाउसो निग्गन्थे पावयणे, अयं अट्ठे, अयं परमट्ठे, सेसे अणट्ठे, उस्सियफलिहे अप्पावयदुवारे चियत्तन्तेउरप्पवेसे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणे समणे निग्गन्थे तहाविहेणं एसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे बहूहिं सीलव्वयगुणविरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अप्पाणं भावेमाणे एवं च णं विहरइ ॥ २ ॥ ८०० ॥ तस्स णं लेवस्स गाहावइस्स नालन्दाए बाहिरियाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं सेसदविया नामं उदगसाला होत्था अणेगखम्भसयसंनिविट्ठा पासादीया जाव पडिरूवा। तीसे णं सेसदवियाए उदगसालाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं हत्थिजामे नामं वणसण्डे होत्था किण्हे (वण्णओ वणसण्डस्स) ॥ ३ ॥ ८०१ ॥ तस्सिं च णं गिहपदेसम्मि भगवं गोयमे विहरइ, भगवं च णं अहे आरामंसि। अहे णं उदए पेढालपुत्ते भगवं पासावच्चिज्जे निग्गण्ठे मेयज्जे गोत्तेणं जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भगवं गोयमं एवं वयासी–आउसंतो गोयमा, अत्थि खलु मे केइ पदेसे पुच्छियव्वे, तं च आउसो अहासुयं अहादरिसियं मे वियागरेहि सवायं। भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–अवियाइ आउसो, सोच्चा निसम्म जाणिस्सामो सवायं। उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी ॥ ४ ॥

॥ ८०२ ॥ आउसो गोयमा, अत्थि खलु कुमारपुत्तिया नाम समणा निग्गन्था तुम्हागं पवयणं पवयमाणा गाहावइं समणोवासगं उवसंपन्नं एवं पचक्खावेन्ति । नन्नत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं निहाय दण्डं । एवं ण्हं पच्चक्खन्ताणं दुप्पचक्खायं भवइ । एवं ण्हं पचक्खावेमाणाणं दुपचक्खावियव्वं भवइ । एवं ते परं पचक्खावेमाणा अइयरन्ति सयं पइण्णं । कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायंसि उववज्जन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायंसि उववज्जन्ति । तेसिं च णं थावरकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं घत्तं ॥५॥८०३॥ एवं ण्हं पच्चक्खन्ताणं सुपचक्खायं भवइ । एवं ण्हं पचक्खावेमाणाणं सुपच्चक्खावियं भवइ । एवं ते परं पचक्खावेमाणा नाइयरन्ति सयं पइण्णं नन्नत्थ अभियोगेणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसभूएहिं पाणेहिं निहाय दण्डं । एवमेव सइ भासाए परक्कमे विज्जमाणे जे ते कोहा वा लोहा वा परं पचक्खावेन्ति अयं पि नो उवएसे नो नेयाउए भवइ । अवियाइ आउसो गोयमा तुब्भं पि एवं रोयइ? ॥६॥८०४॥ सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–आउसन्तो उदगा, नो खलु अम्हे एवं रोयइ । जे ते समणा वा माहणा वा एवमाइक्खन्ति जाव परूवेन्ति नो खलु ते समणा वा निग्गन्था भासं भासन्ति, अणुतावियं खलु ते भासं भासन्ति, अब्भाइक्खन्ति खलु ते समणे समणोवासए वा जेहिं पि अन्नेहिं जीवेहिं पाणेहिं भूएहिं सत्तेहिं संजमयन्ति ताण वि ते अब्भाइक्खन्ति । कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति थावरा वि वा पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायंसि उववज्जन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायंसि उववज्जन्ति, तेसिं च णं तसकायंसि उववन्नाणं ठाणमेयं अघत्तं ॥ ७ ॥ ८०५ ॥ सवायं उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–कयरे खलु ते आउसन्तो गोयमा तुब्भे वयह तसा पाणा तसा आउ अन्नहा? सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–आउसन्तो उदगा जे तुब्भे वयह तसभूया पाणा तसा ते वयं वयामो तसा पाणा, जे वयं वयामो तसा पाणा ते तुब्भे वयह तसभूया पाणा । एए सन्ति दुवे ठाणा तुल्ला एगट्ठा । किमाउसो इमे भे सुप्पणीयतराए भवइ तसभूया पाणा तसा, इमे भे दुप्पणीयतराए भवइ–तसा पाणा तसा । तओ एगमाउसो पडिकोसह एक्कं अभिनन्दह । अयं पि भेदो से नो नेयाउए भवइ । भगवं च णं उदाहु–सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति, तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–नो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ।

सावयं ण्हं अणुपुव्वेणं गुत्तस्स लिसिस्सामो। ते एवं संखवेन्ति, ते एवं संखं ठवयन्ति ते एवं संखं ठावयन्ति नन्नत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं निहाय दण्डं । तं पि तेसिं कुसलमेव भवइ ॥८॥८०६॥ तसा वि वुच्चन्ति तसा तससंभारकडेणं कम्मुणा नामं च णं अब्भुवगयं भवइ, तसाउयं च णं पलिक्खीणं भवइ, तसकायट्ठिइया ते तओ आउयं विप्पजहन्ति । ते तओ आउयं विप्पजहित्ता थावरत्ताए पच्चायन्ति । थावरा वि वुच्चन्ति थावरा थावरसंभारकडेणं कम्मुणा नामं च णं अब्भुवगयं भवइ थावराउयं च णं पलिक्खीणं भवइ। थावरकायट्ठिइया ते तओ आउयं विप्पजहन्ति तओ आउयं विप्पजहित्ता भुज्जो परलोइयत्ताए पच्चायन्ति । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ॥ ९ ॥ ८०७ ॥ सवायं उदए पेढालपुत्ते भयवं गोयमं एवं वयासी–आउसन्तो गोयमा नत्थि णं से केइ परियाए जं णं समणोवासगस्स एगपाणाइवायविरए वि दण्डे निक्खित्ते । कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायंसि उववज्जन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायंसि उववज्जन्ति, तेसिं च णं थावरकायंसि उववन्नाणं ठाणमेयं घत्तं । सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–नो खलु आउसो अम्हाकं वत्तव्वएणं तुब्भं चेव अणुप्पवाएणं अत्थि णं से परियाए जे णं समणोवासगस्स सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते भवइ । कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायंसि उववज्जन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायंसि उववज्जन्ति, तेसिं च णं तसकायंसि उववन्नाणं ठाणमेयं अघत्तं । ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते चिरट्ठिइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ । से महया तसकायाओ उवसन्तस्स उवट्ठियस्स पडिविरयस्स जं णं तुब्भे वा अन्नो वा एवं वयह–नत्थि णं से केइ परियाए जंसि समणोवासगस्स एगपाणाए वि दण्डे निक्खित्ते। अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ १० ॥ ८०८ ॥ भगवं च णं उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा । आउसन्तो नियण्ठा इह खलु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तेसिं च एवं वुत्तपुव्वं भवइ–जे इमे मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए एसिं च णं आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते। जे इमे अगारमावसन्ति एएसिं

णं आमरणन्ताए दण्डे नो निक्खित्ते। केई च णं समणा जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छट्ठद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जित्ता अगारमावसेज्जा? हंता-वसेज्जा । तस्स णं तं गारत्थं वहमाणस्स से पञ्चक्खाणे भङ्गे भवइ? नो इणट्ठे समट्ठे। एवमेव समणोवासगस्स वि तसेहिं पाणेहिं दण्डे निक्खित्ते, थावरेहिं पाणेहिं दण्डे नो निक्खित्ते । तस्स णं तं थावरकायं वहमाणस्स से पञ्चक्खाणे नो भङ्गे भवइ। से एवमायाणह? नियण्ठा। एवमायाणियव्वं॥ भगवं च णं उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा-आउसन्तो नियण्ठा इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्तो वा तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा? हन्ता उवसंकमेज्जा। तेसिं च णं तहप्पगाराणं धम्मं आइक्खियव्वे? हन्ता आइक्खियव्वे । किं ते तहप्पगारं धम्मं सोच्चा निसम्म एवं वएज्जा इणमेव निग्गन्थं पावयणं सच्चं अणुत्तरं केवलियं पडिपुण्णं संसुद्धं नेयाउयं सल्लकत्तणं सिद्धिमग्गं मुत्तिमग्गं निज्जाणमग्गं निव्वाणमग्गं अवितहमसंदिद्धं सव्वदुक्खप्पहीणमग्गं। एत्थ ठिया जीवा सिज्झन्ति बुज्झन्ति मुच्चन्ति परिणिव्वायन्ति सव्वदुक्खाणमन्तं करेन्ति । तमाणाए तहा गच्छामो तहा चिट्ठामो तहा निसीयामो तहा तुयट्टामो तहा भुञ्जामो तहा भासामो तहा अब्भुट्ठामो तहा उट्ठाए उट्ठेमो त्ति पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं संजमेणं संजमामो त्ति वएज्जा? हन्ता वएज्जा । किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति पव्वावित्तए? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति मुण्डावित्तए? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति सिक्खावित्तए? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति उवट्ठावित्तए? हन्ता कप्पन्ति। तेसिं च णं तहप्पगाराणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते? हंता निक्खित्ते। से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छट्ठद्दसमाइं वा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जेत्ता अगारं वएज्जा? हन्ता वएज्जा। तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते? नो इणट्ठे समट्ठे। से जे से जीवे जस्स परेणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स आरेणं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स इयाणिं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते भवइ, परेणं असंजए आरेणं संजए, इयाणिं असंजए, असंजयस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते भवइ। से एवमायाणह? नियण्ठा से एवमायाणियव्वं॥ भगवं च णं उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा-आउसन्तो नियण्ठा इह खलु परिव्वाइया वा परिव्वाइयाओ वा अन्नयरेहिंतो तित्थाययणेहिंतो आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा? हन्ता उवसंकमेज्जा

किं तेसिं तहप्पगारेणं धम्मे आइक्खियव्वे ? हन्ता आइक्खियव्वे । तं चेव उवट्ठावित्तए जाव कप्पन्ति ? हन्ता कप्पन्ति । किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति संभुञ्जित्तए? हन्ता कप्पंति । ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा तं चेव जाव अगारं वएज्जा? हन्ता वएज्जा । ते णं तहप्पगारा कप्पन्ति संभुञ्जित्तए ? नो इणट्ठे समट्ठे । से जे से जीवे जे परेणं नो कप्पन्ति संभुञ्जित्तए । से जे से जीवे आरेणं कप्पन्ति संभुञ्जित्तए। से जे से जीवे जे इयाणिं नो कप्पन्ति संभुञ्जित्तए । परेणं अस्समणे आरेणं समणे, इयाणिं अस्समणे, अस्समणेणं सद्धिं नो कप्पन्ति समणाणं निग्गंथाणं संभुञ्जित्तए । से एवमायाणह ? नियण्ठा से एवमायाणियव्वं ॥ ११ ॥ ८०९ ॥ भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–नो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । वयं णं चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा विहरिस्सामो । थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो, एवं थूलगं मुसावायं थूलगं अदिन्नादाणं थूलगं मेहुणं थूलगं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो । इच्छापरिमाणं करिस्सामो, दुविहं तिविहेणं। मा खलु ममट्ठाए किंचि करेह वा करावेह वा तत्थ वि पच्चक्खाइस्सामो । ते णं अभोच्चा अपिच्चा असिणाइत्ता आसन्दीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता, ते तहा कालगया किं वत्तव्वं सिया–सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया । ते पाणा वि वुच्चन्ति ते तसा वि वुच्चन्ति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ । इति से महयाओ जं णं तुब्भे वयह तं चेव जाव अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–नो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वइत्तए । नो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जाव अणुपालेमाणे विहरित्तए । वयं णं अपच्छिममारणन्तियं संलेहणाजूसणाजूसिया भत्तपाणं पडियाइक्खिया जाव कालं अणवकंखमाणा विहरिस्सामो । सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो जाव सव्वं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो तिविहं तिविहेणं मा खलु ममट्ठाए किंचि वि जाव आसन्दीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता एए तहा कालगया, किं वत्तव्वं सिया सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया । ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ ॥ भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा–महइच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अहम्मिया जाव दुप्पडियाणंदा जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो

आमरणंताए दंडे निक्खित्ते ते तओ आउगं विप्पजहंति तओ भुज्जो सगमादाए दुग्गइगामिणो भवंति, ते पाणावि वुचंति ते तसावि वुचंति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते बहुयरगा आयाणसो इति से महयाओ णं जण्णं तुब्भे वदह तं चेव अयंपि भेदे से णो णेयाउए भवइ-भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा-अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया जावज्जीवाए, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते, ते तओ आउगं विप्पजहन्ति, ते तओ भुज्जो सगमायाए सोग्गइगामिणो भवन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा-अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव एगच्चाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते। ते तओ आउगं विप्पजहन्ति, तओ भुज्जो सगमादाए सोग्गइगामिणो भवन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा-आरण्णिया आवसहिया गामणियन्तिया कण्हुईरहस्सिया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते भवइ। नो बहुसंजया नो बहुपडिविरया पाणभूयजीवसत्तेहिं अप्पणा सच्चामोसाइं एवं विप्पडिवेदेन्ति-अहं न हन्तव्वो अन्ने हन्तव्वा जाव कालमासे कालं किच्चा अन्नयराइं आसुरियाइं किव्विसियाइं जाव उववत्तारो भवन्ति, तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमुयत्ताए तमोरूवत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया पाणा दीहाउया जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेन्ति करित्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति। ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते दीहाउया ते बहुयरगा, पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया पाणा समाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते सयमेव कालं करेन्ति, करित्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते समाउया ते बहुयरगा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया पाणा अप्पाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेन्ति, करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि

वुचन्ति, ते महाकाया ते अप्पाउया ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति। तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–नो खलु वयं संचाएमो मुण्डे भवित्ता जाव पव्वइत्तए। नो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं अणुपालित्तए। नो खलु वयं संचाएमो अपच्छिमं जाव विहरित्तए वयं च णं सामाइयं देसावगासियं पुरत्था पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा एयावया जाव सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते सव्वपाणभूयजीवसत्तेहिं खेमंकरे अहमंसि। तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते। तओ आउं विप्पजहंति,विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो जाव तेसु पच्चायन्ति, जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे जाव नेयाउए भवइ ॥ ८१० ॥ तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहन्ति। विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जाव थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अनिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति। तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अनिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे निक्खित्ते, ते पाणा वि वुचन्ति, ते तसा ते चिरट्ठिइया जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए...तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसा थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए...तेसु पच्चायन्ति, तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहन्ति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए... तेसु पच्चायन्ति, तेसु समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे ते आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते, ते तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता ते तत्थ आरेणं चेव जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति। तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणट्ठाए ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो...। तत्थ जे ते आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते, अणट्ठाए निक्खित्ते तओ आउं विप्पज

हन्ति। विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आया-णसो आमरणन्ताए० तेसु पच्चायन्ति। तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ। तत्थ जे ते परेणं तसथा-वरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए० ते तओ आउं विप्पज-हन्ति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए...तेसु पच्चायन्ति। तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो नेयाउए भवइ। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए...ते तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति, जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते जाव ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो...। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए... ते तओ आउं विप्पजहन्ति। विप्पजहित्ता ते तत्थ परेणं चेव जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए० तेसु पच्चायन्ति, जेहिं समणोवास-गस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से नो...। भगवं च णं उदाहु न एयं भूयं न एयं भव्वं न एयं भविस्सइ जं णं तसा पाणा वोच्छिज्जिहिन्ति थावरा पाणा भविस्सन्ति, थावरा पाणा वि वोच्छिज्जिहिन्ति तसा पाणा भवि-स्सन्ति। अवोच्छिन्नेहिं तसथावरेहिं पाणेहिं जं णं तुब्भे वा अन्नो वा एवं वदह-नत्थि णं से केइ परियाए जाव नो नेयाउए भवइ॥ ८११॥ भगवं च णं उदाहु आउसन्तो उदगा जे खलु समणं वा माहणं वा परिभासेइ मित्ति मन्नन्ति आगमित्ता नाणं आगमित्ता दंसणं आगमित्ता चरित्तं पावाणं कम्माणं अकरणयाए से खलु पर-लोगपलिमन्थत्ताए चिट्ठइ, जे खलु समणं वा माहणं वा नो परिभासइ मित्ति मन्नन्ति आगमित्ता णाणं आगमित्ता दंसणं आगमित्ता चरित्तं पावाणं कम्माणं अक-रणयाए से खलु परलोगविसुद्धीए चिट्ठइ। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं अणाढायमाणे जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पहारेत्थ गमणाए। भगवं च णं उदाहु आउसन्तो उदगा जे खलु तहाभूयस्स समणस्स वा माहणस्स वा अन्तिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म अप्पणो चेव सुहुमाए पडिलेहाए अणुत्तरं जोगखेमपयं लम्भिए समाणे सो वि ताव तं आढाइ परिजाणेइ वन्दइ नमंसइ सक्कारेइ सम्माणेइ जाव कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी-एएसिं णं भन्ते पदाणं पुव्वि

अन्नाणयाए असवणयाए अवोहिए अणभिगमेणं अदिट्ठाणं असुयाणं अमुयाण अविन्नायाणं अव्वोगडाणं अविगूढाणं अविच्छिन्नाणं अणिसिट्ठाणं अणिवूढाणं अणु वहारियाणं एयमट्ठं नो सद्दहियं नो पत्तियं नो रोइयं। एएसिं णं भन्ते पदाणं एण्हिं जाणयाए सवणयाए वोहिए जाव उवहारणयाए एयमट्ठं सद्दहामि पत्तियामि रोएमि एवमेव से जहेयं तुब्भे वदह। तए णं भगवं गोयमे उदगं पेढालपुत्तं एवं वयासी सद्दहाहि णं अज्जो पत्तियाहि णं अज्जो रोएहि णं अज्जो एवमेयं जहा णं अम्हे वयामो। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी-इच्छामि णं भन्ते तुब्भं अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंप-ज्जित्ता णं विहरित्तए॥ तए णं से भगवं गोयमे उदगं पेढालपुत्तं गहाय जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करित्ता वन्दइ नमंसइ वन्दित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भन्ते तुब्भं अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंप-ज्जित्ता णं विहरित्तए। तए णं समणे भगवं महावीरे उदगं एवं वयासी-अहासुहं देवाणुप्पिया मा पडिबन्धं करेहि। तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उव-संपज्जित्ता णं विहरइ त्ति बेमि॥ १४॥ ८१२॥ **नालन्दइज्जज्झयणं सत्तमं**॥

सूयगडं समत्तं॥



णमो त्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त महावीरस्स

ठाणे

पढमं ठाणं

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एव मक्खायं, एगे आया ॥ १ ॥ एगे दंडे ॥ २ ॥ एगा किरिया ॥ ३ ॥ एगे लोए ॥ ४ ॥ एगे अलोए ॥ ५ ॥ एगे धम्मे ॥ ६ ॥ एगे अहम्मे ॥ ७ ॥ एगे बंधे ॥ ८ ॥ एगे मोक्खे ॥ ९ ॥ एगे पुण्णे ॥ १० ॥ एगे पावे ॥ ११ ॥ एगे आसवे ॥ १२ ॥ एगे संवरे ॥ १३ ॥ एगा वेयणा ॥ १४ ॥ एगा णिज्जरा ॥ १५ ॥ एगे जीवे पाडिक्कएणं सरीरएणं ॥ १६ ॥ एगा जीवाणं अपरिआइत्ता विगुव्वणा ॥ १७ ॥ एगे मणे ॥ १८ ॥ एगा वई ॥ १९ ॥ एगे कायवायामे ॥ २० ॥ एगा उप्पा ॥ २१ ॥ एगा वियती ॥ २२ ॥ एगा वियच्चा ॥ २३ ॥ एगा गई ॥ २४ ॥ एगा आगई ॥ २५ ॥ एगे चयणे ॥ २६ ॥ एगे उववाए ॥ २७ ॥ एगा तक्का ॥ २८ ॥ एगा सन्ना ॥ २९ ॥ एगा मन्ना ॥ ३० ॥ एगा विन्नू ॥ ३१ ॥ एगा वेयणा ॥ ३२ ॥ एगा छेयणा ॥ ३३ ॥ एगा भेयणा ॥ ३४ ॥ एगे मरणे अंतिमसारीरियाणं ॥ ३५ ॥ एगे संसुद्धे अहाभूते पत्ते ॥ ३६ ॥ एगे दुक्खे जीवाणं ॥ ३७ ॥ एगे भूए ॥ ३८ ॥ एगा अहम्मपडिमा जं से आया पडिकिलेसइ ॥ ३९ ॥ एगा धम्मपडिमा जं से आया पज्जवजाए ॥ ४० ॥ एगे मणे देवासुरमणुआणं तंसि तंसि समयंसि, एगा वई देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे कायवायामे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि ॥ ४१ ॥ एगे नाणे ॥ ४२ ॥ एगे दंसणे ॥ ४३ ॥ एगे चरित्ते ॥ ४४ ॥ एगे समए ॥ ४५ ॥ एगे पएसे ॥ ४६ ॥ एगे परमाणू ॥ ४७ ॥ एगा सिद्धी ॥ ४८ ॥ एगे सिद्धे ॥ ४९ ॥ एगे परिनिव्वाणे ॥ ५० ॥ एगे परिनिव्वुए ॥ ५१ ॥ एगे सद्दे ॥ ५२ ॥ एगे रूवे ॥ ५३ ॥ एगे गंधे ॥ ५४ ॥ एगे रसे ॥ ५५ ॥ एगे फासे ॥ ५६ ॥ एगे सुब्भिसद्दे, एगे दुब्भिसद्दे ॥ ५७ ॥ एगे सुरूवे एगे दुरूवे ॥ ५८ ॥ एगे दीहे एगे हस्से ॥ ५९ ॥ एगे वट्टे-एगे तंसे-एगे चउरंसे-एगे पिहुले-एगे परिमंडले ॥ ६० ॥ एगे किण्हे-एगे नीले एगे लोहिए-एगे हालिद्दे-एगे सुकिल्ले ॥ ६१ ॥ एगे सुब्भिगंधे-एगे दुब्भिगंधे ॥ ६२ ॥ एगे तित्ते-एगे कडुए-एगे कसाए एगे अंबिले-एगे महुरे ॥ ६३ ॥ एगे कक्खडे-जाव एगे लुक्खे ॥ ६४ ॥ एगे

पाणाइवाए जाव एगे परिग्गहे ॥ एगे कोहे जाव लोहे, एगे पेज्जे, एगे दोसे, जाव एगे परपरिवाए, एगा अरइरइ, एगे मायामोसे एगे मिच्छादंसणसल्ले ॥ ६५ ॥ एगे पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, एगे कोहविवेगे, जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे ॥६६॥ एगा ओसप्पिणी एगा सुसमसुसमा जाव एगा दुसमदुसमा, एगा उस्सप्पिणी, एगा दुसमदुसमा जाव एगा सुसमसुसमा ॥ ६७ ॥ एगा णेरइयाणं वग्गणा, एगा असुरकुमाराणं वग्गणा, चउवीसदंडओ जाव एगा वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ६८ ॥ एगा भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा भवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जाव एगा भवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा एगा अभवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ६९ ॥ एगा सम्मदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा सम्मामिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा सम्मदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा सम्ममिच्छादिट्ठियाणं नेरइयाणं वग्गणा, एवं जाव थणियकुमाराणं, एगा मिच्छदिट्ठियाणं पुढवीकाइयाणं वग्गणा, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, एगासम्मदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा, एवं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं वि सेसा जहा नेरइया, जाव एगा सम्मामिच्छदिट्ठियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ७० ॥ एगा कण्हपक्खियाणं वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाणं वग्गणा, एगा कण्हपक्खियाणं नेरइयाणं वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं चउवीसदंडओवि भाणियव्वो ॥ ७१ ॥ एगा कण्हलेस्साणं वग्गणा, एगा नीललेस्साणं वग्गणा,एवं जाव सुक्कलेस्साणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं नेरइयाणं वग्गणा, जाव काउलेस्साणं नेरइयाणं वग्गणा, एवं जस्स जति लेस्साओ, भवणवइवाणमंतरपुढविआउवणस्सइकाइयाणं च चत्तारि लेस्साओ तेऊवाउबेंदियतेइंदियचउरिंदियाणं तिन्निलेस्साओ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं छल्लेस्साओ, जोइसियाणं एगा तेउलेस्सा, वेमाणियाणं तिन्निउवरिमलेस्साओ एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु दो दो पयाणि भाणियव्वाणि, एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा, एवं जस्स जति लेस्साओ तस्स तति भाणियव्वाओ, जाव वेमाणियाणं। एगा कण्हलेस्साणं समदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं मिच्छादिट्ठियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं सम्मामिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु जाव वेमाणियाणं जेसिं जइ दिट्ठीओ, एगा कण्हलेस्साणं कण्हपक्खियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं सुक्कपक्खियाणं

वग्गणा, एवं जाव वेमाणियाणं, जस्स जइ लेसाओ, एए अट्ठ चउवीसदंडगा ॥७२॥ एगा तित्थसिद्धाणं वग्गणा, एगा अतित्थसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव एगा एगसिद्धाणं वग्गणा, एगा अणेगसिद्धाणं वग्गणा, एगा पढमसमयसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव अणंतसमयसिद्धाणं वग्गणा ॥ ७३ ॥ एगा परमाणुपोग्गलाणं वग्गणा, एवं जाव एगा अणंतपएसियाणं खंधाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव असंखेज्जसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्ज एगा अणंतगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एवं वण्णगंधरसफासा भाणियव्वा जाव एगा अणंतगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा जहन्नपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा उक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा अजहन्नुक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एवं जहन्नोगाहणगाणं, उक्कोसोगाहणगाणं, अजहन्नुक्कोसोगाहणगाणं, जहन्नठिइयाणं, उक्कोसठिइयाणं, अजहन्नुक्कोसठिइयाणं, जहन्नगुणकालगाणं, उक्कोसगुणकालगाणं, अजहन्नुक्कोसगुणकालगाणं, एवं वण्णगंधरसफासाणं वग्गणा भाणियव्वा, जाव एगा अजहन्नुक्कोसगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा ॥ ७४ ॥ एगे जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं जाव अद्धंगुलगं च किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं ॥ ७५ ॥ एगे समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थगराणं चरमतित्थयरे सिद्धे बुद्धे मुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ७६ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं एगा रयणी उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता ॥ ७७ ॥ अद्दानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते, चित्तानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते, साईनक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते ॥ ७८ ॥ एगपएसोगाढा पोग्गला अणंता पन्नत्ता, एवमेगसमयठिइया, एगगुणकालगा पोग्गला अणंता पन्नत्ता, जाव एगगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पन्नत्ता ॥ ७९ ॥ **पढमं ठाणं समत्तं ॥**

जदत्थि णं लोए तं सव्वं दुपडोआरं, तंजहा—जीवा चेव अजीवा चेव, तसे चेव थावरे चेव, सजोणिया चेव अजोणिया चेव, साउया चेव अणाउया चेव, सइंदिया चेव अणिंदिया चेव, सवेयगा चेव अवेयगा चेव, सरूवि चेव अरूवि चेव, सपोग्गला चेव अपोग्गला चेव, संसारसमावन्नगा चेव असंसारसमावन्नगा चेव, सासया चेव असासया चेव, आगासे चेव नो आगासे चेव, धम्मे चेव अधम्मे चेव, बंधे चेव मोक्खे चेव, पुण्णे चेव पावे चेव, आसवे चेव संवरे चेव, वेयणा चेव, णिज्जरा चेव ॥ ८० ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—जीवकिरिया चेव अजीवकिरिया चेव, जीवकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—सम्मत्तकिरिया चेव मिच्छत्त-

किरिया चेव, अजीवकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-इरियावहिया चेव संपराइया चेव ॥ ८१ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-काइया चेव अहिगरणिया चेव, काइया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-अणुवरयकायकिरिया चेव, दुप्पउत्तकायकिरिया चेव, अहिगरणियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-संजोयणाहिगरणिया चेव णिवत्तणाहिगरणिया चेव ॥ ८२ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-पाउसिया चेव पारियावणिया चेव, पाउसिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवपाउसिया चेव अजीवपाउसिया चेव, पारियावणियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-सहत्थपारियावणिया चेव, परहत्थपारियावणिया चेव ॥ ८३ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-पाणाइवायकिरिया चेव, अपच्चक्खाणकिरिया चेव, पाणाइवायकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-सहत्थपाणाइवायकिरिया चेव, परहत्थपाणाइवायकिरिया चेव, अपच्चक्खाणकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव, अजीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव ॥ ८४ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-आरंभिया चेव परिग्गहिया चेव, आरंभियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवआरंभिया चेव अजीवआरंभिया चेव, एवं परिग्गहियावि ॥ ८५ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-मायावत्तिआ चेव, मिच्छादंसणवत्तिआ चेव, मायावत्तिआकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-आयभाववंकणया चेव परभाववंकणया चेव, मिच्छादंसणवत्तिआकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-ऊणाइरित्तमिच्छादंसणवत्तिआ चेव तव्वइरित्तमिच्छादंसणवत्तिआ चेव ॥ ८६ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-दिट्ठिया चेव पुट्ठिया चेव, दिट्ठियाकिरिया दुविहा प० तंजहा-जीवदिट्ठिया चेव अजीवदिट्ठिया चेव, एवं पुट्ठियावि ॥ ८७ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-पाडुच्चिया चेव सामंतोवणिवाइया चेव, पाडुच्चियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवपाडुच्चिया चेव अजीवपाडुच्चिया चेव, एवं सामंतोवणिवाइयावि ॥ ८८ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-साहत्थिया चेव, णेसत्थिया चेव, साहत्थियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-जीवसाहत्थिया चेव, अजीवसाहत्थिया चेव, एवं णेसत्थियावि ॥ ८९ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-आणवणिया चेव वेयारणिया चेव, जहेव नेसत्थिया ॥ ९० ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-अणाभोगवत्तिया चेव अणवकंखवत्तिया चेव, अणाभोगवत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-अणाउत्तआइयणया चेव, अणाउत्तपमज्जणया चेव, अणवकंखवत्तिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-आयसरीरअणवकंखवत्तिया चेव, परसरीरअणवकंखवत्तिया चेव ॥ ९१ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा-पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव, पेज्जवत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-माया

वत्तिया चेव, लोहवत्तिया चेव, दोसवत्तिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-कोहे चेव माणे चेव ॥ ९२ ॥ दुविहा गरिहा पन्नत्ता, तंजहा-मणसावेगे गरिहइ वयसावेगे गरिहइ, अहवा गरिहा दुविहा प० दीहं एगे अद्धं गरिहइ, रहस्सं एगे अद्धं गरिहइ ॥ ९३ ॥ दुविहे पच्चक्खाणे, मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, अहवा पच्चक्खाणे दुविहे, दीहं एगे अद्धं पच्चक्खाइ, रहस्सं एगे अद्धं पच्चक्खाइ ॥ ९४ ॥ दोहिं ठाणेहिं अणगारे संपन्ने अणाइयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीइवएज्जा, तंजहा-विज्जाए चेव, चरणेण चेव ॥ ९५ ॥ दो ठाणाइं अपरियाणित्ता आया णो केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, दो ठाणाइं अपरिआणित्ता आया णो केवलं बोहिं बुज्झेज्जा तं० आरंभे चेव परिग्गहे चेव, दो ठाणाइं अपरियाइत्ता आया णो केवलं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइज्जा, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एवं णो केवलं बंभचेरवासमावसेज्जा णो केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, णो केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा, णो केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, एवं सुअणाणं, ओहिणाणं, मणपज्जवणाणं, केवलणाणं ॥ ९६ ॥ दो ठाणाइं परियाइत्ता आया केवलीपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एवं जाव केवलणाणमुप्पाडेज्जा ॥ ९७ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तंजहा सोच्चा चेव, अभिसमेच्चा चेव, जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा ॥ ९८ ॥ **दो समाओ पन्नत्ताओ**, तंजहा-**उस्सप्पिणिसमा** चेव, **ओसप्पिणिसमा** चेव ॥ ९९ ॥ दुविहे उम्माए पन्नत्ते, तंजहा-जक्खावेसे चेव मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएणं, तत्थणं जे से जक्खावेसे से णं सुहवेयतराए चेव सुहविमोयतराए चेव, तत्थणं जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, से णं दुहवेयतराए चेव दुहविमोयतराए चेव ॥ १०० ॥ दो दंडा पन्नत्ता, तंजहा-अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव, नेरइयाणं दो दंडा पन्नत्ता तंजहा-अट्ठादंडे चेव अणट्ठादंडे य एवं चउवीसदंडओ जाव वेमाणियाणं ॥ १०१ ॥ दुविहे दंसणे० सम्मदंसणे चेव, मिच्छादंसणे चेव, सम्मदंसणे दुविहे० णिसग्गसम्मदंसणे चेव, अभिगमसम्मदंसणे चेव, णिसग्गसम्मदंसणे दुविहे०, पडिवाई चेव, अपडिवाई चेव, अभिगमसम्मदंसणे दुविहे०, पडिवाई चेव, अपडिवाई चेव, मिच्छादंसणे दुविहे० तं जहा अभिग्गहियमिच्छादंसणे चेव, अणभिग्गहियमिच्छादंसणे चेव, अभिग्गहियमिच्छादंसणे दुविहे० सपज्जवसिए चेव, अपज्जवसिए चेव, एवमणभिग्गहियमिच्छादंसणेवि ॥ १०२ ॥ दुविहे णाणे० पच्चक्खे चेव, परोक्खे चेव, पच्चक्खनाणे दुविहे० केवलनाणे चेव, नो केवलनाणे चेव केवलनाणे दुविहे०

भवत्थकेवलनाणे चेव सिद्धकेवलनाणे चेव, भवत्थकेवलनाणे दुविहे० सजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव अजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, सजोगिभवत्थकेवलनाणे दुविहे० पढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अपढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अहवा, चरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अचरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, एवं अजोगिभवत्थकेवलनाणे वि, सिद्धकेवलनाणे दुविहे०, अणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव, परंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणंतरसिद्धकेवलनाणे दुविहे० एक्काणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणेक्काणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव, परंपरसिद्धकेवलनाणे दुविहे० एक्कपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणेक्कपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, णोकेवलनाणे दुविहे० ओहिनाणे चेव, मणपज्जवनाणे चेव, ओहिनाणे दुविहे० भवपच्चइए चेव, खओवसमिए चेव, दोण्हं भवपच्चइए० देवाणं चेव, णेरइयाणं चेव, दोण्हं खओवसमिए० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, मणपज्जवणाणे दुविहे० उज्जुमई चेव, विउलमई चेव, परोक्खणाणे दुविहे० आभिणिबोहियणाणे चेव, सुअणाणे चेव, आभिणिबोहियणाणे दुविहे० सुयनिस्सिए चेव, असुयनिस्सिए चेव, सुयनिस्सिए दुविहे० अत्थोग्गहे चेव, वंजणोग्गहे चेव, असुयनिस्सिएवि एवमेव, सुयणाणे दुविहे० अंगपविट्ठे चेव, अंगबाहिरे चेव, अंगबाहिरे दुविहे० आवस्सए चेव आवस्सयवइरित्ते चेव, आवस्सयवइरित्ते दुविहे० कालिए चेव, उक्कालिए चेव ॥ १०२ ॥ दुविहे धम्मे० सुअधम्मे चेव, चरित्तधम्मे चेव, सुअधम्मे दुविहे० **सुत्तसुअधम्मे** चेव, **अत्थसुअधम्मे** चेव, चरित्तधम्मे दुविहे० अगारचरित्तधम्मे चेव, अणगारचरित्तधम्मे चेव, संजमे दुविहे० सरागसंजमे चेव, वीयरागसंजमे चेव, सरागसंजमे दुविहे० सुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव बादरसंपरायसरागसंजमे चेव, सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अहवा चरिमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अचरिमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अहवा सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० संकिलेसमाणए चेव, विसुज्झमाणए चेव, बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अपढमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा चरिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अचरिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पडिवाइए चेव, अपडिवाइए चेव, वीयरागसंजमे दुविहे० उवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, खीणकसायवीयरागसंजमे चेव, उवसंतकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अपढमसमयउवसंतकसायवीयराग-

संजमे चेव, अहवा चरिमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अचरिमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० छउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे चेव, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे चेव, छउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे अचरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, सजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे अपढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयअयोगिकेवलिखीणकसायवीयरायसंजमे, अचरिमसमयअयोगिकेवलिखीणकसायवीयरायसंजमे ॥ १०४ ॥ दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता, तंजहा–सुहुमा चेव, बायरा चेव, एवं जाव दुविहा वणस्सइकाइया पन्नत्ता तंजहा–सुहुमा चेव बायरा चेव, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता तंजहा–पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता, तंजहा–परिणया चेव, अपरिणया चेव, जाव वणस्सइकाइया, दुविहा दव्वा० परिणया चेव अपरिणया चेव, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता तंजहा–गइसमावन्नगा चेव अगइसमावन्नगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, दुविहा दव्वा पन्नत्ता तंजहा–गइसमावन्नगा चेव अगइसमावन्नगा चेव, दुविहा पुढविकाइया० अणंतरोगाढगा चेव परंपरोगाढगा चेव, जाव दव्वा ॥ १०५ ॥ दुविहे काले० ओसप्पिणीकाले चेव, उस्सप्पिणीकाले चेव ॥ १०६ ॥ दुविहे आगासे० लोगागासे चेव, अलोगागासे चेव ॥ १०७ ॥ णेरइयाणं दो सरीरगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव, अब्भंतरए कम्मए, बाहिरए वेउव्विए,

भवत्थकेवलनाणे चेव सिद्धकेवलनाणे चेव, भवत्थकेवलनाणे दुविहे० सजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव अजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, सजोगिभवत्थकेवलनाणे दुविहे० पढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अपढमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अहवा, चरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, अचरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलनाणे चेव, एवं अजोगिभवत्थकेवलनाणे वि, सिद्धकेवलनाणे दुविहे०, अणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव, परंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणंतरसिद्धकेवलनाणे दुविहे० एक्काणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणेक्काणंतरसिद्धकेवलनाणे चेव, परंपरसिद्धकेवलनाणे दुविहे० एक्कपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, अणेक्कपरंपरसिद्धकेवलनाणे चेव, णोकेवलनाणे दुविहे० ओहिनाणे चेव, मणपज्जवनाणे चेव, ओहिनाणे दुविहे० भवपच्चइए चेव, खओवसमिए चेव, दोण्हं भवपच्चइए० देवाणं चेव, णेरइयाणं चेव, दोण्हं खओवसमिए० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, मणपज्जवणाणे दुविहे० उज्जुमई चेव, विउलमई चेव, परोक्खणाणे दुविहे० आभिणिबोहियणाणे चेव, सुअणाणे चेव, आभिणिबोहियणाणे दुविहे० सुयनिस्सिए चेव, असुयनिस्सिए चेव, सुयनिस्सिए दुविहे० अत्थोग्गहे चेव, वंजणोग्गहे चेव, असुयनिस्सिएवि एवमेव, सुयणाणे दुविहे० अंगपविट्ठे चेव, अंगबाहिरे चेव, अंगबाहिरे दुविहे० आवस्सए चेव आवस्सयवइरित्ते चेव, आवस्सयवइरित्ते दुविहे० कालिए चेव, उक्कालिए चेव ॥ १०३ ॥ दुविहे धम्मे० सुअधम्मे चेव, चरित्तधम्मे चेव, सुअधम्मे दुविहे० **सुत्तसुअधम्मे** चेव, **अत्थसुअधम्मे** चेव, चरित्तधम्मे दुविहे० अगारचरित्तधम्मे चेव, अणगारचरित्तधम्मे चेव, संजमे दुविहे० सरागसंजमे चेव, वीयरागसंजमे चेव, सरागसंजमे दुविहे० सुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव बादरसंपरायसरागसंजमे चेव, सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अहवा चरिमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अचरिमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अहवा सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० संकिलेसमाणए चेव, विसुज्झमाणए चेव, बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अपढमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा चरिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अचरिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पडिवाइए चेव, अपडिवाइए चेव, वीयरागसंजमे दुविहे० उवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, खीणकसायवीयरागसंजमे चेव, उवसंतकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अपढमसमयउवसंतकसायवीयराग-

संजमे चेव, अहवा चरिमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अचरिमसमय-उवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० छउमत्थखीण-कसायवीयरागसंजमे चेव, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे चेव, छउमत्थखीण-कसायवीयरागसंजमे दुविहे० सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, बुद्धबोहिय-छउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयसयंबुद्धछउमत्थ-खीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयराग-संजमे, अचरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, बुद्धबोहियछउमत्थ-खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयराग-संजमे, अपढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसम-यबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे अचरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीण-कसायवीयरागसंजमे, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सजोगिकेवलिखीणक-सायवीयरागसंजमे, अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, सजोगिकेवलिखीणक-सायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे अपढ-मसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसजोगिकेवलिखी-णकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अजो-गिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवी-यरागसंजमे, अपढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमस-मयअयोगिकेवलिखीणकसायवीयरायसंजमे, अचरिमसमयअयोगिकेवलिखीणकसाय-वीयरायसंजमे ॥ १०४ ॥ दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता, तंजहा–सुहुमा चेव, बायरा चेव, एवं जाव दुविहा वणस्सइकाइया पन्नत्ता तंजहा–सुहुमा चेव बायरा चेव, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता तंजहा–पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता, तंजहा–परिणया चेव, अपरिणया चेव, जाव वणस्सइकाइया, दुविहा दव्वा० परिणया चेव अपरिणया चेव, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता तंजहा–गइसमावन्नगा चेव अगइसमावन्नगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, दुविहा दव्वा पन्नत्ता तंजहा–गइसमावन्नगा चेव अगइसमावन्नगा चेव, दुविहा पुढविकाइया० अणंतरोगाढगा चेव परंपरोगाढगा चेव, जाव दव्वा ॥ १०५ ॥ दुविहे काले० ओसप्पिणीकाले चेव, उस्सप्पिणीकाले चेव ॥ १०६ ॥ दुविहे आगासे० लोगागासे चेव, अलोगागासे चेव ॥ १०७ ॥ णेरइयाणं दो सरीरगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव, अब्भंतरए कम्मए, बाहिरए वेउव्विए,

सव्वेणवि आया सद्दाइं सुणेइ, एवं रूवाइं पासइ, गंधाइं आघायइ, रसाइं आसाएइ, फासाइं पडिसंवेएइ, दोहिं ठाणेहिं आया ओभासइ, तंजहा—देसेणवि आया ओभासइ, सव्वेण वि आया ओभासइ, एवं पभासइ, विउव्वइ, परियारेइ, भासं भासइ, आहारेइ, परिणामेइ, वेएइ, निज्जरेइ, दोहिं ठाणेहिं देवे सद्दाइं सुणेइ, तंजहा-देसेणवि देवे सद्दाइं सुणेइ, सव्वेण वि सद्दाइं सुणेइ, जाव णिज्जरेइ ॥ ११५ ॥ मरुया देवा दुविहा प० तं० एगसरीरी चेव विसरीरी चेव, एवं किन्नरा, किंपुरिसा, गंधव्वा, णागकुमारा, सुवन्नकुमारा अग्गि कुमारा, वाउकुमारा देवा दुविहा प० तं० एगसरीरी चेव विसरीरी चेव ॥११६॥ **वीयट्ठाणस्स वीओद्देसो समत्तो ॥**

दुविहे सद्दे प० तं० भासासद्दे चेव नोभासासद्दे चेव । भासासद्दे दुविहे प० तं० अक्खरसंबद्धे चेव, नोअक्खरसंबद्धे चेव । णोभासासद्दे दुविहे प० तं० आउज्जसद्दे चेव, णोआउज्जसद्दे चेव, आउज्जसद्दे दुविहे प० तं० तते चेव, वितते चेव, तते दुविहे प० तं० घणे चेव झुसिरे चेव, एवं विततेवि, णोआउज्जसद्दे दुविहे प० तं० भूसणसद्दे चेव, णोभूसणसद्दे चेव, णोभूसणसद्दे दुविहे प० तं० तालसद्दे चेव लत्तियासद्दे चेव, दोहिं ठाणेहिं सद्दुप्पाए सिया तंजहा—साहन्नंताणं चेव, पुग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया भिज्जंताणं चेव पोग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया ॥ ११७ ॥ दोहिं ठाणेहिं पोग्गला साहन्नंति, तंजहा—सयं वा पोग्गला साहन्नंति परेण वा पोग्गला साहन्नंति, दोहिं ठाणेहिं पोग्गला भिज्जंति, तंजहा—सयं वा पोग्गला भिज्जंति, परेण वा पोग्गला भिज्जंति, दोहिं ठाणेहिं पोग्गला परिसडंति, सयं वा पोग्गला परिसडंति, परेण वा पोग्गला परिसाडिज्जंति, एवं परिपडंति, विद्धंसंति ॥११८॥ दुविहा पोग्गला प०तं० भिन्ना चेव अभिन्ना चेव, दुविहा पोग्गला प०तं० भिउरधम्मा चेव नोभिउरधम्मा चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० परमाणुपोग्गला चेव नोपरमाणुपोग्गला चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० सुहुमा चेव वायरा चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० बद्धपासपुट्ठा चेव नोबद्धपासपुट्ठा चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० परियादितच्चेव, अपरियादितच्चेव, दुविहा पोग्गला प० तं० अत्ताचेव अणत्ताचेव, दुविहा पोग्गला प० तं० इट्ठा चेव अणिट्ठा चेव, एवं कंता, पिया, मणुन्ना, मणामा । दुविहा सद्दा प० तं० अत्ता चेव, अणत्ता चेव एवं इट्ठा जाव मणामा, दुविहा रूवा प० तं० अत्ता चेव अणत्ता चेव, जाव मणामा । एवं गंधा, रसा, फासा, एवमिक्किक्के छआलावगा भाणियव्वा ॥ ११९ ॥ दुविहे आयारे प० तं० णाणायारे चेव णो णाणायारे चेव, णोणाणायारे दुविहे प० तं० दंसणायारे चेव, णोदंसणायारे चेव, णोदंसणायारे दुविहे पण्णत्ते, चरित्तायारे चेव, णो चरित्तायारे चेव, णो चरित्तायारे दुविहे

प० तं० तवायारे चेव, वीरियायारे चेव ॥ १२० ॥ दो पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा चेव, उवहाणपडिमा चेव, दो पडिमाओ प० तं० विवेगपडिमा चेव, विउसग्गपडिमा चेव, दोपडिमाओ प०तं० भद्दा चेव, सुभद्दा चेव, दो पडिमाओ प०तं० महाभद्दा चेव सव्वतोभद्दा चेव, दो पडिमाओ प० तं० खुड्डिया चेव मोयपडिमा महल्लिया चेव मोयपडिमा, दोपडिमाओ प० तं० जवमज्झे चेव चंदपडिमा वइरमज्झे चेव चंदपडिमा ॥ १२१ ॥ दुविहे सामाइए प० तं० **आगारसामाइए** चेव, **अणगारसामाइए** चेव ॥ १२२ ॥ दोण्हं उववाए प० तं० देवाणं चेव, नेरइयाणं चेव, दोण्हं उव्वट्टणा प० तं० नेरइयाणं चेव, भवणवासीणं चेव, दोण्हं चयणे प० तं० जोइसियाणं चेव, वेमाणियाणं चेव, दोण्हं गब्भवक्कंती प० तं० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोण्हं गब्भत्थाणं आहारे प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव दोण्हं गब्भत्थाणं वुड्ढी प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, एवं निव्वुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे आयाइ मरणे, दोण्हं छविपव्वा प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, दो सुक्कसोणिअसंभवा, प० तं० मणुस्सा चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चेव, दुविहा ठिई, कायट्ठिई चेव, भवट्ठिई चेव, दोण्हं कायट्ठिई, मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, दोण्हं भवट्ठिई, देवाणं चेव णेरइयाणं चेव, दुविहे आउए, अद्धाउए चेव, भवाउए चेव, दोण्हं अद्धाउए, मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव, दोण्हं भवाउए देवाणं चेव, णेरइयाणं चेव, दुविहे कम्मे, पएसकम्मे चेव, अणुभावकम्मे चेव, दो अहाउयं पालेंति, देवच्चेव णेरइयच्चेव, दोण्हं आउयसंवट्टए प० तं० मणुस्साण चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण चेव ॥ १२३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा बहुसमतुल्ला अविसेसमणाणत्ता अन्नमण्णं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा–भरहे चेव, एरवए चेव, एवमेएणं अहिलावेणं नेयव्वं, हेमवए चेव हेरण्णवए चेव, हरिवरिसे चेव, रम्मयवरिसे चेव ॥ १२४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं दो खित्ता, बहुसमतुल्ला अविसेस जाव पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव ॥१२५॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोकुराओ, बहुसमतुल्लाओ अविसेसा जाव देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव, तत्थ णं दो महइ महालया महादुमा, बहुसमतुल्ला, अविसेसमणाणत्ता अन्नमन्नं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेहसंठाणपरिणाहेणं तंजहा कूडसामली चेव, जंबू चेव सुदंसणा, तत्थणं दो देवा महिड्ढिया जाव महासोक्खा,

पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तंजहा-गरुले चेव वेणुदेवे अणाढिए चेव जंवूदीवाहिवई ॥ १२६ ॥ जंवूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासहरपव्वया, बहुसमतुल्ला, अविसेसमणाणत्ता, अन्नमन्नं नाइवट्टंति, आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेहसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा-चुल्लहिमवंते चेव सिहरी चेव एवं महाहिमवंते चेव, रुप्पी चेव, एवं णिसढे चेव, णीलवंते चेव ॥ १२७ ॥ जंवूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं हेमवएरन्नवएसु वासेसु दोवट्टवेयड्ढपव्वया, बहुसमतुल्ला, अविसेसमणाणत्ता जाव सद्दावाई चेव वियडावाई चेव, तत्थणं दो देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तंजहा-साई चेव पभासे चेव ॥ १२८ ॥ जंवूमंदरस्स उत्तरदाहिणेणं हरिवासरम्मएसु वासेसु दोवट्टवेयड्ढपव्वया, बहुसमतुल्ला, जाव गंधावाई चेव, मालवंतपरियाए चेव, तत्थणं दोदेवा महिड्ढिया, जाव पलिओवमठिइया परिवसंति, तंजहा-अरुणे चेव, पउमे चेव ॥१२९॥ जंवूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं देवकुराए पुव्वावरे पासे, एत्थणं आसक्खंधगसरिसा, अद्धचंदसंठाणसंठिया दोवक्खारपव्वया, बहुसमतुल्ला जाव, सोमणसे चेव विज्जुप्पभे चेव, जंवूमंदरस्स उत्तरेणं उत्तरकुराए पुव्वावरे पासे एत्थणं आसक्खंधगसरिसा अद्धचंदसंठाणसंठिया दो वक्खारपव्वया प० तं० बहु० जाव, गंधमायणे चेव, मालवंते चेव ॥ जंवूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोदीहवेयड्ढपव्वया, बहुसमतुल्ला जाव भारहे चेव दीहवेयड्ढे एरावए चेव दीहवेयड्ढे, भारहेणं दीहवेयड्ढे दोगुहाओ, बहुसमतुल्लाओ अविसेसमणाणत्ताओ अन्नमन्नं णाइवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा-तिमिसगुहा चेव, खंडगप्पवायगुहा चेव, तत्थणं दोदेवा महिड्ढिया, जाव पलिओवमठिइया परिवसंति, तंजहा-कयमालए चेव, णट्टमालए चेव, एरावएणं दीहवेयड्ढे दोगुहा, जाव कयमालए चेव णट्टमालए चेव ॥ १३० ॥ जंवूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला, जाव विक्खंभुच्चत्तसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा-चुल्लहिमवंतकूडे चेव वेसमणकूडे चेव, जंवूमंदरस्स दाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला जाव महाहिमवतकूडे चेव, वेरुलियकूडे चेव, एवं निसढे वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला जाव० निसढकूडे चेव, रुयगप्पभे चेव, जंवूमंदरस्स उत्तरेणं नीलवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला जाव० नीलवंतकूडे चेव, उवदंसणकूडे चेव, एवं रुप्पिम्मि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला जाव० तंजहा रुप्पिकूडे चेव, मणिकंचणकूडे चेव, एवं सिहरिम्मि वि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमतुल्ला तंजहा-सिहरिकूडे चेव, तिगिच्छिकूडे चेव ॥ १३१ ॥ जंवूमंदरस्स उत्तरदाहिणेणं चुल्लहिमवंतसिहरीसु वासहरपव्वएसु दो महद्दहा, बहुसम-

उल्ला, अविसेसमणाणत्ता अण्णमण्णं नाइवट्टंति, आयामविक्खंभउव्वेहसंठाणपरिणा-
ेणं, तंजहा-पउमद्दहे चेव, पुंडरीयद्दहे चेव, तत्थणं दो देवयाओ महिड्डियाओ
ाव पलिओवमट्ठिइयाओ परिवसंति, तं० सिरी चेव लच्छी चेव, एवं महाहिमवंत-
प्पीसु वासहरपव्वएसु दो महद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव महापउमद्दहे चेव,
हापोंडरीयद्दहे चेव, देवताओ हिरिच्चेव बुद्धिच्चेव, एवं निसहनीलवंतेसु तिगि-
च्छद्दहे चेव, केसरिद्दहे चेव, देवताओ धिई चेव किति चेव ॥ १३२ ॥
बूमंदरदाहिणेणं महाहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ महापउमद्दहाओ दो महाणईओ
वहंति तंजहा रोहियच्चेव हरिकंतच्चेव, एवं निसहाओ वासहरपव्वयाओ तिगिच्छि-
ाओ दोमहानईओ पवहंति तं०हरिच्चेव, सीतोअच्चेव। जंबूमंदरस्स उत्तरेणं नीलवं-
ओ वासहरपव्वयाओ केसरिद्दहाओ दो महाणईओ पवहंति तं० सीता चेव, नारि-
ा चेव, एवं रुप्पिवासहरपव्वयाओ महापोंडरीयद्दहाओ दोमहाणईओ पवहंति,
हा णरकंता चेव रुप्पकूला चेव। जंबूमंदरदाहिणेणं भारहेवासे दोपवायद्दहा प०
बहुसमउल्ला जाव गंगप्पवायद्दहे चेव सिंधुप्पवायद्दहे चेव। एवं हेमवएवासे दोप-
यद्दहा प० बहुसमउल्ला तं० रोहियप्पवायद्दहे चेव, रोहियंसप्पवायद्दहे चेव, जंबू-
रदाहिणे णं हरिवासे वासे दोपवायद्दहा प०बहुसमउल्ला तं०हरिप्पवायद्दहे चेव हरि-
प्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरउत्तरदाहिणेणं महाविदेहे वासे दोपवायद्दहा प० तं०
समउल्ला जाव० सीयप्पवायद्दहे चेव, सीओयप्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरउत्तरेणं
नएवासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव नरकंतप्पवायद्दहे चेव णारिकंतप्प-
द्दहे चेव, एवं हेरन्नवएवासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव० सुवन्नकूलप्प-
द्दहे चेव, रुप्पकूलप्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरउत्तरेणं एरवएवासे दोपवायद्दहा, प०
सउल्ला जाव० रत्तप्पवायद्दहे चेव रत्तावइप्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरदाहिणेणं भर-
से दोमहानईओ प० बहुसमउल्ला गंगा चेव, सिंधू चेव, एवं जहा प्पवायद्दहा एवं
ओ भाणियव्वाओ, जाव एरवए वासे दोमहानईओ प० बहुसमउल्लाओ जाव रत्ता
रत्तवई चेव॥१३३॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसुऽतीताए उस्सप्पिणीए सुस-
समाए समाए दो सागरोवमकोडाकोडीओ काले होत्था, एवमिमीसे ओसप्पिणीए
प० एवं आगमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव भविस्सइ। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु
सु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए मणुया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था,
णयपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव पालइत्था,
आगमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव पालइस्संति ॥ १३४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेर-
सु वासेसु एगसमए एगजुगे दो अरहंतवंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जि-

स्संति वा। एवं चक्कवट्टिवंसा, दसारवंसा, जंबूभरहेरवएसु एगसमए दोअरिहंता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, एवं चक्कवट्टिणो वलदेवा वासुदेवा, जाव उपज्जिस्संति वा ॥ १३५ ॥ जंबू० दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमुत्तम-मिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा-देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा-हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव, जंबु० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुस-मुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा-हेमवए चेव एरन्नवए चेव, जंबु-द्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विह-रंति, तंजहा-पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुय छव्विहंपिकालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-भरहे चेव, एरवए चेव ॥ १३६ ॥ जंबुद्दीवे २ दोचंदा पभासिंसु वा, पभासंति वा, पभासिस्संति वा, दोसूरिया तवइंसु वा तवंति वा, तविस्संति वा, दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिराओ, दो अद्दाओ एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अद्दा य पुणव्वसू य पुस्सो य। तत्तो अस्सलेसा, महा य दो फग्गुणीओ य १ हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति अणुराहा, जेट्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव २ अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया, रेवइ अस्सिणि भरणी, णेयव्वा आणुपुव्वीए एवं गाहानुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ, दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअइई दोवहस्सई दोसप्पी दोपीई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोनिरई दोआऊ दोविस्सा दोवह्मा दोविण्हू दोवसू दोव-रुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिच्चरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकण-कणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जो-वगा दोकव्वडग्गा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोसंखा दोसंखवन्ना दोसंखवन्नाभा दोकंसा दोकंसवन्ना दोकंसवन्नाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोनीला दोनीलोभासा दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवन्ना दोदगा दोदगपंचवन्ना दोकाकं-दोकक्कंधा दोइंदग्गीवा दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोवुहा दोसुक्का दोवहस्सई दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोनियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकाला दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपूसमाणगा दोअंकुसा दोपलंवा दोनिच्चा-लोगा दोनिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा

दोपभंकरा दोअपराजिता दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवितत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोसुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥१३७॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वेइआ दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० लवणेणं समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० लवणस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥१३८॥ धायईखंडेणं दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा, वहुसमउल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव, एवं जहा जंबूदीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं, जाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा-भरहे चेव एरवए चेव, णवरं कूडसामली चेव, धायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे सुदंसणेचेव, धायईखंडदीवपच्चच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० वहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, णवरं कूडसामली चेव महाधायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पियदंसणे चेव, धायईखंडेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं दोहिमवंताइं दो हेरण्णवयाइं दोहरिवासाइं दोरम्मगवासाइं, दोपुव्वविदेहाइं दोअवरविदेहाइं दोदेवकुराओ दोदेवकुरुमहादुमा, दोदेवकुरुमहादुमावासी देवा दोउत्तरकुराओ दोउत्तरकुरुमहादुमा दोउत्तरकुरुमहादुमावासी देवा दोचुल्लहिमवंता दोमहाहिमवंता दोनिसहा दोनीलवंता दोरुप्पी दोसिहरी दोसद्दावाई दोसद्दावायवासी साई देवा, दोवियडावाई दोवियडावाईवासी पभासा देवा दोगंधावाई दोगंधावाईवासी अरुणादेवा दोमालवंतपरियागा दोमालवंतपरियागावासी पउमादेवा दोमालवंता दोचित्तकूडा दोपउमकूडा दोनलिनकूडा दोएगसेला दोतिकूडा दोवेसमणकूडा दोअंजणा दोमातंजणा दोसोमणसा दोविज्जुप्पभा दोअंकावई दोपम्हावई दोआसीविसा दोसुहावहा दोचंदपव्वया दोसूरपव्वया दोणागपव्वया दोदेवपव्वया दोगंधमायणा दोउसुगारपव्वया दोचुल्लहिमवंतकूडा दोवेसमणकूडा दोमहाहिमवंतकूडा दोवेरुलियकूडा दोनिसहकूडा दोरुयगकूडा दोनीलवंतकूडा दोउवदंसणकूडा दोरुप्पिकूडा दोमणिकंचणकूडा दोसिहरिकूडा दोतिगिच्छिकूडा दोपउमद्दहा, दोपउमद्दहवासिणीओ सिरीदेवीओ दोमहापउमद्दहा दोमहापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ एवं जाव दोपुंडरीयद्दहा दोपुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छीओ देवीओ दोगंगप्पवायद्दहा जाव दोरत्तवईप्पवायद्दहा दोरोहियाओ जाव दोरुप्पकूलाओ दोगाहावईओ दोदहवईओ दोपंकवईओ दोतत्तजलाओ दोमत्तजलाओ दोउम्मत्तजलाओ दोखीरोयाओ दोसीहसोयाओ दोअंतोवाहिणीओ दोउम्मिमालिणीओ दोफेणमालिणीओ दोगंभीरमालिणीओ दोक-

स्संति वा। एवं चक्कवट्टिवंसा, दसारवंसा, जंबूभरहेरवएसु एगसमए दोअरिहंता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, एवं चक्कवट्टिणो बलदेवा वासुदेवा, जाव उपज्जिस्संति वा ॥ १३५ ॥ जंबू० दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमुत्तम-मिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा-देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा-हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव, जंबु० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुस-मुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा-हेमवए चेव एरन्नवए चेव, जंबु-द्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विह-रंति, तंजहा-पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपिकालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-भरहे चेव, एरवए चेव ॥ १३६ ॥ जंबुद्दीवे २ दोचंदा पभासिंसु वा, पभासंति वा, पभासिस्संति वा, दोसूरिया तवइंसु वा, तवंति वा, तविस्संति वा, दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिराओ, दो अद्दाओ, एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अद्दा य पुणव्वसू य पुस्सो य। तत्तोवि अस्सलेसा, महा य दो फग्गुणीओ य १ हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति अणुराहा, जेट्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव २ अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया, रेवइ अस्सिणि भरणी, णेयव्वा आणुपुव्वीए ३ एवं गाहानुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ, दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअइई दोवहस्सई दोसप्पी दोपीई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोनिरई दोआऊ दोविस्सा दोवह्मा दोविण्हू दोवसू दोव-रुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिच्चरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकण-कणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जो-वगा दोकव्वडगा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोसंखा दोसंखवन्ना दोसंखवन्नाभ दोकंसा दोकंसवन्ना दोकंसवन्नाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोनीला दोनीलोभास दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवन्ना दोदगा दोदगपंचवन्ना दोकाक दोकक्कंधा दोइंदग्गीवा दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोबुहा दोसुक्का दोवहस्सइ दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोनियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकालगा दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपूसमाणगा दोअंकुसा दोपलंबा दोनिच्चा-लोगा दोनिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा

दोपभंकरा दोअपराजिता दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवितत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोसुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥१३७॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वेइआ दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० लवणेणं समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० लवणस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥१३८॥ धायईखंडेणं दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा, बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव, एवं जहा जंबूदीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं, जाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–भरहे चेव एरवए चेव, णवरं कूडसामली चेव, धायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे सुदंसणेचेव, धायईखंडदीवपच्चच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, णवरं कूडसामली चेव महाधायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पियदंसणे चेव, धायईखंडेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं दोहिमवंताइं दो हेरण्णवयाइं दोहरिवासाइं दोरम्मगवासाइं, दोपुव्वविदेहाइं दोअवरविदेहाइं दोदेवकुराओ दोदेवकुरुमहादुमा, दोदेवकुरुमहादुमावासी देवा दोउत्तरकुराओ दोउत्तरकुरुमहादुमा दोउत्तरकुरुमहादुमावासी देवा दोचुल्लहिमवंता दोमहाहिमवंता दोनिसहा दोनीलवंता दोरुप्पी दोसिहरी दोसद्दावाई दोसद्दावायवासी साई देवा, दोवियडावाई दोवियडावाईवासी पभासा देवा दोगंधावाई दोगंधावाईवासी अरुणादेवा दोमालवंतपरियागा दोमालवंतपरियागावासी पउमादेवा दोमालवंता दोचित्तकूडा दोपउमकूडा दोनलिनकूडा दोएगसेला दोतिकूडा दोवेसमणकूडा दोअंजणा दोमातंजणा दोसोमणसा दोविज्जुप्पभा दोअंकावई दोपम्हावई दोआसीविसा दोसुहावहा दोचंदपव्वया दोसूरपव्वया दोणागपव्वया दोदेवपव्वया दोगंधमायणा दोउसुगारपव्वया दोचुल्लहिमवंतकूडा दोवेसमणकूडा दोमहाहिमवंतकूडा दोवेरुलियकूडा दोनिसहकूडा दोरुयगकूडा दोनीलवंतकूडा दोउवदंसणकूडा दोरुप्पिकूडा दोमणिकंचणकूडा दोसिहरिकूडा दोतिगिच्छिकूडा दोपउमद्दहा, दोपउमद्दहवासिणीओ सिरीदेवीओ दोमहापउमद्दहा दोमहापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ एवं जाव दोपुंडरीयद्दहा दोपुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छीओ देवीओ दोगंगप्पवायद्दहा जाव दोरत्तवईप्पवायद्दहा दोरोहियाओ जाव दोरुप्पकूलाओ दोगाहावईओ दोदहवईओ दोपंकवईओ दोतत्तजलाओ दोमत्तजलाओ दोउम्मत्तजलाओ दोखीरोयाओ दोसीहसोयाओ दोअंतोवाहिणीओ दोउम्मिमालिणीओ दोफेणमालिणीओ दोगभीरमालिणीओ दोक-

स्संति वा। एवं चक्कवट्टिवंसा, दसारवंसा, जंबूभरहेरवएसु एगसमए दोअरिहंता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, एवं चक्कवट्टिणो बलदेवा वासुदेवा, जाव उपज्जिस्संति वा ॥ १३५ ॥ जंबू० दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमुत्तमइड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा–हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव, जंबु० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–हेमवए चेव एरन्नवए चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपिकालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा–भरहे चेव, एरवए चेव ॥ १३६ ॥ जंबुद्दीवे २ दोचंदा पभासिंसु वा, पभासंति वा, पभासिस्संति वा, दोसूरिया तवइंसु वा, तवंति वा, तविस्संति वा, दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिराओ, दो अद्दाओ, एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अद्दा य पुणव्वसू य पुस्सो य। तत्तोवि अस्सलेसा, महा य दो फग्गुणीओ य १ हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति अणुराहा, जेट्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव २ अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया, रेवइ अस्सिणि भरणी, णेयव्वा आणुपुव्वीए ३ एवं गाहाणुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ, दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअइई दोवहस्सई दोसप्पी दोपीई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोनिरई दोआऊ दोविस्सा दोबह्मा दोविण्हू दोवसू दोवरुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिच्चरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकणकणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जोवगा दोकव्वडगा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोसंखा दोसंखवन्ना दोसंखवन्नाभा दोकंसा दोकंसवन्ना दोकंसवन्नाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोनीला दोनीलोभासा दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवन्ना दोदगा दोदगपंचवन्ना दोकाका दोकक्कंधा दोइंदग्गीवा दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोबुहा दोसुक्का दोवहस्सई दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोनियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकालगा दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपूसमाणगा दोअंकुसा दोपलंवा दोनिच्चालोगा दोनिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा

दोपभंकरा दोअपराजिता दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवि-
तत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोनुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी
दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥१३७॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स
वेइआ दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० लवणेणं समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवा-
लविक्खंभेण प० लवणस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥१३८॥
धायईखंडेणं दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा, बहुसम-
ल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव, एवं जहा जंबूदीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं,
ाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा-भरहे चेव
रवए चेव, णवरं कूडसामली चेव, धायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे
दंसणेचेव, धायईखंडदीवपच्चच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा
० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा
विहरंति, णवरं कूडसामली चेव महाधायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे
पियदंसणे चेव, धायईखंडेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं दोहिमवंताइं दो
हेरण्णवयाइं दोहरिवासाइं दोरम्मगवासाइं, दोपुव्वविदेहाइं दोअवरविदेहाइं
दोदेवकुराओ दोदेवकुरुमहादुमा, दोदेवकुरुमहादुमावासी देवा दोउत्तरकुराओ
दोउत्तरकुरुमहादुमा दोउत्तरकुरुमहादुमावासी देवा दोचुल्लहिमवंता दोमहाहिमवंता
दोनिसहा दोनीलवंता दोरुप्पी दोसिहरी दोसद्दावाई दोसद्दावायवासी साई देवा,
दोवियडावाई दोवियडावाईवासी पभासा देवा दोगंधावाई दोगंधावाईवासी
अरुणादेवा दोमालवंतपरियागा दोमालवंतपरियागावासी पउमादेवा दोमालवंता
दोचित्तकूडा दोपउमकूडा दोनलिनकूडा दोएगसेला दोतिकूडा दोवेसमणकूडा
दोअंजणा दोमातंजणा दोसोमणसा दोविज्जुप्पभा दोअंकावई दोपम्हावई दोआसी-
विसा दोसुहावहा दोचंदपव्वया दोसूरपव्वया दोणागपव्वया दोदेवपव्वया दोगंध-
मायणा दोउसुगारपव्वया दोचुल्लहिमवंतकूडा दोवेसमणकूडा दोमहाहिमवंतकूडा दोवे-
रुलियकूडा दोनिसहकूडा दोरुयगकूडा दोनीलवंतकूडा दोउवदंसणकूडा दोरुप्पिकूडा
दोमणिकंचणकूडा दोसिहरिकूडा दोतिगिच्छिकूडा दोपउमद्दहा, दोपउमद्दहवासिणीओ
सिरीदेवीओ दोमहापउमद्दहा दोमहापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ एवं जाव दोपुंड-
रीयद्दहा दोपुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छीओ देवीओ दोगंगप्पवायद्दहा जाव दोरत्त-
वईप्पवायद्दहा दोरोहियाओ जाव दोरुप्पकूलाओ दोगाहावईओ दोदहवईओ दोपंकव-
ईओ दोतत्तजलाओ दोमत्तजलाओ दोउम्मत्तजलाओ दोखीरोयाओ दोसीहसोयाओ
दोअंतोवाहिणीओ दोउम्मिमालिणीओ दोफेणमालिणीओ दोगंभीरमालिणीओ दोक-

स्संति वा। एवं चक्कवट्टिवंसा, दसारवंसा, जंबूभरहेरवएसु एगसमए दोअरिहंता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, एवं चक्कवट्टिणो वलदेवा वासुदेवा, जाव उपज्जिस्संति वा ॥ १३५ ॥ जंवू० दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमुत्तमसिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा–हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव, जंबु० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–हेमवए चेव एरन्नवए चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–पुव्वाविदेहे चेव अवराविदेहे चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपिकालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा–भरहे चेव, एरवए चेव ॥ १३६ ॥ जंबुद्दीवे २ दोचंदा पभासिंसु वा, पभासंति वा, पभासिस्संति वा, दोसूरिया तवइंसु वा, तवंति वा, तविस्संति वा, दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिराओ, दो अद्दाओ, एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अद्दा य पुणव्वसू य पुस्सो य। तत्तोवि अस्सलेसा, महा य दो फग्गुणीओ य १ हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति अणुराहा, जेट्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव २ अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया, रेवइ अस्सिणि भरणी, णेयव्वा आणुपुव्वीए ३ एवं गाहाणुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ, दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअइई दोवहस्सई दोसप्पी दोपीई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोनिरई दोआऊ दोविस्सा दोवह्मा दोविण्हू दोवसू दोवरुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिच्चरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकणकणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जोवगा दोकव्वडगा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोसंखा दोसंखवन्ना दोसंखवन्नाभा दोकंसा दोकंसवन्ना दोकंसवन्नाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोनीला दोनीलोभासा दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवन्ना दोदगा दोदगपंचवन्ना दोकाका दोकक्कंधा दोइंदग्गीवा दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोवुहा दोसुक्का दोवहस्सई दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोनियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकालगा दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपूसमाणगा दोअंकुसा दोपलंवा दोनिच्चालोगा दोनिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा

दोपभंकरा दोअपराजिता दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवितत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोसुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥१३७॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वेइआ दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० लवणेणं समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० लवणस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥१३८॥ धायईखंडेणं दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा, बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव, एवं जहा जंबूदीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं, जाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा-भरहे चेव एरवए चेव, णवरं कूडसामली चेव, धायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे सुदंसणेचेव, धायईखंडदीवपच्चच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, णवरं कूडसामली चेव महाधायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पियदंसणे चेव, धायईखंडेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं दोहिमवंताइं दो हेरण्णवयाइं दोहरिवासाइं दोरम्मगवासाइं, दोपुव्वविदेहाइं दोअवरविदेहाइं दोदेवकुराओ दोदेवकुरुमहादुमा, दोदेवकुरुमहादुमावासी देवा दोउत्तरकुराओ दोउत्तरकुरुमहादुमा दोउत्तरकुरुमहादुमावासी देवा दोचुल्लहिमवंता दोमहाहिमवंता दोनिसहा दोनीलवंता दोरुप्पी दोसिहरी दोसद्दावाई दोसद्दावायवासी साई देवा, दोवियडावाई दोवियडावाईवासी पभासा देवा दोगंधावाई दोगंधावाईवासी अरुणादेवा दोमालवंतपरियागा दोमालवंतपरियागावासी पउमादेवा दोमालवंता दोचित्तकूडा दोपउमकूडा दोनलिनकूडा दोएगसेला दोतिकूडा दोवेसमणकूडा दोअंजणा दोमातंजणा दोसोमणसा दोविज्जुप्पभा दोअंकावई दोपम्हावई दोआसीविसा दोसुहावहा दोचंदमव्वया दोसूरपव्वया दोणागपव्वया दोदेवपव्वया दोगंधमायणा दोउसुगारपव्वया दोचुल्लहिमवंतकूडा दोवेसमणकूडा दोमहाहिमवंतकूडा दोवेरुलियकूडा दोनिसहकूडा दोरुयगकूडा दोनीलवंतकूडा दोउवदंसणकूडा दोरुप्पिकूडा दोमणिकंचणकूडा दोसिहरिकूडा दोतिगिच्छिकूडा दोपउमद्दहा, दोपउमद्दहवासिणीओ सिरीदेवीओ दोमहापउमद्दहा दोमहापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ एवं जाव दोपुंडरीयद्दहा दोपुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छीओ देवीओ दोगंगप्पवायद्दहा जाव दोरत्तवईप्पवायद्दहा दोरोहियाओ जाव दोरुप्पकूलाओ दोगाहावईओ दोदहवईओ दोपंकवईओ दोतत्तजलाओ दोमत्तजलाओ दोउम्मत्तजलाओ दोखीरोयाओ दोसीहसोयाओ दोअंतोवाहिणीओ दोउम्मिमालिणीओ दोफेणमालिणीओ दोगंभीरमालिणीओ दोक-

च्छा दोसुकच्छा दोमहाकच्छा दोकच्छगावई दोआवत्ता दोमंगलावत्ता दोपुक्खला दोपुक्खलावई दोवच्छा दोसुवच्छा दोमहावच्छा दोवच्छगावई दोरम्मा दोरम्मगा दोरमणिज्जा दोमंगलावई दोपम्हा दोसुपम्हा दोमहापम्हा दोपम्हगावई दोसंखा दोणलिणा दोकुमुया दोसलिलावई दोनलिणावई दोवप्पा दोसुवप्पा दोमहावप्पा दोवप्पगावई दोवग्गू दोसुवग्गू दोगंधिला दोगंधिलावई दोखेमाओ दोखेमपुरीओ दोरिट्ठाओ दोरिट्ठपुरीओ दोखग्गीओ दोमंजूसाओ दोओसहीओ दोपुण्डरीगिणीओ दोसुसीमाओ दोकुंडलाओ दोअपराइआओ दोप्पभंकराओ दोअंकावईओ दोपम्हावईओ दोसुभाओ दोरयणसंचयाओ दोआसपुराओ दोसीहपुराओ दोमहापुराओ दोविजयपुराओ दोअवराजियाओ दोअवराओ दोअसोयाओ दोविगयसोयाओ दोविजयाओ दोवेजयंतीओ दोजयंतीओ दोअपराजियाओ दोचक्कपुराओ दोखग्गपुराओ दोअवज्झाओ दोअओज्झाओ दोभद्दसालवणा दोणंदणवणा दोसोमणसवणा दोपंडगवणा दोपंडुकंवलसिलाओ दोअतिपंडुकंवलसिलाओ दोरत्तकंवलसिलाओ दोअइरत्तकंवलसिलाओ दोमंदरा दोमंदरचूलियाओ, धायइखंडस्सणं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नता, कालोदस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता पुक्खरवरदीवद्धपुरच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव जाव दोकुराओ पण्णत्ताओ देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव । तत्थणं दोमहइमहालया महद्दुमा प० तं० कूडसामली चेव, पउमरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पउमे चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, पुक्खरवरदीवद्धपच्चत्थिमद्धेणं मंदरपव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प०तं० तहेव णाणत्तं कूडसामली चेव, महापउमरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव, वेणुदेवे पुंडरीए चेव, पुक्खरवरदीवद्धेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं जाव दोमंदरा दोमंदरचूलाओ, पुक्खरवरस्स णं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० सव्वेसिं पि णं दीवसमुद्दाणं वेइयाओ दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ताओ ॥ १३९ ॥ दो असुरकुमारिंदा प० तं० चमरे चेव बली चेव, दोनागकुमारिंदा प० तं० धरणे चेव भूयाणंदे चेव, दोसुवण्णकुमारिंदा प० तं० वेणुदेवे चेव वेणुदाली चेव, दोविज्जुकुमारिंदा प०तं० हरी चेव हरिस्सहे चेव, दोअग्गिकुमारिंदा प०तं० अग्गिसिहे चेव अग्गिमाणवे चेव, दोदीवकुमारिंदा प०तं०पुण्णे चेव, विसिट्ठे चेव, दोउदधिकुमारिंदा प० तं० जलकंते चेव जलप्पभे चेव, दोदिसाकुमारिंदा प० तं० अमियगई चेव, अमियवाहणे चेव, दोवाउकुमारिंदा प० तं० वेलंवे चेव पभंजणे चेव, दोथणियकुमारिंदा प० तं० घोसे चेव महाघोसे चेव, दोपिसायइंदा प० तं० काले चेव महा-

काले चेव, दोभूयइंदा प० तं० सुरूवे चेव पडिरूवे चेव, दोजक्खिंदा प० तं० पुण्णभद्दे चेव माणिभद्दे चेव, दोरक्खसिंदा प० तं० भीमे चेव महाभीमे चेव, दोकिन्नरिंदा प० तं० किन्नरे चेव किंपुरिसे चेव, दोकिंपुरिसिंदा प० तं० सप्पुरिसे चेव महापुरिसे चेव, दोमहोरगिंदा प० तं० अइकाये चेव महाकाये चेव, दोगंधव्विंदा प० तं० गीयरई चेव गीयजसे चेव, दोअणपण्णिंदा प० तं० संनिहिए चेव, सामण्णे चेव, दोपणपन्निंदा प० तं० धाए चेव विहाए चेव, दोइसिवाइंदा प० तं० इसि चेव इसिवालए चेव, दोभूयवाइंदा प० तं० ईसरे चेव महिस्सरे चेव, दोकंदिंदा प० तं० सुवच्छे चेव विसाले चेव, दोमहाकंदिंदा प० तं० हासे चेव हासरई चेव, दोकुभंडिंदा प० तं० सेए चेव महासेए चेव,दोपयगिंदा प० तं० पयए चेव पयगवई चेव, जोइसियाणं देवाणं दोइंदा प० तं० चंदे चेव सूरे चेव, सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु दोइंदा प० तं० सक्के चेव ईसाणे चेव, एवं सणंकुमारमहिंदेसु कप्पेसु दोइंदा प० तं० सणंकुमारे चेव माहिंदे चेव, बंभलोयलंतगेसु णं दोइंदा प० तं० बंभे चेव लंतए चेव, महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु दोइंदा पन्नत्ता तंजहा–महासुक्के चेव सहस्सारे चेव, आणयपाणयारणच्चुएसु णं कप्पेसु दोइंदा प०तं० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥ १४० ॥ महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा दुवण्णा प० तं० हालिद्दा चेव सुक्किल्ला चेव, गेविज्जगाणं देवाणं **दोरयणीओ** उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता ॥ १४१॥

वीयट्ठाणस्स तइओद्देसो समत्तो ॥

समयाइ वा आवलियाइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, आणापाणूइ वा, थोवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, खणाइ वा लवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, एवं मुहुत्ताइ वा, अहोरत्ताइ वा, पक्खाइ वा, मासाइ वा, उऊइ वा, अयणाइ वा, संवच्छराइ वा, जुगाइ वा, वाससयाइ वा, वाससहस्साइ वा, वाससयसहस्साइ वा, वासकोडीइ वा, पुव्वंगाइ वा, पुव्वाइ वा, तुडियंगाइ वा तुडियाइ वा अडडंगाइ वा, अडडाइ वा, अववंगाइ वा, अववाइ वा हूहूअंगाइ वा, हूहूयाइ वा, उप्पलंगाइ वा, उप्पलाइ वा, पउमंगाइ वा, पउमाइ वा, णलिणंगाइ वा, णलिणाइ वा, **अच्छणिउरंगा**इ वा, **अच्छणिउ**राइ वा, अउअंगाइ वा अउआइ वा, णउअंगाइ वा, णउआइ वा पउअंगाइ वा, पउयाइ वा, चूलिअंगाइ वा चूलियाइ वा, सीसप्पहेलिअंगाइ वा, सीसप्पहेलियाइ वा, पलिओवमाइ वा, सागरोवमाइ वा उस्सप्पिणीइ वा, ओसप्पिणीइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४२ ॥ गामाइ वा, णगराइ वा, निगमाइ वा, रायहाणीइ वा, खेडाइ वा, कब्बडाइ वा, मडंवाइ वा, दोणमुहाइ वा, पट्टणाइ वा, आगराइ वा, आस-

माइ वा, संवाहाइ वा, संनिवेसाइ वा, घोसाइ वा, आरामाइ वा, उज्जाणाइ वा, वणाइ वा, वणखंडाइ वा, वावीइ वा, पुक्खरणीइ वा, सराइ वा, सरपंतीइ वा, अगडाइ वा, तडागाइ वा, दहाइ वा, णदीइ वा, पुढवीइ वा, उदहीइ वा, वातखंधाइ वा, उवासंतराइ वा, वलयाइ वा, विग्गहाइ वा, दीवाइ वा, समुद्दाइ वा, वेलाइ वा, वेइयाइ वा, दाराइ वा, तोरणाइ वा, णेरइयाइ वा, णेरइयावासाइ वा, जाव वेमाणियावासाइ वा, कप्पाइ वा, कप्पविमाणवासाइ वा, वासाइ वा, वासहरपव्वयाइ वा, कूडाइ वा, कूडागाराइ वा, विजयाइ वा, रायहाणीइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४३ ॥ छायाइ वा, आतवाइ वा, जोसिणाइ वा, अंधगाराइ वा, ओमाणाइ वा, पमाणाइ वा, उम्माणाइ वा, अतिताणगिहाइ वा, उज्जाणगिहाइ वा, अवलिम्वाइ वा, सणिप्पवायाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४४ ॥ दोरासी प० तं० जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव, दुविहे वंधे प० तं० पेज्जवंधे चेव, दोसवंधे चेव, जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्मं वंधन्ति तं० रागेण चेव, दोसेण चेव, जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्मं उदीरेन्ति तं० अब्भोवगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए एवं वेदेंति एवं णिज्जरेंति अब्भोवगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए, दोहिं ठाणेहिं आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति तं० देसेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति सव्वेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाति, एवं फुरित्ताणं एवं फुडित्ताणं एवं संवट्टित्ताणं निव्वट्टित्ताणं, दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए तंजहा–खएण चेव उवसमेण चेव, एवं जाव मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा तं० खएण चेव उवसमेण चेव ॥ १४५ ॥ दुविहे अद्धोवमिए प० तं० पलिओवमे चेव सागरोवमे चेव । से किं तं पलिओवमे ? पलिओवमे जं जोयणविच्छिन्नं पल्लं एगाहियप्परूढाणं होज्ज णिरंतरणिचियं भरियं वालग्गकोडीणं १ वाससए वाससए एक्केक्के, अवहडंमि जो कालो; सो कालो वोद्धव्वो, उवमा एगस्स पल्लस्स २ एतेसिं पल्लाणं कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया; तं सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परीमाणं ३–॥ १४६ ॥ दुविहे कोहे प० तं० आयपइट्ठिए चेव, परपइट्ठिए चेव, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ १४७ ॥ दुविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० तसा चेव, थावरा चेव, दुविहा सव्वजीवा प० तं० सिद्धा चेव असिद्धा चेव । दुविहा सव्वजीवा प० तं० सइंदिया चेव, अणिंदिया चेव, एवं एसा गाहा फासेयव्वा जाव ससरीरी चेव असरीरी चेव; सिद्धसइंदियकाए, जोगे वेए कसायलेसा य, णाणुवओगाहारे भासगचरिमे य ससरीरी (१) ॥ १४८ ॥ दोमरणाइं समणेणं

भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णो णिच्चं वण्णियाइं कित्तियाइं णो णिच्चं वुइयाइं णो णिच्चं पसत्थाइं णो णिच्चं अब्भणुन्नायाइं भवंति तं० वलयमरणे चेव, वसट्टमरणे चेव, एवं णियाणमरणे चेव, तब्भवमरणे चेव, गिरिपडणे चेव, तरुपडणे चेव, जलप्पवेसे चेव, जलणप्पवेसे चेव, विसभक्खणे चेव, सत्थोवाडणे चेव, दोमरणाइं जाव णो णिच्चं अब्भणुन्नायाइं भवंति, कारणेणं पुण अप्पडिकुट्ठाइं तंजहा-वेहाणसे चेव गिद्धपिट्ठे चेव ॥ १४९ ॥ दोमरणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वण्णियाइं जाव अब्भणुन्नायाइं भवंति तं०पाओवगमणे चेव भत्तपच्चक्खाणे चेव, पाओवगमणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव अणीहारिमे चेव, णियमं अप्पडिक्कमे, भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव, अणीहारिमे चेव, णियमं सप्पडिक्कमे ॥ १५० ॥ के अयं लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव, के अणंतालोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव, के सासया लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव ॥ १५१ ॥ दुविहा बोही, णाणबोही चेव, दंसणबोही चेव । दुविहा बुद्धा-णाणबुद्धा चेव दंसण-बुद्धा चेव, एवं मोहे मूढा ॥ १५२ ॥ णाणावरणिज्जे कम्मे दुविहे पन्नत्ते तं० देस-णाणावरणिज्जे चेव, सव्वणाणावरणिज्जे चेव, दंसणावरणिज्जे कम्मे एवं चेव वेय-णिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० सायावेयणिज्जे चेव असायावेयणिज्जे चेव मोहणिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० दंसणमोहणिज्जे चेव चरित्तमोहणिज्जे चेव, आउकम्मे दुविहे प० तं० अद्धाउए चेव, भवाउए चेव, णामकम्मे दुविहे प० तं० सुभणामे चेव असुभणामे चेव, गोत्तकम्मे दुविहे प० तं० उच्चागोए चेव णीयागोए चेव, अंत-राइएकम्मे दुविहे प० तं० पडुप्पण्णविणासिए चेव पिहियआगामिपहं ॥ १५३ ॥ दुविहा मुच्छा प० तं० पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव, पेज्जवत्तियामुच्छा दुविहा प० तं० माए चेव लोहे चेव, दोसवत्तियामुच्छा दुविहा प० तं० कोहे चेव माणे चेव ॥ १५४ ॥ दुविहा आराहणा प० तं० धम्मियाराहणा चेव केवलि-आराहणा चेव, धम्मियाराहणा दुविहा प० तं० सुयधम्माराहणा चेव चरित्त-धम्माराहणा चेव, केवलिआराहणा दुविहा प० तं० अंतकिरिया चेव कप्पवि-माणोववत्तिया चेव ॥ १५५ ॥ दोतित्थयरा नीलुप्पलसमावन्नेणं प० तं० मुणिसुव्वए चेव, अरिट्ठणेमी चेव, दोतित्थयरा पियंगुसमावन्नेणं प० तं० मल्ली चेव पासे चेव, दोतित्थयरा पउमगोरा वण्णेणं, प० तं० पउमप्पहे चेव, वासुपुज्जे चेव, दोतित्थयरा चंदगोरा वण्णेणं प० तं० चंदप्पभे चेव पुप्फदंते चेव ॥ १५६ ॥ सच्चप्पवाय-पुव्वस्सणं दुवे वत्थू पन्नत्ता, पुव्वभद्दवयानक्खत्ते दुतारे प० उत्तरभद्दवयानक्खत्ते दुतारे प०-एवं पुव्वफग्गुणी, उत्तरफग्गुणी ॥ १५७ ॥ अंतोणं मणुस्सखेत्तस्स दो

समुद्दा, प० तं० लवणे चेव कालोदे चेव, दोचक्कवट्टी अपरिचत्तकामभोगा काल-मासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणनरए नेरइयत्ताए उववन्ना तं० सुभूमे चेव बंभदत्ते चेव ॥ १५८ ॥ असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं देसूणाइं दोपलिओवमाइं ठिई प० सोहम्मे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दोसागरोवमाइं ठिई प० ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई प० सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहन्नेणं दोसागरोवमाइं ठिई प० माहिंदे कप्पे देवाणं जहन्नेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ १५९ ॥ दोसु कप्पेसु कप्पत्थियाओ पण्णत्ताओ तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा तेउलेस्सा प० तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा कायपरियारगा प० तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव, दोसु कप्पेसु देवा फासपरियारगा प० तं० सणंकुमारे चेव, माहिंदे चेव, दोसु कप्पेसु देवा रूवपरियारगा प० तं० बंभलोए चेव, लंतए चेव, दोसु कप्पेसु देवा सद्दपरियारगा प० तं० महासुक्के चेव, सहस्सारे चेव, दोइंदा मण-परियारगा, प० तं० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥ १६० ॥ जीवाणं दोट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तंजहा–तसकायनिव्व-त्तिए चेव, थावरकायनिव्वत्तिए चेव, एवं उवचिणिंसु वा, उवचिणंति वा, उवचिणि-स्संति वा, बंधिंसु वा, बंधंति वा, बंधिस्संति वा, उदीरिंसु वा, उदीरेंति वा, उदीरिस्संति वा, वेदिंसु वा, वेदिंति वा, वेदिस्संति वा, णिज्जरिंसु वा, णिज्जरेंति वा, णिज्जरिस्संति वा ॥ १६१ ॥ दुप्पएसिया खंधा अणंता प० दुपएसोगाढा पोग्गला अणंता प० एवं जाव दुगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ १६२ ॥

बीयट्ठाणस्स चउत्थोद्देसो समत्तो, बीयं ठाणं समत्तं ॥

तइयट्ठाणं

तओ इंदा प० तं० णामिंदे-दव्विंदे-भाविंदे ॥ तओ इंदा प० तं० णाणिंदे-दंसणिंदे-चरित्तिंदे, तओ इंदा प० तं० देविंदे-असुरिंदे-मणुस्सिंदे ॥ १६३ ॥ तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिरए पोग्गलए परियाइत्ता एगा विउव्वणा, बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगाविउव्वणा, बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता वि अपरियाइत्ता वि एगा विउव्वणा तिविहा विउव्वणा, प० तं० अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगाविउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा, तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिर-ब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता

एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा ॥ १६४ ॥ तिविहा नेरइया प० तं० कतिसंचिया, अकतिसंचिया अवत्तव्वगसंचिया एवमेगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया ॥ १६५ ॥ तिविहा परियारणा प० तं० एगे देवे अन्ने देवे अन्नेसिं देवाणं देवीओ य अभिजुंजिय २ परियारेइ, अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ एगे देवे णो अन्नेदेवे णो अन्नेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ। एगे देवे णो अन्नेदेवे णो अन्नेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ, णो अप्पणिज्जियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ॥ १६६ ॥ तिविहे मेहुणे प० तं० दिव्वे माणुस्सए तिरिक्खजोणिए, तओ मेहुणं गच्छंति तं०देवा मणुस्सा तिरिक्खजोणिया, तओ मेहुणं सेवंति तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ १६७ ॥ तिविहे जोगे प० तं० मणजोगे वयजोगे कायजोगे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं, तिविहे पओगे प० तं० मणपओगे, वयपओगे, कायपओगे; जहा जोगो विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं तहा पओगेवि। तिविहे करणे प० तं० मणकरणे, वयकरणे, कायकरणे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं । तिविहे करणे पन्नत्ते तं० आरंभकरणे, संरंभकरणे समारंभकरणे, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ १६८ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसंवइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा, णिग्गंथं वा, अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभित्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउअत्ताए कम्मं पगरेंति। तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तंजहा—णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं णं समणं णिग्गंथं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति ॥ १६९ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं णिग्गंथं वा हीलेत्ता निंदेत्ता खिंसेत्ता गरिहित्ता अवमाणित्ता अन्नयरेणं अमणुन्नेणं अपीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं वा पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति, तिहिं ठाणेहिं जीवा सुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति, तंजहा—णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा णिग्गंथं वा वंदित्ता नमंसित्ता सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता

मणुन्नेणं पीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा सुहदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति ॥१७०॥ तओ गुत्तीओ पन्नत्ताओ तं० मणगुत्ती, वयगुत्ती, कायगुत्ती, संजयमणुस्साणं तओ गुत्तीओ प० तं० मण, वय, काय०। तओ अगुत्तीओ प० तं० मणअगुत्ती, वयअगुत्ती, कायअगुत्ती, एवं णेरइयाणं जाव० थणियकुमाराणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं असंजयमणुस्साणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं। तओ दंडा प० तं० मणदंडे, वयदंडे, कायदंडे, णेरइयाणं तओ दंडा प० मणदंडे, जाव कायदंडे विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ॥१७१॥ तिविहा गरिहा प० तं० मणसावेगे गरहइ, वयसावेगे गरहइ, कायसावेगे गरहइ, पावाणं कम्माणं अकरणयाए। अहवा गरहा तिविहा प० तं० दीहंवेगे अद्धं गरहइ, रहस्सं वेगे अद्धं गरहइ, कायंवेगे पडिसाहरइ पावाणं कम्माणं अकरणयाए, तिविहे पच्चक्खाणे प० तं० मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, कायसावेगे पच्चक्खाइ, एवं जहा गरहा तहा पच्चक्खाणेवि दो आलावगा भाणियव्वा ॥ १७२ ॥ तओ रुक्खा, प० तं० पत्तोवए, फलोवए, पुप्फोवए, एवामेव तओ पुरिसजाया प० तं० पत्तो वा रुक्खसमाणे, पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे॥ तओ पुरिसजाया प० तं० णामपुरिसे, दव्वपुरिसे, भावपुरिसे, तओ पुरिसजाया प० तं० णाणपुरिसे, दंसणपुरिसे, चरित्तपुरिसे, तओ पुरिसजाया प० तं० वेदपुरिसे, चिंधपुरिसे, अभिलावपुरिसे ॥ १७३ ॥ तिविहा पुरिसा प० तं० उत्तमपुरिसा, मज्झिमपुरिसा जहन्नपुरिसा, उत्तमपुरिसा तिविहा प० तं० धम्मपुरिसा, भोगपुरिसा, कम्मपुरिसा, धम्मपुरिसा अरिहंता, भोगपुरिसा चक्कवट्टी, कम्मपुरिसा वासुदेवा, मज्झिमपुरिसा तिविहा–उग्गा भोगा राइण्णा, जहन्नपुरिसा तिविहा, प० तं० दासा, भयगा, भाइल्लगा ॥ १७४ ॥ तिविहा मच्छा प० तं० अंडया, पोयया, संमुच्छिमा, अंडया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा; पोयया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा ॥ १७५ ॥ तिविहा पक्खी प० तं० अंडया, पोयया, संमुच्छिमा, अंडया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी पुरिसा, णपुंसगा, पोयया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा, एवमेएणं अभिलावेणं उरपरिसप्पावि भाणियव्वा, भुजपरिसप्पा वि णेयव्वा, एवं चेव ॥ १७६ ॥ तिविहाओ इत्थीओ पन्नत्ताओ तं० तिरिक्खजोणित्थीओ, मणुस्सित्थीओ, देवित्थीओ, तिरिक्खजोणित्थीओ तिविहाओ प० तं० जलचरीओ, थलचरीओ, खहचरीओ, मणुस्सित्थीओ तिविहाओ पण्णत्ताओ, तं० कम्मभूमियाओ, अकम्मभूमियाओ, अंतरदीवियाओ ॥ १७७ ॥ तिविहा पुरिसा तिरिक्खजोणियपुरिसा,

मणुस्सपुरिसा, देवपुरिसा, तिरिक्खजोणियपुरिसा तिविहा प० तं० जलयरा, थलयरा, खहयरा, मणुस्सपुरिसा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया, अकम्मभूमिया अंतरदीवया ॥१७८॥ तिविहा णपुंसगा, णेरइयणपुंसगा, तिरिक्खजोणियणपुंसगा मणुस्सणपुंसगा, तिरिक्खजोणियणपुंसगा तिविहा–जलयरा थलयरा खहयरा ॥ १७९ ॥ मणुस्सणपुंसगा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया अकम्मभूमिया अंतरदीवगा, तिविहा तिरिक्खजोणिया, इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ १८० ॥ णेरइयाणं तओ लेस्साओ प० तं० कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा, असुरकुमाराणं तओ लेस्साओ संकिलिट्ठाओ प० तं० कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा एवं जाव थणियकुमाराणं। एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वि तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं वि तओ लेस्सा जहा णेरइयाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ संकिलिट्ठाओ प० तं० कण्हनीलकाउलेस्सा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ असंकिलिट्ठाओ प० तं० तेउपम्हसुक्कलेस्सा एवं मणुस्साणवि वाणमंतराणं जहा असुरकुमाराणं, वेमाणियाणं तओ लेस्साओ प० तं० तेउपम्हसुक्कलेस्सा ॥ १८१ ॥ तिहिं ठाणेहिं तारारूवे चलेज्जा तं० विकुव्वमाणे वा परियारेमाणे वा, ठाणाओ वा ठाणं संकममाणे तारारूवे चलेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवे विज्जुयारं करेज्जा तं० विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा तहारूवस्स समणस्स वा णिग्गंथस्स वा इड्ढि जुइं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे देवे विज्जुयारं करेज्जा, तिहिं ठाणेहिं देवे थणियसद्दं करेज्जा तं० विउव्वमाणे एवं जहा विज्जुयारं तहेव थणियसद्दंपि ॥ १८२ ॥ तिहिं ठाणेहिं लोगंधयारे सिया तंजहा–अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे। तिहिं ठाणेहिं लोगुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेसु पव्वयमाणेसु, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु। तिहिं ठाणेहिं देवंधयारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे। तिहिं ठाणेहिं देवुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु। तिहिं ठाणेहिं देवसन्निवाए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु। एवं देवुक्कलिया, देवकहकहए, तिहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, एवं सामाणिया, तायत्तीसगा लोगपाला देवा अग्गमहिसीओ देवीओ परिसोववन्नगा देवा, अणियाहिवई देवा, आयरक्खा देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति, तिहिं ठाणेहिं देवा अब्भुट्ठेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं

जाव तं चेव। एवमासणाइं चलेज्जा, सीहणायं करेज्जा, चेलुक्खेवं करेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवाणं रुक्खा चलेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, जाव तं चेव। तिहिं ठाणेहिं लोगंतिया देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु ॥ १८३ ॥ तिण्हं दुप्पडियारं समणाउसो तंजहा–अम्मापिउणो भट्टिस्स धम्मायरियस्स, संपाओवि य णं केइ पुरिसे अम्मापियरं सयपागसहस्सपागेहिं तिल्लेहिं अब्भंगेत्ता, सुरभिणा गंधट्टएणं उव्वट्टित्ता, तिहिं उदगेहिं मज्जावेत्ता, सव्वालंकारविभूसियं करेत्ता, मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोअणं भोआवेत्ता जावज्जीवं पिट्ठिवडिंसियाए परिवहेज्जा, तेणावि तस्स अम्मापिउस्स दुप्पडियारं भवइ। अहेणं से तं अम्मापियरं केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पन्नवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स अम्मापिउस्स सुप्पडियारं भवइ। समणाउसो केइ महच्चे दरिद्दं समुक्कसेज्जा तएणं से दरिद्दे समुक्किट्ठे समाणे पच्छा पुरं च णं विउलभोगसमिइसमण्णागए या वि विहरेज्जा, तएणं से महच्चे अन्नया कयाइं दरिद्दी हूए समाणे तस्स दरिद्दस्स अंतिए हव्वमागच्छेज्जा तएणं से दरिद्दे तस्स भट्टिस्स सव्वस्समावि दलयमाणे तेणावि तस्स दुप्पडियारं भवइ, अहेणं से तं भट्टिं केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पण्णवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स भट्टिस्स सुप्पडियारं भवइ। केइ तहारूवस्स समणस्स वा णिग्गंथस्स वा अंतियमेगमवि आरियं जिणभासियं धम्मं सुवयणं सोच्चा निसम्म कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने, तएणं से देवे तं धम्मायरियं दुब्भिक्खाओ वा देसाओ सुभिक्खं देसं साहरेज्जा, कंताराओ वा णिक्कंतारं करेज्जा, दीहकालिएणं वा रोआतंकेणं अभिभूयं समाणं विमोइज्जा, तेणावि तस्स धम्मायरियस्स दुप्पडियारं भवइ, अहेणं से तं धम्मायरियं केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भट्ठं समाणं भुज्जोवि केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता जाव ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स धम्मायरियस्स सुप्पडियारं भवइ ॥ १८४ ॥ तिहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अणाइयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीइवएज्जा, तंजहा–अणियाणयाए, दिट्ठिसंपन्नयाए, जोगवाहियाए ॥ १८५ ॥ तिविहा ओसप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना, एवं छप्पिसमाओ भाणियव्वाओ जाव दुसमदुसमा, तिविहा उस्सप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना एवं छप्पिसमाओ भाणियव्वाओ, जाव सुसमसुसमा ॥ १८६ ॥ तिहिं ठाणेहिं अच्छिन्ने पोग्गले चलेज्जा तं० आहारिज्जमाणे वा पोग्गले चलेज्जा, विउव्वमाणे वा पोग्गले चलेज्जा, ठाणाओ ठाणं संकामेज्जमाणे वा पोग्गले चलेज्जा ॥ १८७ ॥ तिविहा उवही प० तं० कम्मोवही

सरीरोवही बाहिरभंडमत्तोवही, एवं असुरकुमाराणं भाणियव्वं, एवं एगिंदियनेरइय-वज्जं जाव वेमाणियाणं। अहवा तिविहा उवही प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया। एवं नेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं, तिविहे परिग्गहे प० तं० कम्मपरिग्गहे सरीरपरिग्गहे बाहिरभंडमत्तपरिग्गहे, एवं असुरकुमाराणं, एवं एगिंदियनेरइयवज्जं जाव वेमाणियाणं, अहवा तिविहे परिग्गहे प० तं० सचित्ते अचित्ते मीसए एवं णेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ १८८ ॥ तिविहे पणिहाणे प० तं० मणप-णिहाणे वयपणिहाणे कायपणिहाणे एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे सुप्प-णिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे वयसुप्पणिहाणे कायसुप्पणिहाणे, संजयमणुस्साणं तिविहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे वयसुप्पणिहाणे कायसुप्पणिहाणे, तिविहे दुप्पणिहाणे प० तं० मणदुप्पणिहाणे वयदुप्पणिहाणे कायदुप्पणिहाणे, एवं पंचिंदि-याणं जाव वेमाणियाणं ॥ १८९ ॥ तिविहा जोणी पण्णत्ता तंजहा–सीआ उसिणा सीओसिणा। एवमेगिंदियाणं विगलिंदियाणं तेउकाइयवज्जाणं संमुच्छिमपंचिंदियति-रिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य, तिविहा जोणी प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया एवमेगिंदियाणं विगलिंदियाणं संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमु-च्छिममणुस्साण य। तिविहा जोणी प० तं० संवुडा, वियडा संवुडवियडा। तिविहा जोणी प० तं० कुम्मुन्नया संखावत्ता वंसीवत्तिया, कुम्मुन्नयाणं जोणी उत्तमपुरिस-माऊणं, कुम्मुन्नयाएणं जोणीए तिविहा उत्तमपुरिसा गब्भं वक्कमंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा, संखावत्ता जोणी इत्थीरयणस्स संखावत्ताएणं जोणीए बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति नो चेव णं णिप्पज्जंति। वंसीपत्तियाणं जोणी पिहज्जणस्स वंसीवत्तियाएणं जोणीए बहवे पिहज्जणे गब्भं वक्क-मंति ॥ १९० ॥ तिविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० संखेज्जजीविया असंखेज्जजी-विया अणंतजीविया ॥ १९१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहेवासे तओ तित्था प० तं० मागहे वरदामे पभासे एवं एरवएवि। जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहवासे एगमेगे चक्क-वट्टिविजए तओ तित्था प० तं० मागहे वरदामे पभासे। एवं धायइखंडे दीवे पुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि पुक्खरवदीवड्ढपुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि ॥ १९२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीआए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए तिन्निसागरो-वमकोडाकोडीओ कालो होत्था। एवं ओसप्पिणीए णवरं प० आगमेस्साए उस्स-प्पिणीए भविस्सइ। एवं धायइखंडे पुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि। एवं पुक्खरव-रदीवड्ढपुरत्थिमद्धे पच्चत्थिमद्धेवि कालो भाणियव्वो ॥ १९३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेर-वएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए मणुया तिन्नि गाउआइं

उड्ढं उच्चत्तेणं तिण्णिपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था एवं इमीसे ओसप्पिणीए आगमेस्साए उस्सप्पिणीए। जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया तिन्नि गाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० तिन्निपलिओवमाइं परमाउं पालयंति। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे ॥ १९४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणिउस्सप्पिणीए तओ वंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंतवंसे चक्कवट्टिवंसे दसारवंसे। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए तओ उत्तमपुरिसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेववासुदेवा। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। तओ अहाउयं पालेंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा, तओ मज्झिममाउयं पालयंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा ॥ १९५ ॥ बायरतेऊकाइयाणं उक्कोसेणं तिन्नि राइंदियाइं ठिई प० बायरवाउकाइयाणं उक्कोसेणं तिन्निवाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता ॥ १९६ ॥ अह भंते सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसिणं धन्नाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं ओलित्ताणं लित्ताणं लंछियाणं मुद्दियाणं पिहियाणं केवइयं कालं **जोणी** संचिट्ठइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्निसंवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ पविद्धंसइ विद्धंसइ तेण परं **बीए अबीए** भवइ तेण परं जोणी वोच्छेदे प० ॥ १९७ ॥ दोच्चाएणं सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं उक्कोसेणं तिन्निसागरोवमाइं ठिई प० तच्चाएणं वालुयप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं णेरइयाणं तिन्निसागरोवमाइं ठिई प०। पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिन्निनिरयावाससयसहस्सा प० तिसु णं पुढवीसु णेरइया उसिणं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० पढमाए दोच्चाए तच्चाए ॥ १९८ ॥ तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प०तं० अप्पइट्ठाणे णरए जंबुद्दीवे दीवे सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे। तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० सीमंतएणं णरए समयक्खेत्ते ईसिपब्भारापुढवी ॥ १९९ ॥ तओ समुद्दा पगईए उदगरसेणं प० तं० कालोदे पुक्खरोदे सयंभुरमणे, तओ समुद्दा बहुमच्छकच्छभाइण्णा प० तं० लवणे कालोदे सयंभुरमणे ॥ २०० ॥ तओ लोगे णिस्सीला णिव्वया णिग्गुणा णिम्मेरा णिपच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववज्जंति तं० रायाणो मंडलिया जे य महारंभा कोडुंबी। तओ लोए सुसीला सुव्वया सग्गुणा सम्मेरा सपच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवंति तं० रायाणो परिचत्तकामभोगा सेणावई पसत्थारो ॥ २०१ ॥ बंभलोगलंतएसु णं

कप्पेसु विमाणा तिवन्ना पन्नत्ता तं० किण्हा नीला लोहिगा। आणयपाणगारणगुएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं तिन्नि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ २०२ ॥ तओ पन्नत्तीओ कालेणं अहिज्जन्ति तं० चंदपन्नत्ती सूरपन्नत्ती दीवसागर-पन्नत्ती ॥ २०३ ॥ **तइयट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

तिविहे लोगे पन्नत्ते तं० णामलोगे ठवणलोगे दव्वलोगे, तिविहे लोगे प० तं० णाणलोगे दंसणलोगे चरित्तलोगे, तिविहे लोगे प० तं० उड्ढलोगे अहोलोगे तिरियलोगे ॥ २०४ ॥ चमरस्सणं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया चंडा जाया अब्भितरिया समिया मज्झमिया चंडा बाहिरया जाया, चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सामाणियाणं देवाणं तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया जहेव चमरस्स। एवं तायत्तीसगाणवि लोगपालाणं तुंवा तुडिया पव्वा एवं अग्गमहिसीण वि। वलिस्स वि एवं चेव जाव अग्गमहिसीणं। धरणस्स य सामाणियतायत्तीसगाणं च समिया चंडा जाया, लोगपालाणं अग्गमहिसीणं ईसा तुडिया दढरहा, जहा धरणस्स तहा सेसाणं भवणवासीणं, कालस्सणं पिसाइंदस्स पिसायरन्नो तओ परिसाओ पन्नत्ताओ, तं० ईसा तुडिया दढरहा, एवं सामाणियअग्गमहिसीणं वि एवं जाव गीयरइ गीयजसाणं चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो तओ परिसाओ, तुंवा तुडिया पव्वा, एवं सामाणियअग्गमहिसीणं, एवं सूरस्स वि, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो तओ परिसाओ पन्नत्ताओ तं० समिया चंडा जाया, एवं जहा चमरस्स जाव अग्गमहिसीणं, एवं जाव अच्चुयस्स लोगपालाणं ॥ २०५ ॥ तओ जामा प० तं० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, तिहिं जामेहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, एवं जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे। तओ वया प० तं० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए, तिहिं वएहिं आया केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए, एसो चेव गमो णेयव्वो, जाव केवलनाणंति ॥ २०६ ॥ तिविहा वोही प० तं० णाणवोही दंसणवोही चरित्तवोही, तिविहा वुद्धा प० तं० णाणवुद्धा दंसणवुद्धा चरित्तवुद्धा, एवं मोहे मूढा ॥ २०७ ॥ तिविहा पव्वज्जा प० तं० इहलोगपडिवद्धा, परलोगपडिवद्धा, दुहओ पडिवद्धा, तिविहा पव्वज्जा प० तं० पुरओपडिवद्धा, मग्गओपडिवद्धा, उभओपडिवद्धा, तिविहा पव्वज्जा प० तं० तुयावइत्ता पुयावइत्ता वुयावइत्ता, तिविहा पव्वज्जा पण्णत्ता तं० उवायपव्वज्जा अक्खायपव्वज्जा संगारपव्वज्जा ॥ २०८ ॥ तओ णियंठा णोसण्णोवउत्ता प० तं० पुलाए

णियंठे सिणाए, तओ णियंठा सण्णणोसण्णोवउत्ता प० तं० बउसे पडिसेवणाकुसीले कसायकुसीले ॥ २०९ ॥ तओ सेहभूमीओ प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा उक्कोसा छम्मासा मज्झिमा चउमासा, जहन्ना सत्तराइंदिया ॥ २१० ॥ तओ थेरभूमीओ पन्नत्ताओ तं० जाइथेरे सुयथेरे परियायथेरे। सट्ठिवासजाए समणे णिग्गंथे जाइथेरे, ठाणसमवायधरे णं समणे णिग्गंथे सुयथेरे, वीसवासपरियाए णं समणे णिग्गंथे परियायथेरे ॥ २११ ॥ तओ पुरिसजाया प० सुमणे दुम्मणे णोसुमणेणोदुम्मणे, तओ पुरिसजाया प० गंताणामेगे सुमणे भवइ गंताणामेगे दुम्मणे भवइ गंताणामेगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ, तओ पुरिसजाया प० तं० जामि एगे सुमणे भवइ, जामि एगे दुम्मणे भवइ, जामि एगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ, एवं जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया पण्णत्ता तं० अगंताणामेगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं आगंताणामेगे सुमणे भवइ (३) एमि एगे सुमणे भवइ, एस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं एएणं अभिलावेणं गंता य अगंता य आगंता खलु तहा अणागंता। चिट्ठित्तम-चिट्ठित्ता, णिसिइत्ता चेव नो चेव [1] हंता य अहंता य छिंदित्ता खलु तहा अछिंदित्ता, वूइत्ता अवूइत्ता, भासित्ता चेव णो चेव [2] दच्चा य अदच्चा य, भुंजित्ता खलु तहा अभुंजित्ता, लंभित्ता अलंभित्ता, पिइत्ता चेव नो चेव [3] सुइत्ता असुइत्ता, जुज्झित्ता खलु तहा अजुज्झित्ता; जइत्ता अजइत्ता य, पराजिणित्ता चेव नो चेव [4] सद्दा रूवा गंधा, रसा य फासा तहेव ठाणा य; निस्सीलस्स गरहिया, पसत्था पुण सीलवंतस्स [5] एवमेक्केक्के तिन्नितिन्निउ आलावगा भाणियव्वा। सद्दं सुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) एवं सुणेमित्ति (३) सुणेस्सामित्ति ३ एवं असुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) न सुणेमि त्ति ३ न सुणेस्सामित्ति ३ एवं रूवाइं गंधाइं रसाइं फासाइं इक्केक्के छछ आलावगा भाणियव्वा, एवं १२७ आलावगा भवंति ॥ २१२ ॥ तओ ठाणा णिस्सीलस्स णिव्वयस्स णिग्गुणस्स णिम्मेरस्स णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासस्स गरहिया भवंति तं० अस्सिं लोगे गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ। तओ ठाणा सुसीलस्स सुव्वयस्स सगुणस्स समेरस्स सपच्चक्खाणपोसहोववासस्स पसत्था भवंति तं० अस्सिं लोगे पसत्थे भवइ उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ ॥ २१३ ॥ तिविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा। तिविहा सव्वजीवा प० तं० सम्मदिट्ठी मिच्छदिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी य। अहवा तिविहा सव्वजीवा प० तं० पज्जत्तगा

अपज्जत्तगा नोपज्जत्तगानोअपज्जत्तगा । एवं सम्मदिट्ठिपरित्तापज्जत्तगसुहुमसण्णि-भविया य ॥ २१४ ॥ तिविहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही उदहीपइट्ठिया पुढवी। तओ दिसाओ प० तं० उड्ढा अहा तिरिया, तिहिं दिसाहिं जीवाणं गई पवत्तई तं० उड्ढाए अहाए तिरियाए, एवं आगई वक्कंती आहारे वुड्ढी णिवुड्ढी गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे दंसणाभिगमे णाणाभिगमे जीवाभि-गमे। तिहिं दिसाहिं जीवाणं अजीवाभिगमे प० तं० उड्ढाए अहाए तिरियाए, एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। एवं मणुस्साणवि ॥ २१५ ॥ तिविहा तसा प० तं० तेउकाइया, वाउकाइया उराला तसा पाणा, तिविहा थावरा प० तं० पुढविकाइया आउकाइया वणस्सइकाइया ॥ २१६ ॥ तओ अच्छेज्जा प० तं० समए पएसे परमाणू; एवमभेज्जा अडज्झा अगिज्झा अणड्ढा अमज्झा अपएसा। तओ अवि-भाइमा प० तं० समए पएसे परमाणू ॥ २१७ ॥ अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे गोयमाई समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी। किं भया पाणा समणाउसो? गोयमाई समणा णिग्गंथा समणं भगवं महावीरं उवसंकमंति, उवसंकमित्ता वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी णो खलु वयं देवाणुप्पिया! एयमट्ठं जाणामो वा पासामो वा तं जइणं देवाणुप्पिया! एयमट्ठं नो **गिलायंति** परिकहेत्तए तमि-च्छामो णं देवाणुप्पियाणं अंतिए एयमट्ठं जाणित्तए, अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे गोयमाई समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी, दुक्ख भया पाणा समणाउसो, से णं भंते दुक्खे केण कडे? जीवेण कडे पमाएणं, से णं भंते दुक्खे कहं वेइज्जति? अप्पमाएणं ॥ २१८ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते एवमाइक्खन्ति, एवं भासेन्ति एवं परूवेन्ति कहण्णं समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जइ तत्थ जासा कडा कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा कडा नो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा नो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा कज्जइ तं पुच्छंति, से एवं वत्तव्वं सिया अकिच्चं दुक्खं अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं अकट्टु अकट्टु पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं जे ते एवमाहंसु ते मिच्छा, अहं पुण एवमाइक्खामि, एवं भासामि, एवं पन्नवेमि, एवं परूवेमि, किच्चं दुक्खं फुसं दुक्खं कज्जमाणं कडं दुक्खं कट्टु २ पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं सिया ॥ २१९ ॥

तइयट्ठाणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥

तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा, णो णिंदिज्जा णो गर-हेज्जा णो विउट्टेज्जा णो विसोहेज्जा णो अकरणयाए अब्भुट्ठेज्जा णो अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जिज्जा तं० अकरिंसु वाहं करेमि वाहं करिस्सामि वाहं ॥ २२० ॥

तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा तं० अकित्ती वा मे सिया अवन्ने वा मे सिया अविणए वा मे सिया, तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा तं० कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसो वा मे परिहाइस्सइ पूयासक्कारे वा मे परिहाइस्सइ, तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा पडिक्कमेज्जा निंदेज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तंजहा मायिस्स णं अस्सिं लोगे गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ। तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० अमायिस्स णं अस्सिं लोगे पसत्थे भवइ, उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ; तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए ॥२२१॥ तओ पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे अत्थधरे तदुभयधरे ॥२२२॥ कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा तओ वत्थाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० जंगिए साणिए खोमिए। कप्पइ निग्गंथाणं वा निग्गंथीणं वा तओ पायाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० लाउयपाए वा दारुपाए वा मट्टियापाए वा, तिहिं ठाणेहिं वत्थं धरेज्जा तं० हिरिवत्तियं दुगुंछावत्तियं परीसहवत्तियं ॥२२३॥ तओ आयरक्खा प० तं० धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएत्ता भवइ तुसिणीए वा सिया उट्ठित्ता वा आयाए एगंतमन्तमवक्कमेज्जा ॥ २२४ ॥ निग्गंथस्स णं गिलायमाणस्स कप्पंति तओ वियडदत्तीओ पडिगाहित्तए तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना ॥ २२५ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे साहम्मियं संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ तं० सयं वा दट्ठुं सड्ढस्स वा निसम्म तच्चं मोसं आउट्टइ चउत्थं नो आउट्टइ ॥ २२६ ॥ तिविहा अणुन्ना प० तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए, तिविहा समणुन्ना प०तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए, एवं उवसंपया एवं विजहण्णा ॥ २२७ ॥ तिविहे वयणे प० तं० तव्वयणे तदन्नवयणे णो अवयणे, तिविहे अवयणे प० तं० णो तव्वयणे णो तदन्नवयणे अवयणे, तिविहे मणे प० तं० तम्मणे तयन्नमणे णो अमणे; तिविहे अमणे णो तंमणे णो तयन्नमणे अमणे ॥ २२८ ॥ तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिकाए सिया तं० तस्सिं च णं देसंसि वा पएसंसि वा णो बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति पडिलोमवाऊ समुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणयं वासिउकामं अण्णं देसं साहरइ, अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठियं परिणयं वासिउकामं वाउकाए विहुणेइ इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिकाये सिया। तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया तं० तंसि च णं देसंसि वा पएसंसि वा बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्क-

मंति, चयंति उववज्जंति अणुलोमवाऊ समुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणयं वासिउकामं तं देसं साहरति अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठियं परिणयं वासिउकामं णो वाउकाओ विहुणेति, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया ॥ २२९ ॥ तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइप्पकप्पं पकरेइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने तस्स णं माणुस्सए पेम्मे वोच्छिन्ने दिव्वे संकंते भवइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने तस्स णमेवं भवइ इयण्हिं न गच्छं मुहुत्तं गच्छं तेणं कालेणमप्पाउया मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्जा माणुस्सं लोगं हव्वमागच्छित्तए नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुस्सलोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा, उवज्झाएइ वा पवत्तेइ वा थेरेइ वा, गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेणं मए इमा एया रूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कल्लाणं मंगलं देवयं जाव पज्जुवासामि अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवइ, एसणं माणुस्सए भवे णाणीइ वा, तवस्सीइ वा, अइदुक्कर-दुक्करकारगे तं गच्छामि णं भगवंतं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि अहुणोव-वण्णे देवे देवलोगेसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि, पासंतु ता मे इमं एयारूवं दिव्वं देविड्ढिं, दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्ज माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ २३० ॥ तओ ठाणाइं देवे पीहेज्जा तं० माणुस्सगं भवं, आरिए खेत्ते जम्मं, सुकुलपच्चायाइं ॥ २३१ ॥ तिहिं ठाणेहिं देवे परितप्पेज्जा तं० अहो णं मए संते बले संते वीरिए संते पुरिसक्कार-परक्कमे खेमंसि सुभिक्खंसि आयरियउवज्झाएहिं विज्जमाणेहिं कल्लसरीरेणं णो बहुए

सुए अहीए अहो णं मए इहलोगपडिबद्धेणं परलोगपरंमुहेणं विसयतिसिएणं णो दीहे सामन्नपरियाए अणुपालिए। अहो णं मए इड्ढिरससायगरुएणं भोगामिसगिद्धेणं णो विसुद्धे चरित्ते फासिए इच्चेएहिं० ॥ २३२ ॥ तिहिं ठाणेहिं देवे चइस्सामीति जाणइ, तं० विमाणाभरणाइं णिप्पभाइं पासित्ता, कप्परुक्खगं मिलायमाणं पासित्ता अप्पणो तेयलेस्सं परिहायमाणिं जाणित्ता, इच्चेएहिं०, तिहिं ठाणेहिं देवे उव्वेगमागच्छेज्जा तं०–अहो णं मए इमाओ एयारूवाओ दिव्वाओ देविड्ढीओ दिव्वाओ देवजुईओ, दिव्वाओ देवाणुभावाओ पत्ताओ लद्धाओ अभिसमण्णागयाओ चइयव्वं भविस्सइ। अहो णं मए माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिट्ठं तप्पढमयाए आहारो आहारेयव्वो भविस्सइ। अहो णं मए कलमलजंबालाए असुईए उव्वेयणियाए भीमाए गब्भवसहीए वसियव्वं भविस्सइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं० ॥ २३३ ॥ तिसंठिया विमाणा प० तं० वट्टा तंसा चउरंसा। तत्थ णं जे ते वट्टविमाणा ते णं पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिया सव्वओ समंता पागारपरिक्खित्ता एगदुवारा प०। तत्थ णं जे ते तंसविमाणा ते सिंघाडगसंठाणसंठिया दुहओ पागारपरिक्खित्ता एगओ वेइया परिक्खित्ता तिदुवारा प०। तत्थ णं जे ते चउरंसविमाणा ते णं अक्खाडगसंठाणसंठिया सव्वओ समंता वेइया परिक्खित्ता चउदुवारा प०। तिपइट्ठिया विमाणा प० तं० घणोदहिपइट्ठिया, घणवायपइट्ठिया, उवासंतरपइट्ठिया। तिविहा विमाणा प० तं० अवट्ठिया वेउव्विया परिजाणिया ॥ २३४ ॥ तिविहा णेरइया प० तं० सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी। एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं। तओ दुग्गईओ पण्णत्ताओ तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई मणुयदुग्गई। तओ सुगईओ प० तं० सिद्धिसोग्गई देवसोग्गई मणुस्ससोग्गई। तओ दुग्गया प० तं० णेरइयदुग्गया तिरिक्खजोणियदुग्गया, मणुस्सदुग्गया, तओ सुगया प० तं० सिद्धसुगया देवसुगया मणुस्ससुगया ॥ २३५ ॥ चउत्थभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तं० उस्सेइमे संसेइमे चाउलधोवणे। छट्ठभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए, तंजहा–तिलोदए तुसोदए जवोदए, अट्ठमभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तंजहा–आयामए सोवीरए सुद्धवियडे ॥ २३६ ॥ तिविहे उवहडे प० तं० फलिओवहडे सुद्धोवहडे संसट्ठोवहडे, तिविहे ओग्गहिए प० तं० जं च ओगिण्हइ जं च साहरइ जं च आसगंसि पक्खिवइ ॥ २३७ ॥ तिविहा ओमोयरिया प० तं० उवगरणोमोयरिया, भत्तपाणोमोयरिया, भावोमोयरिया; उवगरणोमोयरिया तिविहा प० तं० **एगे वत्थे, एगे पाये** चियत्तोवहि-

साइज्जणया ॥ २३८ ॥ तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा अहियाए असुभाए अक्खमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवन्ति, तं० कूअणया, कक्करणया अवज्झाणया, तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भवन्ति, तं० अकूअणया अकक्करणया अणवज्झाणया। ॥ २३९ ॥ तओ सल्ला प० तं० मायासल्ले णियाणसल्ले मिच्छादंसणसल्ले ॥ २४० ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संखित्तविउलतेउलेस्से भवइ तं० आयावणयाए खंतिखमाए अपाणगेणं तवोकम्मेणं ॥ २४१ ॥ तिमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स कप्पंति तओ दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहित्तए तओ पाणगस्स, एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्ममणणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तओ ठाणा अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० उम्मायं वा लभेज्जा, दीहकालियं वा रोयातंकं पाउणेज्जा, केवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा। एगराइयं णं भिक्खुपडिमं सम्ममणुपालेमाणस्स अणगारस्स तओ ठाणा हियाए सुभाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भवंति तं० ओहिणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा मणपज्जवणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा, केवलणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा ॥ २४२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे तओ कम्मभूमीओ प० तं० भरहे, एरवए, महाविदेहे। एवं धायइखंडे दीवे पुरच्छिमद्धे जाव पुक्खर-वर-दीवड्ढ-पच्चत्थिमद्धे ॥ २४३ ॥ तिविहे दंसणे सम्मदंसणे, मिच्छादंसणे, सम्मामिच्छादंसणे, तिविहा रुई प० तं० सम्मरुई, मिच्छरुई, सम्मामिच्छरुई, तिविहे पओगे प० तं० सम्मप्पओगे, मिच्छप्पओगे, सम्मामिच्छप्पओगे ॥ २४४ ॥ तिविहे ववसाए प० तं० धम्मिए ववसाए अहम्मिए ववसाए, धम्मियाधम्मिए ववसाए, अहवा तिविहे ववसाए, प० तं० पच्चक्खे, पच्चइए, आणुगामिए, अहवा तिविहे ववसाए प० तं० इहलोइए, परलोइए, इहलोइयपरलोइए, इहलोइए ववसाए तिविहे प० तं० लोइए वेइए सामइए, लोइए ववसाए तिविहे प० तं० अत्थे धम्मे कामे, वेइए ववसाए तिविहे प० तं० रिउव्वेए जजुव्वेए सामवेए, सामइए ववसाए तिविहे प० तं० णाणे दंसणे चरित्ते ॥ २४५ ॥ तिविहा अत्थजोणी प० तं० सामे दंडे भेए ॥ २४६ ॥ तिविहा पोग्गला प० तं० पओगपरिणया, मीसापरिणया, वीससापरिणया ॥ २४७ ॥ तिपइट्ठिया णरगा प० तं० पुढवीपइट्ठिया आगासपइट्ठिया आयपइट्ठिया, णेगमसंगहववहाराणं पुढवीपइट्ठिया, उज्जुसुयस्स आगासपइट्ठिया तिण्हं सद्दणयाणं आयपइट्ठिया ॥ २४८ ॥ तिविहे मिच्छत्ते प० तं० अकिरिया अविणए अण्णाणे, अकिरिया तिविहा प० तं० पओगकिरिया, समुदाणकिरिया अन्नाणकिरिया, पओगकिरिया तिविहा प०

तं० मणपओगकिरिया वइपओगकिरिया कायपओगकिरिया, समुदाणकिरिया तिविहा प० तं० अणंतरसमुदाणकिरिया, परंपरसमुदाणकिरिया तदुभयसमुदाणकिरिया, अण्णाणकिरिया तिविहा प० तं० मइअण्णाणकिरिया, सुयअण्णाणकिरिया, विभंगअण्णाणकिरिया, अविणए तिविहे प० तं० देसचाई, णिरालंवणया, णाणापेज्जदोसे, अण्णाणे तिविहे प० तं० देसअण्णाणे, सव्वअण्णाणे, भावअण्णाणे ॥ २४९ ॥ तिविहे धम्मे प० तं० सुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे, तिविहे उवक्कमे प० तं० धम्मिए उवक्कमे, अहम्मिए उवक्कमे, धम्मियाधम्मिए उवक्कमे, अहवा तिविहे उवक्कमे प० तं० आओवक्कमे, परोवक्कमे, तदुभयोवक्कमे, एवं वेयावच्चे, अणुग्गहे, अणुसिट्ठि, उवालंभं, एवमिक्केके तिन्नि २ आलावगा जहेव उवक्कमे ॥ २५० ॥ तिविहा कहा प० तं० अत्थकहा, धम्मकहा, कामकहा, तिविहे विणिच्छए प० तं० अत्थविणिच्छए धम्मविणिच्छए कामविणिच्छए ॥ २५१ ॥ तहारूवं णं भंते समणं वा णिग्गंथं वा सेवमाणस्स किं फला सेवणया ? सवणफला, से णं भंते सवणे किं फले ? णाणफले, से णं भंते णाणे किं फले ? विण्णाण फले, एवमेएणं अभिलावेणं इमा गाहा अणुगंतव्वा—"सवणे णाणे य विण्णाणे, पच्चक्खाणे य संजमे । अणण्हए तवे चेव, वोदाणे अकिरिय णिव्वाणे (१) जाव से णं भंते अकिरिया किं फला ? णिव्वाणफला, से णं भंते णिव्वाणे किं फले ? सिद्धिगइगमणपज्जवसाणफले पण्णत्ते समणाउसो ! ॥ २५२ ॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

पडिमापडिवण्णस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ उवस्सया पडिलेहित्तए तं०— अहे आगमणगिहंसि वा, अहे वियडगिहंसि वा, अहे रुक्खमूलगिहंसि वा, एवमणुन्नवेत्तए, उवाइणित्तए, पडिमापडिवन्नस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ संथारगा पडिलेहित्तए तं० पुढवीसिला, कट्ठसिला, अहासंथडमेव, एवमणुन्नवित्तए उवाइणित्तए ॥ २५३ ॥ तिविहे काले प० तं० तीए पडुप्पन्ने अणागए, तिविहे समए प० तं० तीए, पडुप्पन्ने, अणागए, एवं आवलिया, आणापाणू, थोवे लवे मुहुत्ते अहोरत्ते, जाव वाससयसहस्से पुव्वंगे, पुव्वे, जाव ओसप्पिणी, तिविहे पोग्गलपरियट्टे प० तं० तीते पडुप्पन्ने अणागए ॥ २५४ ॥ तिविहे वयणे प० तं०—एगवयणे, दुवयणे, बहुवयणे, अहवा तिविहे वयणे प० तं० इत्थिवयणे, पुंवयणे, णपुंसगवयणे, अहवा तिविहे वयणे प० तं० तीतवयणे, पडुप्पण्णवयणे, अणागयवयणे ॥ २५५ ॥ तिविहा पन्नवणा तं० णाणपण्णवणा, दंसणपण्णवणा, चरित्तपण्णवणा, तिविहे सम्मे प० तं० णाणसम्मे, दंसणसम्मे, चरित्तसम्मे ॥ २५६ ॥ तिविहे उवघाए प० तं० उग्गमोवघाए, उप्पायणोवघाए, एसणोवघाए, एवं विसोही

॥ २५७ ॥ तिविहा आराहणा प० तं० णाणाराहणा, दंसणाराहणा, चरित्ताराहणा, णाणाराहणा तिविहा प० तं० उक्कोसा, मज्झिमा, जहन्ना, एवं दंसणाराहणावि, चरित्ताराहणावि, तिविहे संकिलेसे प० तं० णाणसंकिलेसे, दंसणसंकिलेसे, चरित्त-संकिलेसे, एवं असंकिलेसेवि, एवं अइक्कमे वि, वइक्कमे वि, अइयारे वि, अणायारे वि, तिण्हमइक्कमाणं आलोएज्जा, पडिक्कमेज्जा, णिंदेज्जा, गरहिज्जा जाव पडिवज्जिज्जा, तं० णाणाइक्कमस्स, दंसणाइक्कमस्स, चरित्ताइक्कमस्स, एवं वइक्कमाणं, अइयाराणं, अणायाराणं ॥ २५८ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे, पडिक्कमणा-रिहे, तदुभयारिहे ॥ २५९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तओ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए हरिवासे देवकुरा, जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्व-यस्स उत्तरेणं तओ अकम्मभूमीओ प० तं० उत्तरकुरा, रम्मगवासे, एरन्नवए, जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स दाहिणेणं तओ वासा प० तं० भरहे, हेमवए, हरि-वासे, जंबूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासा प० तं० रम्मगवासे, हेरन्नवए, एरवए, जंबूमंदरस्स दाहिणेणं तओ वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते, महाहिमवंते, णिसढे, जंबूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासहरपव्वया प० तं० णीलवंते, रुप्पी, सिहरी, जंबूमंदरस्स दाहिणेणं तओ महादहा प० तं० पउमद्दहे, महापउमद्दहे, तिगिच्छिद्दहे, तत्थ णं तओ देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परि-वसंति तं० सिरी, हिरी, धिई । एवं उत्तरेण वि, णवरं केसरिद्दहे, महापोंडरीयद्दहे, पोंडरीयद्दहे, देवयाओ कित्ती, बुद्धी, लच्छी, जंबूमंदरस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ पउमदहाओ महादहाओ तओ महाणईओ पवहंति तं० गंगा सिन्धू रोहियंसा । जंबूमंदरस्स उत्तरेणं सिहरीओ वासहरपव्वयाओ पोंडरीयद्दहाओ महद्दहाओ तओ महाणदीओ पवहंति तं० सुवन्नकूला रत्ता रत्तवई । जंबूमंदरस्स पुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरणईओ प० तं० गाहावई, दहवई, पंकवई, जंबूमंदरस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंत-रणईओ प० तं० तत्तजला, मत्तजला, उम्मत्तजला, जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंतरणईओ प० तं० खीरोदा, सीहसोया, अंतोवाहिणी, जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरण-ईओ प० तं० उम्मिमालिणी, फेणमालिणी, गंभीरमालिणी, एवं धायईखंडे दीवे पुरच्छिमद्धेवि अकम्मभूमीओ आढवेत्ता जाव अंतरणईओत्ति, णिरवसेसं भाणि-यव्वं, जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ २६० ॥ तिहिं ठाणेहिं देसे पुढवीए चलेज्जा तंजहा–अहेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए

उराला पोग्गला णिवतेज्जा, तएणं ते उराला पोग्गला णिवयमाणा देसं पुढवीए चलेज्जा । महोरए वा महिड्डिए जाव महेसक्खे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उम्मज्जणिमज्जियं करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा । णागसुवण्णाण वा संगामंसि वट्टमाणंसि देसं पुढवीए चलेज्जा, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा तं० अहेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए गुप्पेज्जा, तएणं से घणवाए गुविए समाणे घणोदहिमेएज्जा, तएणं से घणोदही एइए समाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा । देवे वा महिड्डिए जाव महेसक्खे तहारूवस्स समणस्स णिग्गंथस्स वा इड्ढिं जुइं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा । देवासुरसंगामंसि वा वट्टमाणंसि केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा इच्चेएहिं तिहिं० ॥ २६१ ॥ तिविहा देवा किब्बिसिया प० तं० तिपलिओवमट्ठिईया, तिसागरोवमट्ठिईया, तेरससागरोवमट्ठिईया, कहि णं भंते तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ? उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थणं तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति, कहि णं भंते तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ? उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं, हेट्ठिं सणंकुमारमाहिंदकप्पेसु एत्थ णं तिसायरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति । कहिं णं भंते तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ? उप्पिं बंभलोयस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतगे कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ॥ २६२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवाणं तिन्निपलिओवमाइं ठिई प०—सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवीणं तिन्निपलिओवमाइं ठिई प० ईसाणस्सणं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवीणं तिन्निपलिओवमाइं ठिई प० ॥ २६३ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० णाणपायच्छित्ते, दंसणपायच्छित्ते, चरित्तपायच्छित्ते । तओ अणुग्घाइमा प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे, मेहुणं सेवेमाणे, राइभोयणं भुंजमाणे, तओ पारंचिया प० तं० दुट्ठे पारंचिए, पमत्ते पारंचिए, अण्णमण्णं करेमाणे पारंचिए, तओ अणवट्ठप्पा प० तं० साहम्मियाणं तेणं करेमाणे, अण्णधम्मियाणं तेणं करेमाणे, हत्थतालं दलयमाणे, तओ णो कप्पंति पव्वावेत्तए, पंडए, वाइए, कीवे, एवं मुंडावेत्तए, सिक्खावेत्तए, उवट्ठावेत्तए, संभुंजित्तए, संवासित्तए ॥ २६४ ॥ तओ अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिबद्धे, अविओसियपाहुडे । तओ कप्पंति वाइत्तए तं० विणीए अविगइपडिबद्धे विओसियपाहुडे ॥ २६५ ॥ तओ दुसण्णप्पा प० तं० दुट्ठे मूढे वुग्गाहिए, तओ सुसन्नप्पा प० तं० अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिए ॥ २६६ ॥ तओ

मंडलियपव्वया प० तं० माणुसुत्तरे कुंडलवरे रुयगवरे, तओ महइमहालया प० तं० जंबुद्दीवे दीवे मंदरे मंदरेसु, सयंभुरमणसमुद्दे समुद्देसु, बंभलोए कप्पे कप्पेसु ॥ २६७ ॥ तिविहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेदोवट्ठावणियकप्पठिई निव्विसमाणकप्पठिई, अहवा तिविहा कप्पठिई प० तं० णिविट्ठकप्पठिई, जिणकप्पठिई, थेरकप्पठिई ॥ २६८ ॥ णेरइयाणं तओ सरीरगा प० तं० वेउव्विए, तेयए, कम्मए, असुरकुमाराणं तओ सरीरगा, एवं चेव सव्वेसिं देवाणं, पुढवीकाइयाणं तओ सरीरगा प० तं० ओरालिए, तेयए, कम्मए, एवं वाउकाइयवज्जाणं जाव चउरिंदियाणं ॥ २६९ ॥ गुरुं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए, गइं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० इहलोयपडिणीए, परलोयपडिणीए, दुहओलोयपडिणीए । समूहं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए, अणुकंपं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए, भावं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए, सुयं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए ॥ २७० ॥ तओ पितियंगा प० तं० अट्ठी, अट्ठिमिंजा, केसमंसुरोमनहे । तओ माउयंगा प० तं० मंसे, सोणिए, मत्थुलिंगे ॥ २७१ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कया णं अहं अप्पं वा बहुं वा सुयं अहिज्जिस्सामि, कया णं अहं एकल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरिस्सामि, कया णं अहं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरिस्सामि । एवं समणसा सवयसा सकायसा, पागडेमाणे निग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ २७२ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणोवासए महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कयाणमहमप्पं वा, बहुअं वा परिग्गहं परिच्चइस्सामि, कयाणमहं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामि, कयाणमपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरिस्सामि, एवं समणसा सवयसा सकायसा जागरमाणे समणोवासए महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ २७३ ॥ तिविहे पोग्गलपडिघाए प० तं० परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलं पप्प पडिहण्णिज्जा, लुक्खत्ताए वा पडिहण्णिज्जा, लोगंते वा पडिहण्णिज्जा ॥ २७४ ॥ तिविहे चक्खू प० तं० एगचक्खू, बिचक्खू, तिचक्खू; छउमत्थेणं मणुस्से एगचक्खू, देवे बिचक्खू, तहारूवे समणे वा णिग्गंथे वा उप्पन्नणाणदंसणधरे से णं तिचक्खुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ २७५ ॥ तिविहे अभि-

समागमे प० तं० उड्ढं अहं तिरियं, जया णं तहारूवस्स समणस्स वा णिग्गंथस्स वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जइ सेणं तप्पढमयाए उड्ढमभिसमेइ, तओ तिरियं तओ पच्छा अहे अहोलोगेणं दुरभिगमे प० समणाउसो ॥ २७६ ॥ तिविहा इड्ढी प० तं० देविड्ढी-राइड्ढी-गणिड्ढी, देविड्ढी तिविहा प० तं० विमाणिड्ढी, विगुव्विणिड्ढी, परियारणिड्ढी, अहवा देविड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता, मीसिया, राइड्ढी तिविहा प० तं० रण्णो अइयाणिड्ढी, रण्णो णिज्जाणिड्ढी, रण्णो बलवाहणकोस-कोट्ठागारिड्ढी, अहवा राइड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता, मीसिया, गणिड्ढी तिविहा प० तं० णाणिड्ढी, दंसणिड्ढी, चरित्तिड्ढी, अहवा गणिड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया ॥ २७७ ॥ तओ गारवा प० तं० इड्ढीगारवे, रसगारवे, सायागारवे । करणे तिविहे प० तं० धम्मिए करणे, अधम्मिए करणे, धम्मिया-धम्मिए करणे ॥ २७८ ॥ तिविहे भगवया धम्मे प० तं० सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए जया सुअहिज्जियं भवइ, तदा सुज्झाइयं भवइ, जया सुज्झाइयं भवइ तया सुतवस्सियं भवइ, से सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए, सुयक्खाएणं भगवया धम्मे पन्नत्ते ॥ २७९ ॥ तिविहा वावत्ती प० तं० जाणू, अजाणू, वितिगिच्छा, एवमज्झोववज्जणा परियावज्जणा ॥ २८० ॥ तिविहे अंते प० तं० लोगंते, वेयंते, समयंते ॥ २८१ ॥ तओ जिणा प० तं० ओहिणाणजिणे, मणपज्जवणाणजिणे, केवलणाणजिणे, तओ केवली प० तं० ओहिनाणकेवली, मणपज्जवनाणकेवली, केवलनाणकेवली, तओ अरहा प० तं० ओहिनाणअरहा, मणपज्जवणाणअरहा, केवलनाणअरहा ॥ २८२ ॥ तओ लेस्साओ दुब्भिगंधाओ प० तं० कण्हलेस्सा, नीललेस्सा, काउलेस्सा, तओ लेस्साओ सुब्भिगंधाओ प० तं० तेऊ पम्ह सुक्कलेस्सा । एवं तिदुग्गइगामिणीओ, तिसुगइगामिणीओ तओ संकिलिट्ठाओ, असंकिलिट्ठाओ, अमणुन्नाओ, मणुन्नाओ, अविसुद्धाओ, विसुद्धाओ, अप्पसत्थाओ, पसत्थाओ, सीअलुक्खाओ, णिद्धुण्हाओ ॥ २८३ ॥ तिविहे मरणे प० तं० बालमरणे, पंडियमरणे, बालपंडियमरणे, बालमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से, संकिलिट्ठलेस्से, पज्जवजायलेस्से । पंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से, असंकिलिट्ठलेस्से, पज्जवजायलेस्से, बालपंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से असंकिलिट्ठलेस्से अपज्जवजायलेस्से ॥ २८४ ॥ तओ ठाणा अव्ववसिअस्स अहियाए, असुभाए, अखमाए, अणिस्सेसाए, अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावन्ने कलुससमावन्ने णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ णो पत्तियइ, णो

रोएइ, तं परीसहा अभिजुंजिय अभिजुंजिय अभिभवंति, नो से परीसहे अभिजुंजिय अभिजुंजिय अभिभवइ, से णं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए, पंचहिं महव्वएहिं संकिए जाव कलुससमावण्णे, पंचमहव्वयाइं णो सद्दहइ जाव नो से परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, से णं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए छहिं जीवनिकाएहिं जाव अभिभवइ, तओ ठाणा ववसिअस्स हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए जाव णो कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तियइ रोएइ से परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति, सेणं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे पंचहिं महव्वएहिं णिस्संकिए-णिक्कंखिए जाव, परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति, से णं जाव छहिं जीवनिकाएहिं णिस्संकिए जाव परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति ॥ २८५ ॥ एगमेगाणं पुढवी तिहिं वलएहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता तंजहा–घणोदहिवलएणं, घणवायवलएणं, तणुवायवलएणं ॥ २८६ ॥ णेरइयाणं उक्कोसेणं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जंति एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ॥ २८७ ॥ खीणमोहस्सणं अरहओ तओ कम्मंसा जुगवं खिज्जंति तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, अंतराइयं ॥ २८८ ॥ अभीइणक्खत्ते तितारे प० एवं सवणे अस्सिणी भरणी मगसिरे पूसे जेट्ठा ॥ २८९ ॥ धम्माओ णं अरहाओ संती अरहा तिहिं सागरोवमेहिं तिचउब्भागं पलिओवमऊणएहिं वीइक्कंतेहिं समुप्पन्ने । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जाव तच्चाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकडभूमी, मल्लीणं अरहा तिहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवेत्ता जाव पव्वइए, एवं पासेवि, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तिन्निसया चोद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसन्निवाईणं जिण इव अवितहवागरमाणाणं उक्कोसिया चोद्दसपुव्विसंपया होत्था, तओ तित्थयरा चक्कवट्टी होत्था तं० संती कुंथू अरो ॥ २९० ॥ तओ गेविज्जविमाणपत्थडा प० तं० हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे तिविहे प० तं० हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, हिट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे हिट्ठिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, तिविहे प० तं० मज्झिमहिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे तिविहे प० तं० उवरिमहिट्ठिमगेविज्ज-

विमाणपत्थडे, उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे ॥ २९१ ॥ जीवाणं तिठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तंजहा–इत्थिणिव्वत्तिए, पुरिसणिव्वत्तिए, णपुंसगणिव्वत्तिए, एवं चिणउवचिणबंधउदीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥ २९२ ॥ तिपएसिया खंधा अणंता पण्णत्ता, एवं जाव तिगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पन्नत्ता ॥ २९३ ॥ **तिट्ठाणं समत्तं** ॥

चउत्थट्ठाणं

चत्तारि अंतकिरियाओ प० तं० तत्थ खलु इमा **पढमा अंतकिरिया,** अप्पकम्मपच्चायाए यावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिअं पव्वइए, संजमबहुले संवरबहुले समाहिबहुले लूहे तीरट्ठी उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्सणं णो तहप्पगारे तवे भवइ णो तहप्पगारा वेयणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए दीहेणं परियाएणं सिज्झइ, बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी पढमा अंतकिरिया, अहावरा **दोच्चा अंतकिरिया,** महाकम्मपच्चायाए यावि भवइ से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिअं पव्वइए, संजमबहुले संवरबहुले······जाव उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्स णं तहप्पगारे तवे भवइ, तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए निरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ० जाव अंतं करेइ जहा से गजसूमाले अणगारे, दोच्चा अंतकिरिया, अहावरा **तच्चा अंतकिरिया,** महाकम्मपच्चायाएयावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए जहा दोच्चा, णवरं दीहेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से सणंकुमारे राया चाउरंतचक्कवट्टी तच्चा अंतकिरिया, **अहावरा चउत्था अंतकिरिया,** अप्पकम्मपच्चायाएयावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए संजमबहुले जाव तस्स णं णो तहप्पगारे तवे भवइ नो तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए निरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ जहा सा मरुदेवा भगवई, चउत्था अंतकिरिया ॥ २९४ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए, उन्नए णाममेगे पणए, पणए णाममेगे उन्नए, पणए णाममेगे पणए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए, तहेव जाव पणए णाममेगे पणए। चत्तारि रुक्खा प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयपरिणए, उन्नए णाममेगे पणयपरिणए, पणए णाममेगे उन्नयपरिणए, पणए णाममेगे पणयपरिणए। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नयपरिणए, चउभंगो। चत्तारि रुक्खा प० तं० उन्नए

णाममेगे उन्नए रूवे, तहेव चउभंगो, एवमेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उन्नए णामं ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उन्नए णाममेगे उन्नए मणे, उन्न० एवं संकप्पे-पन्ने-दिठ्ठी-सीलाचारे-ववहारे-परक्कमे-एगे पुरिसजाए पडिवक्खो णत्थि ॥ २९५ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उज्जूणाममेगे उज्जू, उज्जूणाममेगे वंके, चउभंगो। एवमेव चत्तारि पुरिसजाया, प० तं० उज्जूणाममेगे उज्जू ४ एवं जहा उन्नयपणएहिं गमो तहा उज्जुवंकेहिं वि भाणियव्वो, जाव परक्कमे ॥ २९६ ॥ पडिमापडिवन्नस्सणं अणगारस्स कप्पंति **चत्तारि भासाओ** भासित्तए तं० जायणी पुच्छणी अणुन्नवणी पुठ्ठस्स वागरणी। **चत्तारिभासजाया** प० तं० सच्चमेगं भासजायं, बीयं मोसं तइयं सच्चमोसं चउत्थं असच्चमोसं ॥ २९७ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे, सुद्धे णाममेगे असुद्धे, असुद्धे णाममेगे सुद्धे, असुद्धे णाममेगे असुद्धे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे चउभंगो। एवं परिणयरूवे वत्था सपडिवक्खा ॥ २९८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धमणे चउभंगो, एवं संकप्पे जाव परक्कमे ॥ २९९ ॥ चत्तारि **सुया** प० तं० अइजाए, अणुजाए, अवजाए, कुलिंगाले ॥ ३०० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सच्चे णाममेगे सच्चे, सच्चे णाममेगे असच्चे (४) एवं परिणए जाव परक्कमे ॥ ३०१ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुई णाममेगे सुई, सुई णाममेगे असुई, चउभंगो, एवमेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुई णाममेगे सुई, चउभंगो। एवं जहेव सुद्धेणं वत्थेणं भणियं, तहेव सुइणावि जाव परक्कमे ॥ ३०२ ॥ चत्तारि कोरवा प० तं० अंबपलंबकोरवे, **तालपलंबकोरवे**, वल्लिपलंबकोरवे, मिंढविसाणकोरवे, एवमेव चत्तारि पुरिस जाया प० तं० अंबपलंबकोरवसमाणे, **तालपलंबकोरवसमाणे**, वल्लिपलंबकोरवसमाणे, मिंढविसाणकोरवसमाणे ॥ ३०३ ॥ चत्तारि **घुणा** प० तं० तयक्खाए, छल्लिक्खाए, कठ्ठक्खाए, सारक्खाए, एवमेव चत्तारि भिक्खायरा प० तं० तयक्खायसमाणे, जाव सारक्खायसमाणे, तयक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स सारक्खायसमाणे तवे प० सारक्खायसमाणस्सणं भिक्खागस्स तयक्खायसमाणे तवे पन्नत्ते, छल्लिक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स कठ्ठक्खायसमाणे तवे प० कठ्ठक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स छल्लिक्खायसमाणे तवे प० ॥ ३०४ ॥ चउव्विहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया ॥ ३०५ ॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेवणं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि समुब्भूयं वेयणं वेयमाणे

इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववन्ने णेरइए णिरयलोगंसि णिरयपालेहिं भुज्जो भुज्जो अहिट्ठिज्जमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववन्ने णेरइए णिरयवेयणिज्जंसि कम्मंसि अक्खीणंसि अवेइयंसि अणिजिण्णंसि इच्छेज्जा० नो चेव णं संचाएइ, हव्वमागच्छित्तए, एवं णिरयाउअंसि कम्मंसि अक्खीणंसि, जाव णो संचाएइ हव्वमागच्छित्तए इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने नेरइए जाव णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ ३०६ ॥ कप्पंति णिग्गंथीणं चत्तारि संघाडीओ धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० एगं दुहत्थवित्थारं, दोतिहत्थवित्थाराओ, एगं चउहत्थवित्थारं ॥ ३०७ ॥ चत्तारि **झाणा** प० तं० अट्टे झाणे, रोद्दे झाणे, धम्मे झाणे, सुक्के झाणे, **अट्टे झाणे** चउव्विहे प० तं० अमणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, मणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, परिजुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसतिसमण्णागए यावि भवइ, अट्टस्सणं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० कंदणया, सोयणया, तिप्पणया परिदेवणया, **रोद्दे झाणे** चउव्विहे प० तं० हिंसाणुबंधि, मोसाणुबंधि तेणाणुबंधि संरक्खणाणुबंधि । रोद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० ओसन्नदोसे, बहुलदोसे, अन्नाणदोसे आमरणंतदोसे । **धम्मे झाणे** चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० आणाविजए, अवायविजए, विवागविजए, संठाणविजए । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० आणारुई, णिसग्गरुई, सुत्तरुई, ओगाढरुई । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० वायणा, पडिपुच्छणा, परियट्टणा, अणुप्पेहा । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० एगाणुप्पेहा, अणिच्चाणुप्पेहा, असरणाणुप्पेहा, संसाराणुप्पेहा । **सुक्के झाणे** चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० पुहुत्तवियक्केसवियारी, एगत्तवियक्के अवियारी, सुहुमकिरिए अणियट्टी, समुच्छिन्नकिरिए अपडिवाई । सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० अव्वहे असम्मोहे विवेगे विउस्सग्गे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० खंती मुत्ती मद्दवे अज्जवे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० अणंतवत्तियाणुप्पेहा, विपरिणामाणुप्पेहा, असुभाणुप्पेहा, अवायाणुप्पेहा ॥ ३०८ ॥ चउव्विहा देवाणं ठिई प० तं० देवेणामेगे, देवसिणाए णामेगे, देवपुरोहिए णामेगे, देवपज्जलणे णामेगे ॥ ३०९ ॥ चउव्विहे संवासे प० तं० देवेणामेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, देवेणामेगे छवीए सद्धिं संवासं

गच्छेज्जा, छवीणाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, छवीणाममेगे छवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा ॥३१०॥ चत्तारि कसाया प०तं० कोहकसाए माणकसाए माया-कसाए लोभकसाए, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, चउप्पइट्ठिए कोहे प० तं० आयपइट्ठिए, परपइट्ठिए, तदुभयपइट्ठिए, अपइट्ठिए, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणि-याणं, एवं जाव लोभे वेमाणियाणं, चउहिं ठाणेहिं कोधुप्पत्ती सिया तं० खेत्तं पडुच्च, वत्थुं पडुच्च, सरीरं पडुच्च, उवहिं पडुच्च, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोहे वेमाणियाणं, चउव्विहे कोहे प० तं० अणंताणुबंधिकोहे, अपच्चक्खाणकोहे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, संजलणे कोहे, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे वेमाणियाणं, चउव्विहे कोहे पण्णत्ते, आभोगनिव्वत्तिए, अणाभोगनिव्वत्तिए, उवसंते, अणुवसंते, एवं नेरइयाणं, जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे, जाव वेमाणियाणं ॥ ३११ ॥ जीवा णं चउहिं ठाणेहिं अट्ठकम्मपगडीओ चिणिंसु तं० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं चिणंति एस दंडओ। एवं चिणिस्संति एस दंडओ, एवमेएणं तिन्नि दंडगा, एवं उवचिणिंसु, उवचिणंति, उवचिणिस्संति, बंधिंसु ३। उदीरिंसु ३। वेदेंसु ३। णिज्जरेंसु णिज्जरेंति णिज्जरिस्संति, जाव वेमाणियाणमेवमेक्किक्के पदे तिन्नि २ दंडगा भाणियव्वा, जाव निज्जरिस्संति ॥ ३१२ ॥ चत्तारि पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा, उवहाण-पडिमा, विवेगपडिमा, विउस्सग्गपडिमा, चत्तारि पडिमाओ प० तं० भद्दा, सुभद्दा, महाभद्दा, सव्वओभद्दा, चत्तारि पडिमाओ प० तं० खुड्डियामोयपडिमा, महल्लिया-मोयपडिमा, जवमज्झा, वइरमज्झा ॥ ३१३ ॥ चत्तारि अत्थिकाया अजीवकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, पोग्गलत्थिकाए, चत्तारि अत्थिकाया अरूविकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, जीवत्थिकाए ॥ ३१४ ॥ चत्तारि फला प०तं० आमेणाममेगे आममहुरे, आमेणाम-मेगे पक्कमहुरे, पक्केणाममेगे आममहुरे, पक्केणाममेगे पक्कमहुरे, एवामेव चत्तारि पुरि-सजाया प० तं० आमेणाममेगे आममहुरफलसमाणे (४) ॥ ३१५ ॥ चउव्विहे **सच्चे** प० तं० काउज्जुयया, भासुज्जुयया, भावुज्जुयया, अविसंवायणाजोगे, चउ-व्विहे मोसे प० तं०-कायअणुज्जुयया, भासअणुज्जुयया, भावअणुज्जुयया, विसं-वादणाजोगे ॥ ३१६ ॥ चउव्विहे पणिहाणे प० तं० मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे, उवगरणपणिहाणे । एवं नेरइयाणं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं, चउव्विहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे जाव उवगरणसुप्पणिहाणे, एवं संजयमणुस्साणवि, चउव्विहे दुप्पणिहाणे प० तं० मणदुप्पणिहाणे जाव उवगरण

दु० एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं ॥ ३१७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आवायभद्दए णाममेगे णो संवासभद्दए, संवासभद्दए णाममेगे णो आवायभद्दए, एगे आवायभद्दएवि संवासभद्दएवि, एगे णो आवायभद्दए णो संवासभद्दए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं पासइ णो परस्स, परस्स णाममेगे वज्जं पासइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प०तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उदीरेति णो परस्स ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उवसामेइ णो परस्स ४। चत्तारि पुरिसजाया प०तं० अब्भुट्ठेइ णाममेगे णो अब्भुट्ठावेइ ४। एवं वंदइ णाममेगे णो वंदावेइ ४। एवं सक्कारेइ, सम्माणेइ ४। पूएइ वाएइ पडिपुच्छइ पुच्छइ वागरेइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे णाममेगे णो अत्थधरे, अत्थधरे णाममेगे णो सुत्तधरे, एगे सुत्तधरेवि अत्थधरेवि, एगे णो सुत्तधरे णो अत्थधरे ॥ ३१८ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चत्तारि लोगपाला प० तं० सोमे जमे वरुणे वेसमणे; एवं बलिस्सवि सोमे जमे वेसमणे वरुणे, धरणस्स कालवाले कोलवाले सेलवाले संखवाले। एवं भूताणंदस्स कालवाले कोलवाले संखवाले सेलवाले, वेणुदेवस्स चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे, वेणुदालिस्स चित्ते विचित्ते विचित्तपक्खे चित्तपक्खे। हरिकंतस्स पभे सुप्पभे पभकंते सुप्पभकंते; हरिसहस्स पभे सुप्पभे सुप्पभकंते पभकंते; अग्गिसिहस्स तेऊ तेउसिहे तेउकंते तेउप्पभे, अग्गिमाणवस्स तेऊ तेउसिहे तेउप्पभे तेउकंते, पुन्नस्स रुए रुयंसे रुयकंते रुयप्पभे, विसिट्ठस्स रुए रुयंसे रुयप्पभे रुयकंते। जलकंतस्स जले जलरए जलकंते जलप्पभे। जलप्पभस्स जले जलरए जलप्पभे जलकंते। अमियगइस्स तुरियगई खिप्पगई सीहगई सीहविक्कमगई, अमियवाहणस्स तुरियगई खिप्पगई सीहविक्कमगई सीहगई; वेलंबस्स काले महाकाले अंजणे रिट्ठे। पभंजणस्स काले महाकाले रिट्ठे अंजणे। घोसस्स आवत्ते वियावत्ते णंदियावत्ते महाणंदियावत्ते। महाघोसस्स आवत्ते वियावत्ते महाणंदियावत्ते णंदियावत्ते, सक्कस्स सोमे जमे वरुणे वेसमणे। ईसाणस्स सोमे जमे वेसमणे वरुणे, एवं एगंतरिया जाव अच्चुयस्स ॥ ३१९ ॥ चउव्विहा वाउकुमारा प० तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे, चउव्विहा **देवा** प० तं० भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया विमाणवासी ॥ ३२० ॥ चउव्विहे **पमाणे** प० तं० दव्वप्पमाणे खेत्तप्पमाणे कालप्पमाणे भावप्पमाणे ॥ ३२१ ॥ चत्तारि दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० रूया रूयंसा सुरूवा रूयावई। चत्तारि विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० चित्ता चित्तकणगा सेयंसा सोयामणी ॥ ३२२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो मज्झिमपरिसाए देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प०; ईसाणस्स णं देविंदस्स देव-

रन्नो मज्झिमपरिसाए देवीणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ३२३ ॥ चउव्विहे **संसारे** दव्वसंसारे खेत्तसंसारे कालसंसारे भावसंसारे ॥ ३२४ ॥ चउव्विहे **दिट्ठिवाए** प० तं० परिकम्मं सुत्ताइं पुव्वगए अणुजोगे ॥ ३२५ ॥ चउव्विहे **पायच्छित्ते,** णाणपायच्छित्ते दंसणपायच्छित्ते चरित्तपायच्छित्ते वियत्तकिच्चपायच्छित्ते, चउव्विहे पायच्छित्ते, पडिसेवणापायच्छित्ते संजोयणापायच्छित्ते, आरोवणापायच्छित्ते, पलिउंचणापायच्छित्ते ॥३२६॥ चउव्विहे **काले** पमाणकाले अहाउयणिव्वत्तिकाले मरणकाले अद्धाकाले ॥ ३२७ ॥ चउव्विहे पोग्गलपरिणामे, वण्णपरिणामे गंधपरिणामे रसपरिणामे फासपरिणामे ॥ ३२८ ॥ भरहेरवएसु णं वासेसु पुरिमपच्छिमवज्जा मज्झिमगा बावीसं अरहंता भगवंता चाउज्जामं धम्मं पन्नविंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, एवं मुसावायाओ, अदिन्नादाणाओ, सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं । सव्वेसु णं महाविदेहेसु अरहंता भगवंता चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं ॥३२९॥ चत्तारि **दुग्गईओ** प० तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई, मणुस्सदुग्गई, देवदुग्गई, चत्तारि **सोग्गई** प० तं० सिद्धसोग्गई, देवसोग्गई, मणुयसोग्गई, सुकुले पच्चायाई, चत्तारि दुग्गया प० तं० णेरइयदु० जाव देवदुग्गया, चत्तारि सुगया प० तं० सिद्धसुगया जाव सुकुलपच्चायाया ॥ ३३० ॥ पढमसमयजिणस्स णं चत्तारि कम्मंसा खीणा भवंति तं० णाणावरणिज्जं, दरिसणावरणिज्जं, मोहणिज्जं, अंतराइयं । उप्पन्नणाणदंसणधरे णं अरहा जिणे केवली चत्तारि कम्मंसे वेदेति तं० वेयणिज्जं आउयं णामं गोयं । पढमसमयसिद्धस्स णं चत्तारि कम्मंसा जुगवं खिज्जंति तं० वेयणिज्जं आउयं णामं गोयं ॥ ३३१ ॥ चउहिं ठाणेहिं **हासुप्पत्ती सिया** तं० पासेत्ता भासेत्ता सुणेत्ता संभरेत्ता ॥ ३३२ ॥ चउव्विहे अंतरे प० तं० कट्ठंतरे पम्हंतरे लोहंतरे पत्थरंतरे । एवामेव इत्थीए वा पुरिसस्स वा, चउव्विहे अंतरे प० तं० कट्ठंतरसमाणे, पम्हंतरसमाणे, लोहंतरसमाणे, पत्थरंतरसमाणे ॥ ३३३ ॥ चत्तारि भयगा प० तं० दिवसभयए जत्ताभयए उच्चत्तभयए कव्वालभयए ॥ ३३४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे णो पच्छण्णपडिसेवी, पच्छण्णपडिसेवी णाममेगे णो संपागडपडिसेवी, एगे संपागडपडिसेवीवि पच्छण्णपडिसेवीवि, एगे णो संपागडपडिसेवी णो पच्छण्णपडिसेवी ॥ ३३५ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुंधरा, एवं जमस्स वरुणस्स वेसमणस्स, बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो, सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० मित्तगा सुभद्दा विज्जुया असणी, एवं जमस्स वेस-

मणस्स वरुणस्स; धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० असोगा विमला सुप्पभा सुदंसणा, एवं जाव संखवालस्स । भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा । एवं जाव सेलवालस्स जहा धरणस्स, एवं सव्वेसिं दाहिणिंदलोगपालाणं जाव घोसस्स जहा भूयाणंदस्स एवं जाव महाघोसस्स लोगपालाणं । कालस्स णं पिसाइंदस्स पिसायरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा, एवं महाकालस्स वि । सुरूवस्स णं भूइंदस्स भूयरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रूववई बहुरूवा सुरूवा सुभगा । एवं पडिरूवस्स वि, पुण्णभद्दस्स णं जक्खिंदस्स जक्खरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुत्ता बहुपुत्तिया उत्तमा तारगा, एवं माणिभद्दस्स वि । भीमस्स णं रक्खसिंदस्स रक्खसरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पउमा वसुमई कणगा रयणप्पभा । एवं महाभीमस्स वि किन्नरस्स णं किन्नरिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० वडिंसा केउमई रइसेणा रइप्पभा । एवं किंपुरिसस्स वि सुपुरिसस्स णं किंपुरिसिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी णवमिया हिरी पुप्फवई । एवं महापुरिसस्स वि, अइकायस्स णं महोरगिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प०तं० भुयगा भुयगवई महाकच्छा फुडा, एवं महाकायस्स वि, गीयरइस्स णं गंधव्विंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, एवं गीयजसस्स वि, चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० चंदप्पभा दोसिनाभा अच्चिमाली पभंकरा । एवं सूरस्स वि, णवरं सूरप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा । इंगालस्स णं महग्गहस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिता । एवं सव्वेसिं महग्गहाणं जाव भावकेउस्स । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी मयणा चित्ता सोमा, एवं जाव वेसमणस्स ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुढवी राई रयणी विज्जू, एवं जाव वरुणस्स ॥ ३३६ ॥ चत्तारि **गोरसविगई**ओ प० तं० खीरं दहिं सप्पिं णवणीअं, चत्तारि सिणेहविगईओ प० तं० तेल्लं घयं वसा णवणीअं, **चत्तारि महाविगईओ वज्जणीयाओ** तं०महुं मंसं मज्जं णवणीयं ॥ ३३७ ॥ चत्तारि कूडागारा प० तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते गुत्तेणाममेगे अगुत्ते अगुत्ते णाममेगे गुत्ते, अगुत्ते णाममेगे अगुत्ते । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प०तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते ४ । चत्तारि कूडागारसालाओ प०तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, गुत्ताणाममेगा

अगुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा अगुत्तदुवारा, एवामेव चत्तारित्थीओ प० तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तिंदिया, गुत्ता णाममेगा अगुत्तिंदिया ४। ॥ ३३८ ॥ चउव्विहा ओगाहणा प० तं० दव्वोगाहणा खेत्तोगाहणा कालोगाहणा भावोगाहणा ॥ ३३९ ॥ चत्तारि पण्णत्तीओ अंगबाहिरियाओ प० तं० चंदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती जंबुद्दीवपण्णत्ती, दीवसागरपण्णत्ती ॥ ३४० ॥

चउट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥

चत्तारि पडिसंलीणा प० तं० कोहपडिसंलीणे माणपडिसंलीणे मायापडिसंलीणे लोभपडिसंलीणे, चत्तारि अपडिसंलीणा प० तं० कोहअपडिसंलीणे जाव लोभअपडिसंलीणे। चत्तारि पडिसंलीणा प० तं० मणपडिसंलीणे, वइपडिसंलीणे, कायपडिसंलीणे, इंदियपडिसंलीणे; चत्तारि अपडिसंलीणा प० तं० मणअपडिसंलीणे जाव इंदिय० ॥ ३४१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणे, दीणे णाममेगे अदीणे, अदीणे णाममेगे दीणे, अदीणे णाममेगे अदीणे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणपरिणए, दीणे णाममेगे अदीणपरिणए, अदीणे णाममेगे दीणपरिणए, अदीणे णाममेगे अदीणपरिणए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणरूवे ४। एवं दीणमणे दीणसंकप्पे दीणपण्णे दीणदिट्ठी दीणसीलायारे दीणववहारे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणपरक्कमे, दीणे णाममेगे अदीणपरक्कमे ४। एवं सव्वेसिं चउभंगो भाणियव्वो। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणवित्ती ४। एवं दीणजाई दीणभासी दीणोभासी, चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता प० तं० दीणे णाममेगे दीणसेवी ४। एवं दीणे णाममेगे दीणपरियाए ४ एवं दीणे णाममेगे दीणपरियाले ४। सव्वत्थ चउभंगो ॥३४२॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जपरिणए ४। एवं अज्जरूवे ४। अज्जमणे ४। अज्जसंकप्पे ४। अज्जपण्णे ४। अज्जदिट्ठी ४। अज्जसीलायारे ४। अज्जववहारे ४। अज्ज परक्कमे ४। अज्जवित्ती ४। अज्जजाई ४। अज्जभासी ४। अज्ज ओभासी ४। अज्जसेवी ४। एवं अज्जपरियाए ४। अज्जपरियाले ४। एवं सत्तरस आलावगा, जहा दीणेण भणिया तहा अज्जेणवि भाणियव्वा। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जभावे, अज्जे णाममेगे अणज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अणज्जभावे ॥ ३४३ ॥ चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने बलसंपन्ने रूवसंपण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने बलसंपन्ने रूवसंपन्ने, चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने, कुलसंपन्ने णाममेगे णो

जाइसंपन्ने, एगे कुलसंपन्नेवि जाइसंपन्नेवि, एगे णो जाइसंपन्ने णो कुलसंपण्णे एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने ४ चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो वलसंपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो वलसपन्ने ४ । चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे नो रूवसंपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ । चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णं वलसंपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णं बलसंपन्ने ४ । चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ चत्तारि उसभा प० तं० वलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ ॥ ३४४ ॥ चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे, चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे, भद्दे णाममेगे मंदमणे, भद्दे णाममेगे मियमणे, भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे, भद्दे णाममेगे मंदमणे, भद्दे णाममेगे मियमणे, भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे, चत्तारि हत्थी प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे, मंदे णाममेगे मंदमणे मंदे णाममेगे मियमणे, मंदे णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे, तं चेव । चत्तारि हत्थी प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे, मिए णाममेगे मंदमणे, मिए णाममेगे मियमणे, मिए णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे, तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, संकिण्णे णाममेगे मंदमणे, संकिण्णे णाममेगे मियमणे, संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, तं चेव जाव संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे । **गाथा**=मधुगुलियपिंगलक्खो, अणुपुव्वसुजायदीहुलंगूलो; पुरओ उदग्गधीरो, सव्वंगसमाहिओ **भद्दो** ॥ ३४५ ॥ (१) चलवहलविसमचम्मो थूलसिरो थूलएण पेएण; थूलणहदंतवालो, हरिपिंगललोयणो **मंदो** ॥ ३४६ ॥ (२) तणुओ तणुयग्गीवो, तणुयतओ तणुयदंतणहवालो; भीरू तत्थुव्विग्गो; तासी य भवे **मिए** णामं ॥ ३४७ ॥ (३) एएसिं हत्थीणं, थोवं थोवं तु जो अणुहरइ हत्थी; रूवेण व सीलेण व, सो **संकिण्णो** त्ति णायव्वो ॥ ३४८ ॥ (४) भद्दो मज्जइ सरए, मंदो उण मज्जए वसंतम्मि; मिउ मज्जइ हेमंते, संकिण्णो सव्व-

कालम्मि (५) ॥ ३४९ ॥ **चत्तारि विकहाओ** प० तं० इत्थिकहा भत्तकहा देसकहा रायकहा। **इत्थिकहा चउव्विहा** प० तं० इत्थीणं जाइकहा, इत्थीणं कुलकहा, इत्थीणं रूवकहा, इत्थीणं नेवत्थकहा, **भत्तकहा** चउव्विहा प० तं० भत्तस्स आवावकहा, भत्तस्स निव्वावकहा, भत्तस्स आरंभकहा, भत्तस्स णिट्ठाण-कहा। **देसकहा** चउव्विहा प० तं० देसविहिकहा, देसविकप्पकहा, देसच्छंदकहा, देसनेवत्थकहा, **रायकहा** चउव्विहा प० तं० रण्णो अइयाणकहा रण्णो निज्जाण-कहा, रण्णो बलवाहणकहा, रण्णो कोसकोट्ठागारकहा ॥३५०॥ चउव्विहा **धम्म-कहा** प० तं० अक्खेवणी विक्खेवणी संवेगणी णिव्वेगणी। **अक्खेवणी कहा** चउव्विहा प० तं० आयारऽक्खेवणी ववहारऽक्खेवणी पण्णत्तिऽक्खेवणी दिट्ठि-वायअक्खेवणी। **विक्खेवणी कहा** चउव्विहा प० तं० ससमयं कहेइ, ससमयं कहेत्ता परसमयं कहेइ, परसमयं कहेत्ता ससमयं ठावित्ता भवइ, सम्मावायं कहेइ, सम्मावायं कहेत्ता मिच्छावायं कहेइ, मिच्छावायं कहेत्ता सम्मावायं ठावइत्ता भवइ। **संवेगणी कहा** चउव्विहा प० तं० इहलोगसंवेगणी परलोग-संवेगणी आयसरीरसंवेगणी परसरीरसंवेगणी। **णिव्वेगणी कहा** चउव्विहा प० तं० इहलोगे दुच्चिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, इहलोगे दुच्चिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, परलोगे दुच्चिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफल-विवागसंजुत्ता भवंति। परलोगे दुच्चिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति। इहलोगे सुचिण्णाकम्मा इहलोगे सुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, इहलोगे सुचिण्णा कम्मा परलोगे सुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, एवं चउभंगो तहेव ॥ ३५१ ॥ चत्तारि पुरि-सजाया प० तं० किसे णाममेगे किसे, किसे णाममेगे दढे, दढे णाममेगे किसे, दढे णाममेगे दढे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किसे णाममेगे किससरीरे, किसे णाम-मेगे दढसरीरे, दढे णाममेगे किससरीरे, दढे णाममेगे दढसरीरे। चत्तारि पुरिस-जाया प० तं० किससरीरस्स णाममेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स, दढसरीरस्स णाममेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो किससरीरस्स, एगस्स किससरी-रस्स वि णाणदंसणे समुप्पज्जइ दढसरीरस्स वि, एगस्स णो किससरीरस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स ॥ ३५२ ॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा, णिग्गंथीण वा अस्सिं समयंसि अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जिउकामेवि णो समुप्पज्जेज्जा तं० अभि-क्खणं अभिक्खणं इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं कहेत्ता भवइ, विवेगेणं विउ-स्सग्गेणं णो सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि णो धम्मजाग-रियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उञ्छस्स सामुदाणियस्स णो सम्मं

गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा जाव णो समुप्पज्जेज्जा, चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे समुप्पज्जेज्जा तं० इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं णो कहेत्ता भवइ, विवेगेण विउसग्गेणं सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उञ्छस्स सामुदाणियस्स सम्मं गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा जाव समुप्पज्जेज्जा ॥ ३५३ ॥ णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चउहिं महापाडिवएहिं सज्झायं करेत्तए तं० आसाढपाडिवए इंदमहपाडिवए कत्तिअपाडिवए सुगिम्हपाडिवए, णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चउहिं संझाहिं सज्झायं करेत्तए तं० पढमाए पच्छिमाए मज्झण्हे अड्ढरत्ते। कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चाउक्कालं सज्झायं करेत्तए तं० पुव्वण्हे अवरण्हे पओसे पच्चूसे ॥ ३५४ ॥ चउव्विहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए, वायपइट्ठिए उदही, उदहिपइट्ठिया पुढवी, पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा ॥ ३५५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तहे णाममेगे णोतहे णाममेगे सोवत्थी णाममेगे पहाणे णाममेगे ॥ ३५६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतकरे णाममेगे णो परंतकरे, परंतकरे णाममेगे णो आयंतकरे, एगे आयंतकरेवि परंतकरेवि, एगे णो आयंतकरे णो परंतकरे, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतमे णाममेगे णो परंतमे परंतमे णाममेगे णो आयंतमे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंदमे णाममेगे णो परंदमे, परंदमे णाममेगे णो आयंदमे, एगे आयंदमेवि परंदमेवि, एगे णो आयंदमे णो परंदमे ॥ ३५७ ॥ **चउव्विहा** गरहा प० तं० उवसंपज्जामित्ति एगा गरहा, वितिगिच्छामित्ति एगा गरहा, जं किंचिमिच्छामित्ति एगा गरहा, एवंपि पण्णत्ते एगा गरहा ॥ ३५८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे अलमंथू भवइ णो परस्स, परस्स णाममेगे अलमंथू भवइ णो अप्पणो, एगे अप्पणोवि अलमंथू भवइ परस्सवि, एगे णो अप्पणो अलमंथू भवइ णो परस्स ॥ ३५९ ॥ चत्तारि **मग्गा** प०तं० उज्जू णाममेगे उज्जू, उज्जू णाममेगे वंके, वंके णाममेगे उज्जू, वंके णाममेगे वंके। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उज्जू णाममेगे उज्जू ४। चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमे, खेमे णाममेगे अखेमे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प०तं० खेमे णाममेगे खेमे ४। चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे, खेमे णाममेगे अखेमरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे ४ ॥ ३६० ॥ चत्तारि संवुक्का प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते, वामे णाममेगे दाहिणावत्ते,

दाहिणे णाममेगे वामावत्ते, दाहिणे णाममेगे दाहिणावत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४। चत्तारि धूमसिहाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि अग्गिसिहाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वायमंडलिया, वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वणखंडा प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४ ॥ ३६१ ॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथे णिग्गंथिं आलवमाणे वा संलवमाणे वा णाइक्कमइ, तं० पंथं पुच्छमाणे वा पंथं देसमाणे वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा दलयमाणे वा, दलावेमाणे वा ॥३६२॥ तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० तमेइ वा, तमुक्काएइ वा, अंधयारेइ वा, महंधयारेइ वा, तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० लोगंधयारेइ वा, लोगतमसेइ वा, देवंधयारेइ वा, देवतमसेइ वा, तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० वायफलिहेइ वा, वायफलिहखोभेइ वा, देवरण्णेइ वा, देववूहेइ वा, तमुक्काए णं चत्तारि कप्पे आवरित्ता चिट्ठइ तं० सोहम्मीसाणं सणंकुमारमाहिंदं ॥ ३६३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे, पच्छण्णपडिसेवी णाममेगे, पडुप्पण्णणंदी णाममेगे, णिस्सरणणंदी णाममेगे ॥ ३६४ ॥ चत्तारि सेणाओ प० तं० जइत्ता णाममेगा णो पराजिणित्ता, पराजिणित्ता णाममेगा णो जइत्ता, एगा जइत्ता वि पराजिणित्तावि, एगा णो जइत्ता णो पराजिणित्ता । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जइत्ता णाममेगे णो पराजिणित्ता ४। चत्तारि सेणाओ प० तं० जइत्ता णाममेगा जयइ, जइत्ता णाममेगा पराजिणइ, पराजिणित्ता णाममेगा जयइ, पराजिणित्ता णाममेगा पराजिणइ, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जइत्ता णाममेगे जयइ ॥ ३६५ ॥ चत्तारि केअणा प० तं० वंसीमूलकेअणए, मेंढविसाणकेअणए, गोमुत्तिकेअणए, अवलेहणियकेअणए। एवामेव चउव्विहा माया प० तं० वंसीमूलकेअणासमाणा जाव अवलेहणियाकेअणासमाणा, वंसीमूलकेअणासमाणं मायं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, मेंढविसाणकेअणासमाणं मायमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, गोमुत्तिअं जाव कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, अवलेहणिया जाव देवेसु उववज्जइ ॥ ३६६ ॥ चत्तारि थंभा प० तं० सेलथंभे अट्ठिथंभे दारुथंभे, तिणिसलयाथंभे; एवामेव चउव्विहे माणे प० तं० सेलथंभसमाणे जाव तिणि-

सलयाथंभसमाणे । सेलथंभसमाणं माणं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, एवं जाव तिणिसलयाथंभसमाणं माणं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ३६७ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० किमिरागरत्ते कद्दमरागरत्ते खंजणरागरत्ते हलिद्दरागरत्ते एवामेव चउव्विहे लोभे प० तं० किमिरागरत्तवत्थसमाणे कद्दमरागरत्तवत्थसमाणे खंजणरागरत्तवत्थसमाणे हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणे, किमिरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ नेरइएसु उववज्जइ, तहेव जाव हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ३६८ ॥ चउव्विहे संसारे प० तं० णेरइयसंसारे जाव देवसंसारे, चउव्विहे आउए प० तं० णेरइयआउए जाव देवाउए, चउव्विहे भवे प० तं० णेरइयभवे जाव देवभवे ॥ ३६९ ॥ चउव्विहे आहारे प० तं० असणे पाणे खाइमे साइमे। चउव्विहे आहारे प० तं० उवक्खरसंपन्ने, उवक्खडसंपन्ने, सभावसंपन्ने, परिजुसियसंपन्ने ॥ ३७० ॥ चउव्विहे बंधे प० तं० पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे, चउव्विहे उवक्कमे प० तं० बंधणोवक्कमे उदीरणोवक्कमे उवसमणोवक्कमे विप्परिणामणोवक्कमे, बंधणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइबंधणोवक्कमे ठिइबंधणोवक्कमे अणुभावबंधणोवक्कमे पएसबंधणोवक्कमे, उदीरणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउदीरणोवक्कमे ठिइउदीरणोवक्कमे अणुभागउदीरणोवक्कमे पएसउदीरणोवक्कमे, उवसामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउवसामणोवक्कमे ठिइअणुभावपएसउवसामणोवक्कमे । विपरिणामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइठिइअणुभावपएसविपरिणामणोवक्कमे । चउव्विहे अप्पाबहुए प० तं० पगइअप्पाबहुए ठिइअणुभावपएसअप्पाबहुए; चउव्विहे संकमे, पगइसंकमे ठिइअणुभावपएससंकमे । चउव्विहे निधत्ते प० तं० पगइनिधत्ते, ठिइअणुभावपएसनिधत्ते । चउव्विहे निगाइए प० तं० पगइनिगाइए, ठिइनिगाइए, अणुभावनिगाइए, पएसनिगाइए ॥ ३७१ ॥ चत्तारि एक्का प० तं० दविए एक्कए माउएक्कए पज्जएएक्कए संगहएक्कए, चत्तारि कई प० तं० दवियकई माउयकई पज्जवकई संगहकई, चत्तारि सव्वा प० तं० णामसव्वए ठवणसव्वए आएससव्वए निरवसेससव्वए ॥ ३७२ ॥ माणुसुत्तरस्स णं पव्वयस्स चउद्दिसिं चत्तारि कूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए सव्वरयणए रयणसंचए ॥ ३७३ ॥ जंबुद्दीवे २ भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था, जंबुद्दीवे २ भरहेरवए इमीसे ओसप्पिणीए दुसमसुसमाए समाए जहण्णपए णं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था । जंबुद्दीवे दीवे जाव आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए

चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो भविस्सइ, जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरुव-ज्जाओ चत्तारि अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए एरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे, चत्तारि वट्टवेयड्ढपव्वया प० तं० सद्दावई वियडावई गंधावई मालवंतपरियाए। तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति तं० साई पभासे अरुणे पउमे, जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहेवासे चउव्विहे प० तं० पुव्वविदेहे, अवरविदेहे, देवकुरा, उत्तरकुरा, सव्वेवि णं णिसढणीलवंतवासहरपव्वया चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीआए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खा-रपव्वया प० तं० चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले, जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीआए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे, जंबूमंदरस्स पचत्थिमेणं सीओआए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे । जंबूमंदरस्स पचत्थिमेणं सीओआए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० चंद-पव्वए सूरपव्वए देवपव्वए णागपव्वए, जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स चउसु विदिसासु चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० सोमणसे विज्जुप्पभे गंधमायणे माल-वंते, जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे जहण्णपए चत्तारि अरिहंता, चत्तारि चक्कवट्टी, चत्तारि बलदेवा, चत्तारि वासुदेवा, उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए चत्तारि वणा प० तं० भद्दसालवणे, णंदणवणे, सोमणसवणे, पंडगवणे, जंबूमंदरपव्वयपंडगवणे चत्तारि अभिसेगसिलाओ प० तं० पंडुकंबलसिला, अतिपंडुकंबलसिला, रत्तकंबलसिला, अइरत्तकंबलसिला, मंदरचूलि-या णं उवरिं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं पण्णत्ता, एवं धायइखंडदीवपुरच्छिमद्धेवि कालं आइं करित्ता जाव मंदरचूलियत्ति । एवं जाव पुक्खरवरदीवपच्चत्थिमद्धे जाव मंदरचूलियत्ति, जंबूदीवगआवस्सगं तु कालाओ चूलिया जाव धायइखंडे पुक्खर-वरे य पुव्वावरे पासे। जंबूदीवस्स णं दीवस्स चत्तारि दारा प० तं० विजये वेजयंते जयंते अपराजिए, ते णं दारा चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं प० तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ ३७४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयण-सयाइं ओगाहेत्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगरूयदीवे ओभासिअदीवे वेसाणियदीवे णंगोलियदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति, एगरूया

ओभासिया वेसाणिया णंगोलिया, तेसि णं दीवाणं चउसु वि दिसासु लवणसमुद्दं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० हयकण्णदीवे, गयकण्णदीवे गोकण्णदीवे सक्कुलिकण्णदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० हयकण्णा गयकण्णा गोकण्णा सक्कुलिकण्णा, तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं पंच पंच जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प०तं० आयंसमुहदीवे मेंढगमुहदीवे अओमुहदीवे गोमुहदीवे। तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा भाणियव्वा, तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं छ छजोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसमुहदीवे हत्थिमुहदीवे सीहमुहदीवे वग्घमुहदीवे, तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं सत्तसत्तजोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसकण्णदीवे हत्थिकण्णदीवे अकण्णदीवे कण्णपाउरणदीवे। तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं अट्ठ अट्ठजोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० उक्कामुहदीवे मेहमुहदीवे विज्जुमुहदीवे विज्जुदंतदीवे तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं णव णव जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० घणदंतदीवे लट्ठदंतदीवे गूढदंतदीवे सुद्धदंतदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० घणदंता लट्ठदंता गूढदंता सुद्धदंता। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगरूयदीवे सेसं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव सुद्धदंता ॥ ३७५ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं पंचाणउइजोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं महइमहालया महालिंजरसंठाणसंठिया चत्तारि महापायाला प० तं० वलयामुहे केउए जूवए ईसरे, तत्थणं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे ॥ ३७६ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थणं चउण्हं वेलंधरणागरायाणं चत्तारि आवासपव्वया प०तं० गोथूभे उदयभासे संखे दगसीमे, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति तं०गोथूभे सिवए जाव मणोसिलए। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयन्ताओ चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं चउण्हं अणुवेलंधरणागराईणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० कक्कोडए विज्जुप्पभे

केलासे अरुणप्पभे। तत्थ णं चत्तारि महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया देवा परिव-संति तं० कक्कोडए कद्दमए केलासे अरुणप्पभे ॥३७७॥ लवणे णं समुद्दे चत्तारि चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा, चत्तारि सूरिया तविंसु वा तवंति वा तवि-स्संति वा, चत्तारि कत्तियाओ जाव चत्तारि भरणीओ, चत्तारि अग्गी जाव चत्तारि जमा, चत्तारि अंगारया जाव चत्तारि भावकेऊ ॥ ३७८ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स चत्तारि दारा प० तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए, ते णं दारा णं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं पण्णत्ता, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति विजए जाव अपराजिए ॥३७९॥ धायइखंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ ३८० ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वहिया चत्तारि भरहाइं चत्तारि एरवयाइं, एवं जहा सदुद्देसए तहेव णिरव-सेसं भाणियव्वं, जाव चत्तारि मंदरा चत्तारि मंदरचूलियाओ ॥ ३८१ ॥ णंदीस-रवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स वहुमज्झदेसभाए चउद्दिसिं चत्तारि अंजणगपव्वया प० तं० पुरच्छिमिल्ले अंजणगपव्वए दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए, पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए, ते णं अंजणगपव्वया चउरासीइ-जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं तदणंतरं च णं मायाए मायाए परिहाएमाणा परिहाएमाणा उवरिमेगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं प० मूले एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं उवरिं तिण्णि २ जोयणसहस्साइं एगं च छावट्ठं जोयणसयं परिक्खेवेणं मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उप्पिं तणुया गोपुच्छसंठाणसंठिया सव्वअंजण-मया अच्छा जाव पडिरूवा, तेसिणं अंजणगपव्वयाणं चउद्दिसिं चत्तारि २ णं-दाओ पुक्खरणीओ प० तासिणं पोक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वण-खंडा प० तं० पुरच्छिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेणं असोगवणं दाहिणओ होति सत्तवण्णवणं, अवरेण चंपगवणं, अंववणं उत्तरे पासे ॥ १ ॥ तत्थ णं जे से पुरच्छिमिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदापोक्खर-णीओ पण्णत्ताओ तं० णंदा णंदुत्तरा आणंदा णंदिवद्धणा, तासिणं पोक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा प० तेसिणं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ चत्तारि तोरणा प० पुरच्छिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, तासिणं पोक्खर-णीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वणखंडा प० तं० पुरओ दाहिणओ पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेणं असोगवणं जाव अंववणं उत्तरे पासे। तासिणं पुक्खरणीणं वहु-मज्झदेसभाए चत्तारि दहिमुहगपव्वया प० ते णं दहिमुहगपव्वया चउसट्ठिं जोयण-

सहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्समुव्वेहेणं, सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसजोयणसए परिक्खेवेणं सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। सेसं जहेव अंजणगपव्वयाणं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अंबवगं उत्तरेपासे। तत्थ णं जे से दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ प० तं० भद्दा विसाला कुमुया पोंडरीगिणी। सेसं तं चेव जाव दहिमुहगपव्वया जाव वणखंडा। तत्थणं जे से पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पोक्खरणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदिसेणा अमोहा गोथूभा सुदंसणा, सेसं तं चेव, तहेव दहिमुहगपव्वया तहेव जाव वणखंडा। तत्थणं जे से उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पोक्खरणीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया, तहेव दहिमुहगपव्वया, तहेव जाव वणखंडा। णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउसु विदिसासु चत्तारि रतिकरगपव्वया प० तं० उत्तरपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए दाहिणपुरत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए, ते णं रतिकरगपव्वया दसजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसयाइं उव्वेहेणं, सव्वत्थसमा झल्लरिसंठाणसंठिया, दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं, एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं, सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। तत्थ णं जे से उत्तरपुरच्छिमिल्ल रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिमीसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदोत्तरा णंदा उत्तरकुरा देवकुरा। कण्हाए कण्हराईए कामाए कामरक्खियाए, तत्थ णं जे से दाहिणपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणाओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० सुमणा सोमणसा अच्चिमाली मणोरमा। पउमाए सिवाए सुईए अंजूए। तत्थणं जे से दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० भूया भूयवडिंसा गोथूभा सुदंसणा। अमलाए अच्छराए नवमियाए रोहिणीए। तत्थ णं जे से उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउदिसिमीसाणस्स चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० रयणा रयणोच्चया सव्वरयणा रयणसंचया। वसूए वसुगुत्ताए वसुमित्ताए वसुंधराए ॥ ३८२ ॥ चउव्विहे सच्चे प० तं० **णामसच्चे ठवणसच्चे दव्वसच्चे भावसच्चे** ॥ ३८३ ॥ आजी-

वियाणं चउव्विहे तवे प० तं० उग्गतवे घोरतवे रसनिज्जूहणया जिब्भिंदियपडि-संलीणया ॥ ३८४ ॥ चउव्विहे संजमे प० तं० मणसंजमे वइसंजमे कायसंजमे उवगरणसंजमे । चउव्विहे चियाए प० तं० मणचियाए वइचियाए कायचियाए उवगरणचियाए, चउव्विहा अकिंचणया प० तं० मणअकिंचणया वइअकिंचणया कायअकिंचणया उवगरणअकिंचणया ॥ ३८५ ॥ **चउत्थट्ठाणस्स बीओ-द्देसो समत्तो ॥**

चत्तारि राईओ प० तं० पव्वयराई पुढविराई वालुयराई उदगराई । एवामेव चउव्विहे कोहे प० तं० पव्वयराइसमाणे पुढविराइसमाणे वालुयराइसमाणे उदग-राइसमाणे । पव्वयराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, पुढविराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, वालु-यराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, उदगराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ, चत्तारि उदगा प० तं० कद्दमोदए खंजणोदए वालुओदए सेलोदए, एवामेव चउव्विहे भावे प० तं० कद्दमोदगसमाणे खंजणोदगसमाणे वालुओदगसमाणे सेलोदगसमाणे । कद्दमोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ एवं जाव सेलोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ३८६ ॥ चत्तारि पक्खी प० तं० रुयसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने, रूवसंपन्ने णाममेगे णो रुयसंपन्ने, एगे रुयसंपन्ने वि रूवसंपन्ने वि, एगे णो रुयसंपण्णे णो रूवसंपन्ने, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रुयसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ ॥ ३८७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तियं करेमित्ति एगे पत्तियं करेइ, पत्तियं करेमित्ति एगे अपत्तियं करेइ, अपत्तियं करेमित्ति एगे पत्तियं करेइ, अपत्तियं करेमित्ति एगे अपत्तियं करेइ, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे पत्तियं करेइ णो परस्स, परस्स णाममेगे पत्तियं करेइ णो अप्पणो ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तियं पवेसामित्ति एगे पत्तियं पवेसेइ, पत्तियं पवेसामित्ति एगे अपत्तियं पवेसेइ, अपत्तियं पवेसामित्ति एगे पत्तियं पवेसेइ, अप-त्तियं पवेसामित्ति एगे अपत्तियं पवेसेइ, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाम-मेगे पत्तियं पवेसेइ णो परस्स ४ ॥ ३८८ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० पत्तोवए पुप्फोवए फलोवए छायोवए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तो वा रुक्ख-समाणे पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे छायो वा रुक्खसमाणे ॥ ३८९ ॥ भारं णं वहमाणस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ णं अंसाओ अंसं साहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे पण्णत्ते, जत्थ वि य णं उच्चारं वा पासवणं

वा परिठावेति तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं णागकुमारावासंसि वा सुवन्नकुमारावासंसि वा वासं उवेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं आवकहाए चिट्ठइ जाव आसासे प०, एवामेव समणोवासगस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ वि य णं सीलव्वयगुणव्वयवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासाइं पडिवज्जइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं सामाइयं देसावगासियं सम्ममणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाजूसणाजूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० ॥ ३९० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उदिओदिए णाममेगे, उदियत्थमिए णाममेगे, अत्थमिओदिए णाममेगे, अत्थमियत्थमिए णाममेगे । भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी णं उदिओदिए, बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी उदियत्थमिए, हरिएसबलेणमणगारे अत्थमिओदिए, काले णं सोयरिए अत्थमियत्थमिए ॥ ३९१ ॥ चत्तारि जुंमा प० तं० कडजुम्मे तेयोए दावरजुम्मे कलिओए, णेरइयाणं चत्तारि जुंमा प० तं० कडजुंमे जाव कलिओए, एवमसुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं, एवं पुढविकाइयाणं आउतेउवाउवणस्सइबेंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं वाणमंतरजोइसियाणं वेमाणियाणं सव्वेसिं जहा नेरइयाणं ॥ ३९२ ॥ **चत्तारि सूरा** प० तं० खंतिसूरे तवसूरे दाणसूरे जुद्धसूरे, खंतिसूरा अरिहंता तवसूरा अणगारा; दाणसूरे वेसमणे जुद्धसूरे वासुदेवे ॥ ३९३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उच्चे णाममेगे उच्चच्छंदे उच्चे णाममेगे णीयच्छंदे णीए णाममेगे उच्चच्छंदे णीए णाममेगे णीयच्छंदे ॥ ३९४ ॥ असुरकुमाराणं चत्तारि लेस्सा प० तं० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा तेउलेस्सा, एवं जाव थणियकुमाराणं एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वाणमंतराणं सव्वेसिं जहा असुरकुमाराणं ॥ ३९५ ॥ चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते जुत्ते णाममेगे अजुत्ते अजुत्ते णाममेगे जुत्ते अजुत्ते णाममेगे अजुत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए, जुत्ते णाममेगे अजुत्तपरिणए ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए ४ । चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे जुत्ते णाममेगे अजुत्तरूवे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे ४ । चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया

प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४ । चत्तारि जुग्गा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवं जहा जाणेण चत्तारि आलावगा तहा जुग्गेणवि पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया जाव सोभेत्ति, चत्तारि सारही प० तं० जोआवइत्ता णाममेगे णो विजोयावइत्ता, विजोयावइत्ता णाममेगे णो जोयावइत्ता, एगे जोयावइत्तावि विजोयावइत्तावि, एगे णो जोयावइत्ता णो विजोयावइत्ता, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया, चत्तारि हया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवं जुत्तपरिणए जुत्तरूवे जुत्तसोभे सव्वेसिं पडिवक्खो पुरिसजाया । चत्तारि गया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवं जहा हयाणं तहा गयाणवि भाणियव्वं । पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया, चत्तारि जुग्गारिया प० तं० पंथजाई णाममेगे णो उप्पहजाई उप्पहजाई णाममेगे णो पंथजाई एगे पंथजाई वि उप्पहजाई वि एगे णो पंथजाई णो उप्पहजाई । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४ ॥ ३९६ ॥ चत्तारि पुप्फा प० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो गंधसंपन्ने गंधसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने एगे रूवसंपन्नेवि गंधसंपन्नेवि एगे णो रूवसंपन्ने णो गंधसंपन्ने । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो सीलसंपन्ने ४ ॥ ३९७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने कुलसंपन्ने णाममेगे णो जाइसंपन्ने ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने बलसंपन्ने णाममेगे णो जाइसंपन्ने ४ । एवं जाईए रूवेण य चत्तारि आलावगा, एवं जाईए सुएण य ४ । एवं जाईए सीलेण ४ एवं जाईए चरित्तेण ४ । एवं कुलेण बलेण ४ । कुलेण रूवेण ४ । कुलेण सुएण ४ । कुलेण सीलेण ४ । कुलेण चरित्तेण ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ । एवं बलेण सुएण ४ । एवं बलेण सीलेण ४ । एवं बलेण चरित्तेण ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो सुयसंपन्ने ४ । एवं रूवेण सीलेण ४ । रूवेण चरित्तेण ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुयसंपन्ने णाममेगे णो सीलसंपन्ने ४ । एवं सुएण चरित्तेण य ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीलसंपन्ने णाममेगे णो चरित्तसंपन्ने ४ । एए इक्कवीसं भंगा भाणियव्वा ॥ ३९८ ॥ चत्तारि फला प० तं० आमलगमहुरे मुद्दियामहुरे खीरमहुरे खंडमहुरे, एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० आमलगमहुरफलसमाणे जाव खंडमहुरफलसमाणे ॥ ३९९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयवेयावच्चकरे णाममेगे णो परवेयावच्चकरे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं०

करेइ णाममेगे वेयावच्चं णो पडिच्छइ पडिच्छइ णाममेगे वेयावच्चं णो करेइ ४। ॥ ४०० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे माणकरे णाममेगे णो अट्ठकरे, एगे अट्ठकरेवि माणकरेवि एगे णो अट्ठकरे णो माणकरे, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे ४, च० पु० जा० प० तं० गणसंगहकरे णाममेगे णो माणकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणसोभकरे णाममेगे णो माणकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणसोहिकरे णाममेगे णो माणकरे ४ ॥ ४०१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवं णाममेगे जहइ णो धम्मं धम्मं णाममेगे जहइ णो रूवं एगे रूवंपि जहइ धम्मंपि जहइ, एगे णो रूवं जहइ णो धम्मं, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० धम्मं णाममेगे जहइ णो गणसंठिइं ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पियधम्मे णाममेगे णो दढधम्मे दढधम्मे णाममेगे णो पियधम्मे, एगे पियधम्मेवि दढधम्मेवि एगे णो पियधम्मे णो दढधम्मे ॥ ४०२ ॥ चत्तारि आयरिया प० तं० पव्वावणायरिए णाममेगे णो उवट्ठावणायरिए उवट्ठावणायरिए णाममेगे णो पव्वावणायरिए, एगे पव्वावणायरिएवि उवट्ठावणायरिएवि, एगे णो पव्वावणायरिए णो उवट्ठावणायरिए, चत्तारि आयरिया प० तं० उद्देसणायरिए णाममेगे णो वायणायरिए ४ धम्मायरिए सम्मत्तपओ णायव्वो ॥ ४०३ ॥ चत्तारि अंतेवासी प० तं० पव्वावणंतेवासी णाममेगे णो उवट्ठावणंतेवासी ४ जाव धम्मंतेवासी, चत्तारि अंतेवासी प० तं० उद्देसणंतेवासी णाममेगे णो वायणंतेवासी ४ ॥ ४०४ ॥ चत्तारि णिग्गंथा प० तं० रायणिए समणे निग्गंथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, रायणिए समणे निग्गंथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गंथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गंथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ, चत्तारि णिग्गंथीओ प० तं० राइणिया समणी णिग्गंथी ४ एवं चेव, चत्तारि समणोवासगा प० तं० रायणिए समणोवासए महाकम्मे ४ तहेव, चत्तारि समणोवासियाओ प० तं० रायणिया समणोवासिया महाकम्मा तहेव चत्तारि गमा ॥ ४०५ ॥ चत्तारि **समणोवासगा** प० तं० अम्मापिइसमाणे भाइसमाणे मित्तसमाणे सवत्तिसमाणे। चत्तारि **समणोवासगा** प० तं० अद्दागसमाणे पडागसमाणे खाणुसमाणे खरकंटकसमाणे ॥ ४०६ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स समणोवासगाणं सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ४०७ ॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु

इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइप्पगप्पं पगरेइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए पेमे वोच्छिण्णे दिव्वे पेमे संकंते भवइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं एवं भवइ, इयण्हिं गच्छं मुहुत्तेण गच्छं तेणं कालेणमप्पाउआ मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, उड्ढं पिय णं माणुस्सए गंधे जाव चत्तारिपंचजोयणसयाइं हव्वमागच्छइ ४ इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥४०८॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि खलु मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा उवज्झाएइ वा पवत्तीइ वा थेरेइ वा गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेण मए इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ एस णं माणुस्सए भवे णाणीइ वा तवस्सीइ वा अइदुक्करदुक्करकारए तं गच्छामि णं भगवन्तं वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववन्ने देवे जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि पासंतु ता मे इममेयारूवं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मित्तेइ वा सुहीइ वा सहीइ वा सहाएइ वा संगइए वा तेसिं च णं अम्हे अण्णमण्णस्स संगारे पडिसुए भवइ, जो मे पुव्विं चयइ से संबोहियव्वे इच्चेएहिं जाव संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ ४०९ ॥ चउहिं ठाणेहिं लोगंधगारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं, अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे जायतेए वोच्छिज्जमाणे, चउहिं ठाणेहिं लोउज्जोए सिया तं०अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, अरिहंताणं परिनिव्वाणमहिमासु, एवं देवंधगारे देवुज्जोए देवसन्निवाए देवुक्कलिया देवकहकहए,

चउहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति, एवं जहा तिठाणे जाव लोगंतिया देवा माणुस्सं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं जाव अरिहंताणं परिनिव्वाणमहिमासु ॥ ४१० ॥ चत्तारि दुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा **पढमा दुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए निग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेयसमावन्ने कलुससमावण्णे निग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ, निग्गंथं पावयणं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे मणं उच्चावयं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ पढमा दुहसेज्जा, **अहावरा दोच्चा दुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए सएणं लाभेणं णो तुस्सइ परस्स लाभमासाएइ पीहेइ पत्थेइ अभिलसइ परस्स लाभमासाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ दोच्चा दुहसेज्जा, **अहावरा तच्चा दुहसेज्जा,** से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए दिव्वे माणुस्सए कामभोगे आसाएइ जाव अभिलसइ दिव्वे माणुस्सए कामभोए आसाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं णियच्छइ, विणिघायमावज्जइ तच्चा दुहसेज्जा, अहावरा **चउत्था दुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जया णं अहमगारवासमावसामि तया णमहं संवाहणपरिमद्दणगायब्भंगगाउच्छोलणाइं लभामि जप्पभिइं च णं अहं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तप्पभिइं च णं अहं संवाहणं जाव गाउच्छोलणाइं णो लभामि से णं संबाहणं जाव गाउच्छोलणाइं आसाएइ जाव अभिलसइ से णं संवाहणं जाव गाउच्छोलणाइं आसाएमाणे जाव मणं उच्चावयं नियच्छइ विणिघायमावज्जइ चउत्था दुहसेज्जा ॥ ४११ ॥ चत्तारि **सुहसेज्जाओ** प० तं० तत्थ खलु इमा **पढमा सुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए निग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए, णिव्वितिगिच्छिए, णो भेयसमावण्णे णो कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तियइ रोएइ णिग्गंथं पावयणं सद्दहमाणे पत्तियमाणे रोएमाणे णो मणं उच्चावयं नियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ पढमा सुहसेज्जा, अहावरा **दोच्चा सुहसेज्जा** से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए सएणं लाभेणं तुस्सइ, परस्स लाभं णो आसाएइ, णो पीहेइ, णो पत्थेइ, णो अभिलसइ, परस्स लाभमणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे णो मणं उच्चावयं णियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ, दोच्चा सुहसेज्जा, **अहावरा तच्चा सुहसेज्जा,** से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए दिव्वमाणुस्सए कामभोगे णो आसाएइ जाव णो अभिलसइ, दिव्वमाणुस्सए कामभोगे अणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे णो मणं उच्चावयं नियच्छइ णो विणिघायमावज्जइ, तच्चा सुहसेज्जा,

अहावरा चउत्था सुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जइ ताव अरिहंता भगवंता हट्ठा आरोग्गा बलिया कल्लसरीरा अन्नयराइं ओरालाइं कल्लाणाइं विउलाइं पयत्ताइं पग्गहियाइं महाणुभागाइं कम्मक्खयकारणाइं तवोकम्माइं पडिवज्जंति किमंगपुण अहं अब्भोवगमिओवक्कमियं वेयणं णो सम्मं सहामि खमामि तितिक्खेमि अहियासेमि ममं च णं अब्भोवगमिओवक्कमियं सम्ममसहमाणस्स अखममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किंमण्णे कज्जइ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ ममं च णं अब्भोवगमिओ जाव सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किंमण्णे कज्जइ? एगंतसो मे णिज्जरा कज्जइ, **चउत्था सुहसेज्जा** ॥ ४१२ ॥ चत्तारि **अवायणिज्जा** प० तं० अविणीए, विगईपडिबद्धे, अविओसवियपाहुडे, मायी, चत्तारि **वायणिज्जा** प० तं० विणीए, अविगईपडिबद्धे, विओसवियपाहुडे, अमायी ॥ ४१३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंभरे णाममेगे णो परंभरे, परंभरे णाममेगे णो आयंभरे, एगे आयंभरेवि परंभरेवि, एगे णो आयंभरे णो परंभरे ॥ ४१४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गए, दुग्गए णाममेगे सुग्गए, सुग्गए णाममेगे दुग्गए, सुग्गए णाममेगे सुग्गए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुव्वए, दुग्गए णाममेगे सुव्वए, सुग्गए णाममेगे दुव्वए, सुग्गए णाममेगे सुव्वए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुप्पडियाणंदे, दुग्गए णाममेगे सुप्पडियाणंदे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइगामी, दुग्गए णाममेगे सुगइगामी ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइं गए, दुग्गए णाममेगे सुगइं गए ॥ ४१५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमे, तमे णाममेगे जोई, जोई णाममेगे तमे, जोई णाममेगे जोई, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमबले, तमे णाममेगे जोईबले, जोई णाममेगे तमबले, जोई णाममेगे जोईबले, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे नाममेगे तमबलपलज्जणे, तमे नाममेगे जोईबलपलज्जणे, ४ ॥४१६॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे, परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे, एगे परिण्णायकम्मेवि परिण्णायसण्णेवि, एगे णो परिण्णायकम्मे णो परिण्णायसण्णे, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे, परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे ४ ॥ ४१७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० इहत्थे णाममेगे णो परत्थे परत्थे णाममेगे णो इहत्थे ४ । चत्तारि

पुरिसजाया प० तं० एगेणं णाममेगे वड्ढइ एगेणं हायइ, एगेणं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ एगेण हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ ॥ ४१८ ॥ चत्तारि कंथका प० तं० आइन्ने णाममेगे आइन्ने, आइन्ने णाममेगे खलुंके, खलुंके णाममेगे आइन्ने, खलुंके णाममेगे खलुंके, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आइन्ने णाममेगे आइन्ने, चउभंगो। चत्तारि कंथका प०तं० आइन्ने णाममेगे आइन्नत्ताए विहरइ, आइन्ने णाममेगे खलुंकत्ताए विहरइ ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प०तं० आइन्ने णाममेगे आइन्नत्ताए विहरइ, चउभंगो। चत्तारि पकंथका प०तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे चउभंगो। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे नो बलसंपन्ने ४। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो जयसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने ४। एवं कुलसंपन्नेण य बलसंपन्नेण य ४। कुलसंपन्नेण य रूवसंपन्नेण य ४। कुलसंपन्नेण य जयसंपन्नेण य ४। एवं बलसंपन्नेण य रूवसंपन्नेण य ४। बलसंपन्नेण य जयसंपन्नेण य ४। सव्वत्थ पुरिसजाया पडिवक्खो, चत्तारि कंथगा प० तं० रूवसंपन्ने णाममेगे णो जयसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिस० ॥ ४१९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सियालत्ताए विहरइ, सियालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सियालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सियालत्ताए विहरइ ॥ ४२० ॥ चत्तारि लोगे समा प० तं० अपइट्ठाणे णरए, जंबुद्दीवे दीवे, पालए जाणविमाणे, सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे, चत्तारि लोगे समा, सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० सीमंतए णरए समयक्खेत्ते उडुविमाणे ईसिंपब्भारा पुढवी ॥४२१॥ उड्ढलोए णं चत्तारि बिसरीरा प०तं० पुढविकाइया आउवणस्सइका० उराला तसा पाणा, अहे लोगे णं चत्तारि बिसरीरा प०तं० एवं चेव, एवं तिरियलोएवि ४ ॥४२२॥ चत्तारि पुरिसजाया प०तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते ॥ ४२३ ॥ चत्तारि सेज्जपडिमाओ प० चत्तारि वत्थपडिमाओ प० चत्तारि पायपडिमाओ प० चत्तारि ठाणपडिमाओ प० ॥४२४॥ चत्तारि सरीरगा जीवफुडा प० तं० वेउव्विए आहारगे तेयए कम्मए; चत्तारि सरीरगा कम्मुम्मीसगा प०तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए ॥४२५॥ चउहिं अत्थिकाएहिं लोगे फुडे प० तं० धम्म-

गइया दुन्नाणी अत्थेगइया एगणाणी जे दुन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी, जे एगनाणी ते केवलनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, चक्खिदियघाणिंदियलद्धियाणं अलद्धियाण य जहेव सोइंदियलद्धिया अलद्धिया य, जिब्भिंदियलद्धियाणं चत्तारि णाणाइं तिन्नि य अन्नाणाणि भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा एगनाणी केवलनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, फासिंदियलद्धियाणं अलद्धियाणं जहा इंदियलद्धिया य अलद्धिया य ॥ ३१९ ॥ सागारोवउत्ता णं भंते! जीवा किं नाणी अन्नाणी? पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ॥ आभिणिबोहियनाणसागारोवउत्ता णं भंते! चत्तारि णाणाइं भयणाए। एवं सुयनाणसागारोवउत्तावि । ओहिनाणसागारोवउत्ता जहा ओहिनाणलद्धिया, मणपज्जवनाणसागारोवउत्ता जहा मणपज्जवनाणलद्धिया, केवलनाणसागारोवउत्ता जहा केवलनाणलद्धिया, मइअन्नाणसागारोवउत्ताणं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, एवं सुयअन्नाणसागारोवउत्तावि, विभंगनाणसागारोवउत्ताणं तिन्नि अन्नाणाइं नियमा ॥ अणागारोवउत्ता णं भंते! जीवा किं नाणी अन्नाणी? पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए। एवं चक्खुदंसणअचक्खुदंसणअणागारोवउत्तावि, नवरं चत्तारि णाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, ओहिदंसणअणागारोवउत्ताणं पुच्छा, गोयमा! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थेगइया तिन्नाणी अत्थेगइया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी, जे चउणाणी ते आभिणिबोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा तिअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी, केवलदंसणअणागारोवउत्ता जहा केवलनाणलद्धिया ॥ सजोगी णं भंते! जीवा किं नाणी०? जहा सकाइया, एवं मणजोगी वइजोगी कायजोगीवि, अजोगी जहा सिद्धा ॥ सलेस्सा णं भंते! जीवा किं णाणी०? जहा सकाइया, कण्हलेस्सा णं भंते! जहा सकाइया सइंदिया, एवं जाव पम्हलेसा, सुक्कलेस्सा जहा सलेस्सा, अलेस्सा जहा सिद्धा ॥ सकसाई णं भंते! जहा सइंदिया, एवं जाव लोहकसाई, अकसाई णं भंते!०? पंच नाणाइं भयणाए ॥ सवेयगा णं भंते! जहा सइंदिया, एवं इत्थिवेयगावि, एवं पुरिसवेयगावि, एवं नपुंसगवे०, अवेयगा जहा अकसाई ॥ आहारगा णं भंते! जीवा०? जहा सकसाई नवरं केवलनाणंपि, अणाहारगा णं भंते! जीवा किं नाणी अन्नाणी? मणपज्जवनाणवज्जाइं नाणाइं अन्नाणाणि य तिन्नि भयणाए ॥ ३२० ॥ आभिणिबोहियनाणस्स णं भंते! केवइए विसए पन्नत्ते? गोयमा! से समासओ चउव्विहे प०, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ

अन्नाणी, पंच नाणाइं भयणाए जहा अन्नाणस्स लद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं मइअन्नाणस्स सुयअन्नाणस्स य लद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा । विभंगनाणलद्धियाणं तिन्नि अन्नाणाइं नियमा, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए दो अन्नाणाइं नियमा ॥ दंसणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! तस्स अलद्धिया नत्थि । सम्मद्दंसणलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, मिच्छादंसणलद्धिया णं भंते ! पुच्छा, णो नाणी अण्णाणी, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, सम्मामिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया य जहा मिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया तहेव भाणियव्वा ॥ चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अण्णाणी पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवणाणवज्जाइं चत्तारि नाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, सामाइयचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी० केवलवज्जाइं चत्तारि नाणाइं भयणाए,तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए,एवं जहा सामाइयचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं जाव अहक्खायचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा, नवरं अहक्खायचरित्तलद्धियाणं पंच नाणाइं भ०, चरित्ताचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया दुण्णाणी अत्थेगइया तिन्नाणी, जे दुन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी य सुयनाणी य, जे तिन्नाणी ते आभि० सुयनाणी ओहिनाणी, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ४ ॥ दाणलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अ० पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, नियमा एगनाणी केवलनाणी । एवं जाव वीरियलद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा ॥ बालवीरियलद्धियाणं तिन्नि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए । पंडियवीरियलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवनाणवज्जाइं णाणाइं अन्नाणाणि तिन्नि य भयणाए । बालपंडियवीरियलद्धिया णं भंते ! जीवा० तिन्नि नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ॥ इंदियलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! चत्तारि णाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी नियमा एगनाणी केवलनाणी, सोइंदियलद्धियाणं जहा इंदियलद्धिया, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थे-

सुयनाणपज्जवा प० ? एवं चेव एवं जाव केवलनाणस्स। एवं मइअन्नाणस्स सुय-अन्नाणस्स, केवइया णं भंते! विभंगनाणपज्जवा प० ? गोयमा! अणंता विभंग-नाणपज्जवा प०, एएसि णं भंते! आभिणिबोहियनाणपज्जवाणं सुयनाण० ओहि-नाण० मणपज्जवनाण० केवलनाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा मणपज्जवनाणपज्जवा ओहिनाणपज्जवा अणंतगुणा सुयनाणप-ज्जवा अणंतगुणा आभिणिबोहियनाणपज्जवा अणंतगुणा केवलणाणपज्जवा अणंत-गुणा॥ एएसि णं भंते! मइअन्नाणपज्जवाणं सुयअन्नाण० विभंगनाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा विभंगनाणपज्जवा सुयअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा मइअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा॥ एएसि णं भंते! आभिणिबोहि-यणाणपज्जवाणं जाव केवलनाणप० मइअन्नाणप० सुयअन्नाणप० विभंगनाणप० कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा मणपज्जवनाणपज्जवा विभंग-नाणपज्जवा अणंतगुणा ओहिणाणपज्जवा अणंतगुणा सुयअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा सुयनाणपज्जवा विसेसाहिया मइअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा आभिणिबोहियनाणपज्जवा विसेसाहिया केवलणाणपज्जवा अणंतगुणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ३२२॥

अट्ठमस्स सयस्स बिइओ उद्देसो समत्तो॥

कइविहा णं भंते! रुक्खा पन्नत्ता? गोयमा! तिविहा रुक्खा प०, तंजहा-संखेज्जजीविया असंखेज्जजीविया अणंतजीविया। से किं तं संखेज्जजीविया? संखेज्ज० अणेगविहा प०, तंजहा-ताले तमाले तक्कलि तेतलि जहा पन्नवणाए जाव नालि-एरी, जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं संखेज्जजीविया। से किं तं असंखेज्जजीविया? असंखेज्जजीविया दुविहा प०, तंजहा-एगट्ठिया य बहुबीयगा य। से किं तं एग-ट्ठिया? २ अणेगविहा प०, तंजहा-निंबंबजंबू० एवं जहा पन्नवणापए जाव फला बहुबीयगा, सेत्तं बहुबीयगा, सेत्तं असंखेज्जजीविया। से किं तं अणंतजीविया? अणंतजीविया अणेगविहा प०, तंजहा-आलुए मूलए सिंगबेरे, एवं जहा सत्तमसए जाव सीउण्हे सिउंढी मुसुंढी, जे यावन्ने त०, सेत्तं अणंतजीविया॥ ३२३॥ अह भंते! कुम्मे कुम्मावलिया गोहे गोहावलिया गोणे गोणावलिया मणुस्से मणुस्सा-वलिया महिसे महिसावलिया एएसि णं दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिन्नाणं जे अंतरा तेवि णं तेहिं जीवपएसेहिं फुडा? हंता! फुडा। पुरिसे णं भंते! (जं अंतरं) ते अंतरे हत्थेण वा पाएण वा अंगुलियाए वा सलागाए वा कट्ठेण वा कलिंचेण वा आमुसमाणे वा संमुसमाणे वा आलिहमाणे वा विलिहमाणे वा अन्नयरेण वा तिक्खेणं सत्थजाएणं आच्छिंदमाणे वा विच्छिंदमाणे वा अगणिक्काएणं वा समोड-

हमाणे तेसिं जीवपएसाणं किंचि आबाहं वा विबाहं वा उप्पायइ छविच्छेदं वा करेइ? णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं संकमइ ॥ ३२४ ॥ कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ पुढवीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव अहे सत्तमा पुढवी ईसिपब्भारा। इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी किं चरिमा अचरिमा? चरिमपयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव वेमाणिया णं भंते! फासचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा? गोयमा! चरिमावि अचरिमावि। सेवं भंते! २ त्ति भगवं गो० ॥ ३२५ ॥ **अट्ठमसए तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते! किरियाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! पंच किरियाओ पन्नत्ताओ, तंजहा–काइया अहिगरणिया, एवं किरियापयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव मायावत्तियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे० ॥ ३२६ ॥ **अट्ठमसए चउत्थो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–आजीविया णं भंते! थेरे भगवंते एवं वयासी–समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा से णं भंते! तं भंडं अणुगवेसमाणे किं सयं भंडं अणुगवेसइ परायगं भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसइ, तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं से भंडे अभंडे भवइ? हंता! भवइ ॥ से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ–णो मे हिरन्ने णो मे सुवन्ने नो मे कंसे नो मे दूसे नो मे विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणमाइए संतसारसावएज्जे, ममत्तभावे पुण से अपरिण्णाए भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसइ ॥ समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ जायं चरेज्जा से णं भंते! किं जायं चरइ अजायं चरइ? गोयमा! जायं चरइ नो अजायं चरइ, तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं सा जाया अजाया भवइ? हंता! भवइ, से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–जायं चरइ नो अजायं चरइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ–णो मे माया णो मे पिया णो मे भाया णो मे भगिणी णो मे भज्जा णो मे पुत्ता णो मे धूया नो मे सुण्हा, पेज्जबंधणे पुण से अवोच्छिन्ने भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव नो अजायं चरइ ॥ ३२७ ॥ समणोवासगस्स णं भंते! पुव्वामेव थूलए पाणाइवाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते! पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेइ? गोयमा! तीयं पडिक्-

मइ पडुप्पन्नं संवरेइ अणागयं पच्चक्खाइ ॥ तीयं पडिक्कममाणे किं तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ १ तिविहं दुविहेणं पडिक्कमइ २ तिविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ३ दुविहं तिविहेणं पडिक्कमइ ४ दुविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ५ दुविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ६ एक्कविहं तिविहेणं पडिक्कमइ ७ एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ८ एक्कविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ९? गोयमा! तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ तिविहं दुविहेण वा पडिक्कमइ तं चेव जाव एक्कविहं वा एक्कविहेणं पडिक्कमइ, तिविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १, तिविहं दुविहेणं पडि० न क० न का० करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा २, अहवा न करेइ न का० करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा ३, अहवा न करेइ ३ वयसा कायसा ४, तिविहं एगविहेणं पडि० न करेइ ३ मणसा ५, अहवा न करेइ ३ वयसा ६, अहवा न करेइ ३ कायसा ७, दुविहं ति० प० न करेइ न का० मणसा वयसा कायसा ८, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा ९, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १०, दु० दु० प० न क० न का० म० व० ११, अहवा न क० न का० म० कायसा १२, अहवा न क० न का० वयसा कायसा १३, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा १४, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा १५, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा कायसा १६, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा १७, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा १८, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा कायसा १९, दुविहं एक्कविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेइ मणसा २०, अहवा न करेइ न कारवेइ वयसा २१, अहवा न करेइ न कारवेइ कायसा २२, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा २३, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा २४, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ कायसा २५, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा २६, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा २७, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ कायसा २८, एगविहं तिविहेणं पडि० न करेइ मणसा वयसा कायसा २९, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा कायसा ३०, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा ३।३१, एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ मणसा वयसा ३२, अहवा न करेइ मणसा कायसा ३३, अहवा न करेइ वयसा कायसा ३४, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा ३५, अहवा न कारवेइ मणसा कायसा ३६, अहवा न कारवेइ वयसा कायसा ३७, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा ३८, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा ३९, अहवा करेंतं नाणुजाणइ

हमाणे तेसिं जीवपएसाणं किंचि आवाहं वा विवाहं वा उप्पायइ छविच्छेदं वा करेइ? णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं संकमइ ॥ ३२४ ॥ कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ पुढवीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-रयणप्पभा जाव अहे सत्तमा पुढविईसिपब्भारा। इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी किं चरिमा अचरिमा? चरिमपयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव वेमाणिया णं भंते! फासचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा? गोयमा! चरिमावि अचरिमावि। सेवं भंते! २ त्ति भगवं गो० ॥ ३२५ ॥ **अट्ठमसए तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते! किरियाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! पंच किरियाओ पन्नत्ताओ, तंजहा-काइया अहिगरणिया, एवं किरियापयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव मायावत्तियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे० ॥ ३२६ ॥ **अट्ठमसए चउत्थो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-आजीविया णं भंते! थेरे भगवंते एवं वयासी-समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा से णं भंते! तं भंडं अणुगवेसमाणे किं सयं भंडं अणुगवेसइ परायगं भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसेइ, तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं से भंडे अभंडे भवइ? हंता! भवइ ॥ से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ-णो मे हिरन्ने नो मे सुवन्ने नो मे कंसे नो मे दूसे नो मे विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणमाइए संतसारसावएज्जे, ममत्तभावे पुण से अपरिण्णाए भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसइ ॥ समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ जायं चरेज्जा से णं भंते! किं जायं चरइ अजायं चरइ? गोयमा! जायं चरइ नो अजायं चरइ, तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं सा जाया अजाया भवइ? हंता! भवइ, से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-जायं चरइ नो अजायं चरइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ-णो मे माया णो मे पिया णो मे भाया णो मे भगिणी णो मे भज्जा णो मे पुत्ता णो मे धूया नो मे सुण्हा, पेज्जबंधणे पुण से अवोच्छिन्ने भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव नो अजायं चरइ ॥ ३२७ ॥ समणोवासगस्स णं भंते! पुव्वामेव थूलए पाणाइवाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते! पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेइ? गोयमा! तीयं पडिक-

मइ पडुप्पन्नं संवरेइ अणागयं पच्चक्खाइ ॥ तीयं पडिक्कममाणे किं तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ १ तिविहं दुविहेणं पडिक्कमइ २ तिविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ३ दुविहं तिविहेणं पडिक्कमइ ४ दुविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ५ दुविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ६ एक्कविहं तिविहेणं पडिक्कमइ ७ एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ८ एक्कविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ९? गोयमा! तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ तिविहं दुविहेण वा पडिक्कमइ तं चेव जाव एक्कविहं वा एक्कविहेणं पडिक्कमइ, तिविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १, तिविहं दुविहेणं पडि० न क० न का० करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा २, अहवा न करेइ न का० करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा ३, अहवा न करेइ ३ वयसा कायसा ४, तिविहं एगविहेणं पडि० न करेइ ३ मणसा ५, अहवा न करेइ ३ वयसा ६, अहवा न करेइ ३ कायसा ७, दुविहं ति० प० न करेइ न का० मणसा वयसा कायसा ८, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा ९, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १०, दु० दु० प० न क० न का० म० व० ११, अहवा न क० न का० म० कायसा १२, अहवा न क० न का० वयसा कायसा १३, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा १४, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा १५, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा कायसा १६, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा १७, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा १८, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा कायसा १९, दुविहं एक्कविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेइ मणसा २०, अहवा न करेइ न कारवेइ वयसा २१, अहवा न करेइ न कारवेइ कायसा २२, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा २३, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा २४, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ कायसा २५, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा २६, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा २७, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ कायसा २८, एगविहं तिविहेणं पडि० न करेइ मणसा वयसा कायसा २९, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा कायसा ३०, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा ३।३१, एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ मणसा वयसा ३२, अहवा न करेइ मणसा कायसा ३३, अहवा न करेइ वयसा कायसा ३४, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा ३५, अहवा न कारवेइ मणसा कायसा ३६, अहवा न कारवेइ वयसा कायसा ३७, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा ३८, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा ३९, अहवा करेंतं नाणुजाणइ

वयसा कायसा ४०, एक्कविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ मणसा ४१, अहवा न करेइ वयसा ४२, अहवा न करेइ कायसा ४३, अहवा न कारवेइ मणसा ४४, अहवा न कारवेइ वयसा ४५, अहवा न कारवेइ कायसा ४६, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा ४७, अहवा करेंतं नाणुजाणइ वयसा ४८, अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा ४९। पडुप्पन्नं संवरेमाणे किं तिविहं तिविहेणं संवरेइ? एवं जहा पडिक्कममाणेणं एगूणपन्नं भंगा भणिया एवं संवरमाणेणवि एगूणपन्नं भंगा भाणियव्वा। अणागयं पच्चक्खमाणे किं तिविहं तिविहेणं पच्चक्खाइ? एवं ते चेव भंगा एगूणपण्णं भाणियव्वा जाव अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा॥ समणोवासगस्स णं भंते! पुव्वामेव थूलए मुसावाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते! पच्छा पच्चाइक्खमाणे एवं जहा पाणाइवायस्स सीयालं भंगसयं भणियं तहा मुसावायस्सवि भाणियव्वं। एवं अदिन्नादाणस्सवि, एवं थूलगस्स मेहुणस्सवि थूलगस्स परिग्गहस्सवि जाव अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा॥ एए खलु एरिसगा समणोवासगा भवंति, नो खलु एरिसगा आजीवियोवासगा भवंति॥ ३२८॥ आजीवियसमयस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते अक्खीणपडिभोइणो सव्वे सत्ता से हंता छेत्ता भेत्ता लुंपित्ता विलुंपित्ता उद्दवइत्ता आहारमाहारेंति, तत्थ खलु इमे दुवालस आजीवियोवासगा भवंति, तंजहा–ताले, १ तालपलंबे, २ उव्विहे, ३ संविहे, ४ अवविहे, ५ उदए, ६ नामुदए, ७ णमुदए, ८ अणुवालए, ९ संखवालए, १० अयंपुले, ११ कायरिए, १२, इच्चेए दुवालस आजीवियोवासगा अरिहंतदेवयागा अम्मापिउसुस्सूसगा पंचफलपडिक्कंता तंजहा उंबरेहिं, वडेहिं, बोरेहिं, सतरेहिं, पिलंखूहिं, पलंडुल्हस(सु)णकंदमूलविवज्जगा अणिल्लंछिएहिं अणक्कभिन्नेहिं गोणेहिं तसपाणविवज्जिएहिं च्छि(वि)त्तेहिं वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएवि ताव एवं इच्छंति, किमंग पुण जे इमे समणोवासगा भवंति जेसिं नो कप्पंति इमाइं पन्नरस कम्मादाणाइं सयं करेत्तए वा कारवेत्तए वा करेंतं वा अन्नं समणुजाणेत्तए तंजहा–इंगालकम्मे, वणकम्मे, साडीकम्मे, भाडीकम्मे, फोडीकम्मे, दंतवाणिज्जे, लक्खवाणिज्जे, केसवाणिज्जे, रसवाणिज्जे, विसवाणिज्जे, जंतपीलणकम्मे, निल्लंछणकम्मे, दवग्गिदावणया, सरदहतलायपरिसोसणया, असईपोसणया, इच्चेए समणोवासगा सुक्का सुक्काभिजाइया भविया भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति॥ ३२९॥ कइविहा णं भंते! [देवा] देवलोगा पण्णत्ता? गोयमा! चउव्विहा देवलोगा प०, तंजहा–भवणवासिवाणमंतरजोइसवेमाणिया, सेवं भंते! २ त्ति॥ ३३०॥ **अट्ठमसयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो॥**

समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ? गोयमा! एगंतसो निज्जरा कज्जइ नत्थि य से पावे कम्मे कज्जइ। समणोवासगस्स णं भंते! तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाण जाव पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ? गोयमा! वहुतरिया से निज्जरा कज्जइ अप्पतराए से पावे कम्मे कज्जइ। समणोवासगस्स णं भंते! तहारूवं असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मं फासुएण वा अफासुएण वा एसणिज्जेण वा अणेसणिज्जेण वा असणपाण जाव किं कज्जइ? गोयमा! एगंतसो से पावे कम्मे कज्जइ नत्थि से काइ निज्जरा कज्जइ, [मोक्खत्थं जं दाणं, तं पइ एसो विही समक्खाओ। अणुकंपादाणं पुण, जिणेहिं न कयाइ पडिसिद्धं]॥३३१॥ निग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ दोहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा–एगं आउसो! अप्पणा भुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि,से य तं पिण्डं पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसियव्वा सिया जत्थेव अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्ज तत्थेव अणुप्पदायव्वे सिया नो चेव णं अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तं नो अप्पणा भुंजेज्जा नो अन्नेसिं दावए एगंते अणावाए अचित्ते वहुफासुए थंडिल्ले पडिलेहेत्ता पमज्जित्ता परिट्ठावेयव्वे सिया। निग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ तिहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा–एगं आउसो! अप्पणा भुंजाहि दो थेराणं दलयाहि, से य तं पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसेयव्वा सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा नवरं एगं आउसो! अप्पणा भुंजाहि नव थेराणं दलयाहि सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया। निग्गंथं च णं गाहावइकुलं जाव केइ दोहिं पडिग्गहेहिं उवनिमंतेज्जा एगं आउसो! अप्पणा पडिभुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि, से य तं पडिग्गाहेज्जा, तहेव जाव तं नो अप्पणा पडिभुंजेज्जा नो अन्नेसिं दावए सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पडिग्गहेहिं, एवं जहा पडिग्गहवत्तव्वया भणिया एवं गोच्छगरयहरणचोलपट्टगकंवललट्ठिसंथारगवत्तव्वया य भाणियव्वा जाव दसहिं संथारएहिं उवनिमंतेज्जा जाव परिट्ठावेयव्वे सिया॥ ३३२॥ निग्गंथेण य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए, तस्स णं एवं भवइ–इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि विउट्टामि विसोहेमि अकरणयाए अब्भुट्ठेमि अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जामि, तओ पच्छा थेराणं अंतियं आलोएस्सामि जाव तवोकम्मं पडिवज्जिस्सामि, से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य पुव्वामेव अमुहा सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विरा-

हए १। से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव अमुहे सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए २, से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य कालं करेज्जा से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए ३, से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव कालं करेज्जा से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए ४, से य संपट्ठिए संपत्ते थेरा य अमुहा सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए, से य संपट्ठिए संपत्ते अप्पणा य० एवं संपत्तेणवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा जहेव असंपत्तेणं। निग्गंथेण य बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खंतेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं एवं भवइ–इहेव ताव अहं० एवं एत्थवि एए चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए। निग्गंथेण य गामाणुगामं दूइज्जमाणेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं एवं भवइ इहेव ताव अहं० एत्थवि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए॥ निग्गंथीए य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठाए अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तीसे णं एवं भवइ इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि जाव तवोकम्मं पडिवज्जामि तओ पच्छा पवत्तिणीए अंतियं आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, सा य संपट्ठिया असंपत्ता पवत्तिणी य अमुहा सिया सा णं भंते! किं आराहिया विराहिया? गोयमा! आराहिया नो विराहिया, सा य संपट्ठिया जहा निग्गंथस्स तिन्निगमा भणिया एवं निग्गंथीएवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा जाव आराहिया नो विराहिया॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–आराहए नो विराहए? गोयमा! से जहा नामए–केइ पुरिसे एगं महं उन्नालोमं वा गयलोमं वा सणलोमं वा कप्पासलोमं वा तणसूयं वा दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिंदित्ता अगणिकायंसि पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा! छिज्जमाणे छिन्ने पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते दज्झमाणे दड्ढेत्ति वत्तव्वं सिया? हंता भगवं! छिज्जमाणे छिन्ने जाव दड्ढेत्ति वत्तव्वं सिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थं अहयं वा धोयं वा तंतुग्गयं वा मंजिट्ठादोणीए पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते रज्जमाणे रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया? हंता भगवं! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते जाव रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–आराहए नो विराहए॥ ३३३॥ पईवस्स णं भंते! झियायमाणस्स किं पईवे झियाइ लट्ठी झियाइ वत्ती झियाइ तेल्ले झियाइ पईवचंपए झियाइ जोई झियाइ? गोयमा! नो पईवे झियाइ जाव नो पईवचंपए झियाइ, जोई झियाइ॥ अगारस्स णं भंते! झियाय-

माणस्स किं अगारे झियाइ कुड्डा झियाइ कडणा झि० धारणा झि० वलहरणे झि० वंसा० मल्ला झि० वग्गा झियाइ छित्तरा झियाइ छाणे झियाइ जोई झियाइ? गोयमा! नो अगारे झियाइ नो कुड्डा झियाइ जाव नो छाणे झियाइ, जोई झियाइ ॥ ३३४ ॥ जीवे णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए सिय अकिरिए ॥ नेरइए णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए। असुरकुमारे णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिए? एवं चेव, एवं जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे। जीवे णं भंते! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए जाव सिय अकिरिए। नेरइए णं भंते! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए? एवं एसो जहा पढमो दंडओ तहा इमोवि अपरिसेसो भाणियव्वो जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे। जीवा णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिया? गोयमा! सिय तिकिरिया जाव सिय अकिरिया, नेरइया णं भंते! ओरालियसरीराओ कइकिरिया? एवं एसोवि जहा पढमो दंडओ तहा भाणियव्वो, जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्सा जहा जीवा। जीवा णं भंते! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि अकिरियावि, नेरइया णं भंते! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि एवं जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्सा जहा जीवा ॥ जीवे णं भंते! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय अकिरिए, नेरइए णं भंते! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए एवं जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे, एवं जहा ओरालियसरीरेणं चत्तारि दंडगा तहा वेउव्वियसरीरेणवि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, नवरं पंचमकिरिया न भन्नइ, सेसं तं चेव, एवं जहा वेउव्वियं तहा आहारगंपि तेयगंपि कम्मगंपि भाणियव्वं, एक्केक्के चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जाव वेमाणिया णं भंते! कम्मगसरीरेहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरियावि चउकिरियावि। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ३३५ ॥ **अट्ठमसयस्स छट्ठो उद्देसओ समत्तो ॥**

तेणं कालेणं २ रायगिहे नगरे वन्नओ, गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ, जाव पुढविसिलापट्टए, तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते वहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स वहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना कुलसंपन्ना जहा विइयसए जाव जीवियासामरणभयविप्पमुक्का

समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरा झाणकोट्ठोवगया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, तए णं ते अन्नउत्थिया जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ते थेरे भगवंते एवं वयासी-तुब्भे णं अज्जो! तिविहं तिविहेणं असंजयअविरयअप्पडिहय जहा सत्तमसए बिइए उद्देसए जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-केण कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवामो?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी-तुब्भे णं अज्जो! अदिन्नं गेण्हह अदिन्नं भुंजह अदिन्नं साइज्जह, तए णं ते तुब्भे अदिन्नं गेण्हमाणा अदिन्नं भुंजमाणा अदिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-केण कारणेणं अज्जो! अम्हे अदिन्नं गेण्हामो अदिन्नं भुंजामो अदिन्नं साइज्जामो, जएणं अम्हे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव अदिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी-तुम्हे णं अज्जो! दिज्जमाणे अदिन्ने पडिग्गाहेज्जमाणे अपडिग्गहिए निस्सिरिज्जमाणे अणिसिट्ठे, तुब्भे णं अज्जो! दिज्जमाणं पडिग्गहगं असंपत्तं एत्थ णं अंतरा केइ अवहरिज्जा, गाहावइस्स णं तं भंते! नो खलु तं तुब्भं. तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हह जाव अदिन्नं साइज्जह, तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-नो खलु अज्जो! अम्हे अदिन्नं गिण्हामो अदिन्नं भुंजामो अदिन्नं साइज्जामो अम्हे णं अज्जो! दिन्नं गेण्हामो दिन्नं भुंजामो दिन्नं साइज्जामो, तएणं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा दिन्नं भुंजमाणा दिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजयविरयपडिहय जहा सत्तमसए जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तएणं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी-केण कारणेणं अज्जो! तुम्हे दिन्नं गेण्हह जाव दिन्नं साइज्जह, जएणं तुज्झे दिन्नं गेण्हमाणा जाव एगंतपंडिया यावि भवह?, तएणं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-अम्हे णं अज्जो! दिज्जमाणे दिन्ने पडिग्गाहेज्जमाणे पडिग्गहिए निसिरिज्जमाणे निसिट्ठे। अम्हे णं अज्जो! दिज्जमाणं पडिग्गहगं असंपत्तं एत्थ णं अंतरा केइ अवहरेज्जा अम्हाणं तं णो खलु तं गाहावइस्स, जएणं अम्हे दिन्नं गेण्हामो दिन्नं भुंजामो दिन्नं साइज्जामो तएणं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा जाव दिन्नं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुज्झे णं अज्जो! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे

भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! अदिन्नं गेण्हह ३, तए णं तु अज्जो ! तुब्भे अदिन्नं गे० जाव एगंत०, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे अदिन्नं गेण्हामो जाव एगंतबा० ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! दिज्जमाणे अदिन्ने तं चेव जाव गाहावइस्स णं णो खलु तं तुज्झे, तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हह, तं चेव जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भ० एवं व०–तुज्झे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबा० भवह, तए णं ते थेरा भ० ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह अभिहणह वत्तेह लेसेह संघाएह संघट्टेह परियावेह किलामेह उवद्दवेह तएणं तुज्झे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो ! अम्हे रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो अम्हे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा कायं वा जोगं वा रीयं वा पडुच्च देसं देसेणं वयामो पएसं पएसेणं वयामो तेणं अम्हे देसं देसेणं वयमाणा पएसं पएसेणं वयमाणा नो पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो, तएणं अम्हे पुढविं अपेच्चेमाणा अणभिहणेमाणा जाव अणुवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुज्झे णं अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंत बाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह जाव उवद्दवेह, तए णं तुज्झे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं नगरं संपाविउकामे असंपत्ते, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो ! अम्हे गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं नगरं जाव असंपत्ते, अम्हे णं अज्जो ! गममाणे गए वीइक्कमिज्जमाणे वीइक्कंते रायगिहं नगरं संपाविउकामे संपत्ते, तुज्झे णं अप्पणा चेव गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं नगरं जाव असंपत्ते, तए

णं ते थेरा भगवंतो अन्नउत्थिए एवं पडिहणेन्ति पडिहणित्ता गइप्पवायनामं अज्झयणं पन्नवइंसु ॥ ३३६ ॥ कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे गइप्पवाए पण्णत्ते, तंजहा–पओगगई, ततगई, बंधणछेयणगई, उववायगई, विहायगई, एत्तो आरब्भ पओगपयं निरवसेसं भाणियव्वं, जाव सेत्तं विहायगई । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३३७ ॥ **अट्ठमसयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे नयरे जाव एवं वयासी–गुरुणं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए ॥ गइं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–इहलोगपडिणीए, परलोगपडिणीए, दुहओलोगपडिणीए ॥ समूहण्णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए ॥ अणुकंपं भंते ! पडुच्च० पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए ॥ सुयण्णं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए । भावं णं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा–नाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए ॥ ३३८ ॥ कइविहे णं भंते ! ववहारे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे ववहारे पन्नत्ते, तंजहा–आगमे, सुए, आणा, धारणा, जीए, जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ आगमे सिया जहा से तत्थ सुए सिया सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ सुए सिया जहा से तत्थ आणा सिया आणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ आणा सिया जहा से तत्थ धारणा सिया धारणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ धारणा सिया जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा, तंजहा–आगमेणं, सुएणं, आणाए, धारणाए, जीएणं, जहा २ से आगमे सुए आणा धारणा जीए तहा २ ववहारं पट्ठवेज्जा ॥ से किमाहु भंते ! आगमबलिया समणा निग्गंथा इच्चेयं पंचविहं ववहारं जहा २ जहिं २ तहा २ तहिं २ अणिस्सिओवसियं सम्मं ववहरमाणे समणे निग्गंथे आणाए आराहए भवइ ॥ ३३९ ॥ कइविहे णं भंते ! बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे बंधे पन्नत्ते, तंजहा–इरियावहियबंधे य संपराइयबंधे य । इरियावहियण्णं भंते ! कम्मं किं नेरइओ बंधइ तिरिक्खजोणिओ बंधइ तिरिक्खजोणिणी बंधइ मणुस्सो बंधइ मणुस्सी बंधइ देवो बंधइ देवी बंधइ ? गोयमा ! नो नेरइओ बंधइ नो तिरिक्खजोणिओ बंधइ नो तिरिक्खजोणिणी बंधइ नो देवो बंधइ नो देवी बंधइ,

पुव्वपडिवन्नए पडुच्च मणुस्सा य मणुस्सीओ य वंधंति, पडिवज्जमाणए पडुच्च मणुस्सो वा वंधइ १ मणुस्सी वा वंधइ २ मणुस्सा वा वंधंति ३ मणुस्सीओ वा वंधंति ४ अहवा मणुस्सो य मणुस्सी य वंधइ ५ अहवा मणुस्सो य मणुस्सीओ य वंधन्ति ६ अहवा मणुस्सा य मणुस्सी य वंधइ ७ अहवा मणुस्सा य मणुस्सीओ य वंधंति ॥ तं भंते ! किं इत्थी वंधइ पुरिसो वंधइ नपुंसगो वंधइ, इत्थीओ वंधन्ति पुरिसा वंधंति नपुंसगा वंधन्ति, नोइत्थीनोपुरिसोनोनपुंसओ वंधइ ? गोयमा ! नो इत्थी वंधइ नो पुरिसो वंधइ जाव नो नपुंसगा वंधन्ति, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च अवगयवेया वंधंति, पडिवज्जमाणए य पडुच्च अवगयवेओ वा वंधइ अवगयवेया वा वंधंति ॥ जइ भंते ! अवगयवेओ वा वंधइ अवगयवेया वा वंधंति तं भंते ! किं इत्थीपच्छाकडो वंधइ १ पुरिसपच्छाकडो वंधइ २ नपुंसगपच्छाकडो वंधइ ३ इत्थीपच्छाकडा वंधंति ४ पुरिसपच्छाकडा वंधंति ५ नपुंसगपच्छाकडा वंधंति ६ उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य वंधइ, उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडा य वंधंति, उदाहु इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडो य वंधइ, उदाहु इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य वंधंति, उदाहु इत्थीपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य वंधइ ४ उदाहु पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य वंधइ ४ उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य(वंधइ)भाणियव्वं ८, एवं एए छव्वीसं भंगा २६ जाव उदाहु इत्थीपच्छाकडा य पुरिसप० नपुंसगप० वंधंति ? गोयमा ! इत्थिपच्छाकडोवि वंधइ १ पुरिसपच्छाकडोवि वंधइ २ नपुंसगपच्छाकडोवि वंधइ ३ इत्थीपच्छाकडावि वंधंति ४ पुरिसपच्छाकडावि वंधति ५ नपुंसगपच्छाकडावि वंधंति ६ अहवा इत्थीपच्छाकडो पुरिसपच्छाकडो य वंधइ ७ एवं एए चेव छव्वीसं भंगा भाणियव्वा, जाव अहवा इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य नपुंसगपच्छाकडा य वंधंति ॥ तं भंते ! किं वंधी वंधइ वंधिस्सइ १ वंधी वंधइ न वंधिस्सइ २ वंधी न वंधइ वंधिस्सइ ३ वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ ४ न वंधी वंधइ वंधिस्सइ ५ न वंधी वंधइ न वंधिस्सइ ६ न वंधी न वंधइ वंधिस्सइ ७ न वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ ८ ? गोयमा ! भवागरिसं पडुच्च अत्थेगइए वंधी वंधइ वंधिस्सइ अत्थेगइए वंधी वंधइ न वंधिस्सइ, एवं तं चेव सव्वं जाव अत्थेगइए न वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ, गहणागरिसं पडुच्च अत्थेगइए वंधी वंधइ वंधिस्सइ एवं जाव अत्थेगइए न वंधी वंधइ वंधिस्सइ, णो चेव णं न वंधी वंधइ न वंधिस्सइ, अत्थेगइए न वंधी न वंधइ वंधिस्सइ अत्थेगइए न वंधी न वंधइ न वंधिस्सइ ॥ तं भंते ! किं साइयं सपज्जवसियं वंधइ साइयं अपज्जवसियं

वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ अच्छं पत्थं जच्चं तणुयं फालियवन्नाभं उरालं उदगरयणं आसादेंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा पाणियं पिबंति २ त्ता वाहणाइं पज्जेंति वा० २ त्ता भायणाइं भरेंति भा० २ त्ता दोच्चंपि अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हेहिं इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे अस्सादिए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स दोच्चंपि वप्पिं भिंदित्तए, अवि याइं एत्थ ओरालं सुवन्नरयणं अस्सादेस्सामो, तए णं ते वणिया अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता तस्स वम्मीयस्स दोच्चंपि वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ अच्छं जच्चं तावणिज्जं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं सुवन्नरयणं अस्सादेंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा भायणाइं भरेंति २ त्ता पवहणाइं भरेंति २ त्ता तच्चंपि अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिन्नाए ओराले उदगरयणे अस्सादिए, दोच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले सुवन्नरयणे अस्सादिए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स तच्चंपि व(प्पं)प्पिं भिंदित्तए, अवि याइं एत्थं ओरालं मणिरयणं अस्सादेस्सामो, तए णं ते वणिया अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं

चंडविसं घोरविसं महाविसं अइकायमहाकायं मसिमूसाकालगं नयणविसरोसपुन्नं अंजणपुंजनिगरप्पगासं रत्तच्छं जमलजुयलचंचलचलंतजीहं धरणितलवेणिभूयं उक्कडफुडकुडिलजडुलकक्खडविकडफडाडोवकरणदच्छं लोहागरधम्ममाणधमधमें-तघोसं अणागलियचंडतिव्वरोसं समुहिं तुरियं चवलं धमंतं दिट्ठिविसं सप्पं संघट्टेंति, तए णं से दिट्ठिविसे सप्पे तेहिं वणिएहिं संघट्टिए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसे-माणे सणियं २ उट्ठेइ २ त्ता सरसरसरस्स वम्मीयस्स सिहरतलं दुरूहइ सिं० २ त्ता आइच्चं णिज्झाइ आ० २ त्ता ते वणिए अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएइ, तए णं ते वणिया तेणं दिट्ठिविसेणं सप्पेणं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोइया समाणा खिप्पामेव सभंडमत्तोवगरणमायाए एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासी कया यावि होत्था, तत्थ णं जे से वणिए तेसिं वणियाणं हिय-कामए जाव हियसुहनिस्सेसकामए से णं अणुकं(प)पियाए देवयाए सभंडमत्तोवगर-णमायाए नियगं नयरं साहिए, एवामेव आणंदा! तववि धम्मायरिएणं धम्मोवए-सएणं समणेणं नायपुत्तेणं ओराले परियाए अस्सादिए, ओराला कित्तिवन्नसद्दसिलोगा सदेवमणुयासुरे लोए पुव्वंति गुवंति थुवंति इति खलु समणे भगवं महावीरे इति० २, तं जइ मे से अज्ज किंचिवि वदइ, तो णं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेमि जहा वा वालेणं ते वणिया, तुमं च णं आणंदा! सारक्खामि संगोवयामि जहा वा से वणिए तेसिं वणियाणं हियकामए जाव निस्सेस-कामए अणुकंपियाए देवयाए सभंडमत्तोव० जाव साहिए, तं गच्छह णं तुमं आणंदा! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स नायपुत्तस्स एयमट्ठं परिकहेहि। तए णं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे भीए जाव संजायभए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सिग्घं तुरियं सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं भंते! छट्ठक्खमणपारणगंसि तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे सावत्थीए नयरीए उच्चनीय जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए जाव वीईवयामि, तए णं गोसाले मंखलिपुत्ते ममं हालाहलाए जाव पासित्ता एवं वयासी-एहि ताव आणंदा! इओ एगं महं उवमियं निसामेहि, तए णं अहं गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छामि, तए णं से गोसाले

मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी-एवं खलु आणंदा ! इओ चिराईयाए अद्धाए केइ उच्चावया वणिया एवं तं चेव सव्वं निरवसेसं भाणियव्वं जाव नियगं नयरं साहिए तं गच्छह णं तुमं आणंदा ! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स जाव परिकहेहि ॥ ५४६ ॥ तं पभू णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेत्तए, विसए णं भंते ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स जाव करेत्तए; समत्थे णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं जाव करेत्तए ? पभू णं आणंदा ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं जाव करेत्तए, विसए णं आणंदा ! गोसाले जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा ! गोसाले जाव करेत्तए, नो चेव णं अरिहंते भगवंते, परियावणियं पुण करेज्जा, जावइएणं आणंदा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए अणगाराणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण अणगारा भगवंतो, जावइएणं आणंदा ! अणगाराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए थेराणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण थेरा भगवंतो, जावइएणं आणंदा ! थेराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए अरिहंताणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण अरहंता भगवंतो, तं पभू णं आणंदा ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं जाव करेत्तए, विसए णं आणंदा ! जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा ! जाव करेत्तए, नो चेव णं अरिहंते भगवंते, पारियावणियं पुण करेज्जा ॥ ५४७ ॥ तं गच्छ णं तुमं आणंदा ! गोयमाईणं समणाणं निग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेहि-मा णं अज्जो ! तुब्भं केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ, धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेउ, धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेउ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने, तए णं से आणंदे थेरे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव गोयमाइसमणा निग्गंथा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोयमाइसमणे निग्गंथे आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जो ! छट्ठक्खमणपारणगंसि समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे सावत्थीए नयरीए उच्चनीय तं चेव सव्वं जाव णायपुत्तस्स एयमट्ठं परिकहेहि, तं मा णं अज्जो ! तुब्भं केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ जाव मिच्छं विप्पडिवन्ने ॥ ५४८ ॥ जावं च णं आणंदे थेरे गोयमाईणं समणाणं निग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता आजीवियसंघसंपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे सिग्घं तुरियं जाव सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं

महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-सुट्ठु णं आउसो! कासवा! ममं एवं वयासी साहु णं आउसो! कासवा! ममं एवं वयासी-गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासी गोसाले० २, जे णं गोसाले मंखलिपुत्ते तव धम्मंतेवासी से णं सुक्के सुक्काभिजाइए भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने, अहण्णं उदाई नामं कुंडियायणीए अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि अ० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि गो० २ त्ता इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, जेवि आ(या)इं आउसो! कासवा! अम्हं समयंसि केइ सिज्झिसु वा सिज्झंति वा सिज्झिस्संति वा सव्वे ते चउरासीइं महाकप्पसयसहस्साइं सत्त दिव्वे सत्त संजूहे सत्त सण्णिगब्भे सत्त पउट्टपरिहारे पंच कम्माणि-सयसहस्साइं सट्ठिं च सहस्साइं छच्च सए तिण्णि य कम्मंसे अणुपुव्वेणं खवइत्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुचंति परिनिव्वाइंति सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु वा करेंति वा करिस्संति वा, से जहा वा गंगा महानई जओ पवूढा जहिं वा पज्जुवत्थिया एस णं अद्धपंचजोयणसयाइं आयामेणं अद्धजोयणं विक्खंभेणं पंच धणुहसयाइं उव्वेहेणं एएणं गंगापमाणेणं सत्त गंगाओ सा एगा महागंगा, सत्त महागंगाओ सा एगा साईणगंगा, सत्त साईणगंगाओ सा एगा मच्चुगंगा, सत्त मच्चुगंगाओ सा एगा लोहियगंगा, सत्त लोहियगंगाओ सा एगा आवईगंगा, सत्त आवईगंगाओ सा एगा परमावई, एवामेव सपुव्वावरेणं एगं गंगासयसहस्सं सत्तरस य सहस्सा छच्चगुणपन्नगंगासया भवंतीति मक्खाया, तासिं दुविहे उद्धारे पण्णत्ते, तंजहा-सुहुमबोंदिकलेवरे चेव बायरबोंदिकलेवरे चेव, तत्थ णं जे से सुहुमबोंदिकलेवरे से ठप्पे, तत्थ णं जे से बायरबोंदिकलेवरे तओ णं वाससए २ गए २ एगमेगं गंगावालुयं अवहाय जावइएणं कालेणं से कोट्ठे खीणे णी(र)रेए निल्लेवे निट्ठिए भवइ, सेत्तं सरे सरप्पमाणे, एएणं सरप्पमाणेणं तिन्नि सरसयसाहस्सीओ से एगे महाकप्पे, चउरासीइ महाकप्पसयसहस्साइं से एगे महामाणसे, अणंताओ संजूहाओ जीवे चयं चइत्ता उवरिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता पढमे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता मज्झिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइं जाव विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव चइत्ता दोच्चे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता हेट्ठिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ

वासाइं पंचमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से छट्ठे पउट्टपरिहारे से णं वेसालीए नयरीए बहिया कों(कं)डियायणंसि उज्जाणंसि भारद्दाइस्स सरीरगं विप्पजहामि भा० २ त्ता अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि अ० २ त्ता सत्तरस वासाइं छट्ठं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से सत्तमे पउट्टपरिहारे से णं इहेव सावत्थीए नयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि अज्जुणगस्स० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं सीयसहं उण्हसहं खुहासहं विविहदंसमसग-परीसहोवसग्गसहं थिरसंघयणंतिकट्टु तं अणुप्पविसामि २ त्ता तं सोलस वासाइं इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, एवामेव आउसो! कासवा! एगेणं तेत्तीसेणं वाससएणं सत्त पउट्टपरिहारा परिहरिया भवंतीति मक्खाया, तं सुट्ठु णं आउसो! कासवा! ममं एवं वयासी साहु णं आउसो! कासवा! ममं एवं वयासी–गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासित्ति गोसाले० २॥ ५४९॥ तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–गोसाला! से जहा-नामए तेणए सिया गामेल्लएहिं परब्भ(व)माणे २ कत्थ(वि)इ ग(त्तं)ड्डं वा दरिं वा दुग्गं वा निन्नं वा पव्वयं वा विसमं वा अणस्सादेमाणे एगेणं महं उन्नालोमेण वा सणलोमेण वा कप्पासपम्हेण वा तणसूएण वा अत्ताणं आवरेत्ताणं चिट्ठेज्जा, से णं अणावरिए आवरियमिति अप्पाणं मन्नइ, अपच्छण्णे य पच्छंण्णमिति अप्पाणं मन्नइ, अ(ण)णि-लुक्के णिलुक्कमिति अप्पाणं मन्नइ, अपलायए पलायमिति अप्पाणं मन्नइ, एवामेव तुमंपि गोसाला! अणन्ने संते अन्नमिति अप्पाणं उपलभसि, तं मा एवं गोसाला! नारिहसि गोसाला! सच्चेव ते सा छाया नो अन्ना॥ ५५०॥ तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ उच्चा० २ त्ता उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेइ उद्धंसेत्ता उच्चावयाहिं निब्भंछणाहिं निब्भंछेइ उ० २ त्ता उच्चावयाहिं निच्छोडणाहिं निच्छोडेइ उ० २ त्ता एवं वयासी–नट्ठेसिं कयाइ, विणट्ठेसि कयाइ, भट्ठेसि कयाइ, नट्ठविणट्ठभट्ठेसि कयाइ, अज्ज न भवसि नाहि ते ममाहिंतो सुहमत्थि॥ ५५१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए धम्मायरियाणुरागेणं एयमट्ठं असद्दहमाणे उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–जेवि ताव गोसाला! तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतियं एगमवि आ(य)रियं धम्मियं सुवयणं निसामेइ सेवि ताव तं

सिसिमिसेमाणे नो संचाएइ समणाणं निग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आवाहं वा वावाहं वा उप्पाएत्तए छविच्छेदं वा करेत्तए, तए णं ते आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं समणेहिं निग्गंथेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएज्जमाणं धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारिज्जमाणं धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारिज्जमाणं अट्ठेहि य हेऊहि य जाव कीरमाणं आसुरुत्तं जाव मिसिमिसेमाणं समणाणं निग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आवाहं वा वावाहं वा छविच्छेदं वा अकरेमाणं पासंति २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमंति आयाए अवक्कमित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति ते० २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं० वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति, अत्थेगइया आजीविया थेरा गोसालं चेव मंखलिपुत्तं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते जस्सट्ठाए हव्वमागए तमट्ठं असाहेमाणे रुंदाइं पलोएमाणे दीहुण्हाइं नी(स)साससमाणे दाढियाए लोमा(इं)ए लुंचमाणे अवडुं कंडूयमाणे पुयलिं पप्फोडेमाणे हत्थे विणिद्धुणमाणे दोहिवि पाएहिं भूमिं कोट्टेमाणे हाहा अहो ! हओऽहमस्सीतिकट्टु समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंवकूणगहत्थगए मज्जपाणगं पियमाणे अभिक्खणं गायमाणे अभिक्खणं नच्चमाणे अभिक्खणं हालाहलाए कुंभकारीए अंजलिकम्मं करेमाणे सीयलएणं मट्टियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ ॥ ५५२ ॥ अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी–जावइएणं अज्जो ! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं ममं वहाए सरीरगंसि तेए निसट्ठे से णं अलाहि पज्जत्ते सोलसण्हं जणवयाणं, तं०–अंगाणं वंगाणं मगहाणं मलयाणं मालवगाणं अ(च्छा)त्थाणं वत्थाणं कोत्थाणं पाढाणं लाढाणं वज्जीणं मोलीणं कासीणं कोसलगाणं अवाहाणं सुंभुत्तराणं घायाए वहाए उच्छादणट्ठयाए भासीकरणयाए, जंपि य अज्जो ! गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंवकूणगहत्थगए मज्जपाणं पियमाणे अभिक्खणं जाव अंजलिकम्मं करेमाणे विहरइ, तस्सवि य णं वज्जस्स पच्छादणट्ठयाए इमाइं अट्ठ चरिमाइं पन्नवेइ, तंजहा–चरिमे पाणे, चरिमे गेए, चरिमे नट्टे, चरिमे अंजलिकम्मे, चरिमे पोक्खलसंवट्टए महामेहे, चरिमे सेयणए गंधहत्थी, चरिमे महासिलाकंटए संगामे, अहं च णं इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए त्थंकर णं चरिमे तित्थंकरे सिज्झिस्सं जाव अंतं करेस्सं ति, जंपि य अज्जो !

गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलएणं मट्टियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ, तस्सवि य णं वज्जस्स पच्छादणट्ठयाए इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पन्नवेइ, से किं तं पाणए? पाणए चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–गोपुट्ठए, हत्थमद्दियए, आयवतत्तए, सिलापब्भट्ठए, सेत्तं पाणए, से किं तं अपाणए? अपाणए चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–थालपाणए, तयापाणए, सिंबलिपाणए, सुद्धपाणए, से किं तं थालपाणए? २ जण्णं (जेणं) दाथालगं वा दावारगं वा दाकुंभगं वा दाकलसं वा सीयलगं (वा) उल्लगं हत्थेहिं परामुसइ न य पाणियं पियइ, सेत्तं थालपाणए, से किं तं तयापाणए? २ जण्णं अंबं वा अंबाडगं वा जहा पओगपए जाव बोरं वा तिंदुरुयं वा [तरुयं] वा तरुणगं वा आमगं वा आसगंसि आवीलेइ वा पवीलेइ वा न य पाणियं पियइ, सेत्तं तयापाणए, से किं तं सिंबलिपाणए? २ जण्णं कलसंगलियं वा मुग्गसंगलियं वा माससंगलियं वा सिंबलिसंगलियं वा तरुणियं आमियं आसगंसि आवीलेइ वा पवीलेइ वा ण य पाणियं पिवइ, सेत्तं सिंबलिपाणए, से किं तं सुद्धपाणए? सुद्धपाणए जण्णं छम्मासे सुद्धखाइमं खाइ दो मासे पुढविसंथारोवगए दो मासे कट्ठसंथारोवगए दो मासे दब्भसंथारोवगए, तस्स णं बहुपडिपुन्नाणं छण्हं मासाणं अंतिमराइए इमे दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा अंतियं पाउब्भवंति, तं०–पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य, तए णं ते देवा सीयलएहिं उल्लएहिं हत्थेहिं गायाइं परामुसंति, जे णं ते देवे साइज्जइ से णं आसीविसत्ताए कम्मं पकरेइ, जे णं ते देवे नो साइज्जइ तस्स णं संसि सरीरगंसि अगणिकाए संभवइ, से णं सएणं तेएणं सरीरगं झामेइ स० २ त्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ, सेत्तं सुद्धपाणए। तत्थ णं सावत्थीए नयरीए अयंपुले णामं आजीवियोवासए परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए जहा हालाहला जाव आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं तस्स अयंपुलस्स आजीवियोवासगस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता?, तए णं तस्स अयंपुलस्स आजीवियोवासगस्स दोच्चंपि अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु मम धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते उप्पन्ननाणदंसणधरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी इहेव सावत्थीए नयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं सेयं खलु मे कल्लं जाव जलंते गोसालं मंखलिपुत्तं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एया(रू)रूवं वागरणं वागरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ संपेहित्ता कल्लं जाव जलंते ण्हाए जाव

अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ सा० २ त्ता पाय-विहारचारेणं सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासइ गोसालं मंखलिपुत्तं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगयं जाव अंजलिकम्मं करेमाणं सीयलयाएणं मट्टिया जाव गायाइं परिसिंचमाणं पासइ २ त्ता लज्जिए विलिए विड्डे सणियं २ पच्चोसक्कइ, तए णं ते आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं लज्जियं जाव पच्चोसक्कमाणं पासेंति २ त्ता एवं वयासी-एहि ताव अयंपुला! एत्त(इ)ओ, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीवियथेरेहिं एवं वुत्ते समाणे जेणेव आजीविया थेरा तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता आजीविए थेरे वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, अयंपुलाइ आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी-से नूणं ते(भे) अयंपुला! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता?, तए णं तव अयंपुला! दोच्चंपि अयमेया० तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, से नूणं ते अयंपुला! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि, जंपि य अयंपुला! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए जाव अंजलिं करेमाणे विहरइ, तत्थवि णं भगवं इमाइं अट्ठ चरिमाइं पन्नवेइ, तं०-चरिमे पाणे जाव अंतं करेस्सइ, जेवि य अयंपुला! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलयाएणं मट्टिया जाव विहरइ, तत्थवि णं भगवं इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पन्नवेइ, से किं तं पाणए? पाणए जाव तओ पच्छा सिज्झ(न्ति)इ जाव अंतं करे(न्ति)इ, तं गच्छह णं तुमं अयंपुला! एस चेव तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते इमं एयारूवं वागरणं वाग(रेही)रित्तएत्ति, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीविएहिं थेरेहिं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंबकूणगप(ए)डावणट्ठयाए एगंतमंते संगारं कुव्वंति, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आजीवियाणं थेराणं संगारं पडिच्छइ २ त्ता अंबकूणगं एगंतमंते एडेइ, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासइ, अयंपुलाइ गोसाले मंखलिपुत्ते अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी-से नूणं अयंपुला! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जेणेव ममं अंतियं तेणेव हव्वमागए, से नूणं अयंपुला! अट्ठे समट्ठे? हंता

अत्थि, तं नो खलु एस अंवकूणए अंवचोयए णं एसे, किंसंठिया हल्ला पन्नत्ता ? वंसीमूलसंठिया हल्ला पण्णत्ता, वीणं वाएहि रे वीरगा वी० २, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं इमं एयारूवं वागरणं वागरिए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए गोसालं मंखलिपुत्तं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता पसिणाइं पुच्छइ २ त्ता अट्ठाइं परियादियइ अ० २ त्ता उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते अप्पणो मरणं आभोएइ २ त्ता आजीविए थेरे सद्दावेइ आ० २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं कालगयं जाणित्ता सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेह ण्हा० २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाईए गायाइं लूहेह गा० २ त्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपह स० २ त्ता महरिहं हंसलक्खणं पाडसाडगं नियंसेह मह० २ त्ता सव्वालंकार-विभूसियं करेह स० २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूहेह पुरि० २ त्ता सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु महया महया सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वदह–एवं खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरित्ता इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराणं चरिमे तित्थयरे सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, इड्ढीसक्कारसमुदएणं ममं सरीरगस्स णीहरणं करेह, तए णं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति ॥ ५५३ ॥ तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सत्तरत्तंसि परिणम-माणंसि पडिलद्धसम्मत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–णो खलु अहं जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, अहं णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए समणमारए समणपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयस-कारए अवन्नकारए अकित्तिकारए वहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेहि य अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे विहरित्ता सएणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करेस्सं, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता आजीविए थेरे सद्दावेइ आ० २ त्ता उच्चावय-सवहसाविए करेइ उच्चा० २ त्ता एवं वयासी–नो खलु अहं जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, अहन्नं गोसाले मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालं करेस्सं, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगा-सेमाणे विहरइ, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं कालगयं जाणित्ता वामे पाए सुंबेणं बंधह वा० २ त्ता तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुभह ति० २ त्ता सावत्थीए नयरीए सिंघाडग

जाव पहेसु आकड्डविकड्डिं करेमाणा महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वदह-नो खलु देवाणुप्पिया! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विह(रइ)रिए, एस णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, अणिड्डीअसक्कारसमुदएणं ममं सरीरगस्स नीहरणं करेज्जाह, एवं वदित्ता कालगए ॥५५४॥ तए णं ते आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं कालगयं जाणित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स दुवाराइं पिहेंति दु० २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स बहुमज्झदेसभाए सावत्थिं नयरिं आलिहंति सा० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं वामे पाए सुंबेणं बंधंति बा० २ त्ता तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुभंति २ त्ता सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु आकड्डविकड्डिं करेमाणा णीयं २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरिए, एस णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, सवहपडिमोक्खणगं करेंति स० २ त्ता दोच्चंपि पूयासक्कारथिरीकरणट्ठयाए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स वामाओ पायाओ सुंबं मुयंति सु० २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स दुवारवयणाइं अवगुणंति २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेंति तं चेव जाव महया २ इड्डीसक्कारसमुदएणं गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगस्स नीहरणं करेंति ॥ ५५५ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ सावत्थीओ नयरीओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं मिंढियगामे नामं नयरे होत्था वन्नओ, तस्स णं मेंढियगामस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं सालकोट्ठए नामं उज्जाणे होत्था वन्नओ जाव पुढविसिलापट्टओ, तस्स णं सालकोट्ठगस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते एत्थ णं महेगे मालुयाकच्छए यावि होत्था किण्हे किण्होभासे जाव निकुरुंबभूए पत्तिए पुप्फिए फलिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, तत्थ णं मेंढियगामे नयरे रेवई नामं गाहावइणी परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव मेंढियगामे नयरे जेणेव साण(ल)कोट्ठए उज्जाणे जाव परिसा पडिगया। तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले जाव दुरहियासे पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए यावि विहरइ, अवियाइं लोहियवच्चाइंपि पकरेइ, चाउव्वन्नं वागरेइ-एवं खलु

समणे भगवं महावीरे गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करिस्सइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सीहे नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए मालुयाकच्छगस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ जाव विहरइ, तए णं तस्स सीहस्स अणगारस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले जाव छउमत्थे चेव कालं करेस्सइ, वदिस्संति य णं अन्नउत्थिया छउमत्थे चेव कालगए, इमेणं एयारूवेणं महया मणोमाणसिएणं दुक्खेणं अभिभूए समाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आया० २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मालुयाकच्छयं अंतो २ अणुप्पविसइ मालुया० २ त्ता महया २ सद्देणं कुहुकुहुस्स परुन्ने। अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे समणे निग्गंथे आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जो! ममं अंतेवासी सीहे नामं अणगारे पगइभद्दए तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव परुन्ने, तं गच्छह णं अज्जो! तुब्भे सीहं अणगारं सद्दह, तए णं ते समणा निग्गंथा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमंति सा० २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता सीहं अणगारं एवं वयासी-सीहा! तव धम्मायरिया सद्दावेंति, तए णं से सीहे अणगारे समणेहिं निग्गंथेहिं सद्धिं मालुयाकच्छयाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सालकोट्ठए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं २ जाव पज्जुवासइ, सीहादि समणे भगवं महावीरे सीहं अणगारं एवं वयासी-से नूणं ते सीहा! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव परुन्ने, से नूणं ते सीहा! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि, तं नो खलु अहं सीहा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं जाव कालं करेस्सं, अहन्नं अन्नाइं अद्धसोलसवासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि, तं गच्छह णं तुमं सीहा! मेंढियगामं नयरं रेवईए गाहावइणीए गिहे, तत्थ णं रेवईए गाहावइणीए ममं अट्ठाए दुवे (कोहंडफला) उवक्खडिया तेहिं नो अट्ठो, अत्थि से अन्ने पारियासिए [फासुए वीयऊरए] तमाहराहि तेणं अट्ठो, तए णं से सीहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता

नमंसित्ता अतुरियमचवलमसंभंतं मुहपोत्तियं पडिलेहेइ मु० २ त्ता जहा गोयमसामी जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता अतुरिय जाव जेणेव मेंढियगामे नयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मेंढियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव रेवईए गाहावइणीए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रेवईए गाहावइणीए गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सीहं अणगारं सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ स० २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं० वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! किमागमणप्पओयणं ?, तए णं से सीहे अणगारे रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी–एवं खलु तुमे देवाणुप्पिए ! समणस्स भगवओ महावीरस्स अट्ठाए दुवे [कोहंडफला] उवक्खडिया तेहिं नो अट्ठो, अत्थि ते अन्ने पारियासिए (फासुए बीयऊरए) तमाहराहि तेणं अट्ठो, तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एवं वयासी–केस णं सीहा ! से णाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए जओ णं तुमं जाणासि ? एवं जहा खंदए जाव जओ णं अहं जाणामि, तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहस्स अणगारस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पत्तगं मोएइ पत्तगं मोएत्ता जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहस्स अणगारस्स पडिग्गहगंसि तं सव्वं सम्मं निस्सिरइ, तए णं तीए रेवईए गाहावइणीए तेणं दव्वसुद्धेणं जाव दाणेणं सीहे अणगारे पडिलाभिए समाणे देवाउए निवद्धे जहा विजयस्स जाव जम्मजीवियफले रेवईए गाहावइणीए रेवईए गाहावणीए, तए णं से सीहे अणगारे रेवईए गाहावइणीए गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता मेंढियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छइत्ता जहा गोयमसामी जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स पाणिंसि तं सव्वं सम्मं निस्सिरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अमुच्छिए जाव अणज्झोववन्ने बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पाणेणं तमाहारं सरीरकोट्ठगंसि पक्खिवइ, तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स तमाहारं आहारियस्स समाणस्स से विउले रोगायंके खिप्पामेव उवसमं पत्ते हट्ठे जाए आरोग्गे वलियसरीरे तुट्ठा समणा तुट्ठाओ समणीओ तुट्ठा सावया तुट्ठाओ सावियाओ तुट्ठा देवा तुट्ठाओ देवीओ सदेवमणुयासुरे लोए तुट्ठे हट्ठे जाए समणे भगवं महावीरे हट्ठे० २ ॥ ५५६ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं

महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते ! तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं भासरासीकए समाणे कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं भासरासीकए समाणे उड्ढं चंदिमसूरिय जाव बंभलंतगमहासुक्के कप्पे वीईवइत्ता सहस्सारे कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, तत्थ णं सव्वाणुभूइस्सवि देवस्स अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, से णं सव्वाणुभूई देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ। एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कोसलजाणवए सुनक्खत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते ! तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी सुनक्खत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेत्ता समणा य समणीओ य खामेइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जाव आणयपाणयारणकप्पे वीईवइत्ता अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं सुनक्खत्तस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं सेसं जहा सव्वाणुभूइस्स जाव अंतं काहिइ ॥ ५५७ ॥ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले नामं मंखलिपुत्ते से णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले नामं मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जाव अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०, तत्थ णं गोसालस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। से णं भंते ! गोसाले देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा ! इहेव जंबूदीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे नयरे संमु(सुम)इस्स रन्नो भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं जाव वीइक्कंताणं जाव सुरूवे दारए पयाहिइ, जं रयणिं च णं से

दारए जाइ(पया)हिइ तं रयणिं च णं सयदुवारे नयरे सब्भिंतरबाहिरिए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वासिहिइ, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव संपत्ते बारसाहदिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं काहिंति-जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि जायंसि समाणंसि सयदुवारे नयरे सब्भिंतरबाहिरिए जाव रयणवासे य वासे वुट्ठे, तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स नामधेज्जं महापउमे महापउमे, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेहिंति महापउमेत्ति, तए णं तं महापउमं दारगं अम्मापियरो साइरेगट्ठवासजायगं जाणित्ता सोहणंसि तिहिकरणदिवसनक्खत्तमुहुत्तंसि महया २ रायाभिसेगेणं अभिसिंचेहिंति, से णं तत्थ राया भविस्सइ महया हिमवंतमहंत० वन्नओ जाव विहरिस्सइ, तए णं तस्स महापउमस्स रन्नो अन्नया कयाइ दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं काहिंति, तं०-पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य, तए णं सयदुवारे नयरे बहवे राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिईओ अन्नमन्नं सद्दावेहिंति अ० २ त्ता एवं वदेहिंति-जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं महापउमस्स रन्नो दो देवा महिड्ढिया जाव सेणाकम्मं करेंति तं०-पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य, तं होउ णं देवाणुप्पिया! अम्हं महापउमस्स रन्नो दोच्चेवि नामधेज्जे देवसेणे २, तए णं तस्स महापउमस्स रन्नो दोच्चेवि नामधेज्जे भविस्सइ देवसेणेति, तए णं तस्स देवसेणस्स रन्नो अन्नया कयाइ सेए संखतलविमलसन्निगासे चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पज्जिस्सइ, तए णं से देवसेणे राया तं सेयं संखतलविमलसन्निगासं चउद्दंतं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे सयदुवारं नयरं मज्झंमज्झेणं अभिक्खणं २ अ(भि)इजाहिइ य निज्जाहिइ य, तए णं सयदुवारे नयरे बहवे राईसर जाव पभिईओ अन्नमन्नं सद्दावेहिंति अ० २ त्ता वदेहिंति-जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं देवसेणस्स रन्नो सेए संखतलसन्निगासे चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पन्ने, तं होउ णं देवाणुप्पिया! अम्हं देवसेणस्स रन्नो तच्चेवि नामधेज्जे विमलवाहणे २, तए णं तस्स देवसेणस्स रन्नो तच्चेवि नामधेज्जे भविस्सइ विमलवाहणेत्ति। तए णं से विमलवाहणे राया अन्नया कयाइ समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवज्जिहिइ, अ(त्थे)प्पेगइए आउसेहिइ, अप्पेगइए अ(उ)वहसिहिइ, अप्पेगइए निच्छोडेहिइ, अप्पेगइए निब्भच्छेहिइ, अप्पेगइए बंधेहिइ, अप्पेगइए णिरुंभेहिइ, अप्पेगइयाणं छविच्छेदं करेहिइ, अप्पेगइए पमारेहिइ, अप्पेगइयाणं उद्दवेहिइ, अप्पेगइयाणं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं आच्छिंदिहिइ विच्छिंदिहिइ भिंदिहिइ अवहरिहिइ, अप्पेगइयाणं भत्तपाणं वोच्छिंदिहिइ, अप्पेगइ(याणं)ए णिन्नगरे करेहिइ, अप्पेगइए

निव्विसए करेहि(न्ति)इ, तए णं सयदुवारे नयरे वहवे राईसर जाव वदिहिंति-एवं खलु देवाणुप्पिया! विमलवाहणे राया समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने, अप्पेगइए आउसइ जाव निव्विसए करेइ, तं नो खलु देवाणुप्पिया! एयं अम्हं सेयं, नो खलु एयं विमलवाहणस्स रन्नो सेयं, नो खलु एयं रज्जस्स वा रट्ठस्स वा वलस्स वा वाहणस्स वा पुरस्स वा अंतेउरस्स वा जणवयस्स वा सेयं जण्णं विमलवाहणे राया समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं विमलवाहणं रायं एयमट्ठं विन्नवित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता जेणेव विमलवाहणे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयलपरिग्गहियं विमलवाहणं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति ज० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ना, अप्पेगइए आउस्संति जाव अप्पेगइए निव्विसए करेंति, तं नो खलु एयं देवाणुप्पियाणं सेयं, नो खलु एयं अम्हं सेयं, नो खलु एयं रज्जस्स वा जाव जणवयस्स वा सेयं जं णं देवाणुप्पिया! समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ना, तं विरमंतु णं देवाणुप्पिया! एयस्स अट्ठस्स अकरणयाए, तए णं से विमलवाहणे राया तेहिं वहूहिं राईसर जाव सत्थवाहप्पभिईहिं एयमट्ठं विन्नत्ते समाणे नो धम्मोत्ति नो तवोत्ति मिच्छाविणएणं एयमट्ठं पडिसुणेहिइ, तस्स णं सयदुवारस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं सुभूमिभागे नामं उज्जाणे भविस्सइ सव्वोउय० वन्नओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं विमलस्स अरहओ पउप्पए सुमंगले नामं अणगारे जाइसंपन्ने जहा धम्मघोसस्स वन्नओ जाव संखित्तविउलतेयलेस्से तिन्नाणोवगए सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ। तए णं से विमलवाहणे राया अन्नया कयाइ रहचरियं काउं निज्जाहिइ, तए णं से विमलवाहणे राया सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते रहचरियं करेमाणे सुमंगलं अणगारं छट्ठंछट्ठेणं जाव आयावेमाणं पासिहिइ २ त्ता आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं रहसिरेणं णोल्लावेहिइ, तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रन्ना रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं २ उट्ठेहिइ २ त्ता दोच्चंपि उड्ढं वाहाओ पगिज्झिय २ जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ, तए णं से विमलवाहणे राया सुमंगलं अणगारं दोच्चंपि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ, तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रन्ना दोच्चंपि रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं २ उट्ठेहिइ २ त्ता ओहिं पउंजेहिइ २ त्ता विमलवाहणस्स रण्णो तीतद्धं ओहिणा आभोएहिइ २ त्ता विमलवाहणं रायं एवं वदिहिइ-नो खलु तुमं विमलवाहणे राया, नो खलु तुमं देवसेणे राया, नो खलु

तुमं महापउमे राया, तुमण्णं इओ तच्चे भवग्गहणे गोसाले नामं मंखलिपुत्ते होत्था, समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तं जइ ते तया सव्वाणुभूइणा अणगारेणं पभुणावि होऊणं सम्मं सहियं खमियं तितिक्खियं अहियासियं, जइ ते तया सुनक्खत्तेणं अणगारेणं पभुणावि होऊणं जाव अहियासियं, जइ ते तया समणेणं भगवया महावीरेणं पभुणावि जाव अहियासियं, तं नो खलु अहं ते तहा सम्मं सहिस्सं जाव अहियासिस्सं, अहं ते नवरं सहयं सरहं ससारहियं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेज्जामि, तए णं से विमलवाहणे राया सुमंगलेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं तच्चंपि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ, तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रण्णा तच्चंपि रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता तेयासमुग्घाएणं समोहणिहिइ तेया० २ त्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्किहिइ सत्तट्ठ० २ त्ता विमलवाहणं रायं सहयं सरहं ससारहियं तवेणं तेएणं जाव भासरासिं करेहिइ। सुमंगले णं भंते! अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरासिं करेत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! सुमंगले णं अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरासिं करेत्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालस जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणिहिइ बहू० २ त्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए जाव छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते उड्ढं चंदिमसूरिय जाव गेविज्जविमाणावाससयं वीईवइत्ता सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थ णं देवाणं अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०, तत्थ णं सुमंगलस्सवि देवस्स अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। से णं भंते! सुमंगले देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ ॥५५८॥ विमलवाहणे णं भंते! राया सुमंगलेणं अणगारेणं सहए जाव भासरासीकए समाणे कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! विमलवाहणे णं राया सुमंगलेणं अणगारेणं सहए जाव भासरासीकए समाणे अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता मच्छेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा दोच्चंपि अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता दोच्चंपि मच्छेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता इत्थियासु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं

सत्थवज्झे दाह जाव दोच्चंपि छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोसकाल जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि इत्थियासु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि जाव उव्वट्टित्ता उरएसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि पंचमाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि उरएसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि जाव उव्वट्टित्ता सीहेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे तहेव जाव कालं किच्चा दोच्चंपि चउत्थीए पंकप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि सीहेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसकाल जाव उव्वट्टित्ता पक्खीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि तच्चाए वालुय० जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि पक्खीसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता सिरीसवेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि सिरीसवेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि नरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ जाव उव्वट्टित्ता सण्णीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा असन्नीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिइयंसि णरयंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ जाव उव्वट्टित्ता जाइं इमाइं खहचरविहाणाइं भवंति, तं०–चम्मपक्खीणं, लोमपक्खीणं, समुग्गपक्खीणं, विययपक्खीणं, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायाहिइ, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा जाइं इमाइं भुयपरिसप्पविहाणाइं भवंति, तंजहा–गोहाणं नउलाणं जहा पन्नवणापए जाव जाहगाणं, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो सेसं जहा खहचराणं जाव किच्चा जाइं इमाइं उरपरिसप्पविहाणाइं भवंति, तं०–अहीणं अयगराणं आसालियाणं महोरगाणं, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो जाव किच्चा जाइं इमाइं चउप्पयविहाणाइं भवंति, तं०–एगखुराणं दुखुराणं गंडीपयाणं सणहपयाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं जलचरविहाणाइं भवंति, तं०–मच्छाणं कच्छभाणं जाव सुंसुमाराणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं चउरिंदियविहाणाइं भवंति, तं०–अंधियाणं पोत्तियाणं जहा पन्नवणापए जाव गोमयकीडाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं तेइंदियविहाणाइं भवंति, तं०–उ(ओ)वचियाणं जाव हत्थिसोंडाणं, तेसु अणेग जाव किच्चा जाइं इमाइं बेइंदियविहाणाइं भवंति, तं०–पुलाकिमियाणं जाव समुद्दलिक्खाणं, तेसु अणेगसय जाव किच्चा जाइं इमाइं वणस्सइविहाणाइं भवंति, तं०–रुक्खाणं गुच्छाणं जाव कुह(हु)णाणं,

४७ सुत्ता०

तेसु अणेगसय जाव पच्चायाइस्सइ, उस्सन्नं च णं कडुयरुक्खेसु कडुयवल्लीसु सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा जाइं इमाइं वाउक्काइयविहाणाइं भवंति, तंजहा–पाईणवायाणं जाव सुद्धवायाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं तेउक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०–इंगालाणं जाव सूरियकंतमणिनिस्सियाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं आउक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०–उस्साणं जाव खातोदगाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव पच्चायाइस्सइ, उस्सण्णं च णं खारोदएसु खातोदएसु, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा जाइं इमाइं पुढविक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०–पुढवीणं सक्कराणं जाव सूरकंताणं, तेसु अणेगसय जाव पच्चायाहिइ, उस्सन्नं च णं खरवायरपुढविक्काइएसु, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा रायगिहे नयरे बाहिं खरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि रायगिहे नयरे अंतो खरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले विभेले सन्निवेसे माहणकुलंसि दारियत्ताए पच्चायाहिइ। तए णं तं दारियं अम्मापियरो उम्मुक्कबालभावं जोव्वणगमणुप्पत्तं पडिरूवएणं सुक्केणं पडिरूवएणं विणएणं पडिरूवियस्स भत्तारस्स भारियत्ताए दलइस्संति, सा णं तस्स भारिया भविस्सइ इट्ठा कंता जाव अणुमया भंडकरंडगसमाणा तेल्लकेला इव सुसंगोविया चेलपे(ला)डा इव सुसंपरिग्गहिया रयणकरंडओविव सुसारक्खिया सुसंगोविया मा णं सीयं मा णं उण्हं जाव परिस्सहोवसग्गा फुसंतु। तए णं सा दारिया अन्नया कयाइ गुव्विणी ससुरकुलाओ कुलघरं निज्जमाणी अंतरा दवग्गिजालाभिहया कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु अग्गिकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ माणुस्सं० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झिहिइ के० २ त्ता केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिइ, तत्थविय णं विराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु असुरकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं तं चेव जाव तत्थवि णं विराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु नागकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता एवं एएणं अभिलावेणं दाहिणिल्लेसु सुवन्नकुमारेसु एवं विज्जुकुमारेसु एवं अग्गिकुमारवज्जं जाव दाहिणिल्लेसु थणियकुमारेसु से णं तओ जाव उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव विराहियसामन्ने जोइसिएसु देवेसु उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं

चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ, केवलं वोहिं बुज्झिहिइ, तत्थवि णं अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ० चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ० तत्थवि णं अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा सणंकुमारे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो एवं जहा सणंकुमारे तहा वंभलोए महासुक्के आणए आरणे, से णं तओ जाव अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति–अड्ढाइं जाव अपरिभूयाइं, तहप्पगारेसु कुलेसु पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, एवं जहा उववाइए दढप्पइन्नवत्तव्वया सच्चेव वत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ, तए णं से दढप्पइन्ने केवली अप्पणो तीतद्धं आभोएहिइ अप्प० २ त्ता समणे निग्गंथे सद्दावेहिइ सम० २ त्ता एवं वदिहिइ–एवं खलु अहं अज्जो ! इओ चिरातीयाए अद्धाए गोसाले नामं मंखलिपुत्ते होत्था समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तम्मूलगं च णं अहं अज्जो ! अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिए, तं मा णं अज्जो ! तुब्भंपि केइ भवउ आयरियपडिणीए उवज्झायपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयसकारए अवन्नकारए अकित्तिकारए, मा णं सेऽवि एवं चेव अणादीयं अणवदग्गं जाव संसारकंतारं अणुपरियट्टिहिइ जहा णं अहं। तए णं ते समणा निग्गंथा दढप्पइन्नस्स केवलिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया तत्था तसिया संसारभयउव्विग्गा दढप्पइन्नं केवलिं वंदिहिंति नमंसिहिंति वं० २ त्ता तस्स ठाणस्स आलोइएहिंति निंदिहिंति जाव पडिवज्जिहिंति, तए णं से दढप्पइन्ने केवली वहूइं वासाइं केवलपरियागं पाउणिहिइ वहूइं० २ त्ता अप्पणो आउसेसं जाणित्ता भत्तं पच्चक्खाहिइ, एवं जहा उववाइए जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५५९ ॥ **तेयनिसग्गो समत्तो (अद्धेणं) ॥ समत्तं च पन्नरसमं सयं एक्कसरयं ॥**

अहिगरणि जरा कम्मे जावइयं गंगदत्त सुमिणे य। उवओग लोग वलि ओहि दीव उदही दिसा थणिया ॥१॥ चउद्दस० सोलसमे ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! अहिगरणिंसि वाउयाए वक्कमइ ? हंता अत्थि, से भंते ! किं पुट्ठे उद्दाइ अपुट्ठे उद्दाइ ? गोयमा ! पुट्ठे उद्दाइ नो अपुट्ठे उद्दाइ, से भंते ! किं ससरीरी निक्खमइ असरीरी निक्खमइ ? एवं जहा खंदए जाव से तेणट्ठेणं जाव नो असरीरी निक्खमइ ॥५६०॥ इंगालकारियाए णं भंते ! अगणिकाए केवइयं कालं संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि राइंदियाइं,

अन्नेवि तत्थ वाउयाए वक्कमइ, न विणा वाउयाएणं अगणिकाए उज्जलइ ॥ ५६१ ॥ पुरिसे णं भंते ! अयं अयकोट्ठंसि अयोमएणं संडासएणं उव्विहमाणे वा पव्विहमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे अयं अयकोट्ठंसि अयोमएणं संडासएणं उव्विहिइ वा पव्विहिइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो अए निव्वत्तिए अयकोट्ठे निव्वत्तिए संडासए निव्वत्तिए इंगाला निव्वत्तिया इंगालकड्ढिणी निव्वत्तिया भत्था निव्वत्तिया तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा। पुरिसे णं भंते ! अयं अयकोट्ठाओ अयोमएणं संडासएणं गहाय अहिगरणिंसि उक्खिवमाणे वा निक्खिवमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे अयं अयकोट्ठाओ जाव निक्खिवइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो अए निव्वत्तिए संडासए निव्वत्तिए चम्मेट्ठे निव्वत्तिए मुट्ठिए निव्वत्तिए अहिगरणी निव्वत्ति(ए)या अहिगरणिखोडी णिव्वत्तिया उदगदोणी णिव्वत्तिया अहिगरणसाला निव्वत्तिया तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥५६२॥ जीवे णं भंते ! किं अहिगरणी अहिगरणं ? गोयमा ! जीवे अहिगरणीवि अहिगरणंपि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवे अहिगरणीवि अहिगरणंपि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि ॥ नेरइए णं भंते ! किं अधिगरणी अधिगरणं ? गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, एवं जहेव जीवे तहेव नेरइएवि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए ॥ जीवे णं भंते ! किं साहिगरणी निरहिगरणी ? गोयमा ! साहिगरणी नो निरहिगरणी, से केणट्ठेणं पुच्छा, गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव नो निरहिगरणी, एवं जाव वेमाणिए ॥ जीवे णं भंते ! किं आयाहिगरणी पराहिगरणी तदुभयाहिगरणी ? गोयमा ! आयाहिगरणीवि पराहिगरणीवि तदुभयाहिगरणीवि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव तदुभयाहिगरणीवि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव तदुभयाहिगरणीवि, एवं जाव वेमाणिए ॥ जीवाणं भंते ! अहिगरणे किं आयप्पओगनिव्वत्तिए परप्पओगनिव्वत्तिए तदुभयप्पओगनिव्वत्तिए ? गोयमा ! आयप्पओगनिव्वत्तिएवि परप्पओगनिव्वत्तिएवि तदुभयप्पओगनिव्वत्तिएवि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव तदुभयप्पओगनिव्वत्तिएवि, एवं जाव वेमाणियाणं ॥५६३॥ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पण्णत्ता, तंजहा–ओरालिए जाव कम्मए। कइ णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच इंदिया पण्णत्ता,

तंजहा–सोइंदिए जाव फासिंदिए, कइविहे णं भंते! जोए पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे जोए पण्णत्ते, तंजहा–मणजोए वइजोए कायजोए ॥ जीवे णं भंते! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं? गोयमा! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अहिगरणीवि अहिगरणंपि? गोयमा! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि, पुढविकाइए णं भंते! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं? एवं चेव, एवं जाव मणुस्से। एवं वेउव्वियसरीरंपि, नवरं जस्स अत्थि। जीवे णं भंते! आहारगसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी० पुच्छा, गोयमा! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, से केणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि? गोयमा! पमायं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि, एवं मणुस्सेवि, तेयासरीरं जहा ओरालियं, नवरं सव्वजीवाणं भाणियव्वं, एवं कम्मगसरीरंपि। जीवे णं भंते! सोइंदियं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं? एवं जहेव ओरालियसरीरं तहेव सोइंदियंपि भाणियव्वं, नवरं जस्स अत्थि सोइंदियं, एवं चक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाणवि, नवरं जाणियव्वं जस्स जं अत्थि। जीवे णं भंते! मणजोगं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं? एवं जहेव सोइंदियं तहेव निरवसेसं, वइजोगो एवं चेव, नवरं एगिंदियवज्जाणं, एवं कायजोगोवि, नवरं सव्वजीवाणं जाव वेमाणिए। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ५६४ ॥ **सोलसमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–जीवाणं भंते! किं जरा सोगे? गोयमा! जीवाणं जरावि सोगेवि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव सोगेवि? गोयमा! जे णं जीवा सारीरं वेयणं वेदेंति तेसि णं जीवाणं जरा, जे णं जीवा माणसं वेयणं वेदेंति तेसि णं जीवाणं सोगे, से तेणट्ठेणं जाव सोगेवि, एवं नेरइयाणवि, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं भंते! किं जरा सोगे? गोयमा! पुढविकाइयाणं जरा नो सोगे, से केणट्ठेणं जाव नो सोगे? गोयमा! पुढविकाइया णं सारीरं वेयणं वेदेंति नो माणसं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं जाव नो सोगे, एवं जाव चउरिंदियाणं, सेसाणं जहा जीवाणं जाव वेमाणियाणं, सेवं भंते! २ त्ति जाव पज्जुवासइ ॥ ५६५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे जाव भुंजमाणे विहरइ, इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ पासइ समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे एवं जहा ईसाणे तइयसए तहेव सक्कोवि नवरं आभिओगे ण सद्दावेइ हरी पायत्ताणियाहिवई, सुघोसा घंटा, पालओ विमाणकारी पालगं विमाणं, उत्तरिल्ले निज्जाणमग्गे, दाहिणपुरच्छिमिल्ले रइकरगपव्वए सेसं तं चेव

जाव नामगं सावेत्ता पज्जुवासइ, धम्मकहा जाव परिसा पडिगया, तए णं से सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ-तुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–कइविहे णं भंते ! उग्गहे पन्नत्ते ? सक्का ! पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते, तंजहा–देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे ॥ जे इमे भंते ! अज्जत्ताए समणा निग्गंथा विहरंति, एएसि णं अहं उग्गहं अणुजाणामीतिकट्टु समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरूहइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–जं णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया तुब्भे एवं वदइ सच्चे णं एसमट्ठे ? हंता सच्चे ॥ ५६६ ॥ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सम्मावाई मिच्छावाई ? गोयमा ! सम्मावाई नो मिच्छावाई ॥ सक्के णं भंते ! देविंदे देव-राया किं सच्चं भासं भासइ, मोसं भासं भासइ, सच्चामोसं भासं भासइ, असच्चामोसं भासं भासइ ? गोयमा ! सच्चंपि भासं भासइ जाव असच्चामोसंपि भासं भासइ ॥ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सावज्जं भासं भासइ अणवज्जं भासं भासइ ? गोयमा ! सावज्जंपि भासं भासइ अणवज्जंपि भासं भासइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–सावज्जंपि जाव अणवज्जंपि भासं भासइ ? गोयमा ! जाहे णं सक्के देविंदे देवराया सुहुमकायं अणिजूहित्ताणं भासं भासइ ताहे णं सक्के देविंदे देवराया सावज्जं भासं भासइ, जाहे णं सक्के देविंदे देवराया सुहुमकायं निजूहित्ताणं भासं भासइ ताहे णं सक्के देविंदे देवराया अणवज्जं भासं भासइ, से तेणट्ठेणं जाव भासइ, सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए सम्मद्दिट्ठिए मिच्छादिट्ठिए एवं जहा मोउद्देसए सणंकुमारे जाव नो अचरिमे ॥५६७॥ जीवाणं भंते ! किं चेयकडा कम्मा कज्जंति अचेयकडा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! जीवाणं चेयकडा कम्मा कज्जंति नो अचेयकडा कम्मा कज्जंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जंति ? गोयमा ! जीवाणं आहारोवचिया पोग्गला, बोंदिचिया पोग्गला, क(डे)लेवर-चिया पोग्गला तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणा-उसो !, दुट्ठाणेसु दुसेज्जासु दुन्निसीहियासु तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो !, आयंके से वहाए होइ संकप्पे से वहाए होइ मर-णंते से वहाए होइ तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति नत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो !, से तेणट्ठेणं जाव कम्मा कज्जंति, एवं नेरइयाणवि एवं जाव वेमाणि-याणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५६८ ॥ **सोलसमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं जाव वेमाणियाणं। जीवे णं भंते! नाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कइ कम्मपगडीओ वेदेइ? गोयमा! अट्ठ कम्मपगडीओ, एवं जहा पन्नवणाए वेयावेउद्देसओ सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो, वेदावंधोवि तहेव, वंधावेदोवि तहेव, वंधावंधोवि तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियाणंति। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ॥ ५६९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नयराओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता वहिया जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयातीरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, तस्स णं उल्लुयातीरस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं एगजंवुए नामं उज्जाणे होत्था वन्नओ, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव एगजंवुए समोसढे जाव परिसा पडिगया, भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-अणगारस्स णं भंते! भावियप्पणो छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणस्स तस्स णं पुरच्छिमेणं अवड्ढं दिवसं नो कप्पइ हत्थं वा पायं वा वाहं वा ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, पचच्छिमेणं से अवड्ढं दिवसं कप्पइ हत्थं वा पायं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, तस्स णं अंसियाओ लंवंति, तं च वेज्जे अदक्खु इ(ई)सिं पाडेइ २ त्ता अंसियाओ छिंदेज्जा, से नूणं भंते! जे छिंदइ तस्स किरिया कज्जइ, जस्स छिज्जइ नो तस्स किरिया कज्जइ णण्णत्थेगेणं धम्मंतराइएणं? हंता गोयमा! जे छिंदइ जाव धम्मंतराइएणं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥५७०॥ **सोलसमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-जावइयन्नं भंते! अन्नगिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइयाणं वासेण वा वासेहिं वा वाससए(ण)हिं वा खविंति? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयण्णं भंते! चउत्थभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससएण वा वाससएहिं वा वाससहस्से(ण)हिं वा वाससयसहस्से(ण)हिं वा खवयंति? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयन्नं भंते! छट्ठभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससहस्सेण वा वाससहस्सेहिं वा वाससयसहस्से(हिं)ण वा खवयंति? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयन्नं भंते! अट्ठमभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससयसहस्सेण वा वाससयसहस्सेहिं वा वासकोडीए वा खवयंति? नो

इणट्ठे समट्ठे, जावइयन्नं भंते ! दसमभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वासकोडीए वा वासकोडीहिं वा वासकोडाकोडीए वा खवयंति ? नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जावइयं अन्न(इ)गिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वासेण वा वासेहिं वा वाससएण वा (जाव) वास-(सय) सहस्सेण वा नो खवयंति, जावइयं चउत्थभत्तिए एवं तं चेव पुव्वभणियं उच्चारेयव्वं जाव वासकोडाकोडीए वा नो खवयंति ? गोयमा ! से जहानामए-केइ पुरिसे जुन्ने जराजज्जरियदेहे सिढिलतयावलितरंगसंपिणद्धगत्ते पविरलपरिसडियदंतसेढी उण्हाभिहए तण्हाभिहए आउरे झुंझिए पिवासिए दुब्बले किलंते एगं महं कोसंवगंडियं सुक्कं जडिलं गंठिल्लं चिक्कणं वाइद्धं अपत्तियं मुंडेण परसुणा अक्कमेज्जा, तए णं से पुरिसे महंताइं २ सद्दाइं करेइ नो महंताइं २ दलाइं अवद्दालेइ, एवामेव गोयमा ! नेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइं एवं जहा छट्ठसए जाव नो महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए-केइ पुरिसे अहिगरणिं आउडेमाणे महया जाव नो महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव मेहावी निउणसिप्पोवगए एगं महं सामलिगंडियं उल्लं अजडिलं अगंठिल्लं अचिक्कणं अवाइद्धं सपत्तियं अइतिक्खेण परसुणा अक्कमेज्जा, तए णं से पुरिसे नो महंताइं २ सद्दाइं करेइ, महंताइं २ दलाइं अवद्दालेइ, एवामेव गोयमा ! समणाणं निग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं सिढिलीकयाइं णिट्ठियाइं कयाइं जाव खिप्पामेव परिविद्धत्थाइं भवंति, जावइयं तावइयं जाव महापज्जवसाणा भवंति, से जहा वा केइ पुरिसे सुक्कतणहत्थगं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, एवं जहा छट्ठसए तहा अयोकवल्लेवि जाव महापज्जवसाणा भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जावइयं अन्नगिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ तं चेव जाव वासकोडाकोडीए वा नो खवयंति ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५७१ ॥ **सोलसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयातीरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, एगजंबुए उज्जाणे वन्नओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी एवं जहेव बिइए उद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव नमंसित्ता एवं वयासी—देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू आगमित्तए ? नो इणट्ठे समट्ठे, देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू आग-

मित्तए? हंता पभू, देवे णं भंते! महिड्डिए एवं एएणं अभिलावेणं गमित्तए २, एवं भासित्तए वा वा(विया)गरित्तए वा ३, उम्मिसावेत्तए वा निम्मिसावेत्तए वा ४, आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा ५, ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेइत्तए वा ६, एवं विउव्वित्तए वा ७, एवं परियारावेत्तए वा ८ जाव हंता पभू, इमाइं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ इमाइं० २ त्ता संभंतियवंदणएणं वंदइ संभंतिय० २ त्ता तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरूहइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥५७२॥ भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं०२ त्ता एवं वयासी-अन्नया णं भंते! सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं वंदइ नमंसइ सक्कारेइ जाव पज्जुवासइ, किण्णं भंते! अज्ज सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ २ त्ता संभंतियवंदणएणं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे दो देवा महिड्डिया जाव महेसक्खा एगविमाणंसि देवत्ताए उववन्ना, तं०-माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नए य अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए य, तए णं से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे तं अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नगं देवं एवं वयासी-परिणममाणा पोग्गला नो परिणया अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला नो परिणया अपरिणया, तए णं से अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए देवे तं माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगं देवं एवं वयासी-परिणममाणा पोग्गला परिणया नो अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला परिणया नो अपरिणया, तं माइमिच्छदिट्ठिउववन्नगं देवं एवं पडिहणइ २ त्ता ओहिं पउंजइ २ त्ता ममं ओहिणा आभोएइ ममं० २ त्ता अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव उल्लुयातीरे नयरे जेणेव एगजंबुए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एयारूवं वागरणं पुच्छित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता चउहिवि सामाणियसाहस्सीहिं परियारो जहा सूरियाभस्स जाव निग्घोसनाइयरवेणं जेणेव जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव उल्लुयातीरे नयरे जेणेव एगजंबुए उज्जाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से सक्के देविंदे देवराया तस्स देवस्स तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभा(वं)गं दिव्वं तेयलेस्सं असहमाणे ममं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ २ त्ता संभंतिय जाव पडिगए॥५७३॥ जावं च णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से देवे तं देसं हव्वमागए, तए णं से देवे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वंदइ

नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु भंते ! महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे एगे माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे ममं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला नो परिणया अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला नो परिणया अपरिणया, तए णं अहं तं माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगं देवं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला परिणया नो अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला परिणया णो अपरिणया, से कहमेयं भंते ! एवं ? गंगदत्तादि समणे भगवं महावीरे गंगदत्तं देवं एवं वयासी–अहंपि णं गंगदत्ता ! एवमाइक्खामि ४–परिणममाणा पोग्गला जाव नो अपरिणया सच्चमेसे अट्ठे, तए णं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे गंगदत्तस्स देवस्स तीसे य जाव धम्मं परिकहेइ जाव आराहए भवइ, तए णं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अहण्णं भंते ! गंगदत्ते देवे किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए ? एवं जहा सूरियाभो जाव बत्तीसइविहं नट्टविहं उवदंसेइ २ त्ता जाव तामेव दिसिं पडिगए ॥ ५७४ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी–गंगदत्तस्स णं भंते ! देवस्स सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई जाव अणुप्पविट्ठा ? गोयमा ! सरीरं गया सरीरं अणुप्पविट्ठा कूडागारसालादिट्ठंतो जाव सरीरं अणुप्पविट्ठा । अहो णं भंते ! गंगदत्ते देवे महिड्ढिए जाव महेसक्खे, गंगदत्तेणं भंते ! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई किण्णा लद्धा जाव जं णं गंगदत्तेणं देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया ? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणापुरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, सहसंबवणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं हत्थिणापुरे नयरे गंगदत्ते नामं गाहावई परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए, तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव पकड्ढिज्जमाणेणं २ सीसगणसंपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव जेणेव सहसंववणे उज्जाणे जाव विहरइ, परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ, तए णं से गंगदत्ते गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं हत्थिणाउरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहसंववणे उज्जाणे जेणेव मुणिसुव्वए अरहा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मुणिसुव्वयं अरहं तिक्खुत्तो

आयाहिणं पयाहिणं जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ, तए णं मुणिसुव्वए अरहा गंगदत्तस्स गाहावइस्स तीसे य महइ जाव परिसा पडिगया, तए णं से गंगदत्ते गाहावई मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं धम्मं सोचा निसम्म हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता मुणिसुव्वयं अरहं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वदह, जं नवरं देवाणुप्पिया ! जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे जाव पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं, तए णं से गंगदत्ते गाहावई मुणिसुव्वएणं अरहया एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० मुणिसुव्वयं अरहं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियाओ सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विउलं असणं पाणं जाव उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तणाइणियग जाव आमंतेइ आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जहा पूरणे जाव जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेइ, तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्तं च आपुच्छइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूहइ पुरिससह० २ त्ता मित्तणाइनियग जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेण य समणुगम्ममाणमग्गे सव्विड्ढीए जाव णाइयरवेणं हत्थिणापुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता छत्ताइए तित्थगराइसए पासइ एवं जहा उदायणे जाव सयमेव आभरणं उमुयइ स० २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ स० २ त्ता जेणेव मुणिसुव्वए अरहा एवं जहेव उदायणे तहेव पव्वइए, तहेव एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए (जाव) छेदेइ सट्ठिं भत्ताइं० २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव गंगदत्तदेवत्ताए उववन्ने; तए णं से गंगदत्ते देवे अहुणोववन्नमेत्तए समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा–आहारपज्जत्तीए जाव भासामणपज्जत्तीए, एवं खलु गोयमा ! गंगदत्तेणं देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया । गंगदत्तस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! सत्तर ससागरोवमाइं ठिई प०, गंगदत्ते णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५७५ ॥ **सोलसमस्स सयस्स पञ्चमो उद्देसो समत्तो** ॥

कइविहे णं भंते ! सुविणदंसणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे सुविणदंसणे पण्णत्ते, तंजहा–अहातच्चे पयाणे चिंतासुविणे तव्विवरीए अव्वत्तदंसणे ॥ सुत्ते णं भंते ! सुविणं पासइ, जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ ? गोयमा ! नो सुत्ते सुविणं पासइ,

नो जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ ॥ जीवा णं भंते ! किं सुत्ता जागरा सुत्तजागरा ? गोयमा ! जीवा सुत्तावि जागरावि सुत्तजागरावि, नेरइया णं भंते ! किं सुत्ता० पुच्छा, गोयमा ! नेरइया सुत्ता नो जागरा नो सुत्तजागरा, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सुत्ता० पुच्छा, गोयमा ! सुत्ता नो जागरा सुत्तजागरावि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५७६ ॥ संवुडे णं, भंते ! सुविणं पासइ, असंवुडे सुविणं पासइ, संवुडासंवुडे सुविणं पासइ ? गोयमा ! संवुडेवि सुविणं पासइ, असंवुडेवि सुविणं पासइ, संवुडासंवुडेवि सुविणं पासइ, संवुडे सुविणं पासइ अहातच्चं पासइ, असंवुडे सुविणं पासइ तहा वा तं होज्जा अन्नहा वा तं होज्जा, संवुडासंवुडे सुविणं पासइ एवं चेव ॥ जीवा णं भंते ! किं संवुडा असंवुडा संवुडासंवुडा ? गोयमा ! जीवा संवुडावि असंवुडावि संवुडासंवुडावि, एवं जहेव सुत्ताणं दंडओ तहेव भाणियव्वो ॥ कइ णं भंते ! सुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! बायालीसं सुविणा पन्नत्ता, कइ णं भंते ! महासुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं महासुविणा पण्णत्ता, कइ णं भंते ! सव्वसुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावत्तरिं सव्वसुविणा पण्णत्ता । तित्थगरमायरो णं भंते ! तित्थगरंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति ? गोयमा ! तित्थगरमायरो णं तित्थगरंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोद्दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति, तं०–गयउसभसीहअभिसेय जाव सिहिं च । चक्कवट्टिमायरो णं भंते ! चक्कवट्टिंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुमिणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति ? गोयमा ! चक्कवट्टिमायरो चक्कवट्टिंसि जाव वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं एवं जहा तित्थगरमायरो जाव सिहिं च । वासुदेवमायरो णं पुच्छा, गोयमा ! वासुदेवमायरो जाव वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे सत्त महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति । बलदेवमायरो णं पुच्छा, गोयमा ! बलदेवमायरो जाव एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति । मंडलियमायरो णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! मंडलियमायरो जाव एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरं एगं महासुविणं जाव पडिबुज्झंति ॥ ५७७ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे, तं०–एगं च णं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ताणं पडिबुद्धे १, एगं च णं महं सुक्किल्लपक्खगं पुंसकोइलं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे २, एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ३, एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ताणं

पडिवुद्धे ४, एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे ५, एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे ६, एगं च णं महं सागरं उम्मीवीईसहस्सकलियं भुयाहिं तिन्नं सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे ७, एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे ८, एगं च णं महं हरिवेरुलियवन्नाभेणं नियगेणं अंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परिवेढियं सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे ९, एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं सीहासणवरगयं अप्पाणं सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे १०। जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ताणं पडिवुद्धे, तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १, जन्नं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किल्ल जाव पडिवुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्तविचित्त जाव पडिवुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे विचित्तं ससमयपरसमइयं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पन्नवेइ परूवेइ दंसेइ निदंसेइ उवदंसेइ, तंजहा–आयारं सूयगडं जाव दिट्ठिवायं ३, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पन्नवेइ, तं०–आगारधम्मं वा अणागारधम्मं वा ४, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयगोवग्गं जाव पडिवुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइन्ने समणसंघे प०, तं०–समणा समणीओ सावया सावियाओ ५, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिवुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पन्नवेइ, तं०–भवणवासी वाणमंतरे जोइसिए वेमाणिए ६, जन्नं समणे भगवं महावीरे एगं महं सागरं जाव पडिवुद्धे, तन्नं समणेणं भगवया महावीरेणं अणादीए अणवदग्गे जाव संसारकंतारे तिन्ने ७, जन्नं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिवुद्धे, तन्नं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ८, जण्णं समणे जाव वीरे एगं महं हरिवेरुलिय जाव पडिवुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स ओराला कित्तिवन्नसद्दसिलोया सदेवमणुयासुरे लोगे परिभ(वं)मंति–इति खलु समणे भगवं महावीरे इति खलु समणे भगवं महावीरे ९, जन्नं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए जाव पडिवुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलीपन्नत्तं धम्मं आघवेइ जाव उवदंसेइ ॥५७८॥ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हयपंतिं वा गयपंतिं वा जाव उसभपंतिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ,

तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं दामिणिं पाईणपडीणाययं दुहओ समुद्दे पुट्ठं पासमाणे पासइ, संवेल्लेमाणे संवेल्लेइ, संवेल्लियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं रज्जुं पाईणपडीणाययं दुहओ लोगंते पुट्ठं पासमाणे पासइ, छिंदमाणे छिंदइ, छिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं किण्हसुत्तगं वा जाव सुक्किल्लसुत्तगं वा पासमाणे पासइ, उग्गोवेमाणे उग्गोवेइ, उग्गोवियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं अयरासिं वा तंवरासिं वा तउयरासिं वा सीसगरासिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हिरन्नरासिं वा सुवन्नरासिं वा रयणरासिं वा वइररासिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं तणरासिं वा जहा तेयनिसग्गे जाव अवकररासिं वा पासमाणे पासइ, विक्खिरमाणे विक्खिरइ, विकिण्णमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सरथंभं वा वीरिणथंभं वा वंसीमूलथंभं वा वल्लीमूलथंभं वा पासमाणे पासइ, उम्मूलेमाणे उम्मूलेइ, उम्मूलियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं खीरकुंभं वा दहिकुंभं वा घयकुंभं वा महुकुंभं वा पासमाणे पासइ, उप्पाडेमाणे उप्पाडेइ, उप्पाडियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सुरावियडकुंभं वा सोवीरवियडकुंभं वा तेल्लकुंभं वा वसाकुंभं वा पासमाणे पासइ, भिंदमाणे भिंदइ, भिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं पउमसरं कुसुमियं पासमाणे पासइ, ओगाहेमाणे ओगाहेइ, ओगाढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा जाव सुविणंते एगं महं सागरं उम्मीवीई जाव कलियं पासमाणे पासइ, तरमाणे तरइ, तिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा जाव सुविणंते एगं महं भवणं सव्वरयणामयं पासमाणे पासइ, [दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मण्णइ,] अणुप्पविसमाणे अणुप्पविसइ, अणुप्पविट्ठमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा

सुविणंते एगं महं विमाणं सव्वरयणामयं पासमाणे पासइ, दुरुहमाणे दुरुहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ ॥ ५७९ ॥ अह भंते ! कोट्ठपुडाण वा जाव केयईपुडाण वा अणुवायंसि उब्भिज्जमाणाण वा जाव ठाणाओ वा ठाणं संकामिज्जमाणाणं किं कोट्ठे वाइ जाव केयई वाइ ? गोयमा ! नो कोट्ठे वाइ जाव नो केयई वाइ, घाणसहगया पोग्गला वाइ । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५८० ॥ **सोलसमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! उवओगे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे उवओगे पन्नत्ते, एवं जहा उवओगपयं पन्नवणाए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं, पासणयापयं च निरवसेसं नेयव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५८१॥ **सोलसमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

केमहालए णं भंते ! लोए पन्नत्ते ? गोयमा ! महइमहालए जहा बारसमसए तहेव जाव असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं, लोगस्स णं भंते ! पुरच्छिमिल्ले चरिमंते किं जीवा जीवदेसा जीवप्पएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवप्पएसा ? गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवपएसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपएसावि ॥ जे जीवदेसा ते नियमं एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे एवं जहा दसमसए अग्गेईदिसा तहेव, नवरं देसेसु अणिंदियाणं आइल्लविरहिओ । जे अरूवी अजीवा ते छव्विहा, अद्धासमओ नत्थि, सेसं तं चेव सव्वं निरवसेसं । लोगस्स णं भंते ! दाहिणिल्ले चरिमंते किं जीवा० ? एवं चेव, एवं पच्चच्छिमिल्लेवि, एवं उत्तरिल्लेवि, लोगस्स णं भंते ! उवरिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवप्पएसावि जाव अजीवप्पएसावि । जे जीवदेसा ते नियमं एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे, अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा, एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाणं, जे जीवप्पएसा ते नियमं एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य अहवा एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य बेइंदियस्स पएसा य अहवा एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य बेइंदियाण य पएसा, एवं आइल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाणं, अजीवा जहा दसमसए तमाए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं ॥ लोगस्स णं भंते ! हेट्ठिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवप्पएसावि जाव अजीवप्पएसावि, जे जीवदेसा ते नियमं एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे अहवा एगिंदियदेसा बेइंदियाण य देसा, एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव अणिंदियाणं पएसा,

आइल्लविरहिओ सव्वेसिं जहा पुरच्छिमिल्ले चरिमंते तहेव, अजीवा जहेव उवरिल्ले चरिमंते तहेव ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा एवं जहेव लोगस्स तहेव चत्तारिवि चरिमंता जाव उत्तरिल्ले, उवरिल्ले तहेव जहा दसमसए विमला दिसा तहेव निरवसेसं, हेट्ठिल्ले चरिमंते जहेव लोगस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते तहेव, नवरं देसे पंचिंदिएसु तियभंगोत्ति सेसं तं चेव, एवं जहा रयणप्पभाए चत्तारि चरिमंता भणिया एवं सक्करप्पभाएवि उवरि-महेट्ठिल्ला जहा रयणप्पभाए हेट्ठिल्ले, एवं जाव अहे सत्तमाए, एवं सोहम्मस्सवि जाव अच्चुयस्स, गेविज्जविमाणाणं एवं चेव, नवरं उवरिमहेट्ठिल्लेसु चरिमंतेसु देसेसु पंचिंदियाणवि मज्झिल्लविरहिओ सेसं तहेव, एवं जहा गेवेज्जविमाणा तहा अणुत्तरवि-माणावि, ईसिप्पब्भारावि ॥५८२॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! लोगस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ पच्चच्छिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, पच्चच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ पुरच्छिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, दाहिणिल्लाओ चरिमंताओ उत्तरिल्लं जाव गच्छइ, उत्तरिल्लाओ चरिमंताओ दाहिणिल्लं चरिमंतं जाव गच्छइ, उवरिल्लाओ चरिमं-ताओ हेट्ठिल्लं चरिमंतं जाव गच्छइ, हेट्ठिल्लाओ चरिमंताओ उवरिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ ? हंता गोयमा ! परमाणुपोग्गले णं लोगस्स पुरच्छिमिल्लं तं चेव जाव उवरिल्लं चरिमंतं गच्छइ ॥ ५८३ ॥ पुरिसे णं भंते ! वासं वासइ नो वासइत्ति हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा आउंटावेमाणे वा पसारेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे वासं वासइ वासं नो वासतीति हत्थं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेइ वा पसारेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे ॥५८४॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे लोगंते ठिच्चा पभू अलोगंसि हत्थं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ देवे णं महिड्ढिए जाव महेसक्खे लोगंते ठिच्चा णो पभू अलोगंसि हत्थं वा जाव पसारेत्तए वा ? गोयमा ! जीवाणं आहारोवचिया पोग्गला बोंदिचिया पोग्गला कलेवरचिया पोग्गला पोग्गला(चे)मेव पप्प जीवाण य अजीवाण य गइपरि-याए आहिज्जइ, अलोए णं नेवत्थि जीवा नेवत्थि पोग्गला से तेणट्ठेणं जाव पसारेत्तए वा ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥५८५॥ **सोलसमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

कहिन्नं भंते ! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो सभा सुहम्मा प० ? गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं तिरियमसंखेज्जे जहेव चमरस्स जाव बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइ-रोयणरन्नो रुयगिंदे नामं उप्पायपव्वए पन्नत्ते, सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए एवं

परिमाणं जहेव तिगिच्छिकूडस्स पासायवडिंसगस्सवि तं चेव पमाणं सीहासणं सपरिवारं बलिस्स परि(वा)यारेणं अट्ठो तहेव, नवरं रुयगिंदप्पभाइं ३ सेसं तं चेव जाव बलिचंचाए रायहाणीए अन्नेसिं च जाव (णिच्चे) रुयगिंदस्स णं उप्पायपव्वयस्स उत्तरेणं छक्कोडिसए तहेव जाव चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो बलिचंचा नामं रायहाणी प० एगं जोयणंसयसहस्सं पमाणं तहेव उववाओ जाव आयरक्खा सव्वं तहेव निरवसेसं, नवरं साइरेगं सागरोवमं ठिई प०, सेसं तं चेव जाव बली वइरोयणिंदे बली० २॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥५८६॥ **सोलसमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! ओही पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहा ओही प०, तं०–ओहीपयं निरवसेसं भाणियव्वं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥५८७॥ **सोलसमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥**

दीवकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समुस्सासनिस्सासा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जहा पढमसए बिइयउद्देसए दीवकुमाराणं वत्तव्वया तहेव जाव समाउया समुस्सासनिस्सासा। एवं नागावि, दीवकुमाराणं भंते ! कइ लेस्साओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ पन्नत्ताओ, तंजहा–कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा। एएसि णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा दीवकुमारा तेउलेस्सा, काउलेस्सा असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया। एएसि णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पिड्ढिया वा महिड्ढिया वा ? गोयमा ! कण्हलेस्साहिंतो नीललेस्सा महिड्ढिया जाव सव्वमहिड्ढिया तेउलेस्सा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ १६ ॥ ११ ॥ उदहिकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६ ॥ १२ ॥ एवं दिसाकुमारावि सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६ ॥ १३ ॥ एवं थणियकुमारावि, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥५८८॥ **सोलसमस्स सयस्स चउद्दसमो उद्देसो समत्तो ॥ सोलसमं सयं समत्तं ॥**

नमो सुयदेवयाए भगवईए ॥ कुंजर १ संजय २ सेलेसि ३ किरिय ४ ईसाण ५ पुढवि ६–७ दग ८–९ वाऊ १०–११। एगिंदिय १२ नाग १३ सुवन्न १४ विज्जु १५ वाउ १६ ऽग्गि १७ सत्तरसे ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–उदाई णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता उदाइहत्थिरायत्ताए उववन्ने ? गोयमा ! असुरकुमारेहिंतो देवेहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता उदाइहत्थिरा-

यत्ताए उववन्ने, उदाई णं भंते ! हत्थिराया कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोससागरोवमट्ठिइयंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ भूयाणंदे णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता भूयाणंदे हत्थिरायत्ताए एवं जहेव उदाई जाव अंतं काहिइ ॥ ५८९ ॥ पुरिसे णं भंते ! तालमारुहइ ता० २ त्ता तालाओ तालफलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालमारुहइ तालमारुहित्ता तालाओ तालफलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो तले निव्वत्तिए तालफले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ अहे णं भंते ! से तालफले अप्पणो गरुयत्ताए जाव पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तए णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालप्फले अप्पणो ग(गु)रुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो तले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो तालप्फले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेविय से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे रुक्खस्स मूलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, अहे णं भंते ! से मूले अप्पणो गुरुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तओ णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से मूले अप्पणो जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेविय णं से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स

कंदं पचाले० ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि णं जीवा जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, अहे णं भंते ! से कंदे अप्पणो जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए खंधे निव्वत्तिए जाव चउहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे निव्वत्तिए तेवि णं जीवा जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेवि य से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स जाव पंचहिं पुट्ठा जहा (कंदे) खंधो एवं जाव बीयं ॥५९०॥ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पन्नत्ता, तंजहा–ओरालिए जाव कम्मए। कइ णं भंते ! इंदिया प० ? गोयमा ! पंच इंदिया प०, तं०–सोइंदिए जाव फासिंदिए। कइविहे णं भंते ! जोए प० ? गोयमा ! तिविहे जोए प०, तं०–मणजोए वइजोए कायजोए। जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, एवं पुढविकाइएवि, एवं जाव मणुस्से। जीवा णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणा कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि, एवं पुढविकाइयावि, एवं जाव मणुस्सा, एवं वेउव्वियसरीरेणवि दो दंडगा नवरं जस्स अत्थि वेउव्वियं, एवं जाव कम्मगसरीरं, एवं सोइंदियं जाव फासिंदियं, एवं मणजोगं वइजोगं कायजोगं जस्स जं अत्थि तं भाणियव्वं, एए एगत्तपुहुत्तेणं छव्वीसं दंडगा ॥ ५९१ ॥ कइविहे णं भंते ! भावे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे भावे प०, तं०–उदइए उवसमिए जाव सन्निवाइए, से किं तं उदइए भावे ? उदइए भावे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–उदइए य उदयनिप्पन्ने य, एवं एएणं अभिलावेणं जहा अणुओगदारे छन्नामं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव से तं सन्निवाइए भावे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५९२॥ **सत्तरसमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

से नूणं भंते ! संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे धम्मे ठिए, असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अहम्मे ठिए, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए ? हंता गोयमा ! संजयविरय जाव धम्माधम्मे ठिए, एएसि णं भंते ! धम्मंसि वा अहम्मंसि वा धम्माधम्मंसि वा चक्किया केइ आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणं खाइ अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव धम्माधम्मे ठिए ? गोयमा ! संजयविरय जाव पावकम्मे धम्मे ठिए धम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, असंजय जाव पावकम्मे अहम्मे ठिए अहम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए धम्माधम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव ठिए ॥ जीवा णं भंते ! किं धम्मे ठिया अहम्मे ठिया धम्माधम्मे ठिया ?

गोयमा ! जीवा धम्मेवि ठिया अहम्मेवि ठिया धम्माधम्मेवि ठिया, नेरइयाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णेरइया णो धम्मे ठिया, अहम्मे ठिया, णो धम्माधम्मे ठिया, एवं जाव चउरिंदियाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया नो धम्मे ठिया, अहम्मे ठिया, धम्माधम्मेवि ठिया, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५९३ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति-एवं खलु समणा पंडिया समणोवासगा बालपंडिया, जस्स णं एगपाणाएवि दंडे अणिक्खित्ते से णं एगंतबालेत्ति वत्तव्वं सिया, से कहमेयं भंते ! एवं? गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वत्तव्वं सिया, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु समणा पंडिया, समणोवासगा बालपंडिया, जस्स णं एगपाणाएवि दंडे निक्खित्ते से णं नो एगंतबालेत्ति वत्तव्वं सिया ॥ जीवा णं भंते ! किं बाला पंडिया बालपंडिया? गोयमा ! जीवा बालावि पंडियावि बालपंडियावि, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया बाला नो पंडिया नो बालपंडिया, एवं जाव चउरिंदियाणं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया बाला नो पंडिया बालपंडियावि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५९४ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति-एवं खलु पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, उप्पत्तियाए जाव पारिणामियाए वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, उग्गहे ईहा अवाए धारणाए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, उट्ठाणे जाव परक्कमे वट्टमाणस्स जाव जीवाया, नेरइयत्ते तिरिक्खमणुस्सदेवत्ते वट्टमाणस्स जाव जीवाया, नाणावरणिज्जे जाव अंतराइए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, एवं कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, सम्मद्दिट्ठीए ३, एवं चक्खुदंसणे ४, आभिणिबोहियनाणे ५, मइअन्नाणे ३, आहारसन्नाए ४, एवं ओरालियसरीरे ५, एवं मणजोए ३, सागारोवओगे अणागारोवओगे वट्टमाणस्स अण्णे जीवे अन्ने जीवाया, से कहमेयं भंते ! एवं? गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया जाव अणागारोवओगे वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया ॥ ५९५ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे पुव्वामेव रूवी भवित्ता पभू अरूविं विउ-

व्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ देवे णं जाव नो पभू अरूविं विउव्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? गोयमा ! अहमेयं जाणामि, अहमेयं पासामि, अहमेयं बुज्झामि, अहमेयं अभिसमन्नागच्छामि, मए एयं नायं, मए एयं दिट्ठं, मए एयं बुद्धं, मए एयं अभिसमन्नागयं-जण्णं तहागयस्स जीवस्स सरूविस्स सकम्मस्स सरागस्स सवेयस्स समोहस्स सलेसस्स ससरीरस्स ताओ सरीराओ अविप्पमुक्कस्स एवं पन्नायइ, तंजहा-कालत्ते वा जाव सुक्किलत्ते वा, सुब्भिगंधत्ते वा दुब्भिगंधत्ते वा, तित्तत्ते वा जाव महुरत्ते वा, कक्खडत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव चिट्ठित्तए ॥ सच्चेव णं भंते ! से जीवे पुव्वामेव अरूवी भवित्ता पभू रूविं विउव्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं जाव चिट्ठित्तए ? गोयमा ! अहमेयं जाणामि जाव जन्नं तहागयस्स जीवस्स अरूविस्स अकम्मस्स अरागस्स अवेयस्स अमोहस्स अलेसस्स असरीरस्स ताओ सरीराओ विप्पमुक्कस्स णो एवं पन्नायइ, तं०-कालत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेणं जाव चिट्ठित्तए वा ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५९६ ॥ **सत्तरसमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो** ॥

सेलेसिं पडिवन्नए णं भंते ! अणगारे सया समियं एयइ वेयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थेगेणं परप्पओगेणं ॥ कइविहा णं भंते ! एयणा प० ? गोयमा ! पंचविहा एयणा प०, तंजहा-दव्वेयणा खेत्तेयणा कालेयणा भवेयणा भावेयणा, दव्वेयणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! चउव्विहा प०, तंजहा-नेरइयदव्वेयणा,तिरिक्खदव्वेयणा,मणुस्सदव्वेयणा,देवदव्वेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-नेरइयदव्वेयणा २ ? गोयमा ! जन्नं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टिंसु वा वट्टंति वा वट्टिस्संति वा ते णं तत्थ नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा नेरइयदव्वेयणं एइंसु वा एयंति वा एइस्संति वा, से तेणट्ठेणं जाव दव्वेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिरिक्खजोणियदव्वेयणा २ ? एवं चेव, नवरं तिरिक्खजोणियदव्वे० भाणियव्वं, सेसं तं चेव, एवं जाव देवदव्वेयणा । खेत्तेयणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! चउव्विहा प०, तं०-नेरइयखेत्तेयणा जाव देवखेत्तेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयखेत्तेयणा २ ? एवं चेव, नवरं नेरइयखेत्तेयणा भाणियव्वा, एवं जाव देवखेत्तेयणा, एवं कालेयणावि, एवं भवेयणावि, एवं जाव देवभावेयणावि ॥ ५९७ ॥ कइविहा णं भंते ! चलणा प० ? गोयमा ! तिविहा चलणा प०, तं०-सरीरचलणा इंदियचलणा जोगचलणा, सरीरचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तं०-ओरालियसरीरचलणा जाव कम्मगसरीरचलणा, इंदियचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तंजहा—

सोइंदियचलणा जाव फासिंदियचलणा, जोगचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! तिविहा प०, तं०—मणजोगचलणा वइजोगचलणा कायजोगचलणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ओरालियसरीरचलणा २ ? गोयमा ! जं णं जीवा ओरालियसरीरे वट्टमाणा ओरालियसरीरप्पाओगाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए परिणामेमाणा ओरालियसरीरचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव ओरालियसरीरचलणा २, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ वेउव्वियसरीरचलणा २ ? एवं चेव, नवरं वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा एवं जाव कम्मगसरीरचलणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सोइंदियचलणा २ ? गोयमा ! जन्नं जीवा सोइंदिए वट्टमाणा सोइंदियप्पाओगाइं दव्वाइं सोइंदियत्ताए परिणामेमाणा सोइंदियचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव सोइंदियचलणा २, एवं जाव फासिंदियचलणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ मणजोगचलणा २ ? गोयमा ! जण्णं जीवा मणजोए वट्टमाणा मणजोगप्पाओगाइं दव्वाइं मणजोगत्ताए परिणामेमाणा मणजोगचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव मणजोगचलणा २, एवं वइजोगचलणावि, एवं कायजोगचलणावि ॥ ५९८ ॥ अह भंते ! संवेगे निव्वे(गे)ए गुरुसाहम्मियसुस्सूसणया आलोयणया निंदणया गरहणया खमावणया सुयसहायया विउसमणया भावे अप्पडिबद्धया विणिवट्टणया विवित्तसयणासणसेवणया सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे जोगपच्चक्खाणे सरीरपच्चक्खाणे कसायपच्चक्खाणे संभोगपच्चक्खाणे उवहिपच्चक्खाणे भत्तपच्चक्खाणे खमा विरागया भावसच्चे जोगसच्चे करणसच्चे मणसमण्णाहरणया वइसमन्नाहरणया कायसमन्नाहरणया कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे णाणसंपन्नया दंसणसंपन्नया चरित्तसंपन्नया वेयणअहियासणया मारणंतियअहियासणया एए णं भन्ते ! पया किंपज्जवसाणफला पण्णत्ता ? समणाउसो ! गोयमा ! संवेगे निव्वेए जाव मारणंतियअहियासणया एए णं सिद्धिपज्जवसाणफला प० समणाउसो ! ॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५९९ ॥ **सत्तरसमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे जाव एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ? हंता अत्थि, सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? गोयमा ! पुट्ठा कज्जइ नो अपुट्ठा कज्जइ, एवं जहा पढमसए छट्ठुद्देसए जाव नो अणाणुपुव्विकडत्ति वत्तव्वं सिया, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं जीवाणं एगिंदियाण य निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं सेसाणं नियमं छद्दिसिं । अत्थि णं भंते ! जीवाणं मुसा-

वाएणं किरिया कज्जइ? हंता अत्थि, सा भंते! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ? जहा पाणाइवाएणं दंडओ एवं मुसावाएणवि, एवं अदिन्नादाणेणवि मेहुणेणवि परिग्गहेणवि, एवं एए पंच दंडगा ५। जंसमयन्नं भंते! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ? एवं तहेव जाव वत्तव्वं सिया जाव वेमाणियाणं, एवं जाव परिग्गहेणं, एवं एएवि पंच दंडगा १०। जंदेसेणं भंते! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ एवं चेव जाव परिग्गहेणं, एवं एएवि पंच दंडगा १५। जंपएसन्नं भंते! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते! किं पुट्ठा कज्जइ एवं तहेव दण्डओ, एवं जाव परिग्गहेणं २०, एवं एए वीसं दंडगा ॥ ६०० ॥ जीवाणं भंते! किं अत्तकडे दुक्खे, परकडे दुक्खे, तदुभयकडे दुक्खे? गोयमा! अत्तकडे दुक्खे, नो परकडे दुक्खे, नो तदुभयकडे दुक्खे, एवं जाव वेमाणियाणं, जीवा णं भंते! किं अत्तकडं दुक्खं वेदेंति, परकडं दुक्खं वेदेंति, तदुभयकडं दुक्खं वेदेंति? गोयमा! अत्तकडं दुक्खं वेदेंति, नो परकडं दुक्खं वेदेंति, नो तदुभयकडं दुक्खं वेदेंति, एवं जाव वेमाणियाणं। जीवाणं भंते! किं अत्तकडा वेयणा, परकडा वेयणा, तदुभयकडा वेयणा? गोयमा! अत्तकडा वेयणा, णो परकडा वेयणा, णो तदुभयकडा वेयणा, एवं जाव वेमाणियाणं, जीवा णं भंते! किं अत्तकडं वेयणं वेदेंति, परकडं वेयणं वेदेंति, तदुभयकडं वेयणं वेदेंति? गोयमा! जीवा अत्तकडं वेयणं वेदेंति, नो परकडं वेयणं वेदेंति, नो तदुभयकडं वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणियाणं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ६०१ ॥ **सत्तरसमे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

कहि णं भंते! ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो सभा सुहम्मा पण्णत्ता? गोयमा! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरिय जहा ठाणपए जाव मज्झे ईसाणवडिंसए महाविमाणे से णं ईसाणवडिंसए महाविमाणे अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइं० एवं जहा दसमसए सक्कविमाणवत्तव्वया सा इहवि ईसाणस्स निरवसेसा भाणियव्वा जाव आयरक्खत्ति, ठिई साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, सेसं तं चेव जाव ईसाणे देविंदे देवराया २, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ६०२ ॥ **सत्तरसमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

पुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से भंते! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्विं वा संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा? गोयमा! पुव्विं वा उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्विं वा संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं जाव पच्छा उववज्जेज्जा? गोयमा! पुढविक्काइयाणं तओ समुग्घाया प०, तं०-

वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणमाणे देसेणं वा समोहणइ सव्वेण वा समोहणइ, देसेणं समोहणमाणे पुव्विं संपाउणित्ता पच्छा उववज्जिज्जा, सव्वेणं समोहणमाणे पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उववजेज्जा। पुढविक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव समोहए २ त्ता जे भविए ईसाणे कप्पे पुढवि० एवं चेव ईसाणेवि, एवं जाव अच्चुयगेविज्जविमाणे, अणुत्तरविमाणे ईसिप्पब्भाराए य एवं चेव। पुढविकाइए णं भंते! सक्करप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढवि० एवं जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ उववाइओ एवं सक्करप्पभाएवि पुढविकाइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्पब्भाराए, एवं जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया भणिया एवं जाव अहे सत्तमाए समोहए ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। सेवं भंते! २ त्ति (१७-६) ॥६०३॥ पुढविकाइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! किं पुव्विं सेसं तं चेव जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पब्भाराए ताव उववाइओ एवं सोहम्मपुढविकाइओवि सत्तसुवि पुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहे सत्तमाए, एवं जहा सोहम्मपुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भारापुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहे सत्तमाए, सेवं भंते! २ त्ति (१७-७) ॥६०४॥ आउक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा पुढविकाइओ तहा आउकाइओवि सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पब्भाराए तहेव उववाएयव्वो, एवं जहा रयणप्पभाआउकाइओ उववाइओ तहा जाव अहेसत्तमापुढविआउकाइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्पब्भाराए, सेवं भंते! २ त्ति (१७-८) ॥६०५॥ आउकाइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहिवलएसु आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! सेसं तं चेव एवं जाव अहे सत्तमाए जहा सोहम्मआउक्काइओ एवं जाव ईसिप्पब्भाराआउक्काइओ जाव अहे सत्तमाए उववाएयव्वो, सेवं भंते! २ त्ति (१७-९) ॥६०६॥ वाउक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं जहा पुढविकाइओ तहा वाउकाइओवि नवरं वाउक्काइयाणं चत्तारि समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणमाणे देसेण वा समो० सेसं तं चेव जाव अहे सत्तमाए समोहओ ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो, सेवं भंते! २ त्ति (१७-१०) ॥ ६०७॥ वाउक्काइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए २ त्ता जे

भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए तणुवाए घणवायवलएसु तणुवायवलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! सेसं तं चेव एवं जहा सोहम्मकप्पवाउकाइओ सत्तसुवि पुढवीसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भाराए वाउक्काइओ अहे सत्तमाए जाव उववाएयव्वो, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-११) ॥ ६०८ ॥ एगिंदिया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे (समसरीरा) समुस्सासणीसासा एवं जहा पढमसए बिइयउद्देसए पुढविक्काइयाणं वत्तव्वया भणिया सा चेव एगिंदियाणं इह भाणियव्वा जाव समाउया समोववन्नगा। एगिंदियाणं भंते ! कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ प०, तं०-कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा। एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्साणं जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगिंदियाणं तेउलेस्सा, काउलेस्सा अणंतगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया। एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्सा इड्ढी जहेव दीवकुमाराणं, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१२) ॥ ६०९ ॥ नागकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा जहा सोलसमसए दीवकुमारुद्देसए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव इड्ढीति, सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ (१७-१३) ॥ ६१० ॥ सुवन्नकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१४) ॥ ६११ ॥ विज्जुकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१५) ॥ ६१२ ॥ वाउकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१६) ॥ ६१३ ॥ अग्गिकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥६१४॥ **सत्तरसमस्स सयस्स सत्तरसमो उद्देसो समत्तो ॥ सत्तरसमं सयं समत्तं ॥**

पढमे १ विसाह २ मायंदिए य ३ पाणाइवाय ४ असुरे य ५। गुल ६ केवलि ७ अणगारे ८ भविए ९ तह सोमिलऽट्ठारसे १० ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी-जीवे णं भंते ! जीवभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! नो पढमे अपढमे, एवं नेरइए जाव वेमाणिए । सिद्धे णं भंते ! सिद्धभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! पढमे नो अपढमे, जीवा णं भंते ! जीवभावेणं किं पढमा अपढमा ? गोयमा ! नो पढमा अपढमा, एवं जाव वेमाणियाणं १ ॥ सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा ! पढमा नो अपढमा ॥ आहारए णं भंते ! जीवे आहारभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! नो पढमे अपढमे, एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएवि एवं चेव । अणाहारए णं भंते ! जीवे अणाहारभावेणं पुच्छा, गोयमा ! सिय पढमे सिय अपढमे । नेरइए णं भंते ! एवं नेरइए जाव वेमाणिए नो पढमे अपढमे, सिद्धे पढमे नो अपढमे । अणाहारगा णं भंते ! जीवा अणाहारभावेणं

पुच्छा, गोयमा ! पढमावि अपढमावि, नेरइया जाव वेमाणिया णो पढमा अपढमा, सिद्धा पढमा नो अपढमा, एक्केक्के पुच्छा भाणियव्वा २ ॥ भवसिद्धिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, एवं अभवसिद्धिएवि, नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धिए णं भंते ! जीवे नोभव० पुच्छा, गोयमा ! पढमे नो अपढमे, णोभवसिद्धिय नोअभवसिद्धिया णं भंते ! सिद्धा नोभ० अभव०, एवं चेव पुहुत्तेणवि दोण्हवि ॥ सन्नी णं भंते ! जीवे सण्णिभावेणं किं पढमे पुच्छा, गोयमा ! नो पढमे अपढमे, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेणवि ३ ॥ असन्नी एवं चेव एगत्तपुहुत्तेणं नवरं जाव वाणमंतरा, नोसन्नीनोअसन्नी जीवे मणुस्से सिद्धे पढमे नो अपढमे, एवं पुहुत्तेणवि ४ ॥ सलेस्से णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जहा आहारए एवं पुहुत्तेणवि, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा एवं चेव नवरं जस्स जा लेस्सा अत्थि । अलेस्से णं जीवमणुस्ससिद्धे जहा नोसन्नीनोअसन्नी ५ ॥ सम्मद्दिट्ठिए णं भंते ! जीवे सम्मद्दिट्ठिभावेणं किं पढमे पुच्छा, गोयमा ! सिय पढमे सिय अपढमे, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, सिद्धे पढमे नो अपढमे, पुहुत्तिया जीवा पढमावि अपढमावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा पढमा नो अपढमा, मिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारगा, सम्मामिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, नवरं जस्स अत्थि सम्मामिच्छत्तं ६ ॥ संजए जीवे मणुस्से य एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मद्दिट्ठी, असंजए जहा आहारए, संजयासंजए जीवे पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सा एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मद्दिट्ठी, नोसंजएनोअसंजएनोसंजयासंजए जीवे सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमे नो अपढमे ७ ॥ सकसाई कोहकसाई जाव लोभकसाई एए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, अकसाई जीवे सिय पढमे सिय अपढमे, एवं मणुस्सेवि, सिद्धे पढमे नो अपढमे, पुहुत्तेणं जीवा मणुस्सा पढमावि अपढमावि, सिद्धा पढमा नो अपढमा ८ ॥ णाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मद्दिट्ठी, आभिणिबोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी एगत्तपुहुत्तेणं एवं चेव, नवरं जस्स जं अत्थि, केवलनाणी जीवे मणुस्से सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमा नो अपढमा । अन्नाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए ९ ॥ सजोगी मणजोगी वइजोगी कायजोगी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, नवरं जस्स जो जोगो अत्थि, अजोगी जीवमणुस्ससिद्धा एगत्तपुहुत्तेणं पढमा नो अपढमा १० ॥ सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता एगत्तपुहुत्तेणं जहा अणाहारए ११ ॥ सवेदगो जाव नपुंसगवेदगो एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए नवरं जस्स जो वेदो अत्थि, अवेदओ एगत्तपुहुत्तेणं तिसुवि पएसु जहा अकसाई १२ ॥ ससरीरी जहा आहारए, एवं जाव कम्मगसरीरी जस्स जं अत्थि

सरीरं, नवरं आहारगसरीरी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, असरीरी जीवो सिद्धो एगत्तपुहुत्तेणं पढमो नो अपढमो १३ ॥ पंचहिं पज्जत्तीहिं पंचहिं अपज्जत्तीहिं एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारए, नवरं जस्स जा अत्थि जाव वेमाणिया नो पढमा अपढमा १४ ॥ इमा लक्खणगाहा—जो जेण पत्तपुव्वो भावो सो तेण अपढमो होइ। सेसेसु होइ पढमो अपत्तपुव्वेसु भावेसु ॥ १ ॥ जीवे णं भंते ! जीवभावेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! नो चरिमे अचरिमे । नेरइए णं भंते ! नेरइयभावेणं पुच्छा, गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे । जीवाणं पुच्छा, गोयमा ! जीवा नो चरिमा अचरिमा, नेरइया चरिमावि अचरिमावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा १ ॥ आहारए सव्वत्थ एगत्तेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमावि अचरिमावि, अणाहारओ जीवो सिद्धो य एगत्तेणवि पुहुत्तेणवि नो चरिमो अचरिमो, सेसट्ठाणेसु एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारओ २ ॥ भवसिद्धीओ जीवपए एगत्तपुहुत्तेणं चरिमे नो अचरिमे, सेसट्ठाणेसु जहा आहारओ । अभवसिद्धीओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेणं नो चरिमे अचरिमे, नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीय जीवा सिद्धा य एगत्तपुहुत्तेणं जहा अभवसिद्धीओ ३ ॥ सन्नी जहा आहारओ, एवं असन्नीवि, नोसन्नीनोअसन्नी जीवपए सिद्धपए य अचरिमो, मणुस्सपए चरिमो एगत्तपुहुत्तेणं ४ ॥ सलेस्सो जाव सुक्कलेस्सो जहा आहारओ नवरं जस्स जा अत्थि, अलेस्सो जहा नोसन्नीनोअसन्नी ५ ॥ सम्मदिट्ठी जहा अणाहारओ, मिच्छादिट्ठी जहा आहारओ, सम्मामिच्छादिट्ठी एगिंदियविगलिंदियवज्जं सिय चरिमे सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमावि अचरिमावि ६ ॥ संजओ जीवो मणुस्सो य जहा आहारओ, असंजओवि तहेव, संजयासंजओवि तहेव, नवरं जस्स जं अत्थि, नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजय जहा नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीओ ७ ॥ सकसाई जाव लोभकसाई सव्वट्ठाणेसु जहा आहारओ, अकसाई जीवपए सिद्धपए य नो चरिमो अचरिमो, मणुस्सपए सिय चरिमो सिय अचरिमो ८ ॥ णाणी जहा सम्मदिट्ठी सव्वत्थ आभिणिबोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी जहा आहारओ नवरं जस्स जं अत्थि, केवलनाणी जहा नोसन्नीनोअसन्नी, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा आहारओ ९ ॥ सजोगी जाव कायजोगी जहा आहारओ जस्स जो जोगो अत्थि, अजोगी जहा नोसन्नीनोअसन्नी १० ॥ सागारोवउत्तो अणागारोवउत्तो य जहा अणाहारओ ११ ॥ सवेदओ जाव नपुंसगवेदओ जहा आहारओ, अवेदओ जहा अकसाई १२ ॥ ससरीरी जाव कम्मगसरीरी जहा आहारओ नवरं जस्स जं अत्थि, असरीरी जहा नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीय १३ ॥ पंचहिं पज्जत्तीहिं पंचहिं

अपज्जत्तीहिं जहा आहारओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेणं दंडगा भाणियव्वा १४ ॥ इमा लक्खणगाहा—जो जं पाविहिइ पुणो भावं सो तेण अचरिमो होइ । अच्चंतविओगो जस्स जेण भावेण सो चरिमो ॥ १ ॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६१५ ॥

अट्ठारसमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं विसाहा नामं नयरी होत्था वन्नओ, बहुपुत्तिए उज्जाणे वन्नओ, सामी समोसढे जाव पज्जुवासइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे एवं जहा सोलसमसए बिइयउद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ नवरं एत्थ आभिओगा(वि)इ अत्थि जाव बत्तीसइविहं नट्टविहिं उवदंसेइ २ त्ता जाव पडिगए । भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी–जहा तइयसए ईसाणस्स तहेव कूडागारसालादिट्ठंतो तहेव पुव्वभव-पुच्छा जाव अभिसमन्नागया ? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, सहसंबवणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं हत्थिणाउरे नयरे कत्तिए नामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए णेगमपढमा-सणिए णेगमट्ठसहस्सस्स बहुसु कज्जेसु य कारणेसु य कोडुंबेसु य एवं जहा राय-प्पसेणइज्जे चित्ते जाव चक्खुभूए णेगमट्ठसहस्सस्स स(सी)यस्स य कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव कारेमाणे पालेमाणे य समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जहा सोलसमसए तहेव जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए णं से कत्तिए सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ० एवं जहा एक्कारसमसए सुदंसणे तहेव निग्गओ जाव पज्जुवासइ, तए णं मुणिसुव्वए अरहा कत्तियस्स सेट्ठिस्स धम्मकहा जाव परिसा पडिगया, तए णं से कत्तिए सेट्ठी मुणिसुव्वयस्स जाव निसम्म हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता मुणि-सुव्वयं जाव एवं वयासी–एवमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुज्झे वदह, जं नवरं देवाणु-प्पिया ! नेगमट्ठसहस्सं आपुच्छामि जेट्ठपुत्तं च कुडुंबे ठावेमि, तए णं अहं देवाणु-प्पियाणं अंतियं पव्वयामि, अहासुहं जाव मा पडिबंधं, तए णं से कत्तिए सेट्ठी जाव पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव सए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता णेगमट्ठसहस्सं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं धम्मे निसन्ते सेविय मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं अहं देवाणुप्पिया ! संसारभयउव्विग्गे जाव पव्वयामि, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! किं करेह किं ववसह किं भे हियइच्छिए किं भे सामत्थे ?, तए णं

तं णेगमट्ठसहस्संपि तं कत्तियं सेट्ठिं एवं वयासी–जइ णं देवाणुप्पिया ! संसारभय-उव्विग्गा भीया जाव पव्वइस्संति अम्हं देवाणुप्पिया ! किं अन्ने आलंवणे वा आहारे वा पडिवंधे वा ? अम्हेवि णं देवाणुप्पिया ! संसारभयउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं देवाणुप्पिएहिं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं मुं(डे)डा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वयामो, तए णं से कत्तिए सेट्ठी तं नेगमट्ठसहस्सं एवं वयासी–जइ णं देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं मए सद्धिं मुणिसुव्वय जाव पव्वयह तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सएसु २ गिहेसु विउलं असणं जाव उवक्खडावेह मित्तणाइ जाव पुरओ जेट्ठपुत्ते कुडुंवे ठावेह जेट्ठ० २ त्ता तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्ते आपुच्छह २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूहह पु० २ त्ता मित्तनाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेहि य समणुगम्ममाणमग्गा सव्विड्ढीए जाव रवेणं अकालपरिहीणं चेव ममं अंतियं पाउब्भवह, तए णं ते नेगमट्ठसहस्संपि कत्तियस्स सेट्ठिस्स एय-मट्ठं विणएणं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव साइं साइं गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता विपुलं असणं जाव उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तणाइ जाव तस्सेव मित्तणाइ जाव पुरओ जेट्ठपुत्ते कुडुंवे ठावेंति जेट्ठपुत्ते० २ त्ता तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्ते य आपुच्छंति जेट्ठ० २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरुहंति २ त्ता मित्तणाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेहि य समणुगम्ममाणमग्गा सव्विड्ढीए जाव रवेणं अकाल-परिहीणं चेव कत्तियस्स सेट्ठिस्स अंतियं पाउब्भवंति, तए णं से कत्तिए सेट्ठी विपुलं असणं ४ जहा गंगदत्तो जाव मित्तणाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेणं णेगमट्ठसहस्सेण य समणुगम्ममाणमग्गे सव्विड्ढीए जाव रवेणं हत्थिणापुरं नयरं मज्झंमज्झेणं जहा गंगदत्तो जाव आलित्ते णं भंते ! लोए पलित्ते णं भंते ! लोए आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए जाव आणुगामियत्ताए भविस्सइ, तं इच्छामि णं भंते ! णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं जाव धम्ममाइक्खियं, तए णं मुणिसुव्वए अरहा कत्तियं सेट्ठिं णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं सयमेव पव्वावेइ जाव धम्ममाइक्खइ, एवं देवाणु-प्पिया ! गंतव्वं एवं चिट्ठियव्वं जाव संजमियव्वं, तए णं से कत्तिए सेट्ठी नेगमट्ठसह-स्सेणं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जइ, तमाणाए तहा गच्छइ जाव संजमेइ, तए णं से कत्तिए सेट्ठी णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं अणगारे जाए इरियासमिए जाव गुत्तवंभयारी, तए णं से कत्तिए अणगारे मुणि-सुव्वयस्स अरहओ तहारूवाणं थेराणं अंतियं सामाइयमाइयाइं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ सा० २ त्ता वहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे वहुपडिपुन्नाइं दुवालसवासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेइ

मा० २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ स० २ त्ता आलोइयपडिक्कंते जाव कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव सक्के देविंदत्ताए उववन्ने, तए णं से सक्के देविंदे देवराया अहुणोववण्णे सेसं जहा गंगदत्तस्स जाव अंतं काहिइ, नवरं ठिई दो सागरोवमाइं प० सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६१६ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वन्नओ, गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव अंतेवासी मागंदियपुत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जहा मंडियपुत्ते जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–से नूणं भंते ! काउलेस्से पुढविकाइए काउलेस्सेहिंतो पुढविकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुसं विग्गहं लभइ मा० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झइ के० २ त्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता मागंदियपुत्ता ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ । से नूणं भंते ! काउलेस्से आउकाइए काउलेस्सेहिंतो आउकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुसं विग्गहं लभइ मा० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता मागंदियपुत्ता ! जाव अंतं करेइ । से नूणं भंते ! काउलेस्से वणस्सइकाइए एवं चेव जाव अंतं करेइ, सेवं भंते ! २ त्ति मागंदियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं जाव नमंसित्ता जेणेव समणे निग्गंथे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणे निग्गंथे एवं वयासी–एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए तहेव जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइए जाव अंतं करेइ, तए णं ते समणा निग्गंथा मा(कं)गंदियपुत्तस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति ३ एयमट्ठं असद्दहमाणा ३ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु भंते ! मागंदियपुत्ते अणगारे अम्हं एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु० वणस्सइकाइएवि जाव अंतं करेइ, से कहमेयं भंते ! एवं ? अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी–जण्णं अज्जो ! मागंदियपुत्ते अणगारे तुज्झे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढवीकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइएवि जाव अंतं करेइ, सच्चे णं एसमट्ठे, अहंपि णं अज्जो ! एवमाइक्खामि ४–एवं खलु

अज्जो ! कण्हलेस्से पुढविकाइए कण्हलेस्सेहिंतो पुढविकाइएहिंतो जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! नीललेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं काउलेस्सेवि जहा पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं आउकाइएवि, एवं वणस्सइकाइएवि, सच्चे णं एसमट्ठे ॥ सेवं भंते ! २ त्ति समणा निग्गंथा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जेणेव मागंदियपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मागंदियपुत्तं अणगारं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति ॥६१७॥ तए णं से मागंदियपुत्ते अणगारे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो सव्वं कम्मं वेदेमाणस्स सव्वं कम्मं निज्जरेमाणस्स सव्वं मारं मरमाणस्स सव्वं सरीरं विप्पजहमाणस्स चरिमं कम्मं वेदेमाणस्स चरिमं कम्मं निज्जरेमाणस्स चरिमं मारं मरमाणस्स चरिमं सरीरं विप्पजहमाणस्स मारणंतियं कम्मं वेदेमाणस्स मारणंतियं कम्मं निज्जरेमाणस्स मारणंतियं मारं मरमाणस्स मारणंतियं सरीरं विप्पजहमाणस्स जे चरिमा निज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला प०, समणाउसो ! सव्वं लोगंपिणं ते उग्गाहित्ताणं चिट्ठंति ? हंता मागंदियपुत्ता ! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव ओगाहित्ताणं चिट्ठंति, छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से तेसिं निज्जरापोग्गलाणं किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा एवं जहा इंदियउद्देसए पढमे जाव वेमाणिया जाव तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जाणंति पासंति आहारेंति, से तेणट्ठेणं निक्खेवो भाणियव्वोत्ति न पासंति आहारेंति, नेरइया णं भंते ! निज्जरापोग्गला न जाणंति न पासंति आहारेंति, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, मणुस्सा णं भंते ! निज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारेंति उदाहु न जाणंति न पासंति न आहारेंति ? गोयमा ! अत्थेगइया जाणंति ३ अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेंति, अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति ? गोयमा ! मणुस्सा दुविहा प०, तंजहा–सन्निभूया य असन्निभूया य, तत्थ णं जे ते असन्निभूया ते न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते सन्निभूया ते दुविहा प०, तं०–उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जाणंति ३, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ अत्थेगइया न जाणंति २ आहारेंति, अत्थेगइया जाणंति ३, वाणमंतरजोइसिया जहा नेरइया । वेमाणिया णं भंते ! ते निज्जरापोग्गले किं जाणंति ६ ? गोयमा ! जहा मणुस्सा नवरं वेमाणिया दुविहा प०, तं०–माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा य अमा-

इसम्मद्दिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ णं जे ते माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नगा ते दुविहा प०, तं०-अणंतरोववन्नगा य परंपरोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते अणंतरोववन्नगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते परंपरोववन्नगा ते दुविहा प०, तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते दुविहा प०, तं०-उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं न जाणंति २ आहारेंति ॥६१८॥ कइविहे णं भन्ते! बंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे बंधे प०, तं०-दव्वबंधे य भावबंधे य; दव्वबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प०, तं०-पओगबंधे य वीससाबंधे य, वीससाबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प०, तं०-साईयवीससाबंधे य अणाईयवीससाबंधे य, पओगबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प०, तं०-सिढिलबंधणबन्धे य धणियबंधणबन्धे य, भावबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प०, तं०-मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, नेरइयाणं भंते! कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प०, तं०-मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, एवं जाव वेमाणियाणं, नाणावरणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प०, तं०-मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, नेरइयाणं भंते! नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प०, तं०-मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, एवं जाव वेमाणियाणं, जहा नाणावरणिज्जेणं दंडओ भणिओ एवं जाव अंतराइएणं भाणियव्वो ॥ ६१९ ॥ जीवाणं भंते! पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ अत्थि याइ तस्स केइ णाणत्ते ? हंता अत्थि; से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जीवाणं पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ अत्थि याइ तस्स णाणत्ते ? मागंदियपुत्ता! से जहानामए-केइ पुरिसे धणुं परामुसइ २ त्ता उसुं परामुसइ २ त्ता ठाणं ठाइ २ त्ता आययकन्नाययं उसुं करेइ आ० २ त्ता उड्ढं वेहासं उव्विहइ से नूणं मागंदियपुत्ता! तस्स उसुस्स उड्ढं वेहासं उव्वीढस्स समाणस्स एयइवि णाणत्तं जाव तं तं भावं परिणमइवि णाणत्तं ? हंता भगवं! एयइवि णाणत्तं जाव परिणमइवि णाणत्तं, से तेणट्ठेणं मागंदियपुत्ता! एवं वुच्चइ जाव तं तं भावं परिणमइवि णाणत्तं, नेरइयाणं भंते! पावे कम्मे जे य कडे एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ६२० ॥ नेरइया णं भंते! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति तेसि णं भंते! पोग्गलाणं सेयकालंसि कइभागं आहारेंति कइभागं निज्जरेंति ?

मागंदियपुत्ता ! असंखेज्जइभागं आहारेंति अणंतभागं निज्जरेंति, चक्किया णं भंते ! केइ तेसु निज्जरापोग्गलेसु आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा? णो इणट्ठे समट्ठे, अणाहरणमेयं वुइयं समणाउसो ! एवं जाव वेमाणियाणं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६२१ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव भगवं गोयमे एवं वयासी–अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पाणाइवायवेरमणे मुसावाय० जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणे, पुढविक्काइए जाव वणस्सइकाइए, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवे असरीरपडिबद्धे परमाणुपोग्गले सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे सव्वे य बायरबोंदिधरा कलेवरा एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति? गोयमा ! पाणाइवाए जाव एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य अत्थेगइया जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, अत्थेगइया जीवाणं जाव नो हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ पाणाइवाए जाव नो हव्वमागच्छंति? गोयमा ! पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पुढविकाइए जाव वणस्सइकाइए, सव्वे य बायरबोंदिधरा कलेवरा एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव परमाणुपोग्गले सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए नो हव्वमागच्छन्ति, से तेणट्ठेणं जाव नो हव्वमागच्छंति ॥ ६२२ ॥ कइ णं भंते ! कसाया पन्नत्ता? गोयमा ! चत्तारि कसाया प०, तं०–कसायपयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव निज्जरिस्संति लोभेणं ॥ कइ णं भंते ! जुम्मा पन्नत्ता? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा पन्नत्ता, तं०–कडजुम्मे तेओगे दावरजुम्मे कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ जाव कलिओगे? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं कडजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए सेत्तं तेओगे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे (२) दुपज्जवसिए सेत्तं दावरजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं कलिओगे, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुचइ जाव कलिओगे ॥ नेरइया णं भंते ! किं कडजुम्मा तेओगा दावरजुम्मा कलिओगा? गोयमा ! जहन्नपए कडजुम्मा, उक्कोसपए तेओगा, अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, एवं जाव थणियकुमारा । वणस्सइकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नपए अपया उक्कोसपए य अपया अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा । बेइंदि-

याणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नपए कडजुम्मा, उक्कोसपए दावरजुम्मा, अजहन्नमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, एवं जाव चउरिंदिया, सेसा एगिंदिया जहा बेइंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया, सिद्धा जहा वणस्सइकाइया । इत्थीओ णं भंते ! किं कडजुम्माओ० पुच्छा, गोयमा ! जहन्नपए कडजुम्माओ, उक्कोसपए कडजुम्माओ, अजहन्नमणुक्कोसपए सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओगाओ, एवं असुरकुमारइत्थीओवि जाव थणियकुमारइत्थीओवि, एवं तिरिक्खजोणियइत्थीओवि, एवं मणुस्सइत्थीओवि, एवं वाणमंतरजोइसियवेमाणियदेवइत्थीओवि ॥ ६२३ ॥ जावइयाणं भंते ! वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा ? हंता गोयमा ! जावइया वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६२४ ॥

अट्ठारसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

दो भंते ! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववन्ना, तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे पासादीए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे, एगे असुरकुमारे देवे से णं नो पासादीए नो दरिसणिज्जे नो अभिरूवे नो पडिरूवे, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! असुरकुमारा देवा दुविहा प०, तं०-वेउव्वियसरीरा य अवेउव्वियसरीरा य, तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं पासादीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं जे से अवेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं नो पासादीए जाव नो पडिरूवे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे तं चेव जाव णो पडिरूवे ? गोयमा ! से जहानामए-इहं मणुस्सलोगंसि दुवे पुरिसा भवंति, एगे पुरिसे अलंकियविभूसिए, एगे पुरिसे अणलंकियविभूसिए, एएसि णं गोयमा ! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे पासादीए जाव पडिरूवे, कयरे पुरिसे नो पासादीए जाव नो पडिरूवे, जे वा से पुरिसे अलंकियविभूसिए जे वा से पुरिसे अणलंकियविभूसिए ? भगवं ! तत्थ जे से पुरिसे अलंकियविभूसिए से णं पुरिसे पासादीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं जे से पुरिसे अणलंकियविभूसिए से णं पुरिसे नो पासादीए जाव नो पडिरूवे, से तेणट्ठेणं जाव नो पडिरूवे । दो भंते ! नागकुमारा देवा एगंसि नागकुमारावासंसि एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव ॥ ६२५ ॥ दो भंते ! नेरइया एगंसि नेरइयावासंसि नेरइयत्ताए उववन्ना, तत्थ णं एगे नेरइए महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, एगे नेरइए अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! नेरइया दुविहा प०, तं०-माइमिच्छादिट्ठिउववन्नगा य अमाइसम्मदिट्ठि-

उववन्नगा य, तत्थ णं जे से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए नेरइए से णं महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, तत्थ णं जे से अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए नेरइए से णं अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, दो भंते! असुरकुमारा एवं चेव, एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिया ॥ ६२६ ॥ नेरइ(या)ए णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! कयरं आउयं पडिसंवेदेइ? गोयमा! नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाउए से पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं मणुस्सेवि, नवरं मणुस्साउए से पुरओ कडे चिट्ठइ। असुरकुमारा णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा! असुरकुमाराउयं पडिसंवेदेइ, पुढविकाइयाउए से पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं जो जहिं भविओ उववज्जित्तए तस्स तं पुरओ कडं चिट्ठइ, जत्थ ठिओ तं पडिसंवेदेइ जाव वेमाणिए, नवरं पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जइ पुढविकाइयाउयं पडिसंवेदेइ, अन्ने य से पुढविकाइयाउए पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं जाव मणुस्सो सट्ठाणे उववाएयव्वो परट्ठाणे तहेव ॥ ६२७ ॥ दो भंते! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववन्ना, तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे उज्जुयं विउव्विस्सामित्ति उज्जुयं विउव्वइ, वंकं विउव्विस्सामित्ति वंकं विउव्वइ, जं जहा इच्छइ तं तहा विउव्वइ, एगे असुरकुमारे देवे उज्जुयं विउव्विस्सामित्ति वंकं विउव्वइ, वंकं विउव्विस्सामित्ति उज्जुयं विउव्वइ, जं जहा इच्छइ णो तं तहा विउव्वइ, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! असुरकुमारा देवा दुविहा प०, तं०-माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा य अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ णं जे से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए असुरकुमारे देवे से णं उज्जुयं विउव्विस्सामित्ति वंकं विउव्वइ जाव णो तं तहा विउव्वइ, तत्थ णं जे से अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए असुरकुमारे देवे से णं उज्जुयं विउव्विस्सामीति उज्जुयं विउव्वइ जाव तं तहा विउव्वइ। दो भंते! नागकुमारा एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव ॥ सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६२८ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो** ॥

फाणियगुले णं भंते! कइवन्ने कइगंधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते? गोयमा! एत्थ णं दो नया भवंति, तं०-निच्छइयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स गोड्डे फाणियगुले, नेच्छइयनयस्स पंचवन्ने दुगंधे पंचरसे अट्ठफासे प०। भमरे णं भंते! कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा! एत्थ णं दो नया भवंति, तं०-निच्छइयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स कालए भमरे, नेच्छइयनयस्स पंचवन्ने जाव अट्ठफासे प०। सुयपिच्छे णं भंते! कइवन्ने० प०? एवं चेव, नवरं वावहारियनयस्स

नीलए सुयपिच्छे, नेच्छइयनयस्स पंचवण्णे सेसं तं चेव, एवं एएणं अभिलावेणं लोहि-(ति)या मंजिट्ठिया, पीतिया हालिद्दा, सुक्किल्लए संखे, सुब्भिगंधे कोट्ठे, दुब्भिगंधे मियग-सरीरे, तित्ते निंबे, कडुया सुंठी, कसाए कविट्ठे, अंबा अंबिलिया, महुरे खंडे, कक्खडे वइरे, मउए नवणीए, गुरुए अए, लहुए उलुयपत्ते, सीए हिमे, उसिणे अगणिकाए, णिद्धे तेल्ले। छारिया णं भंते! पुच्छा, गोयमा! एत्थ णं दो नया भवंति, तं०–निच्छ-इयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स लुक्खा छारिया, नेच्छइयनयस्स पंच-वन्ना जाव अट्ठफासा प० ॥ ६२९ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! कइवन्ने जाव कइ-फासे पन्नत्ते? गोयमा! एगवन्ने एगगंधे एगरसे दुफासे पन्नत्ते ॥ दुपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने सिय दुवन्ने, सिय एगगंधे सिय दुगंधे, सिय एगरसे सिय दुरसे, सिय दुफासे सिय तिफासे सिय चउफासे पन्नत्ते, एवं तिप-एसिएवि, नवरं सिय एगवन्ने सिय दुवन्ने सिय तिवन्ने, एवं रसेसुवि, सेसं जहा दुपएसियस्स, एवं चउप्पएसिएवि, नवरं सिय एगवन्ने जाव सिय चउवन्ने, एवं रसे-सुवि, सेसं तं चेव, एवं पंचपएसिएवि, नवरं सिय एगवन्ने जाव सिय पंचवन्ने, एवं रसेसुवि, गंधफासा तहेव, जहा पंचपएसिओ एवं जाव असंखेज्जपएसिओ ॥ सुहुम-परिणए णं भंते! अणंतपएसिए खंधे कइवन्ने०? जहा पंचपएसिए तहेव निरवसेसं, बायरपरिणए णं भंते! अणंतपएसिए खंधे कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जाव सिय पंचवन्ने, सिय एगगंधे सिय दुगंधे, सिय एगरसे जाव सिय पंचरसे, सिय चउफासे जाव सिय अट्ठफासे प० ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ६३० ॥

अट्ठारसमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–अन्नउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति जाव परू-वेंति–एवं खलु केवली जक्खाएसेणं आइस्सइ, एवं खलु केवली जक्खाएसेणं आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०–मोसं वा सच्चामोसं वा, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! जण्णं ते अन्नउत्थिया जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि ४–नो खलु केवली जक्खाएसेणं आइस्सइ, नो खलु केवली जक्खाएसेणं आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०–मोसं वा सच्चामोसं वा, केवली णं असावज्जाओ अपरोवघाइयाओ आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०–सच्चं वा असच्चामोसं वा ॥ ६३१ ॥ कइविहे णं भंते! उवही पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे उवही प०, तं०–कम्मोवही, सरीरोवही, बाहिरभंडमत्तो-वगरणोवही, नेरइयाणं भंते! पुच्छा, गोयमा! दुविहे उवही प०, तं०–कम्मोवही य सरीरोवही य, सेसाणं तिविहे उवही एगिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं, एगिंदियाणं

दुविहे उवही प०, तंजहा–कम्मोवही य सरीरोवही य, कइविहे णं भंते ! उवही प० ? गोयमा ! तिविहे उवही प०, तंजहा–सचित्ते, अचित्ते, मीसए, एवं नेरइयाणवि, एवं निरवसे(सा)सं जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते ! परिग्गहे प० ? गोयमा ! तिविहे परिग्गहे प०, तं०–कम्मपरिग्गहे, सरीरपरिग्गहे, बाहिरभंडमत्तोवगरण-परिग्गहे, नेरइयाणं भंते ! एवं जहा उवहिणा दो दंडगा भणिया तहेव परिग्गहेणवि दो दंडगा भाणियव्वा, कइविहे णं भंते ! पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे पणिहाणे प०,तं०–मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे, नेरइयाणं भंते ! कइविहे पणिहाणे प० ? एवं चेव, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगे कायपणिहाणे प०, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! दुविहे पणिहाणे प०, तं०–वइपणिहाणे य कायपणिहाणे य, एवं जाव चउरिंदियाणं, सेसाणं तिविहेवि जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते ! दुप्पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे दुप्पणिहाणे प०, तं०–मणदुप्पणिहाणे, वइदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, जहेव पणिहाणेणं दंडगो भणिओ तहेव दुप्पणिहाणेणवि भाणियव्वो। कइविहे णं भंते ! सुप्पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे सुप्पणिहाणे प०, तंजहा–मणसुप्प-णिहाणे, वइसुप्पणिहाणे, कायसुप्पणिहाणे, मणुस्साणं भंते ! कइविहे सुप्पणिहाणे प० ? एवं चेव जाव वेमाणियाणं, सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ६३२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ जाव पुढविसिला-पट्टओ, तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते बहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तं०–कालोदाई सेलोदाई एवं जहा सत्तमसए अन्नउत्थिउद्देसए जाव से कहमेयं मन्ने एवं ? तत्थ णं रायगिहे नयरे मद्दुए नामं समणोवासए परिवसइ, अड्ढे जाव अपरि-भूए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव समोसढे, परिसा जाव पज्जुवासइ, तए णं म(द्दु)-द्दुए समणोवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए ण्हाए जाव सरीरे सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ स० २ त्ता पायविहारचारेणं रायगिहं नयरं जाव निग्गच्छइ २ त्ता तेसिं अन्नउत्थियाणं अदूरसामंतेणं वीईवयइ, तए णं ते अन्नउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासंति २ त्ता अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमा कहा अविउप्पकडा इमं च णं मद्दुए समणोवासए अम्हं अदूरसामंतेणं वीईवयइ, तं सेयं खलु देवाणु-प्पिया ! अम्हं मद्दुयं समणोवासगं एयमट्ठं पुच्छित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतियं

एयमट्ठं पडिसुणेंति अन्नमन्नस्स० २ त्ता जेणेव मद्दुए समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मद्दुयं समणोवासगं एवं वयासी–एवं खलु मद्दु(मंडु)या ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पन्नवेइ जहा सत्तमे सए अन्नउत्थिय-उद्देसए जाव से कहमेयं मद्दुया ! एवं ?, तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–जइ कज्जं कज्जइ जाणामो पासामो, अह कज्जं न कज्जइ न जाणामो न पासामो, तए णं ते अन्नउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी–केस णं तुमं मद्दुया ! समणोवासगाणं भवसि, जे णं तुमं एयमट्ठं न जाणसि न पाससि ?, तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए एवं वयासी—अत्थि णं आउसो ! वाउयाए वाइ ? हंता मद्दुया ! वाइ, तु(ज्झे)ब्भे णं आउसो ! वाउयायस्स वायमाणस्स रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! घाणसहगया पोग्गला ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! घाणसहगयाणं पोग्गलाणं रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! अरणिसहगए अगणिकाए ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! अरणिसहगयस्स अगणिकायस्स रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! देवलोगगयाइं रूवाइं ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! देवलोगगयाइं रूवाइं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवामेव आउसो ! अहं वा तुब्भे वा अन्नो वा छउमत्थो जइ जो जं न जाणइ न पासइ तं सव्वं न भवइ एवं भे सुबहुए लोए ण भविस्सतीतिकट्टु ते अन्नउत्थिए एवं पडिहणइ एवं पडिहणित्ता जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभि० जाव पज्जुवासइ। मद्दुयादि ! समणे भगवं महावीरे मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी–सुट्ठु णं मद्दुया ! तुमं ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु णं मद्दुया ! तुमं ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, जे णं मद्दुया ! अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा वागरणं वा अन्नायं अदिट्ठं अस्सुयं अमयं अविण्णायं बहुजणमज्झे आघवेइ पन्नवेइ जाव उवदंसेइ, से णं अरिहंताणं आसायणाए वट्टइ, अरिहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्टइ, केवलीणं आसायणाए वट्टइ, केवलिपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्टइ, तं सुट्ठु णं तुमं मद्दुया ! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं मद्दुया ! जाव एवं वयासी, तए णं मद्दुए समणोवासए समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता णच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे मद्दुयस्स समणोवासगस्स तीसे य जाव परिसा पडिगया, तए णं मद्दुए

समणोवासए समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव निसम्म हट्ठतुट्ठे पसिणाइं (वागरणाइं) पुच्छइ प० २ त्ता अट्ठाइं परियादियइ २ त्ता उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए । भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते ! मद्दुए समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं जाव पव्वइत्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जहेव संखे तहेव अरुणाभे जाव अंतं करे(का)हिइ ॥ ६३३ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे रूवसहस्सं विउव्वित्ता पभू अन्नमन्नेणं सद्धिं संगामं संगामेत्तए ? हंता पभू । ताओ णं भंते ! बोंदीओ किं एगजीवफुडाओ अणेगजीवफुडाओ ? गोयमा ! एगजीवफुडाओ णो अणेगजीवफुडाओ, तेसि णं भंते ! बोंदीणं अंतरा किं एगजीवफुडा अणेगजीवफुडा ? गोयमा ! एगजीवफुडा नो अणेगजीवफुडा । पुरिसे णं भंते ! अंतरेणं हत्थेण वा एवं जहा अट्ठमसए तइए उद्देसए जाव नो खलु तत्थ सत्थं कमइ ॥ ६३४ ॥ अत्थि णं भंते ! देवासुराणं संगामे २ ? हंता अत्थि, देवासुरेसु णं भंते ! संगामेसु वट्टमाणेसु किन्नं तेसिं देवाणं पहरणरयणत्ताए परिणमइ ? गोयमा ! जन्नं ते देवा तणं वा कट्ठं वा पत्तं वा सक्करं वा परामुसंति तं (णं) तं तेसिं देवाणं पहरणरयणत्ताए परिणमइ, जहेव देवाणं तहेव असुरकुमाराणं ? णो इणट्ठे समट्ठे, असुरकुमाराणं देवाणं निच्चं विउव्विया पहरणरयणा प० ॥ ६३५ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे पभू लवणसमुद्दं अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छित्तए ? हंता पभू, देवे णं भंते ! महिड्ढिए एवं धायइसंडं दीवं जाव हंता पभू, एवं जाव रुयगवरं दीवं जाव हंता पभू, ते णं परं वीईवएज्जा नो चेव णं अणुपरियट्टेज्जा ॥ ६३६ ॥ अत्थि णं भंते ! देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहिं खवयंति ? हंता अत्थि, अत्थि णं भंते ! देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति ? हंता अत्थि, अत्थि णं भंते ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति ? हंता अत्थि, कयरे णं भंते ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा जाव पंचहिं वाससएहिं खवयंति, कयरे णं भंते ! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, कयरे णं भंते ! ते देवा जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति ? गोयमा ! वाणमंतरा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससएणं खवयंति, असुरिंदवज्जिया णं भवणवासी देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससएहिं खवयंति, असुरकुमारा णं देवा अणंते कम्मंसे ति(ती)हिं वाससएहिं खवयंति, गहगणनक्खत्ततारारूवा जोइसिय

देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वास जाव खवयंति, चंदिमसूरिया जोइसिंदा जोइसरायाणो अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससएहिं खवयंति, सोहम्मीसाणगा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससहस्सेणं (जाव) खवयंति, सणंकुमारमाहिंदगा देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससहस्सेहिं [खवयंति, एवं एएणं अभिलावेणं वंभलोगलंतगा देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, महासुक्कसहस्सारगा देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, आणयपाणयआरणअच्चुयगा देवा अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, हेट्ठिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससयसहस्सेणं खवयंति, मज्झिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, उवरिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, विजयवेजयंतजयंतअपराजियगा देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, सव्वट्ठसिद्धगा देवा अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, एएणं गोयमा! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहिं खवयंति, एएणं गोयमा! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, एएणट्ठेणं गोयमा! ते देवा जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ६३७॥

अट्ठारसमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–अणगारस्स णं भंते! भावियप्पणो पुरओ दुहओ जुगमायाए पेहाए रीयं रीयमाणस्स पायस्स अहे कुक्कुडपोए वा वट्टापोए वा कुलिंगच्छाए वा परियावज्जेज्जा, तस्स णं भंते! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ? गोयमा! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ, नो संपराइया किरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? जहा सत्तमसए संवुडुद्देसए जाव अट्ठो निक्खित्तो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे वहिया जाव विहरइ॥ ६३८॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पुढविसिलापट्टए, तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते वहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई नामं अणगारे जाव उड्ढं जाणू जाव विहरइ, तए णं ते अन्नउत्थिया जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छन्ति उवागच्छइत्ता भगवं गोयमं एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतवाला यावि भवह, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–से केणं कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतवाला यावि भवामो?, तए णं ते अन्न-

उत्थिया भगवं गोयमं एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह अभिहणह जाव उ(व)द्दवेह, तए णं तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो! अम्हे रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेमो जाव उद्दवेमो, अम्हे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा कायं च जोयं च रीयं च पडुच्च दिस्सा २ पदिस्सा २ वयामो, तए णं अम्हे दिस्सा दिस्सा वयमाणा पदिस्सा पदिस्सा वयमाणा णो पाणे पेच्चेमो जाव णो उद्दवेमो, तए णं अम्हे पाणे अपेच्चेमाणा जाव अणोद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुब्भे णं अज्जो! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं ते अन्नउत्थिया भगवं गोयमं एवं वयासी–केणं कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव भवामो?, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तु(ज्झे)ब्भे णं अज्जो! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह जाव उद्दवेह, तए णं तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविहं जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं पडिहणइ एवं पडिहणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता णच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, गोयमादि! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–सुट्ठु णं तुमं गोयमा! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं गोयमा! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, अत्थि णं गोयमा! ममं बहवे अंतेवासी समणा निग्गंथा छउमत्था जे णं नो पभू एयं वागरणं वागरेत्तए जहा णं तुमं, तं सुट्ठु णं तुमं गोयमा! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं गोयमा! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी ॥ ६३९ ॥ तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–छउमत्थे णं भंते! मणुस्से परमाणुपोग्गलं किं जाणइ पासइ उदाहु न जाणइ न पासइ? गोयमा! अत्थेगइए जाणइ पासइ, अत्थेगइए न जाणइ न पासइ, छउमत्थे णं भंते! मणूसे दुपएसियं खंधं किं जाणइ पासइ? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसियं, छउमत्थे णं भंते! मणूसे अणंतपएसियं खंधं किं पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए जाणइ पासइ १, अत्थेगइए जाणइ न पासइ २, अत्थेगइए न जाणइ पासइ ३, अत्थेगइए न जाणइ न पासइ ४, आहोहिए णं भंते! मणुस्से परमाणुपोग्गलं जहा छउमत्थे एवं आहोहिएवि जाव अणंतपएसियं, परमाहोहिए णं भंते! मणूसे परमाणुपोग्गलं जं समयं जाणइ तं समयं पासइ, जं समयं पासइ तं समयं जाणइ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ परमाहोहिए णं मणूसे पर-

माणुपोग्गलं जं समयं जाणइ नो तं समयं पासइ, जं समयं पासइ नो तं समयं जाणइ ? गोयमा ! सागारे से नाणे भवइ, अणागारे से दंसणे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव नो तं समयं जाणइ, एवं जाव अणंतपएसियं। केवली णं भंते ! मणुस्से परमाणुपोग्गलं जहा परमाहोहिए तहा केवलीवि जाव अणंतपएसियं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६४० ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स अट्ठमो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-अत्थि णं भंते ! भवियदव्वनेरइया २ ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ भवियदव्वनेरइया २ ? गोयमा ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा नेरइएसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं, एवं जाव थणियकुमारा, अत्थि णं भंते ! भवियदव्वपुढविकाइया २ ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं० ? गोयमा ! जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं, आउक्काइयवणस्सइकाइयाणं एवं चेव उववाओ, तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाण य जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जे भविए नेरइए वा तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पंचिंदियतिरिक्खजोणिए(वा)सु उववज्जित्तए एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ॥ भवियदव्वनेरइयस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, भवियदव्वअसुरकुमारस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, एवं जाव थणियकुमारस्स । भवियदव्वपुढविकाइयस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, एवं आउक्काइयस्सवि, तेउवाऊ जहा नेरइयस्स, वणस्सइकाइयस्स जहा पुढविकाइयस्स, बेइंदियस्स तेइंदियस्स चउरिंदियस्स जहा नेरइयस्स, पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणियस्स जहा असुरकुमारस्स ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६४१ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-अणगारे णं भंते ! भावियप्पा असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ? हंता ओगाहेज्जा, से णं तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ, एवं जहा पंचमसए परमाणुपोग्गलवत्तव्वया जाव अणगारे णं भंते ! भावियप्पा उदावत्तं वा जाव नो खलु तत्थ सत्थं कमइ ॥ ६४२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! वाउयाएणं फुडे वाउयाए वा परमाणुपोग्गलेणं फुडे ? गोयमा ! परमाणुपोग्गले वाउयाएणं फुडे नो वाउयाए परमाणुपोग्गलेणं

फुडे। दुपएसिए णं भंते! खंधे वाउयाएणं एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसिए॥ अणंतपएसिए णं भंते! खंधे वाउयाए० पुच्छा, गोयमा! अणंतपएसिए खंधे वाउयाएणं फुडे वाउयाए अणंतपएसिएणं खंधेणं सिय फुडे सिय नो फुडे॥ वत्थी णं भंते! वाउयाएणं फुडे वाउयाए वत्थिणा फुडे? गोयमा! वत्थी वाउयाएणं फुडे नो वाउयाए वत्थिणा फुडे॥६४३॥ अत्थि णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे दव्वाइं वन्नओ कालनीललोहियहालिद्दसुक्किल्लाइं, गंधओ सुब्भिगंधाइं दुब्भिगंधाइं, रसओ तित्तकडुयकसायअंबिलमहुराइं, फासओ कक्खडमउयगुरुयलहुयसीयउसिण-निद्धलुक्खाइं, अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति? हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए। अत्थि णं भंते! सोहम्मस्स कप्पस्स अहे० एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भाराए पुढवीए। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ॥६४४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नयरे होत्था वन्नओ, दूइपलासए उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं वाणियगामे नयरे सोमिले नामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए, रिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए पंचण्हं खंडियसयाणं सयस्स कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्प-ज्जित्था-एवं खलु समणे णायपुत्ते पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं जाव इहमागए जाव दूइपलासए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं गच्छामि णं समणस्स नायपुत्तस्स अंतियं पाउब्भवामि, इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं पुच्छिस्सामि, तं जइ मे से इमाइं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागर-णाइं वागरेहिइ तओ णं वं(दी)दिहामि नमं(सी)सिहामि जाव पज्जुवासिहामि, अहमेयं से इमाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं नो वागरेहिइ तो णं एएहिं चेव अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य निप्पट्ठपसिणवागरणं करेस्सामित्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं एगेणं खंडियसएणं सद्धिं संपरिवुडे वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव दूइपलासए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-जत्ता ते भंते! जवणिज्जं ते भंते! अव्वाबाहं ते भंते! फासुयविहारं ते भंते!? सोमिला! जत्तावि मे, जवणिज्जंपि मे, अव्वाबाहंपि मे, फासुयविहारंपि मे, किं ते भंते! जत्ता? सोमिला! जं मे तवनियमसंजमसज्झायज्झाणावस्सयमाइएसु जोगेसु जयणा सेत्तं जत्ता, किं ते

भंते ! जवणिज्जं ? सोमिला ! जवणिज्जे दुविहे प०, तं०–इंदियजवणिज्जे य नोइंदियजवणिज्जे य, से किं तं इंदियजवणिज्जे ? इंदियजवणिज्जे जं मे सोइंदियचक्खिदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं निरुवहयाइं वसे वट्टंति सेत्तं इंदियजवणिज्जे, से किं तं नोइंदियजवणिज्जे ? २ जं मे कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना नो उदीरेंति सेत्तं नोइंदियजवणिज्जे, सेत्तं जवणिज्जे, से किं ते भंते ! अव्वाबाहं ? सोमिला ! जं मे वाइयपित्तियसिंभियसन्निवाइया विविहा रोगायंका सरीरगया दोसा उवसंता नो उदीरेंति सेत्तं अव्वाबाहं, किं ते भंते ! फासुयविहारं ? सोमिला ! जन्नं आरामेसु उज्जाणेसु देवकुलेसु सभासु पवासु इत्थीपसुपंडगविवज्जियासु वसहीसु फासुएसणिज्जं पीढफलगसेज्जासंथारगं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि सेत्तं फासुयविहारं ॥ सरिसवा ते भंते ! किं भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि ? से नूणं ते सोमिला ! बंभन्नएसु नएसु दुविहा सरिसवा पन्नत्ता, तंजहा–मित्तसरिसवा य धन्नसरिसवा य, तत्थ णं जे ते मित्तसरिसवा ते तिविहा प०, तं०–सहजायया सहवड्ढि(य)या सहपंसुकीलि(य)या, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धन्नसरिसवा ते दुविहा प०, तं०–सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, तत्थ णं जे ते असत्थपरिणया ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते सत्थपरिणया ते दुविहा प०, तं०–एसणिज्जा य अणेसणिज्जा य, तत्थ णं जे ते अणेसणिज्जा ते समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते एसणिज्जा ते दुविहा प०, तं०–जाइया य अजाइया य, तत्थ णं जे ते अजाइया ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते जाइया ते दुविहा प०, तं०–लद्धा य अलद्धा य, तत्थ णं जे ते अलद्धा ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते लद्धा ते णं समणाणं निग्गंथाणं भक्खेया, से तेणट्ठेणं सोमिला ! एवं वुच्चइ जाव अभक्खेयावि । मासा ते भंते ! किं भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! मासा मे भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केणट्ठेणं भंते ! जाव अभक्खेयावि ? से नूणं ते सोमिला ! बंभन्नएसु नएसु दुविहा मासा प०, तं०–दव्वमासा य कालमासा य, तत्थ णं जे ते कालमासा ते णं सावणादीया आसाढपज्जवसाणा दुवालस प०, तं०–सावणे भद्दवए आसोए कत्तिए मग्गसिरे पोसे माहे फागुणे चेत्ते वइसाहे जेट्ठामूले आसाढे, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते दव्वमासा ते दुविहा प०, तं०–अत्थमासा य धण्णमासा य, तत्थ णं जे ते अत्थमासा ते दुविहा प०, तं०–सुवन्नमासा य रुप्पमासा य, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते

धन्नमासा ते दुविहा प०, तं०-सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, एवं जहा धन्नसरिसवा जाव से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि। कुलत्था ते भंते! किं भक्खेया अभक्खेया? सोमिला! कुलत्था मे भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि? से नूणं ते सोमिला! बंभन्नएसु नएसु दुविहा कुलत्था प०, तं०-इत्थिकुलत्था य धन्नकुलत्था य, तत्थ णं जे ते इत्थिकुलत्था ते तिविहा प०, तंजहा-कुलकन्नयाइ वा कुलवहू(धू)याइ वा कुलमाउयाइ वा, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धन्नकुलत्था एवं जहा धन्नसरिसवा, से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि ॥ ६४५ ॥ एगे भवं दुवे भवं अक्खए भवं अव्वए भवं अवट्ठिए भवं अणेगभूयभावभविए भवं? सोमिला! एगेवि अहं जाव अणेगभूयभावभविएवि अहं, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव भविएवि अहं? सोमिला! दव्वट्ठयाए एगे अहं, नाणदंसणट्ठयाए दुविहे अहं, पएसट्ठयाए अक्खएवि अहं अव्वएवि अहं अवट्ठिएवि अहं, उवओगट्ठयाए अणेगभूयभावभविएवि अहं, से तेणट्ठेणं जाव भविएवि अहं, एत्थ णं से सोमिले माहणे संबुद्धे, तए णं से समणं भगवं महावीरं जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वदह जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतियं बहवे राईसर एवं जहा रायप्पसेणइज्जे चित्तो जाव दुवालसविहं सावगधम्मं पडिवज्जइ पडिवज्जित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए, तए णं से सोमिले माहणे समणोवासए जाए अभिगयजीवा जाव विहरइ। भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-पभू णं भंते! सोमिले माहणे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जहेव संखे तहेव निरवसेसं जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६४६ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥ अट्ठारसमं सयं समत्तं ॥**

लेस्सा य १ गब्भ २ पुढवी ३ महासवा ४ चरम ५ दीव ६ भवणा ७ य ।
निव्वत्ति ८ करण ९ वणचरसुरा य १० एगूणवीसइमे ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते! लेस्साओ पन्नत्ताओ? गोयमा! छल्लेसाओ पन्नत्ताओ, तंजहा-एवं जहा पन्नवणाए चउत्थो लेसुद्देसओ भाणियव्वो निरवसेसो। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६४७ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ णं भंते! लेस्साओ प०? एवं जहा पन्नवणाए गब्भुद्देसो सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति (१९-२) ॥ ६४८ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-सिय भंते! जाव चत्तारि पंच पुढविकाइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति एग० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति? नो इणट्ठे

समट्ठे, पुढविक्काइयाणं पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयं सरीरं बंधंति प० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति १, तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेस्साओ प० ? गोयमा! चत्तारि लेस्साओ प०, तं०–कण्हलेस्सा, नीललेस्सा, काउलेस्सा, तेउलेस्सा २, ते णं भंते! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा! मिच्छादिट्ठी नो सम्मदिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी ३, ते णं भंते! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा! नो नाणी अन्नाणी, नियमा दुअन्नाणी, तं०–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य ४, ते णं भंते! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा! नो मणजोगी, नो वइजोगी, कायजोगी ५, ते णं भंते! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ६, ते णं भंते! जीवा किमाहारमाहारेंति ? गोयमा! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं एवं जहा पन्नवणाए पढमे आहारुद्देसए जाव सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति ७, ते णं भन्ते! जीवा जमाहारेंति तं चिज्जंति, जं नो आहारेंति तं नो चिज्जंति, चिन्ने वा से उद्दाइ पलिसप्पइ वा ? हंता गोयमा! ते णं जीवा जमाहारेंति तं चिज्जंति, जं नो जाव पलिसप्पइ वा ८, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा पन्नाइ वा मणोइ वा वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, आहारेंति पुण ते ९, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे फासेयरे वेदेमो पडिसंवेदेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, पडिसंवेदेंति पुण ते १०, ते णं भंते! जीवा किं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति, मुसावाए अदिन्नादाणे जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति ? गोयमा! पाणाइवाएवि उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्लेवि उवक्खाइज्जंति, जेसिंपिय णं जीवाणं ते जीवा एवमाहिज्जंति तेसिंपिय णं जीवाणं नो वि(ण्णा)जाए नाणत्ते ११ ॥ ते णं भंते! जीवा कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति ? एवं जहा वक्कंतीए पुढविक्काइयाणं उववाओ तहा भाणियव्वो १२। तेसि णं भंते! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं १३ ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ समुग्घाया प० ? गोयमा! तओ समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए। ते णं भंते! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ? गोयमा! समोहयावि मरंति, असमोहयावि मरंति ॥ ते णं भंते! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ? एवं उव्वट्टणा जहा वक्कंतीए १४। सिय भंते! जाव चत्तारि पंच आउक्काइया एगयओ साहारणं सरीरं बंधंति २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति एवं जो पुढविक्काइयाणं गमो

सो चेव भाणियव्वो जाव उव्वट्टंति, नवरं ठिई सत्तवाससहस्साइं उक्कोसेणं सेसं तं चेव। सिय भंते! जाव चत्तारि पंच तेउक्काइया एवं चेव नवरं उववाओ ठिई उव्वट्टणा य जहा पन्नवणाए सेसं तं चेव। वाउकाइयाणं एवं चेव नाणत्तं नवरं चत्तारि समुग्घाया। सिय भंते! जाव चत्तारि पंच वणस्सइकाइया पुच्छा, गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, अणंता वणस्सइकाइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति एग० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सेसं जहा तेउकाइयाणं जाव उव्वट्टंति, नवरं आहारो नियमं छद्दिसिं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव॥ ६४९ ॥ एएसि णं भंते! पुढविक्काइयाणं आउतेउवाउवणस्सइकाइयाणं सुहुमाणं बायराणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं जाव जहन्नुक्कोसियाए ओगाहणाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमनिगोयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा १, सुहुमवाउक्काइयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा २, सुहुमतेउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ३, सुहुमआउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४, सुहुमपुढविअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ५, बायरवाउकाइयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ६, बायरतेउअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ७, बायरआउअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ८, बायरपुढविकाइयअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ९, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स बायरनिगोयस्स एएसि णं पज्जत्तगाणं एएसि णं अपज्जत्तगाणं जहन्निया ओगाहणा दोण्हवि तुल्ला असंखेज्जगुणा १०-११, सुहुमनिओयस्स पज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा १२, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १३, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १४, सुहुमवाउकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा १५, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १६, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १७, एवं सुहुमतेउक्काइयस्स विसे० १८।१९।२०। एवं सहुमआउक्काइयस्सवि २१।२२।२३। एवं सुहुमपुढविकाइयस्स विसेसाहिया २४।२५।२६। एवं बायरवाउकाइयस्स विसेसाहिया २७।२८।२९। एवं बायरतेउकाइयस्स विसेसाहिया ३०।३१।३२। एवं बायरआउकाइयस्स विसेसाहिया ३३।३४।३५। एवं बायरपुढविकाइयस्स विसेसाहिया ३६।३७।३८। सव्वेसिं तिविहेणं गमेणं भाणियव्वं, बायरनिगोयस्स पज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ३९, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसा-

हिया ४०, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ४१, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४२, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४३, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४४ ॥ ६५० ॥ एयस्स णं भंते! पुढविकाइयस्स आउकाइयस्स तेउकाइयस्स वाउकाइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए? गोयमा! वणस्सइकाइए सव्वसुहुमे वणस्सइकाइए सव्वसुहुमतराए १, एयस्स णं भंते! पुढविकाइयस्स आउकाइयस्स तेउकाइयस्स वाउकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए? गोयमा! वाउकाइए सव्वसुहुमे वाउकाइए सव्वसुहुमतराए २, एयस्स णं भंते! पुढविकाइयस्स आउकाइयस्स तेउकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए? गोयमा! तेउकाए सव्वसुहुमे तेउकाए सव्वसुहुमतराए ३, एयस्स णं भंते! पुढविकाइयस्स आउकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए? गोयमा! आउकाए सव्वसुहुमे आउकाए सव्वसुहुमतराए ४॥ एयस्स णं भंते! पुढविकाइयस्स आउकाइयस्स तेउकाइयस्स वाउकाइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्ववादरे कयरे काए सव्ववादरतराए? गोयमा! वणस्सइकाइए सव्ववादरे वणस्सइकाइए सव्ववादरतराए १, एयस्स णं भंते! पुढविकाइयस्स आउकाइयस्स तेउकाइयस्स वाउकाइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्वबादरतराए? गोयमा! पुढविकाए सव्वबादरे पुढविकाए सव्ववादरतराए २, एयस्स णं भंते! आउकाइयस्स तेउकाइयस्स वाउकाइयस्स कयरे काए सव्ववादरे कयरे काए सव्ववादरतराए? गोयमा! आउकाए सव्वबादरे आउकाए सव्ववादरतराए ३, एयस्स णं भंते! तेउकाइयस्स वाउकाइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्ववादरतराए? गोयमा! तेउकाए सव्ववादरे तेउकाए सव्ववादरतराए ४ ॥ केमहालए णं भंते! पुढविसरीरे पन्नत्ते? गोयमा! अणंताणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमवाउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमवाउसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमतेउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमतेउकाइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमआउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमआउक्काइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमपुढविसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमपुढविकाइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे वायरवाउसरीरे, असंखेज्जाणं वायरवाउक्काइयाणं जावइया सरीरा से एगे वायरतेउसरीरे, असंखेज्जाणं वायरतेउकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे वायरआउसरीरे, असंखेज्जाणं वायरआउक्काइयाणं जावइया सरीरा

से एगे वायरपुढविसरीरे, एमहालए णं गोयमा ! पुढविसरीरे पन्नत्ते ॥ ६५१ ॥ पुढविकाइयस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! से जहानामए रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स वन्नगपेसिया तरुणी वलवं जुगवं जुवाणी अप्पायंका वन्नओ जाव निउणसिप्पोवगया नवरं चम्मेट्ठदुहणमुट्ठियसमाहयणिचियगत्तकाया न भण्णइ सेसं तं चेव जाव निउणसिप्पोवगया तिक्खाए वइरामईए सण्हकरणीए तिक्खेणं वइरामएणं वट्टावरएणं एगं महं पुढविकाइयं जउगोलासमाणं गहाय पडिसाहरिय २ पडिसंखिविय २ जाव इणामेवत्तिकट्टु तिसत्तखुत्तो उप्पीसेज्जा, तत्थ णं गोयमा ! अत्थेगइया पुढविक्काइया आलिद्धा, अत्थेगइया पुढविक्काइया नो आलिद्धा, अत्थेगइया संघट्टि(ट्टि)या, अत्थेगइया नो संघट्टि(ट्टि)या, अत्थेगइया परियाविया, अत्थेगइया नो परियाविया, अत्थेगइया उद्दविया, अत्थेगइया नो उद्दविया, अत्थेगइया पिट्ठा, अत्थेगइया नो पिट्ठा, पुढविकाइयस्स णं गोयमा ! एमहालिया सरीरोगाहणा प० ॥ पुढविकाइए णं भंते ! अक्कंते समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? गोयमा ! से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे वलवं जाव निउणसिप्पोवगए एगं पुरिसं जुन्नं जराजज्जरियदेहं जाव दुब्वलं किलंतं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहणिज्जा, से णं गोयमा ! पुरिसे तेणं पुरिसेणं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? अणिट्ठं समणाउसो !, तस्स णं गोयमा ! पुरिसस्स वेयणाहिंतो पुढविकाइए अक्कंते समाणे एत्तो अणिट्ठतरियं चेव अकंततरियं चेव जाव अमणामतरियं चेव वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ । आउयाए णं भंते ! संघट्टिए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? गोयमा ! जहा पुढविकाइए एवं आउकाएवि, एवं तेउकाएवि, एवं वाउकाएवि, एवं वणस्सइकाएवि जाव विहरइ, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५२ ॥ **एगूणवीसइमे सए तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे १, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? हंता सिया २, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ३, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ४, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ५, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे ६, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ७, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया

अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे ८, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ९, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १०, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ११, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १२, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १३, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १४, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १५, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १६, एए सोलस भंगा । सिय भंते ! असुरकुमारा महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं चउत्थो भंगो भाणियव्वो, सेसा पन्नरस भंगा खोडेयव्वा, एवं जाव थणियकुमारा, सिय भंते ! पुढविकाइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? हंता सिया, एवं जाव सिय भंते ! पुढविकाइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? हंता सिया, एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६५३ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

अत्थि णं भंते ! चरिमावि नेरइया परमावि नेरइया ? हंता अत्थि, से नूणं भंते ! चरिमेहिंतो नेरइएहिंतो परमा नेरइया महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव, परमेहिंतो वा नेरइएहिंतो चरमा नेरइया अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेयणतराए चेव ? हंता गोयमा ! चरमेहिंतो नेरइएहिंतो परमा जाव महावेयणतराए चेव, परमेहिंतो नेरइएहिंतो चरमा नेरइया जाव अप्पवेयणतरा चेव, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव ? गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव । अत्थि णं भंते ! चरमावि असुरकुमारा परमावि असुरकुमारा ? एवं चेव, नवरं विवरीयं भाणियव्वं, परमा अप्पकम्मा, चरमा महाकम्मा, सेसं तं चेव जाव थणियकुमारा ताव एवमेव, पुढविकाइया जाव मणुस्सा एए जहा नेरइया, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥६५४॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा प० ? गोयमा ! दुविहा वेयणा प०, तं०—निदा य अनिदा य । नेरइया णं भंते ! किं निदायं वेयणं वेदेंति अनिदायं वेयणं वेदेंति ? जहा पन्न-

चणाए जाव वेमाणियत्ति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६५५ ॥ **एगूणवीसइ-मस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

कहि णं भंते ! दीवसमुद्दा, केवइया णं भंते ! दीवसमुद्दा, किंसंठिया णं भंते ! दीवसमुद्दा ? एवं जहा जीवाभिगमे दीवसमुद्दुद्देसो सो चेव इहवि जोइसियमंडि-उद्देसगवज्जो भाणियव्वो जाव परिणामो जीवउववाओ जाव अणंतखुत्तो, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५६ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

केवइया णं भंते ! असुरकुमारभवणावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! चउसट्ठिं असुरकुमारभवणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते ! किंमया प० ? गोयमा ! सव्वरयणामया अच्छा सण्हा जाव पडिरूवा, तत्थ णं बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, सासया णं ते भवणा दव्वट्ठयाए, वन्नपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासया, एवं जाव थणियकुमारावासा, केवइया णं भंते ! वाणमंतरभोमेज्जनयरावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा वाणमंतरभोमे-ज्जनयरावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते ! किंमया प० ? सेसं तं चेव, केवइया णं भंते ! जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जा जोइसिय-विमाणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते ! किंमया प० ? गोयमा ! सव्वफालिहा-मया अच्छा सेसं तं चेव, सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते ! किंमया प० ? गोयमा ! सव्वरयणामया अच्छा सेसं तं चेव, एवं जाव अणुत्तरविमाणा, नवरं जाणियव्वा जत्थ जत्तिया भवणा विमाणा वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५७ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते ! जीवनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा जीवनिव्वत्ती प०, तं०-एगिंदियजीवनिव्वत्ती जाव पंचिंदियजीवनिव्वत्ती, एगिंदियजीवनिव्वत्ती णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तं०-पुढविकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती जाव वणस्सइकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती, पुढविकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती णं भंते ! कइ-विहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-सुहुमपुढविकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती य बाय-रपुढवीकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती य, एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा वड्डगबंधो तेयगसरीरस्स जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पातीतवेमाणियदेवपंचिंदियजीव-निव्वत्ती णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-पज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअ-णुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियजीवनिव्वत्ती य अपज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियजीवनिव्वत्ती य । कइविहा णं भंते ! कम्मनिव्वत्ती प० ? गोयमा !

अट्ठविहा कम्मनिव्वत्ती प०, तं०—नाणावरणिज्जकम्मनिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मनिव्वत्ती, नेरइयाणं भंते ! कइविहा कम्मनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! अट्ठविहा कम्मनिव्वत्ती प०, तं०—नाणावरणिज्जकम्मनिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! सरीरनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा सरीरनिव्वत्ती प०, तं०—ओरालियसरीरनिव्वत्ती जाव कम्मगसरीरनिव्वत्ती । नेरइयाणं भंते ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं नायव्वं जस्स जइ सरीराणि । कइविहा णं भंते ! सव्विंदियनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा सव्विंदियनिव्वत्ती प०, तं०—सोइंदियनिव्वत्ती जाव फासिंदियनिव्वत्ती, एवं (जाव) नेरइया जाव थणियकुमारा णं, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा फासिंदियनिव्वत्ती प०, एवं जस्स जइ इंदियाणि जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! भासानिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा भासानिव्वत्ती प०, तं०—सच्चाभासानिव्वत्ती, मोसाभासानिव्वत्ती, सच्चामोसभासानिव्वत्ती, असच्चामोसभासानिव्वत्ती, एवं एगिंदियवज्जं जस्स जा भासा जाव वेमाणियाणं, कइविहा णं भंते ! मणनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा मणनिव्वत्ती प०, तं०—सच्चमणनिव्वत्ती जाव असच्चामोसमणनिव्वत्ती, एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! कसायनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा कसायनिव्वत्ती प०, तं०—कोहकसायनिव्वत्ती जाव लोभकसायनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! वन्ननिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा वन्ननिव्वत्ती प०, तं०—कालवन्ननिव्वत्ती जाव सुक्किल्लवन्ननिव्वत्ती, एवं निरवसेसं जाव वेमाणियाणं, एवं गंधनिव्वत्ती दुविहा जाव वेमाणियाणं, रसनिव्वत्ती पंचविहा जाव वेमाणियाणं, फासनिव्वत्ती अट्ठविहा जाव वेमाणियाणं । कइविहा णं भंते ! संठाणनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! छव्विहा संठाणनिव्वत्ती प०, तं०—समचउरंससंठाणनिव्वत्ती जाव हुंडसंठाणनिव्वत्ती, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा हुंडसंठाणनिव्वत्ती प०, असुरकुमाराणं पुच्छा, गोयमा ! एगा समचउरंससंठाणनिव्वत्ती प०, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा मसूरचंदसंठाणनिव्वत्ती प०, एवं जस्स जं संठाणं जाव वेमाणियाणं, कइविहा णं भंते ! सन्नानिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा सन्ना निव्वत्ती प०, तं०—आहारसन्नानिव्वत्ती जाव परिग्गहसन्नानिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं, कइविहा णं भंते ! लेस्सानिव्वत्ती प० ? गोयमा ! छव्विहा लेस्सानिव्वत्ती प०, तं०—कण्हलेस्सानिव्वत्ती जाव सुक्कलेस्सानिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ लेस्साओ तस्स तत्तिया भाणियव्वा । कइविहा णं भंते ! दिट्ठिनिव्वत्ती

प० ? गोयमा ! तिविहा दिट्ठिनिव्वत्ती प०, तंजहा–सम्मादिट्ठिनिव्वत्ती, मिच्छादिट्ठिनिव्वत्ती, सम्मामिच्छादिट्ठिनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइविहा दिट्ठी। कइविहा णं भंते ! णाणनिव्वत्ती पन्नत्ता ? गोयमा ! पंचविहा णाणनिव्वत्ती प०, तं०–आभिणियोहियणाणनिव्वत्ती जाव केवलनाणनिव्वत्ती, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ णाणाइं। कइविहा णं भंते ! अन्नाणनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! तिविहा अन्नाणनिव्वत्ती प०, तं०–मइअन्नाणनिव्वत्ती, सुयअण्णाणनिव्वत्ती, विभंगनाणनिव्वत्ती, एवं जस्स जइ अन्नाणा जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! जोगनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! तिविहा जोगनिव्वत्ती प०, तं०–मणजोगनिव्वत्ती, वइजोगनिव्वत्ती, कायजोगनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइविहो जोगो। कइविहा णं भंते ! उवओगनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! दुविहा उवओगनिव्वत्ती प०, तं०–सागारोवओगनिव्वत्ती अणागारोवओगनिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं, संगहगाहा–जीवाणं निव्वत्ती कम्मप्पगडी सरीरनिव्वत्ती। सव्विंदियनिव्वत्ती भासा य मणे कसाया य ॥ १ ॥ वन्ने गंधे रसे फासे संठाणविही य होइ बोद्धव्वो। लेस्सा दिट्ठी णाणे उवओगे चेव जोगे य ॥ २ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६५८ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! करणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे करणे पन्नत्ते, तंजहा–दव्वकरणे, खेत्तकरणे, कालकरणे, भवकरणे, भावकरणे, नेरइयाणं भंते ! कइविहे करणे प० ? गोयमा ! पंचविहे करणे प०, तं०–दव्वकरणे, जाव भावकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं, कइविहे णं भंते ! सरीरकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे सरीरकरणे पन्नत्ते, तंजहा–ओरालियसरीरकरणे जाव कम्मगसरीरकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ सरीराणि। कइविहे णं भंते ! इंदियकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे इंदियकरणे प०, तंजहा–सोइंदियकरणे जाव फासिंदियकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ इंदियाइं, एवं एएणं कमेणं भासाकरणे चउव्विहे, मणकरणे चउव्विहे, कसायकरणे चउव्विहे, समुग्घायकरणे सत्तविहे, सन्नाकरणे चउव्विहे, लेस्साकरणे छव्विहे, दिट्ठिकरणे तिविहे, वेयकरणे तिविहे पन्नत्ते, तंजहा–इत्थिवेयकरणे, पुरिसवेयकरणे, नपुंसगवेयकरणे, एए सव्वे नेरइयादिदंडगा जाव वेमाणियाणं जस्स जं अत्थि तं तस्स सव्वं भाणियव्वं। कइविहे णं भंते ! पाणाइवायकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे पाणाइवायकरणे प०, तं०–एगिंदियपाणाइवायकरणे जाव पंचिंदियपाणाइवायकरणे, एवं निरवसेसं जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते ! पोग्गलकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे पोग्गलकरणे प०, तं०–वन्नकरणे, गंधकरणे,

रसकरणे, फासकरणे, संठाणकरणे, वन्नकरणे णं भंते! कइविहे प० ? गोयमा! पंचविहे प०, तंजहा–कालवन्नकरणे जाव सुक्किल्लवन्नकरणे, एवं भेदो, गंधकरणे दुविहे, रसकरणे पंचविहे, फासकरणे अट्ठविहे, संठाणकरणे णं भंते! कइविहे प० ? गोयमा! पंचविहे प०, तंजहा–परिमंडलसंठाणकरणे जाव आययसंठाणकरणे, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ६५९ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

वाणमंतराणं भंते! सव्वे समाहारा एवं जहा सोलसमसए दीवकुमारुद्देसए जाव अप्पिड्ढियत्ति, सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६६० ॥ **एगूणवीसइमे सए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ एगूणवीसइमं सयं समत्तं ॥ १९ ॥**

बेइंदिय १ मागासे २ पाणवहे ३ उवचए ४ य परमाणू ५। अंतर ६ बंधे ७ भूमी ८ चारण ९ सोवक्कमा जीवा १० ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–सिय भंते! जाव चत्तारि पंच बेइंदिया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, बेइंदिया णं पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयसरीरं बंधंति प० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति, तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेस्साओ प० ? गोयमा! तओ लेस्साओ प०, तं०–कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा, एवं जहा एगूणवीसइमे सए तेउकाइयाणं जाव उव्वट्टंति, नवरं सम्मद्दिट्ठीवि मिच्छद्दिट्ठीवि, नो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो नाणा दो अन्नाणा नियमं, नो मणजोगी, वइजोगीवि कायजोगीवि, आहारो नियमं छद्दिसिं, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा पन्नाइ वा मणेइ वा वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे रसे इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, पडिसंवेदेंति पुण ते, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारससंवच्छराइं, सेसं तं चेव, एवं तेइंदिया(ण)वि, एवं चउरिंदियावि, नाणत्तं इंदिएसु ठिईए य सेसं तं चेव ठिई जहा पन्नवणाए। सिय भंते! जाव चत्तारि पंच पंचिंदिया एगयओ साहारणसरीरं एवं जहा बेइंदियाणं नवरं छल्लेस्साओ, दिट्ठी तिविहावि, चत्तारि नाणा, तिन्नि अन्नाणा भयणाए, तिविहा जोगा, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा पन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो ? गोयमा! अत्थेगइयाणं एवं सन्नाइ वा पन्नाइ वा मणोइ वा वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो, अत्थेगइयाणं नो एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो, आहारेंति पुण ते, तेसि णं भंते! जीवाणं एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे, इट्ठाणिट्ठे रूवे, इट्ठाणिट्ठे गंधे, इट्ठाणिट्ठे रसे, इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसं-

वेदेमो ? गोयमा ! अत्थेगइयाणं एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, अत्थेगइयाणं नो एवं सन्नाइ वा पण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, पडिसंवेदेंति पुण ते, ते णं भंते ! जीवा किं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति० ? गोयमा ! अत्थेगइया पाणाइवाएवि उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्लेवि उवक्खाइज्जंति, अत्थेगइया नो पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति नो मुसावाए उवक्खाइज्जंति जाव नो मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति, जेसिंपिय णं जीवाणं ते जीवा एवमाहिज्जंति तेसिंपि णं जीवाणं अत्थेगइयाणं विन्नाए नाणत्ते, अत्थेगइयाणं नो विण्णाए नाणत्ते, उववाओ सव्वओ जाव सव्वट्ठसिद्धाओ, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, छस्समुग्घाया केवलिवज्जा, उव्वट्टणा सव्वत्थ गच्छंति जाव सव्वट्ठसिद्धंति, सेसं जहा बेइंदियाणं । एएसि णं भंते ! बेइंदियाणं जाव पंचिंदियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचिंदिया, चउरिंदिया विसेसाहिया, तेइंदिया विसेसाहिया, बेइंदिया विसेसाहिया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६६१ ॥ **वीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! आगासे प० ? गोयमा ! दुविहे आगासे प०, तं०–लोयागासे य अलोयागासे य, लोयागासे णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा० ? एवं जहा बिइयसए अत्थिउद्देसए तह चेव इहवि भाणियव्वं, नवरं अभिलावो जाव धम्मत्थिकाए णं भंते ! केमहालए प० ? गोयमा ! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव ओगाहित्ताणं चिट्ठइ, एवं जाव पोग्गलत्थिकाए । अहेलोए णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स केवइयं ओगाढे ? गोयमा ! साइरेगं अद्धं ओगाढे, एवं एएणं अभिलावेणं जहा बिइयसए जाव ईसिप्पब्भारा णं भंते ! पुढवी लोयागासस्स किं संखेज्जइभागं ओगाढा० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जइभागं ओगाढा, असंखेज्जइभागं ओगाढा, नो संखेज्जे भागे ओगाढा, नो असंखेज्जे भागे ओगाढा, नो सव्वलोयं ओगाढा, सेसं तं चेव ॥ ६६२ ॥ धम्मत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा प० ? गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तंजहा–धम्मेइ वा धम्मत्थिकाएइ वा पाणाइवायवेरमणेइ वा मुसावायवेरमणेइ वा एवं जाव परिग्गहवेरमणेइ वा कोहविवेगेइ वा जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगेइ वा इरियासमि(ए)ईइ वा भासासमिईइ वा एसणासमिईइ वा आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिईइ वा उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिईइ वा मणगुत्तीइ वा वइगुत्तीइ वा कायगुत्तीइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते धम्मत्थिकायस्स अभिवयणा, अहम्मत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा प० ?

गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०-अधम्मेइ वा अधम्मत्थिकाएइ वा पाणाइवाएइ वा जाव मिच्छादंसणसल्लेइ वा इरियाअसमिईइ वा जाव उच्चारपासवण जाव पारिट्ठावणियाअसमिईइ वा मणअगुत्तीइ वा वइअगुत्तीइ वा कायअगुत्तीइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते अहम्मत्थिकायस्स अभिवयणा, आगासत्थिकायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०-आगासेइ वा आगासत्थिकाएइ वा गगणेइ वा नभेइ वा समेइ वा विसमेइ वा खहेइ वा विहेइ वा वीईइ वा विवरेइ वा अंबरेइ वा अंबरसेइ वा छिड्डेइ वा झुसिरेइ वा मग्गेइ वा विमुहेइ वा अ(ट्टे)द्देइ वा विय(ट्टे)द्देइ वा आधारेइ वा वोमेइ वा भायणेइ वा अंतरिक्खेइ वा सामेइ वा उवासंतरेइ वा अगमेइ वा फलिहेइ वा अणंतेइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते आगासत्थिकायस्स अभिवयणा प०। जीवत्थिकायस्स णं भंते ! केवइया अभिवयणा प० ? गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०-जीवेइ वा जीवत्थिकाएइ वा पाणेइ वा भूएइ वा सत्तेइ वा विन्नूइ वा चेयाइ वा जेयाइ वा आयाइ वा रंगणेइ वा हिंडुएइ वा पोग्गलेइ वा माणवेइ वा कत्ताइ वा विकत्ताइ वा जएइ वा जंतूइ वा जोणीइ वा सयंभूइ वा ससरीरीइ वा नायएइ वा अंतरप्पाइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते जीवअभिवयणा प० । पोग्गलत्थिकायस्स णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०-पोग्गलेइ वा पोग्गलत्थिकाएइ वा परमाणुपोग्गलेइ वा दुपएसिएइ वा तिपएसिएइ वा जाव असंखेज्जपएसिएइ वा अणंतपएसिएइ वा (खंधे) जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते पोग्गलत्थिकायस्स अभिवयणा प० । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६६३ ॥ **वीसइमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, उप्पत्तिया जाव पारिणामिया, उग्गहे जाव धारणा, उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे, नेरइयत्ते असुरकुमारत्ते जाव वेमाणियत्ते, नाणावरणिज्जे जाव अंतराइए, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा, सम्मद्दिट्ठी ३, चक्खुदंसणे ४, आभिणिबोहियणाणे जाव विभंगनाणे, आहारसन्ना ४, ओरालियसरीरे ५, मणजोगे ३, सागारोवओगे अणागारोवओगे जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते णण्णत्थ आयाए परिणमंति ? हंता गोयमा ! पाणाइवाए जाव सव्वे ते णण्णत्थ आयाए परिणमंति ॥ ६६४ ॥ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे कइवन्नं कइगंधं एवं जहा बारसमसए पंचमुद्देसए जाव कम्मओ णं जए णो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६६५ ॥ **वीसइमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! इंदियउवचए पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे इंदियउवचए प०,

तं०-सोइंदियउवचए एवं बिइओ इंदियउद्देसओ निरवसेसो भाणियव्वो जहा पन्नवणाए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ ॥ ६६६ ॥

वीसइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

परमाणुपोग्गले णं भंते! कइवन्ने कइगंधे कइरसे कइफासे पन्नत्ते? गोयमा! एगवन्ने एगगंधे एगरसे दुफासे पन्नत्ते, तंजहा-जइ एगवन्ने सिय कालए सिय नीलए सिय लोहिए सिय हालिद्दए सिय सुक्किल्लए, जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ एगरसे सिय तित्ते सिय कडुए सिय कसाए सिय अंबिले सिय महुरे, जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य १, सिय सीए य लुक्खे य २, सिय उसिणे य निद्धे य ३, सिय उसिणे य लुक्खे य ४ ॥ दुपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने०? एवं जहा अट्ठारसमसए छट्ठुद्देसए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते। जइ एगवन्ने सिय कालए जाव सिय सुक्किल्लए, जइ दुवन्ने सिय कालए य नीलए य १, सिय कालए य लोहिए य २, सिय कालए य हालिद्दए य ३, सिय कालए य सुक्किल्लए य ४, सिय नीलए य लोहियए य ५, सिय नीलए य हालिद्दए य ६, सिय नीलए य सुक्किल्लए य ७, सिय लोहियए य हालिद्दए य ८, सिय लोहियए य सुक्किलए य ९, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य १०, एवं एए दुयासंजोगे दस भंगा। जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे। जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य, रसेसु जहा वन्नेसु, जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य एवं जहेव परमाणुपोग्गले ४, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे २, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे ३, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, एए नव भंगा फासेसु ॥ तिपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० जहा अट्ठारसमसए छट्ठुद्देसे जाव चउफासे प०, जइ एगवन्ने सिय कालए जाव सुक्किल्लए ५, जइ दुवन्ने सिय कालए य सिय नीलए य १, सिय कालए य नीलगा य २, सिय कालगा य नीलए य ३, सिय कालए य लोहियए य १, सिय कालए य लोहियगा य २, सिय कालगा य लोहियए य ३, एवं हालिद्दएणवि समं भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं ३, सिय नीलए य लोहियए य एत्थंपि भंगा ३, एवं हालिद्दएणवि समं भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं भंगा ३, सिय लोहियए य हालिद्दए य भङ्गा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं भंगा ३, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य भंगा ३, एवं सव्वेते दस दुयासंजोगा भंगा तीसं भवंति, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य २, सिय कालए य नीलए य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य लोहियए य हालिद्दए य ४, सिय कालए य लोहियए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालए

य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ६, सिय नीलए य लोहियए य हालिद्दए य ७, सिय नीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य ८, सिय नीलए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ९, सिय लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १०, एवं एए दस तियासंजोगा। जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य भंगा ३। रसा जहा वन्ना। जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य एवं जहेव दुपएसियस्स तहेव चत्तारि भंगा, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे सीए देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एत्थवि भंगा तिन्नि ६, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे भंगा तिन्नि ९, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे भंगा तिन्नि एवं १२, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २, देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसा लुक्खा ५, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसे लुक्खे ६, देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ७, देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा ८, देसा सीया देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ९, एवं एए तिपएसिए फासेसु पणवीसं भंगा॥ चउप्पएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते, जइ एगवन्ने सिय कालए य जाव सुक्किल्लए य ५, जइ दुवन्ने सिय कालए य नीलए य १, सिय कालए य नीलगा य २, सिय कालगा य नीलए य ३, सिय कालगा य नीलगा य ४, सिय कालए य लोहियए य एत्थवि चत्तारि भंगा ४, सिय कालए य हालिद्दए य ४, सिय कालए य सुक्किल्लए य ४, सिय नीलए य लोहियए य ४, सिय नीलए य हालिद्दए य ४, सिय नीलए य सुक्किल्लए य ४, सिय लोहियए य हालिद्दए य ४, सिय लोहियए य सुक्किल्लए य ४, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, एवं एए दस दुयासंजोगा भंगा पुण चत्तालीसं ४०, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य २, सिय काल(ए)गा य नीलगा य लोहियए य ३, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य, एए णं चत्तारि भंगा, एवं कालनीलहालिद्दएहिं भंगा ४, कालनील-सुक्किल्ल० ४, काललोहियहालिद्द० ४, काललोहियसुक्किल्ल० ४, कालहालिद्दसुक्किल्ल० ४, नीललोहियहालिद्दगाणं भंगा ४, नीललोहियसुक्किल्ल० ४, नीलहालिद्दसुक्किल्ल० ४, लोहिय-हालिद्दसुक्किल्लगाणं भंगा ४, एवं एए दसतियासंजोगा एक्केक्के संजोए चत्तारि भंगा सव्वे ते चत्तालीसं भंगा ४०, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए

य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य २, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, सिय नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, एवमेए चउक्कगसंजोए पंच भंगा, एए सव्वे नउइभंगा, जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य। रसा जहा वन्ना। जइ दुफासे जहेव परमाणुपोग्गले ४, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे सीए देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे सीए देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं भंगा ४, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे ४, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, एए तिफासे सोलस भंगा, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २, देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ५, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसा लुक्खा ६, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसे लुक्खे ७, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा ८, देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ९, एवं एए चउफासे सोलस भंगा भाणियव्वा जाव देसा सीया देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा, सव्वे एए फासेसु छत्तीसं भंगा ॥ पंचपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्ना जहेव चउप्पएसिए, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य २, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य ३, सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य ४, सिय काल(गा)ए य नीलए य लोहियए य ५, सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य ६, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य ७, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य एत्थवि सत्त भंगा ७, एवं कालगनीलगसुक्किल्लएसु सत्त भंगा ७, कालगलोहियहालिद्देसु ७, कालगलोहियसुक्किल्लेसु ७, कालगहालिद्दसुक्किल्लेसु ७, नीलगलोहियहालिद्देसु ७, नीलगलोहियसुक्किल्लेसु सत्त भंगा ७, नीलगहालिद्दसुक्किल्लेसु ७, लोहियहालिद्दसुक्किल्लेसुवि सत्त भंगा ७, एवमेए तियासंजोएणं सत्तरि भंगा, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगे य ३, सिय कालए य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दगे य ४, सिय कालगा य नीलए य लोहियगे य हालिद्दगे य ५, एए पंच भंगा, सिय कालए य नीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य एत्थवि पंच भंगा, एवं कालगनीलग-

हालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा, कालगलोहियहालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा ५, नीलगलोहियहालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा, एवमेए चउक्कगसंजोएणं पणवीसं भंगा, जइ पंचवन्ने कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य सव्वमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कपंचगसंजोगेणं ईयालं भंगसयं भवइ। गंधा जहा चउप्पएसियस्स। रसा जहा वन्ना। फासा जहा चउप्पएसियस्स॥ छप्पएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० ? एवं जहा पंचपएसिए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्ना जहा पंचपएसियस्स, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य एवं जहेव पंचपएसियस्स सत्त भंगा जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य ७, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य ८, एए अट्ठ भङ्गा, एवमेए दस तियासंजोगा एक्केक्कए संजोगे अट्ठ भंगा, एवं सव्वेवि तियगसंजोगे असीइ भंगा, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य ४, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य ५, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य ६, सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य ७, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य ८, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य ९, सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य १०, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य ११, एए एक्कारस भंगा, एवमेए पंचचउक्कासंजोगा कायव्वा, एक्केक्कसंजोए एक्कारस भंगा, सव्वेते चउक्कगसंजोगेणं पणपन्नं भंगा, जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किल्लगे य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ६, एवं एए छब्भंगा भाणियव्वा, एवमेए सव्वेवि एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेसु छासीयं भंगसयं भवइ। गंधा जहा पंचपएसियस्स। रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स॥ सत्तपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० ? जहा पंचपएसिए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एवं एगवन्नदुवण्णतिवन्ना जहा छप्पएसियस्स, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य

३, एवमेते चउक्कगसंजोगेणं पन्नरस भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य १५, एवमेए पंचचउक्कसंजोगा नेयव्वा एक्केक्के संजोए पन्नरस भंगा, सव्वमेए पंचसत्तरिं भंगा भवंति। जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लगा य ४, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य ६, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ७, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ८, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य ९, सिय कालगे य नीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लगे य १०, सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ११, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १२, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य १३, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १४, सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १६, एए सोलस भंगा, एवं सव्वमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेणं दो सोलस भंगसया भवंति, गंधा जहा चउप्पएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स॥ अट्ठपएसिए णं भंते! खंधे० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जहा सत्तपएसियस्स जाव सिय चउफासे प०; जइ एगवन्ने एवं एगवन्नदुवन्नतिवन्ना जहेव सत्तपएसिए, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, एवं जहेव सत्तपएसिए जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगे य १५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य १६, एए सोलस भंगा, एवमेए पंच चउक्कसंजोगा, एवमेए असीइ भंगा ८०, जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, एवं एएणं कमेणं भंगा चा(उच्चा)रेयव्वा जाव सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १५, एसो पन्नरसमो भंगो, सिय कालगा य नीलगे य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १६, सिय कालगा य नीलगे य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य

१७, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लगे य १८, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किल्लगा य १९, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २०, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २१, सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लगे य २२, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २३, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २४, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य २५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २६, एए पंचसंजोएणं छव्वीसं भंगा भवंति, एवामेव सपुव्वावरेणं एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेहिं दो एक्कतीसं भंगसया भवंति, गंधा जहा सत्तपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स ॥ नवपएसियस्स पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जहा अट्ठपएसिए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्नतिवन्नचउवन्ना जहेव अट्ठपएसियस्स, जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, एवं परिवाडीए एक्कतीसं भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ३१, एवं एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेहिं दो छत्तीसा भंगसया भवंति, गंधा जहा अट्ठपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउपएसियस्स। दसपएसिए णं भंते! खंधे० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जहा नवपएसिए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्नतिवन्नचउवन्ना जहेव नवपएसियस्स, पंचवन्नेवि तहेव नवरं बत्तीसइमोवि भंगो भन्नइ, एवमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोएसु दोन्नि सत्तती(सं)सा भंगसया भवंति, गंधा जहा नवपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स। जहा दसपएसिओ एवं संखेज्जपएसिओवि, एवं असंखेज्जपएसिओवि, सुहुमपरिणओवि अणंतपएसिओवि एवं चेव ॥ ६६७ ॥ बायरपरिणए णं भंते! अणंतपएसिए खंधे कइवन्ने० ? एवं जहा अट्ठारसमसए जाव सिय अट्ठफासे पन्नत्ते, वन्नगंधरसा जहा दसपएसियस्स, जइ चउफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे २, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे निद्धे ३, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे ५, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे ६, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे

उसिणे सव्वे निद्धे ७, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ८, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे ९, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे १०, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे निद्धे ११, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे १२, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे १३, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे १४, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे निद्धे १५, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे १६, एए सोलस भंगा॥ जइ पंचफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वें सीए देसा निद्धा दे(सा)से लुक्खे ३, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे। ४। एवं एए कक्खडेणं सोलस भंगा। सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, एवं मउएणवि समं सोलस भंगा, एवं बत्तीसं भंगा। सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, एए बत्तीसं भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे सीए सव्वे निद्धे देसे गुरुए देसे लहुए ४, एत्थवि बत्तीसं भंगा, सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए ४, एत्थवि बत्तीसं भंगा, एवं सव्वेते पंचफासे अट्ठावीसं भंगसयं भवइ। जइ छप्फासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २, एवं जाव सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसा सीया देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा १६, एए सोलस भंगा। सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, सव्वे मउए सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, सव्वे मउए सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, एए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे सीए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं जाव सव्वे मउए सव्वे उसिणे देसा गुरुया देसा लहुया देसा णिद्धा देसा लुक्खा एत्थवि चउसट्ठिं भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे निद्धे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे जाव सव्वे मउए सव्वे लुक्खे देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा

१६, एए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं जाव सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसा कक्खडा देसा निद्धा देसा मउया देसा लुक्खा, एए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे गुरुए सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे जाव सव्वे लहुए सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा सीया देसा उसिणा, एए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे सीए सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए जाव सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा गुरुया देसा लहुया, एवमेए चउसट्ठिं भंगा, सव्वे ते छप्फासे तिन्निचउरासीया भंगसया भवंति ३८४। जइ सत्तफासे सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे दे(से)सा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे, सव्वेए सोलस भंगा भाणियव्वा, सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे, एवं गुरुएणं एगत्तेणं लहुएणं पुहुत्तेणं एएवि सोलस भंगा, सव्वे कक्खडे देसा गुरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा भाणियव्वा, सव्वे कक्खडे देसा गुरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा भाणियव्वा, एवमेए चउसट्ठिं भंगा कक्खडेण समं, सव्वे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे। एवं मउएणवि समं चउसट्ठिं भंगा भाणियव्वा, सव्वे गुरुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं गुरुएणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, सव्वे लहुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं लहुएणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं सीएणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, सव्वे उसिणे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं उसिणेणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे एवं निद्धेणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, सव्वे लुक्खे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे एवं लुक्खेणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा जाव सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा

मउया देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा, एवं सत्तफासे पंचबारसुत्तरा भंगसया भवंति ।। जइ अट्ठफासे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया दे(सा)से उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, एए चत्तारि चउक्का सोलस भंगा, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे, एवं एए गुरुएणं एगत्तएणं लहुएणं पोहत्तएणं सोलस भंगा कायव्वा, देसे कक्खडे देसे मउए देसा गुरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा कायव्वा, देसे कक्खडे देसे मउए देसा गुरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा कायव्वा, सव्वेऽवि ते चउसट्ठिं भंगा कक्खडमउएहिं एगत्तएहिं, ताहे कक्खडेणं एगत्तएणं मउएणं पुहत्तेणं एए चेव चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, ताहे कक्खडेणं पुहत्तएणं मउएणं एगत्तएणं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा, ताहे एएहिं चेव दोहिवि पुहुत्तेहिं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा जाव देसा कक्खडा देसा मउया देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा एसो अपच्छिमो भंगो, सव्वेते अट्ठफासे दो छप्पन्ना भंगसया भवंति। एवं एए बायरपरिणए अणंतपएसिए खंधे सव्वेसु संजोएसु बारस छन्नउया भंगसया भवंति ॥ ६६८ ॥ कइविहे णं भंते! परमाणू प० ? गोयमा! चउव्विहे परमाणू प०, तं०–दव्वपरमाणू, खेत्तपरमाणू, कालपरमाणू, भावपरमाणू, दव्वपरमाणू णं भंते! कइविहे प० ? गोयमा! चउव्विहे प०, तं०–अच्छेज्जे, अभेज्जे, अडज्झे, अगेज्झे, खेत्तपरमाणू णं भंते! कइविहे प० ? गोयमा! चउव्विहे प०, तं०–अणड्ढे, अमज्झे, अपएसे, अविभाइमे, कालपरमाणू पुच्छा, गोयमा! चउव्विहे प०, तं०–अवन्ने, अगंधे, अरसे, अफासे, भावपरमाणू णं भंते! कइविहे प० ? गोयमा! चउव्विहे प०, तं०–वन्नमंते, गंधमंते, रसमंते, फासमंते। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६६९ ॥ **वीसइमस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

पुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा पुव्विं आहारित्ता पच्छा उववज्जेज्जा? गोयमा! पुव्विं वा उववज्जित्ता एवं जहा सत्तरसमसए छट्ठुद्देसए जाव से तेणट्ठेणं गोयमा!

एवं वुच्चइ पुव्विं वा जाव उववज्जेज्जा नवरं तहिं संपाउणेज्जा इमेहिं आहारो भन्नइ सेसं तं चेव। पुढविक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए जे भविए ईसाणे कप्पे पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। पुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए वालुयप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे जाव ईसिप्पब्भाराए, एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। पुढविकाइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव णिक्खेवओ। पुढविकाइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, एवं सणंकुमारमाहिंदाणं बंभलोगस्स कप्पस्स अंतरा समोहए समोहणित्ता पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, एवं बंभलोगस्स लंतगस्स य कप्पस्स अंतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं लंतगस्स महासुक्कस्स कप्पस्स य अंतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं महासुक्कस्स सहस्सारस्स य कप्पस्स अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं सहस्सारस्स आणयपाणयकप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं आणयपाणयाणं आरणअच्चुयाण य कप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं आरणअच्चुयाणं गेवेज्जविमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं गेवेज्जविमाणाणं अणुत्तरविमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए य पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो ॥ ६७० ॥ आउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं जहा पुढविकाइयस्स जाव से तेणट्ठेणं, एवं पढमादोच्चाणं अंतरा समोहओ जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो, एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो आउक्काइयत्ताए, आउक्काइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहि(२)-वलएसु आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं तं चेव एवं एएहिं चेव अंतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए पुढवीए घणोदहिवलएसु

आउक्काइयत्ताए उववाएयव्वो, एवं जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए पुढवीए अंतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए घणोदहिवलएसु उववाएयव्वो ॥ ६७१ ॥ वाउक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा सत्तरसमसए वाउक्काइयउद्देसए तहा इहवि, नवरं अंतरेसु समोहणा नेयव्वा सेसं तं चेव जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए घणवायतणुवाए घणवायतणुवायवलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६७२ ॥

वीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहे णं भंते! बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प०, तं०–जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे। नेरइयाणं भंते! कइविहे बंधे प०? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं। नाणावरणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प०, तं०–जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे, नेरइयाणं भंते! नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे बंधे प०? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव अंतराइयस्स। णाणावरणिज्जोदयस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प० एवं चेव, एवं नेरइयाणवि एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव अंतराइयउदयस्स, इत्थीवेयस्स णं भंते! कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प० एवं चेव, असुरकुमाराणं भंते! इत्थीवेयस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प० एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स इत्थिवेदो अत्थि, एवं पुरिसवेयस्सवि, एवं नपुंसगवेयस्सवि जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स जो अत्थि वेदो, दंसणमोहणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे बंधे प०? एवं चेव निरंतरं जाव वेमाणियाणं, एवं चरित्तमोहणिज्जस्सवि जाव वेमाणियाणं, एवं एएणं कमेणं ओरालियसरीरस्स जाव कम्मगसरीरस्स, आहारसन्नाए जाव परिग्गहसण्णाए, कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, सम्मदिट्ठीए मिच्छादिट्ठीए सम्मामिच्छादिट्ठीए, आभिणिबोहियणाणस्स जाव केवलनाणस्स, मइअन्नाणस्स सुयअन्नाणस्स विभंगनाणस्स, एवं आभिणिबोहियणाणविसयस्स णं भंते! कइविहे बंधे प० जाव केवलनाणविसयस्स मइअन्नाणविसयस्स सुयअन्नाणविसयस्स विभंगणाणविसयस्स एएसिं सव्वेसिं पयाणं तिविहे बंधे प०, सव्वेते चउव्वीसं दंडगा भाणियव्वा, नवरं जाणियव्वं जस्स जइ अत्थि जाव वेमाणियाणं भंते! विभंगणाणविसयस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा! तिविहे बंधे प०, तं०–जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे, सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६७३ ॥ **वीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ णं भंते ! कम्मभूमीओ प० ? गोयमा ! पन्नरस कम्मभूमीओ प०, तं०-पंच भरहाइं, पंच एरवयाइं, पंच महाविदेहाइं, कइ णं भंते ! अकम्मभूमीओ प० ? गोयमा ! तीसं अकम्मभूमीओ प०,तं०-पंच हेमवयाइं, पंच हे(ए)रन्नवयाइं, पंच हरिवासाइं, पंच रम्मगवासाइं, पंच देवकुराइं, पंच उत्तरकुराइं, एयासु णं भंते ! तीसासु अकम्मभूमीसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एएसु णं भंते ! पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? हंता अत्थि, एएसु णं पंचसु महाविदेहेसु०, णेवत्थि उस्सप्पिणी नेवत्थि ओसप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले प० समणाउसो ! ॥ ६७४ ॥ एएसु णं भंते ! पंचसु महाविदेहेसु अरिहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पन्नवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, एएसु णं पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु पु(रिम)रच्छिमप(च्च)च्छिमगा दुवे अरिहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं पंचाणुव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पन्न(वें)वयंति, अवसेसा णं अरिहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति, एएसु णं पंचसु महाविदेहेसु अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति। जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए कइ तित्थगरा पन्नत्ता ? गोयमा ! चउव्वीसं तित्थगरा पन्नत्ता, तंजहा-उसभअजियसंभवअभिनंदणसुमइसुप्पभसुपाससंसिपुप्फदंतसीयलसेज्जंसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसंतिकुंथुअरमल्लिमुणिसुव्वयनमिनेमिपासवद्धमाणा २४ ॥ ६७५ ॥ एएसि णं भंते ! चउवीसाए तित्थगराणं कइ जिणंतरा प० ? गोयमा ! तेवीसं जिणंतरा प० । एएसु णं भंते ! तेवीसाए जिणंतरेसु कस्स कहिं कालियसुयस्स वोच्छेदे प० ? गोयमा ! एएसु णं तेवीसाए जिणंतरेसु पुरिमपच्छिमएसु अट्ठसु २ जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स अवोच्छेदे प०, मज्झिमएसु सत्तसु जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स वोच्छेदे प०, सव्वत्थवि णं वोच्छिन्ने दिट्ठिवाए ॥ ६७६ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं पुव्वगए अणु(सि)सज्जिस्सइ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ, जहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए अवसेसाणं तित्थगराणं केवइयं कालं पुव्वगए अणुसज्जित्था ? गोयमा ! अत्थेगइयाणं संखेज्जं कालं अत्थेगइयाणं असंखेज्जं कालं ॥ ६७७ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगवीसं वाससहस्साइं

तित्थे अणुसज्जिस्सइ ॥ ६७८ ॥ जहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एक्कवीसं वाससहस्साइं तित्थे अणुसिज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आगमेस्साणं चरिमतित्थगरस्स केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा ! जावइए णं उसभस्स अरहओ कोसलियस्स जिणपरियाए एवइयाइं संखेज्जाइं आगमेस्साणं चरिमतित्थगरस्स तित्थे अणुसज्जिस्सइ ॥६७९॥ तित्थं भंते ! ति(त्थे)त्थं तित्थगरे तित्थं ? गोयमा ! अरहा ताव नियमं तित्थगरे, तित्थं पुण चाउवन्नाइन्ने समणसंघे, तं०-समणा समणीओ सावगा सावियाओ ॥६८०॥ पवयणं भंते ! पवयणं पावयणी पवयणं ? गोयमा ! अरहा ताव नियमं पावयणी, पवयणं पुण दुवालसंगे गणिपिडगे, तं०-आयारो जाव दिट्ठिवाओ ॥ जे इमे भंते ! उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा नाया कोरव्वा एए णं अस्सि धम्मे ओगाहंति अस्सि० २ त्ता अट्ठविहं कम्मरयमलं पवाहेंति पवाहित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? हंता गोयमा ! जे इमे उग्गा भोगा तं चेव जाव अंतं करेंति, अत्थेगइया अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति । कइविहा णं भंते ! देवलोया प० ? गोयमा ! चउव्विहा देवलोया प०, तं०-भवणवासी, वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६८१ ॥ **वीसइमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो** ॥

कइविहा णं भंते ! चारणा प० ? गोयमा ! दुविहा चारणा प०, तंजहा-विज्जाचारणा य जंघाचारणा य, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ विज्जाचारणा विज्जाचारणा ? गोयमा ! तस्स णं छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं विज्जाए उत्तरगुणलद्धिं खममाणस्स विज्जाचारणलद्धी नामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव विज्जाचारणा २, विज्जाचारणस्स णं भंते ! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयन्नं जंबूदीवे दीवे जाव किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं देवे णं महिड्ढिए जाव महेसक्खे जाव इणामेवत्तिकट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिक्खुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते । विज्जाचारणस्स णं भंते ! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं माणुसुत्तरे पव्वए समोसरणं करेइ करेत्ता विइएणं उप्पाएणं नंदीसरवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तइ २ त्ता इहमागच्छइ, विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते, विज्जाचारणस्स णं भंते ! उड्ढं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं नंदणवणे समोसरणं करेइ करेत्ता विइएणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तइ २ त्ता इहमागच्छइ,

विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ॥६८२॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जंघाचार(णे)णा २ ? गोयमा ! तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेगं अप्पाणं भावेमाणस्स जंघाचारणलद्धी नामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेगं जाव जंघाचारणा २, जंघाचारणस्स णं भंते ! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयन्नं जंबुद्दीवे दीवे एवं जहेव विज्जाचारणस्स नवरं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते सेसं तं चेव । जंघाचारणस्स णं भंते ! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेगं उप्पाएणं रुयगवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तमाणे विइएणं उप्पाएणं नंदीसरवरदीवे समोसरणं करेइ करेत्ता इह(हव्व)मागच्छइ। जंघाचारणस्स णं गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते, जंघाचारणस्स णं भंते ! उड्ढं केवइए गइविसए पन्नत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तमाणे विइएणं उप्पाएणं नंदणवणे समोसरणं करेइ २ त्ता इहमागच्छइ, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६८३ ॥ **वीसइमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

जीवा णं भंते ! किं सोवक्कमाउया निरुवक्कमाउया ? गोयमा ! जीवा सोवक्कमाउयावि निरुवक्कमाउयावि, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया नो सोवक्कमाउया निरुवक्कमाउया, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइया जहा जीवा, एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥६८४॥ नेरइया णं भंते ! किं आओवक्कमेणं उववज्जंति, परोवक्कमेणं उववज्जंति, निरुवक्कमेणं उववज्जंति ? गोयमा ! आओवक्कमेणवि उववज्जंति, परोवक्कमेणवि उववज्जंति, निरुवक्कमेणवि उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया णं । नेरइया णं भंते ! किं आओवक्कमेणं उववट्टंति, परोवक्कमेणं उववट्टंति, निरुवक्कमेणं उववट्टंति ? गोयमा ! नो आओवक्कमेणं उव्वट्टंति, नो परोवक्कमेणं उववट्टंति, निरुवक्कमेणं उव्वट्टंति, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइया जाव मणुस्सा तिसु उव्वट्टंति, सेसा जहा नेरइया नवरं जोइसियवेमाणिया चयंति ॥ नेरइया णं भंते ! किं आ(य)इड्ढीए उववज्जंति परिड्ढीए उववज्जंति ? गोयमा ! आइड्ढीए

उववज्जंति नो परिड्डीए उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया णं । नेरइया णं भंते ! किं आइड्डीए उववट्टंति परिड्डीए उववट्टंति ? गोयमा ! आइड्डीए उव्वट्टंति नो परिड्डीए उववट्टंति, एवं जाव वेमाणिया, नवरं जोइसियवेमाणिया चयंतीति अभिलावो । नेरइया णं भंते ! किं आयकम्मुणा उववज्जंति परकम्मुणा उववज्जंति ? गोयमा ! आयकम्मुणा उववज्जंति नो परकम्मुणा उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया, एवं उव्वट्टणादंडओवि । नेरइया णं भंते ! किं आयप्पओगेणं उववज्जंति परप्पओगेणं उववज्जंति ? गोयमा ! आयप्पओगेणं उववज्जंति नो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया, एवं उव्वट्टणादंडओवि ॥ ६८५ ॥ नेरइया णं भंते ! किं कइसंचिया अकइसंचिया अव्वत्त(व)गसंचिया ? गोयमा ! नेरइया कइसंचियावि अकइसंचियावि अव्वत्तगसंचियावि, से केणट्ठेणं जाव अव्वत्तगसंचियावि ? गोयमा ! जे णं नेरइया संखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया कइसंचिया, जे णं नेरइया असंखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया अकइसंचिया, जे णं नेरइया एक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया अव्वत्तगसंचिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अव्वत्तगसंचियावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइयाणं पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया नो कइसंचिया अकइसंचिया नो अव्वत्तगसंचिया, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो अव्वत्तगसंचिया ? गोयमा ! पुढविकाइया असंखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति से तेणट्ठेणं जाव नो अव्वत्तगसंचिया, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया, सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा कइसंचिया नो अकइसंचिया अव्वत्त(व्व)गसंचियावि, से केणट्ठेणं भंते ! जाव अव्वत्तगसंचियावि ? गोयमा ! जे णं सिद्धा संखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा कइसंचिया, जे णं सिद्धा एक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा अव्वत्तगसंचिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अव्वत्तगसंचियावि ॥ एएसि णं भंते ! नेरइयाणं कइसंचियाणं अकइसंचियाणं अव्वत्तगसंचियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा नेरइया अव्वत्तगसंचिया, कइसंचिया संखेज्जगुणा, अकइसंचिया असंखेज्जगुणा, एवं एगिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं अप्पाबहुगं, एगिंदियाणं नत्थि अप्पाबहुगं । एएसि णं भंते ! सिद्धाणं कइसंचियाणं अव्वत्तगसंचियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सिद्धा कइसंचिया, अव्वत्तगसंचिया संखेज्जगुणा ॥ नेरइया णं भंते ! किं छक्कसमज्जिया १, नोछक्कसमज्जिया २, छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया ३, छक्केहि य समज्जिया ४, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया ५ ? गोयमा ! नेरइया छक्कसमज्जियावि १, नोछक्कसमज्जियावि २, छक्केण य नोछक्केण य समज्जियावि ३,

छक्केहिं समज्जियावि ४, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियावि ५, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइया छक्कसमज्जियावि जाव छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियावि ? गोयमा ! जे णं नेरइया छक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया छक्कसमज्जिया १, जे णं नेरइया जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा ति(ती)हिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया नोछक्कसमज्जिया २, जे णं नेरइया एगेणं छक्कएणं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया ३, जे णं नेरइया अणेगेहिं छक्केहिं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया छक्केहिं समज्जिया ४, जे णं नेरइया अणेगेहिं छक्केहिं अण्णेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव समज्जियावि, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया नो छक्कसमज्जिया १, नो नोछक्कसमज्जिया २, णो छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया ३, छक्केहिं समज्जियावि ४, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियावि ५, से केणट्ठेणं भंते ! जाव समज्जियावि ? गोयमा ! जे णं पुढविकाइया णेगेहिं छक्कएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं पुढविकाइया छक्केहिं समज्जिया, जे णं पुढविकाइया णेगेहिं छक्कएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं पुढविक्काइया छक्केहिं य नोछक्केण य समज्जिया, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया सिद्धा एए जहा नेरइया । एएसि णं भंते ! नेरइयाणं छक्कसमज्जियाणं नोछक्कसमज्जियाणं छक्केण य नोछक्केण य समज्जियाणं छक्केहि य समज्जियाणं छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा नेरइया छक्कसमज्जिया, नोछक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केहि य समज्जिया असंखेज्जगुणा, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, एवं जाव थणियकुमारा । एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं छक्केहिं समज्जियाणं छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुढविकाइया छक्केहिं समज्जिया, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं जाव वेमाणियाणं जहा नेरइयाणं । एएसि णं भंते ! सिद्धाणं छक्कसमज्जियाणं नोछक्कसमज्जियाणं जाव छक्केहि य नोछक्केण य समज्जियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सिद्धा छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया, छक्केहिं समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केण य नोछक्केण य सम-

ज्जिया संखेज्जगुणा, छक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा, नोछक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा। नेरइया णं भंते! किं वारससमज्जिया १, नोवारससमज्जिया २, वारसएण य नोवारसएण य समज्जिया ३, वारसएहिं समज्जिया ४, वारसएहि य नोवारसएण य समज्जिया ५? गोयमा! नेरइया वारससमज्जियावि जाव वारसएहि य नोवारसएण य समज्जियावि, से केणट्ठेणं भंते! एवं जाव समज्जियावि? गोयमा! जे णं नेरइया वारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया वारससमज्जिया १, जे णं नेरइया जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया नोवारससमज्जिया २, जे णं नेरइया वारसएणं पवेसणएणं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया वारसएण य नोवारसएण य समज्जिया ३, जे णं नेरइया णेगेहिं वारसएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं नेरइया वारसएहिं समज्जिया ४, जे णं नेरइया णेगेहिं वारसएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया वारसएहि य नोवारसएण य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा! पुढविकाइया नो वारससमज्जिया १, नो नोवारससमज्जिया २, नो वारसएण य नोवारसएण य समज्जिया ३, वारसएहिं समज्जिया ४, वारसएहि य नो वारसएण य समज्जियावि ५, से केणट्ठेणं भंते! जाव समज्जियावि? गोयमा! जे णं पुढविकाइया णेगेहिं वारसएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं पुढविकाइया वारसएहिं समज्जिया, जे णं पुढविकाइया णेगेहिं वारसएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं पुढविकाइया वारसएहि य नोवारसएण य समज्जिया, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव वणस्सइकाइया, वेइंदिया जाव सिद्धा जहा नेरइया। एएसि णं भंते! नेरइयाणं वारससमज्जियाणं० सव्वेसिं अप्पावहुगं जहा छक्कसमज्जियाणं नवरं वारसाभिलावो सेसं तं चेव। नेरइया णं भंते! किं चुलसीइसमज्जिया १, नोचुलसीइसमज्जिया २, चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया ३, चुलसीईहिं समज्जिया ४, चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जिया ५? गोयमा! नेरइया चुलसीइसमज्जियावि जाव चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जियावि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव समज्जियावि? गोयमा! जे णं नेरइया चुलसी(ई)इएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया चुलसीइसमज्जिया १, जे णं नेरइया जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं तेसीइपवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया नोचुलसीइसमज्जिया २, जे णं नेरइया चुलसी-

इएणं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं नेरइया चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया ३, जे णं नेरइया णेगेहिं चुलसीइएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं नेरइया चुलसीई(ए)हिं समज्जिया ४, जे णं नेरइया णेगेहिं चुलसीइएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा जाव उक्कोसेणं तेसीइएणं जाव पविसंति ते णं नेरइया चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइया तहेव पच्छिल्लएहिं दोहिं २ नवरं अभिलावो चुलसीइओ भंगो एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया। सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा! सिद्धा चुलसीइसमज्जियावि १, नोचुलसीइसमज्जियावि २, चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जियावि ३, नो चुलसीईहिं समज्जिया ४, नो चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जिया ५, से केणट्ठेणं भंते! जाव समज्जिया? गोयमा! जे णं सिद्धा चुलसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा चुलसीइसमज्जिया, जे णं सिद्धा जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा नोचुलसीइसमज्जिया, जे णं सिद्धा चुलसीइएणं अन्नेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया, से तेणट्ठेणं जाव समज्जिया। एएसि णं भंते! नेरइयाणं चुलसीइसमज्जियाणं नोचुलसीइसमज्जियाणं० सव्वेसिं अप्पाबहुगं जहा छक्कसमज्जियाणं जाव वेमाणियाणं, नवरं अभिलावो चुलसीइओ। एएसि णं भंते! सिद्धाणं चुलसीइसमज्जियाणं नोचुलसीइसमज्जियाणं चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जियाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा सिद्धा चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया, चुलसीइसमज्जिया अणंतगुणा, नोचुलसीइसमज्जिया अणंतगुणा। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६८६ ॥ **वीसइमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥ वीसइमं सयं समत्तं ॥ २० ॥**

सालि कल अयसि वंसे इक्खू दब्भे य अब्भ तुलसी य । अट्ठेए दस वग्गा असीइं पुण होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–अह भंते! साली वीही गोधूम जाव जवजवाणं एएसि णं भंते! जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते! जीवा कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतो० जहा वक्कंतीए तहेव उववाओ नवरं देववज्जं, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, अवहारो जहा उप्पलुद्देसए, तेसि णं भंते! जीवाणं केमहालिया सरी-

रोगाहणा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, ते णं भंते ! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा ? तहेव जहा उप्पलुद्देसए, एवं वेदेवि उदएवि उदीरणाएवि । ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा छव्वीसं भंगा, दिट्ठी जाव इंदिया जहा उप्पलुद्देसए, ते णं भंते ! साली वीही गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ॥ से णं भंते ! साली वीही गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे पुढवीजीवे पुणरवि साली वीही जाव जवजवगमूलगजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? एवं जहा उप्पलुद्देसए, एएणं अभिलावेणं जाव मणुस्सजीवे, आहारो जहा उप्पलुद्देसे ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, समुग्घायसमोहया उव्वट्टणा य जहा उप्पलुद्देसे । अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता साली वीही जाव जवजवगमूलगजीवत्ताए उववन्नपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६८७ ॥ **एगवीसइमे सए पढमवग्गस्स पढमो उद्देसो समत्तो** ॥२१-१-१ ॥

अह भंते ! साली वीही जाव जवजवाणं एएसि णं जे जीवा कंदत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति एवं कंदाहिगारेण सो चेव मूलुद्देसो अपरिसेसो भाणियव्वो जाव असइं अदुवा अणंतखुत्तो, सेवं भंते ! २ त्ति (२१-१-२) एवं खंधेवि उद्देसओ णेयव्वो (२१-१-३) एवं तयाएवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-४) सालेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-५) पवालेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-६) पत्तेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-७) एए सत्तावि उद्देसगा अपरिसेसं जहा मूले तहा णेयव्वा । एवं पुप्फेवि उद्देसओ णवरं देवो उववज्जइ जहा उप्पलुद्देसे चत्तारि लेस्साओ असीइ भंगा ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं अंगुलपुहुत्तं सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति (२१-१-८) जहा पुप्फे एवं फलेवि उद्देसओ अपरिसेसो भाणियव्वो (२१-१-९) एवं बीएवि उद्देसओ (२१-१-१०) एए दस उद्देसगा ॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥ २१-१ ॥ अह भंते ! कलायमसूरतिलमुग्गमासनिप्फावकुलत्थआलिसंदगसइणपलिमंथगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं मूलादीया दस उद्देसगा भाणियव्वा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव ॥ विइओ वग्गो समत्तो ॥ ॥ २१-२ ॥ अह भंते ! अयसिकुसुंभकोद्दवकंगुरालगतुवरीकोदूसासणसरिसवमूलगवीयाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव भाणि-

यव्वं ॥ तइओ वग्गो समत्तो ॥ २१-३ ॥ अह भंते ! वंसवेणुकणगकक्कावंसवारुवंसदंडाकुडाविमाचंडावेणुयाकल्लाणीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीणं, णवरं देवो सव्वत्थवि न उववज्जइ, तिण्णि लेस्साओ, सव्वत्थवि छव्वीसं भंगा सेसं तं चेव ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २१-४ ॥ अह भंते ! उक्खुइक्खुवाडियावीरणाइक्कडभमाससुंठिसत्तवेत्ततिमिरसयपोरगनलाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं जहेव वंसवग्गो तहेव एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा, णवरं खंधुद्देसे देवा उववज्जंति, चत्तारि लेस्साओ प०, सेसं तं चेव ॥ पंचमो वग्गो समत्तो ॥ २१-५ ॥ अह भंते ! सेडियभंडियदब्भकोतियदब्भकुसदब्भगयोइदलअंजुलआसाढगरोहियंसमुतवखीरभुसएरिंडकुरुभकुंदकरवरसुंठविभंगुमहुवयणथुरगसिप्पियसुंकलितणाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि दस उद्देसगा निरवसेसं जहेव वंस(वग्गो)स्स ॥ छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ २१-६ ॥ अह भंते ! अब्भरुहवोयाणहरितगतंदुलेज्जगतणवत्थुलचोरगमज्जारयाईच्चिल्लियालक्कदगपिप्पलियदव्विसोत्थिकसायमंडुक्किमूलगसरिसवअंबिलसागजिवंतगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि दस उद्देसगा जहेव वंसस्स ॥ सत्तमो वग्गो समत्तो ॥ २१-७ ॥ अह भंते ! तुलसीकण्हदलफणेज्जाअज्जाचूयणाचोराजीरादमणामरुयाइंदीवरसयंपुप्फाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एत्थवि दस उद्देसगा निरवसेसं जहा वंसाणं ॥ अट्ठमो वग्गो समत्तो ॥ २१-८ ॥ एवं एएसु अट्ठसु वग्गेसु असीइं उद्देसगा भवंति ॥ ६८८ ॥ **एक्कवीसइमं सयं समत्तं** ॥

तालेगट्ठियबहुबीयगा य गुच्छा य गुम्म वल्ली य । छद्दस वग्गा एए सट्ठिं पुण होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–अह भंते ! तालतमालतक्कलितेतलिसालसरलासारगल्लाणं जाव केयतिकदलचम्मरुक्खगुंतरुक्खहिंगुरुक्खलवंगरुक्खपूयफलखज्जूरिनालिएरीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहेव सालीणं णवरं इमं णाणत्तं मूले कंदे खंधे तयाए साले य एएसु पंचसु उद्देसएसु देवो न उववज्जइ, तिण्णि लेस्साओ, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं, उवरिल्लेसु पंचसु उद्देसएसु देवो उववज्जइ, चत्तारि लेस्साओ, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, ओगाहणा मूले कंदे धणुहपुहुत्तं, खंधे तयाय साले य गाउयपुहुत्तं, पवाले पत्ते धणुहपुहुत्तं, पुप्फे हत्थपुहुत्तं, फले बीए य अंगुलपुहुत्तं, सव्वेसिं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं सेसं जहा सालीणं, एवं एए दस उद्देसगा ॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥ २२-१ ॥ अह भंते ! निंबंबजंबुकोसंबतालअंकोल्लपीलुसेलुस-

ल्लइमोयइमालुयचउलपलासकरंजपुत्तंजीवगरिट्ठवहेडगहरियगभल्लायउंबरियखीरणिधायइपियालपूइयणिवायगसेण्हयपासियसीसवअयसिपुण्णागनागरुक्खसीवण्णअसोगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा निरवसेसं जहा तालवग्गो ॥ बिइओ वग्गो समत्तो ॥ २२-२ ॥ अह भंते ! अत्थियातिंदुयबोरकविट्ठअंबाडगमाउलिंगबिल्लआमलगफणसदाडिमआसत्थउंबरवडणग्गोहनंदिरुक्खपिप्पलिसतरपिलक्खुरुक्खकाउंबरियकुच्छुंभरियदेवदालितिलगलउयछत्तोहसिरीससत्तवण्णदहिवण्णलोद्धधवचंदणअज्जुणणीवकुडुगकलंबाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा जाव बीयं ॥ तइओ वग्गो समत्तो ॥ २२-३ ॥ अह भंते ! वाइंगणिअल्लइपोडइ एवं जहा पण्णवणाए गाहाणुसारेणं णेयव्वं जाव गंजपाडलावासिअंकोल्लाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा जाव बीयंति निरवसेसं जहा वंसवग्गो ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २२-४ ॥ अह भंते ! सिरियकाणवनालियकोरंटगबंधुजीवगमणोज्जा जहा पण्णवणाए पढमपए गाहाणुसारेणं जाव नलणी य कुंदमहाजाईणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा निरवसेसं जहा सालीणं ॥ पंचमो वग्गो समत्तो ॥ ॥ २२-५ ॥ अह भंते ! पूसफलिकालिंगीतुंबीतउसीएलावालुंकी एवं पयाणि छिंदियव्वाणि पण्णवणागाहाणुसारेणं जहा तालवग्गे जाव दधिफोल्लइकाकलिसोक्कलिअक्कबोंदीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहा तालवग्गो, णवरं फलउद्देसे ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, ठिई सव्वत्थ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं सेसं तं चेव ॥ छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ २२-६ ॥ एवं छसुवि वग्गेसु सट्ठि उद्देसगा भवंति ॥ ६८९ ॥ **वावीसइमं सयं समत्तं ॥**

णमो सुयदेवयाए भगवईए। आलुयलोही अवया पाढी तह मासवण्णिवल्ली य। पंचेते दसवग्गा पण्णासं होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—अह भंते ! आलुयमूलगसिंगबेरहालिद्दरुक्खकंडरियजारुच्छीरबिरालिकिट्ठिकुंदुकण्हकडडसुमहुपयलइमहुसिंगिणिरुहासप्पसुगंधाछिण्णरुहाबीयरुहाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा वंसवग्गसरिसा णवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, अवहारो गोयमा ! ते णं अणंता समए २ अवहीरमाणा २ अणंताहिं ओसप्पिणीहिं उस्सप्पिणीहिं एवइयकालेणं अवहीरंति णो चेव णं अवहरिया सिया,

ठिई जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव ॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥ २३-१ ॥ अह भंते! लोहीणीहूथीहूथिवगाअस्सकण्णीसीहकण्णीसीउंढीमुसंढीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि दस उद्देसगा जहेव आलुयवग्गे, णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा, सेसं तं चेव, सेवं भंते! २ त्ति ॥ बिइओ वग्गो समत्तो ॥ २३-२ ॥ अह भंते! आयकायकुहुणकुंदुरुक्कउव्वेहलियासफासज्जाछत्तावंसाणियकुमाराणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा निरवसेसं जहा आलुवग्गो णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा, सेसं तं चेव, सेवं भंते! २ त्ति ॥ तइओ वग्गो समत्तो ॥ २३-३ ॥ अह भंते! पाढामियवालुंकिमहुररसारावल्लिपउमामोंढरिद्दंतिचंडीणं एएसि णं जे जीवा मूल० एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा आलुयवग्गसरिसा णवरं ओगाहणा जहा वल्लीणं, सेसं तं चेव, सेवं भंते! २ त्ति ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २३-४ ॥ अह भंते! मासपण्णीमुग्गपण्णीजीवसरिसवकएणुयकाओलिखीरकाकोलिभंगिणहिंकिमिरासिभद्दमुच्छणंगलइपओयकिंणापउलपाढेहरेणुयालोहीणं एएसि णं जे जीवा मूल० एवं एत्थवि दस उद्देसगा णिरवसेसं आलुयवग्गसरिसा ॥ पंचमो वग्गो समत्तो ॥ २३-५ ॥

एवं एत्थ पंचसुवि वग्गेसु पन्नासं उद्देसगा भाणियव्वा सव्वत्थ देवा ण उववज्जंति, तिन्नि लेस्साओ। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६९० ॥ **तेवीसइमं सयं समत्तं** ॥

उववायपरीमाणं संघयणुच्चत्तमेव संठाणं। लेस्सा दिट्ठी णाणे अन्नाणे जोग उवओगे ॥ १ ॥ सन्नाकसायइंदियसमुग्घाया वेयणा य वेदे य। आउं अज्झवसाणा अणुबंधो कायसंवेहो ॥ २ ॥ जीवपदे जीवपदे जीवाणं दंडगंमि उद्देसो। चउवीसइमंमि सए चउवीसं होंति उद्देसा ॥ ३ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–णेरइया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति, किं नेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! णो नेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जंति, मणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति, णो देवेहिंतो उववज्जंति, जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, बेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० तेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० चउरिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! नो एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, णो बेइंदिय० णो तेइंदिय० णो चउरिंदिय० पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणि

एहिंतोवि उववज्जंति, जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं जलचरेहिंतो उववज्जंति थलचरेहिंतो उववज्जंति खहचरेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जलचरेहिंतो उववज्जंति, थलचरेहिंतोवि उववज्जंति, खहचरेहिंतोवि उववज्जंति, जइ जलचरे० थलचरे० खहचरेहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति, पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगाए रयणप्पभाए पुढवीए उववज्जेज्जा, पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा १, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति २, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी पन्नत्ता ? गोयमा ! छेवट्ठसंघयणी प० ३, तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं ४, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! हुंडसंठाणसंठिया पन्नत्ता ५, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ प०? गोयमा ! तिन्नि लेस्साओ प०, तं०–कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा ६, ते णं भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी ७, ते णं भंते ! जीवा किं णाणी अन्नाणी ? गोयमा ! णो णाणी अन्नाणी नियमा दुअन्नाणी तं०–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य ८-९, ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा ! णो मणजोगी वइजोगीवि कायजोगीवि १०, ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ११, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सन्नाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि सन्नाओ प०, तं०–आहारसन्ना भयसन्ना मेहुणसन्ना परिग्गहसन्ना १२, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ कसाया प० ? गोयमा ! चत्तारि कसाया प०, तं०–कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए १३, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ इंदिया प० ? गोयमा ! पंचिंदिया प०, तं०–सोइंदिए चक्खिदिए जाव फासिंदिए १४, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! तओ समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए १५,

ते णं भंते ! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा ? गोयमा ! सायावेयगावि असायावेयगावि १६, ते णं भंते ! जीवा किं इत्थीवेयगा पुरिसवेयगा नपुंसगवेयगा ? गोयमा ! णो इत्थीवेयगा णो पुरिसवेयगा नपुंसगवेयगा १७, तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी १८, तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०, ते णं भंते ! किं पसत्था अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्थावि अप्पसत्थावि १९, से णं भंते ! पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी २०, से णं भंते ! पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए रयणप्पभापुढवीणेरइए पुणरवि पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिमब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २१। पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? एवं सच्चेव वत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा जाव अणुबंधोत्ति, से णं भंते ! पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभापुढविणेरइए जहन्नकाल० २ पुणरवि पज्जत्तअसन्नि जाव गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २। पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसं तं चेव जाव अणुबंधो। से णं भंते ! पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभापुढविनेरइए उक्कोस पुणरवि पज्जत्त जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिअब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा

एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ३ । जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्ख-जोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया अवसेसं तं चेव णवरं इमाइं तिन्नि णाणत्ताइं आउं अज्झवसाणा अणुबंधो य, जहन्नेणं ठिई अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०, ते णं भंते ! किं पसत्था अप्पसत्था ? गोयमा ! णो पसत्था अप्पसत्था, अणुबंधो अंतोमुहुत्तं सेसं तं चेव । से णं भंते ! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदिय० रयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव गइरागइं करेज्जा ४ । जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा सेसं तं चेव ताइं चेव तिन्नि णाणत्ताइं जाव से णं भंते ! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव जोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभा पुणरवि जाव गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणवि दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ५ । जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणियाणं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठि(इ)ईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसं तं चेव ताइं चेव तिन्नि णाणत्ताइं जाव से णं भंते ! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं एवइयं कालं जाव करेज्जा ६ । उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकाल(ट्ठिई)स्स जाव उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठि-

ईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं अवसेसं जहेव ओहियगमएणं तहेव अणुगंतव्वं, नवरं (जान) इमाइं दोन्नि नाणत्ताइं–ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, अवसेसं तं चेव, से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्नि जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं एवइयं जाव करेज्जा ७। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्ततिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएसु रयणप्पभा जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ जाव उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! सेसं तं चेव जहा सत्तमगमए जाव से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिई जाव तिरिक्खजोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणवि पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइयं जाव करेज्जा ८। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभा जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकाल जाव उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं सेसं जहा सत्तमगमए जाव से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव गइरागइं करेज्जा ९। एवं एए ओहिया तिन्नि गमगा ३, जहन्नकालट्ठिईएसु तिन्नि गमगा ६, उक्कोसकालट्ठिईएसु तिन्नि गमगा ९, सव्वेते णव गमगा भवंति ॥ ६९१–२ ॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्ख जाव उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति णो असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति, जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति किं जलचरेहिंतो उववज्जंति पुच्छा, गोयमा ! जलचरेहिंतो उववज्जंति जहा असन्नी जाव पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति,

पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा? गोयमा! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तंजहा–रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? जहेव असन्नी, तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प०? गोयमा! छव्विहसंघयणी प०, तं०–वइरोसभनारायसंघयणी उसभनारायसंघयणी जाव छेवट्ठसंघयणी, सरीरोगाहणा जहेव असन्नीणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प०? गोयमा! छव्विहसंठिया प०, तंजहा–समचउरंस० णग्गोह० जाव हुंड०, तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेस्साओ प०? गोयमा! छल्लेस्साओ पन्नत्ताओ, तंजहा–कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा, दिट्ठी तिविहावि, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, जोगो तिविहोवि सेसं जहा असन्नीणं जाव अणुबंधो, नवरं पंच समुग्घाया प० आइल्लगा, वेदो तिविहोवि, अवसेसं तं चेव जाव से णं भंते! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा १। पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव जे भविए जहन्नकाल जाव से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एवं सो चेव पढमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसो परि(णामा)माणादीओ भवादेसपज्जवसाणो सो चेव पढमगमगो णेयव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ३, जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढवि जाव उववज्जित्तए से णं भंते!

केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसो सो चेव गमओ नवरं इमाइं अट्ठ णाणत्ताइं–सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, लेस्साओ तिन्नि आदिल्लाओ, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी दो अन्नाणा णियमं, समुग्घाया आदिल्ला तिन्नि, आउं अज्झवसाणा अणुबंधो य जहेव असन्नीणं अवसेसं जहा पढमगमए जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ४, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ५ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ६ । उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसो परिमाणादीओ भवादेसपज्जवसाणो एएसिं चेव पढमो गमओ णेयव्वो नवरं ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ७ । सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा सो चेव सत्तमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं जाव करेज्जा ८, उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईय जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं

सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा सो चेव सत्तमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ९। एवं एए णव गमगा उक्खेवनिक्खेवओ नवसुवि जहेव असन्नीणं ॥ ६९३ ॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणं तिसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं एवं जहेव रयणप्पभाए उववज्जंत(गम)गस्स लद्धी सच्चेव निरवसेसा भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं बारससागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, एवं रयणप्पभापुढविगमगसरिसा णववि गमगा भाणियव्वा नवरं सव्वगमएसुवि नेरइयट्ठिई(य)संवेहेसु सागरोवमा भाणियव्वा एवं जाव छट्ठीपुढवित्ति, णवरं नेरइयठिई जा जत्थ पुढवीए जहन्नुक्कोसिया सा तेणं चेव कमेणं चउग्गुणा कायव्वा, वालुयप्पभाए पुढवीए अट्ठावीसं सागरोवमा चउगुणिया भवंति, पंकप्पभाए चत्तालीसं, धूमप्पभाए अट्ठसट्ठिं, तमाए अट्ठासीइं, संघयणाइं वालुयप्पभाए पंचविहसंघयणी तं०–वइरोसभनारायसंघयणी जाव कीलियासंघयणी, पंकप्पभाए चउव्विहसंघयणी, धूमप्पभाए तिविहसंघयणी, तमाए दुविहसंघयणी तं०–वइरोसभनारायसंघयणी य उसभनारायसंघयणी य, सेसं तं चेव ॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव रयणप्पभाए णव गमगा लद्धीवि सच्चेव णवरं वइरोसभणारायसंघयणी, इत्थिवेदगा न उववज्जंति सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, संवेहो भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव वत्तव्वया जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं कालादेसोवि तहेव जाव चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं

उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव रयणप्पभापुढविजहन्नकालट्ठिईयवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, नवरं पढमसंघयणं णो इत्थिवेदगा, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ४। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसोत्ति ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! अवसेसा सच्चेव सत्तमपुढविपढमगमगवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, नवरं ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी संवेहोवि तहेव सत्तमगमगसरिसो ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ॥ ६९४ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति णो असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जन्ति किं संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उ० णो असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जन्ति, जइ संखेज्जवासाउय जाव उववज्जन्ति किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति अपज्जत्त जाव उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति नो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्नि-

मणुस्से णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तं०-रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा (वा) उववज्जंति, संघयणा छ, सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइं, एवं सेसं जहा सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जाव भवादेसोत्ति, नवरं चत्तारि णाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, छ समुग्घाया केवलिवज्जा, ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सा चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं जाव करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं इमाइं पंच नाणत्ताइं-सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणवि अंगुलपुहुत्तं, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, पंच समुग्घाया आइल्ला, ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणवि मासपुहुत्तं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ४। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया चउत्थगमगसरिसा णेयव्वा नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव गमगो नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमगमओ णेयव्वो नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं

पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एसेव सत्तमगमगवत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं जाव करेज्जा ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सा चेव सत्तमगमगवत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं एगं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ९॥ ६९५॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइएसु जाव उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकाल जाव उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तिसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! एवं सो चेव रयणप्पभापुढविगमओ णेयव्वो नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं वासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं बारस सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, एवं एसा ओहिएसु तिसु गमएसु मणूसस्स लद्धी नाणत्तं नेरइयट्ठिई कालादेसेणं संवेहं च जाणेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तिसुवि गमएसु एस चेव लद्धी नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्तं, ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणवि वासपुहुत्तं एवं अणुबंधोवि, सेसं जहा ओहियाणं संवेहो सव्वो उव(जुज्जि)जुंजिऊण भाणियव्वो ४-५-६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु इमं णाणत्तं-सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, सेसं जहा पढमगमए नवरं नेरइयठि(ई) इं कायसंवेहं च जाणेज्जा ९, एवं जाव छट्ठपुढवी नवरं तच्चाए आढवेत्ता एक्केक्कं संघयणं परिहायइ जहेव तिरिक्खजोणियाणं कालादेसोवि तहेव नवरं मणुस्सट्ठिई भाणियव्वा॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए अहेसत्तमापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं बावीसं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं अवसेसो सो चेव सक्करप्पभापुढविगमओ णेयव्वो नवरं पढमं संघयणं इत्थिवेयगा न उववज्जंति सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं

कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं नेरइयट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं संवेहं च जाणेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्तं, ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणवि वासपुहुत्तं एवं अणुबंधोवि, संवेहो उवउंजिऊण भाणियव्वो ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि णवसुवि एएसु गमएसु नेरइयट्ठि(इं)ई संवेहं च जाणेज्जा, सव्वत्थ भवग्गहणाइं दोन्नि जाव णवमगमए कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ९। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६९६ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी—असुरकुमारा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्से० देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्सेहिंतो उववज्जंति नो देवेहिंतो उववज्जंति, एवं जहेव नेरइयउद्देसए जाव पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एवं रयणप्पभागमगसरिसा णववि गमा भाणियव्वा नवरं जाहे अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे अज्झवसाणा पसत्था णो अप्पसत्था तिसुवि गमएसु अवसेसं तं चेव ९॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा

उववज्जंति, वइरोसभनारायसंघयणी, ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं छ गाउयाइं, समचउरंससंठाणसंठिया प०, चत्तारि लेस्साओ आइल्लाओ, णो सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी अन्नाणी नियमं दुअन्नाणी मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, जोगो तिविहोवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, पंच इंदिया, तिन्नि समुग्घाया आइल्लगा, समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, वेयणा दुविहावि सायावेयगावि असायावेयगावि, वेदो दुविहोवि इत्थिवेयगावि पुरिसवेयगावि णो नपुंसगवेयगा, ठिई जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि, अणुबंधो जहेव ठिई, कायसंवेहो भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं छप्पलिओवमाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठि(इं)ई संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई से जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं सेसं तं चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! अवसेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, नवरं ओगाहणा जहन्नेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगं धणुहसहस्सं, ठिई जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी उक्कोसेणवि साइरेगा पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ एवइयं० ४, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं साइरेगपुव्वकोडिआउएसु उक्कोसेणवि साइरेगपुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा सेसं तं चेव, नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ उक्कोसेणवि साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ एवइयं कालं सेवेज्जा० ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमगमगो भाणियव्वो नवरं ठिई जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छ पलिओवमाइं एवइयं० ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो

जहण्णेणं तिपलिओव० उक्कोसेणवि तिपलिओव० एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं० ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति किं जलचर० एवं जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं एवं एएसिं रयणप्पभपुढविगमगसरिसा नव गमगा णेयव्वा, नवरं जाहे अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु इमं णाणत्तं चत्तारि लेस्साओ अज्झवसाणा पसत्था नो अप्पसत्था सेसं तं चेव संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणुस्सेहिंतो उ० असन्निमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सन्निमणुस्सेहिंतो उ० नो असन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति, जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं असंखेज्जवासाउयतिरिक्खजोणियसरिसा आइल्ला तिन्नि गमगा नेयव्वा, नवरं सरीरोगाहणा पढमबिइएसु गमएसु जहन्नेणं साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं सेसं तं चेव, तइयगमे ओगाहणा जहन्नेणं तिन्नि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइं सेसं जहेव तिरिक्खजोणियाणं ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि जहन्नकालट्ठिईयतिरिक्खजोणियसरिसा तिन्नि गमगा भाणियव्वा, नवरं सरीरोगाहणा तिसुवि गमएसु जहण्णेणं साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं सेसं तं चेव ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि ते चेव पच्छिल्लगा तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं सरीरोगाहणा तिसुवि गमएसु जहन्नेणं तिन्नि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइं अवसेसं तं चेव ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्ज जाव उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्ज० णो अपज्जत्तसंखेज्ज०, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव

एएसिं रयणप्पभाए उववज्जमाणाणं णव गमगा तहेव इहवि णव गमगा भाणियव्वा णवरं संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो सेसं तं चेव ९, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६९७ ॥ **चउवीसइमे सए बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–नागकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० मणुस्सेहिंतो उववज्जंति नो देवेहिंतो उववज्जंति, जइ तिरिक्खजोणि० एवं जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया तहा एएसिंपि जाव असण्णित्ति, जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए नागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकालट्ठिई० ? गोयमा ! जहन्नेणंदस वाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदुपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसो सो चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स गमगो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो तस्सवि एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई जहन्नेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं देसूणाइं चत्तारि पलिओवमाइं उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं एवइयं कालं० ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जहन्नकालट्ठिईयस्स तहेव निरवसेसं ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तहेव तिन्नि गमगा जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स नवरं नागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा सेसं तं चेव ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० णो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय०, पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठि० उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठि० एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स वत्तव्वया तहेव इहवि णवसुवि गमएसु, णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणु० असण्णिमणु० ? गोयमा ! सन्निमणु० णो असन्निमणुस्से० जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जाव असंखेज्जवा-

साउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जइ ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु एवं जहेव असंखेज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं नागकुमारेसु आइल्ला तिन्नि गमगा तहेव इमस्सवि, नवरं पढमबिइएसु गमएसु सरीरोगाहणा जहन्नेणं साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, तइयगमे ओगाहणा जहन्नेणं देसूणाइं दो गाउयाइं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं सेसं तं चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्स तिसुवि गमएसु जहा तस्स चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव निरवसेसं ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्स तिसुवि गमएसु जहा तस्स चेव उक्कोसकालट्ठिईयस्स असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स नवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निमणु० किं पज्जत्तसंखेज्ज० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्ज० णो अपज्जत्तसंखेज्ज०, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु उ० एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स सच्चेव लद्धी निरवसेसा नवसु गमएसु णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६९८ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो** ॥

अवसेसा सुवन्नकुमाराई जाव थणियकुमारा एएवि अट्ठ उद्देसगा जहेव नागकुमाराणं तहेव निरवसेसा भाणियव्वा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६९९ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स एक्कारसमो उद्देसो समत्तो** ॥

पुढविक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं एगिंदियतिरिक्खजोणिए० एवं जहा वक्कंतीए उववाओ जाव जइ बायरपुढविक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तबादर जाव उववज्जंति अपज्जत्तबादरपुढवि जाव उ० ? गोयमा ! पज्जत्तबादरपुढवि० अपज्जत्तबादरपुढवि जाव उववज्जंति, पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! अणुसमयं अविरहिया असंखेज्जा उववज्जंति, छेवट्ठसंघयणी, सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, मसूरचंदसंठिया, चत्तारि लेस्साओ, णो

सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी अन्नाणी दो अन्नाणा नियमं, णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, एगे फासिंदिए पन्नत्ते, तिन्नि समुग्घाया, वेयणा दुविहा, णो इत्थिवेदगा णो पुरिसवेदगा नपुंसगवेदगा, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि अणुबंधो जहा ठिई १, से णं भंते ! पुढविक्काइए पुणरवि पुढविक्काइएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु एवं चेव वत्तव्वया निरवसेसा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, णवरं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जेज्जा, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावत्तरिं वाससहस्सुत्तरं सयसहस्सं एवइयं कालं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमिल्लओ गमओ भाणियव्वो नवरं लेस्साओ तिन्नि, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अप्पसत्था अज्झवसाणा, अणुबंधो जहा ठिई सेसं तं चेव ४, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव चउत्थगमगवत्तव्वया भाणियव्वा ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा जाव भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एवं तइयगमगसरिसो निरवसेसो भाणियव्वो नवरं अप्पणा से ठिई जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणवि बावीसं वाससहस्साइं ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, एवं जहा सत्तमगमगो जाव भवादेसो, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु एस

चेव सत्तमगमगवत्तव्वया जाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं चोयालीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणं छावत्तरिवाससहस्सुत्तरं सयसहस्सं एवइयं० ९ ॥ जइ आउक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सुहुमआउ० बादरआउ० एवं चउक्कओ भेदो भाणियव्वो जहा पुढविक्काइयाणं, आउक्काइयाणं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं पुढविक्काइयगमगसरिसा नव गमगा भाणियव्वा ९, नवरं थिवुगबिंदुसंठिए, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त वाससहस्साइं, एवं अणुबंधोवि एवं तिसुवि गमएसु, ठिई संवेहो तइयछट्ठसत्तमट्ठमणवमगमएसु भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, सेसेसु चउसु गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, तइयगमए कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सोलसुत्तरं वाससयसहस्सं एवइयं०, छट्ठे गमए कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, सत्तमे गमए कालादेसेणं जहन्नेणं सत्त वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सोलसुत्तरवाससयसहस्सं एवइयं०, अट्ठमे गमए कालादेसेणं जहन्नेणं सत्त वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठावीसं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, णवमे गमए भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं एगूणतीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणं सोलसुत्तरं वाससयसहस्सं एवइयं०, एवं णवसुवि गमएसु आउक्काइयठिई जाणियव्वा ९ ॥ जइ तेउक्काइएहिंतो उववज्जंति तेउक्काइयाणवि एस चेव वत्तव्वया नवरं नवसुवि गमएसु तिन्नि लेस्साओ तेउक्काइयाणं सु(सू)ईकलावसंठिया ठिई जाणियव्वा तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं बारसहिं राइंदिएहिं अब्भहियाइं एवइयं एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ९॥ जइ वाउक्काइएहिंतो उववज्जंति वाउक्काइयाणवि एवं चेव णव गमगा जहेव तेउक्काइयाणं णवरं पडागासंठिया प० संवेहो वाससहस्सेहिं कायव्वो तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं एगं वाससयसहस्सं एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ॥ जइ वणस्सइकाइएहिंतो उववज्जंति वणस्सइकाइयाणं आउकाइयगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा नवरं णाणासंठिया सरीरोगाहणा प० पढमएसु पच्छिल्लएसु

य तिसु गमएसु जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं मज्झिल्लएसु तिसु तहेव जहा पुढविकाइयाणं संवेहो ठिई य जाणियव्वा तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठावीसुत्तरं वाससयसहस्सं एवइयं एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ॥ ७०० ॥ जइ बेइंदिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तबेइंदिएहिंतोवि उववज्जंति, बेइंदिए णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ॰ काल॰ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं॰ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, छेवट्ठसंघयणी, ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं बारस जोयणाइं, हुंडसंठिया, तिन्नि लेस्साओ, सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि नो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो णाणा दो अन्नाणा नियमं, णो मणजोगी वइजोगीवि कायजोगीवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, दो इंदिया प॰, तं॰-जिब्भिंदिए य फासिंदिए य, तिन्नि समुग्घाया सेसं जहा पुढविकाइयाणं णवरं ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जं कालं एवइयं॰ १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया सव्वा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एसा चेव बेइंदियस्स लद्धी नवरं भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं एवइयं॰ ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि एस चेव वत्तव्वया तिसुवि गमएसु नवरं इमाइं सत्त णाणत्ताइं सरीरोगाहणा जहा पुढविकाइयाणं, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो अन्नाणा णियमं, णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अज्झवसाणा अप्पसत्था, अणुबंधो जहा ठिई, संवेहो तहेव आइल्लेसु दोसु गमएसु तइयगमए भवादेसो तहेव अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एयस्सवि ओहियगमगसरिसा तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं तिसुवि गमएसु ठिई जहन्नेणं

बारस संवच्छराइं उक्कोसेणवि बारस संवच्छराइं, एवं अणुबंधोवि, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं जाव णवमे गमए जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं बारसहिं संवच्छरेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइ वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ तेइंदिएहिंतो पुढविकाइएसु उववज्जन्ति एवं चेव नव गमगा भाणियव्वा नवरं आइल्लेसु तिसुवि गमएसु सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, तिन्नि इंदियाइं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं एगूणपन्नं राइंदियाइं, तइयगमए कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं छन्नउइं राइंदियसयमब्भहियाइं एवइयं०, मज्झिमगा तिन्नि गमगा तहेव पच्छिमगावि तिन्नि गमगा तहेव नवरं ठिई जहन्नेणं एगूणपन्नं राइंदियाइं उक्कोसेणवि एगूणपन्नं राइंदियाइं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ९ ॥ जइ चउरिंदिएहिंतो उववज्जन्ति एवं चेव चउरिंदियाणवि नव गमगा भाणियव्वा नवरं एएसु चेव ठाणेसु नाणत्ता भाणियव्वा सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं छम्मासा एवं अणुबंधोवि, चत्तारि इंदियाइं सेसं तं चेव जाव नवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं छहिं मासेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउवीसाए मासेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए०? गोयमा ! सन्निपंचिंदिय०, असण्णिपंचिंदिय०, जइ असण्णिपंचिंदिय जाव उ० किं जलचरेहिंतो उववज्जंति जाव किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतोवि उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतोवि उववज्जंति, असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ०? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव बेइंदियस्स ओहियगमए लद्धी तहेव नवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, पंचिंदिया, ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं० णवसुवि गमएसु कायसंवेहो भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं; नवरं मज्झिमएसु तिसु गमएसु जहेव बेइंदियस्स

मज्झिमएसु तिसु गमएसु पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहा एयस्स चेव पढमगमए, नवरं ठिई अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तं चेव जाव नवम गमए जहण्णेणं पुव्वकोडी बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं सेवेज्जा० ९ ॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणि जाव उ० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय जाव उ०, जइ संखेज्जवासाउय जाव उ० किं जलचरेहिंतो सेसं जहा असन्नीणं जाव ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स सन्निपंचिंदियस्स तहेव इहवि, नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सेसं तहेव जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं०, एवं संवेहो णवसुवि गमएसु जहा असन्नीणं तहेव निरवसेसं लद्धी से आइल्लएसु तिसुवि गमएसु एस चेव मज्झिल्लएसुवि तिसु गमएसु एस चेव नवरं इमाइं नव णाणत्ताइं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, तिन्नि लेस्साओ, मिच्छादिट्ठी, दो अन्नाणा, कायजोगी, तिन्नि समुग्घाया, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अप्पसत्था अज्झवसाणा, अणुबंधो जहा ठिई सेसं तं चेव, पच्छिल्लएसु तिसुवि गमएसु जहेव पढमगमए णवरं ठिई अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तं चेव ९ ॥ ७०१ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति, असन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु० से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु एवं जहा असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहन्नकालट्ठिईयस्स तिन्नि गमगा तहा एयस्सवि ओहिया तिन्नि गमगा भाणियव्वा तहेव निरवसेसा सेसा छ न भण्णंति १ ॥ जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय जाव उ० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय जाव उ०, जइ संखेज्जवासाउय जाव उ० किं पज्जत्त० अपज्जत्त० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्जवासा जाव उ०, सन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स तहेव तिसुवि गमएसु लद्धी नवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को-

सेणं पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, संवेहो नवसु गमएसु जहेव सन्निपंचिंदियस्स मज्झिल्लएसु तिसु गमएसु लद्धी जहेव सन्निपंचिंदियस्स म० सेसं तं चेव निरवसेसं, पच्छिल्ला तिन्नि गमगा जहा एयस्स चेव ओहिया गमगा नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तहेव नवरं पच्छिल्लएसु गमएसु संखेज्जा उववज्जंति नो असंखेज्जा उववज्जंति ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतोवि उववज्जंति जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति किं असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं ठिई, ते णं भंते ! जीवा पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प० ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी जाव परिणमंति, तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त रयणीओ, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते समचउरंससंठाणसंठिया प०, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते णाणासंठाणसंठिया प०, लेस्साओ चत्तारि, दिट्ठी तिविहावि, तिन्नि णाणा नियमं, तिन्नि अन्नाणा भयणाए, जोगो तिविहोवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, पंच इंदिया, पंच समुग्घाया, वेयणा दुविहावि, इत्थिवेदगावि पुरिसवेदगावि णो णपुंसगवेदगा, ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं, अज्झवसाणा असंखेज्जा पसत्थावि अप्पसत्थावि, अणुबंधो जहा ठिई, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं०, एवं णववि गमा णेयव्वा नवरं मज्झिल्लएसु पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु असुरकुमाराणं ठिइविसेसो जाणियव्वो सेसा ओहिया चेव

लद्धी कायसंवेहं च जाणेज्जा, सव्वत्थ दो भवग्गहणाइं जाव णवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं उक्कोसेणवि साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं० ९ ॥ णागकुमारा णं भंते ! जे भविए पुढविकाइए एस चेव वत्तव्वया जाव भवादेसोत्ति, णवरं ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं, एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं, एवं णववि गमगा असुरकुमारगमगसरिसा नवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा, एवं जाव थणियकुमाराणं ॥ जइ वाणमंतरदेवेहिंतो उववज्जंति किं पिसायवाणमंतर० जाव गंधव्ववाणमंतर० ? गोयमा ! पिसायवाणमंतर० जाव गंधव्ववाणमंतर०, वाणमंतरदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविकाइए एएसिंपि असुरकुमारगमगसरिसा नव गमगा भाणियव्वा, नवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा, ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं पलिओवमं सेसं तहेव ॥ जइ जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति किं चंदविमाणजोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति जाव ताराविमाणजोइसियदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! चंदविमाण जाव उ० जाव ताराविमाण जाव उ०, जोइसियदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविकाइए लद्धी जहा असुरकुमाराणं णवरं एगा तेउलेस्सा प०, तिन्नि णाणा तिन्नि अन्नाणा णियमं, ठिई जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्सेणं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा ॥ जइ वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति किं कप्पोववण्णगवेमाणिय० कप्पातीयवेमाणिएहिंतो उ० ? गोयमा ! कप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ० णो कप्पातीतवेमाणिय जाव उ०, जइ कप्पोववन्नग जाव उ० किं सोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय० जाव अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ० ? गोयमा ! सोहम्मकप्पोववन्नगवेमाणिय० ईसाणकप्पोववन्नगवेमाणिय जाव उ०, णो सणंकुमार जाव णो अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ०, सोहम्मगदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय० एवं जहा जोइसियस्स गमगो णवरं ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं पलिओवमं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, णवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा । ईसाणदेवे णं भंते ! जे भविए एवं ईसाणदेवेणवि णव गमगा भाणियव्वा नवरं ठिई अणुबंधो जहन्नेणं

साइरेगं पलिओवमं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ७०२ ॥ **चउवीसइमे सए बारहमो उद्देसो समत्तो ॥**

आउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहेव पुढविक्काइयउद्देसए जाव पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए आउक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्तवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो भाणियव्वो णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०३ ॥ **चउवीसइमे सए तेरहमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं (णवरं) पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो उद्देसो भाणियव्वो नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, देवेहिंतो ण उववज्जंति, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ७०४ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स चउद्दसमो उद्देसो समत्तो ॥**

वाउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहेव तेउक्काइयउद्देसओ तहेव नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०५ ॥ **चउवीसइमे सए पण्णरहमो उद्देसो समत्तो ॥**

वणस्सइकाइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं पुढविक्काइयसरिसो उद्देसो नवरं जाहे वणस्सइकाइया वणस्सइकाइएसु उववज्जन्ति ताहे पढमबिइयचउत्थपंचमेसु गमएसु परिमाणं अणुसमयं अविरहियं अणंता उववज्जंति, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अणंतं कालं एवइयं०, सेसा पंच गमा अट्ठभवग्गहणिया तहेव नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥७०६॥ **चउवीसइमस्स सयस्स सोलहमो उद्देसो समत्तो ॥**

बेइंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति जाव पुढविकाइए णं भंते ! जे भविए बेइंदिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० सच्चेव पुढविकाइयस्स लद्धी जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं एवइयं०, एवं तेसु चेव चउसु गमएसु संवेहो सेसेसु पंचसु गमएसु तहेव अट्ठ भवा । एवं जाव चउरिंदिएणं समं चउसु संखेज्जा भवा, पंचसु अट्ठ भवा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सेसु समं तहेव अट्ठ भवा, देवे चेव न उववज्जंति, ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०७ ॥ २४-१७ ॥ तेइंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं तेइंदियाणं जहेव बेइंदियाणं उद्देसो नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, तेउक्काइएसु समं तइयगमो उक्कोसेणं अट्ठुत्तराइं बेराइंदियसयाइं बेइंदिएहिं समं तइयगमे

उक्कोसेणं अडयालीसं संवच्छराइं छन्नउयराइंदियसयमब्भहियाइं तेइंदिएहिं समं तइयगमे उक्कोसेणं बाणउयाइं तिन्नि राइंदियसयाइं एवं सव्वत्थ जाणेज्जा जाव सन्निमणुस्सात्ति, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०८ ॥ २४-१८ ॥ चउरिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? जहा तेइंदियाणं उद्देसओ तहेव चउरिंदियाणवि नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७०९ ॥ २४-१९ ॥ पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइ० तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नेरइएहिंतोवि उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्सेहिंतोवि उ० देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ नेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! रयणप्पभा-पुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतोवि उववज्जंति, रयणप्पभापुढविनेरइए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उव-वज्जंति ? एवं जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया नवरं संघयणे पोग्गला अणिट्ठा अकंता जाव परिणमंति, ओगाहणा दुविहा प०, तं०—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिन्नि रयणीओ छच्चंगुलाइं, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्कोसेणं पन्नरस धणूइं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया प०, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया प०, एगा काउलेस्सा प०, समुग्घाया चत्तारि, णो इत्थिवेदगा णो पुरिसवेदगा णपुंसगवेदगा, ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं सागरोवमं एवं अणुबंधोवि, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्ग-हणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतो-मुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु अवसेसं तहेव, नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं तहेव उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं काल० २, एवं सेसावि सत्त गमगा भाणियव्वा जहेव नेरइयउद्देसए सन्निपंचिंदिए(णं)हिं समं णेरइयाणं मज्झिमएसु य तिसुवि गमएसु पच्छिमएसु तिसुवि गमएसु ठिइणाणत्तं

भवइ, सेसं तं चेव सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ सक्करप्पभापुढविनेरइए णं भंते ! जे भविए एवं जहा रयणप्पभाए णव गमगा तहेव सक्करप्पभाएवि, नवरं सरीरोगाहणा जहा ओगाहणासंठाणे, तिन्नि णाणा तिन्नि अन्नाणा नियमं, ठिई अणुबंधो य पुव्वभणिया, एवं णववि गमगा उवजुंजिऊण भाणियव्वा, एवं जाव छट्ठपुढवी, नवरं ओगाहणा लेस्सा ठिई अणुबंधो संवेहो य जाणियव्वा, अहेसत्तमापुढवीनेरइए णं भंते ! जे भविए एवं चेव णव गमगा, णवरं ओगाहणा लेस्सा ठिई अणुबंधा जाणियव्वा, संवेहो भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छब्भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, आइल्लएसु छसुवि गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं चत्तारि भवग्गहणाइं, लद्धी नवसुवि गमएसु जहा पढमगमए नवरं ठिईविसेसो कालादे(सेणं)सो य बिइयगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं०, तइयगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, चउत्थगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, पंचमगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, छट्ठगमए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, सत्तमगमए जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं (अंतोमुहुत्तेहिं) पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, अट्ठमगमए जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, णवमगमए जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० एवं उववाओ जहा पुढविकाइयउद्देसए जाव पुढविकाइए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं परिमाणादीया अणुबंधपज्जवसाणा जच्चेव अप्पणो सट्ठाणे वत्तव्वया सच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसुवि उववज्जमाणस्स

भाणियव्वा णवरं णवसुवि गमएसु परिमाणो जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, भवादेसेणवि णवसुवि गमएसु जह॰ न्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, सेसं तं चेव, कालादेसेणं उभओ ठि(इं)ई पकरेज्जा। जइ आउक्काइएहिंतो उववज्जन्ति एवं आउक्काइ(ए)याणवि एवं जाव चउरिंदिया उववाएयव्वा, नवरं सव्वत्थ अप्पणो लद्धी भाणियव्वा, णवसुवि गमएसु भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं उभओ ठिइं करेज्जा सव्वेसिं सव्वगमएसु, जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणाणं लद्धी तहेव सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ॥ जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असन्निपंचिंदियतिरि॰ क्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! सन्निपंचिंदिय॰ असन्निपंचिंदिय॰, भेदो जहेव पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स जाव असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइकाल॰? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उवव॰, ते णं भंते! अवसेसं जहेव पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स असन्निस्स तहेव निरवसेसं जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज॰ इभागं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं एवइयं॰ १, विइयगमए एस चेव लद्धी नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइयं॰ २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं पलिओ॰ वमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जइ, ते णं भंते! जीवा एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असन्निस्स तहेव निरवसेसं जाव कालादेसोत्ति, नवरं परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्को- सेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जह- न्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! अवसेसं जहा एयस्स पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहा इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भव- ग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ४, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्त- व्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अट्ठ अंतोमुहुत्ता एवइयं॰ ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पुव्वकोडिआउएसु उक्कोसेणवि पुव्व- कोडिआउएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जाणेज्जा ६, सो चेव

अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया नवरं ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं एवइयं० ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया जहा सत्तमगमए नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइयं० ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं, एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असन्निस्स नवमगमए तहेव निरवसेसं जाव कालादेसोत्ति, नवरं परिमाणं जहा एयस्सेव तइयगमे सेसं तं चेव ९॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासा० असंखेज्जवासा० ? गोयमा ! संखेज्ज० णो असंखेज्ज०, जइ संखेज्जवासाउय जाव किं पज्जत्तसंखेज्ज० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? दोसुवि, संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! अवसेसं जहा एयस्स चेव सन्निस्स रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स पढमगमए, नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोअणसहस्सं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया नवरं परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, लद्धी से जहा एयस्स चेव सन्निपंचिंदियस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिल्लएसु तिसु गमएसु सच्चेव इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु कायव्वा, संवेहो जहेव एत्थ चेव असन्निस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ जहा पढमगमए णवरं

ठिई अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु अवसेसं तं चेव, नवरं परिमाणं ओगाहणा य जहा एयस्सेव तइयगमए, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ९॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणु० असन्निमणु० ? गोयमा ! सन्निमणु० असन्निमणु०, असन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जंति, लद्धी से तिसुवि गमएसु जहा पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स संवेहो जहा एत्थ चेव असन्निपंचिंदियस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहेव निरवसेसो भाणियव्वो, जइ सन्निमणुस्स० किं संखेज्ज-वासाउयसन्निमणुस्स० असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्स० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० नो असंखेज्जवासाउय०, जइ संखेज्ज० किं पज्जत्त० अपज्जत्त० ? गोयमा ! पज्जत्त० अप-ज्जत्तसंखेज्जवासाउय०, सन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! लद्धी से जहा एयस्सेव सन्निमणुस्सस्स पुढविकाइएसु उववज्जमाणस्स पढमगमए जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं ति(ण्णि)पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिप-लिओवमट्ठिईएसु सच्चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंच धणुहसयाइं, ठिई जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहा सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु वत्तव्वया भणिया सच्चेव

एयस्सवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु निरवसेसा भाणियव्वा, नवरं परिमाणं उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं, एस चेव लद्धी जहेव सत्तमगमए, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतो उ० जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि उ०, जइ भवणवासि जाव उ० किं असुरकुमारभवण० जाव थणियकुमारभवण० ? गोयमा ! असुरकुमार० जाव थणियकुमारभवण०, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, असुरकुमाराणं लद्धी णवसुवि गमएसु जहा पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स एवं जाव ईसाणदेवस्स तहेव लद्धी भवादेसेणं सव्वत्थ अट्ठ भवग्गहणाइं उक्कोसेणं जहण्णेणं दोन्नि, भवट्ठिइं संवेहं च सव्वत्थ जाणेज्जा ९॥ नागकुमारा णं भंते ! जे भविए एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव थणियकुमारे ९। जइ वाणमंतरेहिंतो उ० किं पिसाय० तहेव जाव वाणमंतरे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख० एवं चेव नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९, जइ जोइसिय० उववाओ तहेव जाव जोइसिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख० एस चेव वत्तव्वया जहा पुढविक्काइयउद्देसए भवग्गहणाइं णवसुवि गमएसु अट्ठ जाव कालादेसेणं जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं चउहि य वाससयसहस्सेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं नवसुवि गमएसु नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९॥ जइ वेमाणियदेवे० किं कप्पोववन्नग० कप्पातीतवेमाणिय० ? गोयमा ! कप्पोववण्णगवेमाणिय० नो कप्पातीतवेमाणिय०, जइ कप्पोववण्णग० जाव सहस्सारकप्पोववण्णगवेमाणियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, नो आणय जाव णो

अनुयकप्पोववण्णगवेमाणिय०, सोहम्मगदेवे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्त० उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु सेसं जहेव पुढविकाइयउद्देसए नवसुवि गमएसु नवरं नवसुवि गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, ठिइं काल-देसं च जाणेज्जा, एवं ईसाणदेवेवि, एवं एएणं कमेणं अवसेसावि जाव सहस्सार-देवेसु उववाएयव्वा नवरं ओगाहणा जहा ओगाहणासंठाणे, लेस्सा सणंकुमार-माहिंदबंभलोएसु एगा पम्हलेस्सा सेसाणं एगा सुक्कलेस्सा, वेदे नो इत्थिवेदगा पुरिसवेदगा णो नपुंसगवेदगा, आउअणुबंधा जहा ठिइपदे सेसं जहेव ईसाणगाणं कायसंवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७१० ॥ **चउवीसइमे सए वीसइमो उद्देसो समत्तो ॥**

मणुस्सा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति जाव देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णेरइएहिंतोवि उववज्जंति जाव देवेहिंतोवि उवव-ज्जंति, एवं उववाओ जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए जाव तमापुढविनेरइएहिं-तोवि उववज्जंति णो अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति, रयणप्पभापुढविनेरइए णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु अवसेसा वत्तव्वया जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणिए उववज्जंतस्स तहेव नवरं परिमाणे जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, जहा तहिं अंतोमुहुत्तेहिं तहा इहं मास-पुहुत्तेहिं संवेहं करेज्जा सेसं तं चेव ९ ॥ जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया तहा सक्कर-प्पभाएवि वत्तव्वया नवरं जहन्नेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडि०, ओगा-हणालेस्साणाणट्ठिइअणुबंधसंवेहं णाणत्तं च जाणेज्जा जहेव तिरिक्खजोणियउद्देसए एवं जाव तमापुढविनेरइए ९ ॥ जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदि-यतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! एगिंदियतिरिक्खजोणिए० भेदो जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए नवरं तेउवाऊ पडिसेहेयव्वा, सेसं तं चेव जाव पुढविकाइए णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं जच्चेव पंचिंदियति-रिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स पुढविकाइयस्स वत्तव्वया सा चेव इहवि उववज्ज-माणस्स भाणियव्वा णवसुवि गमएसु, नवरं तइयछट्ठणवमेसु गमएसु परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, जाहे अप्पणा

जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे पढमगमए अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि, विइयगमए अप्पसत्था, तइयगमए पसत्था भवंति सेसं तं चेव निरवसेसं ९ ॥ जइ आउकाइए एवं आउकाइयाणवि, एवं वणस्सइकाइयाणवि, एवं जाव चउरिंदियाणवि, असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिया सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिया असन्निमणुस्सा सन्निमणुस्सा य एए सव्वेवि जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए तहेव भाणियव्वा, नवरं एयाणि चेव परिमाणअज्झवसाणणाणत्ताणि जाणिज्जा, पुढविकाइयस्स एत्थ चेव उद्देसए भणियाणि सेसं तहेव निरवसेसं ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासि० जाव वेमाणिय जाव उ०, जइ भवण० किं असुर० जाव थणिय० ? गोयमा ! असुर० जाव थणिय०, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, एवं जच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए वत्तव्वया सच्चेव एत्थवि भाणियव्वा, नवरं जहा तहिं जहन्नगं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु तहा इहं मासपुहुत्तट्ठिईएसु, परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव, एवं जाव ईसाणदेवोत्ति, एयाणि चेव णाणत्ताणिं सणंकुमारादीया जाव सहस्सारोत्ति जहेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए, नवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, उववाओ जहन्नेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जंति, सेसं तं चेव संवेहं वा(मा)सपुहुत्तपुव्वकोडीसु करेज्जा ॥ सणंकुमारे ठिई चउगुणिया अट्ठावीसं सागरोवमा भवंति, माहिंदे ताणि चेव साइरेगाणि, बंभलोए चत्तालीसं, लंतए छप्पन्नं, महासुक्के अट्ठसट्ठिं, सहस्सारे बावत्तरिं सागरोवमाइं एसा उक्कोसा ठिई भाणियव्वा जहन्नट्ठिइंपि चउ गुणेज्जा ९ ॥ आणयदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणं पुव्वकोडिठिईएसु, ते णं भंते ! एवं जहेव सहस्सारदेवाणं वत्तव्वया नवरं ओगाहणा ठिई अणुबंधो य जाणेज्जा, सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सत्तावन्नं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं०, एवं णववि गमगा, नवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव अच्चुयदेवो, नवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, पाणयदेवस्स ठिई तिगुणिया सट्ठिं सागरोवमाइं, आरणगस्स तेवट्ठिं सागरोवमाइं, अच्चुयदेवस्स छावट्ठिं सागरो-

वमाइं ॥ जइ कप्पातीतवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति किं गेवेज्जकप्पातीत० अणुत्तरोववाइयकप्पातीत जाव उ० ? गोयमा ! गेवेज्ज० अणुत्तरोववाइय०, जइ गेवेज्ज० किं हेट्ठिम २ गेविज्जगकप्पातीत० जाव उवरिम २ गेवेज्ज० ? गोयमा ! हेट्ठिम २ गेवेज्ज० जाव उवरिम २ गेवेज्ज०, गेवेज्जगदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उ० अवसेसं जहा आणयदेवस्स वत्तव्वया नवरं ओगाहणा० गोयमा ! एगे भवधारणिज्जे सरीरए से जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं दो रयणीओ, संठाणं, गोयमा ! एगे भवधारणिज्जे सरीरए से समचउरंससंठाणसंठिए प०, पंच समुग्घाया प०, तं०– वेयणासमुग्घाए जाव तेयगसमुग्घाए णो चेव णं वेउव्वियतेयगसमुग्घाएहिंतो समोहणिंसु वा समोहणंति वा समोहणिस्संति वा, ठिई अणुबंधो जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं, सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेणउइं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसेसुवि अट्ठगमएसु नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९॥ जइ अणुत्तरोववाइयकप्पातीतवेमाणिय जाव उ० किं विजयअणुत्तरोववाइय० वेजयंतअणुत्तरोववाइय० जाव सव्वट्ठसिद्ध० ? गोयमा ! विजयअणुत्तरोववाइय० जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय०, विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? एवं जहेव गेवेज्जगदेवाणं नवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं एगा रयणी, सम्मद्दिट्ठी णो मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणी णो अन्नाणी नियमं तिन्नाणी तं०– आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिणाणी, ठिई जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं चत्तारि भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा सेसं तं चेव ॥ सव्वट्ठसिद्धगदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए सा चेव विजयादिदेववत्तव्वया भाणियव्वा णवरं ठिई अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० १। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं

उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया, नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं०३, एए चेव तिन्नि गमगा सेसा न भण्णंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ७११ ॥ **चउवीसइमे सए एक्कवीसइमो उद्देसो समत्तो ॥**

वाणमन्तरा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० एवं जहेव णागकुमारउद्देसए असन्नी तहेव निरवसेसं। जइ सन्निपंचिंदिय० जाव असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय० जे भविए वाणमंतर० से णं भंते! केवइ० ? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमट्ठिईएसु सेसं तं चेव जहा नागकुमारउद्देसए जाव कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइयं०, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहेव णागकुमाराणं बिइयगमे वत्तव्वया २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमट्ठिईएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई से जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, संवेहो जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइयं० ३, मज्झिमगमगा तिन्निवि जहेव नागकुमारेसु पच्छिमेसु तिसु गमएसु तं चेव जहा नागकुमारुद्देसए नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, संखेज्जवासाउय तहेव नवरं ठिई अणुबंधो संवेहं च उभओ ठिईएसु जाणेज्जा, जइ मणुस्स० असंखेज्जवासाउयाणं जहेव नागकुमाराणं उद्देसए तहेव वत्तव्वया नवरं तइयगमए ठिई जहन्नेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, ओगाहणा जहण्णेणं गाउयं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं सेसं तं चेव, संवेहो से जहा एत्थ चेव उद्देसए असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियाणं, संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से जहेव नागकुमारुद्देसए नवरं वाणमंतरे ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ७१२ ॥ **चउवीसइमे सए बावीसइमो उद्देसो समत्तो ॥**

जोइसिया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइए० भेदो जाव सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति नो असन्निपंचिंदियतिरिक्ख०, जइ सन्नि० किं संखेज्ज० असंखेज्ज० ? गोयमा! संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय जाव उ०, असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ० ? गोयमा! जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमवाससयसहस्समब्भहियट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसं जहा असुरकुमारुद्देसए नवरं ठिई जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि सेसं

उववज्जंति० ईसाणदेवाणं एस चेव सोहम्मगदेवसरिसा वत्तव्वया नवरं असंखेज्जवा॰साउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जेसु ठाणेसु सोहम्मे उववज्जमाणस्स पलिओ॰वमट्ठिई तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं पलिओवमं कायव्वं, चउत्थगमे ओगाहणा जहन्नेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो गाउयाइं सेसं तं चेव ९॥ असंखेज्जवासाउयस॰न्निमणुस्सस्सवि तहेव ठिई जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स असंखेज्जवासाउयस्स ओगाहणावि जेसु ठाणेसु गाउयं तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं गाउयं सेसं तहेव ९॥ संखेज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं मणुस्साण य जहेव सोहम्मेसु उववज्जमाणाणं तहेव निरवसेसं णववि गमगा नवरं ईसाणट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ सणंकुमार॰गदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० उववाओ जहा सक्करप्पभापुढविनेरइयाणं जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए सणंकुमारग॰देवेसु उववज्जित्तए अवसेसा परिमाणादीया भवादेसपज्जवसाणा सच्चेव वत्तव्वया भाणियव्वा जहा सोहम्मे उववज्जमाणस्स नवरं सणंकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, जाहे य अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु पंच लेस्साओ आइ॰ल्लाओ कायव्वाओ सेसं तं चेव ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति मणुस्साणं जहेव सक्करप्पभाए उववज्जमाणाणं तहेव णववि गमा भाणियव्वा नवरं सणंकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ माहिंदगदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० जहा सणंकुमार॰देवाणं वत्तव्वया तहा माहिंदगदेवाणवि भाणियव्वा, नवरं माहिंदगदेवाणं ठिई साइ॰रेगा जा(भा)णियव्वा सा चेव, एवं बंभलोगदेवाणवि वत्तव्वया नवरं बंभलोगट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव सहस्सारो, णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, लंतगाईणं जहन्नकालट्ठिईयस्स तिरिक्खजोणियस्स तिसुवि गमएसु छप्पि लेस्साओ कायव्वाओ, संघयणाइं बंभलोगलंतएसु पंच आइल्लगाणि, महासुक्कसहस्सारेसु चत्तारि, तिरिक्ख॰जोणियाणवि मणुस्साणवि, सेसं तं चेव ९ ॥ आणयदेवा णं भंते! कओहिंतो उव॰वज्जंति०उववाओ जहा सहस्सारे देवाणं णवरं तिरिक्खजोणिया खोडेयव्वा जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणु(स्सा)स्से णं भंते! जे भविए आणयदेवेसु उववज्जित्तए मणुस्साणं वत्तव्वया जहेव सहस्सारेसु उववज्जमाणाणं णवरं तिन्नि संघयणाणि सेसं तहेव जाव अणुबंधो भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्ग-हणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं सत्तावन्नं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव ९ ॥ एवं जाव अच्चयदेवा, नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ चउसुवि संघयणा तिन्नि

आणयाईसु। गेवेज्जगदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० एस चेव वत्तव्वया नवरं दो संघयणा, ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० एस चेव वत्तव्वया निरवसेसा जाव अणुबंधोत्ति, नवरं पढमं संघयणं, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, मणूसे लद्धी णवसुवि गमएसु जहा गेवेज्जेसु उववज्जमाणस्स नवरं पढमं संघयणं। सव्वट्ठसिद्धगदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० उववाओ जहेव विजयाईणं जाव से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसा जहा विजयाईसु उववज्जंताणं नवरं भवादेसेणं तिन्नि भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९॥ सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणाठिईओ रयणिपुहुत्तवासपुहुत्ताणि सेसं तहेव संवेहं च जाणेज्जा ९॥ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, एए तिन्नि गमगा सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं। सेवं भंते! २ त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ॥७१४॥ **चउवीसइमस्स सयस्स चउवीसइमो उद्देसो समत्तो॥ चउवीसइमं सयं समत्तं॥**

लेस्सा य १ दव्व २ संठाण ३ जुम्म ४ पज्जव ५ नियंठ ६ समणा य ७ ओहे ८ भविया ९ भविए १० सम्मा ११ मिच्छे य १२ उद्देसा ॥१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी—कइ णं भंते! लेस्साओ प०? गोयमा! छल्लेस्साओ प०, तं०—कण्हलेस्सा जहा पढमसए बिइए उद्देसए तहेव लेस्साविभागो अप्पाबहुगं च जाव चउव्विहाणं देवाणं चउव्विहाणं देवीणं मीसगं अप्पाबहुगंति ॥ ७१५ ॥ कइविहा णं भंते! संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता? गोयमा! चउद्दसविहा संसारसमावन्नगा जीवा प०, तं०—सुहुमअपज्जत्तगा १, सुहुमपज्जत्तगा २, बायरअपज्जत्तगा ३, बायरपज्जत्तगा ४, बेइंदिया अपज्जत्तगा ५, बेइंदिया पज्जत्तगा ६, एवं तेइं-

दिया ८, एवं चउरिंदिया १०, असन्निपंचिंदिया अपज्जत्तगा ११, असन्निपंचिंदिया पज्जत्तगा १२, सन्निपंचिंदिया अपज्जत्तगा १३, सन्निपंचिंदिया पज्जत्तगा १४। एएसि णं भंते ! चउद्दसविहाणं संसारसमावन्नगाणं जीवाणं जहन्नुक्कोसगस्स जोगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए १, वायरस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे २, बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ३, एवं तेइंदियस्स ४, एवं चउरिंदियस्स ५, असन्निपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ६, सन्निपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ७, सुहुमस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ८, वायरस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ९, सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १०, वायरस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ११, सुहुमस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १२, वायरस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १३, बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १४, एवं तेइंदियस्सवि १५, एवं जाव सन्निपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १८, बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १९, एवं तेइंदियस्सवि २०, एवं चउरिंदियस्सवि २१, एवं जाव सन्निपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २३, बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २४, एवं तेइंदियस्सवि पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २५, चउरिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २६, असन्निपंचिंदियपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २७, एवं सन्निपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ॥ २८ ॥ ७१६ ॥ दो भंते ! नेरइया पढमसमयोववन्नगा किं समजोगी किं विसमजोगी ? गोयमा ! सिय समजोगी सिय विसमजोगी, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सिय समजोगी सिय विसमजोगी ? गोयमा ! आहारयाओ वा से अणाहारए अणाहारयाओ वा से आहारए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भहिए असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा, से तेणट्ठेणं जाव सिय समजोगी सिय विसमजोगी, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ७१७ ॥ कइविहे णं भंते ! जोए प० ? गोयमा ! पन्नरसविहे जोए प०, तं०— सच्चमणजोए मोसमणजोए सच्चामोसमणजोए असच्चामोसमणजोए सच्चवइजोए मोसवइजोए सच्चामोसवइजोए असच्चामोसवइजोए ओरालियसरीरकायजोए ओरालि-

यमीसासरीरकायजोए वेउव्वियसरीरकायजोए वेउव्वियमीसासरीरकायजोए आहारगसरीरकायजोए आहारगमीसासरीरकायजोए कम्मासरीरकायजोए १५॥ एयस्स णं भंते! पन्नरसविहस्स जहन्नुक्कोसगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवे कम्मगसरीरस्स जहन्नए जोए १, ओरालियमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे २, वेउव्वियमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ३, ओरालियसरीरस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ४, वेउव्वियसरीरस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ५, कम्मगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ६, आहारगमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ७, आहारगमीसगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ८, ओरालियमीसगस्स वेउव्वियमीसगस्स एएसि णं उक्कोसए जोए दोण्हवि तुल्ले असंखेज्जगुणे ९-१०, असच्चामोसमणजोगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ११, आहारगसरीरस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १२, तिविहस्स मणजोगस्स चउव्विहस्स वइजोगस्स एएसि णं सत्तण्हवि तुल्ले जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १९, आहारगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २०, ओरालियसरीरस्स वेउव्वियसरीरस्स चउव्विहस्स य मणजोगस्स चउव्विहस्स य वइजोगस्स एएसि णं दसण्हवि तुल्ले उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ३०, सेवं भंते! २ त्ति ॥ ७१८ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते! दव्वा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा दव्वा प०, तं०–जीवदव्वा य अजीवदव्वा य, अजीवदव्वा णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! दुविहा प०, तंजहा–रूविअजीवदव्वा य अरूविअजीवदव्वा य, एवं एएणं अभिलावेणं जहा अजीवपज्जवा जाव से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ ते णं नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता। जीवदव्वा णं भंते! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता? गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जीवदव्वा णं नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता? गोयमा! असंखेज्जा नेरइया जाव असंखेज्जा वाउक्काइया, वणस्सइकाइया अणंता, असंखेज्जा बेइंदिया एवं जाव वेमाणिया, अणंता सिद्धा, से तेणट्ठेणं जाव अणंता ॥ ७१९ ॥ जीवदव्वाणं भंते! अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति अजीवदव्वाणं जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति? गोयमा! जीवदव्वाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति नो अजीवदव्वाणं जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव हव्वमागच्छंति? गोयमा! जीवदव्वा णं अजीवदव्वे परियादियंति अजीव० २ त्ता ओरालियं वेउव्वियं आहारगं तेयगं कम्मगं सोइंदियं जाव फासिंदियं मणजोगं वइजोगं कायजोगं आणापाणुत्तं च निव्व(त्त)त्तियंति, से तेणट्ठेणं जाव हव्वमागच्छंति, नेरइयाणं भंते! अजीवदव्वा परिभोग-

त्ताए दव्वमागच्छंति अजीवदव्वाणं नेरइया परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! नेरइयाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति नो अजीवदव्वाणं नेरइया जाव हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! नेरइया णं अजीवदव्वे परियादियंति अ० २ त्ता वेउव्वियं तेयगं कम्मगं सोइंदियं जाव फासिंदियं आणापाणुत्तं च निव्वत्तियंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ०, एवं जाव वेमाणिया नवरं सरीरइंदियजोगा भाणियव्वा जस्स जे अत्थि ॥ ७२० ॥ से नूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंताइं दव्वाइं आगासे भइयव्वाइं ? हंता गोयमा ! असंखेज्जे लोए जाव भइयव्वाइं ॥ लोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला चिज्जंति ? गोयमा ! निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं, लोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला छिज्जंति ? एवं चेव, एवं उवचिज्जंति एवं अवचिज्जंति ॥ ७२१ ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ अठियाइं गेण्हइ ? गोयमा ! ठियाइंपि गेण्हइ अठियाइंपि गेण्हइ, ताइं भंते ! किं दव्वओ गेण्हइ खेत्तओ गेण्हइ कालओ गेण्हइ भावओ गेण्हइ ? गोयमा ! दव्वओवि गेण्हइ खेत्तओवि गेण्हइ कालओवि गेण्हइ भावओवि गेण्हइ, ताइं दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं खेत्तओ असंखेज्जपएसोगाढाइं एवं जहा पन्नवणाए पढमे आहारुद्देसए जाव निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं वेउव्वियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ अठियाइं गेण्हइ ? एवं चेव नवरं नियमं छद्दिसिं, एवं आहारगसरीरत्ताएवि ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं तेयगसरीरत्ताए गिण्हइ पुच्छा, गोयमा ! ठियाइं गेण्हइ नो अठियाइं गेण्हइ सेसं जहा ओरालियसरीरस्स कम्मगसरीरे एवं चेव एवं जाव भावओवि गेण्हइ, जाइं दव्वाइं दव्वओ गेण्हइ ताइं किं एगपएसियाइं गेण्हइ दुपएसियाइं गेण्हइ ? एवं जहा भासापए जाव आणुपुव्विं गेण्हइ नो अणाणुपुव्विं गेण्हइ, ताइं भंते ! कइदिसिं गेण्हइ ? गोयमा ! निव्वाघाएणं जहा ओरालियस्स ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं सोइंदियत्ताए गेण्हइ जहा वेउव्वियसरीरं एवं जाव जिब्भिंदियत्ताए फासिंदियत्ताए जहा ओरालियसरीरं मणजोगत्ताए जहा कम्मगसरीरं नवरं नियमं छद्दिसिं एवं वइजोगत्ताएवि कायजोगत्ताएवि जहा ओरालियसरीरस्स । जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं आणापाणुत्ताए गेण्हइ जहेव ओरालियसरीरत्ताए जाव सिय पंचदिसिं । सेवं भंते ! २ त्ति । केइ चउवीसदंडएणं एयाणि पयाणि भन्नंति जस्स जं अत्थि ॥७२२॥

पणवीसइमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते ! संठाणा प० ? गोयमा ! छ संठाणा प०, तं०–परिमंडले वट्टे तंसे चउरंसे आयए अणित्थंथे, परिमंडला णं भंते ! संठाणा दव्वट्ठयाए किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा० एवं चेव, एवं जाव अणित्थंथा, एवं पएसट्ठयाएवि, एवं दव्वट्ठपएसट्ठयाएवि, एएसि णं भंते ! परिमंडलवट्टतंसचउरंसआययअणित्थंथाणं संठाणाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा दव्वट्ठयाए, वट्टा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, चउरंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, तंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, आययसंठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा पएसट्ठयाए, वट्टा संठाणा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, जहा दव्वट्ठयाए तहा पएसट्ठयाएवि जाव अणित्थंथा संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा दव्वट्ठयाए सो चेव गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणित्थंथेहिंतो संठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए (हिंतो) परिमंडला संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, वट्टा संठाणा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, सो चेव पएसट्ठयाए गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ॥७२३॥ कइ णं भंते ! संठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच संठाणा प०, तं०–परिमंडले जाव आयए। परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव आयया। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा०? एवं चेव, एवं जाव आयया। सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए परिमंडला संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं जाव अहेसत्तमाए। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे परिमंडला संठाणा एवं चेव, एवं जाव अच्चुए, गेवेज्जगविमाणाणं भंते ! परिमंडलसंठाणा एवं चेव, एवं अणुत्तरविमाणेसुवि, एवं ईसिप्पब्भाराएवि ॥ जत्थ णं भंते ! एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता। वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? एवं चेव, एवं जाव आयया। जत्थ णं भंते ! एगे वट्टे संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा एवं चेव, वट्टा संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं एक्केक्केणं संठाणेणं पंचवि चारेयव्वा, जत्थ णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ

णं परिमंडलसंठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते! संठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, एवं (चेव) जाव आयया, जत्थ णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे वट्टे संठाणे जवमज्झे तत्थ णं परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं पुणरवि एक्केक्केणं संठाणेणं पंचवि चारेयव्वा जहेव हेट्ठिल्ला जाव आय(ए)याणं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं कप्पेसुवि जाव ईसिप्पब्भाराए पुढवीए ॥ ७२४ ॥ वट्टे णं भंते! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प०? गोयमा! वट्टे संठाणे दुविहे प०, तं०–घणवट्टे य पयरवट्टे य, तत्थ णं जे से पयरवट्टे से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए पयरवट्टे से जहन्नेणं पंचपएसिए पंचपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं बारसपएसिए बारसपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे, तत्थ णं जे से घणवट्टे से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं सत्तपएसिए सत्तपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं बत्तीसपएसिए बत्तीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प० ॥ तंसे णं भंते! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प०? गोयमा! तंसे णं संठाणे दुविहे प०, तं०–घणतंसे य पयरतंसे य, तत्थ णं जे से पयरतंसे से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं तिपएसिए तिपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं छप्पएसिए छप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से घणतंसे से दुविहे प०, तं०–ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं पणतीसपएसिए पणतीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं चउप्पएसिए चउप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव ॥ चउरंसे णं भंते! संठाणे कइपएसिए० पुच्छा, गोयमा! चउरंसे संठाणे दुविहे प०, भेदो जहेव वट्टस्स जाव तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं नवपएसिए नवपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं चउप्पएसिए चउप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं [illegible]सिए तं चेव, तत्थ णं जे से घणचउरंसे से दुविहे प०, तंजहा–ओयपएसिए

य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं सत्तावीसइपएसिए सत्तावीसइपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं अट्ठपएसिए अट्ठपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए तहेव ॥ आयए णं भंते ! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प० ? गोयमा ! आयए णं संठाणे तिविहे प०, तं०-सेढिआयए पयरायए घणायए, तत्थ णं जे से सेढिआयए से दुविहे प०, तं०-ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जेसे ओयपएसिए से जहण्णेणं तिपएसिए तिपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं दुपएसिए दुपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से पयरायए से दुविहे प०, तं०-ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं पन्नरसपएसिए पन्नरसपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं छप्पएसिए छप्पएसोगाढे उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से घणायए से दुविहे प०, तं०-ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं पणयालीसपएसिए पणयालीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं बारसपएसिए बारसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंत० तहेव ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे कइपएसिए० पुच्छा, गोयमा ! परिमंडले णं संठाणे दुविहे प०, तं०-घणपरिमंडले य पयरपरिमंडले य, तत्थ णं जे से पयरपरिमंडले से जहन्नेणं वीसइपएसिए वीसइपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तहेव, तत्थ णं जे से घणपरिमंडले से जहन्नेणं चत्तालीसपएसिए चत्तालीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे पन्नत्ते ॥ ७२५ ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए ? गोयमा ! नो कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे कलिओए, वट्टे णं भंते ! संठाणे दव्वट्ठयाए एवं चेव, एवं जाव आयए ॥ परिमंडला णं भंते ! संठाणा दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा तेओगा दावरजुम्मा कलिओगा पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा सिय तेओगा सिय दावरजुम्मा सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव आयया ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे सिय तेओगे सिय दावरजुम्मे सिय कलिओगे, एवं जाव आयए, परिमंडला णं भंते ! संठाणा पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि तेओगावि दावरजुम्मावि कलिओगावि, एवं जाव आयया ॥ परिमंडले णं

भंते ! संठाणे किं कडजुम्मपएसोगाढे जाव कलिओगपएसोगाढे ? गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओगपएसोगाढे नो दावरजुम्मपएसोगाढे नो कलिओगपएसोगाढे ॥ वट्टे णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्म० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे नो दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ॥ तंसे णं भंते ! संठाणे पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे सिय दावरजुम्मपएसोगाढे नो कलिओगपएसोगाढे । चउरंसे णं भंते ! संठाणे जहा वट्टे तहा चउरंसेवि । आयए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा तेओगपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओगपएसोगाढा नो दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा । वट्टा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओग०, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि तेओगपएसोगाढावि णो दावरजुम्मपएसोगाढा कलिओगपएसोगाढावि, तंसा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि तेओगपएसोगाढावि (नो) दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा । चउरंसा जहा वट्टा, आयया णं भंते ! संठाणा पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओगपएसोगाढा नो दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्मसमयठिईए तेओगसमयठिईए दावरजुम्मसमयठिईए कलिओगसमयठिईए ? गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयठिईए जाव सिय कलिओगसमयठिईए, एवं जाव आयए । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मसमयठिईया० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया, विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयठिईयावि जाव कलिओगसमयठिईयावि, एवं जाव आयया ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे कालवन्नपज्जवेहिं किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! सिय कडजुम्मे एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ठिईए एवं नीलवन्नपज्जवेहिं, एवं पंचहिं वन्नेहिं, दोहिं गंधेहिं, पंचहिं रसेहिं, अट्ठहिं फासेहिं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं ॥ ७२६ ॥ सेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ ? गोयमा ! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, पाईणपडीणाययाओ णं भंते !

सेढीओ दव्वट्टयाए किं संखेज्जाओ २ एवं चेव, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि । लोगागाससेढीओ णं भंते ! दव्वट्टयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ ? गोयमा ! नो संखेज्जाओ असंखेज्जाओ नो अणंताओ, पाईणपडीणाययाओ णं भंते ! लोगागाससेढीओ दव्वट्टयाए किं संखेज्जाओ० एवं चेव, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि । अलोगागाससेढीओ णं भंते ! दव्वट्टयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ ? गोयमा ! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि । सेढीओ णं भंते ! पएसट्टयाए किं संखेज्जाओ० जहा दव्वट्टयाए तहा पएसट्टयाएवि जाव उड्ढमहाययाओवि सव्वाओ अणंताओ । लोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्टयाए किं संखेज्जाओ० पुच्छा, गोयमा ! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ नो अणंताओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, एवं चेव उड्ढमहाययाओवि नो संखेज्जाओ असंखेज्जाओ नो अणंताओ ॥ अलोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्टयाए पुच्छा, गोयमा ! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ, पाईणपडीणाययाओ णं भंते ! अलोया० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, उड्ढमहाययाओ पुच्छा, गोयमा ! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ ॥ ७२७ ॥ सेढीओ णं भंते ! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ १, साइयाओ अपज्जवसियाओ २, अणाइयाओ सपज्जवसियाओ ३, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ४ ? गोयमा ! नो साइयाओ सपज्जवसियाओ, नो साइयाओ अपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ, लोगागाससेढीओ णं भंते ! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ० पुच्छा, गोयमा ! साइयाओ सपज्जवसियाओ, नो साइयाओ अपज्जवसियाओ, नो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, नो अणाइयाओ अपज्जवसियाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ । अलोगागाससेढीओ णं भंते ! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ० पुच्छा, गोयमा ! सिय साइयाओ सपज्जवसियाओ १, सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ २, सिय अणाइयाओ सपज्जवसियाओ ३, सिय अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ४, पाईणपडीणाययाओ दाहिणुत्तराययाओ य एवं चेव, नवरं नो साइयाओ सपज्जवसियाओ सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ सेसं तं चेव, उड्ढमहाययाओ जहा ओहियाओ तहेव चउभंगो । सेढीओ णं भंते ! दव्वट्टयाए किं कडजुम्माओ तेओयाओ० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्माओ नो तेओगाओ नो दावरजुम्माओ नो कलिओगाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ, लोगागाससेढीओ

एवं चेव, एवं अलोगागाससेढीओवि। सेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्माओ० पुच्छा, एवं चेव, एवं जाव उड्ढमहाययाओ । लोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्माओ नो तेओगाओ सिय दावरजुम्माओ नो कलिओगाओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि दाहिणुत्तराययाओवि, उड्ढमहाययाओ णं पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्माओ नो तेओगाओ नो दावरजुम्माओ नो कलिओगाओ । अलोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओगाओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, उड्ढमहाययाओवि एवं चेव, नवरं नो कलिओगाओ सेसं तं चेव ॥ ७२८ ॥ कइ णं भंते ! सेढीओ प० ? गोयमा ! सत्त सेढीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–उज्जुआयया एगओवंका दुहओवंका एगओखहा दुहओखहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ॥ परमाणु-पोग्गलाणं भंते ! किं अणुसेढिं(ढी) गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? गोयमा ! अणु-सेढिं गई पवत्तइ नो विसेढिं गई पवत्तइ । दुपएसियाणं भंते ! खंधाणं अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? एवं चेव, एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं । नेरइयाणं भंते ! किं अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ७२९ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया निरयावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! तीसं निरयावाससयसहस्सा प०, एवं जहा पढमसए पंचमुद्देसए जाव अणुत्तरविमाणत्ति ॥ ७३० ॥ कइविहे णं भंते ! गणिपिडए प० ? गोयमा ! दुवालसंगे गणिपिडए प०, तं०–आयारो जाव दिट्ठिवाओ, से किं तं आयारो ? आयारे णं समणाणं निग्गंथाणं आयारगोयर० एवं अंगपरूवणा भाणियव्वा जहा नंदीए जाव सुत्तत्थो खलु पढमो बीओ निज्जुत्तिमीसिओ भणिओ । तइओ य निर-वसेसो एस विही होइ अणुओगे ॥ १ ॥ ७३१ ॥ एएसि णं भंते ! नेरइयाणं जाव देवाणं सिद्धाण य पंचगइसमासेणं कयरे २ हिंतो० पुच्छा, गोयमा ! अप्पाबहुयं जहा बहुवत्तव्वयाए अट्ठगइसमासअप्पाबहुगं च । एएसि णं भंते ! सइंदियाणं एगिं-दियाणं जाव अणिंदियाण य कयरे० ? एयंपि जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव ओहियं पयं भाणियव्वं, सकाइयअप्पाबहुगं तहेव ओहियं भाणियव्वं ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं पोग्गलाणं जाव सव्वपज्जवाण य कयरे २ जाव बहुवत्तव्वयाए एएसि णं भंते ! जीवाणं आउयस्स कम्मस्स बंधगाणं अबंधगाणं जहा बहुवत्तव्वयाए जाव आउयस्स कम्मस्स अबंधगा विसेसाहिया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७३२ ॥

पणवीसइमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते ! जुम्मा पन्नत्ता ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा प०, तं०–कडजुम्मे जाव

कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ चत्तारि जुम्मा प० कडजुम्मे जाव कलिओगे एवं जहा अट्ठारसमसए चउत्थे उद्देसए तहेव जाव से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुचइ। नेरइयाणं भंते ! कइ जुम्मा प० ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा प०, तंजहा-कडजुम्मे जाव कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ नेरइयाणं चत्तारि जुम्मा प०, तं०-कडजुम्मे अट्ठो तहेव, एवं जाव वाउकाइयाणं, वणस्सइकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! वणस्सइकाइया सिय कडजुम्मा सिय तेओया सिय दावरजुम्मा सिय कलिओया, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ वणस्सइकाइया जाव कलिओगा ? गोयमा ! उववायं पडुच्च, से तेणट्ठेणं तं चेव, बेइंदियाणं जहा नेरइयाणं, एवं जाव वेमाणियाणं, सिद्धाणं जहा वणस्सइकाइयाणं ॥ कइविहा णं भंते ! सव्वदव्वा प० ? गोयमा ! छव्विहा सव्वदव्वा प०, तंजहा-धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव अद्धासमए। धम्मत्थिकाए णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे कलिओगे, एवं अहम्मत्थिकाएवि, एवं आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकाए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, अद्धासमए जहा जीवत्थिकाए ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, एवं जाव अद्धासमए ॥ एएसि णं भंते ! धम्मत्थिकायअहम्मत्थिकाय जाव अद्धासमयाणं दव्वट्ठयाए० एएसि णं अप्पाबहुगं जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव निरवसेसं ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! किं ओगाढे अणोगाढे ? गोयमा ! ओगाढे नो अणोगाढे, जइ ओगाढे किं संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे अणंतपएसोगाढे ? गोयमा ! नो संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे नो अणंतपएसोगाढे, जइ असंखेज्जपएसोगाढे किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओगपएसोगाढे, एवं अहम्मत्थिकाएवि, एवं आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए अद्धासमए एवं चेव ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभा पुढवी किं ओगाढा अणोगाढा जहेव धम्मत्थिकाए एवं जाव अहेसत्तमा, सोहम्मे एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भारापुढवी ॥ ७३३ ॥ जीवे णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे कलिओगे, एवं नेरइएवि, एवं जाव सिद्धे। जीवा णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, नेरइया णं भंते

दव्वट्ठयाए पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव सिद्धा ॥ जीवे णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे नो कलिओगे, सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं जाव वेमाणिए। सिद्धे णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे नो कलिओगे। जीवा णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, सरीरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं नेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया। सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा ॥ ७३४ ॥ जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे, एवं जाव सिद्धे। जीवा णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, नेरइया णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मपएसोगाढा जाव सिय कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, एवं एगिंदियसिद्धवज्जा (जाव वेमाणिया) सव्वेवि, सिद्धा एगिंदिया य जहा जीवा। जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मसमयट्ठिईए० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मसमयट्ठिईए नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगसमयट्ठिईए। नेरइए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे। जीवा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मसमयट्ठिईया नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओगसमयट्ठिईया, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया, विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा ॥ ७३५ ॥ जीवे णं भंते ! कालवन्नपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च णो कडजुम्मे जाव णो कलिओगे, सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धो चेव न पुच्छिज्जइ।

जीवा णं भंते ! कालवन्नपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि णो कडजुम्मा जाव णो कलिओगा, सरिरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं जाव वेमाणिया, एवं नीलवन्नपज्जवेहिं दंडओ भाणियव्वो एगत्तपुहत्तेणं एवं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं ॥ जीवे णं भंते ! आभिणिवोहियणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए । जीवा णं भंते ! आभिणिवोहियणाणपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिया, एवं सुयणाणपज्जवेहिवि, ओहिणाणपज्जवेहिवि एवं चेव, नवरं विगलिंदियाणं नत्थि ओहिनाणं, मणपज्जवनाणंपि एवं चेव, नवरं जीवाणं मणुस्साण य, सेसाणं नत्थि, जीवे णं भंते ! केवलनाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे णो तेओगे णो दावरजुम्मे णो कलिओगे, एवं मणुस्सेवि, एवं सिद्धेवि, जीवा णं भंते ! केवलनाण०पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा णो कलिओगा, एवं मणुस्सावि, एवं सिद्धावि । जीवे णं भंते ! मइअन्नाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० ? जहा आभिणिवोहियणाणपज्जवेहिं तहेव दो दंडगा, एवं सुयअन्नाणपज्जवेहिवि, एवं विभंगनाणपज्जवेहिवि । चक्खुदंसणअचक्खुदंसणओहिदंसणपज्जवेहिवि एवं चेव, नवरं जस्स जं अत्थि तस्स तं भाणियव्वं, केवलदंसणपज्जवेहिं जहा केवलनाणपज्जवेहिं ॥ ७३६ ॥ कइ णं भंते ! सरीरगा प० ? गोयमा ! पंच सरीरगा प०, तं०-ओरालिए जाव कम्मए, एत्थं सरीरपदं निरवसेसं भाणियव्वं जहा पन्नवणाए ॥ ७३७ ॥ जीवा णं भंते ! किं सेया णिरेया ? गोयमा ! जीवा सेयावि निरेयावि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवा सेयावि निरेयावि ? गोयमा ! जीवा दुविहा प०, तंजहा-संसारसमावन्नगा य असंसारसमावन्नगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावन्नगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं दुविहा प०, तंजहा-अणंतरसिद्धा य परंपरसिद्धा य, तत्थ णं जे ते परंपरसिद्धा ते णं निरेया, तत्थ णं जे ते अणंतरसिद्धा ते णं सेया, ते णं भंते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! णो देसेया सव्वेया, तत्थ णं जे ते संसारसमावन्नगा ते दुविहा प०, तंजहा-सेलेसिपडिवन्नगा य असेलेसिपडिवन्नगा य, तत्थ णं जे ते सेलेसीपडिवन्नगा ते णं निरेया, तत्थ णं जे ते असेलेसीपडिवन्नगा ते णं सेया, ते णं भंते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! देसेयावि सव्वेयावि, से तेणट्ठेणं जाव निरेयावि । नेरइया णं भंते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! देसे-

यावि सव्वेयावि, से केणट्ठेणं जाव सव्वेयावि? गोयमा! नेरइया दुविहा प०, तं०-विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य, तत्थ णं जे ते विग्गहगइसमावन्नगा ते णं सव्वेया, तत्थ णं जे ते अविग्गहगइसमावन्नगा ते णं देसेया, से तेणट्ठेणं जाव सव्वेयावि, एवं जाव वेमाणिया ॥ ७३८ ॥ परमाणुपोग्गला णं भंते! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता? गोयमा! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, एवं जाव अणंतपएसिया खंधा। एगपएसोगाढा णं भंते! पोग्गला किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढा। एगसमयट्ठिईया णं भंते! पोग्गला किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जसमयट्ठिईया। एगगुणकालगा णं भंते! पोग्गला किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव अणंतगुणकालगा, एवं अवसेसावि वण्णगंधरसफासा णेयव्वा जाव अणंतगुणलुक्खत्ति। एएसि णं भंते! परमाणुपोग्गलाणं दुपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! दुपएसिएहिंतो खंधेहिंतो परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते! दुपएसियाणं तिपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए कयरे२हिंतो बहुया? गोयमा! तिपएसिएहिंतो खंधेहिंतो दुपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया, एवं एएणं गमएणं जाव दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो नवपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते! दसपएसि० पुच्छा, गोयमा! दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते! संखेज्ज० पुच्छा, गोयमा! संखेज्जपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते! असंखेज्जपएसि० पुच्छा, गोयमा! अ(संखेज्ज)णंतपएसिएहिंतो खंधेहिंतो अ(णंत) संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते! परमाणुपोग्गलाणं दुपएसियाण य खंधाणं पएसट्ठयाए कयरे२हिंतो बहुया? गोयमा! परमाणुपोग्गलेहिंतो दुपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, एवं एएणं गमएणं जाव नवपएसिएहिंतो खंधेहिंतो दसपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, एवं सव्वत्थ पुच्छियव्वं, दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो संखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, एएसि णं भंते! असंखेज्जपएसियाणं पुच्छा, गोयमा! अणंतपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया॥ एएसि णं भंते! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए कयरे२हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! दुपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एवं एएणं गमएणं तिपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया जाव दसपए-

सोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो नवपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एएसि णं भंते ! दसपए०पुच्छा, गोयमा ! दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, पुच्छा सव्वत्थ भाणियव्वा । एएसि णं भंते ! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं पएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एगपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए विसेसाहिया, एवं जाव नवपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए विसेसाहिया, दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए बहुया । एएसि णं भंते ! एगसमयट्ठिईयाणं दुसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए जहा ओगाहणाए वत्तव्वया एवं ठिईएवि । एएसि णं भंते ! एगगुणकालयाणं दुगुणकालयाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए एएसि णं जहा परमाणुपोग्गलाईणं तहेव वत्तव्वया निरवसेसा, एवं सव्वेसिं वन्नगंधरसाणं, एएसि णं भंते ! एगगुणकक्खडाणं दुगुणकक्खडाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एगगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एवं जाव नवगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, दसगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, संखेज्जगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, असंखेज्जगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, एवं पएसट्ठयाए सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा, जहा कक्खडा एवं मउयगुरुयलहुयावि, सीयउसिणनिद्धलुक्खा जहा वन्ना ॥ ७३९ ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए, परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसट्ठयाए, परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा, परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए

अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! एगपएसोगाढाणं संखेज्जपएसोगाढाणं असंखेज्ज-पएसोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला(अ)पए-सट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए(अ)संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठपएसट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असं-खेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! एगसमयट्ठिईयाणं संखेज्जसमयट्ठिईयाणं असंखेज्जसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाणं जहा ओगाहणाए तहा ठिईएवि भाणियव्वं अप्पाबहुगं। एएसि णं भंते! एगगुणकालगाणं संखेज्जगुण-कालगाणं असंखेज्जगुणकालगाणं अणंतगुणकालगाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पए-सट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए एएसि णं जहा परमाणुपोग्गलाणं अप्पाबहुगं तहा एएसिंपि अप्पाबहुगं, एवं सेसाणवि वन्नगंधरसाणं। एएसि णं भंते! एगगुण-कक्खडाणं संखेज्जगुणकक्खडाणं असंखेज्जगुणकक्खडाणं अणंतगुणकक्खडाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्ज-गुणा, अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, पएसट्ठयाए एवं चेव नवरं संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठपएसट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जगुणकक्खडा पो० दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणंतगुणकक्खडा पो० दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ते चेव पएसट्ठयाए अ(संखेज्ज) णंतगुणा, एवं मउयगुरुय-लहुयाणवि अप्पाबहुगं, सीयउसिणनिद्धलुक्खाणं जहा वन्नाणं तहेव॥ ७४०॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए? गोयमा! नो कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे कलिओए, एवं जाव अणंतपएसिए

खंधे । परमाणुपोग्गला णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव अणंतपएसिया खंधा । परमाणुपोग्गले णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे कलिओए, दुपएसिए पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओए दावरजुम्मे नो कलिओए, तिपएसिए पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, चउप्पएसिए पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, पंचपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, छप्पएसिए जहा दुपएसिए, सत्तपएसिए जहा तिपएसिए, अट्ठपएसिए जहा चउप्पएसिए, नवपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, दसपएसिए जहा दुपएसिए, संखेज्जपएसिए णं भंते ! पोग्गले पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं असंखेज्जपएसिएवि, एवं अणंतपएसिएवि । परमाणुपोग्गला णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, दुपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा नो तेओगा सिय दावरजुम्मा नो कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा दावरजुम्मा नो कलिओगा, तिपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, चउप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, पंचपएसिया जहा परमाणुपोग्गला, छप्पएसिया जहा दुपएसिया, सत्तपएसिया जहा तिपएसिया, अट्ठपएसिया जहा चउप्पएसिया, नवपएसिया जहा परमाणुपोग्गला, दसपएसिया जहा दुपएसिया, संखेज्जपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं असंखेज्जपएसियावि अणंतपएसियावि ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! (णो)कडजुम्मपएसोगाढे नो तेओग० नो दावरजुम्म० कलिओगपएसोगाढे । दुपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओग० सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे । तिपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ३ । चउप्पएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे ४, एवं जाव

अणंतपएसिए ॥ परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० नो दावर० नो कलिओग०, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० नो दावर० कलिओगपएसोगाढा। दुपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओगपएसोगाढा दावरजुम्मपएसोगाढावि कलिओगपएसोगाढावि। तिपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मपएसोगाढा तेओगपएसोगाढावि दावरजुम्मपएसोगाढावि कलिओगपएसोगाढावि ३। चउप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग० नो दावर० नो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्मसमयट्ठिईए० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं कडजुम्मसमयठिईया० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया ४, विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि ४, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गले णं भंते ! कालवन्नपज्जवेहिं किं कडजुम्मे तेओगे० जहा ठिईए वत्तव्वया एवं वन्नेसुवि सव्वेसु गंधेसुवि एवं चेव रसेसुवि जाव महुरो रसोत्ति, अणंतपएसिए णं भंते ! खंधे कक्खडफासपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे। अणंतपएसिया णं भंते ! खंधा कक्खडफासपज्जवेहिं किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा ४, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि ४, एवं मउयगुरुयलहुयावि भाणियव्वा, सीयउसिणनिद्धलुक्खा जहा वन्ना ॥ ७४१ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं स(अ)ड्ढे अणड्ढे ? गोयमा ! नो सड्ढे अणड्ढे। दुपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! सड्ढे नो अणड्ढे, तिपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, चउप्पएसिए जहा दुपएसिए, पंचपएसिए जहा तिपएसिए, छप्पएसिए जहा दुपएसिए, सत्तपएसिए जहा तिपएसिए, अट्ठपएसिए जहा दुपएसिए, नवपएसिए जहा तिपएसिए, दसपएसिए जहा दुपएसिए, संखेज्जपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा, गोयमा ! सिय सड्ढे सिय अणड्ढे, एवं असंखेज्जपएसिएवि, एवं अणंतपएसिएवि। परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं सड्ढा अणड्ढा ?

गोयमा ! सड्ढा वा अणड्ढा वा, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ ७४२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सेए निरेए ? गोयमा ! सिय सेए सिय निरेए, एवं जाव अणंतपएसिए । परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं सेया निरेया ? गोयमा ! सेयावि निरेयावि, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! सेए कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परमाणुपोग्गले णं भंते ! निरेए कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिए, परमाणुपोग्गला णं भंते ! सेया कालओ केवच्चिरं हो(इ)न्ति ? गोयमा ! सव्वद्धं, परमाणुपोग्गला णं भंते ! निरेया कालओ केवच्चिरं होन्ति ? गोयमा ! सव्वद्धं, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ परमाणुपोग्गलस्स णं भंते ! सेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखे(ज्जइ)ज्जं कालं । दुपएसियस्स णं भंते ! खंधस्स सेयस्स पुच्छा, गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं । निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसियस्स । परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! नत्थि अंतरं, निरेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! नत्थि अंतरं, एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सेयाणं निरेयाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सेया, निरेया असंखेज्जगुणा एवं जाव असंखेज्जपएसियाणं खंधाणं । एएसि णं भंते ! अणंतपएसियाणं खंधाणं सेयाणं निरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा निरेया, सेया अणंतगुणा ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं सेयाणं निरेयाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए १, अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा २, परमाणुपोग्गला सेया दव्व-

ट्ठयाए अणंतगुणा ३, संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ४, असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ५, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, पएसट्ठयाए एवं चेव नवरं परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए १, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ४, परमाणुपोग्गला सेया-दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए अणंतगुणा ५, संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १०, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १२, असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १३, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १४। परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं देसेए सव्वेए निरेए? गोयमा ! नो देसेए सिय सव्वेए सिय निरेए, दुपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा, गोयमा ! सिय देसेए सिय सव्वेए सिय निरेए, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं देसेया सव्वेया निरेया? गोयमा ! नो देसेया सव्वेयावि निरेयावि, दुपएसिया णं भंते ! खंधा पुच्छा, गोयमा ! देसेयावि सव्वेयावि निरेयावि, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गले णं भंते ! सव्वेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, निरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसिए णं भंते ! खंधे देसेए कालओ केव(च्चि)च्चिरं होइ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, सव्वेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, निरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते ! सव्वेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा ! सव्वद्धं, निरेया कालओ केवच्चिरं हो(न्ति)इ? गोयमा ! सव्वद्धं। दुपएसिया णं भंते ! खंधा देसेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा ! सव्वद्धं, सव्वेया कालओ केवच्चिरं होंति? सव्वद्धं, निरेया कालओ केवच्चिरं होंति? सव्वद्धं, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्ग-

लस्स णं भंते ! सव्वेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसियस्स णं भंते ! खंधस्स देसेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, सव्वेयस्स केवइयं कालं० ? एवं चेव जहा देसेयस्स, निरेयस्स केवइयं कालं० ? सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसियस्स ॥ परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सव्वेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! नत्थि अंतरं, निरेयाणं केवइयं० ? नत्थि अंतरं, दुपएसियाणं भंते ! खंधाणं देसेयाणं केवइयं कालं० ? नत्थि अंतरं, सव्वेयाणं केवइयं कालं० ? नत्थि अंतरं, निरेयाणं केवइयं कालं० ? नत्थि अंतरं, एवं जाव अणंतपएसियाणं। एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सव्वेयाणं निरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सव्वेया, निरेया असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते ! दुपएसियाणं खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं निरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा दुपएसिया खंधा सव्वेया, देसेया असंखेज्जगुणा, निरेया असंखेज्जगुणा, एवं जाव असंखेज्जपएसियाणं खंधाणं। एएसि णं भंते ! अणंतपएसियाणं खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं निरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया, निरेया अणंतगुणा, देसेया अणंतगुणा। एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं निरेयाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए १, अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अ(णंत)संखेज्जगुणा ४, संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ५, परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्व-

ट्ठयाए संखेज्जगुणा १०, असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, पएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसट्ठयाए एवं पएसट्ठयाएवि नवरं परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए १, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ४, अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ५, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ६, असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ७, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १०, परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १२, ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १३, असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १४, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १५, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १६, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा १७, ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा १८, असंखेज्जपएसिया निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १९, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा २० ॥ ७४३ ॥ कइ णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० । कइ णं भंते ! अहम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! एवं चेव, कइ णं भंते ! आगासत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? एवं चेव । कइ णं भंते ! जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प०, एए णं भंते ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा कइसु आगासपएसेसु ओगाहंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कंसि वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा पंचहिं वा छहिं वा उक्कोसेणं अट्ठसु, नो चेव णं सत्तसु । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७४४ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते ! पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पज्जवा प०, तं०–जीवपज्जवा य अजीवपज्जवा य, पज्जवपयं निरवसेसं भाणियव्वं जहा पन्नवणाए ॥ ७४५ ॥ आवलियाणं भंते ! किं संखेज्जा समया असंखेज्जा समया अणंता समया ? गोयमा ! नो संखेज्जा समया असंखेज्जा समया नो अणंता समया, आणापाणूणं भंते ! किं संखेज्जा० ? एवं चेव, थोवे णं भंते ! किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं लवेवि मुहुत्तेवि, एवं अहोरत्तेवि, एवं पक्खे मासे उ(ऊ)ड्डू अयणे संवच्छरे जुगे वाससए

वाससहस्से वाससयसहस्से पुव्वंगे पुव्वे तुडियंगे तुडिए अडडंगे अडडे अववंगे अववे हुहुअंगे हुहुए उप्पलंगे उप्पले पउमंगे पउमे नलिणंगे नलिणे अच्छिणि(उ)-पूरंगे अच्छिणि(उ)पूरे अउयंगे अउए नउयंगे नउए पउयंगे पउए चूलियंगे चूलि(या)ए सीसपहेलियंगे सीसपहेलिया पलिओवमे सागरोवमे ओसप्पिणी एवं उस्सप्पिणीवि, पोग्गलपरियट्टे णं भंते! किं संखेज्जा समया असंखेज्जा समया अणंता समया? गोयमा! नो संखेज्जा समया नो असंखेज्जा समया अणंता समया, एवं तीयद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा॥ आवलियाओ णं भंते! किं संखेज्जा समया० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जा समया सिय असंखेज्जा समया सिय अणंता समया, आणापाणूणं भंते! किं संखेज्जा समया० पुच्छा, एवं चेव, थोवाणं भंते! किं संखेज्जा समया ३? एवं चेव एवं जाव उस्सप्पिणीओत्ति, पोग्गलपरियट्टाणं भंते! किं संखेज्जा समया० पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जा समया णो असंखेज्जा समया अणंता समया, आणापाणूणं भंते! किं संखेज्जाओ आवलियाओ० पुच्छा, गोयमा! संखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ नो अणंताओ आवलियाओ, एवं थोवेवि, एवं जाव सीसप्पहेलियत्ति। पलिओवमे णं भंते! किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जाओ आवलियाओ असंखेज्जाओ आवलियाओ नो अणंताओ आवलियाओ, एवं सागरोवमेवि, एवं ओसप्पिणीवि उस्सप्पिणीवि, पोग्गलपरियट्टे पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ अणंताओ आवलियाओ, एवं जाव सव्वद्धा। आणापाणूणं भंते! किं संखेज्जाओ आवलियाओ० पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जाओ आवलियाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ, एवं जाव सीसप्पहेलियाओ, पलिओवमाणं पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जाओ आवलियाओ सिय असंखेज्जाओ आवलियाओ सिय अणंताओ आवलियाओ, एवं जाव उस्सप्पिणीओत्ति, पोग्गलपरियट्टाणं पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ अणंताओ आवलियाओ। थोवे णं भंते! किं संखेज्जाओ आणापाणूओ असंखेज्जाओ जहा आवलियाए वत्तव्वया एवं आणापाणूओवि निरवसेसा, एवं एएणं गमएणं जाव सीसप्पहेलिया भाणियव्वा। सागरोवमे णं भंते! किं संखेज्जा पलिओवमा० पुच्छा, गोयमा! संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा णो अणंता पलिओवमा, एवं ओसप्पिणीएवि उस्सप्पिणीएवि, पोग्गलपरियट्टे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा अणंता पलिओवमा, एवं जाव सव्वद्धा। सागरोवमाणं भंते! किं संखेज्जा पलिओवमा० पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जा

पलिओवमा सिय असंखेज्जा पलिओवमा सिय अणंता पलिओवमा, एवं जाव ओसप्पिणी(ओ)वि उस्सप्पिणीवि । पोग्गलपरियट्टाणं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा अणंता पलिओवमा । ओसप्पिणी णं भंते ! किं संखेज्जा सागरोवमा जहा पलिओवमस्स वत्तव्वया तहा सागरोवमस्सवि, पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणीओ, पोग्गलपरियट्टाणं भंते ! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ, एवं जाव सव्वद्धा, पोग्गलपरियट्टाणं भंते ! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ । तीतद्धाणं भंते ! किं संखेज्जा पोग्गलपरियट्टा० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जा पोग्गलपरियट्टा नो असंखेज्जा अणंता पोग्गलपरियट्टा, एवं अणागयद्धावि, एवं सव्वद्धावि ॥७४६॥ अणागयद्धाणं भंते ! किं संखेज्जाओ तीतद्धाओ असंखेज्जाओ० अणंताओ० ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ तीतद्धाओ णो असंखेज्जाओ तीतद्धाओ णो अणंताओ तीतद्धाओ, अणागयद्धा णं तीतद्धाओ समयाहिया, तीतद्धा णं अणागयद्धाओ समयऊणा । सव्वद्धाणं भंते ! किं संखेज्जाओ तीतद्धाओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ तीतद्धाओ णो असंखेज्जाओ तीतद्धाओ णो अणंताओ तीतद्धाओ, सव्वद्धा णं तीतद्धाओ साइरेगदुगुणा तीतद्धा णं सव्वद्धाओ थोवूणए अद्धे, सव्वद्धाणं भन्ते ! किं संखेज्जाओ अणागयद्धाओ० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ अणागयद्धाओ णो असंखेज्जाओ अणागयद्धाओ णो अणंताओ अणागयद्धाओ, सव्वद्धा णं अणागयद्धाओ थोवूणगदुगुणा अणागयद्धा णं सव्वद्धाओ साइरेगे अद्धे ॥ ७४७ ॥ कइविहा णं भंते ! णिओदा प० ? गोयमा ! दुविहा णिओदा प०, तं०–णिओ(य)गा य णिओयजीवा य, णिओदा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा–सुहुमनिओदा य बायरनिओ(दा)गा य, एवं निओदा भाणियव्वा जहा जीवाभिगमे तहेव निरवसेसं ॥ ७४८ ॥ कइविहे णं भंते ! णामे पन्नत्ते ? गोयमा ! छव्विहे णामे पन्नत्ते, तंजहा–उदइए जाव सन्निवाइए । से किं तं उदइए णामे ? उदइए णामे दुविहे प०, तं०–उद(इ)ए य उदयनिप्फन्ने य, एवं जहा सत्तरसमसए पढमे उद्देसए भावो तहेव इहवि, नवरं इमं नामणाणत्तं, सेसं तहेव जाव सन्निवाइए । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७४९ ॥ **पणवीसइमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

पन्नवण १ वेय २ रागे ३ कप्प ४ चरित्त ५ पडिसेवणा ६ णाणे ७ । तित्थे ८ लिंग ९ सरीरे १० खेत्ते ११ काले १२ गइ १३ संजम १४ निगासे १५ ॥ १ ॥ जोगु १६ वओग १७ कसाए १८ लेसा १९ परिणाम २० बंध २१ वेदे य २२ । कम्मोदीरण २३ उवसंपजहन्न २४ सन्ना य २५ आहारे २६ ॥ २ ॥ भव २७ आगरिसे २८ कालं २९ तरे य ३० समुग्घाय ३१ खेत्त ३२ फुसणा य ३३ । भावे ३४ परि(माणे)णामे ३५ (खलु)विय अप्पाबहुयं ३६ नियंठाणं ३७ ॥ ३ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! णियंठा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच णियंठा पन्नत्ता, तंजहा–पुलाए बउसे कुसीले णियंठे सिणाए ॥ पुलाए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–नाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए णामं पंचमे । बउसे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–आभोगबउसे अणाभोगबउसे संवुडबउसे असंवुडबउसे अहासुहुमबउसे णामं पंचमे । कुसीले णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुविहे प०, तं०–पडिसेवणाकुसीले य कसायकुसीले य, पडिसेवणाकुसीले णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा–नाणपडिसेवणाकुसीले दंसणपडिसेवणाकुसीले चरित्तपडिसेवणाकुसीले लिंगपडिसेवणाकुसीले अहासुहुमपडिसेवणाकुसीले णामं पंचमे, कसायकुसीले णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–नाणकसायकुसीले दंसणकसायकुसीले चरित्तकसायकुसीले लिंगकसायकुसीले अहासुहुमकसायकुसीले णामं पंचमे । नियंठे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा–पढमसमयनियंठे अपढमसमयनियंठे चरिमसमयनियंठे अचरिमसमयनियंठे अहासुहुमनियंठे णामं पंचमे । सिणाए णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा पंचविहे प०, तं०–अच्छवी १, असबले २, अकम्मंसे ३, संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली ४, अपरिस्सावी ५।१। पुलाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! नो इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए वा होज्जा । बउसे णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! इत्थिवेयए वा होज्जा पुरिसवेयए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए वा होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं भंते ! किं सवेयए होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! सवेयए वा होज्जा अवेयए वा होज्जा, जइ अवेदए होज्जा किं उवसंतवेदए होज्जा

खीणवेदए होज्जा ? गोयमा ! उवसंतवेदए वा होज्जा खीणवेदए वा होज्जा, जइ सवेदए होज्जा किं इत्थिवेदए होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! तिसुवि जहा बउसे। णियंठे णं भंते ! किं सवेदए० पुच्छा, गोयमा ! णो सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा, जइ अवेदए होज्जा किं उवसंत० पुच्छा, गोयमा ! उवसंतवेदए वा होज्जा खीणवेदए वा होज्जा। सिणाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा० ? जहा नियंठे तहा सिणाएवि, नवरं णो उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा २ ॥ ७५० ॥ पुलाए णं भंते ! किं सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा ? गोयमा ! सरागे होज्जा णो वीयरागे होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं भंते ! किं सरागे होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! णो सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा, जइ वीयरागे होज्जा किं उवसंतकसायवीयरागे होज्जा खीण-कसायवीयरागे होज्जा ? गोयमा ! उवसंतकसायवीयरागे वा होज्जा खीणकसायवीयरागे वा होज्जा, सिणाए एवं चेव, नवरं णो उवसंतकसायवीयरागे होज्जा खीणकसायवीयरागे होज्जा ३ ॥ ७५१ ॥ पुलाए णं भंते ! किं ठियकप्पे होज्जा अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा अट्ठियकप्पे वा होज्जा, एवं जाव सिणाए। पुलाए णं भंते ! किं जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा ? गोयमा ! नो जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा णो कप्पातीते होज्जा। बउसे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा थेरकप्पे वा होज्जा नो कप्पातीते होज्जा, एवं पडिसेवणाकु-सीलेवि। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा थेरकप्पे वा होज्जा कप्पातीते वा होज्जा। नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! नो जिणकप्पे होज्जा नो थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा, एवं सिणाएवि ४ ॥ ७५२ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सामाइय-संजमे होज्जा छेओवट्ठावणियसंजमे होज्जा परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा सुहुमसंपराय-संजमे होज्जा अहक्खायसंजमे होज्जा ? गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा छेओवट्ठावणियसंजमे वा होज्जा णो परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा णो सुहुमसंपराय-संजमे होज्जा णो अहक्खायसंजमे होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा जाव सुहुमसंपराय-संजमे वा होज्जा णो अहक्खायसंजमे होज्जा। नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! णो सामाइयसंजमे होज्जा जाव णो सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा अहक्खायसंजमे होज्जा, एवं सिणाएवि ५ ॥ ७५३ ॥ पुलाए णं भंते ! किं पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए होज्जा णो अपडिसेवए होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! मूलगुणपडिसेवए वा होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए वा होज्जा, मूलगुणपडिसेवमाणे पंचण्हं अणासवाणं

अन्नयरं पडिसेवेज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अन्नयरं पडिसेवेज्जा। बउसे णं पुच्छा, गोयमा! पडिसेवए होज्जा णो अपडिसेवए होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा? गोयमा! णो मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अन्नयरं पडिसेवेज्जा, पडिसेवणाकुसीले जहा पुलाए। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! णो पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा, एवं नियंठेवि, एवं सिणाएवि ६॥ ७५४॥ पुलाए णं भंते! कइसु नाणेसु होज्जा? गोयमा! दोसु वा तिसु वा होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु आभिणिबोहियनाणे सुअनाणे होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! दोसु वा तिसु वा चउसु वा होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणेसु होज्जा अहवा तिसु होज्जमाणे आभिणिबोहियनाणसुयनाणमणपज्जवनाणेसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणमणपज्जवनाणेसु होज्जा, एवं नियंठेवि। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! एगंमि केवलनाणे होज्जा॥ ७५५॥ पुलाए णं भंते! केवइयं सुयं अहिज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं नवमस्स पुव्वस्स तइयं आयारवत्थुं, उक्कोसेणं नव पुव्वाइं अहिज्जेज्जा। बउसे णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा। एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं चउद्दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा, एवं नियंठेवि। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! सुयवइरित्ते होज्जा ७॥७५६॥ पुलाए णं भंते! किं तित्थे होज्जा अतित्थे होज्जा? गोयमा! तित्थे होज्जा णो अतित्थे होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा! तित्थे वा होज्जा अतित्थे वा होज्जा, जइ अतित्थे होज्जा किं तित्थयरे होज्जा पत्तेयबुद्धे होज्जा? गोयमा! तित्थगरे वा होज्जा पत्तेयबुद्धे वा होज्जा, एवं नियंठेवि, एवं सिणाएवि ८॥७५७॥ पुलाए णं भंते! किं सलिंगे होज्जा अन्नलिंगे होज्जा गिहिलिंगे होज्जा? गोयमा! दव्वलिंगं पडुच्च सलिंगे वा होज्जा अन्नलिंगे वा होज्जा गिहिलिंगे वा होज्जा, भावलिंगं पडुच्च निय(मं)मा सलिंगे होज्जा, एवं जाव सिणाए ९॥७५८॥ पुलाए णं भंते! कइसु सरीरेसु होज्जा? गोयमा! तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, बउसे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु ओरालिय-

वेउव्वियतेयाकम्मएसु होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु ओरालियवेउव्वियतेयाकम्मएसु होज्जा, पंचसु होज्जमाणे पंचसु ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मएसु होज्जा, णियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ॥१०॥ ७५९॥ पुलाए णं भंते! किं कम्मभूमी(सु)ए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा? गोयमा! जम्मणसंतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए होज्जा, बउसे णं पुच्छा, गोयमा! जम्मणसंतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए होज्जा, साहरणं पडुच्च कम्मभूमीए वा होज्जा अकम्मभूमीए वा होज्जा, एवं जाव सिणाए॥ ११ ॥ ७६० ॥ पुलाए णं भंते! किं ओसप्पिणिकाले होज्जा उस्सप्पिणिकाले होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होज्जा? गोयमा! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमाकाले होज्जा १, सुसमाकाले होज्जा २, सुसमदूसमाकाले होज्जा ३, दूसमसुसमाकाले होज्जा ४, दूसमाकाले होज्जा ५, दूसमदूसमाकाले होज्जा ६? गोयमा! जम्मणं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा १, णो सुसमाकाले होज्जा २, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ३, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ४, णो दूसमाकाले होज्जा ५, णो दूसमदूसमाकाले होज्जा ६, संतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा णो सुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले वा होज्जा दूसमसुसमाकाले वा होज्जा दूसमाकाले वा होज्जा णो दूसमदूसमाकाले होज्जा, जइ उस्सप्पिणिकाले होज्जा किं दूसमदूसमाकाले होज्जा दूसमाकाले होज्जा दूसमसुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले होज्जा सुसमाकाले होज्जा सुसमसुसमाकाले होज्जा? गोयमा! जम्मणं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा १, दूसमाकाले वा होज्जा २, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ३, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ४, णो सुसमाकाले होज्जा ५, णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ६, संतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा १, (नो)दूसमाकाले होज्जा २, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ३, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ४, णो सुसमाकाले होज्जा ५, णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ६। जइ णोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमापलिभागे होज्जा सुसमापलिभागे होज्जा सुसमदूसमापलिभागे होज्जा दूसमसुसमापलिभागे होज्जा? गोयमा! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा णो सुसमापलिभागे होज्जा णो दू(सु) पलिभागे होज्जा दूसमसुसमापलिभागे होज्जा। बउसे णं भंते! पुच्छा, ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्स-

प्पिणिकाले वा होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमाकाले० पुच्छा, गोयमा! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा णो सुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले वा होज्जा दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा दूसमाकाले वा होज्जा णो दूसमदूसमाकाले होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे समाकाले होज्जा । जइ उस्सप्पिणिकाले होज्जा किं दूसमदूसमाकाले होज्जा ६ पुच्छा, गोयमा! जम्मणं पडुच्च णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा जहेव पुलाए, संतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा णो दूसमाकाले होज्जा एवं संतिभावेणवि जहा पुलाए जाव णो सुसमसुसमाकाले होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे समाकाले होज्जा । जइ नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले होज्जा० पुच्छा, गोयमा! जम्मणसंतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा जहेव पुलाए जाव दूसमसुसमापलिभागे होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे पलिभागे होज्जा; जहा बउसे एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, नियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ, नवरं एएसिं अब्भहियं साहरणं भाणियव्वं, सेसं तं चेव १२॥ ७६१॥ पुलाए णं भंते! कालगए समाणे (किं)कं गइं गच्छइ? गोयमा! देवगइं गच्छइ, देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा जोइसियवेमाणिएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! णो भवणवासीसु उ० णो वाणमंतरेसु उ० णो जोइसिएसु उ० वेमाणिएसु उववज्जेज्जा, वेमाणिएसु उववज्जमाणे जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे उववज्जेज्जा, बउसे णं एवं चेव नवरं उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे; पडिसेवणाकुसीले जहा बउसे, कसायकुसीले जहा पुलाए, नवरं उक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, णियंठे णं भंते! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिएसु उववज्जमाणे अजहन्नमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, सिणाए णं भंते! कालगए समाणे कं गइं गच्छइ? गोयमा! सिद्धिगइं गच्छइ। पुलाए णं भंते! देवेसु उववज्जमाणे किं इंदत्ताए उववज्जेज्जा सामाणियत्ताए उववज्जेज्जा तायत्तीसगत्ताए उववज्जेज्जा लोगपालत्ताए उववज्जेज्जा अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा? गोयमा! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए उववज्जेज्जा सामाणियत्ताए उववज्जेज्जा लोगपालत्ताए वा उववज्जेज्जा तायत्तीसगत्ताए वा उववज्जेज्जा नो अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए वा उववज्जेज्जा जाव अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा, नियंठे पुच्छा, गोयमा अविराहणं पडुच्च णो इंदत्ताए उववज्जेज्जा जाव णो लोगपालत्ताए उववज्जेज्जा अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा॥ पुलागस्स णं भंते! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स

केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठारस-सागरोवमाइं, बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं, एवं पडिसेवणाकुसीलस्सवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, णियंठस्स पुच्छा, गोयमा ! अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं १३ ॥ ७६२ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमट्ठाणा प०, एवं जाव कसायकुसीलस्स। नियंठस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे प०, एवं सिणायस्सवि, एएसि णं भंते ! पुलागबउसपडिसेवणाकसायकुसीलनियंठसिणायाणं संजमट्ठाणाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे नियंठस्स सिणायस्स य एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे, पुलागस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, बउसस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, कसायकुसीलस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा १४ ॥ ७६३ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० ? गोयमा ! अणंता चरित्तपज्जवा प०, एवं जाव सिणायस्स। पुलाए णं भंते ! पुलागस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे १, सिय तुल्ले २, सिय अब्भहिए ३, जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा, अह अब्भहिए अणंतभागमब्भहिए वा असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुणमब्भहिए वा ॥ पुलाए णं भंते ! बउसस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलेण समं छट्ठाणवडिए जहेव सट्ठाणे, नियंठस्स जहा बउसस्स, एवं सिणायस्सवि ॥ बउसे णं भंते ! पुलागस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए। बउसे णं भंते ! बउसस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे छट्ठाणवडिए। बउसे णं भंते ! पडिसेवणाकुसीलस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे० ? छट्ठाणवडिए, एवं कसायकुसीलस्सवि ॥ बउसे णं भंते ! नियंठस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं सिणायस्सवि। पडिसेवणाकुसीलस्स एस चेव बउसवत्तव्वया भाणियव्वा, कसायकुसीलस्स सन्निगासेणं एस चेव

वउसवत्तव्वया नवरं पुलाएणवि समं छट्ठाणवडिए। णियंठे णं भंते! पुलागस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं जाव कसायकुसीलस्स। णियंठे णं भंते! णियंठस्स सट्ठाणसन्निगासेणं पुच्छा, गोयमा! नो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए, एवं सिणायस्सवि। सिणाए णं भंते! पुलागस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं एवं जहा नियंठस्स वत्तव्वया तहा सिणायस्सवि भाणियव्वा जाव सिणाए णं भंते! सिणायस्स सट्ठाणसन्निगासेणं पुच्छा, गोयमा! णो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए॥ एएसि णं भंते! पुलागवउसपडिसेवणाकुसीलकसायकुसीलनियंठसिणायाणं जहन्नुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! पुलागस्स कसायकुसीलस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, पुलागस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, वउसस्स पडिसेवणाकुसीलस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा, वउसस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, कसायकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, णियंठस्स सिणायस्स य एएसि णं अजहन्नमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा १५॥ ७६४॥ पुलाए णं भंते! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा? गोयमा! सजोगी होज्जा नो अजोगी होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा? गोयमा! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा, एवं जाव नियंठे। सिणाए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सजोगी वा होज्जा अजोगी वा होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा सेसं जहा पुलागस्स १६॥ ७६५॥ पुलाए णं भंते! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा? गोयमा! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा, एवं जाव सिणाए १७॥ ७६६॥ पुलाए णं भंते! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा? गोयमा! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु कोहमाणमायालोभेसु होज्जा, एवं वउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एगम्मि वा होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु संजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगम्मि होज्जमाणे एगम्मि संजलणलोभे होज्जा, नियंठे णं पुच्छा, गोयमा! णो सकसाई

होज्जा अकसाई होज्जा, जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा? गोयमा! उवसंतकसाई वा होज्जा खीणकसाई वा होज्जा, सिणाए एवं चेव, नवरं णो उवसंतकसाई होज्जा, खीणकसाई होज्जा १८ ॥७६७॥ पुलाए णं भंते! किं सलेस्से होज्जा अलेस्से होज्जा? गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा, जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तं०--तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए, एवं बउसस्सवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा, जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! छसु लेस्सासु होज्जा, तं०-कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, नियंठे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा, जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! एगाए सुक्कलेस्साए होज्जा, सिणाए पुच्छा, गोयमा! सलेस्से वा होज्जा अलेस्से वा होज्जा, जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! एगाए परमसुक्कलेस्साए होज्जा १९ ॥ ७६८ ॥ पुलाए णं भंते! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ही(हा)यमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं पुच्छा, गोयमा! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा, णो हीयमाणपरिणामे होज्जा, अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा, एवं सिणाएवि ॥ पुलाए णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं हीयमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं सत्त समया, एवं जाव कसायकुसीले। नियंठे णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। सिणाए णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी २० ॥ ७६९ ॥ पुलाए णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ? गोयमा! आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ। बउसे पुच्छा, गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा!

सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा, सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ, छ बंधमाणे आउयमोहणिज्जवज्जाओ छक्कम्मप्पगडीओ बंधइ । नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! एगविहबंधए वा अबंधए वा, एगं बंधमाणे एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ २१ ॥ ७७० ॥ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! नियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ, एवं जाव कसायकुसीले, नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! वेयणिज्जआउयनामगोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ २२ ॥ ७७१ ॥ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा ! आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहउदीरए वा अट्ठविहउदीरए वा छव्विहउदीरए वा, सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पडिसेवणाकुसीले एवं चेव, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहउदीरए वा अट्ठविहउदीरए वा छव्विहउदीरए वा पंचविहउदीरए वा, सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! पंचविहउदीरए वा दुविहउदीरए वा, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! दुविहउदीरए वा अणुदीरए वा, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ २३ ॥ ७७२ ॥ पुलाए णं भंते ! पुलायत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! पुलायत्तं जहइ कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा उवसंपज्जइ, बउसे णं भंते ! बउसत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! बउसत्तं जहइ पडिसेवणाकुसीलं वा कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, पडिसेवणाकुसीले णं भंते ! पडिसेवणाकुसीलत्तं० पुच्छा, गोयमा ! पडिसेवणाकुसीलत्तं जहइ बउसं वा कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! कसायकुसीलत्तं जहइ पुलायं वा बउसं वा पडिसेवणाकुसीलं वा णियंठं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, णियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! नियंठत्तं जहइ कसाय-

कुसीलं वा सिणायं वा अस्संजमं वा उवसंपज्जइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! सिणायत्तं जहइ सिद्धिगइं उवसंपज्जइ २४ ॥ ७७३ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सन्नोवउत्ते होज्जा नोसन्नोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! णो सन्नोवउत्ते होज्जा नोसन्नोवउत्ते होज्जा । बउसे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सन्नोवउत्ते वा होज्जा नोसन्नोवउत्ते वा होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, नियंठे सिणाए य जहा पुलाए २५ ॥ ७७४ ॥ पुलाए णं भंते ! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा ? गोयमा ! आहारए होज्जा णो अणाहारए होज्जा, एवं जाव नियंठे । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! आहारए वा होज्जा अणाहारए वा होज्जा २६ ॥ ७७५ ॥ पुलाए णं भंते ! कइ भवग्गहणाइं होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेणं तिन्नि । बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं अट्ठ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, नियंठे जहा पुलाए । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! एक्कं २७ ॥ ७७६ ॥ पुलागस्स णं भंते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को उक्कोसेणं तिन्नि । बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्को उक्कोसेणं सयग्गसो, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले एवं चेव । णियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्को उक्कोसेणं दोन्नि । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! एक्को ॥ पुलागस्स णं भंते ! नाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं सत्त । बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं सहस्सग्गसो, एवं जाव कसायकुसीलस्स । नियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं पंच । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! नत्थि एक्कोवि २८ ॥ ७७७ ॥ पुलाए णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं । बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलेवि एवं चेव । नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ॥ पुलागा णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । बउसा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सव्वद्धं, एवं जाव कसायकुसीला, नियंठा जहा पुलागा, सिणाया जहा बउसा २९ ॥ ७७८ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं, एवं जाव नियंठस्स । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! नत्थि अंतरं ॥ पुलागाणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं संखे-

ज्जाइं वासाइं । वउसाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! नत्थि अंतरं, एवं जाव कसायकुसीलाणं । नियंठाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सिणायाणं जहा वउसाणं ३० ॥ ७७९ ॥ पुलागस्स णं भंते ! कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! तिन्नि समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए, वउसस्स णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! पंच समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए जाव तेयासमुग्घाए, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा ! छ समुग्घाया प०, तं०–वेयणासमुग्घाए जाव आहारगसमुग्घाए, नियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा ! नत्थि एक्कोवि, सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! एगे केवलिसमुग्घाए प० ३१ ॥ ७८० ॥ पुलाए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा १, असंखेज्जइभागे होज्जा २, संखेज्जेसु भागेसु होज्जा ३, असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा ४, सव्वलोए होज्जा ५ ? गोयमा ! णो संखेज्जइभागे होज्जा, असंखेज्जइभागे होज्जा, णो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, (णो) असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, णो सव्वलोए होज्जा, एवं जाव नियंठे । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जइभागे होज्जा असंखेज्जइभागे होज्जा णो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा सव्वलोए वा होज्जा ३२ ॥ ७८१ ॥ पुलाए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ असंखेज्जइभागं फुसइ० ? एवं जहा ओगाहणा भणिया तहा फुसणावि भाणियव्वा जाव सिणाए ३३ ॥ ७८२ ॥ पुलाए णं भंते ! कयरम्मि भावे होज्जा ? गोयमा ! खओवसमिए भावे होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले । नियंठे पुच्छा, गोयमा ! उवसमिए वा भावे होज्जा खइए वा भावे होज्जा । सिणाए पुच्छा, गोयमा ! खइए भावे होज्जा ३४ ॥ ७८३ ॥ पुलाया णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सहस्सपुहुत्तं । वउसा णं भंते ! एगसमएणं० पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिसयपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्तं, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीलाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं (कोडि)सहस्सपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिसहस्सपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसहस्सपुहुत्तं । नियंठाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ

अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं बावट्ठं सयं, अट्ठसयं खवगाणं चउप्पन्नं उव(स)सामगाणं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं। सिणायाणं पुच्छा, गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिपुहुत्तं ॥ एएसि णं भंते! पुलागवउसपडिसेवणाकुसीलकसायकुसीलनियंठसिणायाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा नियंठा, पुलागा संखेज्जगुणा, सिणाया संखेज्जगुणा, वउसा संखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीला संखेज्जगुणा, कसायकुसीला संखेज्जगुणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ७८४ ॥

पणवीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते! संजया प०? गोयमा! पंच संजया प०, तं०-सामाइयसंजए छेओवट्ठावणियसंजए परिहारविसुद्धियसंजए सुहुमसंपरायसंजए अहक्खायसंजए, सामाइयसंजए णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा—इत्तरिए य आवकहिए य, छेओवट्ठावणियसंजए णं पुच्छा, गोयमा! दुविहे प०, तं०—साइयारे य निरइयारे य, परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा! दुविहे प०, तं०-णिव्विसमाणए य निव्विट्ठकाइए य, सुहुमसंपराय० पुच्छा, गोयमा! दुविहे प०, तं०-संकिलिस्समाणए य विसुद्धमाणए य, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा! दुविहे प०, तं०-छउमत्थे य केवली य ॥ गाहाओ-सामाइयंमि उ कए चाउज्जामं अणुत्तरं धम्मं। तिविहेण फासयंतो सामाइयसंजओ स खलु ॥ १ ॥ छेत्तूण उ परियागं पोराणं जो ठवेइ अप्पाणं। धम्मंमि पंचजामे छेदोवट्ठावणो स खलु ॥ २ ॥ परिहरइ जो विसुद्धं तु पंचजामं अणुत्तरं धम्मं। तिविहेण फासयंतो परिहारियसंजओ स खलु ॥ ३ ॥ लोभाणु वेययंतो जो खलु उवसामओ व खवओ वा। सो सुहुमसंपराओ अहखाया ऊणओ किंचि ॥ ४ ॥ उवसंते खीणंमि व जो खलु कम्मंमि मोहणिज्जंमि। छउमत्थो व जिणो वा अहखाओ संजओ स खलु ॥ ५ ॥ ७८५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा? गोयमा! सवेदए वा होज्जा अवेदए वा होज्जा, जइ सवेदए होज्जा० एवं जहा कसायकुसीले तहेव निरवसेसं, एवं छेदोवट्ठावणियसंजएवि, परिहारविसुद्धियसंजओ जहा पुलाओ, सुहुमसंपरायसंजओ अहक्खायसंजओ य जहा नियंठो २। सामाइयसंजए णं भंते! किं सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा? गोयमा! सरागे होज्जा नो वीयरागे होज्जा, एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खायसंजए जहा नियंठे ३ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं

ठियकप्पे होज्जा अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा अट्ठियकप्पे वा होज्जा, छेदोवट्ठावणियसंजए पुच्छा, गोयमा ! ठियकप्पे होज्जा नो अट्ठियकप्पे होज्जा, एवं परिहारविसुद्धियसंजएवि, सेसा जहा सामाइयसंजए । सामाइयसंजए णं भंते ! किं जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा ? गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा जहा कसायकुसीले तहेव निरवसेसं, छेदोवट्ठावणिओ परिहारविसुद्धिओ य जहा बउसो, सेसा जहा नियंठे ४ ॥ ७८६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं पुलाए होज्जा बउसे जाव सिणाए होज्जा ? गोयमा ! पुलाए वा होज्जा बउसे जाव कसायकुसीले वा होज्जा, नो नियंठे होज्जा नो सिणाए होज्जा, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! नो पुलाए नो बउसे नो पडिसेवणाकुसीले होज्जा, कसायकुसीले होज्जा, नो नियंठे होज्जा नो सिणाए होज्जा, एवं सुहुमसंपराएवि, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! नो पुलाए होज्जा जाव नो कसायकुसीले होज्जा, नियंठे वा होज्जा सिणाए वा होज्जा ५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए वा होज्जा अपडिसेवए वा होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा० सेसं जहा पुलागस्स, जहा सामाइयसंजए एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा ! नो पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा, एवं जाव अहक्खायसंजए ६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइसु नाणेसु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा नाणेसु होज्जा, एवं जहा कसायकुसीलस्स तहेव चत्तारि नाणाइं भयणाए, एवं जाव सुहुमसंपरा(इ)ए, अहक्खायसंजयस्स पंच नाणाइं भयणाए जहा नाणुद्देसए । सामाइयसंजए णं भंते ! केवइयं सुयं अहिज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं नवमस्स पुव्वस्स तइयं आयारवत्थुं उक्कोसेणं असंपुन्नाइं दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा, सुहुमसंपरायसंजए जहा सामाइयसंजए, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं चउद्दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा सुयवइरित्ते वा होज्जा ७ । सामाइयसंजए णं भंते ! किं तित्थे होज्जा अतित्थे होज्जा ? गोयमा ! तित्थे वा होज्जा अतित्थे वा होज्जा जहा कसायकुसीले, छेदोवट्ठावणिए परिहारविसुद्धिए (सुहुमसंपराए) य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ८ । सामाइयसंजए णं भंते ! किं सलिंगे होज्जा अन्नलिंगे होज्जा गिहिलिंगे होज्जा ? जहा पुलाए, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! किं० पुच्छा, गोयमा ! दव्वलिंगंपि भावलिंगंपि पडुच्च सलिंगे होज्जा नो अन्नलिंगे

होज्जा नो गिहिलिंगे होज्जा, सेसा जहा सामाइयसंजए ९। सामाइयसंजए णं भंते! कइसु सरीरेसु होज्जा? गोयमा! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेओवट्ठावणिएवि, सेसा जहा पुलाए १०। सामाइयसंजए णं भंते! किं कम्मभूमीए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा? गोयमा! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा नो अकम्मभूमीए जहा बउसे, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ११ ॥ ७८७ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं ओसप्पिणीकाले होज्जा उस्सप्पिणीकाले होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले होज्जा? गोयमा! ओसप्पिणीकाले जहा बउसे, एवं छेओवट्ठावणिएवि, नवरं जम्मणं संतिभावं (च) पडुच्च चउसुवि पलिभागेसु नत्थि, साहरणं पडुच्च अन्नयरे पलिभागे होज्जा, सेसं तं चेव, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा जहा पुलाओ, उस्सप्पिणिकालेवि जहा पुलाओ, सुहुमसंपरा(इ)ओ जहा नियंठो, एवं अहक्खाओवि १२ ॥ ७८८ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! कालगए समाणे किं गइं गच्छइ? गोयमा! देवगइं गच्छइ, देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा जोइसिएसु उववज्जेज्जा वेमाणिएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! णो भवणवासीसु उववज्जेज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा नियंठे, अहक्खाए पुच्छा, गोयमा! एवं अहक्खायसंजएवि जाव अजहन्नमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, अत्थेगइ(या)ए सिज्झ(न्ति)इ जाव अंतं करे(न्ति)इ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! देवलोगेसु उववज्जमाणे किं इंदत्ताए उववज्जइ पुच्छा, गोयमा! अविराहणं पडुच्च एवं जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सेसा जहा नियंठे। सामाइयसंजयस्स णं भंते! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स केवइयं कालं ठिई प०? गोयमा! जहन्नेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं, सेसाणं जहा नियंठस्स १३ ॥ ७८९ ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! केवइया संजमट्ठाणा प०? गोयमा! असंखेज्जा संजमट्ठाणा प०, एवं जाव परिहारविसुद्धियस्स, सुहुमसंपरायसंजयस्स पुच्छा, गोयमा! असंखेज्जा अंतोमुहुत्तिया संजमट्ठाणा प०, अहक्खायसंजयस्स पुच्छा, गोयमा! एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे प०। एएसि णं भंते! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसंजयाणं संजमट्ठाणाणं

कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवे अहक्खायसंजयस्स एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे, सुहुमसंपरायसंजयस्स अंतोमुहुत्तिया संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं संजमट्ठाणा दोण्हवि तुल्ला असंखेज्जगुणा १४ ॥ ७९० ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! केवइया चरित्तपज्जवा प०? गोयमा! अणंता चरित्तपज्जवा प०, एवं जाव अहक्खायसंजयस्स ॥ सामाइयसंजए णं भंते! सामाइयसंजयस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए? गोयमा! सिय हीणे छट्ठाणवडिए, सामाइयसंजए णं भंते! छेदोवट्ठावणियसंजयस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा! सिय हीणे छट्ठाणवडिए, एवं परिहारविसुद्धियस्सवि, सामाइयसंजए णं भंते! सुहुमसंपरायसंजयस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवे० पुच्छा, गोयमा! हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं अहक्खायसंजयस्सवि, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, हेट्ठिल्लेसु तिसुवि समं छट्ठाणवडिए, उवरिल्लेसु दोसुवि तहेव हीणे, जहा छेदोवट्ठावणिए तहा परिहारविसुद्धिएवि, सुहुमसंपरागसंजए णं भंते! सामाइयसंजयस्स परट्ठाण० पुच्छा, गोयमा! नो हीणे नो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं छेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धिएसुवि समं सट्ठाणे सिय हीणे नो (सिय)तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे अणंतगुणहीणे, अह (जइ) अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, सुहुमसंपरायसंजयस्स अहक्खायसंजयस्स परट्ठाण० पुच्छा, गोयमा! हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, अहक्खाए हेट्ठिल्लाणं चउण्हवि नो हीणे नो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, सट्ठाणे नो हीणे तुल्ले नो अब्भहिए। एएसि णं भंते! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपराय-अहक्खायसंजयाणं जहन्नुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स जहन्नगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं उक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा, सुहुमसंपरायसंजयस्स जहन्नगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, अहक्खायसंजयस्स अजहन्नमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा १५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा? गोयमा! सजोगी जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खाए जहा सिणाए १६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते

होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते जहा पुलाए, एवं जाव अहक्खाए, नवरं सुहुमसंपराए सागारोवउत्ते होज्जा नो अणागारोवउत्ते होज्जा १७ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा, जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपरायसंजए पुच्छा, गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! एगम्मि संजलणलोभे होज्जा, अहक्खायसंजए जहा नियंठे १८ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सलेस्से होज्जा अलेस्से होज्जा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा नियंठे, अहक्खाए जहा सिणाए, नवरं जइ सलेस्से होज्जा एगाए सुक्कलेस्साए होज्जा १९ ॥ ७९१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा हीयमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा जहा पुलाए, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराय० पुच्छा, गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा नो अवट्ठियपरिणामे होज्जा, अहक्खाए जहा नियंठे । सामाइयसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं जहा पुलाए, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपरायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं हीयमाणपरिणामे होज्जा एवं चेव, अहक्खायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी २० ॥ ७९२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा एवं जहा बउसे, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपरायसंजए पुच्छा, गोयमा ! आउयमोहणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ बंधइ, अहक्खायसंजए जहा सिणाए २१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! नियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खाए पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहवेदए वा चउव्विहवेदए वा, सत्त वेदेमाणे मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ, चत्तारि वेदेमाणे वेयणिज्जआउयनामगोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ २२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा ! सत्तविह० जहा बउसे, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराए पुच्छा, गोयमा ! छव्विहउदीरए वा पंचविहउदीरए वा, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जव-

ज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! पंचविहउदीरए वा दुविहउदीरए वा अणुदीरए वा, पंच उदीरेमाणे आउय० सेसं जहा नियंठस्स २३ ॥ ७९३ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! सामाइयसंजयत्तं जहइ छेदोवट्ठावणियसंज(यं)मं वा सुहुमसंपरायसंज(यं)मं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा ! छेदोवट्ठावणियसंजयत्तं जहइ सामाइयसंजमं वा परिहारविसुद्धियसंजमं वा सुहुमसंपरायसंजमं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! परिहारविसुद्धियसंजयत्तं जहइ छेदोवट्ठावणियसंज(यं)मं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ, सुहुमसंपराए पुच्छा, गोयमा ! सुहुमसंपरायसंजयत्तं जहइ सामाइयसंज(यं)मं वा छेदोवट्ठावणियसंज(यं)मं वा अहक्खायसंज(यं)मं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ, अहक्खायसंजए णं पुच्छा, गोयमा ! अहक्खायसंजयत्तं जहइ सुहुमसंपरायसंज(यं)मं वा असंजमं वा सिद्धिगइं वा उवसंपज्जइ २४ ॥ ७९४ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सन्नोवउत्ते होज्जा नोसन्नोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सन्नोवउत्ते होज्जा जहा बउसे, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराए अहक्खाए य जहा पुलाए २५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा ? जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खायसंजए जहा सिणाए २६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ भवग्गहणाइं होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं (समयं) उक्कोसेणं अट्ठ, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं तिन्नि, एवं जाव अहक्खाए २७ ॥ ७९५ ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं जहा बउसस्स, छेदोवट्ठावणियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेणं वीसपुहुत्तं, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेणं तिन्नि, सुहुमसंपरायस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं ए(क्को)क्कं उक्कोसेणं चत्तारि, अहक्खायस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेणं दोन्नि। सामाइयसंजयस्स णं भंते ! नाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहा बउसे, छेदोवट्ठावणियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं उवरिं नवण्हं सयाणं अंतो सहस्सस्स, परिहारविसुद्धियस्स जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं सत्त, सुहुमसंपरायस्स जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं नव, अहक्खायस्स जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं पंच २८ ॥ ७९६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणएहिं नवहिं वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी; एवं छेदोवट्ठावणिएवि,

परिहारविसुद्धिए जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणएहिं एगूणतीसाए वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी, सुहुमसंपराए जहा नियंठे, अहक्खाए जहा सामाइयसंजए। सामाइयसंजया णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्व(द्धं)द्धा, छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अड्ढाइज्जाइं वाससयाइं उक्कोसेणं पन्नासं सागरोवमकोडिसयसहस्साइं, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं देसूणाइं दो वाससयाइं उक्कोसेणं देसूणाओ दो पुव्वकोडीओ, सुहुमसंपरायसंजया णं भंते! पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, अहक्खायसंजया जहा सामाइयसंजया २९॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं जहा पुलागस्स एवं जाव अहक्खायसंजयस्स, सामाइयसंजयाणं भंते! पुच्छा, गोयमा! नत्थि अंतरं, छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं तेवट्ठिं वाससहस्साइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं चउरासीइं वाससहस्साइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, सुहुमसंपरायाणं जहा नियंठाणं, अहक्खायाणं जहा सामाइयसंजयाणं ३०॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! कइ समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! छ समुग्घाया पन्नत्ता, जहा कसायकुसीलस्स, एवं छेदोवट्ठावणियस्सवि, परिहारविसुद्धियस्स जहा पुलागस्स, सुहुमसंपरायस्स जहा नियंठस्स, अहक्खायस्स जहा सिणायस्स ३१॥ सामाइयसंजए णं भंते! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा असंखेज्जइभागे० पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जइ० जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपराए। अहक्खायसंजए जहा सिणाए ३२॥ सामाइयसंजए णं भंते! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ जहेव होज्जा तहेव फुसइ ३३॥ सामाइयसंजए णं भंते! कयरम्मि भावे होज्जा? गोयमा! उ(खओ)वसमिए भावे होज्जा, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा! उवसमिए वा खइए वा भावे होज्जा ३४। सामाइयसंजया णं भंते! एगसमएणं केवइया होज्जा? गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च जहा कसायकुसीला तहेव निरवसेसं, छेदोवट्ठावणिया पुच्छा, गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं कोडिसयपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्तं, परिहारविसुद्धिया जहा पुलागा, सुहुमसंपराया जहा नियंठा, अहक्खायसंजयाणं पुच्छा, गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं बावट्ठसयं अट्ठुत्तरसयं खवगाणं चउप्पन्नं उवसामगाणं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिपुहुत्तं

उक्कोसेणवि कोडिपुहुत्तं ॥ एएसि णं भंते ! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसंजयाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सुहुमसंपरायसंजया, परिहारविसुद्धियसंजया संखेज्जगुणा, अहक्खायसंजया संखेज्जगुणा, छेदोवट्ठावणियसंजया संखेज्जगुणा, सामाइयसंजया संखेज्जगुणा ३६ ॥७९७॥ पडिसेवण दोसालोयणा य आलोयणारिहे चेव । तत्तो सामायारी पायच्छित्ते तवे चेव ॥१॥ कइविहा णं भंते ! पडिसेवणा प० ? गोयमा ! दसविहा पडिसेवणा प०, तं०—दप्प १ प्पमाद २ ऽणाभोगे ३, आउरे ४ आवती ५ ति य । संकिन्ने ६ सहसक्कारे, ७ भय ८ प्पओसा ९ य वीमंसा १० ॥ १ ॥ दस आलोयणादोसा प०, तंजहा—आकंपइत्ता १ अणुमाणइत्ता २ जं दिट्ठं ३ वायरं च ४ सुहुमं (च) वा ५ । छन्नं ६ सद्दाउलयं ७ बहुजण ८ अव्वत्त ९ तस्सेवी १० ॥ २ ॥ दसहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ अत्तदोसं आलोइत्तए, तंजहा—जाइसंपन्ने १, कुलसंपन्ने २, विणयसंपन्ने ३, णाणसंपन्ने ४, दंसणसंपन्ने ५, चरित्तसंपन्ने ६, खंते ७, दंते ८, अमाई ९, अपच्छाणुतावी १० । अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए, तंजहा—आयारवं १, आहारवं २, ववहारवं ३, उव्वीलए ४, पकुव्वए ५, अपरिस्सावी ६, निज्जवए ७, अवायदंसी ८ ॥ ७९८ ॥ दसविहा सामायारी प०, तं०—इच्छा १ मिच्छा २ तहक्कारे ३, आवस्सिया य ४ निसीहिया ५ । आपुच्छणा य ६ पडिपुच्छा ७, छंदणा य ८ निमंतणा ९ ॥ १ ॥ उवसंपया १० य काले, सामायारी भवे दसहा ॥ ७९९ ॥ दसविहे पायच्छित्ते प०, तं०—आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउसग्गारिहे तवारिहे छेदारिहे मूलारिहे अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे ॥ ८०० ॥ दुविहे तवे पन्नत्ते, तंजहा—वाहि(रि)रए य अब्भिंतरए य, से किं तं बाहिरए तवे ? बाहिरए तवे छव्विहे प०, तं०—अणसण ऊणोयरिया भिक्खायरिया य रसपरिच्चाओ । कायकिलेसो पडिसंलीणया (वज्झो तवो होइ) ॥ १ ॥ से किं तं अणसणे ? अणसणे दुविहे प०, तं०—इत्तरिए य आवकहिए य, से किं तं इत्तरिए ? इत्तरिए अणेगविहे पन्नत्ते, तंजहा—चउत्थे भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउद्दसमे भत्ते अद्धमासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए भत्ते ते(ति)मासिए भत्ते जाव छम्मासिए भत्ते, सेत्तं इत्तरिए । से किं तं आवकहिए ? आवकहिए दुविहे प०, तं०—पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य, से किं तं पाओवगमणे ? पाओवगमणे दुविहे प०, तं०—नीहारिमे य अणीहारिमे य निय(मा)मं अपडिक्कमे, से तं पाओवगमणे, से किं तं भत्तपच्चक्खाणे ? भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प०, तं०—नीहारिमे य अनीहारिमे य नियमं सपडिक्कमे, सेत्तं भत्तपच्चक्खाणे, सेत्तं आवकहिए, सेत्तं

अणसणे। से किं तं ओमोयरिया ? ओमोयरिया दुविहा प०, तं०—दव्वोमोयरिया य भावोमोयरिया य, से किं तं दव्वोमोयरिया ? दव्वोमोयरिया दुविहा प०, तं०—उवगरणदव्वोमोयरिया य भत्तपाणदव्वोमोयरिया य, से किं तं उवगरणदव्वोमोयरिया ? उवगरणदव्वोमोयरिया एगे वत्थे एगे पाए चियत्तोवगरणसाइज्जणया, सेत्तं उवगरणदव्वोमोयरिया, से किं तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया ? भत्तपाणदव्वोमोयरिया अट्ठ कवले आहारं आहारेमा(णे)णस्स अप्पाहारे दुवालस० जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव नो पकामरसभोईति वत्तव्वं सिया, सेत्तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया, सेत्तं दव्वोमोयरिया, से किं तं भावोमोयरिया ? भावोमोयरिया अणेगविहा प०, तं०—अप्पकोहे जाव अप्पलोभे अप्पसद्दे अप्पझञ्झे अप्पतुमंतुमे, सेत्तं भावोमोयरिया, सेत्तं ओमोयरिया। से किं तं भिक्खायरिया ? भिक्खायरिया अणेगविहा प०, तं०—दव्वाभिग्गहचरए जहा उववाइए जाव सुद्धेसणिए संखादत्तिए, सेत्तं भिक्खायरिया। से किं तं रसपरिच्चाए ? रसपरिच्चाए अणेगविहे प०, तं०—निव्विगइए पणीयरसविवज्जए जहा उववाइए जाव लूहाहारे, सेत्तं रसपरिच्चाए। से किं तं कायकिलेसे ? कायकिलेसे अणेगविहे प०, तं०—ठाणाईए उक्कुडुयासणिए जहा उववाइए जाव सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्के, सेत्तं कायकिलेसे। से किं तं पडिसंलीणया ? पडिसंलीणया चउव्विहा प०, तं०—इंदियपडिसंलीणया कसायपडिसंलीणया जोगपडिसंलीणया विवित्तसयणासणसेवणया। से किं तं इंदियपडिसंलीणया ? इंदियपडिसंलीणया पंचविहा प०, तं०—सोइंदियविसयप्पयारणिरोहो वा सोइंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो चक्खिदियविसय० एवं जाव फासिंदियविसयप्पयारणिरोहो वा फासिंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो, सेत्तं इंदियपडिसंलीणया, से किं तं कसायपडिसंलीणया ? कसायपडिसंलीणया चउव्विहा प०, तंजहा—कोहोदयनिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा कोहस्स विफलीकरणं एवं जाव लोभोदयनिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा लोभस्स विफलीकरणं, सेत्तं कसायपडिसंलीणया, से किं तं जोगपडिसंलीणया ? जोगपडिसंलीणया तिविहा प०, तं०—मणजोगप० वइजोगप० कायजोगपडिसंलीणया, से किं तं मणजोगपडिसंलीणया ? २ तिविहा प०, तं०—अकुसलमणनिरोहो वा कुसलमणउदीरणं वा मणस्स वा एगत्तीभावकरणं, से किं तं वइजोगपडिसंलीणया ? २ तिविहा प०, तं०—अकुसलवइनिरोहो वा कुसलवइउदीरणं वा वईए वा एगत्तीभावकरणं, से किं तं कायपडिसंलीणया ? कायपडिसंलीणया जन्नं सुसमाहियपसंतसाहरियपाणिपाए कुम्मो इव गुत्तिंदिए अल्लीणे पल्लीणे चिट्ठइ, सेत्तं कायपडिसंलीणया, सेत्तं जोगपडिसंलीणया, से किं तं विवित्तसयणासणसेवणया ? विवित्तसयणासणसेवणया जन्नं आरामेसु

वा उज्जाणेसु वा जहा सोमिलुद्देसए जाव सेज्जासंथारगं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, सेत्तं विवित्तसयणासणसेवणया, सेत्तं पडिसंलीणया, सेत्तं बाहिरए तवे १ ॥ से किं तं अब्भितरए तवे ? अब्भितरए तवे छव्विहे प०, तं०-पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ । झाणं विउसग्गो । से किं तं पायच्छित्ते ? पायच्छित्ते दसविहे प०, तं०-आलोयणारिहे जाव पारंचियारिहे, सेत्तं पायच्छित्ते । से किं तं विणए ? विणए सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा-नाणविणए दंसणविणए चरित्तविणए मणविणए वइविणए कायविणए लोगोवयारविणए, से किं तं नाणविणए ? नाणविणए पंचविहे प०, तं०-आभिणिबोहियनाणविणए जाव केवलनाणविणए, सेत्तं नाणविणए, से किं तं दंसणविणए ? दंसणविणए दुविहे प०, तं०-सुस्सूसणाविणए य अणच्चासायणाविणए य, से किं तं सुस्सूसणाविणए ? सुस्सूसणाविणए अणेगविहे प०, तं०-सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा जहा चउद्दसमसए तइए उद्देसए जाव पडिसंसाह(र)णया, सेत्तं सुस्सूसणाविणए, से किं तं अणच्चासायणाविणए ? अणच्चासायणाविणए पणयालीसइविहे प०, तं०-अरिहंताणं अणच्चासायणया अरिहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स अणच्चासायणया आयरियाणं अणच्चासायणया उवज्झायाणं अणच्चासायणया थेराणं अणच्चासायणया कुलस्स अणच्चासायणया गणस्स अणच्चासायणया संघस्स अणच्चासायणया किरियाए अणच्चासायणया संभोगस्स अणच्चासायणया आभिणिबोहियनाणस्स अणच्चासायणया जाव केवलनाणस्स अणच्चासायणया १५, एएसिं चेव भत्तिबहुमाणेणं एएसिं चेव वन्नसंजलणया, सेत्तं अणच्चासायणयाविणए, सेत्तं दंसणविणए, से किं तं चरित्तविणए ? चरित्तविणए पंचविहे प०, तं०-सामाइयचरित्तविणए जाव अहक्खायचरित्तविणए, सेत्तं चरित्तविणए, से किं तं मणविणए ? मणविणए दुविहे प०, तं०-पसत्थमणविणए य अपसत्थमणविणए य, से किं तं पसत्थमणविणए ? पसत्थमणविणए सत्तविहे प०, तंजहा-अपावए असावज्जे अकिरिए निरुवक्केसे अणण्हयकरे अच्छविकरे अभूयाभिसंकणे, सेत्तं पसत्थमणविणए, से किं तं अपसत्थमणविणए ? अप्पसत्थमणविणए सत्तविहे प०, तं०-पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हयकरे छविकरे भूयाभिसंकणे, सेत्तं अप्पसत्थमणविणए, सेत्तं मणविणए, से किं तं वइविणए ? वइविणए दुविहे प०, तं०-पसत्थवइविणए य अप्पसत्थवइविणए य, से किं तं पसत्थवइविणए ? पसत्थवइविणए सत्तविहे प०, तं०-अपावए जाव अभूयाभिसंकणे, सेत्तं पसत्थवइविणए, से किं तं अप्पसत्थवइविणए ? अप्पसत्थवइविणए सत्तविहे प०, तं०-पावए सावज्जे जाव भूयाभिसंकणे, सेत्तं अप्पसत्थवइविणए, से तं वइविणए, से किं तं कायविणए ? कायविणए दुविहे प०, तं०-पसत्थकायविणए य अप्पसत्थकायविणए

य, से किं तं पसत्थकायविणए? पसत्थकायविणए सत्तविहे प०, तंजहा-आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं निसीयणं आउत्तं तुयट्टणं आउत्तं उल्लंघणं आउत्तं पल्लंघणं आउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया, सेत्तं पसत्थकायविणए, से किं तं अप्पसत्थकायविणए? अप्पसत्थकायविणए सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा-अणाउत्तं गमणं जाव अणाउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया, सेत्तं अप्पसत्थकायविणए, सेत्तं कायविणए, से किं तं लोगोवयारविणए? लोगोवयारविणए सत्तविहे प०, तं०-अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जहेउं कयपडिकिइया अत्तगवेसणया देसकालण्णया सव्वत्थेसु अप्पडिलोमया, सेत्तं लोगोवयारविणए, सेत्तं विणए। से किं तं वेयावच्चे? वेयावच्चे दसविहे प०, तं०-आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सिवेयावच्चे गिलाणवेयावच्चे सेहवेयावच्चे कुलवेयावच्चे गणवेयावच्चे संघवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे, सेत्तं वेयावच्चे। से किं तं सज्झाए? सज्झाए पंचविहे पन्नत्ते, तं०-वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा, सेत्तं सज्झाए॥ ८०१॥ से किं तं झाणे? झाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा-अट्टे झाणे रोद्दे झाणे धम्मे झाणे सुक्के झाणे, अट्टे झाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा—अमणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ १, मणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ २, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ ३, परिज्जुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमन्नागए यावि भवइ ४, अट्टस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०-कंदणया सोयणया तिप्पणया परिदेवणया १। रोद्दज्झाणे चउव्विहे प०, तं०-हिंसाणुबंधी मोसाणुबंधी तेयाणुबंधी सारक्खणाणुबंधी, रोद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०-ओसन्नदोसे बहुलदोसे अण्णाणदोसे आमरणांतदोसे २। धम्मे झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प०, तं०—आणाविजए अवायविजए विवागविजए संठाणविजए, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०-आणारुई निसग्गरुई सुत्तरुई ओगाढरुई, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प०, तं०—वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा धम्मकहा, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प०, तं०—एगत्ताणुप्पेहा अणिच्चाणुप्पेहा असरणाणुप्पेहा संसाराणुप्पेहा ३। सुक्के झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प०, तं०—पुहुत्तवियक्के सवियारी १, एगंतवियक्के अवियारी २, सुहुमकिरिए अनियट्टी ३, समुच्छिन्नकिरिए अप्पडिवाई ४, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०—खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प०, तं०-अव्वहे असंमोहे विवेगे विउसग्गे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि

अणुप्पेहाओ प०, तं०—अणंतवत्तियाणुप्पेहा विप्परिणामाणुप्पेहा असुभाणुप्पेहा अवायाणुप्पेहा ४, सेत्तं झाणे ॥ ८०२ ॥ से किं तं विउसग्गे? विउसग्गे दुविहे प०, तं०—दव्वविउसग्गे य भावविउसग्गे य, से किं तं दव्वविउसग्गे? दव्वविउसग्गे चउव्विहे प०, तं०—गणविउसग्गे सरीरविउसग्गे उवहिविउसग्गे भत्तपाणविउसग्गे, सेत्तं दव्वविउसग्गे, से किं तं भावविउसग्गे? भावविउसग्गे तिविहे प०, तं०—कसायविउसग्गे संसारविउसग्गे कम्मविउसग्गे, से किं तं कसायविउसग्गे? कसायविउसग्गे चउव्विहे प०, तंजहा—कोहविउसग्गे माणविउसग्गे मायाविउसग्गे लोभविउसग्गे, सेत्तं कसायविउसग्गे, से किं तं संसारविउसग्गे? संसारविउसग्गे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा—नेरइयसंसारविउसग्गे जाव देवसंसारविउसग्गे, सेत्तं संसारविउसग्गे, से किं तं कम्मविउसग्गे? कम्मविउसग्गे अट्ठविहे प०, तंजहा—णाणावरणिज्जकम्मविउसग्गे जाव अंतराइयकम्मविउसग्गे, सेत्तं कम्मविउसग्गे, सेत्तं भावविउसग्गे, सेत्तं अब्भित(र)रिए तवे। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८०३ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी—नेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहानामए पवए पवमाणे अज्झवसाणनिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं ठाणं विप्पजहित्ता पुरिमं ठाणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ एवामेव एए(ते)वि जीवा पवओविव पवमाणा अज्झवसाणनिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं भवं विप्पजहित्ता पुरिमं भवं उवसंपज्जित्ताणं विहरन्ति। तेसि णं भंते! जीवाणं कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए प०? गोयमा! से जहानामए—केइ पुरिसे तरुणे बलवं एवं जहा चउद्दसमसए पढमुद्देसए जाव तिसमएण वा विग्गहेणं उववज्जंति, तेसि णं जीवाणं तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए प०। ते णं भंते! जीवा कहं परभवियाउयं पकरेंति? गोयमा! अज्झवसाण(जोग)निव्वत्तिएणं करणोवाएणं एवं खलु ते जीवा परभवियाउयं पकरेन्ति, तेसि णं भंते! जीवाणं कहं गई पवत्तइ? गोयमा! आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं, एवं खलु तेसिं जीवाणं गई पवत्तइ, ते णं भंते! जीवा किं आइड्ढीए उववज्जंति परिड्ढीए उववज्जंति? गोयमा! आइड्ढीए उववज्जंति नो परिड्ढीए उववज्जंति। ते णं भंते! जीवा किं आयकम्मुणा उववज्जंति परकम्मुणा उववज्जंति? गोयमा! आयकम्मुणा उववज्जंति नो परकम्मुणा उववज्जंति, ते णं भंते! जीवा किं आयप्पओगेणं उववज्जंति परप्पओगेणं उववज्जंति? गोयमा! आयप्पओगेणं उववज्जंति नो परप्पओगेणं उववज्जंति। असुरकुमारा णं भंते! कहं उववज्जंति? जहा नेरइया तहेव निरवसेसं जाव नो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं

तए णं पउमावई पडिबुद्धिणा रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी ह(ट्ठतु)ट्ठा जाव कोडुं-बियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मम कल्लं नागजन्नए भविस्सइ। तं तुब्भे मालागारे सद्दावेह २ त्ता एवं वयह-एवं खलु पउमावईए देवीए कल्लं नागजन्नए भविस्सइ। तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया! जलथलय(०)दसद्धवण्णं मल्लं नागघरयंसि साहरह एगं च णं महं सिरिदामगंडं उवणेह। तए णं जलथल-यदसद्धवण्णेणं मल्लेणं णाणाविहभत्तिसुविरइयं (करेह तंसि भत्तिंसि) हंसमियमयूर-कोंचसारसचक्कवायमयणसालकोइलकुलोववेयं ईहामिय जाव भत्तिचित्तं महग्घं मह-रिहं विउलं पुप्फमंडवं विरएह। तस्स णं बहुमज्झदेसभाए एगं महं सिरिदामगंडं जाव गंधद्धणिं मुयंतं उल्लोयंसि आ(ओ)लंबेह २ त्ता पउमावइं देविं पडिवालेमाणा २ चिट्ठह। तए णं ते कोडुंबिया जाव चिट्ठंति। तए णं सा पउमावई देवी कल्लं० कोडुंबि(यपुरिसे)ए (सद्दावेइ २ त्ता) एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सागेयं नयरं सब्भिंतरबाहिरियं आसियसम्मज्जिओवलित्तं जाव पच्चप्पिणंति। तए णं सा पउमावई (देवी) दोच्चंपि कोडुंबिय जाव खिप्पामेव लहुकरणजुत्तं जाव जुत्तामेव (उवट्ठवेह, तए णं तेवि तहेव) उव(ट्ठा)ट्ठवेंति। तए णं सा पउमावई अंतो अंतेउरंसि ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया धम्मियं जाणं दुरूढा। तए णं सा पउमावई नियगपरि(वा)यालसंपरिवुडा सागेयं नयरं मज्झंमज्झेणं नि(ज्ज)जाइ २ त्ता जेणेव पुक्खरणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पो(पु)क्खरणिं ओगा(ह)हेइ २ त्ता जलमज्जणं जाव परमसुइभूया उल्लपडसाडया जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव गेण्हइ २ त्ता जेणेव नागघरए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं पउमावईए दासचेडीओ बहूओ पुप्फपडलगहत्थगयाओ धूवक(ड्डु)डच्छु(ग)यहत्थगयाओ पिट्ठओ समणुग-च्छंति। तए णं पउमावई सव्विड्ढीए जेणेव नागघ(रे)रए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता नागघ(रयं)रं अणुप्पविसइ २ त्ता लोमहत्थगं जाव धूवं डहइ २ त्ता पडिबुद्धिं (रायं) पडिवालेमाणी २ चिट्ठइ। तए णं पडिबुद्धी(राया) ण्हाए हत्थिखंधवरगए सकोरेंट जाव सेयवरचामरा(हिं)हि य (महया)हयगयरह(जोह)महयाभडचडगर-पहकरेहिं सागेयं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव नागघरए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता आलोए पणामं करेइ २ त्ता पुप्फमंडवं अणुपविसइ २ त्ता पासइ तं एगं महं सिरिदामगंडं। तए णं पडिबुद्धी तं सिरिदामगंडं सु(इ)चिरं कालं निरिक्खइ २ त्ता तंसि सिरिदामगंडंसि जायविम्हए सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-तुमं(णं) देवाणुप्पिया! मम दोच्चेणं बहूणि गामागर जाव सन्निवेसाइं आहिंडसि बहू(णि)ण य रा(य)ईसर जाव गिहाइं अणुपविससि,

तं अत्थि णं तुमे कहिंचि एरिसए सिरिदामगंडे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमे पउमावई(ए)देवीए सिरिदामगंडे ?। तए णं सुबुद्धी पडिबुद्धिं रायं एवं वयासी-एवं खलु सामी ! अहं अन्नया कयाइं तुब्भं दोच्चेणं मिहिलं रायहाणिं गए। तत्थ णं मए कुंभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए (विदेहरायवरकन्नाए)संवच्छरपडिलेहणगंसि दिव्वे सिरिदामगंडे दिट्ठपुव्वे। तस्स णं सिरिदामगंडस्स इमे पउमावईए [देवीए] सिरिदामगंडे सयसहस्सइमंपि कलं न अग्घइ। तए णं पडिबुद्धी(राया) सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-केरिसिया णं देवाणुप्पिया ! मल्ली २ जस्स णं संवच्छरपडिलेहणयंसि सिरिदामगंडस्स पउमावईए देवीए सिरिदामगंडे सयसहस्सइमंपि कलं न अग्घइ ?। तए णं सुबुद्धी (अमच्चे) पडिबुद्धिं इक्खागरायं एवं वयासी-(एवं खलु सामी !) मल्ली विदेहरायवरकन्नगा सुपइट्ठियकुम्मुन्नयचारुचरणा वण्णओ। तए णं पडिबुद्धी (राया) सुबुद्धिस्स अमच्चस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सिरिदामगंडजणियहासे दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छाहि णं तुमं देवाणुप्पिया ! मिहिलं रायहाणिं, तत्थ णं कुंभगस्स रन्नो धूयं पभावईए (देवीए) अ(त्त)त्तियं मल्लिं २ मम भारियत्ताए वरेहि जइ वि य णं सा सयं रज्जसुंका। तए णं से दूए पडिबुद्धिणा रन्ना एवं वुत्ते समाणे हट्ठ जाव पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं पडिकप्पावेइ २ त्ता दुरूढे जाव हयगयमहयाभडचडगरेणं साएयाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव विदेहजणवए जेणेव मिहिला रायहाणी तेणेव पहारेत्थ गमणाए (१) ॥ ७५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अंग नाम जणवए होत्था। तत्थ णं चंपा नामं नयरी होत्था। तत्थ णं चंपाए नयरीए चंदच्छाए अंगराया होत्था। तत्थ णं चंपाए नयरीए अरहन्नगपामोक्खा बहवे संजत्तानावावाणियगा परिवसंति अड्ढा जाव अपरिभूया। तए णं से अरहन्नगे समणोवासए यावि होत्था अहिगयजीवाजीवे वण्णओ। तए णं तेसिं अरहन्नगपामोक्खाणं संजत्तानावावाणियगाणं अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं इमे(ए)यारूवे मिहोकहासमुल्ला(संला)वे समुप्पज्जित्था-सेयं खलु अम्हं गणिमं(च) धरिमं च मेज्जं च प(पा)रिच्छेज्जं च भंडगं गहाय लवणसमुद्दं पोयवहणेणं ओगाहित्तए-त्तिकट्टु अन्नम(न्नं)न्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता गणिमं च ४ गेण्हंति २ त्ता सग(डि)डीसाग(डि)डयं (च) सज्जेंति २ त्ता गणिमस्स ४ भंडगस्स सगडसागडियं भरेंति २ त्ता सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेंति मित्तनाइ भोयणवेलाए भुंजावेंति जाव आपुच्छंति २ त्ता सगडीसागडियं जोयंति २ त्ता चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव

गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सगडीसागडियं मोयंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता गणिमस्स(य) जाव चउव्विह(स्सं)भंडगस्स भरेंति तंदुलाण य समियस्स य तेल्लस्स य घयस्स य गुलस्स य गोरसस्स य उदगस्स य उदयभायणाण य ओसहाण य भेसज्जाण य तणस्स य कट्ठस्स य आवरणाण य पहरणाण य अन्नेसिं च बहूणं पोयवहणपाउग्गाणं दव्वाणं पोयवहणं भरेंति (२ त्ता) सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तनाइ० आपुच्छंति २ त्ता जेणेव पोयट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति। तए णं तेसिं अरहन्नग जाव वाणियगाणं परियणो जाव ता(रिसे)हिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं अभिनंदंता य अभिसंथुणमाणा य एवं वयासी–अज्ज! ताय! भाय! माउल! भाइणेज्ज! भगवया समुद्देणं अभिरक्खिज्जमाणा २ चिरं जीवह भद्दं च भे पुणरवि लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे नियगं घरं हव्वमागए पासामो–त्तिकट्टु ताहिं सोमाहिं निद्धाहिं दीहाहिं सप्पिवासाहिं पप्पुयाहिं दिट्ठीहिं नि(री)रिक्खमाणा मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठंति। तओ समाणिएसु पुप्फवलिकम्मेसु दिन्नेसु सरसरत्तचंदणदद्दरपंचंगुलितलेसु अणुक्खित्तंसि धूवंसि पूइएसु समुद्दवाएसु संसारियासु वलयवाहासु ऊसिएसु सिएसु झयग्गेसु पडुप्पवाइएसु तूरेसु जइएसु सव्वसउणेसु गहिएसु रायवरसासणेसु महया उक्किट्ठसीहनाय जाव रवेणं पक्खुभियमहासमुद्दरवभूयंपिव मेइणिं करेमाणा एगदिसिं जाव वाणियगा ना(वं)वाए दुरूढा। तओ पुस्समाणवो वक्कमुदाहु–हं भो! सव्वेसिमवि अत्थसिद्धी उवट्ठियाइं कल्लाणाइं पडिहयाइं सव्वपावाइं जुत्तो पूसो विजओ मुहुत्तो अयं देसकालो। तओ पुस्समाणएणं व(क्के)क्कमुदा(हि)हरिए हट्ठतुट्ठे कुच्छिधारकण्णधारगब्भि(ज)ज्जसंजत्तानावावाणियगा वावारिंसु तं नावं पुण्णुच्छंगं पुण्णमुहिं बंधणेहिंतो मुंचंति। तए णं सा नावा विमुक्कबंधणा पवणवलसमाहया ऊसि(उस्सि)यसिया विततपं(पक्)खा इव गरु(ड)लजुवई गंगासलिलतिक्खसोयवेगेहिं संखुब्भमाणी २ उम्मीतरंगमालासहस्साइं समइच्छमाणी २ कइवएहिं अहोरत्तेहिं लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढा। तए णं तेसिं अरहन्नगपामोक्खाणं संजत्तानावावाणियगाणं लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढाणं समाणाणं बहूइं उप्पाइयसयाइं पाउब्भूयाइं तंजहा–अकाले गज्जिए अकाले विज्जुए अकाले थणियसद्दे अभिक्खणं २ आगासे देवयाओ नच्चंति एगं च णं महं पिसायरूवं पासंति तालजंघं दिवं–गयाहिं बाहाहिं मसिमूसगमहिसकालगं भरियमेहवण्णं लंबोट्ठं निग्गयग्गदंतं निल्लालियजमलजुयलजीहं आऊसियवयणगंडदेसं चीणचि(पिट)मिढनासियं विगयभुग्गभग्गभुमयं खज्जोयगदित्तचक्खुरागं ... ... विसालवच्छं विसालकुच्छिं पलंबकुच्छिं पहसियपयलियपयडियगत्तं पण-

च्चमाणं अप्फोडंतं अभिवयंतं अभिगज्जंतं बहुसो २ अट्टहासे विणिम्मुयंतं नीलुप्पलगवलगुलियअयसिकुसुमप्पगासं खुरधारं असिं गहाय अभिमुहमावयमाणं पासंति। तए णं ते अरहन्नगवज्जा संजत्तानावावाणियगा एगं च णं महं तालपिसायं (पासंति) पासित्ता तालजंघं दिवंगयाहिं बाहाहिं फुट्टसिरं भमरनिगरवरमासरासिमहिसकालगं भरियमेहवण्णं सुप्पणहं फालसरिसजीहं लंबोट्ठं धवलवट्टअसिलिट्ठतिक्खथिरपीणकुडिलदाढोवगूढवयणं विकोसियधारासिजुयलसमसरिसतणुयचंचलगलंतरसलोलचवलफुरुफुरेंतनिल्लालियग्गजीहं अवयच्छियमहल्लविगयबीभच्छलालपगलंतरत्ततालुयं हिंगु(लु)लयसगब्भकंदरबिलं व अंजणगिरिस्स अग्गिजालुग्गिलंतवयणं आऊसियअक्खचम्मउइट्ठगंडदेसं चीणचि(पिड)मिडवंकभग्गनासं रोसागयधमधमेंतमारुयनिट्ठुरखरफरुसझुसिरं ओभुग्गनासियपुडं घ(घा)डउब्भडरइयभीसणमुहं उद्धमुहकण्णसक्कुलियमहंतविगयलोमसंखालगलंबंतचलियकण्णं पिंगलदिप्पंतलोयणं भिउडितडि(य)निडालं नरसिरमालपरिणद्धचिंधं विचित्तगोणससुबद्धपरिकरं अवहोलंतपु(प्फु)प्फयायंतसप्पविच्छुयगोधुंदरनउलसरडविरइयविचित्तवेयच्छमालियागं भोगकूरकण्हसप्पधमधमेंतलंबंतकण्णपूरं मज्जारसियाललइयखंधं दित्त(घुघु)घूघूयंतघूयकयकुंतलसिरं घंटारवेण भीमं भयंकरं कायरजणहिययफोडणं दित्तमट्टहासं विणिम्मुयंतं वसारुहिरपूयमंसमलमलिणपोच्चडतणुं उत्तासणयं विसालवच्छं पेच्छंताभिन्ननहमुहनयणकण्णवरवग्घचित्तकत्तीणि(व)यंसणं सरसरुहिरगयचम्मविययऊसवियबाहुजुयलं ताहिं य खरफरुसअसिणिद्धअणिट्ठदित्तअसुभअप्पिय(अमणुन्न)अकंतवग्गूहिं य तज्जयंतं पासंति तं तालपिसायरूवं एज्जमाणं पासंति २ त्ता भीया संजायभया अन्नमन्नस्स कायं समतुरंगेमाणा २ बहूणं इंदाण य खंदाण य रुद्दसिववेसमणनागाणं भूयाण य जक्खाण य अज्जकोट्टकिरियाण य बहूणि उवाइयसयाणि ओवाइयमाणा २ चिट्ठंति। तए णं से अरहन्नए समणोवासए तं दिव्वं पिसायरूवं एज्जमाणं पासइ २ त्ता अभीए अतत्थे अचलिए असंभंते अणाउले अणुव्विग्गे अभिन्नमुहरागनयणवण्णे अदीणविमणमाणसे पोयवहणस्स एगदेसंसि वत्थंतेणं भूमिं पमज्जइ २ त्ता ठाणं ठाइ २ त्ता करयल(ओ) जाव एवं वयासी–नमोत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं, जइ णं अहं एत्तो उवसग्गाओ मुंचामि तो मे कप्पइ पारित्तए, अह णं एत्तो उवसग्गाओ न मुंचामि तो मे तहा पच्चक्खाएयव्वे-(त्ति)तिकट्टु सागारं भत्तं पच्चक्खाइ। तए णं से पिसायरूवे जेणेव अरहन्न(ए)गे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहन्नगं एवं वयासी–हं भो! अरहन्नगा अपत्थियपत्थिया जाव परिवज्जिया [!] नो खलु कप्पइ तव सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खा(णे)णपोसहोववासाइं चालित्तए वा एवं

खो(भे)भित्तए वा खंडित्तए वा भंजित्तए वा उज्झित्तए वा परिच्चइत्तए वा। तं जइ णं तुमं सीलव्वयं जाव न परिच्चयसि तो ते अहं एयं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गेण्हामि २ त्ता सत्तट्ठतलप्पमाणमेत्ताइं उड्ढं वेहासं उव्विहामि (२ त्ता) अंतोजलंसि निच्छोलेमि जा(जे)णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे असमाहिपत्ते अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तए णं से अरहन्नगे समणोवासए तं देवं मणसा चेव एवं वयासी–अहं णं देवाणुप्पिया! अरहन्नए नामं समणोवासए अहिगयजीवाजीवे, नो खलु अहं सक्का केणइ देवेण वा जाव निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणा(मे)मित्तए वा, तुमं णं जा सद्धा तं करेहि–त्तिकट्टु अभीए जाव अभिन्नमुहरागनयणवण्णे अदीणविमणमाणसे निच्चले निप्फंदे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नगं समणोवासगं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–हं भो अरहन्नगा! जाव (अदीणविमणमाणसे निच्चले निप्फंदे तुसिणीए) धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नगं धम्मज्झाणोवगयं पासइ २ त्ता बलियतरागं आसुरुत्ते तं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गिण्हइ २ त्ता सत्तट्ठतलाइं जाव अरहन्नगं एवं वयासी–हं भो अरहन्नगा! अपत्थियपत्थिया! नो खलु कप्पइ तव सीलव्वय तहेव जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से पिसायरूवे अरहन्नगं जाहे नो संचाएइ निग्गंथाओ० चालित्तए वा (०ताहे)तहेव (उव)संते जाव निव्विण्णे तं पोयवहणं सणियं २ उवरिं जलस्स ठवेइ २ त्ता तं दिव्वं पिसायरूवं पडिसाह(र)रेइ २ त्ता दिव्वं देवरूवं विउव्वइ २ त्ता अंतलिक्खपडिवन्ने सखिंखि(णि)णीयाइं जाव परिहिए अरहन्नगं समणोवासगं एवं वयासी–हं भो अरहन्नगा! धन्नोसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव जीवियफले जस्स णं तव निग्गंथे पावयणे इमेयारूवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया, एवं खलु देवाणुप्पिया! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए बहूणं देवाणं मज्झगए महया [२] सद्देणं [एवं] आइक्खइ ४–एवं खलु जंबुद्दीवे २ भारहे वासे चंपाए नयरीए अरहन्नए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे नो खलु सक्का केणइ देवेण वा (दाणवेण वा) ६ निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा जाव विपरिणामित्तए वा। तए णं अहं देवाणुप्पिया! सक्कस्स (देविंदस्स) नो एयमट्ठं सद्दहामि(०)। तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए०–गच्छामि णं [अहं] अरहन्न(य)गस्स अंतियं पाउब्भवामि जाणामि ताव अहं अरहन्नगं किं पियधम्मे नो पियधम्मे, दढधम्मे नो दढधम्मे, सीलव्वयगुणे किं चालेइ जाव परिच्चयइ नो परिच्चयइ–त्तिकट्टु एवं संपेहेमि २ त्ता ओहिं पउंजामि २ त्ता देवाणुप्पियं ओहिणा आभोएमि २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं २

उत्तरवेउव्वियं० ताए उक्किट्ठाए(जाव)जेणेव लवणसमुद्दे जेणेव देवाणुप्पिया तेणेव उवागच्छामि २ त्ता देवाणुप्पि(याणं)यं उवसग्गं करेमि नो चेव णं देवाणुप्पिया भीया वा(०), तं जं णं सक्के ३ [एवं] वयइ सच्चे णं एसमट्ठे, तं दिट्ठे णं देवाणुप्पियाणं इड्ढी जाव परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए। तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमंतु मरहंतु णं देवाणुप्पिया! नाइभुज्जो (२) एवंकरणयाए–त्तिकट्टु पंजलिउडे पायवडिए एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेइ (२ त्ता) अरहन्नगस्स [य] दुवे कुंडलजुयले दलयइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव(दिसिं)पडिगए ॥ ७६ ॥ तए णं से अरहन्नए निरुवसग्गमितिकट्टु पडिमं पारेइ। तए णं ते अरहन्नगपामोक्खा जाव वाणियगा दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीरए पोय(पट्टणे)ट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयं लंबेंति २ त्ता सगडिसागडं सज्जेंति (२ त्ता) तं गणिमं [च] ४ सगडि० संकामेंति २ त्ता सगडी० जो(एं)विंति २ त्ता जेणेव मिहिला(०) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलाए रायहाणीए वहिया अग्गुज्जाणंसि सगडीसागडं मोएंति २ त्ता (मिहिलाए रायहाणीए तं)महत्थं (महग्घं महरिहं) विउलं रायारिहं पाहुडं कुंडलजुयलं च गेण्हंति २ त्ता (मिहिलाए रायहाणीए) अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव कुंभए(राया) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव महत्थं दिव्वं कुंडलजुयलं उवणेंति। तए णं कुंभए(राया) तेसिं संजत्तगाणं जाव पडिच्छइ २ त्ता मल्लिं २ सद्दावेइ २ त्ता तं दिव्वं कुंडलजुयलं मल्लीए २ पिणद्धेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से कुंभए राया ते अरहन्नगपामोक्खे जाव वाणियगे विपुलेणं (अस०) वत्थगंधमल्लालंकारेणं जाव उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता रायमग्गमोगाढे(इ)य आवासे वियरइ [२ त्ता] पडिविसज्जेइ। तए णं अरहन्नगसंजत्तगा जेणेव रायमग्गमोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता भंडववहरणं करेंति (२ त्ता) पडिभं(डं)डे गेण्हंति २ त्ता सगडी० भरेंति जेणेव गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता भंडं संकामेंति दक्खिणाणु० जेणेव चंपा पोयट्ठाणे तेणेव पोयं लंबेंति २ त्ता सगडी० सज्जेंति २ त्ता तं गणिमं ४ सगडी० संकामेंति जाव महत्थं [महग्घं] पाहुडं दिव्वं च कुंडलजुयलं गेण्हंति २ त्ता जेणेव चंदच्छाए अंगराया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं महत्थं जाव उवणेंति। तए णं चंदच्छाए अंगराया तं दिव्वं महत्थं(च) कुंडलजुयलं पडिच्छइ २ त्ता ते अरहन्नगपामोक्खे एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! बहूणि गामागर जाव आहिंडह लवणसमुद्दं च अभिक्खणं २ पोयवहणेहिं ओगाहेह, तं अत्थियाइं भे केइ कहिंचि अच्छेरए दिट्ठपुव्वे? । तए णं ते अरहन्नगपामोक्खा चंदच्छायं अंगरायं ।

वयासी-एवं खलु सामी! अम्हे इहेव चंपाए नयरीए अरहन्नगपामोक्खा बहवे संजत्तगानावावाणियगा परिवसामो। तए णं अम्हे अन्नया कयाइ गणिमं च ४ तहेव अहीण(म)अइरित्तं जाव कुंभगस्स रन्नो उवणेमो। तए णं से कुंभए मल्लीए २ तं दिव्वं कुंडलजुयलं पिणद्धेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तं एस णं सामी! अम्हेहिं कुंभ[ग]रायभवणंसि मल्ली २ अच्छेरए दिट्ठे। तं नो खलु अन्ना कावि तारिसिया देवकन्ना वा जाव जारिसिया णं मल्ली २। तए णं चंदच्छाए(ते)अरहन्नगपामोक्खे सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता [उस्सुंकं वियरइ] पडिविसज्जेइ। तए णं चंदच्छाए वाणियगजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव जइ वि य णं सा सयं रज्जसुक्का। तए णं से दूए हट्ठ जाव पहारेत्थ गमणाए (२) ॥ ७७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुणाला नामं जणवए होत्था। तत्थ णं सावत्थी नामं नयरी होत्था। तत्थ णं रुप्पी कुणालाहिवई नामं राया होत्था। तस्स णं रुप्पिस्स धूया धारिणीए देवीए अत्तया सुबा(हु)हू नामं दारिया होत्था सुकुमाल जाव रूवेण य जोव्वणे(णं)ण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था। तीसे णं सुबाहूए दारियाए अन्नया चाउम्मासियमज्जणए जाए यावि होत्था। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई सुबाहुए दारियाए चाउम्मासियमज्जणयं उवट्ठियं जाणइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! सुबाहु(ए)दारियाए कल्लं चाउम्मासियमज्जणए भविस्सइ। तं(कल्लं)तुब्भे णं रायमग्गमोगाढंसि(चउक्कंसि)मंडवंसि जलथलयदसद्धवण्णमल्लं साह(रे)रह जाव सिरिदामगं(डे)डं ओलइंति। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! रायमग्गमोगाढंसि पुप्फमंडवंसि नाणाविहपंचवण्णेहिं तंदुलेहिं नयरं आलिहह तस्स बहुमज्झदेसभाए पट्टयं रएह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई हत्थिखंधवरगए चाउरंगिणीए सेणाए महया भडचडगर जाव अंतेउरपरियालसंपरिवुडे सुबाहुं दारियं पुरओ कट्टु जेणेव रायमग्गे जेणेव पुप्फमंडवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पुप्फमंड(वं)वे अणुप्पविसइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे। तए णं ताओ अंतेउरियाओ सुबाहुं दारियं पट्टयंसि दुरूहेंति २ त्ता से(य)यापीयएहिं कलसेहिं ण्हाणेंति २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता पिउणो पा(यं)यवंदि(उं)यं उवणेंति। तए णं सुबाहू दारिया जेणेव रुप्पी राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पायग्गहणं करेइ। तए णं से रुप्पी राया सुबाहुं दारियं अंके निवेसेइ २ त्ता सुबाहु(ए)दारियाए रूवेण य जोव्वणेण य वण्णेण य (जाव विम्हिए) जायविम्हए वरिसधरं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुमं

णं देवाणुप्पिया! मम दोचेणं वहूणि गामागरनगरगिहाणि अणुप्पविससि, तं अत्थियाइं ते कस्सइ रन्नो वा ईसरस्स वा कहिंचि एयारिसए मज्जणए दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमीसे सुवाहुदारियाए मज्जणए?। तए णं से वरिसधरे रुप्पिं करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी! अहं अन्नया तु(ब्भेणं)ब्भं दोचेणं मिहिलं गए, तत्थ णं मए कुंभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए २ मज्जणए दिट्ठे, तस्स णं मज्जणगस्स इ(मे)मीए सुवाहु(ए)दारियाए मज्जणए सयसहस्सइमंपि कलं न अ(ग्घे)ग्घइ। तए णं से रुप्पी राया वरिसधरस्स अंति-(ए)यं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म(सेसं तहेव) मज्जणगजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव जेणेव मिहिला नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए (३)॥ ७८॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कासी नामं जणवए होत्था। तत्थ णं वाणारसी नामं नयरी होत्था। तत्थ णं संखे नामं कासीराया होत्था। तए णं तीसे मल्लीए २ अन्नया कयाइ तस्स दिव्वस्स कुंडलजुयलस्स संधी विसंघडिए यावि होत्था। तए णं से कुंभए राया सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! इमस्स दिव्वस्स कुंडलजुयलस्स संधिं संघाडेह। तए णं सा सुवण्णगारसेणी एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता तं दिव्वं कुंडलजुयलं गेण्हइ २ त्ता जेणेव सुवण्णगारभिसियाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुवण्णगारभिसियासु निवेसेइ २ त्ता वहूहिं आएहि य जाव परिणामेमाणा इच्छ(न्ति)इ तस्स दिव्वस्स कुंडलजुयलस्स संधिं घडित्तए नो चेव णं संचाएइ (सं)घडित्तए। तए णं सा सुवण्णगारसेणी जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी! अज्ज तु(ब्भे)म्हे अम्हे सद्दावेह जाव संधिं संघाडेत्ता ए(य)वमा(णं)णत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं अम्हे तं दिव्वं कुंडलजुयलं गेण्हामो जेणेव सुवण्णगारभिसियाओ जाव नो संचाएमो संघाडित्तए। तए णं अम्हे सामी! एयस्स दिव्वस्स कुंडलस्स अन्नं सरिसयं कुंडलजुयलं घडेमो। तए णं से कुंभए राया तीसे सुवण्णगारसेणीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते ४ तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु एवं वयासी-(से के)केस णं तुब्भे कलायाणं भवह (?) जे णं तुब्भे इमस्स [दिव्वस्स] कुंडलजुयलस्स नो संचाएह संधिं संघाडित्तए? ते सुवण्णगारे निव्विसए आणवेइ। तए णं ते सुवण्णगारा कुं(भे)भगेणं रन्ना निव्विसया आणत्ता समाणा जेणेव साइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सभंडमत्तोवगरणमाया(ओ)ए मिहिलाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं निक्खमंति २ त्ता विदेहस्स जणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव कासी जणवए जेणेव वाणारसी नयरी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अग्गुज्जाणंसि सगडीसागडं मोएंति २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं गेण्हंति

२ त्ता वाणारसीए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव संखे कासीराया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति २ त्ता (पाहुडं पुरओ ठावेंति २ त्ता संखरायं) एवं वयासी–अम्हे णं सामी ! मिहिलाओ (नयरीओ) कुंभएणं रन्ना निव्विसया आणत्ता समाणा इ(हं)ह हव्वमागया, तं इच्छामो णं सामी ! तुब्भं बाहुच्छायापरिग्गहिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहंसुहेणं परिवसिउं । तए णं संखे कासीराया ते सुवण्णगारे एवं वयासी–किं णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! कुंभएणं रन्ना निव्विसया आणत्ता ? । तए णं ते सुवण्णगारा संखं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! कुंभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए कुंडलजुयलस्स संधी विसंघडिए । तए णं से कुंभए सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ जाव निव्विसया आणत्ता । तं एएणं कारणेणं सामी ! अम्हे कुंभएणं निव्विसया आणत्ता । तए णं से संखे सुवण्णगारे एवं वयासी–केरिसिया णं देवाणुप्पिया ! कुंभ(ग)स्स [रन्नो] धूया पभावईदेवीए अत्तया मल्ली विदेहरायवरकन्ना ? । तए णं ते सुवण्णगारा सं(ख)खं रायं एवं वयासी–नो खलु सामी ! अन्ना का(ई)वि तारिसिया देवकन्ना वा गंधव्वकन्ना वा जाव जारिसिया णं मल्ली २ । तए णं से संखे कुंडल(जुअल)जणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव तहेव पहारेत्थ गमणाए (४) ॥ ७९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुरुजणवए होत्था । हत्थिणाउरे नयरे । अदीणसत्तू नामं राया होत्था जाव विहरइ । तत्थ णं मिहिलाए [तस्स णं] कुंभगस्स पुत्ते पभावईए अत्तए मल्लीए अणु[मग्ग]जायए मल्लदि(ण्णए)न्ने नामं कुमारे जाव जुवराया यावि होत्था । तए णं मल्लदिन्ने कुमारे अन्नया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे मम पमदवणंसि एगं महं चित्तसभं करेह अणेग जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से मल्लदिन्ने चित्तगरसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! चित्तसभं हावभावविलासविब्बोयकलिएहिं रूवेहिं चित्तेह जाव पच्चप्पिणह । तए णं सा चित्तगरसेणी तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सयाइं गिहाइं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तूलियाओ वण्णए य गेण्हइ २ त्ता जेणेव चित्तसभा तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता) अणुप्पविसइ २ त्ता भूमिभागे विरयइ २ त्ता भूमिं सज्जेइ २ त्ता चित्तसभं हावभाव जाव चित्तेउं पयत्ता यावि होत्था । तए णं एगस्स चित्तगरस्स इमेयारूवा चित्तगरलद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया–जस्स णं दुपयस्स वा चउ(प)प्पयस्स वा अपयस्स वा एगदेसमवि पासइ तस्स णं देसाणुसारेणं तयाणुरूवं [रूवं] नि(व्व)वत्तेइ । तए णं से चित्तगर(दार)ए मल्लीए जवणियंतरियाए जालंतरेण पायंगुट्ठं पासइ । तए णं तस्स(णं) चित्तगरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–सेयं खलु ममं मल्लीए २ पायंगुट्ठाणुसारेणं सरिसगं जाव गुणोववेयं

रूवं निव्वत्तित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता भूमिभागं सज्जेइ (२ त्ता) मल्लीए २ पायंगुट्ठा-णुसारेणं जाव निव्वत्तेइ। तए णं सा चित्तगरसेणी चित्तसभं जाव हावभा(वे)त्तं चित्तेइ २ त्ता जेणेव मल्लदिन्ने कुमारे तेणेव उवागच्छइ जाव ए(य)वमाणत्तियं पच्च-प्पिणइ। तए णं मल्लदिन्ने चित्तगरसेणिं सक्कारेइ २(०) विपुलं जीवियारिहं पीइदाणं द(ले)लयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं मल्लदिन्न (कुमारे) अन्नया ण्हाए अंतेउ-रपरियालसंपरिवुडे अम्मधाईए सद्धिं जेणेव चित्तसभा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चित्तसभं अणुप्पविसइ २ त्ता हावभावविलास(वि)विब्बोयकलियाइं रूवाइं पासमाणे (२) जेणेव मल्लीए २ तयाणुरू(वे)त्तं निव्वत्तिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से मल्लदिन्ने (कुमारे) मल्लीए २ तयाणुरूत्तं निव्वत्तियं पासइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एस णं मल्ली २ तिकट्टु लज्जिए वीडिए वि(अडे)ड्डे सणियं २ पच्चोसक्कइ। तए णं [तं] मल्लदिन्नं अम्मधाई [सणियं २] पच्चोसक्कंतं पासित्ता एवं वयासी-किन्नं तुमं पुत्ता! लज्जिए वीडिए विड्ड सणियं २ पच्चोसक्कसि?। तए णं से मल्लदिन्ने अम्मधाइं एवं वयासी-जुत्तं णं अम्मो! मम जेट्ठाए भगिणीए गुरुदेवय-भूयाए लज्जणिज्जाए मम चित्तगरणिव्वत्तियं सभं अणुपविसित्तए?। तए णं अम्म-धाई मल्लदिन्नं कुमारं एवं वयासी-नो खलु पुत्ता! एस मल्ली, एस णं मल्लीए २ चित्तगरएणं तयाणुरूवे निव्वत्तिए। तए णं [से] मल्लदिन्ने अम्मधाईए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते [४] एवं वयासी-केस णं भो (!) [से] चित्त(य)गरए अपत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए जे णं मम जेट्ठाए भगिणीए गुरुदेवयभूयाए जाव निव्वत्तिए-त्तिकट्टु तं चित्तगरं वज्झं आणवेइ। तए णं सा चित्तगर(र)सेणी इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा जेणेव मल्लदिन्ने कुमारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी! तस्स चित्तगरस्स इमेयारूवा चित्त(क)गरलद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया-जस्स णं दुपयस्स वा जाव निवत्तेइ, तं मा णं सामी! तुब्भे तं चित्तगरं वज्झं आणवेह, तं तुब्भे णं सामी! तस्स चित्तगरस्स अन्नं तयाणुरूवं दंडं निव्वत्तह। तए णं से मल्लदिन्ने तस्स चित्तगरस्स संडासगं छिंदावेइ २ त्ता निव्वि-सयं आणवेइ। तए णं से चित्तगरए मल्लदिन्नेणं निव्विसए आणत्ते (समाणे) सभंड-मत्तोवगरणमायाए मिहिलाओ नयरीओ निक्खमइ २ त्ता विदेहं जणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव कुरुजणवए जेणेव हत्थिणाउरे नयरे (जेणेव अदीणसत्तू राया) तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भंडनिक्खेवं करेइ २ त्ता चित्तफलगं सज्जेइ २ त्ता मल्लीए २ पायंगुट्ठाणुसारेण रूवं निव्वत्तेइ २ त्ता कक्खंतरंसि छुब्भइ २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं गेण्हइ २ त्ता हत्थिणाउरं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव अदीणसत्तू राया तेणेव उवा-

गच्छइ २ त्ता तं करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं सामी! मिहिलाओ रायहाणीओ कुंभगस्स रन्नो पुत्तेणं पभावईए देवीए अत्तएणं मल्लदिन्नेणं कुमारेणं निव्विसए आणत्ते समाणे इ(ह)हं हव्वमागए, तं इच्छामि णं सामी! तुब्भं बाहुच्छायापरिग्गहिए जाव परिवसित्तए। तए णं से अदीणसत्तू राया तं चित्तगरदारयं एवं वयासी-किन्नं तुमं देवाणुप्पिया! मल्लदिन्नेणं निव्विसए आणत्ते?। तए णं से चित्त(य)गरदारए अदीणस(त्तु)त्तुं रायं एवं वयासी-एवं खलु सामी! मल्लदिन्ने कुमारे अन्नया कया(ई)इ चित्तगरसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम चित्तसभं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव मम संडासगं छिंदावेइ २ त्ता निव्विसयं आणवेइ, तं एवं खलु [अहं] सामी! मल्लदिन्नेणं कुमारेणं निव्विसए आणत्ते। तए णं अदीणसत्तू राया तं चित्तगरं एवं वयासी-से केरिसए णं देवाणुप्पिया! तुमे मल्लीए त(दा)हाणुरूवे (रूवे) निव्वत्तिए?। तए णं से चित्तगरे कक्खंतराओ चित्तफल(यं)गं नीणेइ २ त्ता अदीणसत्तुस्स उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं सामी! मल्लीए २ तयाणुरूवस्स रूवस्स केइ आगारभावपडोयारे निव्वत्तिए, नो खलु सक्का केणइ देवेण वा जाव मल्लीए २ तयाणुरूवे रूवे निव्वत्तित्तए। तए णं [से] अदीणसत्तू (राया) पडिरूवजणियहासे दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी तहेव जाव पहारेत्थ गम(णया)णाए (५) ॥८०॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पंचाले जणवए कंपि(ल्ले)ल्लपुरे (नामं) नयरे (होत्था)। जियसत्तू नामं राया पंचालाहिवई। तस्स णं जियसत्तुस्स धारिणीपामोक्खं दे(वि)वीसहस्सं ओरोहे होत्था। तत्थ णं मिहिलाए चोक्खा नामं परिव्वाइया रिउव्वेय जाव [सु]परिणिट्ठिया यावि होत्था। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मिहिलाए बहूणं राईसर जाव सत्थवाहपभिईणं पुरओ दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवेमाणी पन्नवेमाणी परूवेमाणी उवदंसेमाणी विहरइ। तए णं सा चोक्खा (परिव्वाइया) अन्नया कयाइं तिदंडं च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ (य) ४ गेण्हइ २ त्ता परिव्वाइगावसहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पविरलपरिव्वाइयासद्धिं संपरिवुडा मिहिलं रायहाणिं मज्झंमज्झेणं जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे जेणेव कन्नंतेउरे जेणेव मल्ली २ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उदयपरि(फा)फोसियाए दब्भोवरि पच्चत्थुयाए भिसियाए नि(सि)सीयइ २ त्ता मल्लीए २ पुरओ दाणधम्मं च जाव विहरइ। तए णं मल्ली २ चोक्खं परिव्वाइयं एवं वयासी-तुब्भे णं चोक्खे! किंमूलए धम्मे पन्नत्ते?। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लिं २ एवं वयासी-अम्हं णं देवाणु..! सोयमूलए धम्मे पन्न(वेमि)त्ते, जं णं अम्हं किंचि असुई भवइ तं णं उद-

एण य मट्टियाए जाव अविग्घेणं सग्गं गच्छामो। तए णं मल्ली २ चोक्खं परिव्वाइयं एवं वयासी–चोक्खा! से जहानामए के(ई)इ पुरिसे रुहिरकयं वत्थं रुहिरे(ण)णं चेव धोवेज्जा अत्थि णं चोक्खा! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेणं धोव्वमाणस्स का(ई)इ सोही? नो इणट्ठे समट्ठे। एवामेव चोक्खा! तुब्भे णं पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं नत्थि काइ सोही जहा (व) वा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेणं चेव धोव्वमाणस्स। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लीए २ एवं वुत्ता समा-(णा)णी संकिया कंखिया विइगिच्छिया भेयसमावन्ना जाया(या)वि होत्था मल्लीए नो संचाएइ किंचिवि पामोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं तं चोक्खं मल्लीए ?] व(हु)हूओ दासचेडीओ हीलेंति निंदंति खिसंति ग(र)रिहंति अप्पेगइया [ओ] हेरुया(ल)लेंति अप्पेगइया मुहमक्कडियाओ करेंति अप्पेगइया वग्घाडीओ करेंति अप्पेगइया त(ज्ज)ज्जेमाणीओ (क० अ०) तालेमा(णि)णीओ (क०अ०) निच्छु(भं)हंति। तए णं सा चोक्खा मल्लीए २ दासचेडियाहिं हीलिज्जमाणी जाव गरहिज्जमाणी आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणी मल्लीए २ पओसमावज्जइ [२] भिसियं गेण्हइ २ त्ता कन्नंतेउराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता मिहिलाओ निग्गच्छइ २ त्ता परिव्वाइयासंपरिवुडा जेणेव पंचालजणवए जेणेव कंपिल्लपुरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वहूणं राईसर जाव परूवेमाणी विहरइ। तए णं से जियसत्तू अन्नया कयाइ अंतेउरपरियालसद्धिं संपरिवुडे एवं जाव विहरइ। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइयासंपरिवुडा जेणेव जियसत्तुस्स रन्नो भवणे जेणेव जियसत्तू तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता) अणुपविसइ २ त्ता जियसत्तुं जएणं विजएणं वद्धावेइ। तए णं से जियसत्तू चोक्खं परिव्वाइयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता चोक्खं (परिव्वाइयं) सक्कारेइ २(०) आसणेणं उवनिमंतेइ। तए णं सा चोक्खा उदगपरिफोसियाए जाव भिसियाए निविसइ जियसत्तुं रायं रज्जे य जाव अंतेउरे य कुसलोदंतं पुच्छइ। तए णं सा चोक्खा जियसत्तुस्स रन्नो दाणधम्मं च जाव विहरइ। तए णं से जियसत्तू अप्पणो ओरोहंसि (जाव विम्हिए) जायविम्हए चोक्खं (परिव्वाइयं) एवं वयासी–तुमं णं देवाणुप्पिया! बहूणि गामागर जाव (अडह) आहिंडसि वहूण य राईसरगिहाइं अणुप्पविस(सि)हि, तं अत्थियाइं ते कस्स(वि)इ रन्नो वा जाव एरिसए ओरोहे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमे म(ह)म ओ(उव)रोहे?। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया जियसत्तुं (रायं) एवं (वयासी–)ईसिं अवहसियं करेइ २ त्ता एवं वयासी–(एवं च) सरिसए णं तुमं देवाणुप्पिया! तस्स अगडदद्दुरस्स। केस णं देवाणुप्पिए! से अगडदद्दुरे? जियसत्तू! से जहानामए अगडदद्दुरे सिया, से णं तत्थ जाए तत्थेव वु(ड्ढे)-

ट्ठिए अन्नं अगडं वा तलागं वा दहं वा सरं वा सागरं वा अपासमाणे (नेवं) मन्नइ-अयं चेव अगडे वा जाव सागरे वा। तए णं तं कूवं अन्ने सामुद्दए दद्दुरे हव्वमागए। तए णं से कूवदद्दुरे तं स(सा)मुद्ददद्दुरं एवं वयासी-से केस णं तुमं देवाणुप्पिया! कत्तो वा इह हव्वमागए? तए णं से सामुद्दए दद्दुरे तं कूवदद्दुरं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अहं सामुद्दए दद्दुरे। तए णं से कूवदद्दुरे तं सामुद्दयं दद्दुरं एवं वयासी-केमहालए ण देवाणुप्पिया! से समुद्दे?। तए णं से सामुद्दए दद्दुरे तं कूव-दद्दुरं एवं वयासी-महालए णं देवाणुप्पिया! समुद्दे। तए णं से कूवदद्दुरे पाएणं लीहं कड्ढेइ २ त्ता एवं वयासी-एमहालए णं देवाणुप्पिया! से समुद्दे? नो इणट्ठे समट्ठे, महालए णं से समुद्दे। तए णं से कूवदद्दुरे पुर(च्छि)त्थिमिल्लाओ तीराओ उप्फिडि-त्ताणं[पच्चत्थिमिल्लं तीरं]गच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एमहालए णं देवाणुप्पिया! से समुद्दे? नो इणट्ठे(समट्ठे)तहेव। एवामेव तुमंपि जियसत्तू अन्नेसिं बहूणं राईसर जाव सत्थवाह(प)प्पभिईणं भज्जं वा भगिणिं वा धूयं वा सुण्हं वा अपासमाणे जा(णे)णसि जारिसए मम चेव णं ओरोहे तारिसए नो अन्नस्स। तं एवं खलु जियसत्तू! मिहि-लाए नयरीए कुंभगस्स धूया पभावईए अत्तिया मल्लीनामं(ति)२ रूवेण य(जुव्वणेण) जाव नो खलु अन्ना काइ देवकन्ना वा जारिसिया मल्ली। विदेहवररायकन्नाए छिन्नस्स वि पायंगुट्ठगस्स इमे तव ओरोहे सयसहस्सइमंपि कलं न अग्घइ-त्तिकट्टु जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया। तए णं से जियसत्तू परिव्वाइयाजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव पहारेत्थ गमणाए(६)॥ ८१॥ तए णं तेसिं जियस(त्तु)त्तूपामो-क्खाणं छण्हं राईणं दूया जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं छप्पि (य)दू(तका)यगा जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलाए अग्गुज्जाणंसि पत्तेयं २ खंधावारनिवेसं करेंति २ त्ता मिहिलं रायहाणिं अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पत्तेयं(२)करयल जाव साणं २ राईणं वय-णाइं निवेदेंति। तए णं से कुंभए(राया)तेसिं दूयाणं(अंतिए)एयमट्ठं सोच्चा आसुरुत्ते जाव तिवलियं भिउडिं(णिडाले साहट्टु)एवं वयासी-न देमि णं अहं तुब्भं मल्लिं २ तिकट्टु ते छप्पि दूए असक्कारिय असम्माणिय अवदारेणं निच्छुभावेइ। तए णं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं दूया कुंभएणं रन्ना असक्कारिया असम्माणिया अवद्दारेणं निच्छुभाविया समाणा जेणेव सगा २ ज(जा)णवया जेणेव सयाइं २ नगराइं जेणेव स(गा)या २ रायाणो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु सामी! अम्हे जियस(त्तू)त्तुपामोक्खाणं छण्हं रा(ई)याणं दूया जमगसमगं चेव जेणेव मिहिला जाव अवदारेणं निच्छुभावेइ। तं न देइ णं

सामी! कुंभए मल्लिं २। साणं २ राईणं एयमट्ठं निवेदिंति। तए णं ते जियसत्तु-पामोक्खा छप्पि रायाणो तेसिं दूयाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा(निसम्म)आसुरुत्ता अन्नमन्नस्स दूयसंपेसणं करेंति (०) एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं छण्हं राईणं दूया जमगसमगं चेव जाव निच्छूढा। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया!(अम्हं) कुंभगस्स जत्तं गेण्हित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता ण्हाया सन्नद्धा हत्थिखंधवरगया सको(रं)रिंटमल्लदामा जाव सेयवरचामराहिं(०)महया-हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं सएहिं[नो]२ नगरेहिंनो जाव निग्गच्छंति २ त्ता एगयओ मिलायंति(२त्ता) जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं कुंभए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे बलवाउयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव(भो देवाणुप्पिया!) हय जाव सेन्नं सन्नाहेह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं कुंभए(राया)ण्हाए सन्नद्धे हत्थि-खंधवरगए जाव सेयवरचाम(राहिं)रए महया (०) मिहिलं(रायहाणिं)मज्झंमज्झेणं नि(ग्गच्छइ)ज्जाइ २ त्ता विदे(हं)हजणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव देसअंते तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता)खंधावारनिवेसं करेइ २ त्ता जियसत्तूपामोक्खा छप्पि य रायाणो पडिवालेमाणे जुज्झसज्जे पडिचिट्ठइ। तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा छप्पि(य) रायाणो जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता कुंभएणं रन्ना सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था। तए णं (ते) जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो कुंभयं रायं हयमहिय-पवरवीरघाइय(नि)विवडियचिंध(द्ध)धय(छत्त) पडागं किच्छप्पाणोवगयं दिसोदि(सिं)-सं पडिसे(हिं)हंति। तए णं से कुंभए (राया)जियसत्तुपामोक्खेहिं छहिं राईहिं हय-महिय जाव पडिसेहिए समाणे अत्थामे अबले अवीरिए जाव अधारणिजमितिकट्टु सिग्घं तुरियं जाव वेइयं जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मिहिलं अणुपवि-सइ २ त्ता मिहिलाए दुवाराइं पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठइ। तए णं ते जिय-सत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलं रायहाणिं निस्संचारं निरुच्चारं सव्वओ समंता ओरुंभित्ताणं चिट्ठंति। तए णं से कुंभए(राया)मिहिलं रायहाणिं रुद्धं जाणित्ता अ(ब्भं)िंभतरियाए उवट्ठाणसालाए सीहासणवरगए तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं छिद्दाणि य विवराणि य मम्माणि य अलभमाणे बहूहिं आएहि य उवाएहि य उप्पत्तियाहि य ४ बुद्धीहिं परिणामेमाणे २ किंचि आयं वा उवायं वा अलभमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ। इमं च णं मल्ली २ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं परि-वुडा जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कुंभगस्स पायग्गहणं करेइ। तए णं

कुंभए(राया)मल्लिं २ नो आढाइ नो परियाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं मल्ली २ कुंभगं(रायं)एवं वयासी–तुब्भे णं ताओ! अन्नया ममं एज्जमाणं जाव निवेसेह, किन्नं तुब्भं अज्ज ओहय जाव झियायह ? । तए णं कुंभए मल्लिं २ एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता! तव कज्जे जियसत्तुपामोक्खेहिं छहिं राईहिं दूया संपेसिया । ते णं मए असक्कारिया जाव निच्छूढा । तए णं(ते)जियसत्तूपा(मु)मोक्खा तेसिं दूयाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा परिकुविया समाणा मिहिलं रायहाणिं निस्संचारं जाव चिट्ठंति । तए णं अहं पुत्ता(!)तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं अंतराणि अलभमाणे जाव झियामि । तए णं सा मल्ली २ कुंभ(यं)गं रायं एवं वयासी–मा णं तुब्भे ताओ! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह, तुब्भे णं ताओ! तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं पत्तेयं २ रह(सियं)स्सिए दूयसंपेसे करेह एगमेगं एवं वयह–तव देमि मल्लिं २ तिकट्टु संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि निसंत-पडिनिसंतंसि पत्तेयं २ मिहिलं रायहाणिं अणुप्प(वे)विसेह २ त्ता गब्भघरएसु अणुप्पविसेह मिहिलाए रायहाणीए दुवाराइं पिहेह २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठह । तए णं कुंभए(राया)एवं तं चेव जाव पवेसेइ रोहसज्जे चिट्ठइ । तए णं ते जियसत्तु-पामोक्खा छप्पि(य)रायाणो कल्लं(पाउब्भूया)जाव [जलंते] जालंतरेहिं कणगमयं मत्थयछिड्डं पउमुप्पलपिहाणं पडिमं पासंति एस णं मल्ली २ तिकट्टु मल्लीए २ रूवे य जोव्वणे य लावण्णे य मुच्छिया गिद्धा जाव अज्झोववन्ना अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणा २ चिट्ठंति । तए णं सा मल्ली २ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ता जेणेव जालघरए जेणेव कण(य)गपडिमा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तीसे कण पडिमाए मत्थयाओ तं पउमं अवणेइ । तए णं गंधे निद्धा(व)वेइ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव असुभतराए चेव । तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा तेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरि(ज्जए)ज्जेहिं आसाइं पिहेंति २ त्ता परम्मुहा चिट्ठंति । तए णं सा मल्ली २ ते जियसत्तुपामोक्खे एवं वयासी–किं णं तु(ब्भं)ब्भे देवाणुप्पिया! सएहिं २ उत्तरिज्जेहिं जाव परम्मुहा चिट्ठह ? । तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा मल्लिं २ एवं वयंति–एवं खलु देवाणुप्पिए! अम्हे इमेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ जाव चिट्ठामो । तए णं मल्ली २ ते जियसत्तूपामोक्खे एवं वयासी–जइ ताव देवाणुप्पिया! इमीसे कणग जाव पडिमाए कल्लाकल्लिं ताओ मणुन्नाओ असणाओ ४ एगमेगे पिंडे पक्खिप्पमाणे २ इमेयारूवे असुभे पोग्ग(ल)ले परिणामे इमस्स पुण ओरालियसरीरस्स खेलासवस्स वंतासवस्स पित्तासवस्स सु(क्क)क्कासवस्स सोणियपूयासवस्स दु(रूव)रूयऊसासनीसा-

सस्स दुरुयमुत्त(पु)पूइयपुरीसपुण्णस्स सडण जाव धम्मस्स केरिसए[य]परिणामे भविस्सइ ? तं मा णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! माणुस्सएसु कामभोगेसु सज्जह रज्जह गिज्झह मुज्झह अज्झोववज्जह । एवं खलु देवाणुप्पिया !(तुम्हे)अम्हे इ(माओ,मे तच्चे भवग्गहणे अवरविदेहवासे सलिलावईविजए वीयसोगाए रायहाणीए महब्बलपामोक्खा सत्त(वि)पियवालवयंसया रायाणो होत्था सहजाया जाव पव्वइया । तए णं अहं देवाणुप्पिया ! इमेणं कारणेणं इत्थीनामगोयं कम्मं निव्वत्तेमि-जइ णं तु(ब्भं)ब्भे चउ(चो)त्थं उवसंपज्जित्ताणं विहरह त(ए)ओ णं अहं छट्ठं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि सेसं तहेव सव्वं। तए णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! कालमासे कालं किच्चा जयंते विमाणे उववन्ना । तत्थ णं तु(ब्भे)ब्भं देसूणाइं वत्तीसाइं सागरोवमाइं ठिई । तए णं तुब्भे ताओ देवलो(या)गाओ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ (जाव) साइं २ रज्जाइं उवसंपज्जित्ताणं विहरह । तए णं अहं(देवाणुप्पिया !)ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव दारियत्ताए पच्चायाया । किं(थ)च तयं पम्हुट्ठं जं थ तया भो जयंतपवरंमि । वुत्था समयनिवद्धं देवा तं संभरह जाइं ॥ १ ॥ तए णं तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं रा(या)ईणं मल्लीए २ अंतिए एयमट्ठं सोच्चा २ सुभेणं परिणामेणं पसत्थेणं अज्झवसाणेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहा(वू)पूह जाव सन्निजाईसरणे समुप्पन्ने एयमट्ठं सम्मं अभिसमागच्छंति । तए णं मल्ली अरहा जियसत्तुपामोक्खे छप्पि रायाणो समुप्पन्नजा(इ)ईसरणे जाणित्ता गब्भघराणं दाराइं विहा(डावे)डेइ । तए णं(ते) जियसत्तुपामोक्खा जेणेव मल्ली अरहा तेणेव उवागच्छंति । तए णं महब्बलपामोक्खा सत्त पियवालवयंसा एगयओ अभिसमन्नागया(या)वि होत्था । तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे छप्पि(य)रायाणो एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! संसारभ(य)उव्विग्गा जाव पव्वयामि, तं तुब्भे णं किं करेह किं ववसह(जाव)किं भे हियसामत्थे ? । तए णं जियसत्तुपामोक्खा(छ० रा०)मल्लिं अरहं एवं वयासी-जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! संसार जाव पव्वयह अम्हाणं देवाणुप्पिया ! के अन्ने आलंवणे वा आहारे वा पडिवंधे वा ? जह चेव णं देवाणुप्पिया ! तुब्भे अ(म्हे)म्हं इओ तच्चे भवग्गहणे वहूसु कज्जेसु य मेढी पमाणं जाव धम्मधुरा होत्था त(हा)ह चेव णं देवाणुप्पिया ! इण्हिंपि जाव भविस्सह । अम्हे वि(य)णं देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गा जाव भीया जम्मगमरणाणं देवाणुप्पिया-(णं)सद्धिं मुंडा भवित्ता जाव पव्वयामो । तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे एवं वयासी-(जं)जइ णं तुब्भे संसार जाव मए सद्धिं पव्वयह तं गच्छह णं तुब्भे

देवाणुप्पिया ! सएहिं २ रज्जेहिं जे(ट्ठे)ट्ठपुत्ते रज्जे ठावेह २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूहह(दुरूढा समाणा)२ त्ता मम अंतियं पाउब्भवह । तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा मल्लिस्स अरहओ एयमट्ठं पडिसुणेंति । तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामो(क्खे)क्खा गहाय जेणेव कुंभए (राया) तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कुंभगस्स पाएसु पाडेइ । तए ण कुंभए (राया) ते जियसत्तुपामोक्खा विउलेणं असणेणं ४ पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ जाव पडिविसज्जेइ । तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा कुंभएणं रन्ना विसज्जिया समाणा जेणेव साइं २ रज्जाइं जेणेव नगराइ तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सगाइं [२] रज्जाइं उवसंपज्जित्ता[णं] विहरंति । तए णं मल्ली अरहा संवच्छरावसाणे निक्खमिस्सामित्ति मणं पहारेइ ॥ ८२ ॥ तेणं कालेणं तेण समएणं सक्कस्स आसणं चलइ । तए णं सक्के देविंदे देवराया आसणं चलियं पासइ २ त्ता ओहिं पउंजइ २ त्ता मल्लिं अरहं ओहिणा आभोएइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु जंबुद्दीवे २ भारहे वासे मिहिलाए कुंभगस्स रन्नो मल्ली अरहा निक्खमिस्सामित्ति मणं पहारेइ । तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पन्नमणागयाणं सक्काणं (३) अरहंताणं भगवंताणं निक्खममाणाणं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं द(लि)लइत्तए तंजहा–तिण्णेव य कोडिसया अट्ठासीइं च हुं(हों)ति कोडीओ । असिइं च सयसहस्सा इंदा दलयति अरहाणं ॥ १ ॥ एवं संपेहेइ २ त्ता वेसमणं देवं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जाव असीइं च सयसहस्साइं दलइत्तए, तं गच्छह णं देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवे (दीवे) भारहे वासे मिहिलाए कुंभगभवणंसि इमेयारूवं अत्थसंपयाणं साहराहि २ त्ता खिप्पामेव मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि । तए णं से वेसमणे देवे सक्केणं देविंदेणं(०) एवं वुत्ते (समाणे) हृ(०)ट्ठे करयल जाव पडिसुणेइ २ त्ता जंभए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवं २ भारहं वासं मिहिलं रायहाणिं कुंभगस्स रन्नो भवणंसि तिन्नेव य कोडिसया अट्ठासीयं च कोडीओ अ(सि)सीयं च सयसहस्साइं अयमेयारूवं अत्थसंपयाणं साहरह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं ते जंभगा देवा वेसमणेणं जाव सुणेत्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमंति जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं वि(इ)उव्वंति २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव वीइवयमाणा जेणेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जेणेव मिहिला रायहाणी जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता कुंभगस्स रन्नो [illegible] तिन्नि कोडिसया जाव साहरंति २ त्ता जेणेव वेसमणे देवे तेणेव उवागच्छंति [illegible] करयल जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से वेसमणे देवे जेणेव सक्के ३ तेणेव

उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव पच्चप्पिणइ। तए णं मल्ली अरहा कल्लाकल्लिं जाव मागहओ पायरासो त्ति बहूणं सणाहाण य अणाहाण य पहियाण य पंथियाण य करोडियाण य कप्पडियाण य एगमेगं हिरण्णकोडिं अट्ठ य अणूणाइं सयसहस्साइं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं दलयइ। तए णं (से)कुंभए(राया) मिहिलाए रायहाणीए तत्थ २ तहिं २ देसे २ बहूओ महाणससालाओ करेइ। तत्थ णं बहवे मणुया दिन्नभइ-भत्तवेयणा विउलं असणं ४ उवक्खडेंति (०) जे जहा आगच्छंति तंजहा-पंथिया वा पहिया वा करोडिया वा कप्पडिया वा पासंडत्था वा गिहत्था वा तस्स य तहा आसत्थस्स वीसत्थस्स सुहासणवरगयस्स तं विउलं असणं ४ परिभाएमाणा परिवेसेमाणा विहरंति। तए णं मिहिलाए सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ-एवं खलु देवाणुप्पिया! कुंभगस्स रन्नो भवणंसि सव्वकामगुणियं किमिच्छियं विपुलं असणं ४ बहूणं समणाण य जाव परिवेसिज्जइ। वरवरिया घोसिज्जइ किमिच्छियं दिज्जए बहुविहीयं। सुरअसुरदेवदाणवनरिंदमहियाण निक्खमणे॥ १॥ तए णं मल्ली अरहा संवच्छरेणं तिन्नि कोडिसया अट्ठासी(तिं)यं च होंति कोडीओ अ(सिर्ति)सीयं च सयसहस्साइं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं दलइत्ता निक्खमामित्ति मणं पहारेइ॥ ८३॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं लोगंतिया देवा बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणपत्थडे सएहिं २ विमाणेहिं सएहिं २ पासायवडिंसएहिं पत्तेयं २ चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं तिहिं परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अन्नहि य बहूहिं लोगंतिएहिं देवेहिं सद्धिं संपरिवुडा महयाहयनट्टगीयवाइय जाव रवेणं भुंजमाणा विहरंति तंजहा—सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य। तुसिया अव्वावाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य॥ १॥ तए णं तेसिं लो(यं)गंतियाणं देवाणं पत्तेयं २ आसणाइं चलंति तहेव जाव अरहंताणं निक्खममाणाणं संबोहणं क(रे)रित्तए-त्ति तं गच्छामो णं अम्हे मल्लिस्स अरहओ संबोहणं करे(मि)मो-त्तिकट्टु एवं संपेहेंति २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभा(यं०)गं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति(०) सं(खि)खेज्जाइं जोयणाइं एवं जहा जंभगा जाव जेणेव मिहिला रायहाणी जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे जेणेव मल्ली अरहा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अंतलिक्खपडिवन्ना सखिंखिणियाइं जाव वत्थाइं पवरपरिहिया करयल जाव ताहिं इट्ठाहिं (जाव) एवं वयासी-बुज्झाहि भगवं(!) लोग नाहा! पवत्तेहि धम्मतित्थं जीवाणं हियसुहनिस्सेयसकरं भविस्सइ-त्तिकट्टु दोच्चपि तच्चंपि एवं वयंति (०) मल्लिं अरहं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भू(आ)या तामेव दिसिं पडिगया। तए णं मल्ली अरहा तेहिं लोगंतिएहिं देवेहिं संबोहिए समाणे जेणेव

अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-इच्छामि णं अम्म· याओ ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइत्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करे(हि)ह । तए णं कुंभए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी- खिप्पामेव अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं [कलसाणं] जाव भोमेज्जाणं (ति) अन्नं च महत्थं जाव तित्थयराभिसेयं उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे जाव अच्चुयपज्जवसाणा आगया । तए णं सक्के (३) आभिओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं (कलसाणं) जाव अन्नं च तं विपुलं उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तेवि कलसा ते चेव कलसे अणुपविट्ठा । तए णं से सक्के देविंदे देवराया कुंभए य राया मल्लिं अरहं सीहासणंसि पुरत्थाभिमुहं निवेसेइ अट्ठसहस्सेणं सोवण्णियाणं जाव अभि· सिंचंति । तए णं मल्लिस्स भगवओ अभिसेए वट्टमाणे अप्पेगइया देवा मिहिलं च सब्भित(रं)रवा(हिं)हिरं जाव सव्वओ समंता [सं]परिधावंति । तए णं कुंभए राया दोच्चंपि उत्तरावक्कमणं जाव सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव मणोरमं सीयं उवट्ठवेह ते उवट्ठवेंति । तए णं सक्के (३) आभिओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव अणेगखंभ जाव (मणोरमं) सीयं उवट्ठवेह जाव सावि सीया तं चेव सीयं अणुप्पविट्ठा । तए णं मल्ली अरहा सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव मणोरमा सीया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मणोरमं सीयं अणुपयाहिणीकरेमाणा मणोरमं सीयं दुरूहइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे । तए णं कुंभए (राया) अट्ठारस सेणिप्पसेणीओ सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया मल्लिस्स सीयं परिवहह जाव परिवहंति । तए णं सक्के ३ मणोरमाए [सीयाए] दक्खिणिल्लं उवरिल्लं बाहं गेण्हइ । ईसाणे उत्तरिल्लं उवरिल्लं बाहं गेण्हइ । चमरे दाहिणिल्लं हेट्ठिल्लं बली उत्तरिल्लं हेट्ठिल्लं अवसेसा देवा जहारिहं मणोरमं सीयं परिवहंति-पुव्विं उक्खित्ता माणु(स)सेहिं (तो)सा हट्ठरोमकूवेहिं । पच्छा वहंति सीयं असुरिंदसुरिंदना(गें)गिंदा ॥१॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छंदविउव्वियाभरणधारी । देविंददाणविंदा वहंति सीयं जिणिंदस्स ॥२॥ तए णं मल्लिस्स अरहओ मणोरमं सीयं दुरूढस्स इमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणुपु(व्वीए)व्वेणं एवं निग्गमो जहा जमालिस्स । तए णं मल्लिस्स अरहओ निक्खममाणस्स अप्पेगइया देवा मिहिलं आसिय जाव अब्भितरवासविहिगाहा जाव परिधावंति । तए णं मल्ली अरहा जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २त्ता सीयाओ पच्चोरु(भ)हइ० आभरणालंकारं पभावई पडिच्छइ ।

तए णं मल्ली अरहा सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ। तए णं सक्के २ मल्लिस्स केसे पडिच्छइ (२त्ता) खीरोदगसमुद्दे साहर(पक्खिव)इ। तए णं मल्ली अरहा नमो(ऽ)त्थु णं सिद्धाणं-तिकट्टु सामाइय(च)चारित्तं पडिवज्जइ। जं समयं च णं मल्ली अरहा चारित्तं पडिवज्जइ तं समयं च णं देवाणं [य] माणुसाण य निग्घोसे तु(रि)डिय(नि)णा(य)ए गीयवाइय-निग्घोसे य सक्क(स्स)वयणसंदेसेणं निलुक्के यावि होत्था। जं समयं च णं मल्ली अरहा सामाइ(यं)यचारित्तं पडिवन्ने तं समयं च णं मल्लिस्स अरहओ माणुसधम्माओ उत्तरिए मणपज्जवनाणे समुप्पन्ने। मल्ली णं अरहा जे से हेमंताणं दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे पोससुद्धे तस्स णं पोससुद्धस्स एक्कारसीपक्खेणं पुव्वण्हकालसमयंसि अट्ठमेणं भत्तेणं अपाणएणं अस्सिणीहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं तिहिं इत्थीसएहिं अब्भितरियाए परिसाए तिहिं पुरिससएहिं बाहिरियाए परिसाए सद्धिं मुंडे भवित्ता पव्वइए। मल्लिं अरहं इमे अट्ठ ना(रा)यकुमारा अणुपव्वइंसु तंजहा–नंदे य नंदिमित्ते सुमित्तबलमित्त-भाणुमित्ते य। अमरवइ अमरसेणे महसेणे चेव अट्ठमए ॥ १ ॥ तए णं (से) ते भवणवई ४ मल्लिस्स अरहओ निक्खमणमहिमं करेंति २ त्ता जेणेव नंदीस(रव)रे(०) अट्ठाहियं करेंति जाव पडिगया। तए णं मल्ली अरहा जं चेव दिवसं पव्वइए तस्सेव दिवसस्स पुव्वा(प०)वरण्हकालसमयंसि असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि सुहासणवरगयस्स सुहेणं परिणामेणं(पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं) पसत्थाहिं लेसाहिं (विसुज्झमाणीहिं) तयावरणकम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरणं अणुपविट्ठस्स अणंते जाव केवल[वर]नाणदंसणे समुप्पन्ने ॥८४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सव्वदेवाणं आसणाइं च(लं)लेंति समोसढा सुणेंति अट्ठाहि(य)यं म(हिमा)हा० नंदीस(रे)रं [जाव] जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव (दिसिं) पडिगया। कुंभए वि निग्गच्छइ। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा छप्पि य रायाणो जेट्ठपुत्ते रज्जे ठावेत्ता पुरिससहस्सवाहिणी-याओ दुरूढा सव्विड्ढीए जेणेव मल्ली अरहा जाव पज्जुवासंति। तए णं मल्ली अरहा तीसे महइमहालियाए कुंभगस्स (रण्णो) तेसिं च जियसत्तुपामोक्खाणं धम्मं [परि]कहेइ। परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। कुंभए समणोवासए जाए पडिगए पभावई(य समणोवासिया जाया पडिगया) पि। तए णं जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो धम्मं सोच्चा आलित्तए णं भंते! जाव पव्वइया [जाव] चोद्दसपुव्विणो अणंते केव(ले)ली सिद्धा। तए णं मल्ली अरहा सहसंबवणाओ [पडि]निक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। मल्लिस्स णं (अरहओ) भिसग-(किंसुय)पामोक्खा अट्ठावीसं गणा अट्ठावीसं गणहरा होत्था। मल्लिस्स णं अरहओ [अट्ठ]चत्तालीसं समणसाहस्सीओ उक्को०। बंधुम(ई)इपामोक्खाओ पणपन्नं अज्जिया-

साहस्सीओ उक्को० । सुव्वयपामोक्खा(मल्लिस्स णं अरह)ओ सावयाणं एगा सयसा-हस्सी चुलसीइं (च) सहस्सा (०) सुणंदापामोक्खा(मल्लिस्स णं अरह)ओ सावियाणं तिण्णि सयसाहस्सीओ पण्णट्ठिं च सहस्सा (०) छ(स)चसया चोद्दसपुव्वीणं [संपया ।] वी(स)सं सया ओहिनाणीणं बत्तीसं सया केवलनाणीणं पणतीसं सया वेउव्वियाणं अट्ठसया मणपज्जवनाणीणं चोद्दससया वाईणं वीसं सया अणुत्तरोववाइयाणं । मल्लिस्स [णं] अरहओ दुविहा अंतगडभूमी होत्था तंजहा-जु(यं)गंतकरभूमी परिया-यंतकरभूमी य जाव वीसइमाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी दुवा[ल]सपरियाए अंतमकासी । मल्ली णं अरहा पणवीसं धणू (०) उड्ढं उच्चत्तेणं वण्णेणं पियंगु(स)सामे समचउरंससंठाणे वज्जरिसहनारायसंघयणे मज्झदेसे सुहंसुहेणं विहरित्ता जेणेव सम्मेए पव्वए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता संमेयसेलसिहरे पाओवगमणुववन्ने । मल्ली णं अरहा एगं वाससयं अगारवासमज्झे पणपन्नं वाससहस्साइं वाससयऊणाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता पणपन्नं वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चे(चि)त्तसुद्धे तस्स णं चेत्तसुद्धस्स चउत्थीए भरणीए नक्खत्तेणं अद्धरत्तकालसमयंसि पंचहिं अज्जियासएहिं अब्भिंतरियाए परिसाए पंचहिं अणगार-सएहिं बाहिरियाए परिसाए मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं वग्घारियपाणी खीणे वेयणिज्जे आउए ना(मे)मगोए सिद्धे । एवं परिनिव्वाणमहिमा भाणियव्वा जहा जंबुद्दीवपण्णत्तीए नंदीसरे अट्ठाहियाओ पडिगयाओ । एवं खलु जंबू ! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते-त्तिबेमि ॥ ८५ ॥ **गाहाउ**-उग्गतव-संजमवओ पगिट्ठफलसाहगस्सवि जियस्स । धम्मविसएवि सुहुमावि होइ माया अणत्थाय ॥ १ ॥ जह मल्लिस्स महाबलभवंमि तित्थयरनामबंधेऽवि । तवविसय-थेवमाया जाया जुवइत्तहेउत्ति ॥ २ ॥ **अट्ठमं नायज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स नायज्झय-णस्स अयमट्ठे पन्नत्ते नवमस्स णं भंते ! नायज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था । (तीसे णं चंपाए नयरीए कोणिए नामं राया होत्था तत्थ णं चंपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए) पुण्णभद्दे(नामं) उज्जाणे(होत्था) । तत्थ णं माकंदी नामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं भद्दा नामं भारिया होत्था । तीसे णं भद्दाए अत्तया दुवे सत्थवाहदारया होत्था तंजहा-जिणपालिए य जिणर-क्खिए य । तए णं तेसिं मागंदियदारगाणं अन्नया कयाइ एगयओ इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-एवं खलु अम्हे लवणसमुद्दं पोयवहणेणं एक्कारस

वारा ओगाढा सव्वत्थ वि य णं लद्धट्ठा कयकज्जा अणहसमग्गा पुणरवि निय(य)-गघरं हव्वमागया। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! दुवालसमंपि लवणसमुद्दं पोयवहणेणं ओगाहित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अम्हे अम्मयाओ! एक्कारस वारा तं चेव जाव निय(यं)गघरं हव्वमागया, तं इच्छामो णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणा दुवालस(मं)लवणसमुद्दं पोयवहणेणं ओगाहित्तए। तए णं ते मागंदियदारए अम्मापियरो एवं वयासी—इमे (ते) मे जाया! अज्जग जाव परिभाएत्तए, तं अणुहोह ताव जाया! विपुले माणुस्सए इड्ढीसक्कार-समुदए, किं भे सपच्चवाएणं निरालंबणेणं लवणसमुद्दोत्तारेणं? एवं खलु पुत्ता! दुवालसमी जत्ता सोवसग्गा यावि भवइ, तं मा णं तुब्भे दुवे पुत्ता! दुवालसमंपि लवण जाव ओगाहेह, मा हु तुब्भं सरीरस्स वावत्ती भविस्सइ। तए णं [ते] मा(गं)कंदियदारगा अम्मापियरो दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-एवं खलु अम्हे अम्मयाओ! एक्कारस वारा लवण जाव ओगाहित्तए। तए णं ते मा(गंदी)कंदियदारए अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य (आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा) ताहे अकामा चेव एयमट्ठं अणु(जाणि)मन्नित्था। तए णं ते मार्कंदियदारगा अम्मापिऊहिं अब्भणुन्नाया समाणा गणिमं च धरिमं च मेज्जं च पारिच्छेज्जं च जहा अरहन्नगस्स जाव लवणसमुद्दं बहूइं जो(अ)यणसयाइं ओगाढा ॥ ८६ ॥ तए णं तेसिं माकंदियदारगाणं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढाणं समाणाणं अणेगाइं उप्पाइयसयाइं पाउब्भूयाइं तंजहा-अकाले गज्जियं जाव थणियसद्दे कालियवाए तत्थ समुट्ठिए। तए णं सा नावा तेणं कालियवाएणं आहुणिज्जमाणी २ संचालिज्जमाणी २ संखोभिज्जमाणी २ सलिलतिक्खवेगेहिं अइव(आय)ट्टिज्ज-माणी २ कोट्टिमंसि करतलाहए विव तिं(तें)दूसए तत्थेव २ ओवयमाणी य उप्पयमाणी य उप्पयमाणी-विव धरणीयलाओ सिद्धविज्जा विज्जाहरकन्नगा ओवयमाणी विव गगणतलाओ भट्ठविज्जा विज्जाहरकन्नगा विपलायमाणी विव महागरुलवेगवित्तासिया भुयगवरकन्नगा धावमाणी विव महाजणरसियसद्दवित्तत्था ठाणभट्ठा आसकिसोरी निगुंजमाणी विव गुरुजणदिट्ठावराहा सु(य)जणकुलकन्नगा घुम्ममाणी विव वी(वी)-चिपहारसयतालिया गलियलंबगा विव गगणतलाओ रोयमाणी विव सलिल[भिन्न]-गंठिविप्पइरमाण(घो)थोरंसुवाएहिं नववहू उवरयभत्तुया विलवमाणी विव परचक्करायाभिरोहिया परममहब्भयाभिद्दुया महापुरवरी झायमाणी विव कवडच्छोम[ण]पओग-जुत्ता जोगपरिव्वाइया नीस(निसा)समाणी विव महाकंतारविणिग्गयपरिस्संता

परिणयवया अम्मया सोयमाणी विव तवचरणखीणपरिभोगा च(य)वणकाले देववरवहू संचुण्णियकट्टकूवरा भग्गमेढिमोडियसहस्समाला सूलाइयवंकपरिमासा फलहंतरतडतडेंनफुट्टंतसंधिवियलंतलोह(की)खीलिया सव्वंगवियंभिया परिसडियरज्जुविसरंतसव्वगत्ता आमगमल्लगभूया अकयपुण्णजणमणोरहो विव चिंतिज्जमाणगुरुई हाहाकयकण्णधारनावियवाणियगजणकम्म(गा)करविलविया नाणाविहरयणपणियसंपुण्णा बहूहिं पुरिससएहिं रोयमाणेहिं कंदमाणेहिं सोयमाणेहिं तिप्पमाणेहिं विलवमाणेहिं एगं महं अंतोजलगयं गिरिसिहरमासा(य)इत्ता संभग्गकूवतोरणा मोडिय(झ)ज्झयदंडा वलयसयखंडिया क(र)डकडस्स तत्थेव विद्दवं उवगया। तए णं तीए नावाए भिज्जमाणीए [ते] बहवे पुरिसा विपुलप(डि)णियभंडमायाए अंतोजलंमि निमज्जावि यावि होत्था। तए णं ते मार्कंदियदारगा छेया दक्खा पत्तट्ठा कुसला मेहावी निउणसिप्पोवगया बहुसु पोयवहणसंपराएसु कयक(र)(ण)गा लद्धविजया अमूढा अमूढहत्था एगं महं फलगखंडं आसादेंति। जं(सिं)सि च णं पएसंसि से पोयवहणे विवन्ने तंसि च णं पएसंसि एगे महं रयण(द्दी)दीवे नामं दीवे होत्था अणेगाइं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं अणेगाइं जोयणाइं परिक्खेवेणं नाणादुमसंडमंडिउद्देसे सस्सिरीए पासाईए दरि(दं)सणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे। तस्स णं बहुमज्झदेसभाए (त)त्थ णं महं एगे पासायवडेंसए होत्था अब्भुग्गयमूसि(य)ए जाव सस्सिरी(भू)यरूवे पासाइए ४। तत्थ णं पासायवडेंसए रयणदीवदेवया नामं देवया परिवसइ पावा चंडा रुद्दा खुद्दा साहसिया। तस्स णं पासायव(डिं)डेंसयस्स चउ(द्दि)दिसिं चत्तारि वणसंडा [पन्नत्ता] किण्हा किण्होभासा। तए णं ते मार्कंदियदारगा तेणं फलयखंडेणं उवुज्झमाणा २ रयणदीवंतेणं संवुढा यावि होत्था। तए णं ते मार्कंदियदारगा थाहं लभंति २ त्ता मुहुत्तंतरं आ(स)सासंति २ त्ता फलगखंडं विसज्जंति २ त्ता रयणदीवं उत्त(रं)रेंति २ त्ता फलाणं मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता फलाइं (गि(गे)ण्हंति २ त्ता) आहारेंति २ त्ता नालि(ए)यराणं मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता नालियराइं फोडेंति २ त्ता नालियरतेल्लेणं अन्नमन्नस्स गाया(गत्ता)इं अ(ब्भं)ब्भिगेंति २ त्ता पोक्खरणीओ ओगा(हिं)हेंति २ त्ता जलमज्जणं करेंति २ त्ता जाव पच्चुत्तरंति २ त्ता पुढविसिलापट्टयंसि निसीयंति २ त्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया चं(पा)पं नयरिं अम्मापिउआपुच्छणं च लवणसमुद्दोत्ता(रं)रणं च कालियवायसं(स)मु(त्थ)च्छणं च पोयवहणविवत्तिं च फलयखंड[य]स्स आसायणं च रयणदी(वु)वोत्तारं च अणुचिंतेमाणा २ ओहयमणसंकप्पा जाव झिया(यें)यंति। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मार्कंदियदारए ओहिणा आभोएइ २ त्ता असिफलगवग्गहत्था सत्त[अ]ट्ठ(ता)तलप्पमाणं

उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए वी(इ)ईवयमाणी २ जेणेव *मार्कंदियदारए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आसुरुत्ता [ते] मार्कंदियदारए खरफरुसनिट्ठुर-*वयणेहिं एवं वयासी-हं भो मार्कंदियदारया ! (अपत्थियपत्थिया !) जइ णं तुब्भे मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरह तो भे अत्थि जीवि(अं)यं, अह(०)णं तुब्भे मए सद्धिं विउलाइं नो विहरह तो भे इमेणं नीलुप्पलगवलगुलिय जाव खुरधारेणं असिणा रत्तगंडमंसुयाइं माउ(या)आहिं उवसोहियाइं तालफला-(णी)णिव सीसाइं एगंते एडेमि। तए णं ते मार्कंदियदारगा रयणदीवदेवयाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी—जन्नं देवाणु-प्पिया (!) वइस्सइ तस्स आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठिस्सामो। तए णं सा रयणदीव-देवया ते मार्कंदियदारए गेण्हइ २ त्ता जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असुभपोग्गलावहारं करेइ २ त्ता सुभपोग्गलपक्खेवं करेइ २ त्ता [तओ] पच्छा तेहिं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ कल्लाकल्लिं च अमयफलाइं उवणेइ ॥ ८७ ॥ तए णं सा रयणदीवदेवया सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिएणं लवणाहि-वइणा लवणसमुद्दे तिसत्तखुत्तो अणुपरिय(ट्टि)ट्टेयव्वे त्ति जं किंचि तत्थ तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा कयवरं वा अ‌ठ(ई)इ पू(ति)यं दुरभिगंधमचोक्खं तं सव्वं आहुणिय २ तिसत्तखुत्तो एगंते एडेयव्वं-तिकट्टु निउत्ता। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मार्कं-दियदारए एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिए(णं)ण लवणाहिवइणा तं चेव जाव निउत्ता। तं जाव [ताव] अहं देवाणुप्पिया ! लवण-समुद्दे जाव एडेमि ताव तुब्भे इहेव पासायवडेंसए सुहंसुहेणं अभिरममाणा चिट्ठह। जइ णं तुब्भे एयंसि अंतरंसि उव्विग्गा वा उस्सुया वा उप्पुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे पुर(च्छि)त्थिमिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उ(ऊ)ऊ सया साहीणा तंजहा-पाउसे य वासारत्ते य। तत्थ उ कंदलसिलिंधदंतो निउरवरपुप्फपीवरकरो। कुडयज्जुणनीवसुरभिदाणो पाउसउऊ-गयवरो साहीणो ॥ १ ॥ तत्थ य-सुरगोवमणि-विचित्तो दद्दुरकुलरसियउज्झररवो। वरहिण(विं)वंदपरिणद्धसिहरो वासार(त्तो)त्तउ-ऊपव्वओ साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! बहुसु वावीसु य जाव सरसरपंतियासु [य] व(हू)हुसु आलीघरएसु य मालीघरएसु य जाव कुसुमघरएसु य सुहंसुहेणं अभिरममाणा [२] विह(रे)रिज्जाह। जइ णं तुब्भे त(ए)त्थ वि उव्विग्गा वा उस्सुया वा उप्पुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे उत्तरिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उऊ सया साहीणा तंजहा-सरदो य हेमंतो य। तत्थ उ सणस(त्त)त्तिवण्णकउ-(ओ,हो नीलुप्पलपउमनलिणसिंगो। सारसच(क्कवा)क्कायरवियघोसो सरयउऊ-गोवई

साहीणो ॥ १ ॥ तत्थ य सियकुंदधवलजोण्हो कुसुमियलोद्धवणसंडमंडलतलो। तुसारदगधारपीवरकरो हेमंतउऊससी सया साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! वावीसु य जाव विहरेज्जाह। जइ णं तुब्भे तत्थ वि उव्विग्गा वा जाव उस्सुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे अवरिल्लं वणसंड गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उऊ सया साहीणा तंजहा–वसंते य गिम्हे य। तत्थ उ सहकारचारुहारो किंसुयकण्णियारासोगमउडो। ऊसियतिलगव(उ)कुलायवत्तो वसंतउऊ–नरवई साहीणो॥ १ ॥ तत्थ य पाडलसिरीससलिलो म(लि)ल्लियावासंतियधवलवेलो सीयलसुरभिअनिलमगरचरिओ गिम्हउऊसागरो साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं बहूसु जाव विहरेज्जाह। जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! तत्थ वि उव्विग्गा [वा] उस्सुया [वा उप्पुया वा] भवेज्जाह तओ तुब्भे जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छेज्जाह ममं पडिवालेमाणा २ चिट्ठेज्जाह। मा णं तुब्भे दक्खिणिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं महं एगे उग्गविसे चंडविसे घोरविसे महाविसे अइका(य)ए महाकाए जहा तेयनिसग्गे मसिमहि(सा)-समूसाकालए नयणविसरोसपुण्णे अंजणपुंजनियरप्पगासे रत्तच्छे जमलजुयलचंचलचलंतजीहे धरणियलवेणिभूए उक्कडफुडकुडिलजडिलकक्खडवियडफडाडोवकरणदच्छे लो(गाहा)हागरधम्ममाणधमधमेंतघोसे अणागलियचंडतिव्वरोसे समु(हिं)हं तुरि(यं)यचवलं धमध(मं)मेंतदिट्ठीविसे सप्पे (य) परिवसइ। मा णं तुब्भं सरीर(ग)स्स वावत्ती भविस्सइ। ते माकंदियदारए दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोह[ण]णइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए लवणसमुद्दं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टेउं पयत्ता यावि होत्था ॥ ८८ ॥ तए णं ते माकंदियदारया तओ मुहुत्तंतरस्स पासायवडेंसए सइं वा रइं वा धिइं वा अलभमाणा अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! रयणदीवदेवया अम्हे एवं वयासी–एवं खलु अहं सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिएणं लवणाहिवइणा जाव वावत्ती भविस्सइ। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! पुरत्थिमि(ल्ले)ल्लं वणसंडं गमित्तए। अन्नमन्नस्स (एयमट्ठं) पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तत्थ णं वावीसु य जाव आलीघरएसु य जाव विहरंति। तए णं ते माकंदियदारगा तत्थ वि सइं वा जाव अलभमाणा जेणेव उत्तरिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति (२ त्ता) तत्थ णं वावीसु य जाव आलीघरएसु य विहरंति। तए णं ते माकंदियदार(या)गा तत्थ वि सइं वा जाव अलभमाणा जेणेव पच्चत्थिमिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव विहरंति। तए णं ते माकंदियदारगा तत्थवि सइं वा जाव अलभमाणा अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे रयणदीवदेवया एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणु-

प्पिया! सक्क(स्स)वयणसंदेसेणं सुट्ठिए(ण)णं लवणाहिवइणा जाव मा णं तुब्भं सरीरस्स वावत्ती भविस्सइ। तं भवियव्वं एत्थ कारणेणं। तं सेयं खलु अम्हं दक्खिणिल्लं वणसंडं गमित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वणसंडे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। त(ए)ओ णं गंधे निद्धाइ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अणिट्ठतराए(चेव)। तए णं ते मार्कदियदार(या)गा तेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरिज्जेहिं आसाइं पिहेंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वणसंडे तेणेव उवागया। तत्थ णं महं एगं आ(घा)घयणं पासंति(०) अट्ठियरासिसयसंकुलं भीमदरिसणिज्जं एगं च तत्थ सूलाइ(त)यं पुरिसं कलुणाइं कट्ठाइं विस्सराइं कुव्वमाणं पासंति(२ त्ता)भीया जाव संजायभया जेणेव से सूलाइ(य)ए पुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं सूलाइयं पुरिसं एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! कस्स आघयणे तुमं च णं के कओ वा इहं हव्वमागए केण वा इमेयारूवं आव(तिं)यं पाविए?। तए णं से सूलाइए पुरिसे[ते]मार्कदियदार(ए)गे एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! रयणदीवदेवयाए आघयणे। अहं णं देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवाओ दीवाओ भारहाओ वासाओ का(गंदी)कंदिए आसवाणियए विपुलं पणियभंडमायाए पोयवहणेणं लवणसमुद्दं ओयाए। तए णं अहं पोयवहणविवत्तीए निव्वुड्डभंडसारे एगं फलगखंडं आसाएमि। तए णं अहं उवुज्झमाणे २ रयणदीवंतेणं संवूढे। तए णं सा रयणदीवदेवया ममं (ओहिणा) पासइ २ त्ता ममं गेण्हइ २ त्ता मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ। तए णं सा रयणदीवदेवया अन्नया कयाइ अहालहुसगंसि अवराहंसि परिकुविया समाणी ममं एयारूवं आवयं पावेइ। तं न नज्जइ णं देवाणुप्पिया! तु(म्हं)ब्भं पि इमेसिं सरीरगाणं का मन्ने आवई भविस्सइ(?)। तए णं ते मार्कदियदारगा तस्स सूलाइ(य)गस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म बलियतरं भीया जाव संजायभया सूलाइयं पुरिसं एवं वयासी-कहं णं देवाणुप्पिया! अम्हे रयणदीवदेवयाए हत्थाओ साहत्थिं नित्थरिज्जामो?। तए णं से सूलाइए पुरिसे ते मार्कदियदारगे एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! पुरत्थिमिल्ले वणसंडे सेलगस्स जक्खस्स जक्खा(य)यणे सेलए नामं आसरूवधारी जक्खे परिवसइ। तए णं से सेलए जक्खे चाउ(चो)द्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु आगयसमए पत्तसमए महया २ सद्देणं एवं वदइ-कं तारयामि? कं पालयामि? तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! पुरत्थिमिल्लं वणसंडं सेलगस्स जक्खस्स महरिहं पुप्फच्चणियं करेह २ त्ता जन्नुपायवडिया पंजलिउडा विणएणं पज्जुवासमाणा विहर(चिट्ठ)ह। जाहे णं से सेलए जक्खे आगयसमए पत्तसमए एवं वएज्जा-कं तारयामि? कं पालयामि? ताहे

तुब्भे [एवं] वयह–अम्हे तारयाहि अम्हे पालयाहि । सेलए (से) भो जक्खे परं रयणदीवदेवयाए हत्थाओ साहत्थिं नित्थारेज्ञा । अन्नहा भो न याणामि इमेसिं सरीरगाणं का मन्ने आवई भविस्सइ ॥ ८९ ॥ तए णं ते मागंदियदारगा तस्स सूलाइयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सिग्घं चंडं चवलं तुरियं वेइयं जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोक्खरिणिं ओगाहें(गाहं)ति २ त्ता जलमज्जणं करेंति २ त्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव गेण्हंति २ त्ता जेणेव सेलगस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता आलोए पणामं करेंति २ त्ता महरिहं पुप्फच्चणियं करेंति २ त्ता जन्नुपायवडिया सुस्सूसमाणा नमंसमाणा पज्जुवासंति । तए णं से सेलए जक्खे आगयसमए पत्तसमए एवं वयासी–कं तारयामि ? कं पालयामि ? । तए णं ते मागंदियदारगा उट्ठाए उट्ठेंति करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी–अम्हे तारयाहि अम्हे पालयाहि । तए णं से सेलए जक्खे ते मागंदियदारए एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! तुब्भं मए सद्धिं लवणसमु(द्देणं)द्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमा(णे)णाणं सा रयणदीवदेवया पावा चंडा रुद्दा खुद्दा साहसिया बहूहिं खरएहि य मउएहि य अणुलोमेहि य पडिलोमेहि य सिंगारेहि य कलुणेहि य उवसग्गेहि य उवसग्गं करेहिइ । तं जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं आढाह वा परियाणह वा अव(ए)यक्खह वा तो मे अहं पिट्ठाओ वि(धु)हूणामि । अह णं तुब्भे रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं नो आढाह नो परियाणह नो अवयक्खह तो मे रयणदीवदेवया[ए] हत्थाओ साहत्थिं नित्थारेमि । तए णं ते मागंदियदारगा सेलगं जक्खं एवं वयासी–जं णं देवाणुप्पिया(!)वइस्संति तस्स णं उववायवयणनिद्देसे चिट्ठिस्सामो । तए णं से सेलए जक्खे उत्तरपुर(च्छि)त्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निस्सरइ दोच्चंपि(तच्चंपि)वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता एगं महं आसरूवं वे(वि)उव्वइ २ त्ता ते मागंदियदारए एवं वयासी–हं भो मागंदियदारया ! आरुह णं देवाणुप्पिया ! मम पिट्ठंसि । तए णं ते मागंदियदारया हट्ठ० सेलगस्स जक्खस्स पणामं करेंति २ त्ता सेलगस्स पि(ट्ठिं)ट्ठं दुरूढा । तए णं से सेलए ते मागंदियदारए दुरूढे जाणित्ता सत्त[अ]ट्ठतालप्पमाणमेत्ताइं उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ त्ता (य)ताए उक्किट्ठाए तुरियाए[चवलाए चंडाए दिव्वाए] देवयाए दे(दि०)वगईए लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबुद्दीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव चंपा नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥९०॥ तए णं सा रयणदीवदेवया लवणसमुद्दं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टइ जं तत्थ तणं वा जाव एडेइ(२ त्ता)जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते मागंदियदारया पासायवडेंसए अपासमाणी

जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे जाव सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता तेसिं मार्कंदियदारगाणं कत्थइ सुइं वा ३ अलभमाणी जेणेव उत्तरिल्ले (वणसंडे) एवं चेव पच्चत्थिमिल्ले वि जाव अपासमाणी ओहिं पउंजइ (०) ते मार्कंदियदारए सेलएणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ पासइ २ त्ता आसुरुत्ता असिखेडगं गेण्हइ २ त्ता सत्तट्ठ जाव उप्पयइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जेणेव मार्कंदियदार(गा)या तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी–हं भो मार्कंदियदारगा अपत्थियपत्थिया! किण्णं तुब्भे जाणह विप्पजहाय सेलएणं जक्खेणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणा? तं ममं एवमवि गए जइ णं तुब्भे ममं अवयक्खह तो भे अत्थि जीवियं, अह णं नावयक्खह तो भे इमेणं नीलुप्पलगवल जाव एडेमि। तए णं ते मार्कंदियदारगा रयणदीवदेवयाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म अभीया अतत्था अणुव्विग्गा अक्खुभिया असंभंता रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं नो आढंति नो परियाणंति ना(णो अ)वयक्खंति अणाढायमाणा अपरियाणमाणा अणवयक्खमाणा[य]सेलए(ण)णं जक्खेणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयंति। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मार्कंदि[यदार]या जाहे नो संचाएइ बहूहिं पडिलोमेहि य उवसग्गेहि य चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा (लोभित्तए वा) ताहे महुरे(हि)हिं[य]सिंगारेहि य कलुणेहि य उवसग्गेहि य उवसग्गेउं पयत्ता यावि होत्था–हं भो मार्कंदियदारगा! जइ णं तुब्भेहिं देवाणुप्पिया! मए सद्धिं हसियाणि य रमियाणि य ललियाणि य कीलियाणि य हिंडियाणि य मोहियाणि य ताहे णं तुब्भे सव्वाइं अगणेमाणा ममं विप्पजहाय सेलएणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयह। तए णं सा रयणदीवदेवया जिणरक्खियस्स मणं ओहिणा आभोएइ २ त्ता एवं वयासी–निच्चंपि य णं अहं जिणपालियस्स अणिट्ठा ५। निच्चं मम जिणपालिए अणिट्ठे ५। निच्चंपि य णं अहं जिणरक्खियस्स इट्ठा ५। निच्चंपि य णं ममं जिणरक्खिए इट्ठे ५। जइ णं ममं जिणपालिए रोयमा(णीं)णिं कंदमाणिं सोयमाणिं तिप्पमाणिं विलवमाणिं नावयक्खइ किण्णं तुमं[पि]जिणरक्खिया! ममं रोयमाणिं जाव नावयक्खसि? तए णं—सा पवररयणदीवस्स देवया ओहिणा (उ) जिणरक्खियस्स मणं। नाऊ(ण)णं वधनिमित्तं उव(रि)रिं मार्कंदियदारगा(णं)ण दोण्हंपि॥ १॥ दोसकलिया स(ललि)लिलयं नाणाविहचुण्णवासमीसियं दिव्वं। घाणमणनिव्वुइकरं सव्वोउयसुरभिकुसुमवुट्ठिं पमुंचमाणी॥ २॥ नाणामणिकणगरयणघंटियाखिंखिणिने(ऊ)उरमेहलभूसणरवेणं। दिसाओ विदिसाओ पूरयंती वयणमिणं बेइ सा (स)कलुसा॥ ३॥ होल वसुल गोल नाह दइय पिय रमण कंत सामिय निग्घिण नित्थक्क। थि(छि)ण्ण निक्किव

अकय(लु)ण्णुय सिढिलभाव निल्लज्ज लुक्ख अकलुण जिणरक्खिय मज्झं हियय़रक्ख(गा)ग ॥ ४ ॥ न हु जुज्जसि एक्कियं अणाहं अबंधवं तुज्झ चलणओवायकारियं उज्झिउम(ह)धन्नं । गुणसंकर (! अ)हं तुमे विहूणा न समत्था (वि) जीविउं खणंपि ॥ ५ ॥ इमस्स उ अणेगझसमगरविविधसावयसया(उ)कुलघरस्स । रयणागरस्स मज्झे अप्पाणं वहेमि तुज्झ पुरओ एहि नियत्ताहि जइ सि कुविओ खमाहि ए(क्का)कावराहं मे ॥ ६ ॥ तुज्झ य विगयघणविमलससिमंड(ल)लागारसस्सिरीयं सारयनवकमलकुमुदकुवलयविमलदलनिकरसरिसनि(भं)भनयणं । वयणं पिवासागयाए सद्धा मे पेच्छिउं जे अवलोएहि ता इओ ममं नाह जा ते पेच्छामि वयणकमलं ॥ ७ ॥ एवं सप्पणयसरलमहुराइं पुणो २ कलुणाइं वयणाइं जंपमाणी सा पावा मग्गओ समण्णेइ पावहियया ॥ ८ ॥ तए णं से जिणरक्खिए चलमणे तेणेव भूसणरवेणं कण्णसुहमणोहरेणं तेहि य सप्पणयसरलमहुरभणिएहिं संजायविउण[अणु]राए रयणदीवस्स देवयाए तीसे सुंदरथणजहणवयणकरचरणनयणलावण्णरूवजोवण्णसिरिं च दिव्वं सरभसउवगूहियाइं (जातिं)बिव्बोयविलसियाणि य विहसियसकडक्खदिट्ठिनिस्ससियमलियउवललिय(ठि)थियगमणपणयखिज्जिय(पा)पसाइयाणि य सरमाणे रागमोहियमई अवसे कम्मवसगए अवयक्खइ मग्गओ सविलियं । तए णं जिणरक्खियं समुप्पन्नकलुणभावं मच्चगलत्थल्लणोल्लियमइं अवयक्खंतं तहेव जक्खे (य) उ सेलए जाणिऊण सणियं २ उव्विहइ नियगपिट्ठा(हि)हिं विगयस(त्थं)द्धे । तए णं सा रयणदीवदेवया निस्संसा कलुणं जिणरक्खियं सकलुसा सेलगपिट्ठाहिं ओ(उ)वयंतं–दास ! मओसि त्ति जंपमाणी अ(प)पत्तं सागरसलिलं गेण्हिय बाहाहिं आरसंतं उड्ढं उव्विहइ अंबरतले ओवयमाणं च मंडलग्गेण पडिच्छित्ता नीलुप्पलगवल–अयसिप्पगासे(ण)णं असिवरेणं खंडाखंडिं करेइ २ त्ता तत्थ विलवमाणं तस्स य सरसवहियस्स घेत्तूण अंगमंगाइं सरुहिराइं उक्खित्तबलिं चउद्दिसिं करेइ सा पंजली प(हि)हट्ठा ॥ ९१ ॥ एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा अंतिए पव्वइए समाणे पुणरवि माणुस्सए कामभोगे आसायइ पत्थयइ पीहेइ अभिलसइ से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं जाव संसारं अणुपरियट्टिस्सइ जहा (वा) व से जिणरक्खिए। छलिओ अवयक्खंतो निरावयक्खो गओ अविग्घेणं । तम्हा पवयणसारे निरावयक्खेण भवियव्वं ॥ १ ॥ भोगे अवयक्खंता पडंति संसारसा(य)गरे घोरे । भोगेहिं [य] निरवयक्खा तरंति संसारकंतारं ॥ २ ॥ ९२ ॥ तए णं सा रयणदीवदेवया जेणेव जिणपालिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बहूहिं अणुलोमेहि य पडिलोमेहि य खरम(हुर)उयसिंगारे(हिं)हि

य कलुणेहि य उवसग्गेहि य जाहे नो संचाएइ चालित्तए वा खोभित्तए वा वि(प)परिणामित्तए वा ताहे संता तंता परितंता निव्विण्णा समा(णा)णी जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दि(सं)सिं पडिगया । तए णं से सेलए जक्खे जिणपालिएण सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ २ त्ता जेणेव चंपा नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चंपाए नयरीए अग्गुज्जाणंसि जिणपालियं प(पि)ट्ठाओ ओयारेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया ! चंपा-नयरी दीसइ–त्तिकट्टु जिणपालियं आपुच्छइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ ९३ ॥ तए णं जिणपालिए चंपं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अम्मापिऊणं रोयमाणे जाव विलवमाणे जिणरक्खियवावत्तिं निवेदेइ । तए णं जिणपालिए अम्मापियरो मित्तनाइ जाव परियणेणं सद्धिं रोयमाणाइं बहूइं लोइयाइं मयकिच्चाइं करेंति २ त्ता कालेणं विगयसोया जाया । तए णं जिणपालियं अन्नया कया(इ)इं सुहासणवरगयं अम्मापियरो एवं वयासी–कहण्णं पुत्ता ! जिणरक्खिए कालगए ? । तए णं से जिणपालिए अम्मापिऊणं लवणसमुद्दोत्तारणं च कालियवायसमुच्छणं[च] पोयवहणविवत्तिं च फलहखंडआसायणं च रयणदीवुत्तारं च रयणदीवदेवया(गिहं)-गेण्हिं च भोगविभूइं च रयणदीवदेवयाअप्पाहणं च सूलाइयपुरिसदरिसणं च सेलगजक्खआरुहणं च रयणदीवदेवयाउवसग्गं च जिणरक्खियविवत्तिं च लवण-समुद्दउत्तरणं च चंपागमणं च सेलगजक्खआपुच्छणं च जहाभूयमवितहमसंदिद्धं परिकहेइ । तए णं जिणपालिए जाव अप्पसोगे जाव विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ ॥ ९४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे (जाव जेणेव चंपा न(ग)यरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव) समोसढे (परिसा णिग्गया कूणिओ वि राया निग्गओ जिणपालिए) जाव धम्मं सोच्चा पव्वइए ए(क्का)गारसंग(विऊ)वी मासिएणं भत्तेणं जाव अत्ताणं झूसेत्ता सोहम्मे कप्पे दो सागरोवमाइं ठिई प० । ताओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता जेणेव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ । एवामेव समणाउसो ! जाव माणुस्सए कामभोगे नो पुणरवि आसाइ से णं जाव वीईवइस्सइ जहा व से जिणपालिए । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं नवमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥९५॥ **गाहाओ**–जह रयणदीवदेवी तह एत्थं अविरई महापावा । जह लाहत्थी वणिया तह सुहकामा इहं जीवा ॥ १ ॥ जह तेहिं भीएहिं दिट्ठो आघायमंडले पुरिसो । संसारदुक्खभीया पासंति तहेव धम्मकहं ॥ २ ॥ जह तेण तेसि कहिया देवी दुक्खाण कारणं घोरं । तत्तो च्चिय नित्थारो सेलगजक्खाओ

नण्णत्तो ॥३॥ तह धम्मकही भव्वाण साहए दिट्ठअविरुद्धसहावो। सयलदुहहेउभूओ विसया विरयंति जीवाणं ॥ ४ ॥ सत्ताणं दुहत्ताणं सरणं चरणं जिणिंदपण्णत्तं। आणंदरूवनिव्वाणसाहणं तह य देसेइ ॥ ५ ॥ जह तेसिं तरियव्वो रुद्दसमुद्दो तहेव संसारो। जह तेसि सगिहगमणं निव्वाणगमो तहा एत्थं ॥ ६ ॥ जह सेलगपिट्ठाओ भट्ठो देवीइ मोहियमईओ। सावयसहस्सपउरम्मि सायरे पाविओ निहणं ॥ ७ ॥ तह अविरईइ नडिओ चरणचुओ दुक्खसावयाइण्णे। निवडइ अपारसंसारसायरे दारुणसरूवे ॥ ८ ॥ जह देवीए अक्खोहो पत्तो सट्ठाण जीवियसुहाइं। तह चरणट्ठिओ साहू अक्खोहो जाइ निव्वाणं ॥ ९ ॥ **नवमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते! समणेणं० नवमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते दसमस्स(०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे (नामं) नयरे (हो० तत्थ णं रा० न० से० णा० रा० हो० तस्स णं रा० न० व० उ० दि० एत्थ णं गु० णा० उ० हो० ते० का० ते० स० स० भ० म० पु० च० जाव जे० गु० उ० ते० स०) सामी समोसढे (प० नि० सेणिओ वि रा० नि० धम्मं सोच्चा प० प० तए णं)गोय(मसामी)मो (समणं ३) एवं वयासी–कहण्णं भंते! जीवा वड्ढंति वा हायंति वा? गोयमा! से जहानामए बहुलपक्खस्स पाडिवयाचंदे पुण्णिमाचंदं पणिहाय ही(णो)णे वण्णेणं हीणे सो(म)मयाए हीणे निद्धयाए हीणे कंतीए एवं दित्तीए जुत्तीए छायाए पभाए ओयाए ले(स)साए मंडलेणं। तयाणंतरं च णं बीयाचंदे प(पा)डिव(यं)याचंदं पणिहाय हीणतराए वण्णेणं जाव मंडलेणं। तयाणंतरं च णं तइयाचंदे बी(विति)याचंदं पणिहाय हीणतराए वण्णेणं जाव मंडलेणं। एवं खलु एएणं कमेणं परिहायमाणे २ जाव अमाव(स)साचंदे चाउद्दसिचंदं पणिहाय नट्ठे वण्णेणं जाव नट्ठे मंडलेणं। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा जाव पव्वइए समाणे हीणे खंतीए एवं मुत्तीए गुत्तीए अज्जवेणं मद्दवेणं लाघवेणं सच्चेणं तवेणं चियाए अकिंचणयाए बंभचेरवासेणं। तयाणंतरं च णं हीणे हीणतराए खंतीए जाव हीणतराए बंभचेरवासेणं। एवं खलु एएणं कमेणं परिहायमाणे २ नट्ठे खंतीए जाव नट्ठे बंभचेरवासेणं। से जहा वा सुक्कपक्खस्स पडिवयाचंदे अमावसा(ए)चंदं पणिहाय अहिए वण्णेणं जाव अहिए मंडलेणं। तयाणंतरं च णं बीयाचंदे पडिवयाचंदं पणिहाय अहिययराए वण्णेणं जाव अहिययराए मंडलेणं। एवं खलु एएणं कमेणं परि(वु)वड्ढमाणे २ जाव पुण्णिमाचंदे चाउद्दसिं चंदं पणिहाय पडिपुण्णे वण्णेणं जाव पडिपुण्णे मंडलेणं। एवामेव समणाउसो! जाव पव्वइए समाणे अहिए खंतीए जाव बंभचेरवासेणं। तयाणंतरं च णं अहिययराए खंतीए जाव

वंभचेरवासेणं । एवं खलु एएणं कमेणं परिवड्ढेमाणे २ जाव पडिपुण्णे वंभचेरवासेणं । एवं खलु जीवा वड्ढंति वा हायंति वा । एवं खलु जंवू ! समणेणं भगवया महावीरेणं० दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ॥९६॥ **गाहाओ**–जह चंदो तह साहू राहुवरोहो जहा तह पमाओ । वण्णाई गुणगणो जह तहा खमाई समणधम्मो ॥ १ ॥ पुण्णो वि पइदिणं जह हायंतो सव्वहा ससी नस्से । तह पुण्णचरित्तोऽवि हु कुसीलसंसग्गिमाईहिं ॥ २ ॥ जणियपमाओ साहू हायंतो पइदिणं खमाईहिं । जायइ नट्ठचरित्तो तत्तो दुक्खाइं पावेइ ॥ ३ ॥ हीणगुणो वि हु होउं सुहगुरुजोगाइजणियसंवेगो । पुण्णसरूवो जायइ विवड्ढमाणो ससहरोव्व ॥ ४ ॥ **दसमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते ! समणेणं० दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते एक्कारसमस्स(०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंवू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव गोयमे (समणं ३) एवं वयासी–कहं णं भंते ! जीवा आराहगा वा विराहगा वा भवंति ? गोयमा ! से जहानामए एगंसि समुद्दकूलंसि दावद्दवा नामं रुक्खा पन्नत्ता किण्हजाव निउ(रुं)रंवभूया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणा सिरीए अईव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति । जया णं दीविच्चगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं वहवे दावद्दवा रुक्खा पत्तिया जाव चिट्ठंति । अप्पेगइया दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा परिसडियपंडुपत्तपुप्फफला सुक्करुक्खओ विव मिलायमाणा २ चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! (जे) जो अम्हं निग्गंथो वा २ जाव पव्वइए समाणे वहूणं समणाणं ४ सम्मं सहइ जाव अहियासेइ वहूणं अन्नउत्थियाणं वहूणं गिहत्थाणं नो सम्मं सहइ जाव नो अहियासेइ एस णं मए पुरिसे देसविराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया णं सामुद्दगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं वहवे दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा जाव मिलायमाणा २ चिट्ठंति । अप्पेगइया दावद्दवा रुक्खा पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गंथो वा २ जाव पव्वइए समाणे वहूणं अन्नउत्थि(याणं व०)यगिहत्थाणं सम्मं सहइ वहूणं समणाणं ४ नो सम्मं सहइ एस णं मए पुरिसे देसाराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया णं नो दीविच्चगा नो सामुद्दगा ईसिं (पुरेवाया) पच्छावाया जाव महावाया वायंति त(ए)या णं सव्वे दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा(०) । एवामेव समणाउसो ! जाव पव्वइए समाणे वहूणं समणाणं ४ वहूणं अन्नउत्थियगिहत्थाणं नो सम्मं सहइ एस णं मए पुरिसे सव्वविराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया णं दीविच्चगा वि सामुद्दगा वि ईसिं (पुरेवाया पच्छावाया) जाव

वायंति तया णं सव्वे दावद्दवा (रुक्खा) पत्तिया जाव चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं पव्वइए समाणे वहूणं समणाणं ४ वहूणं अन्नउत्थियगिहत्थाणं सम्मं सहइ एस णं मए पुरिसे सव्वआराहए पन्नत्ते (समणाउसो !) । एवं खलु गोयमा ! जीवा आराहगा वा विराहगा वा भवंति । एवं खलु जंवू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिवेमि ॥ ९७ ॥ **गाहाओ**–जह दावद्दवतरुवणमेवं साहू जहेव दीविच्चा । वाया तह समणाइयसपक्खवयणाइं दुसहाइं ॥ १ ॥ जह सामुद्दयवाया तहऽण्णतित्थाइकडुयवयणाइं । कुसुमाइसंपया जह सिवमग्गाराहणा तह उ ॥२॥ जह कुसुमाइविणासो सिवमग्गविराहणा तहा नेया । जह दीववाउजोगे वहु इड्ढी ईसि य अणिड्ढी ॥३॥ तह साहम्मियवयणाण सहमाणाराहणा भवे वहुया । इयराणमसहणे पुण सिवमग्गविराहणा थोवा ॥ ४ ॥ जह जलहिवाउजोगे थेविड्ढी वहुयरा यऽणिड्ढी य । तह परपक्खक्खमणे आराहणमीसि वहु यरं ॥ ५ ॥ जह उभयवाउविरहे सव्वा तरुसंपया विणट्ठ त्ति । अनिमित्तोभयमच्छरुवे विराहणा तह य ॥ ६ ॥ जह उभयवाउजोगे सव्वसमिड्ढी वणस्स संजाया । तह उभयवयणसहणे सिवमग्गाराहणा वुत्ता ॥ ७ ॥ ता पुण्णसमणधम्माराहणचित्तो सया महासत्तो । सव्वेण वि कीरंतं सहेज्ज सव्वं पि पडिकूलं ॥ ८ ॥

एक्कारसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते वारसमस्स णं (०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंवू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा ना(मं)म नयरी । पुण्णभद्दे उज्जाणे । जियसत्तू [नामं] राया (होत्था) । (तस्स णं जियसत्तुस्स रण्णो) धारिणी (नामं) देवी (होत्था अही० जाव सुरूवा) । (तस्स णं जि० र० पुत्ते धारिणीए अत्तए) अदीणसत्तू नामं कुमारे जुवराया वि होत्था । सुवुद्धी [नामं] अमच्चे जाव रज्जधुराचिंतए [यावि होत्था जाव] समणोवासए (अ०)। तीसे णं चंपाए नयरीए वहिया उत्तरपुरत्थिमेणं एगे फरिहोदए यावि होत्था मेयवसारुहिरमंसपूय–पडलपोच्चडे मयगकलेवरसंछन्ने अमणुन्ने [णं] वण्णेणं जाव फासेणं से जहानामए अहिमडेइ वा गोमडेइ वा जाव मयकुहियविणट्ठकिमिणवावण्णदुरभिगंधे किमिजालाउले संसत्ते असुइविगयवीभच्छदरिसणिज्जे । भवेयारूवे सिया ? नो इणट्ठे समट्ठे । एत्तो अणिट्ठतराए चेव जाव गंधेणं पन्नत्ते ॥ ९८ ॥ तए णं से जियसत्तू राया अन्नया कयाइ ण्हाए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे वहूहिं(रा)ईसर जाव सत्थवाहपभि(ति)ईहिं सद्धिं [भोयणमंडवंसि] भोयणवेलाए सुहासणवरगए विउलं असणं ४ जाव विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागए जाव सुइभूए तंसि विपुलंसि अस(ण)णंसि ४ जाव

जायविम्हए ते बहवे ईसर जाव पभिइए एवं वयासी-अहो णं देवाणुप्पिया! इमे मणुन्ने असणं ४ वण्णेणं उववेए जाव फासेणं उववेए अस्सायणिज्जे वि(स्)सायणिज्जे पीणणिज्जे दीवणिज्जे दप्पणिज्जे मयणिज्जे बिंहणिज्जे सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए णं ते बहवे ईसर जाव पभियओ जियसत्तुं एवं वयासी-तहेव णं सामी! जण्णं तुब्भे वयह-अहो णं इमे मणुन्ने अस(णं)णे ४ वण्णेणं उववेए जाव पल्हायणिज्जे। तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी! इमे मणुन्ने असणे ४ जाव पल्हायणिज्जे। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स [रन्नो] एयमट्ठं नो आढाइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। [तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी! इमे मणुन्ने तं चेव जाव पल्हायणिज्जे।] तए णं (जियसत्तुणा) से सुबुद्धी [अमच्चे] दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे जियसत्तुं रायं एवं वयासी-नो खलु सामी! अ(हं)म्हं एयंसि मणुन्नंसि असणंसि ४ केइ विम्हए। एवं खलु सामी! सु(ब्भि)रभिसद्दा वि पो(पु)ग्गला दुरभिसद्दत्ताए परिणमंति दुरभिसद्दा वि पोग्गला सुरभिसद्दत्ताए परिणमंति। सुरूवा वि पोग्गला दुरूवत्ताए परिणमंति दुरूवा वि पोग्गला सुरूवत्ताए परिणमंति। सुरभिगंधा वि पोग्गला दुरभिगंधत्ताए परिणमंति दुरभिगंधा वि पोग्गला सुरभिगंधत्ताए परिणमंति। सुरसा वि पोग्गला दुरसत्ताए परिणमंति दुरसा वि पोग्गला सुरसत्ताए परिणमंति। सुहफासा वि पोग्गला दुहफासत्ताए परिणमंति दुहफासा वि पोग्गला सुहफासत्ताए परिणमंति। पओगवीससा-परिणया वि य णं सामी! पोग्गला पन्नत्ता। तए णं(से)जियसत्तू सुबुद्धिस्स अमच्चस्स एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं नो आढाइ नो परियाणइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जियसत्तू अन्नया कयाइ ण्हाए आसखंधवरगए महया-भडचडगर(ह)आसवाहणियाए निज्जायमाणे तस्स फरिहोद(ग)यस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ। तए णं जियसत्तू (राया) तस्स फरिहोदगस्स असुभेणं गंधेणं अभिभूए समाणे सएणं उत्तरिज्ज(गे)एणं आसगं पिहेइ एगंतं अवक्कमइ (ते) २ त्ता बहवे ईसर जाव पभिइओ एवं वयासी-अहो णं देवाणुप्पिया! इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेणं ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए णं ते बहवे राईसर जाव पभियओ एवं वयासी-तहेव णं तं सामी! जं णं तुब्भे एवं वयह-अहो णं इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेणं ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी! इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेणं ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए णं[से]सुबुद्धी अमच्चे जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जियसत्तू राया सुबुद्धिं अमच्चं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-

अहो णं तं चेव। तए णं से सुबुद्धी अमच्चे जियसत्तुणा रन्ना दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे एवं वयासी–नो खलु सामी! अम्हं एयंसि फरिहोदगंसि केइ विम्हए। एवं खलु सामी! सुरभिसद्दा वि पोग्गला दुब्भिसद्दत्ताए परिणमंति तं चेव जाव पओगवीससापरिणया वि य णं सामी! पोग्गला पन्नत्ता। तए णं जियसत्तू(राया) सुबुद्धिं (अमच्चं) एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिया! अप्पाणं च परं च तदुभयं च बहूहि य असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेण य वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे विहराहि। तए णं सुबुद्धिस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था–अहो णं जियसत्तू संते तच्चे तहिए अवितहे सब्भूए जिणपन्नत्ते भावे नो उवलभइ। तं सेयं खलु मम जियसत्तुस्स रन्नो संताणं तच्चाणं तहियाणं अवितहाणं सब्भूयाणं जिणपन्नत्ताणं भावाणं अभिगमणट्ठयाए एयमट्ठं उवा(इ)यणावेत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता पच्चइएहिं पुरिसेहिं सद्धिं अंतरावणाओ नवए घड(य)ए य पडए य(प)गेण्हइ २ त्ता संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि निसंतपडिनिसंतंसि जेणेव फरिहोदए तेणेव उवाग(ए)च्छइ २ त्ता तं फरिहोदगं गेण्हावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु गालावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु पक्खिवावेइ २ त्ता [सज्जखारं पक्खिवावेइ] लंछियमुद्दिए का(क)रावेइ २ त्ता सत्तरत्तं परिवसावेइ २ त्ता दोच्चंपि नवएसु घडएसु गालावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु पक्खिवावेइ २ त्ता सज्ज(क)खारं पक्खिवावेइ २ त्ता लंछियमुद्दिए का(र)रावेइ २ त्ता सत्तरत्तं परिवसावेइ २ त्ता तच्चंपि नवएसु घडएसु जाव संवसावेइ। एवं खलु एएणं उवाएणं अंतरा गा(ग)लावेमाणे अंतरा पक्खिवावेमाणे अंतरा य (विपरि)वसावेमाणे (२) सत्तसत्त[य]राइंदिया[इं](वि)परिवसावेइ। तए णं से फरिहोदए सत्त(म)मंसि सत्तयंसि परिणममाणंसि उदगरयणे जाए यावि होत्था अच्छे पत्थे जच्चे तणुए फालिय(फलिह)वण्णाभे वण्णेणं उववेए ४ आसायणिज्जे जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए णं सुबुद्धी(अमच्चे)जेणेव से उदगरयणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयलंसि आसादेइ २ त्ता तं उदगरयणं वण्णेणं उववेयं ४ आसायणि(ज्जे)ज्जं जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जं जाणित्ता हट्ठतुट्ठे बहूहिं उदगसंभारणिज्जेहिं दव्वेहिं संभारेइ २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो पाणियघरियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं (च) णं देवाणुप्पिया! इमं उदगरयणं गेण्हाहि २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवणेज्जासि। तए णं से पाणियघरिए सुबुद्धि(य)स्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता तं उदगरयणं गेण्ह(गिण्हा)इ २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवट्ठवेइ। तए णं से जियसत्त राया तं विपुलं असणं ४ आसाएमाणे जाव विहरइ जिमियभुत्तुत्तरा(यया)गए वि य णं जाव परमसुइभूए तंसि उदगरय(णे)णंसि जाय-

विम्हए ते बहवे राईसर जाव एवं वयासी–अहो णं देवाणुप्पिया! इमे उदगरयणे अच्छे जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए णं[ते] बहवे राईसर जाव एवं वयासी–तहेव णं सामी! जण्णं तुब्भे वयह जाव एवं चेव पल्हायणिज्जे। तए णं जियसत्तू राया पाणियघरियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं तु(ब्भे)मे देवाणुप्पिया! उदगरयणे कओ आसाइए?। तए णं से पाणियघरिए जियसत्तुं एवं वयासी–एस णं सामी! मए उदगरयणे सुबुद्धिस्स अंतियाओ आसाइए। तए णं जियसत्तू (राया) सुबुद्धिं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–अहो णं सुबुद्धी! केणं कारणेणं अहं तव अणिट्ठे ५ जेणं तुमं मम कल्लाकल्लिं भोयणवेलाए इमं उदगरयणं न उवट्ठवेसि? तं एस(तए) णं तुमे देवाणुप्पिया! उदगरयणे कओ उवलद्धे?। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एस णं सामी! से फरिहोदए। तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी–केणं कारणेणं सुबुद्धी! एस से फरिहोदए? तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एवं खलु सामी! तु(म्हे)ब्भे तया मम एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं नो सद्दहह। तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए०–अहो णं जियसत्तू संते जाव भावे नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोएइ। तं सेयं खलु म(मं)म जियसत्तुस्स रन्नो संताणं जाव सब्भूयाणं जिणपन्नत्ताणं भावाणं अभिगमणट्ठयाए एयमट्ठं उवायणावेत्तए। एवं संपेहेमि २ त्ता तं चेव जाव पाणियघरियं सद्दावेमि २ त्ता एवं वदामि–तुमं णं देवाणुप्पिया! उदगरयणं जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवणेहि। तं एएणं कारणेणं सामी! एस से फरिहोदए। तए णं जियसत्तू राया सुबुद्धिस्स(अमच्चस्स)एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं नो सद्दहइ ३ असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरो(य)एमाणे अब्भिंतर(ट्ठा)-ठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! अंतरावणाओ नव[ए]घडए पडए य गेण्हह जाव उदगसं(हा)भारणिज्जेहिं दव्वेहिं संभारेह। तेवि तहेव संभारेंति २ त्ता जियसत्तुस्स उवणेंति। तए णं से जियसत्तू राया तं उदगरयणं करयलंसि आसाएइ आसायणिज्जं जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जं जाणित्ता सुबुद्धिं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–सुबुद्धी! एए णं तुमे संता तच्चा जाव सब्भूया भावा कओ उवलद्धा?। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एए णं सामी! मए संता जाव भावा जिणवयणाओ उवलद्धा। तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी–तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तव अंतिए जिणवयणं निसा(मे)मित्तए। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स विचित्तं केवलिपन्नत्तं चाउज्जामं धम्मं परिकहेइ तमाइक्खइ जहा जीवा बज्झंति जाव पंचाणुव्वयाइं। तए णं जियसत्तू सुबुद्धिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ० सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी–सद्दहामि णं देवाणुप्पिया!

निग्गंथं पावयणं ३ जाव से जहेयं तुब्भे वयह। तं इच्छामि णं तव अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं (करेह)। तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिस्स (अमच्चस्स) अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव दुवालसविहं सावयधम्मं पडिवज्जइ। तए णं जियसत्तू समणोवासए जाए अ(भि)हिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं (थेरा जेणेव चंपा नयरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव स०) थेरागमणं। जियसत्तू राया सुबुद्धी य निग्गच्छइ। सुबुद्धी धम्मं सोच्चा जं नवरं जियसत्तुं आपुच्छामि जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिया!। तए णं[से]सुबुद्धी जेणेव जियसत्तू तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु सामी! मए थेराणं अंतिए धम्मे निसंते। से(ऽ)वि य धम्मे इच्छि(य)ए पडिच्छिए ३। तए णं अहं सामी! संसारभउव्विग्गे भीए जाव इच्छामि णं तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए (स०) जाव पव्वइत्तए। तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी–अ(च्छा)च्छसु ताव देवाणुप्पिया! कइवयाइं वासाइं उरालाइं जाव भुंजमाणा। तओ पच्छा एगयओ थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइस्सामो। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स रन्नो एयमट्ठं पडिसुणेइ। तए णं तस्स जियसत्तुस्स रन्नो सुबुद्धिणा सद्धिं विपुलाइं माणुस्सगाइं जाव पच्चणुब्भवमाणस्स दुवालस वासाइं वीइक्कंताइं। तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं। (तए णं) जियसत्तू धम्मं सोच्चा एवं जं नवरं देवाणुप्पिया! सुबुद्धिं आमंतेमि जेट्ठपुत्तं रज्जे ठा(ठ)वेमि तए णं तुब्भं [अंतिए] जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिया!। तए णं जियसत्तू राया जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबुद्धिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु मए थेराणं जाव पव्व(ज्जा)यामि, तुमं णं किं करेसि?। तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी जाव के अन्ने आ(हा)धारे वा जाव प(व्वया)व्वामि। तं जइ णं देवाणुप्पिया! जाव प(व्वयह)व्वाहि। गच्छह णं देवाणुप्पिया! जेट्ठपुत्तं च कुडुंबे ठावेहि २ त्ता सीयं दुरुहित्ताणं ममं अंतिए सीया जाव पाउब्भ(वेति)वइ। (त० सु० जाव पाउब्भवइ) तए णं जियसत्तू कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! अदीणसत्तुस्स कुमारस्स रायाभिसेयं उवट्ठवेह जाव अभिसिंचंति जाव पव्वइए। तए णं जियसत्तू एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ बहूणि वासाणि परियाओ(पाउणित्ता)मासियाए संलेहणाए जाव सिद्धे। तए णं सुबुद्धी एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहूणि वासाणि जाव सिद्धे। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं बारसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि॥ ९९॥ **गाहा**–मिच्छत्तमोहियमणा पावपसत्तावि पाणिणो विगुणा। फरिहोदगं व गुणिणो हवंति वरगुरुपसायाओ॥ १॥ **बारसमं नायज्झयणं समत्तं**॥

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं बारसमस्स (णा०) अयमट्ठे पन्नत्ते तेरसमस्स (णं भंते! नाय०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे(०)गुणसिलए उज्जाणे (ते० का० ते० स० समणे ३ चउ(द्द)दसहिं समणसाहस्सीहिं जाव सद्धिं पु० च० जाव जे० गु० उ० ते० स० अ० उ० सं० त० अ० भा० विहरइ) समोसरणं परिसा निग्गया। तेणं कालेणं तेणं समएणं सोहम्मे कप्पे दद्दुरवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए दद्दुरंसि सीहासणंसि दद्दुरे देवे चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं अग्गमहिसीहिं सपरिसाहिं एवं जहा सू(सु)रिया-(भो)भे जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमा(णो)णे विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ जाव नट्टविहिं उवदंसित्ता पडिगए जहा सूरियाभे। भंते(ति)! त्ति भगवं गोयमे समणं ३ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अहो णं भंते! दद्दुरे देवे महिड्ढिए ६। दद्दुरस्स णं भंते! देवस्स सा दिव्वा देविड्ढी ३ कहिं गया? कहिं (अणु)पविट्ठा? गोयमा! सरीरं गया सरीरं अणुपविट्ठा कूडागारदिट्ठंतो। दद्दुरेणं भंते! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी ३ किन्ना लद्धा जाव अभिसमन्नागया? एवं खलु गोयमा! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे रायगिहे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया। तत्थ णं रायगिहे नंदे नामं मणियारसेट्ठी परिवसइ अड्ढे दित्ते०। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा! समोस(ढे)ड्ढे परिसा निग्गया सेणिए वि (राया) निग्गए। तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए पायचारेणं जाव पज्जुवासइ। नंदे धम्मं सोचा समणोवासए जाए। तए णं अहं रायगिहाओ पडिनिक्खंते बहिया जणवयविहारं विहरामि। तए णं से नं(दे)द्मणियारसेट्ठी अन्नया कयाइ असाहुदंसणेण य अपज्जुवासणाए य अणणुसासणाए य असुस्सूसणाए य सम्मत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं २ मिच्छत्तपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं २ मिच्छत्तं विप्पडिवन्ने जाए यावि होत्था। तए णं नंदे मणियारसेट्ठी अन्नया [कयाइ] गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूलंसि मासंसि अट्ठमभत्तं परिगेण्हइ २ त्ता पोसहसालाए जाव विहरइ। तए णं नंदस्स अट्ठमभत्तंसि परिणममाणंसि तण्हाए छुहाए य अभिभूयस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०–धन्ना णं ते जाव ईसरपभियओ जेसिं णं रायगिहस्स बहिया बहूओ वावीओ पोक्ख(र)रिणीओ जाव सरसरपंतियाओ जत्थ णं बहुजणो ण्हाइ य पियइ य पाणियं च संवहइ। तं सेयं खलु म(मं)म कल्लं (पाउ०) सेणियं रायं आपुच्छित्ता रायगिहस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभा(ए)गे वे[ब]भारपव्वयस्स अदूरसामंते वत्थुपाढगरोइयंसि भूमिभागंसि(जाव) नंदं पोक्खरिणिं खणावेत्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव पोसहं पारेइ २ त्ता

ण्हाए मित्तनाइ जाव संपरिवुडे महत्थं जाव पाहुडं रायारिहं गेण्हइ २ त्ता जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ जाव पाहुडं उवट्ठवेइ २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं सामी ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे रायगिहस्स बहिया जाव खणावेत्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया (!) । तए णं[से]नंदे सेणिएणं रन्ना अब्भणुन्नाए समाणे हट्ठतुट्ठे रायगिहं [नगरं] मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता वत्थुपाढयरोइयंसि भूमिभागंसि नंदं पोक्खरणिं खणा(वि)वेउं पयत्ते यावि होत्था । तए णं सा नंदा पोक्खरणी अणुपुव्वेणं ख(ण)म्ममाणा २ पोक्खरणी जाया यावि होत्था चाउक्कोणा समतीरा अणुपु(व्व)व्वं सुजायवप्पसीयलजला संछन्नपत्त(वि)भिसमुणाला बहु[उ]प्पलपउमकुमुदनालि(णि)णसुभगसोगंधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्तसहस्सपत्त(पफुल्ल)पुप्फफलकेसरोववेया परिहत्थभमंतमत्तछप्पयअणेगसउणगणमिहुणवियरियस(द्दुन्न)द्दनइयमहुरसरनाइया पासाईया ४ । तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी नंदाए पोक्खरिणीए चउदिसिं चत्तारि वणसंडे रोवावेइ । तए णं ते वणसंडा अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा संगोविज्जमाणा (य) संवड्ढि(य)ज्जमाणा य (से) वणसंडा जाया किण्हा जाव नि(कु)उरंबभूया पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति । तए णं नंदे पुरत्थिमिल्ले वणसंडे एगं महं चित्तसभं करावेइ [२] अणेगखंभसयसंनिविट्ठं पासाइयं ४ । तत्थ णं बहूणि किण्हाणि य जाव सुक्किलाणि य कट्ठकम्माणि य पोत्थकम्माणि य चित्त(०)ले(लि)प्प(०)गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइ(म०)माइं उवदंसिज्जमाणाइं २ चिट्ठंति । तत्थ णं बहूणि आसणाणि य सयणाणि य अत्थुयपच्चत्थुयाइं चिट्ठंति । तत्थ णं बहवे नडा य नट्टा य जाव दिन्नभइभत्तवेयणा तालायरकम्मं करेमाणा विहरंति । रायगिहविणिग्गओ(य) त(ज)त्थ [णं] ब(हू)हुजणो तेसु पुव्वन्नत्थेसु आसणसयणेसु संनिसण्णो य संतुयट्टो य सुणमाणो य पेच्छमाणो य सा(सो)हेमाणो य सुहंसुहेणं विहरइ । तए णं नंदे दाहिणिल्ले वणसंडे एगं महं महाणससालं कारावेइ अणेगखंभ जाव रूवं । तत्थ णं बहवे पुरिसा दिन्नभइभत्तवेयणा विउलं असणं ४ उवक्खडेंति बहूणं समणमाहणअति(ही)हिकिवणवणीमगाणं परिभाएमाणा २ विहरंति । तए णं नंदे मणियारसेट्ठी पच्चत्थिमिल्ले वणसंडे एगं महं ति(ते)गिच्छियसालं क(रे)रावेइ अणेगखंभसय जाव पडिरूवं । तत्थ णं बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाणुया य जाणुयपुत्ता य कुसला य कुसलपुत्ता य दिन्नभइभत्तवेयणा बहूणं वाहिया(णं)ण य गिलाणाण य रोगियाण य दुब्बलाण य तेइ(च्छं)च्छकम्मं करेमाणा विहरंति । अन्ने य त(ए)त्थ बहवे पुरिसा दिन्नभइ० तेसिं बहूणं वाहियाण य रोगि(०)यगिला(०)णदुब्बलाण य ओसहभेसज्जभत्तपाणेणं पडियारकम्मं विहरंति । तए णं नंदे उत्तरिल्ले वणसंडे एगं

महं अलंकारियसभं कारेइ अणेगखंभसय जाव पडिरूवं । तत्थ णं बहवे अलंकारि-य(पुरिसा)मणुस्सा दिन्नभइभत्त(वेय)पाणा बहूणं समणाण य [माहणाण य सनाहाण य] अणाहाण य गिलाणाण य रोगियाण य दुब्बलाण य अलंकारियकम्मं करेमाणा २ विहरंति । तए णं तीए नंदाए पोक्खरिणीए बहवे सणाहा य अणाहा य पंथिया य पहिया य करोडिया य (कारिया०) त(णा)णहारा पत्तहारा कट्ठहारा अप्पेगइया ण्हायंति अप्पेगइया पाणियं पियंति अप्पेगइया पाणियं संवहंति अप्पेगइया विस-ज्जियसेयजल्लमलपरिस्समनिद्दखुप्पिवासा सुहंसुहेणं विहरंति । रायगिह(वि)निग्गओ वि ए(ज)त्थ बहुजणो किं ते जलरमणविविहमज्जणकयलिलया(घ)हरयकुसुमसत्थर-यअणेगसउणगण(रु)कयरिभियसंकुलेसु सुहंसुहेणं अभिरममाणो २ विहरइ । तए णं नंदाए पोक्खरिणीए बहुजणो ण्हायमाणो य पीयमाणो य पाणियं च संवहमाणो य अन्नमन्नं एवं वयासी—धन्ने णं देवाणुप्पिया ! नंदे मणियारसेट्ठी कयत्थे जाव जम्म-जीवियफले जस्स णं इमेयारुवा नंदा पोक्खरिणी चाउक्कोणा जाव पडिरूवा जस्स णं पुरत्थिमिल्ले तं चेव सव्वं चउसु वि वणसंडेसु जाव रायगिहविणिग्गओ जत्थ बहु-जणो आसणेसु य सयणेसु य सन्निसण्णो य संतुयट्टो य पेच्छमाणो य साहेमाणो य सुहंसुहेणं विहरइ । तं धन्ने कयत्थे [कयलक्खणे] कयपुण्णे कया णं लोया(!) सुलद्धे माणुस्सए जम्मजीवियफले नंदस्स मणियारस्स । तए णं रायगिहे सिं(सं)घाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४—धन्ने णं देवाणुप्पिया ! नंदे मणियारे सो चेव गमओ जाव सुहंसुहेणं विहरइ । तए णं से नंदे मणियारे बहुजणस्स अंतिए एय-मट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे धाराहयक(लं)यंब(गं)कं पिव समूस(सि)वियरोमकूवे परं सायासोक्खमणुभ(व)वेमाणे विहरइ ॥ १०० ॥ तए णं तस्स नंदस्स मणिया-रसेट्ठिस्स अन्नया कयाइ सरीरगंसि सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा—सासे कासे जरे दाहे कुच्छिसूले भगंदरे । अरिसा अजीरए दि(ट्ठि)ट्ठीमुद्धसूले अ(गा)कारए ॥ १ ॥ अच्छिवेयणा कण्णवेयणा कंडू दउदरे कोढे ॥ तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी सोलसहिं रोयायंकेहिं अभिभूए समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! रायगिहे नयरे सिंघाडग जाव(म०)पहेसु महया [२] सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह—एवं खलु देवाणुप्पिया ! नंदस्स मणियार(सेट्ठि)स्स सरीरगंसि सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा—सासे जाव कोढे । तं जो णं इच्छइ देवाणुप्पिया ! वि(वे)ज्जो वा विज्जपुत्तो वा जाणुओ वा २ कुसलो वा २ नंदस्स मणियारस्स तेसिं च णं सोलसण्हं रोयायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसा(मे)मित्तए तस्स णं (दे०!)नंदे मणियारे विउलं अत्थसंपयाणं दलयइ—त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि

घोसणं घोसेह २ त्ता एयमाणत्तियं पञ्चप्पिणह तेवि तहेव पञ्चप्पिणंति। तए णं रायगिहे इमेयारूवं घोसणं सोचा निसम्म बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाव कुसलपुत्ता य सत्थकोसहत्थगया य (कोसगपायहत्थगया य) सिलियाहत्थगया य गुलियाहत्थगया य ओसहभेसज्जहत्थगया य सएहिं २ गिहेहिंतो निक्खमंति २ त्ता रायगिहं मज्झंमज्झेणं जेणेव नंदस्स मणियारसेट्ठिस्स गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता नंदस्स मणियारस्स सरी(रं)रगं पासंति [२] तेसिं रोयायंकाणं नियाणं पुच्छंति [२ त्ता] नंदस्स मणियारस्स बहूहिं उव्वलणेहि य उव्वट्टणेहि य सिणेहपाणेहि य वमणेहि य विरेयणेहि य सेयणेहि य अवदहणेहि य अवण्हा[व]णेहि य अणुवास(णे)णाहि य व(व)त्थिकम्मेहि य निरूहेहि य सिरावेहेहि य तच्छणाहि य पच्छणाहि य सिरा(वेढे)बत्थीहि य तप्पणाहि य पु(ढ)डवाएहि य छल्लीहि य वल्लीहि य मूलेहिं य कंदेहि य पत्तेहि य पुप्फेहि य फलेहि य बीएहि य सिलियाहि य गुलियाहि य ओसहेहि य भेसज्जेहि य इच्छंति तेसिं सोलसण्हं रोयायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसामित्तए नो चेव णं संचाएंति उवसामेत्तए। तए णं ते बहवे विज्जा य ६ जाहे नो संचाएंति तेसिं सोलसण्हं रो(गा)यायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसामित्तए ताहे संता तंता जाव पडिगया। तए णं नंदे [मणियारे] तेहिं सोलसेहिं रोयायंकेहिं अभिभूए समाणे नंदा[ए] पु(पो)क्खरिणीए मुच्छिए ४ तिरिक्खजोणिएहिं निबद्धाउए बद्धपएसिए अट्टदुहट्टवसट्टे कालमासे कालं किच्चा नंदाए पोक्खरिणीए दद्दुरीए कुच्छिंसि दद्दुरत्ताए उववन्ने। तए णं नंदे दद्दुरे गब्भाओ वि(णिम्मु)प्पमुक्के समाणे उ(म्म)मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणु[प्प]पत्ते नंदाए पोक्खरिणीए अभिरममाणे २ विहरइ। तए णं नंदाए पोक्खरिणीए बहुज(णे)णो ण्हायमाणो य पिय(माणो)इ य पाणियं च संवहमाणो(य)अन्नम(न्नस्स)न्नं एवमाइक्खइ ४–धन्ने णं देवाणुप्पिया! नंदे मणियारे जस्स णं इमेयारूवा नंदा पुक्खरिणी चाउक्कोणा जाव पडिरूवा जस्स णं पुरत्थिमिल्ले वणसंडे चित्तसभा अणेगखंभ(०)तहेव चत्तारि स(हा)भाओ जाव जम्मजीवियफले। तए णं तस्स दद्दुरस्स तं अभिक्खणं २ बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोचा निसम्म इमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था–से कहिं मन्ने मए इमेयारूवे सद्दे निसंतपुव्वे–त्तिकट्टु सुभेणं परिणामेणं जाव जाईसरणे समुप्पन्ने पुव्वजाइं सम्मं समागच्छइ। तए णं तस्स दद्दुरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०–एवं खलु अहं इहेव रायगिहे नयरे नंदे नामं मणियारे अड्ढे०। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे[इह]समोसढे। तए णं[मए]समणस्स ३ अंतिए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए जाव पडिवन्ने। तए णं अहं अन्नया कयाइ असाहुदंसणेण य जाव मिच्छत्तं

विप्पडिवन्ने। तए णं अहं अन्नया कया(ई)इं गि(म्हे)म्हकालसमयंसि जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरामि–एवं जहेव चिंता आपुच्छणा नंदापुक्खरिणी वणसंडा सहाओ तं चेव सव्वं जाव नंदाए (पु(पो)क्ख०) दद्दुरत्ताए उववन्ने। तं अहो णं अहं अहन्ने अपुण्णे अकयपुण्णे निग्गंथाओ पावयणाओ नट्ठे भट्ठे परिब्भट्ठे। तं सेयं खलु ममं सयमेव पुव्वपडिवन्नाइं पंचाणुव्वयाइं (०) उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता पुव्वपडिवन्नाइं पंचाणुव्वयाइं जाव आरु(हे)हइ २ त्ता इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कप्पइ मे जाव(जी)ज्जीवं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं अप्पाणं भावेमाणस्स विहरित्तए। छट्ठस्स वि य णं पारणगंसि कप्पइ मे नंदाए पोक्खरिणीए परिपेरंतेसु फासुएणं ण्हाणोदएणं उम्मद्द(णो)णालोलियाहि य वित्तिं कप्पेमाणस्स विहरित्तए। इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा! गुणसिलए समोसढ्ढे परिसा निग्गया। तए णं नंदाए पो(पु)क्खरिणीए बहुजणो ण्हा(य०)इ ३ अन्नमन्नं (०) जाव समणे ३ इहेव गुणसिलए उज्जाणे समोसढ्ढे। तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! समणं ३ वंदामो जाव पज्जुवासामो। एयं (मे) णे इहभवे परभवे य हियाए जाव आ(अ)णुगामियत्ताए भविस्सइ। तए णं तस्स दद्दुरस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे ३ (०) समोसढे। तं गच्छामि णं वंदामि (०)। एवं संपेहेइ २ त्ता नंदाओ पुक्खरिणीओ सणियं २ उत्त(र)रेइ (२ त्ता) जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए ५ दद्दुरगईए वीईवयमाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। इमं च णं सेणिए राया भिं(भं)भसारे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए हत्थिखंधवरगए सको(रं)रेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं सेयवरचाम(रा)रे० हयगयरह० महया भडचडगर(०)चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे मम पायवंदए हव्वमागच्छइ। तए णं से दद्दुरे सेणियस्स रन्नो एगेणं आसकिसोरएणं वामपाएणं अक्कंते समाणे अंतनिग्घाइए कए यावि होत्था। तए णं से दद्दुरे अ(त)थामे अबले अवीरिए अपुरिस(का)क्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु एगंतमवक्कमइ (०) करयल(परिग्गहियं तिखुत्तो सिरसावत्तं म० अं० कट्टु) जाव एवं वयासी–नमोत्थु णं अ(रु)रहंताणं (भगवंताणं) जाव संपत्ताणं। नमोत्थु णं (समणस्स ३) मम धम्मायरियस्स जाव संपाविउकामस्स। पुव्विंपि य णं मए समणस्स ३ अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए। तं इयाणिंपि तस्सेव अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव सव्वं परिग्गहं पच्चक्खामि जावज्जीवं सव्वं असणं ४ पच्चक्खामि जावज्जीवं जंपि य इमं सरीरं इट्ठं

कंतं जाव मा फुसंतु एयंपि [य] णं चरिमेहिं ऊसासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्टु । तए णं से दद्दुरे कालमासे कालं किच्चा जाव सोहम्मे कप्पे दद्दुरवडिंसए (विमाणे) उववायसभाए दद्दुरदेवत्ताए उववन्ने । एवं खलु गोयमा ! दद्दुरेणं सा दिव्वा देविड्ढी लद्धा ३ । दद्दुरस्स णं भंते ! देवस्स केव(ति)इयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । [दद्दुरे णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा !] से णं दद्दुरे देवे (०) महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ [मुच्चिहिइ] जाव अंतं करेहिइ । एवं खलु [जंबू !] समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं तेरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ॥ १०१ ॥ **गाहाउ**-संपन्नगुणो वि जओ सुसाहुसंसग्गिवज्जिओ पायं । पावइ गुणपरिहाणिं दद्दुरजीवोव्व मणियारो ॥ १ ॥ तित्थयरवंदणत्थं चलिओ भावेण पावए सग्गं । जह दद्दुरदेवेणं पत्तं वेमाणियसुरत्तं ॥ २ ॥

तेरसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं तेरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते चोद्दसमस्स (०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं तेयलिपु(रे)रं ना(मं)म नय(रे)रं (होत्था) । (त० णं ते० व० उ० दि० एत्थ णं) पमयवणे (णामं) उज्जाणे (होत्था) । (तत्थ णं ते० णयरे) कणगरहे (णामं) राया (होत्था) । तस्स णं कणगरहस्स (रण्णो) पउमावई (णामं) देवी (होत्था) । तस्स णं कणगरहस्स रन्नो तेयलिपुत्ते नामं अमच्चे (होत्था) साम(दाम)दंडभेय(दंडे)-निउणे । तत्थ णं तेयलिपुरे कलादे नामं मूसियारदारए होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं भद्दा नामं भारिया (होत्था) । तस्स णं कलायस्स मूसियारदार-(य)गस्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला नामं दारिया होत्था रूवेण य (जोव्वणेण य ला०) जाव उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा । तए णं [सा] पोट्टिला दारिया अन्नया कयाइ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया चेडियाचक्कवालसंपरिवुडा उप्पिं पासायवरगया आगासतलगंसि कणग(मएणं)तिंदूसएणं कीलमाणी २ विहरइ । इमं च णं तेयलिपुत्ते अमच्चे ण्हाए आसखंधवरगए महया भडचडगर[०] आसवाहणियाए निज्जायमाणे कलायस्स मूसियारदारगस्स गिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ । तए णं से तेयलिपुत्ते [अमच्चे] मूसियारदारगगिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणे २ पोट्टिलं दारियं उप्पिं (पासायवरगयं) आगासतलगंसि कणगतिंदूसएणं कीलमाणीं पासइ २ त्ता पोट्टिलाए दारियाए रूवे य (३) जाव अज्झोववन्ने कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! कस्स दारिया किंनामधेज्जा [वा] ? । तए णं

कोडुंबियपुरि(से)सा तेयलिपुत्तं एवं वयासी-एस णं सामी! कलायस्स मूसियारदारयस्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला नामं दारिया रूवेण य जाव [उक्किट्ठ]सरीरा। तए णं से तेयलिपुत्ते आसवाहणियाओ पडिनियत्ते समाणे अब्भिंतर(ट्ठा)ठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! कला(द)यस्स २ धूयं भद्दाए अत्तयं पोट्टिलं दारियं मम भारियत्ताए वरेह। तए णं ते अब्भिंतरठाणिज्जा पुरिसा तेयलिणा एवं वुत्ता (समाणा) हट्ठ० करयल० तहत्ति जेणेव कलायस्स २ गिहे तेणेव उवागया। तए णं से कलाए मूसियारदार[ए]ते पुरिसे एज्जमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता आसणेणं उवणिमंतेइ २ त्ता आसत्थे वीसत्थे सुहासणवरगए एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणपओयणं (?)। तए णं ते अब्भिंतरठाणिज्जा (पुरिसा) कलायं २ एवं वयासी-अम्हे णं देवाणुप्पिया! तव धूयं भद्दाए अत्तयं पोट्टिलं दारियं तेयलिपुत्तस्स भारियत्ताए वरेमो, तं जइ णं जाणसि देवाणुप्पिया! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो ता दिज्जउ णं पोट्टिला दारिया तेयलिपुत्तस्स, (ता) तो भण देवाणुप्पिया! किं दलामो सुक्कं (?)। तए णं कलाए २ ते अब्भिंतरठाणिज्जे पुरिसे एवं वयासी-एस चेव णं देवाणुप्पिया! मम सु(क्के)क्कं जन्नं तेयलिपुत्ते मम दारियानिमित्तेणं अणुग्गहं करेइ। ते ठाणिज्जे पुरिसे विपुलेणं अस(ण)णेणं ४ पुप्फवत्थ जाव मल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ (०) पडिविसज्जेइ। तए णं [ते पुरिसा] कलायस्स २ गिहाओ पडिनि(क्खमं)यत्तंति २ त्ता जेणेव तेयलिपुत्ते अमच्चे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेयलिपुत्तं एयमट्ठं निवे(यं)इंति। तए णं कलाए २ अन्नया कयाइं सोहणंसि तिहि[करण]नक्खत्तमुहुत्तंसि पोट्टिलं दारियं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं सीयं (दुरुहइ) दुरु(हि)हेत्ता मित्तणाइसंपरिवुडे सया(सा)ओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सव्विड्ढीए [४] तेयलिपुरं [नयरं] मज्झंमज्झेणं जेणेव तेयलिस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ (०) पोट्टिलं दारियं तेयलिपुत्तस्स सयमेव भारियत्ताए दलयइ। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं दारियं भारियत्ताए उवणीयं पासइ २ त्ता पोट्टिलाए सद्धिं पट्टयं दुरुहइ २ त्ता सेयापी(त)एहिं कलसेहिं अप्पाणं मज्जावेइ २ त्ता अग्गिहोमं करेइ २ त्ता पाणिग्गहणं करेइ २ त्ता पोट्टिलाए भारियाए मित्तनाइ जाव परि(ज)यणं विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पुप्फ[वत्थ] जाव पडिविसज्जेइ। तए णं से तेयलिपुत्ते पोट्टिलाए भारियाए अणुरत्ते अविरत्ते उरालाइं जाव विहरइ॥ १०२॥

तए णं से कणगरहे (राया) रज्जे य रट्ठे य बले य वाहणे य कोसे य कोट्ठागारे य अंतेउरे य मुच्छिए ४ जाए २ पुत्ते वियंगेइ। अप्पेगइयाणं हत्थंगुलियाओ छिंदइ

अप्पेगइयाणं हत्थंगुट्टए छिंदइ। एवं पायंगुलियाओ पायंगुट्टए वि कण्ण(सक्कु)संकुली-(ए)याओ वि नासापुडाइं फालेइ अं(गमं)गोवंगाइं वियंगेइ। तए णं तीसे पउमाव-ईए देवीए अन्नया [कयाइ] पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४ समुप्पज्जित्था–एवं खलु कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते वियंगेइ जाव अंगमंगाइं वियंगेइ। तं जइ [णं] अहं दारयं प(या)यामि सेयं खलु म(मं)म तं दारगं कणगर-हस्स रहस्सि[य]यं चेव सारक्खमाणीए संगोवेमाणीए विहरित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता तेयलिपुत्तं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! कण-गरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ। तं जइ णं अहं देवाणुप्पिया! दारगं पयायामि तए णं तुमं कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुव्वेणं सारक्खमाणे संगोवेमाणे संव-ड्ढेहि। तए णं से दारए उमुक्कबालभावे [जाव] जोव्वणगमणुप्पत्ते तव य मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ। तए णं से तेयलिपुत्ते पउमावईए एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता पडिगए। तए णं पउमावई (य) देवी पोट्टिला य अमच्ची सममेव गब्भं गेण्ह-(न्ति)इ सममेव (गब्भं) परिवहंति (सममेव गब्भं परिवड्ढंति)। तए णं सा पउ-मावई नवण्हं मासाणं जाव पियदंसणं सुरूवं दारगं पयाया। जं रयणिं च णं पउ-मावई (देवी) दारयं पयाया तं रयणिं च णं पोट्टिला वि अमच्ची नवण्हं मासाणं विणि(हा)घायमावन्नं दारियं पयाया। तए णं सा पउमावई देवी अम्मधाइं सद्दा-वेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तु(मे)मं अम्मो! (तेयलि(पुत्त)गिहे) तेयलि-पुत्तं रहस्सिययं चेव सद्दावे(ह)हि। तए णं सा अम्मधाई तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता अंतेउरस्स अव(द्दा)दारेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव तेयलिस्स गिहे जेणेव तेयलि-पुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! पउमावई देवी सद्दावेइ। तए णं तेयलिपुत्ते अम्मधाईए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा (णिसम्म) हट्ठतु(ट्ठ)ट्ठे अम्मधाईए सद्धिं सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता अंतेउ-रस्स अवदारेणं रहस्सिययं चेव अणु[प]पविसइ २ त्ता जेणेव पउमावई (देवी) तेणेव उवागच्छइ (२ त्ता) करयल जाव एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं मए कायव्वं। तए णं पउमावई तेयलिपुत्तं एवं वयासी–एवं खलु कणगरहे राया जाव वियंगेइ। अहं च णं देवाणुप्पिया! दारगं पयाया। तं तु(मं)ब्भे णं देवाणुप्पिया! (तं) एयं दारगं गेण्हाहि जाव तव मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ–त्तिकट्टु तेय-लिपुत्तस्स हत्थे दलयइ। तए णं तेयलिपुत्ते पउमावईए हत्थाओ दारगं गेण्हइ उत्त-रिज्जेणं पिहेइ २ त्ता अंतेउरस्स रहस्सिययं अवदारेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव पोट्टिला भारिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोट्टिलं एवं वयासी–एवं

खलु देवाणुप्पि(या)ए! कणगरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ। अयं च णं दारए कणगरहस्स पुत्ते पउमावईए अत्तए। (तेणं) तन्नं तुमं देवाणुप्पिए! इमं दारगं कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुव्वेणं सारक्खाहि य संगोवेहि य संवड्ढेहि य। तए णं एस दारए उमुक्कबालभावे तव य मम य पउमावईए य आहारे भविस्सइ-त्तिकट्टु पोट्टिलाए पासे निक्खिवइ [२] पोट्टिला(ओ)ए पासाओ तं विणिहायमावन्नियं दारियं गेण्हइ २ त्ता उत्तरिज्जेणं पिहेइ २ त्ता अंतेउरस्स अवदारेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव पउमावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमावईए देवीए पासे ठावेइ (०) जाव पडिनिग्गए। तए णं तीसे पउमावईए अंगपडियारियाओ पउमावइं देविं विणिहायमावन्नियं (च) दारियं पयायं पासंति २ त्ता जेणेव कणगरहे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु सामी! पउमावई देवी म(इ)एल्लियं दारियं पयाया। तए णं कणगरहे राया तीसे मएल्लियाए दारियाए [महया] नीहरणं करेइ बहू(णि)इं लो(इ)गियाइं मयकिच्चाइं करेइ [२] कालेणं विगयसोए जाए। तए णं से तेयलिपुत्ते क(ल्ले)ल्लं कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव चारगसोहणं जाव ठिइपडियं जम्हा णं अम्हं एस दारए कणगरहस्स रज्जे जाए तं होउ णं दारए नामेणं कणगज्झए जाव अलंभोगसमत्थे जाए॥ १०३॥ तए णं सा पोट्टिला अन्नया कयाइ तेयलिपुत्तस्स अणिट्ठा ५ जाया यावि होत्था नेच्छइ (य) णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलाए नामगो(त्त)यमवि सवणयाए किंपुण दं(दरि)सणं वा परिभोगं वा (?)। तए णं तीसे पोट्टिलाए अन्नया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं तेयलिस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाया। नेच्छइ णं तेयलिपुत्ते मम नामं जाव परिभोगं वा ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणुप्पिए! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुमं णं मम महाणसंसि विपुलं असणं ४ उवक्खडावेहि २ त्ता बहूणं समणमाहण जाव वणीमगाणं देयमाणी य द(दे)वावेमाणी य विहराहि। तए णं सा पोट्टिला तेयलिपुत्तेणं [अमच्चेणं] एवं वुत्ता समा(णा)णी हट्ठ० तेयलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता कल्लाक(ल्लं)ल्लिं महाणसंसि विपुलं असणं ४ जाव दवावेमाणी विहरइ॥ १०४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सुव्वयाओ नामं अज्जाओ इ(ई)रियासमियाओ जाव गुत्तबंभ(या)चारिणीओ बहुस्सुयाओ बहुपरिवाराओ पुव्वाणुपुव्विं [चरमाणीओ] जेणामेव तेयलिपुरे नयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हंति, २ त्ता संजमे(ण)णं तवसा

अप्पाणं भावेमाणीओ विहरंति। तए णं तासिं सुव्वयाणं अज्जाणं एगे संघाडए पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ जाव अडमाणीओ तेयलिस्स गिहं अणुपविट्ठाओ। तए णं सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एज्जमाणीओ पासइ २ त्ता हट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ (०) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता विपु(लं)लेणं अस(णं)णेणं ४ पडिलाभेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं अज्जाओ! तेयलिपुत्तस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाव दंसणं वा परिभोगं वा, तं तुब्भे णं अज्जाओ बहुनायाओ [बहु]सिक्खियाओ बहुपढियाओ बहूणि गामागर जाव आहिंडह बहूणं राईसर जाव गिहाइं अणुपविसह, तं अत्थि-याइं भे अज्जाओ! केइ क(हं)हिंचि चुण्णजोए वा मंतजोगे वा कम्मणजोए वा हियउड्डावणे वा काउड्डावणे वा आभिओगिए वा वसीकरणे वा कोउयकम्मे वा भूइकम्मे वा मूले [वा] कंदे [वा] छल्ली वल्ली सिलिया वा गुलिया वा ओसहे वा भेसज्जे वा उवलद्धपुव्वे जेणाहं तेयलिपुत्तस्स पुणरवि इट्ठा ५ भवेज्जामि [?]। तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए एवं वुत्ताओ समाणीओ दोवि कण्णे [अंगुलियं] ठवें(ठाइं)ति २ त्ता पोट्टिलं एवं वयासी-अम्हे णं देवाणुप्पिए! समणीओ निग्गंथीओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ। नो खलु कप्पइ अम्हं एयप्प(या)गारं कण्णे(हि)हिं वि निसा(मे)मित्तए किमंग पुण उव(दि)दंसित्तए वा आयरित्तए वा (?)। अम्हे णं तव देवाणुप्पिया! विचित्तं केवलिपन्नत्तं धम्मं प(डि)रिकहिज्जामो। तए णं सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एवं वयासी-इच्छामि णं अज्जाओ! तु(म्हं)ब्भं अंतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं निसामित्तए। तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए विचित्तं धम्मं परिकहेंति। तए णं सा पोट्टिला धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ० एवं वयासी-सद्दहामि णं अज्जाओ! निग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वयह, इच्छामि णं अहं तुब्भं अंतिए पंचाणुव्व(याइं)इयं जाव धम्मं पडिवज्जित्तए। अहासुहं [देवाणुप्पिया]। तए णं सा पोट्टिला तासिं अज्जाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव धम्मं पडिवज्जइ ताओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सा पोट्टिला समणोवासिया जाया जाव पडिलाभेमाणी विहरइ ॥ १०५ ॥ तए णं तीसे पोट्टिलाए अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु अहं तेयलिपुत्तस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाव परिभोगं वा, तं सेयं खलु म(म)मं सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए पव्वइत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं (पाउ०) जेणेव तेयलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मए सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए धम्मे निसंते जाव अब्भणुन्नाया पव्वइत्तए। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी-एवं खलु

तुमं देवाणुप्पिए ! मुंडा पव्वइया समाणी कालमासे कालं किच्चा अ(न्न)णंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जिहिसि, तं जइ णं तुमं देवाणुप्पिए ! ममं ताओ देवलो(या)गाओ आगम्म केवलिपन्नत्ते धम्मे वो(हि)हेहि तो हं विसज्जेमि, अह णं तुमं ममं न संवोहेसि तो ते न विसज्जेमि । तए णं सा पोट्टिला तेयलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ । तए णं तेयलिपुत्ते विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तनाइ जाव आमंतेइ (०) जाव सम्माणेइ २ पोट्टिलं ण्हायं स० पुरिससहस्सवा(ह)हिणीयं सीयं दुरुहित्ता मित्तनाइ जाव [सं]परिवुडे सव्वि(ड्ढि)ड्ढीए जाव रवेणं तेयलिपु(रस्स)रं मज्झंमज्झेणं जेणेव सुव्वयाणं उवस्सए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पोट्टिलं पुरओ–कट्टु जेणेव सुव्वया अज्जा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पि(ए)या ! मम पोट्टिला भारिया इट्ठा ५, एस णं संसारभउव्विग्गा जाव पव्वइत्तए, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया ! सिस्सिणिभिक्खं (दलयामि) । अहासुहं मा पडिवंधं (करेह) । तए णं सा पोट्टिला सुव्वयाहिं अज्जाहिं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ० उत्तरपुर(च्छिमे)त्थिमं दिसीभा(ए)गं [अवक्कमइ २] सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव सुव्वयाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–आलित्ते णं भंते ! लोए एवं जहा देवाणंदा जाव एक्कारस अंगाइं वहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणस(णाइं)णेणं [छेएत्ता] आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ना ॥ १०६ ॥ तए णं से कणगरहे राया अन्नया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते यावि होत्था । तए णं [ते] राईसर जाव नीहरणं करेंति २ त्ता अन्नमन्नं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते वियंगित्था । अम्हे णं देवाणुप्पिया ! रायाहीणा रायाहिट्ठिया रायाहीणकज्जा । अयं च णं तेयली अमच्चे कणगरहस्स रन्नो सव्वट्ठाणेसु सव्वभूमियासु लद्धपच्चए दिन्नवियारे सव्वकज्जव(ट्टा)ड्ढावए यावि होत्था । तं सेयं खलु अम्हं तेयलिपुत्तं अमच्चं कुमारं जाइत्तए–त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव तेयलिपुत्ते अमच्चे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेयलिपुत्तं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! कणगरहे राया रज्जे य रट्ठे य जाव वियंगेइ, अम्हे (य) णं देवाणुप्पिया ! रायाहीणा जाव रायाहीणकज्जा, तुमं च णं देवाणुप्पिया ! कणगरहस्स रन्नो सव्व(ट्ठा)ठाणेसु जाव रज्जधुराचिंतए [होत्था], तं जइ णं देवाणुप्पिया ! अत्थि केइ कुमारे रायलक्खणसंपन्ने अभिसेयारिहे तण्णं तुमं अम्हं दलाहि जण(जा)णं अम्हे

महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचामो। तए णं तेयलिपुत्ते तेसिं ईसर जाव एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता कणगज्झयं कुमारं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं सस्सिरीयं करेइ २ त्ता तेसिं ईसर जाव उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! कणगरहस्स रन्नो पुत्ते पउमावईए देवीए अत्तए कणगज्झए नामं कुमारे अभिसेयारिहे रायलक्खणसंपन्ने मए कणगरहस्स रन्नो रहस्सिययं संवड्ढिए, एयं णं तुब्भे महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचह। सव्वं च तेसिं उट्ठाणपरियावणियं परिकहेइ। तए णं ते ईसर जाव कणगज्झयं कुमारं महया (२) रायाभिसेएणं अभिसिंचंति। तए णं से कणगज्झए कुमारे राया जाए महयाहिमवंत(मलय) वण्णओ जाव रज्जं पसा-(से)हेमाणे विहरइ। तए णं सा पउमावई देवी कणगज्झयं रायं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं पुत्ता! तव रज्जे जाव अंतेउरे य तुमं च तेयलिपुत्तस्स [अमच्चस्स] प(हा)भावेणं, तं तुमं णं तेयलिपुत्तं अमच्चं आढाहि परिजाणाहि सक्कारेहि सम्माणेहि इंतं अब्भुट्ठेहि ठियं पज्जुवासाहि वच्चंतं पडिसंसाहेहि अद्धासणेणं उवणिमंतेहि भोगं च से अणुवड्ढेहि। तए णं से कणगज्झए पउमावईए (देवीए) तहत्ति [वयणं] पडिसुणेइ जाव भोगं च से [सं]वड्ढेइ ॥ १०७ ॥ तए णं से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्तं अभिक्खणं २ केवलिपन्नत्ते धम्मे संबोहेइ नो चेव णं से तेयलिपुत्ते संबुज्झइ। तए णं तस्स पोट्टिलदेवस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु कणगज्झए राया तेयलिपुत्तं आढाइ जाव भोगं च संवड्ढेइ। तए णं से तेय(ली)लिपुत्ते अभिक्खणं २ संबोहिज्जमाणे वि धम्मे नो संबुज्झइ। तं सेयं खलु कणगज्झयं तेयलिपुत्ताओ विप्परिणा(मे)मित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कणगज्झयं तेयलिपुत्ताओ विप्परिणामेइ। तए णं तेयलिपुत्ते कल्लं ण्हाए आसखंधवरगए बहूहिं पुरिसेहिं [सद्धिं] संपरिवुडे सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कणगज्झए राया तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तेयलिपुत्तं अमच्चं जे जहा बहवे राईसरतलवर जाव पभियओ पासंति ते तहेव आढायंति परि(जा)याणंति अब्भुट्ठेंति २ त्ता अंजलिपरिग्गहं करेंति इट्ठाहिं कंताहिं जाव वग्गूहिं आल(वे)वमाणा य संलवमाणा य पुरओ य पिट्ठओ य पासओ य मग्गओ य समणुगच्छंति। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव कणगज्झए तेणेव उवागच्छइ। तए णं [से] कणगज्झए तेयलिपुत्तं एज्जमाणं पासइ २ त्ता नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ अणाढायमाणे ३ परम्मुहे संचिट्ठइ। तए णं [से] तेयलिपुत्ते कणगज्झयस्स रन्नो अंजलिं करेइ। तए णं से कणगज्झए राया अणाढायमाणे तुसिणीए परम्मुहे संचिट्ठइ। तए णं तेयलिपुत्ते कणगज्झयं [रायं] विप्परिणयं जाणित्ता भीए जाव संजायभए एवं वयासी-रुट्ठे

णं मम कणगज्झए राया। हीणे णं मम कणगज्झए राया। अवज्झाए णं कणगज्झए (राया)। तं न नज्जइ णं मम केणइ कुमारेण मारेहिइ-त्तिकट्टु भीए तत्थे (य) जाव सणियं २ पच्चोस(क्के)क्कइ २ त्ता तमेव आसखंधं दुरु(हे)हइ २ त्ता तेयलिपुरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तेयलिपुत्तं जे जहा ईसर जाव पासंति ते तहा नो आढायंति नो परियाणंति नो अब्भुट्ठेंति नो अंज(लि)लिं० इट्ठा(हिं)इं जाव नो संलवंति नो पुरओ य पिट्ठओ य पासओ (य मग्गओ य)समणुगच्छंति। तए णं तेयलिपुत्ते जेणेव सए गिहे तेणेव उवाग(च्छइ)ए। जा वि य से तत्थ बाहिरिया परिसा भवइ तंजहा-दासेइ वा पेसेइ वा भाइल्लएइ वा सा वि य णं नो आढाइ ३। जा वि य से अब्भितरिया परिसा भवइ तंजहा-पियाइ वा मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा सा वि य णं नो आढाइ ३। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव वासघरे जेणेव (सए) सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयणिज्जंसि निसीयइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं सयाओ गिहाओ निग्गच्छामि तं चेव जाव अब्भितरिया परिसा नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ। तं सेयं खलु मम अप्पाणं जीवियाओ ववरोवित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता तालउडं विसं आसगंसि पक्खिवइ, से (य विसे) नो संकमइ। तए णं से तेयलिपुत्ते [अमच्चे] नीलुप्पल जाव असिं खं(धे)धंसि ओहरइ, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासगं गीवाए बंधइ २ त्ता रुक्खं दुरुहइ २ त्ता पा(सं)सगं रुक्खे बंधइ २ त्ता अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि य से रज्जू छिन्ना। तए णं से तेयलिपुत्ते महइमहा(ल)लियं सिलं गीवाए बंधइ २ त्ता अत्थाहमतारमपोरि(सि)सीयंसि उदगंसि अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि से थाहे जाए। तए णं से तेयलिपुत्ते सुक्कंसि तणकूडंसि अगणिकायं पक्खिवइ २ त्ता अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि य से अगणिकाए विज्झाए। तए णं से तेयलिपुत्ते एवं वयासी-सद्धेयं खलु भो समणा वयंति, सद्धेयं खलु भो माहणा वयंति, सद्धेयं खलु भो समणा माहणा वयंति, अहं एगो असद्धेयं वयामि, एवं खलु अहं सह पुत्तेहिं अपुत्ते, को मेदं सद्दहिस्सइ? सह मित्तेहिं अमित्ते, को मेदं सद्दहिस्सइ? एवं अत्थेणं दारेणं दासेहिं [पेसेहिं] परिजणेणं। एवं खलु तेयलिपुत्तेणं अमच्चेणं कणगज्झएणं रन्ना अवज्झाएणं समाणेणं तालपुडगे विसे आसगंसि पक्खित्ते, से वि य नो (सं)कमइ, को मेयं सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते नीलुप्पल जाव खंधंसि ओहरिए, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला, को मेदं सद्दहिस्सइ? तेयलिपु(त्तस्स)त्ते पासगं गीवाए बं(धे)धित्ता जाव रज्जू छिन्ना, को मे(दं)यं सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते महा(सिल)लियं जाव बंधित्ता

अत्थाह जाव उदगंसि अप्पा[णं] मुक्के, तत्थ वि य णं थाहे जाए, को मेयं सद्दहिस्सइ ? तेयलिपुत्ते सुक्कंसि तणकूडे अग्गी विज्झाए, को मेयं सद्दहिस्सइ ?–ओहयमणसंकप्पे जाव झिया[य]इ। तए णं से पोट्टिले देवे पोट्टिलारूवं विउव्वइ २ त्ता तेयलिपुत्तस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वयासी–हं भो तेयलिपुत्ता! पुरओ पवाए पिट्ठओ हत्थिभयं दुहओ अचक्खुफासे मज्झे सराणि पतं(वरिसयं)ति, गामे पलित्ते रन्ने झियाइ रन्ने पलित्ते गामे झियाइ, आउसो(!) तेयलिपुत्ता! कओ वयामो ?। तए णं से तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी–भीयस्स खलु भो! पव्वज्जा सरणं, उक्कं(ठि)ठियस्स सदेसगमणं छुहियस्स अन्नं तिसियस्स पाणं आउरस्स भेसज्जं माइयस्स रहस्सं अभिजुत्तस्स पच्चयकरणं अद्धाणपरिसंतस्स वाहणगमणं तरिउकामस्स पवह(णं)णकिच्चं परं अभिओजिउकामस्स सहायकिच्चं, खंतस्स दंतस्स जिइंदियस्स एत्तो एगमवि न भवइ। तए णं से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्तं अमच्चं एवं वयासी–सुट्ठु णं तुमं तेयलिपुत्ता! एयमट्ठं आया(णि)णहि–त्तिकट्टु दोच्चंपि [तच्चंपि] एवं वयइ २ त्ता जामेव दि(सं)सिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १०८ ॥ तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स सुभेणं परिणामेणं जाईसरणे समुप्पन्ने। तए णं (तस्स) तेयलिपुत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए ० समुप्पन्ने–एवं खलु अहं इहेव जंबुद्दीवे २ महाविदेहे वासे पोक्खलावईविजए पोंड(री)रिगिणीए रायहाणीए महापउमे नामं राया होत्था। तए णं (अ)हं थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव चोद्दस–पुव्वाइं (०) बहूणि वासाणि सामण्णपरिया(ए)गं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए महासुक्के कप्पे देवे (उववन्ने)। तए णं हं ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं [भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता] इहेव तेयलिपुरे तेयलिस्स अमच्चस्स भद्दाए भारियाए दारगत्ताए पच्चायाए। तं सेयं खलु मम पुव्वदिट्ठाइं महव्वयाइं सयमेव उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता सयमेव महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता जेणेव पमयवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि सुहनिसण्णस्स अणुचिंतेमाणस्स पुव्वाहीयाइं सामाइयमाइयाइं चोद्दसपुव्वाइं सयमेव अभिसमन्नागयाइं। तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स अणगारस्स सुभेणं परिणामेणं जाव तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं कम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरणं पविट्ठस्स केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ॥ १०९ ॥ तए णं तेयलिपुरे नयरे अहासन्निहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं देवीहि य देवदुंदु(भी)हीओ समाहयाओ दसद्धवण्णे कुसुमे निवाइए दिव्वे गीयगंधव्वनिनाए कए यावि होत्था। तए णं से कणगज्झए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे एवं वयासी–एवं खलु तेय(लिं)लिपुत्ते मए अव-

ज्झाए मुंडे भवित्ता पव्वइए तं गच्छामि णं तेयलिपुत्तं अणगारं वंदामि नमंसामि वं० २ त्ता एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेमि । एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए चाउरंगिणीए सेणाए जेणेव पमयवणे उज्जाणे जेणेव तेयलिपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेयलिपुत्तं (अणगारं) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एयमट्ठं च [णं] विणएणं भुज्जो २ खामेइ [२] नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ । तए णं से तेयलिपुत्ते अणगारे कणगज्झयस्स रन्नो तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ । तए णं से कणगज्झए राया तेयलिपुत्तस्स केवलिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं सावगधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता समणोवासए जाए जाव अ(हि)भिगयजीवाजीवे । तए णं तेयलिपुत्ते केवली बहूणि वासाणि केवलिपरियागं पाउणित्ता जाव सिद्धे । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं चोद्दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ११० ॥ **गाहा**–जाव न दुक्खं पत्ता माणब्भंसं च पाणिणो पायं । ताव न धम्मं गेण्हंति भावओ तेयलिसुउव्व ॥ १ ॥ **चोद्द(चउद)समं नाय(अ)ज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते ! समणेणं० चोद्दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते पन्नरसमस्स णं (०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा ना(मं)म नयरी होत्था पुण्णभद्दे उज्जाणे जियसत्तू राया । तत्थ णं चंपाए नयरीए ध(ण)णे नामं सत्थवाहे होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए । तीसे णं चंपाए नयरीए उत्तरपुरत्थिमे दि(सि)सीभाए अहिच्छत्ता ना(म)मं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा वण्णओ । तत्थ णं अहिच्छत्ताए नयरीए कणगकेऊ नामं राया होत्था (महया) वण्णओ । [तए णं] तस्स ध(ण)णस्स सत्थवाहस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–सेयं खलु मम विपुलं पणियभंडमायाए अहिच्छत्तं न(गरं)यरिं वाणिज्जाए गमित्तए । एवं संपेहेइ २ त्ता गणिमं च ४ चउव्विहं भंडं गेण्हइ (०) सगडीसागडं सज्जेइ २ त्ता सगडीसागडं भरेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! चंपाए नयरीए सिंघाडग जाव पहे(सुं)सु [एवं वयह—]एवं खलु देवाणुप्पिया ! धणे सत्थवाहे विपु(ले)लं पणि(य०)यं [आदाय] इच्छइ अहिच्छत्तं नयरिं वाणिज्जाए गमित्तए । तं जो णं देवाणुप्पिया ! चरए वा चीरिए वा चम्मखंडिए वा भिच्छुंडे वा पं(डु)डरगे वा गोयमे वा गोव(ती)त्तिए वा (गिहिधम्मे वा) गिहिधम्मचिंतए वा अविरुद्धविरुद्धवुड्ढसावगरत्तपडनिग्गंथप्पभिइपासंडत्थे वा गिहत्थे वा (तस्स णं) ध(ण)णेणं सद्धिं अहिच्छत्तं नयरिं गच्छइ तस्स णं धणे अच्छत्तगस्स

छत्तगं दलाइ अणुवाहणस्स ओ(उ)वाहणा(उ)ओ दलयइ अकुंडियस्स कुंडियं दलयइ अपत्थयणस्स पत्थयगं दलयइ अपक्खेवगस्स पक्खेवं दलयइ अंतरा वि य से पडियस्स वा भग्गलुग्ग[स्स] साहेज्जं दलयइ सुहंसुहेण य (णं) अहिच्छत्तं संपावेइ-त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि [घोसणं] घोसेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव एवं वयासी–हंदि सुणंतु भगवंतो चंपानयरीवत्थव्वा बहवे चरगा (य) जाव पच्चप्पिणंति । तए णं (से) तेसिं कोडुंबिय(घोस)पुरिसाणं [अंतिए एयमट्ठं] सो(सु)च्चा चंपाए नयरीए बहवे चरगा य जाव गिहत्था य जेणेव धणे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छंति। तए णं धणे [सत्थवाहे] तेसिं चरगाण य जाव गिहत्थाण य अच्छत्तगस्स छत्तं दलयइ जाव पत्थयणं दलाइ–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! चंपाए नयरीए बहिया अग्गुज्जाणंसि ममं पडिवालेमाणा चिट्ठह। तए णं [ते] चरगा य० धणेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा जाव चिट्ठंति। तए णं धणे सत्थवाहे सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तना(ई)इ आमंतेइ २ त्ता भोयणं भोयावेइ २ त्ता आपुच्छइ २ त्ता सगडीसागडं जोयावेइ २ त्ता चंपा[ओ] नयरीओ निग्गच्छइ (०) नाइविप्पगिट्ठेहिं अद्धाणेहिं वसमाणे २ सुहेहिं वसहिपायरासेहिं अंगं जणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव देसग्गं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सगडीसागडं मोयावेइ (०) सत्थनिवेसं करेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम सत्थनिवेसंसि महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया! इमीसे आगामियाए छिन्नावायाए दीहमद्धाए अडवीए बहुमज्झदेसभाए [एत्थ णं] बहवे नंदिफला नामं रुक्खा पन्नत्ता किण्हा जाव पत्तिया पुप्फिया फलिया हरिया रेरिज्जमाणा सिरीए अईव २ उवसोभेमाणा चिट्ठंति मणुन्ना वण्णेणं [४] जाव मणुन्ना फासेणं मणुन्ना छायाए। तं जो णं देवाणुप्पिया! तेसिं नंदिफलाणं रुक्खाणं मूलाणि वा कंद(०)तयपत्तपुप्फफलबीयाणि वा हरियाणि वा आहारेइ छायाए वा वीसमइ तस्स णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा २ अकाले चेव जीवियाओ ववरोवे(न्ति)इ। तं मा णं देवाणुप्पिया! केइ तेसिं नंदिफलाणं मूलाणि वा जाव छायाए वा वीसमउ मा णं से(ऽ)वि अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जिस्सइ। तुब्भे णं देवाणुप्पिया! अन्नेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव हरियाणि य आहारे(थ)ह छायासु वीसमह त्ति घोसणं घोसेह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं धणे सत्थवाहे सगडीसागडं जोएइ २ त्ता जेणेव नंदिफला रुक्खा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेसिं नंदिफलाणं अदूरसामंते सत्थनिवेसं करेइ २ त्ता दोच्चंपि तच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं

देवाणुप्पिया ! मम सत्थनिवेसंसि महया [२] सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एए णं देवाणुप्पिया ! ते नंदिफला [रुक्खा] किण्हा जाव मणुन्ना छायाए । तं जो णं देवाणुप्पिया ! एएसिं नंदिफलाणं रुक्खाणं मूलाणि वा कंद(०)पुप्फतयापत्तफलाणि जाव अकाले चेव जीवियाओ ववरोवेइ। तं मा णं तुब्भे जाव (दूरं दूरेणं परिहरमाणा) वीसमह मा णं अकाले [चेव] जीवियाओ ववरोविस्संति अन्नेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव वीसमह–त्तिकट्टु घोसणं [जाव] पच्चप्पिणंति । तत्थ णं अत्थेगइया पुरिसा धणस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं सद्दहंति जाव रोयंति एयमट्ठं सद्दहमाणा तेसिं नंदिफलाणं दूरंदूरेणं परिहरमाणा २ अन्नेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव वीसमंति । तेसि णं आवाए नो भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा २ सु(ह)भरूवत्ताए ५ भुज्जो २ परिणमंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गंथो वा २ जाव पंचसु कामगुणेसु नो स(ज्जे)ज्जइ (नो रज्जेइ) से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ अच्चणिज्जे परलोए नो आगच्छइ जाव वीईवइस्सइ । तत्थ णं (जे से) अप्पेगइया पुरिसा धणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति ३ धणस्स एयमट्ठं असद्दहमाणा ३ जेणेव ते नंदिफला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेसिं नंदिफलाणं मूलाणि य जाव वीसमंति तेसि णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा जाव ववरोवेंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गंथो वा २ पव्वइए पंचसु कामगुणेसु सज्जइ जाव अणुपरियट्टिस्सइ जहा व ते पुरिसा । तए णं से धणे सगडीसागडं जोयावेइ २ त्ता जेणेव अहिच्छत्ता नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहिच्छत्ताए नयरीए बहिया अग्गुज्जाणे सत्थनिवेसं करेइ २ त्ता सगडीसागडं मोयावेइ । तए णं से धणे सत्थवाहे महत्थं ३ रायारिहं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता बहुपुरिसेहिं सद्धिं संपरिवुडे अहिच्छत्तं नय(रं)रिं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता तं महत्थं ३ पाहुडं उवणेइ । तए णं से कणगकेऊ राया हट्ठतु(ट्ठ०)ट्ठे धणस्स सत्थवाहस्स तं महत्थं (३) जाव पडिच्छइ २ त्ता ध(ण)णं सत्थवाहं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता पडिविसज्जेइ [२] भंडविणिमयं करेइ २ त्ता पडिभंडं गेण्हइ २ त्ता सुहंसुहेणं जेणेव चंपा नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मित्तनाइअभिसमन्नागए विपुलाइं माणुस्सगाइं जाव विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं ध० धम्मं सोच्चा जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेत्ता [जाव] पव्वइए सामा[इयमा]इयाइं एक्कारस अंगाइं बहूणि वासाणि जाव मासियाए (सं०) जाव अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने (से णं देवे ताओ देवलोगाओ आउक्ख० चयं चइत्ता) महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ ।

एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं पन्नरस[म]स्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ १११ ॥ **गाहाओ**–चंपा इव मणुयगई धणो व्व भयवं जिणो दएक्करसो। अहिछत्तानयरिसमं इह निव्वाणं मुणेयव्वं ॥ १ ॥ घोसणया इव तित्थंकरस्स सिवमग्गदेसणमहग्घं। चरगाइणोव्व इत्थं सिवसुहकामा जिया बहवे ॥ २ ॥ नंदिफलाइ व्व इहं सिवपहपडिवण्णगाण विसया उ। तब्भक्खणाओ मरणं जह तह विसएहिं संसारो ॥ ३ ॥ तव्वज्जणेण जह इट्ठपुरगमो विसयवज्जणेण तहा। परमानंदनिबंधणसिवपुरगमणं मुणेयव्वं ॥ ४ ॥ **पन्नरसमं नायज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं पन्नरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते सोलसमस्स णं भंते! नायज्झयणस्स (०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था। तीसे णं चंपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सुभूमिभागे नामं उज्जाणे होत्था। तत्थ णं चंपाए नयरीए तओ माहणा भायरो परिवसंति तंजहा–सोमे सोमदत्ते सोमभूई अड्ढा जाव [अपरिभूया] रिउव्वेयजउव्वेयसामवेयअथव्वणवेय जाव सुपरिनिट्ठिया। ते(सि णं)सिं माहणाणं तओ भारियाओ होत्था तंजहा–नागसिरी भूयसिरी जक्खसिरी सुकुमा(ल)ला जाव तेसि णं माहणाणं इट्ठाओ वि(पु)उले माणुस्सए जाव विहरंति। तए णं तेसिं माहणाणं अन्नया कयाइ एगयओ समुवागयाणं जाव इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमे विउले धणे जाव सावएज्जे अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! अन्नमन्नस्स गिहेसु कल्लाकल्लिं विपुलं अस(णं)णपा(णं)णखाइ(मं)मसाइमं उवक्खडेउं (२) परिभुं(ज)जेमाणाणं विहरित्तए। अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति कल्लाकल्लिं अन्नमन्नस्स गिहेसु विपुलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता परिभुंजेमाणा विहरंति। तए णं तीसे नागसिरीए माहणीए अन्नया [कयाइ] भोयणवारए जाए यावि होत्था। तए णं सा नागसिरी [माहणी] विपुलं असणं ४ उवक्ख(डे)डावेइ २ त्ता एगं महं सालइयं ति(त्ता)त्तलाउ(अं)यं बहुसंभारसंजुत्तं नेहावगाढं उवक्खडावेइ एगं बिंदुयं करयलंसि आसाएइ [२] तं खारं कडुयं अखज्जं (अभोज्जं) विस(ब)भूयं जाणित्ता एवं वयासी–धिरत्थु णं मम नागसिरीए अ(ह)धन्नाए अपुण्णाए दूभगाए दूभगसत्ताए दूभगनिंबोलियाए जा(जी)ए णं मए सालइए बहुसंभारसंभिए नेहावगाढे उवक्खडिए सुबहुदव्वक्खए(णं) नेहक्खए य कए। तं जइ णं ममं जाउयाओ जाणिस्संति तो णं मम खिंसिस्संति। तं जाव–ताव ममं जाउयाओ न जाणंति ताव मम सेयं एयं सालइयं ति(त्ता)त्तलाउ[यं] बहुसंभार-

नेहकयं एगंते गो(वे)वित्तए अन्नं सालइयं महु(रा)रलाउयं जाव नेहावगाढं उव-क्ख(डे)डित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता तं सालइयं जाव गोवेइ [२] अन्नं सालइयं महुर-लाउयं उवक्खडेइ [२] तेसिं माहणाणं ण्हायाणं सुहासणवरगयाणं तं विपुलं असणं ४ परिवेसेइ। तए णं ते माहणा जिमियभुत्तुत्तरागया समाणा आयंता चोक्खा परम-सुइभूया सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था । तए णं ताओ माहणीओ ण्हायाओ सव्वालंकारविभूसियाओ तं विपुलं असणं ४ आहारेंति २ त्ता जेणेव सयाइं २ गि(गे)-हाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ताओ जायाओ ॥ ११२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा ना(म)मं थेरा जाव बहुपरिवारा जेणेव चंपा (नामं) नयरी जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अहापडिरूवं जाव विहरंति । परिसा निग्गया धम्मो कहिओ परिसा पडिगया। तए णं तेसिं धम्मघोसाणं थेराणं अंतेवासी धम्मरुई नामं अणगारे उ(ओ)राले जाव ते(उ)यलेस्से मासंमासेणं खम-माणे विहरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे मासखमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ २ त्ता बीयाए पोरिसीए एवं जहा गोयमसामी तहेव उग्गाहेइ २ त्ता तहेव धम्मघोसं थेरं आपुच्छइ जाव चंपाए नयरीए उच्चनीयमज्झिमकुलाइं जाव अडमाणे जेणेव नागसिरीए माहणीए गिहे तेणेव अणुपविट्ठे। तए णं सा नाग-सिरी माहणी धम्मरुइं एज्जमाणं पासइ २ त्ता तस्स सालइयस्स तित्तकडुयस्स बहु-(०)नेहावगाढस्स एड(निसिर)णट्ठयाए हट्ठतुट्ठा [उट्ठाए] उट्ठेइ २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं सालइयं तित्तकडुयं च बहुने(हं)हावगाढं धम्मरुइस्स अणगारस्स पडिग्गहंसि सव्वमेव नि(सि)स्सिरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे अहा-पज्जत्तमितिकट्टु नागसिरीए माहणीए गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता [जेणेव धम्मघोसा थेरा तेणेव उवागच्छइ २] धम्मघोसस्स अदूरसामंते अन्न-पाणं पडि(दंसे)लेहेइ २ त्ता अन्नपाणं करयलंसि पडिदंसेइ। तए णं (ते) धम्मघोसा थेरा तस्स सालइयस्स नेहावगाढस्स गंधेणं अभिभूया समाणा तओ सालइयाओ नेहावगाढाओ एगं बिंदु(गं)यं गहाय करयलंसि आसा(दे)देंति ति(त्तगं)त्तं खारं कडुयं अखज्जं अभोज्जं विसभूयं जाणित्ता धम्मरुइं अणगारं एवं वयासी-जइ णं तुमं देवाणुप्पिया! एयं सालइयं जाव नेहावगाढं आहारेसि तो णं तुमं अकाले चेव जीवि-याओ ववरोविज्जसि। तं मा णं तुमं देवाणुप्पिया! इमं सालइयं जाव आहारेसि मा णं तुमं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तं गच्छ[ह] णं तुमं देवाणुप्पिया! इमं सालइयं एगंतमणावाए अ(चि)चित्ते थंडि(ले)ल्ले परिट्ठवेहि २ त्ता अन्नं फासुयं एस°

णिज्जं असणं ४ पडिगाहेत्ता आहारं आहारेहि। तए णं से धम्मरुई अणगारे धम्मघोसेणं थेरेणं एवं वुत्ते समाणे धम्मघोसस्स थेरस्स अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सुभूमिभा(ग)गाओ उज्जाणाओ अदूरसामंते थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता ता(त)ओ सालइयाओ एगं बिंदुगं ग(हेइ)हाय २ थंडि(लं)ल्लंसि निसिरइ। तए णं तस्स सालइयस्स तित्तकडुयस्स बहुनेहावगाढस्स गंधेणं बहूणि पिपीलिगासहस्साणि पाउब्भू० जा जहा य णं पिपीलिगा आहारेइ सा [णं] तहा अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जइ। तए णं तस्स धम्मरुइस्स अणगारस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०–जइ ताव इमस्स सालइयस्स जाव एगंमि बिंदु(गं)यंमि पक्खित्तंमि अणेगाइं पिपीलि(का)गासहस्साइं ववरोविज्जंति तं जइ णं अहं एयं सालइयं थंडिल्लंसि सव्वं निसिरामि (तए) तो णं बहूणं पाणाणं ४ वहकरणं भविस्सइ। तं सेयं खलु मम एयं सालइयं जाव [नेहाव]गाढं सयमेव आहा(रे)रित्तए मम चेव एएणं सरी(रे)रएणं निज्जाउ–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता मुहपोत्तियं [२] पडिलेहेइ २ त्ता ससीसोवरियं कायं पमज्जेइ २ त्ता तं सालइयं तित्तकडुयं बहुनेहावगाढं बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पा(णे)णएणं सव्वं सरीरको(ट्ठं)ट्ठगंसि पक्खिवइ। तए णं तस्स धम्मरुइ[य]स्स तं सालइयं जाव नेहावगाढं आहारियस्स समाणस्स मुहुत्तंतरेणं परिणममाणंसि सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा। तए णं से धम्मरु(ची)ई अणगारे अथामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु आयारभंडगं एगंते ठा(ठ)वेइ २ त्ता थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथारेइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकनिसण्णे करयलपरिग्गहियं एवं वयासी–नमोत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं नमोत्थु णं धम्मघोसाणं थेराणं मम धम्मायरियाणं [मम] धम्मोवएसगाणं पुव्विं पि णं मए धम्मघोसाणं थेराणं अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए जाव परिग्गहे इयाणिं पि णं अहं तेसिं चेव भगवंताणं अंति(यं)ए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव परिग्गहं पच्चक्खामि जाव(जी)ज्जीवाए जहा खंदओ जाव चरिमेहिं उस्सासेहिं वोसिरामि–त्तिकट्टु आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालगए। तए णं ते धम्मघोसा थेरा धम्मरुइं अणगारं चि(रं)रगयं जाणित्ता समणे निग्गंथे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! धम्मरुइस्स अणगारस्स मास[क्]खमणपारणगंसि सालइयस्स जाव [नेहाव]गाढस्स निसिरणट्ठयाए बहिया निग्गए चिरा[वे]इ, तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! धम्मरुइस्स अणगारस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेह। तए णं ते समणा निग्गंथा जाव पडिसुणेंति २ त्ता धम्मघोसाणं थेराणं अंतियाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता धम्मरुइस्स अणगारस्स

सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणा जेणेव थंडिल्लं तेणेव उचागच्छंति २ त्ता धम्म-रुइयस्स अणगारस्स सरीरगं निप्पाणं निचेट्ठं जीवविप्पजढं पासंति २ त्ता हा हा [!] अहो! अकज्जमितिकट्टु धम्मरुइस्स अणगारस्स परिनिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति (०) धम्मरुइस्स आयारभंडगं गेण्हंति २ त्ता जेणेव धम्मघोसा थेरा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता गमणागमणं पडिक्कमंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अम्हे तुब्भं अंतियाओ पडिनिक्खमामो २ त्ता सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स परिपेरंतेणं धम्मरुइस्स अणगा-रस्स सव्वं जाव करेमा(णे)णा जेणेव थंडिल्ले तेणेव उवागच्छामो (०) जाव इहं हव्वमागया, तं कालगए णं भंते! धम्मरुई अणगारे इमे से आयारभंडए। तए णं (ते) धम्मघोसा थेरा पुव्वगए उवओगं गच्छंति २ त्ता समणे निग्गंथे निग्गंथीओ य सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अज्जो! मम अंतेवासी धम्मरुई ना(म)मं अण-गारे पगइभद्दए जाव विणीए मासंमासेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं जाव नाग-सिरीए माहणीए गि(हे)हं अणुपवि(ट्ठे)सइ। तए णं सा नागसिरी माहणी जाव निसिरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे अहापज्जत्तमि(ति)त्तिकट्टु जाव कालं अणव-कंखमाणे विहरइ। से णं धम्मरुई अणगारे वहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं सोह(म्म)म्मे जाव सव्वट्ठ-सिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं [अत्थेगइयाणं] (अ)जहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। तत्थ [णं] धम्मरुइस्स वि देवस्स तेत्तीसं सागरो-वमाइं ठिई पन्नत्ता। से णं धम्मरुई देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥११३॥ तं धिरत्थु णं अज्जो! नागसिरीए माहणीए अधन्नाए अपुण्णाए जाव निंबोलियाए जाए णं तहारूवे साहू [साहुरूवे] धम्मरुई अणगारे मासक्खमण-पारणगंसि सालइएणं जाव गाढेणं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविए। तए णं ते समणा निग्गंथा धम्मघोसाणं थेराणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म चंपाए सिंघाडग (तिग) जाव [पहेसु] वहुजणस्स एवमाइक्खंति [४]–धिरत्थु णं देवाणुप्पिया! नाग-सिरीए (माहणीए) जाव निंबोलियाए जाए णं तहारूवे साहू साहुरूवे सालइएणं जीवियाओ ववरो(वेइ)विए। तए णं तेसिं समणाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म वहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ एवं भासइ–धिरत्थु णं नागसिरीए माहणीए जाव जीवियाओ ववरोविए। तए णं ते माहणा चंपाए नयरीए वहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव नागसिरी माहणी तेणेव उवा-गच्छंति २ त्ता नागसि(रीं)रिं माह(णीं)णिं एवं वयासी–हं भो नागसिरी! अपत्थियप-त्थिए [!] दुरंतपंतलक्खणे [!] हीणपुण्णचाउद्दसे [!] धिरत्थु णं तव अधन्नाए अपु-

ण्णाए (जाव) निंबोलियाए जाए णं तुमे तहारूवे साहू साहुरूवे मासखमणपारणगंसि सालइएणं जाव ववरोविए उच्चाव(ए)याहिं अक्कोसणाहिं अक्कोसंति उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेंति उच्चावयाहिं निब्भ(त्थ)च्छणाहिं निब्भ(त्थं)च्छेंति उच्चावयाहिं निच्छोडणाहिं निच्छोडेंति तज्जेंति तालेंति त(ज्जे)ज्जित्ता ता(ले)लित्ता सयाओ गिहाओ निच्छुभंति। तए णं सा नागसिरी सयाओ गिहाओ निच्छूढा समाणी चंपाए नयरीए सिंघाडगतियचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु बहुजणेणं हीलिज्जमाणी खिंसिज्जमाणी निंदिज्जमाणी गरहिज्जमाणी तज्जिज्जमाणी पव्वहिज्जमाणी धिक्कारिज्जमाणी थुक्कारिज्जमाणी कत्थइ ठाणं वा निलयं वा अलभमाणी २ दंडीखंडनिवसणा खंडमल्लयखंडघडगहत्थगया फुट्टहडाहडसीसा मच्छियाचडगरेणं अन्निज्जमाणमग्गा गि(गे)हं(गे)गिहेणं देहंबलियाए वित्तिं कप्पेमा(णी)णा विहरइ । तए णं तीसे नागसिरीए माहणीए तब्भवंसि चेव सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा–सासे कासे जोणिसूले जाव कोढे। तए णं सा नागसिरी माहणी सोलसहिं रो(या)गायंकेहिं अभिभूया समाणी अट्टदुहट्टवसट्टा कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्को(सेणं)सं बावीससागरोवम(ठिती)ट्ठिइएसु नेरइ(नर)एसु नेरइयत्ताए उववन्ना । सा णं तओ(ऽ)अणंतरं(सि) उव्वट्टित्ता मच्छेसु उववन्ना । तत्थ णं सत्थवज्झा दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा अहेसत्त(मी)माए पुढवीए उक्को(साए)स(तित्ती०)सागरोवमट्ठिईएसु [नरएसु] नेरइएसु उववन्ना । सा णं तओ(ऽ)णंतरं उव्वट्टित्ता दोच्चंपि मच्छेसु उववज्जइ। तत्थ वि य णं सत्थवज्झा दाहवक्कंतीए दोच्चंपि अहे सत्तमाए पुढवीए उक्को(सं)स(तेत्तीस)सागरोवमट्ठिइएसु नेरइएसु उववज्जइ । सा णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता तच्चंपि मच्छेसु उववन्ना । तत्थ वि य णं सत्थवज्झा जाव [कालमासे] कालं किच्चा दोच्चंपि छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं (०) । तओणंतरं उव्वट्टित्ता उरएसु एवं जहा गोसाले तहा नेयव्वं जाव रयणप्पभा(ए)ओ [पुढवीओ उव्वट्टित्ता] स(त्त)न्नीसु उववन्ना। तओ उव्वट्टित्ता जा(व)इं इमाइं खहयरविहाणाइं जाव अदुत्तरं च णं खरबायरपुढविकाइयत्ताए तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो ॥ ११४ ॥ सा णं तओणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे चंपाए नयरीए सागरदत्तस्स सत्थवाहस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि दारियत्ताए पच्चायाया । तए णं सा भद्दा सत्थवाही नवण्हं मासाणं दारियं पयाया सुकुमालकोमलियं गयतालुयसमाणं । तीसे [णं] दारियाए निव्व(त्ते)त्तबारसाहियाए अम्मापियरो इमं एयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति–जम्हा णं अम्हं एसा दारिया सुकुमाला गयतालुयसमाणा तं होउ णं अम्हं इमीसे दारियाए नामधे(ज्जे)ज्जं सुकुमालिया [२] । तए णं तीसे दारियाए अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति सूमालि॰

यत्ति । तए णं सा सूमालिया दारिया पंचधाईपरिग्गहिया तंजहा-खीरधाईए जाव गिरिकंदरमल्लीणा इव चंप(क)गलया नि(०)वा(ए)यनिव्वाघायंसि जाव परिवड्डइ । तए णं सा सूमालिया दारिया उम्मुक्कबालभावा जाव रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था ॥ ११५ ॥ तत्थ णं चंपाए नयरीए जिणदत्ते ना(म)मं सत्थवाहे अड्ढे(०) । तस्स णं जिणदत्तस्स भद्दा भारिया सूमाला इट्ठा (जाव) माणुस्सए कामभो(ए)गे पच्चणुब्भवमाणा विहरइ । तस्स णं जिणदत्तस्स पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए सागरए नामं दारए सुकुमाले जाव सुरूवे । तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे अन्नया कयाइ सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सागरदत्तस्स सत्थवाह(गिह)स्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ । इमं च णं सूमालिया दारिया ण्हाया चेडियासंघपरिवुडा उप्पिं आगासतलगंसि कणग(तं)तिंदूसएणं कीलमाणी (२) विहरइ । तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे सूमालियं दारियं पासइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए रूवे य ३ जायविम्हए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! कस्स दारिया किं वा नामधेज्जं से ? । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जिणदत्तेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा ह० करयल जाव एवं वयासी-एस णं (देवाणुप्पिया !) सागरदत्तस्स २ धूया भद्दाए अत्तया सूमालिया ना(म)मं दारिया सुकुमालपाणिपाया जाव उक्किट्ठा । तए णं (से) जिणदत्ते सत्थवाहे तेसिं कोडुंबियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ२त्ता ण्हाए स० मित्तनाइपरिवुडे चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सागरदत्तस्स गिहे तेणेव उवाग(च्छइ)ए । तए णं [से] सागरदत्ते २ जिणदत्तं २ एज्जमाणं पासइ २ त्ता आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता आसणेणं उवनिमंतेइ २ त्ता आसत्थं वीसत्थं सुहासणवरगयं एवं वयासी-भण देवाणुप्पिया ! किमागमणपओयणं (?) । तए णं से जिणदत्ते (सत्थवाहे) सागरदत्तं (सत्थवाहं) एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! तव धूयं भद्दाए अत्तियं सूमालियं सागरस्स भारियत्ताए वरेमि । जइ णं जाणह देवाणुप्पिया ! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो ता दिज्जउ णं सूमालिया सागर[दारग]स्स । तए णं देवाणुप्पिया ! किं दलयामो सुंकं [च] सूमालियाए ? । तए णं से सागरदत्ते (तं) २ जिणदत्तं [२] एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! सूमालिया दारिया (मम) एगा एगजाया इट्ठा [५] जाव किमंग पुण पासणयाए । तं नो खलु अहं इच्छामि सूमालियाए दारियाए खणमवि विप्पओगं । तं जइ णं देवाणुप्पिया ! सागर[ए] दारए मम घरजामाउए भवइ तो णं अहं सागर(स्स)दारगस्स सूमालियं दलयामि । तए णं से जिणदत्ते २ सागरदत्तेणं २ एवं वुत्ते समाणे जेणेव सए गिहे तेणेव उवाग-

च्छइ २ त्ता सागरदारगं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता! सागरदत्ते २ म(म)मं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! सूमालिया दारिया इट्ठा तं चेव, तं जइ णं सागरदारए मम घरजामाउए भवइ ता[व] दलयामि। तए णं से सागरए दारए जिणदत्तेणं २ एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए। तए णं जिणदत्ते २ अन्नया कयाइ सोहणंसि तिहिकरणे वि(उ)पुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तना(ई)इ आमंतेइ जाव [सक्कारेत्ता] सम्मा(णि)णेत्ता सागरं दारगं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहि(णिं)णीयं सीयं दुरूहावेइ २ त्ता मित्तनाइ जाव संपरिवुडे सव्विड्ढीए सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता चं(पा)पं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव सागरदत्तस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता साग(रगं)रं दारगं सागरदत्तस्स २ उवणेइ। तए णं [से] सागरदत्ते २ विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता जाव सम्माणेत्ता सागरं दारगं सूमालियाए दारियाए सद्धिं पट्टयं[सि] दुरूहावेइ २ त्ता सेयापी(त)एहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ त्ता [अग्गि]होमं करावेइ २ त्ता सागरं दारयं सूमालियाए दारियाए पाणिं गेण्हा(विंति)वेइ ॥ ११६ ॥ तए णं साग(दार)ए सूमालियाए दारियाए इमं एयारूवं पाणिफासं (पडि)संवेदेइ से जहानामए असिपत्तेइ वा जाव मुम्मुरेइ वा (इतो) एत्तो अणिट्ठतराए चेव पाणिफासं संवेदेइ। तए णं से सागरए अकामए अवस(०)वसे (तं) मुहुत्त(मि)मेत्तं संचिट्ठइ। तए णं (से) सागरदत्ते २ सागरस्स (दारगस्स) अम्मापियरो मित्तनाइ विपुलं असणं ४ पुप्फवत्थ जाव सम्माणेत्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सागरए (दारए) सूमालियाए सद्धिं जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए सद्धिं तलि(गं)मंसि निवज्जइ। तए णं से सागरए दारए सूमालियाए दारियाए इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ से जहानामए असिपत्तेइ वा जाव अमणाम(य)तरागं चेव अंगफासं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ। तए णं से सागरए दारए [सूमालियाए दारियाए] अंगफासं असहमाणे अवसवसे मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठइ। तए णं से सागरदारए सूमालियं (दारियं) सुहपसुत्तं जाणित्ता सूमालियाए दारियाए पासाओ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयणीयंसि निवज्जइ। तए णं सूमालिया दारिया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिवुद्धा समाणी पइंवया पइमणुरत्ता पइं पासे अपस्समाणी तलिमा(उ)ओ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव से सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरस्स पासे णुवज्जइ। तए णं से सागरदारए सूमालियाए दारियाए दो(दु)च्चंपि इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ जाव अकामए अवसवसे मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठइ। तए णं (से) सागरदारए सूमालियं दारियं सुहपसुत्तं जाणित्ता सयणिज्जाओ उट्ठेइ २

त्ता वासघरस्स दारं विहाडेइ २ त्ता मारामुक्के विव काए जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ ११७ ॥ तए णं सूमालिया दारिया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा पतिंवया जाव अपासमाणी सयणिज्जाओ उट्ठेइ सागरस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणी २ वासघरस्स दारं विहाडियं पासइ २ त्ता एवं वयासी–गए [णं] से साग(रे)रए–त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही कल्लं पाउप्पभा[या]ए दासचे(डियं)डिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिए! व(हु)हूवरस्स मुह(सोह)धोवणियं उवणेहि। तए णं सा दासचेडी भद्दाए एवं वुत्ता समाणी एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ [२] मुहधोवणियं गेण्हइ २ त्ता जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ (०) सूमालियं दारियं जाव झियायमाणिं पासइ २ त्ता एवं वयासी–किन्नं तु(मं)ब्भे देवाणुप्पि(ए)या! ओहयणमणसंकप्पा जाव झियाहि(सि)?। तए णं सा सूमालिया दारिया तं दासचे(डी)डियं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! सागरए दारए म(म)मं सुहपसुत्तं जाणित्ता मम पासाओ उट्ठेइ २ त्ता वासघरदुवारं अवगु(ण्ड)णेइ जाव पडिगए। तए णं [हं] तओ (अहं)मुहुत्तंतरस्स जाव विहाडियं पासामि [२] गए णं से सागरए–त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायामि। तए णं सा दासचेडी सूमालियाए दारियाए एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सागरदत्ते [२] तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदत्तस्स एयमट्ठं निवे(ए)देइ। तए णं से सागरदत्ते दासचेडीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते [४ जाव मिसिमिसेमाणे] जेणेव जिणदत्त[स्स] २ गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जिणदत्तं २ एवं वयासी–किन्नं देवाणुप्पिया! ए(वं)यं जुत्तं वा पत्तं वा कुलाणुरूवं वा कुलसरिसं वा जण्णं सागर[ए] दारए सूमालियं दारियं अदिट्ठदो(सं)सवडियं पइवयं विप्पजहाय इहमाग(ओ)ए [!] बहूहिं खिज्जणियाहि य रुंटणियाहि य उवा(ल)लंभइ। तए णं जिणदत्ते सागरदत्तस्स [२]एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सागरए (दारए) तेणेव उवागच्छइ २ त्ता साग(रयं)रं दारयं एवं वयासी–दुट्ठु णं पुत्ता! तुमे कयं सागरदत्तस्स गिहाओ इहं हव्वमाग(ते)च्छंतेणं, तं गच्छह णं तुमं पुत्ता! एवमवि गए सागरदत्तस्स गिहे। तए णं से सागरए जिणदत्तं एवं वयासी–अवि–याइं अहं ताओ! गिरिपडणं वा तरुपडणं वा मरुप्पवायं वा जलप्प(वेसं)वायं वा जलणप्पवेसं वा विसभक्खणं वा सत्थोवाडणं वा वि(वे)हाणसं वा गिद्ध(पि)पट्ठं वा पव्वज्जं वा विदेसगमणं वा अब्भुवग(च्छि)च्छेज्जा(मि) नो खलु अहं सागरदत्तस्स गिहं ग(च्छि)च्छेज्जा। तए णं से सागरदत्ते २ कुड्डंतरि[या]ए सागरस्स एयमट्ठं निसामेइ २ त्ता लज्जिए वि(लेपविट्ठे)लीए विड्ढे जिणदत्तस्स [२] गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

सुकुमालियं दारियं सद्दावेइ २ त्ता अंके निवेसेइ २ त्ता एवं वयासी-किन्नं तव पुत्ता! सागरएणं दारएणं (मुक्का) ? अहं णं तुमं तस्स दाहामि जस्स णं तुमं इट्ठा (जाव) मणामा भविस्ससि-त्ति सूमालियं दारियं ताहिं इट्ठाहिं [जाव] वग्गूहिं समासासेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से सागरदत्ते २ अन्नया उप्पिं आगासतलगंसि सुहनिसण्णे रायमग्गं ओलोएमाणे २ चिट्ठइ। तए णं से सागरदत्ते एगं महं दमगपुरिसं पासइ दंडिखंडनिवसणं खंड(ग)मल्लगखंडघडगहत्थगयं मच्छियासहस्सेहिं जाव अन्निज्जमाणमग्गं। तए णं से सागरदत्ते [सत्थवाहे] कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! एयं दमगपुरिसं विपुलेणं अस(ण)णेणं ४ प(लो)डिलाभेह (०) गिहं अणुप्प(वे)विसेह २ त्ता खंड(ग)मल्लगं खंडघडगं च से एगंते एडेह २ त्ता अलंकारियकम्मं कारेह २ त्ता ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेह २ त्ता मणुन्नं असणं ४ भोयावेह (०) मम अंतियं उवणेह। तए णं [ते] कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव से दमगपुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं दम(गं)गपुरिसं अस(णं)णेणं ४ उवप्पलो(भें)भेंति २ त्ता सयं गिहं अणुप्पवेसिंति २ त्ता तं खंड(ग)मल्लगं खंड(ग)घडगं च तस्स दमगपुरिसस्स एगंते एडेंति। तए णं से दम(गे)गपुरिसे तं[सि] खंडमल्लगंसि खंडघडगंसि य (एगंते) एडिज्जमाणंसि महया २ सद्देणं आरसइ। तए णं से सागरदत्ते तस्स दमगपुरिसस्स तं महया २ आरसियसद्दं सोच्चा निसम्म कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी-किन्नं देवाणुप्पिया! एस दमगपुरिसे महया २ सद्देणं आरसइ ? । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा एवं वयासी-एस णं सामी! तंसि खंडमल्लगंसि खंडघडगंसि (एगंते) य एडिज्जमाणंसि महया २ सद्देणं आरसइ। तए णं से सागरदत्ते २ ते कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी-मा णं तुब्भे देवाणुप्पिया! एयस्स दमगस्स तं खंड जाव एडेह पासे [से] ठवेह जहा णं पत्तियं भवइ। ते(वि) तहेव ठावें(ठविं)ति (तए णं ते कोडुंबियपुरिसा) २ तस्स दमगस्स अलंकारियकम्मं करेंति २ त्ता सयपागसहस्सपागेहिं ते(ति)ल्लेहिं अ(ब्भं)ब्भिगेंति अब्भिगिए समाणे सुरभि[णा] गं(धुव्व)धवट्ट(णे)एणं गायं उ(व्वट्टिं)वट्टेंति २ त्ता उसिणोद(ग)गेणं गंधोदएणं [ण्हाणेंति] सीओदगेणं ण्हाणेंति (०) पम्हलसुकुमालगंधकासा(ई)इए गायाइं लु(हं)हेंति २ त्ता हंसलक्खणं प(ट्ट)डगसाडगं परि(हं)हेंति २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता विपुलं असणं ४ भोयावेंति २ त्ता सागरदत्तस्स [समीवे] उवणेंति। तए णं [से] सागरदत्ते [२] सूमालियं दारियं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं क(रि)रेत्ता तं दमगपुरिसं एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! मम धूया इट्ठा, एयं णं अहं तव भारियत्ताए द(ला)ल्यामि भद्दियाए भद्दओ भ(वि)वेज्जासि। तए णं से दमगपुरिसे

सागरदत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए सद्धिं वासघरं अणुपविसइ सूमालियाए दारियाए सद्धिं तलिमंसि निवज्जइ। तए णं से दमगपुरिसे सूमालियाए इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ सेसं जहा सागरस्स जाव सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता वासघराओ निग्गच्छइ २ त्ता खंडमल्लगं खंडघ(डं)डगं च गहाय मारामुक्के विव काए जामेव दि(सं)सिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं सा सूमालिया जाव गए णं से दमगपुरिसे-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ॥ ११८॥ तए णं सा भद्दा कल्लं पाउप्पभायाए दासचेडिं सद्दावेइ (२ एवं वयासी) जाव सागरदत्तस्स एयमट्ठं निवेदेइ। तए णं से सागरदत्ते तहेव संभंते समाणे जेणेव वास(ह)घरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूमालियं दारियं अंके निवेसेइ २ त्ता एवं वयासी-अहो णं तुमं पुत्ता! पुरापोराणाणं [कम्माणं] जाव पच्चणुब्भवमाणी विहरसि, तं मा णं तुमं पुत्ता! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुमं णं पुत्ता! मम महाणसंसि विपुलं असणं ४ जहा पो(पु)ट्टिला जाव परिभाएमाणी विहराहि। तए णं सा सूमालिया दारिया एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता महाणसंसि विपुलं असणं ४ जाव दलमाणी विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं गोवालियाओ अज्जाओ बहुस्सुयाओ एवं जहेव तेयलिणाए सुव्वयाओ तहेव समोस(ड्ढा)ढाओ तहेव संघाडओ जाव अणुपविट्ठे तहेव जाव सूमालिया पडिला(भि)भेत्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जाओ! अहं सागरस्स अणिट्ठा जाव अमणामा, नेच्छइ णं सागरए [दारए] मम नामं वा जाव परिभोगं वा, जस्स जस्स वि य णं दे(दि)ज्जामि तस्स तस्स वि य णं अणिट्ठा जाव अमणामा भवामि, तुब्भे य णं अज्जाओ! बहुनायाओ एवं जहा पोट्टिला जाव उवलद्धे [णं] जेणं अहं सागरस्स दारगस्स इट्ठा कंता जाव भवेज्जामि। अज्जाओ तहेव भणंति तहेव साविया जाया तहेव चिंता तहेव सागरद(त्तं स०)त्तस्स आपुच्छइ जाव गोवालियाणं अंति(ए)यं पव्वइया। तए णं सा सूमालिया अज्जा जाया इ(ई)रियासमिया जाव [गुत्त]बंभयारिणी बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अन्नया कयाइ जेणेव गोवालियाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं अज्जाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी चंपा(ओ)ए बाहिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं सूराभिमुही आयावेमाणी विहरित्तए। तए णं ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालियं एवं वयासी-अम्हे णं अ(ज्जे)ज्जो! समणीओ निग्गंथीओ इ(ई)रियासमियाओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ, नो खलु अम्हं कप्पइ बहिया गामस्स [वा] जाव सन्निवेसस्स वा छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरित्तए, कप्पइ णं अम्हं अंतो-

उवस्सयस्स वइपरिक्खित्तस्स संघाडिवद्धियाए णं समतलपइयाए आया(वि)वेत्तए। तए णं सा सूमालिया गोवालियाए (अज्जाए) एयमट्ठं नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमा(णे)णी ३ सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरइ ॥ ११९ ॥ तत्थ णं चंपाए (न०) ललिया नाम गोट्ठी परिवसइ नरवइदिन्न-(वि)पयारा अम्मापिइनियगनिप्पिवासा वेसविहारकयनिकेया नाणाविहअविणयप्प-हाणा अड्ढा जाव अपरिभूया। तत्थ णं चंपाए (०) देवदत्ता नामं गणिया होत्था सू(सुकु)माला जहा अंडनाए। तए णं तीसे ललियाए गोट्ठीए अन्नया [कयाइ] पंच गोट्ठिल्लगपुरिसा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति। तत्थ णं एगे गोट्ठिल्लगपुरिसे देवदत्तं गणियं उच्छंगे ध(र)रेइ एगे पिट्ठओ आयवत्तं धरेइ एगे पुप्फपूर(यं)गं रएइ एगे पाए रएइ एगे चामरुक्खेवं करेइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा देवदत्तं गणियं तेहिं पंचहिं गोट्ठि-ल्लपुरिसेहिं सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमा(णिं)णीं पासइ २ त्ता इमेयारूवे संकप्पे समुप्पज्जित्था–अहो णं इमा इत्थिया पुरापोराणाणं कम्माणं जाव विहरइ। तं जइ णं केइ इमस्स सुचरियस्स तवनियमबंभचेरवासस्स कल्लाणे फलवित्तिविसेसे अत्थि तो णं अहमवि आगमिस्सेणं भवग्गहणेणं इमेयारूवाइं उरा-लाइं जाव विहरिज्जामि–त्तिकट्टु नियाणं करेइ २ त्ता आयावणभू(मिओ)मीए पच्चो-रु(ह)भइ ॥ १२० ॥ तए णं सा सूमालिया अज्जा सरीर(व)बाउसा जाया यावि होत्था अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ [अभिक्खणं २] पाए धोवेइ सीसं धोवेइ मुहं धोवेइ थणंतराइं धोवेइ कक्खंतराइं धोवेइ गु(गो)ज्झंतराइं धोवेइ जत्थ [२] णं ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएइ तत्थ वि य णं पुव्वामेव उदएणं अब्भु(क्ख-इ)क्खेत्ता तओ पच्छा ठाणं वा ३ चेएइ। तए णं ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालियं अज्जं एवं वयासी–एवं खलु (देवा० !) अज्जे ! अम्हे समणीओ निग्गंथीओ इरियासमियाओ जाव बंभचेरधारिणीओ, नो खलु कप्पइ अम्हं सरीरबाउसियाए होत्तए, तुमं च णं अज्जे ! सरीरबाउसिया अभिक्खणं २ हत्थे धो(व)वेसि जाव चे(दे)एसि, तं तुमं णं देवाणुप्पिए ! एय(त)स्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि। तए णं सूमालिया गोवालियाणं अज्जाणं एयमट्ठं नो आढाइ नो परि(जाण)याणाइ अणाढायमाणी अपरि(जा)याणमाणी विहरइ। तए णं ताओ अज्जाओ सूमालियं अज्जं अभिक्खणं २ (अभि)ही(लं)लेंति जाव परिभवंति अभिक्खणं २ एयमट्ठं निवा-रेंति। तए णं तीसे सूमालियाए समणीहिं निग्गंथीहिं हीलिज्जमाणीए जाव वारि-ज्जमाणीए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जया णं अहं अगारवासमज्झे

वसामि तया णं अहं अप्पवसा। जया णं अहं मुं(डे)डा भवित्ता पव्वइया तया णं अहं परवसा। पुव्विं च णं ममं समणीओ आढायंति इयाणिं नो आ(ढं)ढायंति। तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए गोवालियाणं अंतियाओ पडिनिक्खमित्ता पाडिएक्कं उवस्स(गं)यं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं(पा०) गोवालियाणं (अज्जाणं) अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पाडिएक्कं उवस्सयं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अणोहट्टिया अनिवारिया सच्छंदमई अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ जाव चेएइ तत्थ वि य णं पासत्था पासत्थविहा(री)रिणी ओसन्ना २ कुसीला २ संसत्ता २ बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ [२] अद्धमासियाए संलेहणाए तस्स ठाणस्स अणालोइय(अ)पडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे अन्नयरंसि विमाणंसि देवगणियत्ताए उववन्ना। तत्थेगइयाणं देवीणं नव-पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। तत्थ णं सूमालियाए देवीए नवपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ १२१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पंचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरे नामं नयरे होत्था वण्णओ। तत्थ णं दुवए नामं राया होत्था वण्णओ। तस्स णं चुलणी देवी धट्ठज्जुणे कुमारे जुवराया। तए णं सा सूमालिया देवी ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पंचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरे नयरे दु(प)वयस्स रन्नो चुलणीए देवीए कुच्छिंसि दारियत्ताए पच्चायाया। तए णं सा चुलणी देवी नवण्हं मासाणं जाव दारियं पयाया। तए णं तीसे दारियाए निव्वत्तबारसाहियाए इमं एयारूवं (०) नामं(०)-जम्हा णं एसा दारिया दु(व)पयस्स रन्नो धूया चुलणीए देवीए अत्तया तं हो(उ)ऊ णं अम्हं इमीसे दारियाए नाम(धिज्जे)धेज्जं दोवई। तए णं तीसे अम्मापियरो इमं एयारूवं गो(गु)ण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं क(रिं)रेंति दोवई। तए णं सा दोवई दारिया पंचधा(इ)ईपरिग्गहिया जाव गिरिकंदरमल्ली(ण)णा इव चंपगलया निवायनिव्वाघायंसि सुहंसुहेणं परिवड्ढइ। तए णं सा दोवई [देवी] रायवरकन्ना उम्मुक्कबालभावा जाव उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था। तए णं तं दोवइं रायवरकन्नं अन्नया कयाइ अंतेउरियाओ ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता दुवयस्स रन्नो पायवंदि(उं)यं पे(सं)सेंति। तए णं सा दोवई २ जेणेव दुवए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दुवयस्स रन्नो पायग्गहणं करेइ। तए णं से दुवए राया दोवइं दारियं अंके निवेसेइ २ त्ता दोवईए २ रूवे(ण) य ३ जायविम्हए दोवइं २ एवं वयासी-जस्स णं अहं [तुमं] पुत्ता! रायस्स वा जुवरायस्स वा भारियत्ताए सयमेव दलइस्सामि तत्थ णं तुमं सुहिया वा दु(क्खि)हिया वा भ(वि)वे-

ज्जासि । तए णं म(मं)म जावज्जीवाए हियय(डा)दाहे भविस्सइ । तं णं अहं तव पुत्ता ! अज्जयाए सयंवरं वि(रया)यरामि । अज्जयाए णं तुमं दिन्नं सयंवरा । (जे) जं णं तुमं सयमेव रायं वा जुवरायं वा वरेहिसि से णं तव भत्तारे भविस्सइ-त्तिकट्टु ताहिं इट्ठाहिं जाव आसासेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ ॥ १२२ ॥ तए णं से दुवए राया दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! वारवइं नयरिं। तत्थ णं तुमं कण्हं वासुदेवं समुद्दविजयपामोक्खे दस दसारे बलदेवपा(मु)मोक्खे पंच महावीरे उग्गसेणपामोक्खे सोलस रायसहस्से पज्जुन्नपा(मु)मोक्खाओ अद्भुट्ठाओ कुमारकोडीओ संबपामोक्खाओ सट्ठिं दुद्दंतसाहस्सीओ वीरसेणपा(मु)मोक्खाओ ए-(इ)क्कवीसं [राय]वीरपुरिससाहस्सीओ म(ह)हासेणपामोक्खाओ छप्पन्नं बलवगसाहस्सीओ अन्ने य बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भ(सि)सेट्ठिसेणावइसत्थवाहपभिइओ करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेहि २ त्ता एवं वयाहि-एवं खलु देवाणुप्पिया ! कंपिल्लपुरे नयरे दुवयस्स रन्नो धूयाए चुलणीए (देवीए) अत्तयाए धट्ठज्जुणकुमारस्स भ(गि)इणीए दोवईए २ सयंवरे भविस्सइ । (तं) तए णं तुब्भे (देवा० !) दुवयं रायं अणुगिण्हेमाणा अकालपरिहीणं चेव कंपिल्लपुरे नयरे समोसरह । तए णं से दूए करयल जाव कट्टु दुवयस्स रन्नो एयमट्ठं (विणएणं) पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तए णं से दूए ण्हाए अलंकार० सरीरे चाउग्घंटं आसरहं दु(रु)रूहइ२त्ता बहूहिं पुरिसेहिं सन्नद्ध जाव गहिया(ऽऽ)उहपहरणेहिं सद्धिं संपरिवुडे कंपिल्लपुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ (०) पंचालजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव देसप्पंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव वारवई नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वारवइं नयरिं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव कण्हस्स वासुदेवस्स बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं ठा(ठ)वेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते पायचारविहा(रचा)रेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कण्हं वासुदेवं समुद्दविजयपा(मु)मोक्खे य दस दसारे जाव बलवगसाहस्सीओ करयल तं चेव जाव समोसरह । तए णं से कण्हे वासुदेवे तस्स दूयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ[तुट्ठे] जाव हियए तं दूयं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरि(सं)से सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! सभाए सुहम्माए सामुदाइयं भेरिं तालेहि । तए णं से कोडुंबियपु-

रिसे करयल जाव कण्हस्स वासुदेवस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सभाए सुह-म्माए सामुदाइया भेरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सामुदाइयं भेरिं महया २ सद्देणं तालेइ। तए णं ताए सामुदाइयाए भेरीए तालियाए समाणीए समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव महासेणपामोक्खाओ छप्पन्नं बलवगसाहस्सीओ ण्हाया सव्वालंकार-विभूसिया जहाविभवइड्ढिसक्कारसमुदएणं अप्पेगइया [हयगया] जाव [अप्पेगइया] पाय(विहारचा) चारविहारेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव कण्हं वासुदेवं जएणं विजएणं वद्धावेंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अभिसेक्कं हत्थिरयणं पडि-कप्पेह हयगय जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समुत्तजालाकुलाभिरामे जाव अंजणगिरिकूडसन्निभं गयवइं नरवई दुरूढे। तए णं से कण्हे वासुदेवे समुद्दविजयपा(मु)मोक्खेहिं दसहिं दसारेहिं जाव म० छ० व० सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव रवेणं बारव(इ)इं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्ग-च्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव देसप्पंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचालजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव कंपिल्लपुरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से दुवए राया दोच्चं [पि] दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छ[ह] णं तुमं देवाणु-प्पिया! हत्थिणाउरं नयरं, तत्थ णं तुमं पंडुरायं सपुत्तयं जुहिट्ठिल्लं भीमसेणं अज्जुणं नउलं सहदेवं दुज्जोहणं भाइसयसमग्गं गंगेयं विदुरं दोणं जयद्दहं सउ(णीं)णिं कीवं आसत्थामं करयल जाव कट्टु तहेव [जाव] समोसरह। तए णं से दूए एवं (व०-) जहा वासुदेवे नवरं भेरी नत्थि जाव जेणेव कंपिल्लपुरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गम-णाए। एएणेव कमेणं तच्चं दूयं चं(पा)पं नयरिं, तत्थ णं तुमं कण्हं अंगरायं स(से)ल्लं नंदिरायं करयल तहेव जाव समोसरह। चउत्थं दूयं सुत्तिमइं नयरिं, तत्थ णं तुमं सिसुपालं दमघोससुयं पंचभाइसयसंपरिवुडं करयल तहेव जाव समोसरह। पंचमगं दूयं हत्थिसी(स)सं नय(रं)रिं, तत्थ णं तुमं दमदंतं रायं करयल (तहेव) जाव समोसरह। छट्ठं दूयं महुरं नयरिं, तत्थ णं तुमं धरं रायं करयल जाव समोसरह। सत्तमं दूयं रायगिहं नयरं, तत्थ णं तुमं सहदेवं जरा(सिंधु)संधसुयं करयल जाव समोसरह। अट्ठमं दूयं कोडिण्णं नयरं। तत्थ णं तुमं रुप्पिं भे(भे)सगसुयं करयल तहेव जाव समोसरह। नवमं दूयं विरा(ड)टं नय(रं)रिं, तत्थ णं तुमं की(कि)यगं भाउसयसमग्गं करयल जाव समोसरह। दसमं दूयं अवसेसेसु (य) गामागरनगरेसु अणेगाइं रायसहस्साइं जाव समोसरह। तए णं से दूए तहेव निग्गच्छइ जेणेव गामागर [तहेव] जाव समोसरह। तए णं ताइं अणेगाइं रायसहस्साइं तस्स दूयस्स

अंतिए एयमट्ठं सोचा निसम्म हट्ठ० तं दूयं सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता पडिविस(ज्जि)ज्जेंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा पत्तेयं २ ण्हाया सन्नद्धहत्थिखंधवरगया महया हयगयरह(०)भडचडगरपहकर (०) सएहिं २ नगरेहिंतो अभिनिग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पंचाले जणवए तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥१२३॥ तए णं से दुवए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! कंपिल्लपुरे नयरे बहिया गंगाए महानईए अदूरसामंते एगं महं सयंवरमंडवं करेह अणेगखंभसयसन्निविट्ठं लीलट्ठियसा(ल)लिभंजि(आ)यागं जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से दुवए राया [दोच्चंपि] कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! वासुदेवपा(मु)मोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आवासे करेह। ते वि करेत्ता पच्चप्पिणंति। तए णं [से] दुवए राया वासुदेवपा(०)मोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आग(मं)मणं जाणेत्ता पत्तेयं २ हत्थिखंध जाव परिवुडे अग्घं च पज्जं च गहाय सव्विड्ढीए कंपिल्लपुराओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव ते वासुदेवपा(मु)मोक्खा बहवे रायसहस्सा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताइं वासुदेवपा(मु)मोक्खाइं अग्घेण य पज्जेण य सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता तेसिं वासुदेवपा(०)मोक्खाणं पत्तेयं २ आवासे वियरइ। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता हत्थिखं(धा)धेहिंतो पच्चोरुहंति २ त्ता पत्तेयं [२] खंधावारनिवेसं करेंति २ त्ता सए[सु] २ आवासे[सु] अणु[प्]पविसंति २ त्ता सएसु (२) आवासेसु [य] आसणेसु य सयणेसु य सन्निसण्णा य संतुयट्टा य बहूहिं गंधव्वेहि य नाडएहि य उवगिज्जमाणा य उवनच्चिज्जमाणा य विहरंति। तए णं से दुवए राया कंपिल्लपुरं नयरं अणुप्पविसइ २ त्ता विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! विपुलं असणं ४ सुबहुपुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं च वासुदेवपामोक्खाणं रायसहस्साणं आवासेसु साहरह। ते वि साहरंति। तए णं ते वासुदेवपा(०)मोक्खा तं विपुलं अस(णं)णपा(णं)णखाइ(मं)मसाइमं आसाएमाणा ४ विहरंति जिमियभुत्तुत्तरागया वि य णं समाणा आयंता [चोक्खा] जाव सुहासणवरगया बहूहिं गंधव्वेहिं जाव विहरंति। तए णं से दुवए राया पुव्वावरण्हकालसमयंसि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तु(मे)ब्भे देवाणुप्पिया! कंपिल्लपुरे सिं(सं)घाडग जाव पहे[सु] वासुदेवपा(मु)मोक्खाण य रायसहस्साणं आवासेसु हत्थिखंधवरगया महया २ सद्देणं जाव उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया! कल्लं पाउप्पभायाए दुवयस्स रन्नो धूयाए चुलणीए देवीए अ(त्त)त्तियाए धट्ठज्जु(ण)णस्स भगिणीए दोवईए २ सयंवरे भविस्सइ। तं तुब्भे णं देवाणु-

प्पिया! दुवयं रायाणं अणुगिण्हेमाणा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया हत्थिखंधवरगया सको(रं)रेंट० सेयवरचामर० हयगयरह० महया भडच(र)डगरेणं जाव परिक्खित्ता जेणेव सयंवरामंडवे तेणेव उवागच्छह २ त्ता पत्तेयं नामंकेसु आसणेसु निसीयह २ त्ता दोवइं २ पडिवालेमाणा २ चिट्ठह घोसणं घोसेह [२] मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबिया तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से दुवए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सयंवरमंड(पं)त्रं आसियसंमज्जिओवलित्तं सुगंधवरगंधियं पंचवण्णपु(प्फपुंजो)प्फोवयारकलियं कालागरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्क जाव गंधवट्टिभूयं मंचाइमंचकलियं करेह कारवेह करेत्ता कारवेत्ता वासुदेवपा(०)मोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं पत्तेयं २ नामंकाइं आसणाइं अत्थुय(सेयव०)पच्चत्थुयाइं रएह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह (तेवि) जाव पच्चप्पिणंति। तए णं ते वासुदेवपा(०)मोक्खा बहवे रायसहस्सा कल्लं (पाड०) ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया हत्थिखंधवरगया सकोरेंट० सेयवरचामराहिं [महया] हयगय जाव परिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं जेणेव सयंव(रे)रामंडवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अणुप्पविसंति २ त्ता पत्तेयं २ नामं(के)कएसु निसीयंति

एगं महं सिरिदामगंड[०] किं ते ? पाडलमल्लियचंपय जाव सत्तच्छयाईहिं गंधद्धणिं मुयंतं परमसुहफासं दरिसणिज्जं गे(गि)ण्हइ। तए णं सा किड्डाविया (जाव) सुरूवा जाव वामहत्थेणं चिल्लगं दप्पणं गहेऊण सललियं दप्पणसंकंतबिंबसंदंसिए य से दाहिणेणं हत्थेणं दरि(सि)सए पवररायसीहे फुडविसयविसुद्धरिभियगंभीरमहुरभणिया सा तेसिं सव्वेसिं पत्थिवाणं अम्मापि(ऊणं)उवंससत्तसामत्थगोत्तविक्कंतिकंतिबहुविहआगममाहप्परूवजोव्वणगुणलावण्णकुलसीलजाणिया कित्तणं करेइ। पढमं ताव वण्हिपुंगवाणं दसदसार[वर]वीरपुरि(साणं)स(ते)तिलोक्कबलवगाणं सत्तुसयसहस्समाणावमद्दगाणं भवसिद्धिपवरपुंडरीयाणं चिल्लगाणं बलवीरियरूवजोव्वणगुणलावण्णकित्तिया कित्तणं करेइ। तओ पु(णो)ण उग्गसेणमाईणं जायवाणं भणइ(य)–सोहग्गरूवकलिए वरेहि वरपुरिसगंधहत्थीणं जो हु ते [लोए] होइ हिययदइओ॥ तए णं सा दोवई रायवरकन्नगा बहूणं रायवरसहस्साणं मज्झंमज्झेणं समइच्छमाणी २ पुव्वकयनियाणेणं चोइज्जमाणी २ जेणेव पंच पंडवा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते पंच पंडवे तेणं दसद्धवण्णेणं कुसुमदामेणं आवेढियपरिवेढि(यं)ए करेइ २ त्ता एवं वयासी–एए णं मए पंच पंडवा वरिया। तए णं (तेसिं) ताइं वासुदेवपामोक्खा(णं)इं बहूणि रायसहस्साणि महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा[इं]२ एवं वयंति–सुवरियं खलु भो ! दोव(इ)ईए रायवरकन्नाए (२) त्तिकट्टु सयंवरमंडवाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छंति। तए णं धट्ठज्जु(ण्णे)णकुमारे पंच पंडवे दोवइं [च] रायवरक(ण्णं)न्नगं चाउग्घंटं आसरहं दुरु(ह)हेइ २ त्ता कंपिल्लपुरं मज्झंमज्झेणं जाव सयं भवणं अणुपविसइ। तए णं दुवए राया पंच–पंडवे दोवइं २ पट्टयं दुरुहेइ २ त्ता सेयापी[य]एहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ त्ता अग्गिहोमं करा(कार)वेइ पंचण्हं पंडवाणं दोवईए य पाणिग्गहणं करावेइ। तए णं से दुवए राया दोवईए २ इमं एयारूवं पीइदाणं दलय(ती)इ तंजहा–अट्ठ हिरण्णकोडीओ जाव (अट्ठ) पेसणकारीओ दासचेडीओ अन्नं च विपुलं धणकणग जाव दलयइ। तए णं से दुवए राया ताइं वासुदेवपामोक्खाइं विपुलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थगंध जाव पडिविसज्जेइ॥ १२५॥ तए णं से पंडू राया तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरे नयरे पंचण्हं पंडवाणं दोवईए य देवीए कल्लाणकरे भविस्सइ, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं अणुगिण्हमाणा अकालपरिहीणं समोसरह। तए णं [ते] वासुदेवपामोक्खा पत्तेयं २ जाव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से पं(डु)डू राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! हत्थिणा-

उरे पंचण्हं पंडवाणं पंच पासायवडिंसए कारे(ह)हि अब्भुग्गयमूसिय वण्णओ जाव पडिरूवे। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा पडिसुणेंति जाव कार(करा)वेंति। तए णं से पं(डुए)डू राया पंचहिं पंडवेहिं दोवईए देवीए सद्धिं हयगयसंपरिवुडे कंपिल्लपुराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणाउरे तेणेव उवागए। तए णं से पंडुराया तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं आगमणं जाणित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! हत्थिणाउरस्स नयरस्स बहिया वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आवासे कारेह अणेग(खं)थंभसय तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा जेणेव हत्थिणाउरे तेणेव उवागच्छंति। तए णं (से) पंडूराया ते(सिं) वासुदेवपामो(क्खाणं)क्खे [जाव] आग(मणं)ए जाणित्ता हट्ठतुट्ठे ण्हाए जहा दु(प)वए जाव जहारिहं आवासे दलयइ। तए णं ते वासुदेवपा(०)मोक्खा बहवे रायसहस्सा जेणेव सया(इं) २ आवासा(इं) तेणेव उवागच्छंति (०) तहेव जाव विहरंति। तए णं से पंडूराया हत्थिणाउरं नयरं अणुपविसइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! विपुलं असणं ४ तहेव जाव उवणेंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रा(या)यसहस्सा ण्हाया तं विपुलं असणं ४ तहेव जाव विहरंति। तए णं से पंडूराया [ते] पंचपंडवे दोवइं च देविं पट्टयं दुरुहेइ २ त्ता सीयापीएहिं कलसेहिं ण्हावे(न्ति)इ २ त्ता कल्लाण(का)करं करेइ २ त्ता ते वासुदेवपामोक्खे बहवे रायसहस्से विपुलेणं अस(ण)णेणं ४ पुप्फवत्थेणं सक्कारेइ सम्माणेइ (०) जाव पडिविसज्जेइ। तए णं ताइं वासुदेवपामोक्खाइं बहू(हिं)इं जाव पडिगयाइं ॥ १२६ ॥ तए णं ते पंच पंडवा दोवईए देवीए (सद्धिं अंतो अंतेउरपरियाल) सद्धिं कल्लाकल्लिं वारंवारेणं उ(ओ)रालाइं भोगभोगाइं जाव विहरंति। तए णं से पंडू राया अन्नया कया(इं)इं पंचहिं पंडवेहिं कोंतीए देवीए दोवईए (देवीए) य सद्धिं अंतोअंतेउरपरियालसद्धिं संपरिवुडे सीहासणवरगए यावि विहरइ। इमं च णं कच्छुल्लनारए दंसणेणं अइभद्दए विणीए अंतो(२)य कलुसहियए मज्झ(त्थो)त्थउवत्थिए य अल्लीणसोमपियदंसणे सुरूवे अमइलसगलपरिहिए कालमियचम्मउत्तरासंगरइयव(त्थे)च्छे दण्डकमण्डलुहत्थे जडामउडदित्तसिरए जन्नोवइयगणेत्तियमुंजमेह(ल)लावागलधरे हत्थकयकच्छभीए पियगंधव्वे धरणिगोयरप्पहाणे संवरणावरणओवय(णउ)णुप्पयणिलेसणीसु य संकामणि(अ)आभिओगपन्नत्तिगमणीथं(भ)भिणीसु य व(हु)हूसु विज्जाहरीसु विज्जासु विस्सुयजसे इट्ठे रामस्स य केसवस्स य पज्जुन्नपईवसंबअनिरुद्धनिसढउम्मुयसारणगयसुमुहदुम्मुहाई(ण)णं जायवाणं अद्धुट्ठाण[य]कुमारकोडीणं हिययदइए संथवए कलहजुद्धकोलाहलप्पिए भंडणाभिलासी बहूसु य सम(रेसु)रसयसंपराएसु

दंसणरए समंतओ कलहं सदक्खिणं अणुगवेसमाणे असमाहिकरे दसारवरवीरपुरि-स(ति)तेलोक्कबलवगाणं आमंतेऊण तं भगव(तीं)इं प(ए)क्कमणिं गगणगमणदच्छं उप्पइओ गगणमभिलंघयंतो गामागरनगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणसं(बा)वाह-सहस्समंडियं थिमियमेइणीतलं वसुहं ओलोइं(तो)ते रम्मं हत्थिणाउरं उवागए पंडु-रायभवणंसि अइवेगेण समोवइए। तए णं से पंडू राया कच्छुल्लनारयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं कुंतीए य देवीए सद्धिं आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कच्छुल्लना-रयं सत्तट्ठपयाइं पच्चुग्गच्छइ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता महरिहेणं आसणेणं उवनिमंतेइ। तए णं से कच्छुल्लनारए उद-गपरिफोसियाए दब्भोवरिप(च्च)त्थुत्थुयाए भिसियाए निसीयइ २ त्ता पंडुरायं रज्जे [य] जाव अंतेउरे य कुसलोदंतं पुच्छइ। तए णं से पंडूराया कोंती [य] देवी पंच य पंडवा कच्छुल्लनारयं आढंति जाव पज्जुवासंति। तए णं सा दोवई देवी कच्छुल्ल-नारयं अस्संज(यं)यअविर(यं)यअप्पडिहय[अ]पच्चक्खायपावकम्मं-त्तिकट्टु नो आढाइ नो परियाणइ नो अब्भुट्ठेइ नो पज्जुवासइ॥ १२७॥ तए णं तस्स कच्छु-ल्लनारयस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-अहो णं दोवई देवी रूवे(णं)ण य जाव लावण्णेण य पंचहिं पंडवेहिं अ(णुब)वत्थद्धा समाणी ममं नो आढाइ जाव नो पज्जुवासइ। तं सेयं खलु मम दोवईए देवीए विप्पियं क(रि)रेत्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता पंडु(य)रायं आपुच्छइ २ त्ता उप्प-यणिं विज्जं आवाहेइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव विज्जाहरगईए लवणसमुद्दं मज्झं-मज्झेणं पुरत्थाभिमुहे वी(इ)ईवइउं पयत्ते यावि होत्था। तेणं कालेणं तेणं समएणं धायइसंडे दीवे पुरत्थिमद्धदाहिणड्ढभरहवासे अ(म)वरकंका ना(म)मं रायहाणी होत्था। त(ए)त्थ णं अ(म)वरकंकाए रायहाणीए पउमनाभे नामं राया होत्था महया हिमवंत वण्णओ। तस्स णं पउमनाभस्स रन्नो सत्त देवीसयाइं ओरोहे होत्था। तस्स णं पउमनाभस्स रन्नो सुनाभे नामं पुत्ते जुवराया(या)वि होत्था। तए णं से पउमनाभे राया अंतोअंतेउरंसि ओरोहसंपरिवुडे सी(सिं)हासणवरगए विहरइ। तए णं से कच्छुल्लनारए जेणेव अवरकंका रायहाणी जेणेव पउमना(ह)भस्स भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमनाभस्स रन्नो भवणंसि झ(त्तिं)त्ति वेगे(णं)ण समो-वइए। तए णं से पउमनाभे(राया) कच्छु(ल्लं)ल्लनारयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता आस-णाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता अग्घेणं जाव आसणेणं उवनिमंतेइ। तए णं से कच्छुल्लनारए उदयपरिफोसियाए दब्भोवरिपच्चत्थुयाए भिसियाए निसीयइ जाव कुसलोदंतं आपु-च्छइ। तए णं से पउमनाभे राया नियगओरोहे जायविम्हए कच्छुल्लनारयं एवं

वयासी-तु(ब्भे)मं देवाणुप्पिया! बहूणि गामाणि जाव गि(गे)हाइं अणुपविससि, तं अत्थि-याइं ते कहिंचि देवाणुप्पिया! एरिसए ओरोहे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं मम ओरोहे?। तए णं से कच्छुल्लनारए पउमनाभेणं (रन्ना) एवं वुत्ते समाणे ईसिं विहसियं करेइ २ त्ता एवं वयासी-सरिसे णं तुमं पउम-नाभा! तस्स अगडदद्दुरस्स। के णं देवाणुप्पिया! से अगडदद्दुरे? एवं जहा मल्लिणाए। एवं खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे [नयरे] दुपयस्स रन्नो धूया चुलणीए देवीए अत्तया पंडुस्स सुण्हा पंचण्हं पंडवाणं भारिया दोवई देवी रूवेण य जाव उक्किट्ठ-सरीरा। दोवईए णं देवीए छिन्नस्सवि पायंगुट्ठ(य)स्स अयं तव ओरोहे स(तिमं)यंपि कलं न अग्घइ-त्तिकट्टु पउम-नाभं आपुच्छइ (०) जाव पडिगए। तए णं से पउमनाभे राया कच्छुल्लनारयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म दोवईए देवीए रूवे य ३ मुच्छिए ४ (०) जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं जाव पुव्वसंगइयं देवं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे जाव [उक्किट्ठ]सरीरा, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! दोव(ईं)इं देविं इहमा(णि)णीयं। तए णं पुव्वसंगइए देवे पउमनाभं एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया! ए(यं)वं भूयं वा भव्वं वा भविस्सं वा ज-न्नं दोवई देवी पंच-पंडवे मोत्तू(ण)णं अन्नेणं पुरिसेणं सद्धिं उ(ओ)रालाइं जाव विहरिस्सइ। तहावि य णं अहं तव पियट्ठ(त)याए दोवइं देविं इहं हव्वमाणेमि-त्तिकट्टु पउम-नाभं आपुच्छइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं जेणेव हत्थिणाउरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणाउरे [नयरे] जुहिट्ठिल्ले राया दोवईए देवीए सद्धिं उप्पिं आगासत(लं)लगंसि सुह[प]पसुत्ते यावि होत्था। तए णं से पुव्वसंगइए देवे जेणेव जुहिट्ठिल्ले राया जेणेव दोवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दोवईए देवीए ओसोवणियं दलयइ २ त्ता दोवइं देविं गिण्हइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव अ-वरकंका जेणेव पउम-नाभस्स भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउम-नाभस्स भवणंसि असोगवणियाए दोवइं देविं ठावेइ २ त्ता ओसोवणिं अवहरइ २ त्ता जेणेव पउमनाभे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! मए हत्थिणाउराओ दोवई देवी इ(ह)हं हव्वमाणीया तव असोगवणियाए चिट्ठइ। अओ परं तुमं जाणसि-त्तिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं सा दोवई देवी तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा समाणी तं भवणं असोगवणियं च अपच्चभिजाणमाणी एवं वयासी-नो खलु अम्हं एसे सए भवणे नो खलु एसा अम्हं स(गा)या असोगवणिया। तं न नज्जइ णं अहं

केण(ई)इ देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा अन्नस्स रन्नो असोगवणियं साहरिय-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ। तए णं से पउमन्नाभे राया ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए अंतेउरपरियालसंपरिवुडे जेणेव असोगवणिया जेणेव दोवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दोव(तीं)इं दे(वीं)विं ओहय(०) जाव झियायमा(णीं)णिं पासइ २ त्ता एवं वयासी-कि-न्नं तुमं देवाणुप्पि(ए)या! ओहय जाव झियाहि? एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए! मम पुव्वसंगइएणं देवेणं जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ हत्थिणा(पु)उराओ नयराओ जुहिट्ठिल्लस्स रन्नो भवणाओ साहरिया, तं मा णं तुमं देवाणुप्पिन्या! ओहय-जाव झियाहि, तुमं [णं] मए सद्धिं विपुलाइं भोगभोगाइं जाव विहराहि। तए णं सा दोवई (देवी) पउमन्नाभं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे बारव(ति)ईए नयरीए कण्हे नामं वासुदेवे मम(प्पि)पियभाउए परिवसइ, तं जइ णं से छण्हं मासाणं म(मं)म कूवं नो हव्वमागच्छइ तए णं अहं देवाणुप्पिया! जं तुमं वदसि तस्स आणाओवायवयणनिद्देसे चिट्ठिस्सामि। तए णं से पउ(मे)मनाभे दोवईए एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता दोवइं देविं कन्नंतेउरे ठवेइ। तए णं सा दोवई देवी छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं आयंबिलपरिग्गहिएणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ ॥ १२८ ॥ तए णं से जु(हु)हिट्ठिल्ले राया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धे समाणे दोवइं देविं पासे अपासमा(णो)णे सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता दोवईए देवीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा खुइं वा पवत्तिं वा अलभमाणे जेणेव पंडुराया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंडुरायं एवं वयासी-एवं खलु ताओ! मम आगासतलगंसि [सुह]पसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ देवेण वा दाणवेण वा [किंपुरिसेण वा] किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा हिया वा नि(णी)या वा अ(व)क्खित्ता वा (?), [तं] इच्छामि णं ताओ! दोवईए देवीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं क(यं)रित्तए। तए णं से पंडुराया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! हत्थिणाउरे नयरे सिंघाडगति(य)गचउक्कचच्चरमहापहपहेसु महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह-एवं खलु देवाणुप्पिया! जुहिट्ठिल्लस्स रन्नो आगासतलगंसि सुहपसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किन्नरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा हिया वा नि(नी)या वा अक्खित्ता वा, तं जो णं देवाणुप्पिया! दोवईए देवीए सुइं वा खुइं वा पवित्तिं वा परिकहेइ तस्स णं पंडुराया विउलं अत्थसंपयाणं (दाणं)दलयइ-त्तिकट्टु घोसणं घोसावेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते

कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से पंडू-राया दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा जाव अलभमाणे कोंतीं देवीं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पि-या! बारवइं नयरिं कण्हस्स वासुदेवस्स एयमट्ठं निवेदेहि। कण्हे णं परं वासुदेवे दोवईए (देवीए) मग्गणगवेसणं करेज्जा अन्नहा न नज्जइ दोवईए देवीए सु(र्ती)इं वा खु(र्तीं)इं वा पव(त्तीं)त्तिं वा उवलभेज्जा। तए णं सा कोंती देवी पंडु(रण्)णा एवं वुत्ता समाणी जाव पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाया हत्थिखंधवरगया हत्थिणा(उ)पुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता कुरुजणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव सुर(ट्ठ)ट्ठाजणवए जेणेव बारवई नयरी जेणेव अग्गुज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवा-णुप्पिया! जेणेव (बारवई ण०) बारवइं नयरिं अणुपविसह २ त्ता कण्हं वासुदेवं करयल[०] एवं वयह–एवं खलु सामी! तुब्भं पिउच्छा कोंती देवी हत्थिणाउराओ नयराओ इ·हं हव्वमागया तुब्भं दंसणं कंखइ। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव कहेंति। तए णं कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसाणं अंतिए [एयमट्ठं] सोच्चा निसम्म [हट्ठतुट्ठे] हत्थिखंधवरगए हयगय[०] बारवईए(य) नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव कोंती देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता कोंतीए देवीए पायग्ग-हणं करेइ २ त्ता कोंतीए देवीए सद्धिं हत्थिखंधं दुरूहइ २ त्ता बारव(तीए)इं नय-(रीए)रिं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयं गिहं अणु-ए-पविसइ। तए णं से कण्हे वासुदेवे कों(तीं)तिं देविं ण्हायं जिमियभुत्तुत्तरागयं जाव सुहासणवरगयं एवं वयासी–संदिसउ णं पिउच्छा! किमागमणपओयणं (?)। तए णं सा कोंती देवी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता! हत्थिणाउरे नयरे जुहिट्ठिल्लस्स [रन्नो] आगासत(ले)लए सुह[प]पसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ अवहिया जाव अवक्खित्ता वा, तं इच्छामि णं पुत्ता! दोवईए देवीए मग्ग-णगवेसणं कयं। तए णं से कण्हे वासुदेवे कों(तिं)तीपिउच्छिं एवं वयासी–जं नवरं पिउच्छा (!) दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा जाव लभामि तो णं अहं पायालाओ वा भवणाओ वा अद्धभरहाओ वा समंतओ दोवइं [देविं] साहत्थिं उवणेमि–त्तिकट्टु कों(तीं)तीपिउ(त्थिं)च्छिं सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ। तए णं सा कोंती देवी कण्हेणं वासुदेवेणं पडिविसज्जिया समाणी जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! बारवइं नयरिं एवं जहा पंडू तहा घोसणं घोसा-वेइ जाव पच्चप्पिणंति पंडुस्स जहा। तए णं से कण्हे वासुदेवे अन्नया अंतोअंते-

उरगए ओरोहे जाव विहरइ । इमं च णं कच्छुल्लए [नारए] जाव समोवइए जाव निसीइत्ता कण्हं वासुदेवं कुसलोदंतं पुच्छइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कच्छुल्लं नारयं एवं वयासी–तुमं णं देवाणुप्पिया! बहूणि गामागर जाव अणुपविससि, तं अत्थि-याइं ते कहिं(वि)चि दोवईए देवीए सुई वा जाव उवलद्धा ?। तए णं से कच्छु(ल्ले)ल्लए (णारए) कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अन्नया [कयाइं] धायईसंडे दीवे पुरत्थिमद्धं दाहिणड्ढभरहवासं अवरकंकारायहाणिं गए, तत्थ णं मए पउमनाभस्स रन्नो भवणंसि दोवई देवी जारिसिया दिट्ठपुव्वा यावि होत्था । तए णं कण्हे वासुदेवे कच्छुल्लं एवं वयासी–तुब्भं चेव णं देवाणुप्पिया! ए(वं)यं पुव्वकम्मं। तए णं से कच्छुल्लनारए कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे उप्पयणिं विज्जं आवाहेइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं से कण्हे वासुदेवे दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! हत्थिणाउरं पंडुस्स रन्नो एयमट्ठं निवे(दे)एहि–एवं खलु देवाणुप्पिया! [दोवई देवी] धाय(इ)ईसं(डे)डदीवे पुर(च्छि)त्थिमद्धे अवरकंकाए रायहाणीए पउम-नाभभवणंसि [साहिया] दोवईए देवीए पउत्ती उवलद्धा । तं गच्छंतु पंच पंडवा चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडा पुर-त्थिमवेयालीए ममं पडिवालेमाणा चिट्ठंतु। तए णं से दूए जाव भणइ [जाव] पडिवालेमाणा चिट्ठह। तेवि जाव चिट्ठंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सन्नाहियं भेरिं ता(डे)लेह। तेवि तालेंति। तए णं ती(से)ए स-न्नाहियाए भेरीए सद्दं सोच्चा समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव छप्प-न्नं बलव(य)गसाहस्सीओ सन्नद्धबद्ध जाव गहियाउहपहरणा अप्पेगइया हयगया [अप्पेगइया] गयगया जाव [मणुस्स]वग्गुरापरिक्खित्ता जेणेव सभा सु(ध)हम्मा जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति । तए णं [से] कण्हे वासुदेवे हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं ध(धा)रिज्जमाणेणं सेयवर० हयगय(०) महया भडचडगरपहकरेणं बारवईए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ (०) जेणेव पुर-त्थिमवेयाली तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं एगयओ मि(ल)लाइ २ त्ता खंधावार-निवेसं करेइ २ त्ता [पोसहसालं करेइ २ त्ता] पोसहसालं अणु-प्पविसइ २ त्ता सुट्ठियं देवं मण(सि)सीकरेमाणे २ चिट्ठइ । तए णं कण्हस्स वासुदेवस्स अट्ठमभत्तंसि परिणममाणंसि सुट्ठिओ जाव आगओ (,) [एवं वयइ–] भण देवाणुप्पिया! जं मए कायव्वं। तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं (देवं) एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! दोवई देवी जाव पउमनाभस्स भवणंसि सा(हरि)हिया, तण्णं तुमं देवाणुप्पिया! मम पंचहिं पंड-

वेहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं लवणसमुद्दे मग्गं विय(रे)राहि जा(ज०)णं अहं अ-वरकंकारायहाणिं दोवईए कूवं गच्छामि । तए णं से सुट्ठिए देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-किं(हं)णं देवाणुप्पिया! जहा चेव पउम-नाभस्स रन्नो पुव्वसंगइएणं देवेणं दोवई जाव साहि(संहरि)या तहा चेव दोवइं देविं धायईसंडाओ दीवाओ भारहाओ जाव हत्थिणाउरं साहरामि उदाहु पउम-नाभं रायं सपुरबलवाहणं लवणसमुद्दे पक्खिवामि ? । तए णं [से] कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं देवं एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव साहराहि, तुमं णं देवाणुप्पिया! [मम] लवण-समुद्दे [पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं] अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं मग्गं वियराहि, सयमेव णं अहं दोवईए कूवं गच्छामि । तए णं से सुट्ठिए देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं होउ [णं] । पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं लवणसमुद्दे मग्गं वियरइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे चाउरंगि(णी)णिं सेणं पडिविसज्जेइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ २ त्ता जेणेव अ-वरकंका रायहाणी जेणेव अ-वरकंकाए [रायहाणीए] अग्गुज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठा(ठ)वेइ २ त्ता दारुयं सारहिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! अ-वरकंकारायहाणिं अणु-प्पविसाहि २ त्ता पउम-नाभस्स र-न्नो वामेणं पाएणं पायपीढं अ[व]क्कमित्ता कुंतग्गेणं लेहं पणामेहि तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु आसुरुत्ते रुट्ठे कुद्धे कुविए चंडिक्किए एवं व०-हं भो पउम-ना(हा)भा! अपत्थियपत्थिया दुरंतपंतलक्खणा हीणपु-ण्णचाउद्दसा सि(री)रिहिरि(धी)धिइपरिवज्जिया [!] अज्ज न भवसि किन्नं तुमं न याणासि कण्हस्स वासुदेवस्स भगिणिं दोवइं देविं इहं हव्वमा(ण)णेमा(णे)णं? तं एयमवि गए पच्चप्पिणाहि णं तुमं दोवइं देविं कण्हस्स वासुदेवस्स अहव णं जुद्धसज्जे निग्ग-च्छाहि, एस णं कण्हे वासुदेवे पंचहिं पंडवेहिं [सद्धिं] अप्पछट्ठे दोवई[ए] देवीए कूवं हव्वमागए । तए णं से दारुए सारही कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे (जाव) पडिसुणेइ २ त्ता अ-वरकं(का)कं रायहाणिं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव पउमना(हे)भे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एस णं सामी! मम विणयपडिवत्ती इमा अन्ना मम सामिस्स समुहाणत्ति-त्तिकट्टु आसुरुत्ते वामपाएणं पायपीढं अ(णु)वक्कमइ २ त्ता कुं(कों)तग्गेणं लेहं पणा-(म)मेइ (०) जाव कूवं हव्वमागए। तए णं से पउम-नाभे दारुएणं सारहिणा एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते तिवलिं भिउडिं निडाले साहट्टु एवं वयासी-(णो) न अप्पिणामि णं अहं देवाणुप्पिया! कण्हस्स वासुदेवस्स दोवइं । एस णं अहं सयमेव जुज्झस(ज्जे)

ज्जे निग्गच्छामि-त्तिकट्टु दारुयं सारहिं एवं वयासी-केवलं भो! रायसत्थेसु दू(ये)ए अवज्झे-त्तिकट्टु असक्कारि(य)यं असम्माणि(य)यं अव-दारेणं निच्छुभावेइ । तए णं से दारुए सारही पउम-नाभेणं असक्कारि-यं जाव निच(छू)छुढे समाणे जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव कण्हं (जाव) एवं वयासी-एवं खलु अहं सामी! तुब्भं वयणेणं जाव निच्छुभावेइ । तए णं से पउम-नाभे बल-वाउयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! आभिसेक्कं हत्थिर-यणं पडिकप्पेह। तयाणंतरं च णं छेयायरियउव(दे)एसमइविकप्पणा(विगप्पेहिं)हि जाव उव(णे)णेंति। तए णं से पउमनाहे सन्नद्ध० अभिसेयं दुरूहइ २ त्ता हयगय जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से कण्हे वासुदेवे पउम-नाभं रायाणं एज्जमाणं पासइ २ त्ता ते पंच पंडवे एवं वयासी-हं भो दारगा! किन्नं तुब्भे पउम-नाभेणं सद्धिं जुज्झि(हि)हह उयाहु पिच्छह(पेच्छिहिं)ह? । तए णं ते पंच-पंडवा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-अम्हे णं सामी! जुज्झामो तुब्भे पेच्छह। तए णं पंच-पंड(वे)वा स-न्नद्ध जाव पहरणा रहे दुरूहंति २ त्ता जेणेव पउम-नाभे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी-अम्हे [वा] पउम-नाभे वा राय-त्तिक० पउमनाभेणं सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था । तए णं से पउमनाभे राया ते पंच-पंडवे खिप्पामेव हयमहियपवरविवडियचिंध(द्ध)धयपडा(गा)गे जाव दिसोदिसिं पडिसेहेइ। तए णं ते पंच-पंडवा पउम-नाभेणं र-न्ना हयमहियपवरविव-डिय जाव पडिसेहिया समाणा अत्थामा जाव अधारणिज्ज[मि]त्तिकट्टु जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे ते पंच-पंडवे एवं वयासी-कहण्णं तुब्भे देवाणुप्पिया! पउम-नाभे(ण)णं रन्ना सद्धिं संपलग्गा?। तए णं ते पंच-पंडवा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणा सन्नद्ध० रहे दुरूहामो २ त्ता जेणेव पउम-नाभे जाव पडि-सेहेइ। तए णं से कण्हे वासुदेवे ते पंच-पंडवे एवं वयासी-जइ णं तुब्भे देवाणु-प्पिया! एवं वयंता-अम्हे नो पउम-नाभे रायत्तिकट्टु पउम-नाभेणं सद्धिं संपलग्गंता तो णं तुब्भे नो पउम-ना-भे हयमहियपवर जाव पडिसे(हंते)हित्था तं पेच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! अहं नो पउम-नाभे रायत्तिकट्टु पउमनाभेणं रन्ना सद्धिं जुज्झामि रहं दुरूहइ २ त्ता जेणेव पउमनाभे राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेयं गोखी-रहारधवलं तणसोल्लियसिंदुवारकुंदेंदुसन्निगासं निययं[स्स] बलस्स हरिसजणणं रिउसे-न्नविणासकरं पंचज-न्नं संखं परामुसइ २ त्ता मुहवायपूरियं करेइ। तए णं तस्स पउम-ना(ह)भस्स तेणं संखसद्देणं बलतिभाए हए जाव पडिसेहिए। तए णं से कण्हे

वासुदेवे धणुं परामुसइ वेढो धणुं पूरेइ २ त्ता धणुसद्दं करेइ । तए णं तस्स पउम-नाभस्स दोच्चे बलतिभाए तेणं धणुसद्देणं हयमहिय जाव पडिसेहिए । तए णं से पउम-नाभे राया तिभागबलावसेसे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरि-सक्कारपरक्क(म)मे अधारणिज्ज-मि-त्तिकट्टु सिग्घं तुरियं जेणेव अ-वरकंका तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता अ-वरकं(कं)कारायहाणिं अणुपविसइ २ त्ता वा(दा)राइं पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव अ-वरकंका तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता रहं ठा-वेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोह[ण]णइ (०) एगं महं नरसीहरूवं विउव्वइ २ त्ता महया २ सद्देणं पा(द)यदद्द-रियं करेइ । तए णं (से) कण्हेणं वासुदेवेणं महया २ सद्देणं पा-यदद्दरएणं कएणं समाणेणं अ-वरकंका रायहाणी संभग्गपागारगो(पु)उराट्टालयचरियतोरणपल्हत्थिय-पवरभवणसिरिघरा सर(स)सरस्स धरणियले सन्निवइया । तए णं से पउम-नाभे राया अ-वरकंकं रायहाणिं संभग(ग)गं जाव पासित्ता भीए दोवइं देविं सरणं उवेइ । तए णं सा दोवई देवी पउमनाभं रायं एवं वयासी–किन्नं तुमं देवाणु-प्पिया! (न) जाणसि कण्हस्स वासुदेवस्स उत्तमपुरिसस्स विप्पियं करेमाणे (ममं इह हव्वमाणेसि)? तं एवमवि गए गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! ण्हाए उल्लपडसाडए ओ(अव)चूलगवत्थ-नियत्थे अंतेउरपरियालसंपरिवुडे अग्गाइं वराइं रयणाइं गहाय ममं पुरओ-काउं कण्हं वासुदेवं करयल [जाव] पाय(प)वडिए सरणं उवेहि, पणिवइयवच्छला णं देवाणुप्पिया! उत्तमपुरिसा । तए णं से पउमनाभे दोवईए देवीए एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाए जाव सरणं उवेइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–दिट्ठा णं देवाणुप्पियाणं इड्ढी जाव परक्कमे । तं खामेमि णं देवा-णुप्पिया! जाव खमंतु णं जाव नाहं भुज्जो २ एवं करणयाए–त्तिकट्टु पंजलि(वु)उडे पायवडिए कण्हस्स वासुदेवस्स दोवइं देविं साहत्थिं उवणेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे पउम-नाभं एवं वयासी–हं भो पउम-नाभा! अ(प)पत्थियपत्थिया ४ किन्नं तुमं (ण) जाणसि मम भगिणिं दोवइं देविं इह हव्वमाणमाणे? तं एवमवि गए नत्थि ते ममाहिंतो इयाणिं भयमत्थि-त्तिकट्टु पउम-नाभं पडिविसज्जेइ (०) दोवइं देविं गे(गि)ण्हइ २ त्ता रहं दुरुहेइ २ त्ता जेणेव पंच पंड-वा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचण्हं पंडवाणं दोवइं देविं साहत्थिं उवणेइ । तए णं से कण्हे पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ १२९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धायइ-संडे दीवे पुर-त्थिमद्धे भारहे वासे चंपा नामं नयरी होत्था । पुण्णभद्दे उज्जाणे ।

तत्थ णं चंपाए नयरीए कविले नामं वासुदेवे राया होत्था (महया हिमवं०) वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा चंपाए पुण्णभद्दे समोसढे। क(पि)विले वासुदेवे धम्मं सुणेइ। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयस्स अरहओ [अंतिए] धम्मं सुणेमाणे कण्हस्स वासुदेवस्स संखसद्दं सुणेइ। तए णं तस्स कविलस्स वासुदेवस्स इमेयारूवे अ(ब्भ)ज्झत्थिए [४] समुप्पज्जित्था-किं मण्णे धायइसंडे दीवे भारहे वासे दोच्चे वासुदेवे समुप्पन्ने (?) जस्स णं अयं संखसद्दे ममं पिव मुहवायपूरिए वियंभइ [?] कविले वासुदे(वे)वा भ(स)द्दा(तिं)इ (सुणेइ) मुणिसुव्वए अरहा कविलं वासुदेवं एवं वयासी-से नूणं (ते) कविला वासुदेवा! म(म)मं अंतिए धम्मं निसामेमाणस्स संखसद्दं आकण्णित्ता इमेयारूवे अ-ज्झत्थिए-किं मन्ने जाव वियंभइ। से नूणं कविला वासुदेवा! अ(यम)ट्ठे समट्ठे? हंता [!] अत्थि। [तं] नो खलु कविला! एवं भूयं वा भ(वइ)व्वं वा भविस्(सइ)सं वा जन्नं ए(गे)गखेत्ते ए-गजुगे ए-गसमए [णं] दुवे अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जिंति वा उप्पज्जिस्संति वा। एवं खलु वासुदेवा! जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ हत्थिणाउ(र)राओ नयराओ पंडुस्स र-न्नो सुण्हा पंचण्हं पंडवाणं भारिया दोवई देवी तव पउम-नाभस्स र-न्नो पुव्वसंगइएणं देवेणं अ-वरकं-कं-नयरिं साहरिया। तए णं से कण्हे वासुदेवे पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं अ-वरकंकं रायहाणिं दोवईए देवीए कूवं हव्वमागए। तए णं तस्स कण्हस्स वासुदेवस्स पउम-नाभेणं र-न्ना सद्धिं संगामं संगामेमाणस्स अयं संखसद्दे तव मुहवाया० (इव) इट्ठे (कंते) इ(हे)व वियंभइ। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-गच्छामि णं अहं भंते! कण्हं वासुदेवं उत्तमपुरिसं [मम] सरिसपुरिसं पासामि। तए णं मुणिसुव्वए अरहा कविलं वासुदेवं एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया! एवं भूयं वा ३ जण्णं अरहंता वा अरहंतं पासंति चक्कवट्टी वा चक्कवट्टिं पासंति बलदेवा वा बलदेवं पासंति वासुदेवा वा वासुदेवं पासंति। तहवि य णं तुमं कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वी(ति)ईवयमाणस्स सेयापीयाइं धयग्गाइं पासिहिसि। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता हत्थिखंधं दुरूहइ २ त्ता सिग्घं २ जेणेव वेला(उ)कूले तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वी ईवयमाणस्स सेयापीया(हिं)इं धयग्गाइं पासइ २ त्ता एवं वयइ-एस णं मम सरिसपुरिसे उत्तमपुरिसे कण्हे वासुदेवे लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ-त्तिकट्टु पंचयन्नं संखं परामुसइ [२] मुहवायपूरियं करेइ। तए णं से कण्हे वासु-

देवे कविलस्स वासुदेवस्स संखसद्दं आय-ण्णेइ २ त्ता पंचयन्नं जाव पूरियं करेइ । तए णं दोवि वासुदेवा संखसद्द(सा)समायारिं करेंति । तए णं से कविले वासुदेवे जेणेव अ-वरकंका तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अ-वरकंकं रायहाणिं संभग्गतोरणं जाव पासइ २ त्ता पउम-नाभं एवं वयासी–किन्नं देवाणुप्पिया ! एसा अ-वरकंका संभग्ग जाव सन्निवइया ? । तए णं से पउम-ना-भे कविलं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ इहं हव्वमागम्म कण्हेणं वासुदेवेणं तुब्भे परिभूय अ-वरकंका जाव सन्नि(वा)वडिया । तए णं से कविले वासुदेवे पउम-ना-भस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा पउम-ना(हं)भं एवं वयासी–हं भो पउम-नाभा ! अप-त्थियपत्थिया [५ !] किन्नं तुमं (न) जाणसि मम सरिसपुरिसस्स कण्हस्स वासुदेवस्स विप्पियं करेमाणे ? आसुरुत्ते जाव पउम-ना-भं निव्विसयं आणवेइ पउम-ना-भस्स पुत्तं अ-वरकंका[ए] रायहाणीए महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचइ जाव पडिगए ॥ १३० ॥ तए णं से कण्हे वासुदेवे लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वी-ईवयइ (गंगं उवागए) ते पंच-पंडवे एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! गं(गा)गं महा-न(दिं)इं उत्तरह जाव ताव अहं सुट्ठियं लवणाहिवइं पासामि । तए णं ते पंच पंडवा कण्हेणं २ एवं वुत्ता समाणा जेणेव गंगा महानदी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एगट्ठियाए नावाए मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता एगट्ठियाए नावाए गं-गं महान-इं उत्तरंति २ त्ता अ-न्नमन्नं एवं वयंति–पहू णं देवाणुप्पिया ! कण्हे वासुदेवे गं-गं महा-न-इं बाहाहिं उत्तरित्तए उदाहु नो प(भू)हू उत्तरित्तए–त्तिकट्टु एगट्ठियाओ (नावाओ) णूमेंति २ त्ता कण्हं वासुदेवं पडिवालेमाणा २ चिट्ठंति । तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं लवणाहिवइं पासइ २ त्ता जेणेव गंगा महा-न(दी)ई तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एगट्ठियाए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता एगट्ठियं अपासमाणे एगाए बाहाए रहं सतुरगं ससारहिं गेण्हइ एगाए बाहाए गंगं महा-न-इं बासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च वि(च्छि)त्थिण्णं उत्तरिउं पयत्ते यावि होत्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे गंगा[ए] महा-न-ईए बहुमज्झदेसभा(गं)ए संपत्ते समाणे संते तंते परितंते बद्धसेए जाए यावि होत्था । तए णं [तस्स] कण्हस्स वासुदेवस्स इमे(ए)यारूवे अ-ज्झत्थिए (जाव समुप्पज्जित्था)-अहो णं पंच पंडवा महाबलवगा जेहिं गंगामहा-न-ई बा(स)वट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च वि-त्थिण्णा बाहाहिं उत्तिण्णा, इच्छंतएहिं णं पंचहिं पंडवेहिं पउम-नाभे (राया) हयमहिय जाव नो पडिसेहिए । तए णं गंगा-देवी कण्हस्स वासुदेवस्स इमं एयारूवं अ-ज्झत्थियं जाव जाणित्ता थाहं वियरइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे मुहुत्तंतरं समासा(स)सेइ २ त्ता गं-गं महा-न्नदिं बावट्ठिं जाव

उत्तरइ २ त्ता जेणेव पंच-पंडवा तेणेव उवागच्छइ (०) पंच पंडवे एवं वयासी–अहो णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! महाबलवमा जे[हिं] णं तुब्भेहिं गंगामहा-न-ई बा-वट्ठिं जाव उत्तिण्णा, इच्छंतएहिं [णं] तुब्भेहिं पउम[नाहे] जाव नो पडिसेहिए । तए णं ते पंच पंडवा कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ता समाणा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे तुब्भेहिं विसज्जिया समाणा जेणेव गंगा महा-न-ई तेणेव उवागच्छामो २ त्ता एगट्ठियाए मग्गणगवेसणं तं चेव जाव णूमेमो तुब्भे पडिवालेमाणा चिट्ठामो । तए णं से कण्हे वासुदेवे तेसिं पंच(ण्हं)पंडवाणं [अंतिए] एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव तिवलियं एवं वयासी–अहो णं जया मए लवणसमुद्दं दुवे जोयणसयसह(स्सा)स्सवि-त्थिण्णं वीईवइत्ता पउम-नाभं हयमहिं(य)यं जाव पडिसेहित्ता अ-वरकंका संभग्ग(ग०)गा दोवई साहत्थिं उवणीया तया णं तुब्भेहिं मम माहप्पं न वि-न्नायं इयाणिं जाणिस्सह–त्तिकट्टु लोहदंडं परा-मुसइ पंचण्हं पंडवाणं रहे सुसू(चू)रेइ २ त्ता निव्विसए आणवेइ २ त्ता तत्थ णं रह-मद्दणे नामं कोट्टे निविट्ठे । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव सए खंधावारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सएणं खंधावारेणं सद्धिं अभिसमन्नागए यावि होत्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव बारवई नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अणु-प्प-पविसइ ॥१३१॥ तए णं ते पंच-पंडवा जेणेव हत्थिणाउरे (णयरे) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जेणेव पंडू [राया] तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु ताओ ! अम्हे कण्हेणं निव्विसया आणत्ता । तए णं पं-डूराया ते पंच-पंडवे एवं वयासी–कहण्णं पुत्ता ! तुब्भे कण्हेणं वासुदेवेणं निव्विसया आणत्ता ? । तए णं ते पंच-पंडवा पं(डु)डुं रायं एवं वयासी–एवं खलु ताओ ! अम्हे अ-वरकंकाओ पडि-नियत्ता लवणसमुद्दं दोन्नि जोयणसयसहस्साइं वीईवइ(त्ता)त्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे अम्हे एवं व(या०)-यइ–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! गं-गं महा-न-ई उत्तरह जाव (चिट्ठह) ताव अहं एवं तहेव जाव चिट्ठामो । तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं लवणाहिवइं दट्ठूण तं चेव सव्वं नवरं कण्हस्स चिंता न वुज्झ(जुज्ज(वुच्च)इ जाव (अम्हे) निव्विसए आणवेइ । तए णं से पं-डूराया ते पंच-पंडवे एवं वयासी–दुट्ठु णं [तुमं] पुत्ता ! कयं कण्हस्स वासुदे-वस्स विप्पियं करेमाणेहिं । तए णं से पंडू-राया कोंतिं देविं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छ[ह] णं तुमं देवाणुप्पिया ! बारवइं कण्हस्स वासुदेवस्स निवे-एहि–एवं खलु देवाणुप्पिया ! तु(म्हे)मे पंच-पंडवा निव्विसया आणत्ता, तुमं च णं देवाणुप्पिया ! दाहिणड्ढभरहस्स सामी, तं संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! ते पंच-पंडवा कयरं(दिसिं) देसं वा (वि)दिसिं वा गच्छंतु ? । तए णं सा कोंती पंडुणा एवं वुत्ता समाणी हत्थिखंधं

दुरूहइ (०) जहा हेट्ठा जाव संदिसंतु णं पिउ(त्था)च्छा ! किमागमणपओयणं-। तए णं सा कोंती कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु तुमे पुत्ता ! पंच-पंडवा निव्विसया आणत्ता तुमं च णं दाहिणड्ढभरह[स्स] जाव (वि)दि(सिं)सं वा गच्छंतु (?)। तए णं से कण्हे वासुदेवे कोंतिं देविं एवं वयासी-अपू(ई)यवयणा णं पिउ-च्छा ! उत्तमपुरिसा वासुदेवा वलदेवा चक्कवट्टी। तं गच्छंतु णं (देवाणु०!) पंच-पंडवा दाहिणि(ल्लं)ल्लवेयालिं तत्थ पंडुमहुरं निवेसंतु म-म अदिट्ठसेवगा भवंतु-त्तिकट्टु कोंतिं देविं सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ। तए णं सा कोंती (देवी) जाव पंडुस्स एयमट्ठं निवेएइ। तए णं पंडू राया पंच पंडवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे पुत्ता ! दाहिणिल्लं वेयालिं, तत्थ णं तुब्भे पंडुमहुरं निवेसेह। तए णं [ते] पंच-पंडवा पंडुस्स र-न्नो जाव तहत्ति पडिसुणेंति २ त्ता सवलवाहणा हयग० हत्थिणाउराओ पडि-निक्खमंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वेयाली तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पंडुमहुरं [नाम] नग(रिं)रं निवे(से)संति (०)। तत्थ[वि] णं ते विपुलभोगसमिइसम-न्नागया यावि होत्था ॥१३२॥ तए णं सा दोवई देवी अन्नया कया(इं)इ आव-न्नसत्ता जाया(या)वि होत्था। तए णं सा दोवई देवी नवण्हं मासाणं जाव सुरूवं दारगं पयाया सूमालं निव्वत्तवारसाहस्स इमं एयारूवं-जम्हा णं अम्हं एस दारए पंचण्हं पंडवाणं पुत्ते दोवईए देवीए अत्तए तं हो(उ)ऊ (अम्हं) णं इमस्स दारगस्स नामधेज्जं पंडुसेणे[त्ति]। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं क(रेइ)रेंति पंडुसेणत्ति। वावत्तरिं कलाओ जाव [अलं]भोगसमत्थे जाए जुवराया जाव विहरइ। (तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा) थेरा समोसढा परिसा निग्गया। पंडवा निग्गया धम्मं सोचा एवं वयासी-जं नवरं देवाणुप्पिया ! दोवइं देविं आपुच्छामो पंडुसेणं च कुमारं रज्जे ठावेमो तओ पच्छा देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामो। अहासुहं देवाणुप्पिया !। तए णं ते पंच-पंडवा जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता दोवइं देविं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए ! अम्हेहिं थेराणं अंतिए धम्मे निसंते जाव पव्वयामो, तुमं [णं] देवाणुप्पिए ! किं करेसि ? । तए णं सा दोवई (देवी) ते पंच-पंडवे एवं वयासी-जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! संसार-भउव्विग्गा [जाव] पव्वयह म-म के अ-न्ने आलंबे वा जाव भविस्सइ ? अहं पि य णं संसारभउव्विग्गा देवाणुप्पिएहिं सद्धिं पव्वइस्सामि। तए णं ते पंच-पंडवा पंडुसेणस्स अभिसेओ जाव राया जाए जाव रज्जं पसाहेमाणे विहरइ। तए णं ते पंच-पंडवा दोवई य देवी अन्नया कया-इ पंडुसेणं रायाणं आपुच्छंति। तए णं से पंडुसेणे राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो [!] देवाणुप्पिया !

निक्खमणाभिसेयं जाव उवट्ठवेह पुरिससहस्सवा-हिणीओ सिवियाओ उवट्ठवेह जाव पच्चोरुहंति जेणेव थेरा [भगवंतो] तेणेव उवागच्छंति जाव आलित्ते णं जाव समणा जाया चोद्द[स]स पुव्वाइं अहिज्जंति २ त्ता बहूणि वासाणि छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १३३ ॥ तए णं सा दोवई देवी सीयाओ पच्चोरुहइ जाव पव्वइया सुव्वयाए अज्जाए सिस्सि(णी)णियत्ताए दलयइ ए(इ)क्कारस अंगाइं अहिज्जइ (०) बहूणि वासाणि छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं जाव विहरइ॥१३४॥ तए णं थेरा भगवंतो अन्नया कया(ई)इ पंडुमहुराओ नयरीओ सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडि-निक्खमंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति। तेणं कालेणं तेणं समएणं अ(रि)रहा अरिट्ठनेमी जेणेव सुरट्ठाजणवए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयंसि संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४—एवं खलु देवाणुप्पिया! अ-रहा अरिट्ठनेमी सुरट्ठाजणवए जाव विहरइ। तए णं (से) ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अणगारा बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! अरहा अरिट्ठनेमी पुव्वाणुपुव्विं जाव विहरइ, तं सेयं खलु अम्हं थेरा आपुच्छित्ता अरहं अरिट्ठनेमिं वंदणाए गमित्तए। अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी—इच्छामो णं तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणा अरहं अरिट्ठनेमिं जाव गमित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया!। तए णं ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अणगारा थेरेहिं अब्भणुन्नाया समाणा थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता थेराणं अंतियाओ पडि-निक्खमंति (०) मासंमासेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं गामाणुगामं दू(इ)इज्जमाणा जाव जेणेव ह(त्थि)त्थकप्पे (नयरे) तेणेव उवागच्छंति (०) ह-त्थकप्पस्स बहिया सहसंबवणे उज्जाणे जाव विहरंति। तए णं ते जुहिट्ठिल्लवज्जा चत्तारि अणगारा मास-क्ख-मणपारणए पढमाए पो(र)रिसीए सज्झायं करेंति बीयाए एवं जहा गोयमसामी नवरं जुहिट्ठिल्लं आपुच्छंति जाव अडमाणा बहुजणसद्दं निसामेंति। एवं खलु देवाणुप्पिया! अरहा अरिट्ठनेमी उ(ज्जिं)ज्जंतसेलसिहरे मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं पंचहिं छत्तीसेहिं अणगारसएहिं सद्धिं कालगए जाव पहीणे। तए णं ते जुहिट्ठिल्लवज्जा चत्तारि अणगारा बहुजणस्स अंतिए (एयमट्ठं) सोच्चा ह-त्थकप्पाओ पडि-निक्खमंति २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव जुहिट्ठिल्ले अणगारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता भत्तपाणं प(च्चुवे)च्चक्खंति २ त्ता गमणागमणस्स पडिक्कमंति २ त्ता एसणमणेसणं आलोएंति २ त्ता भत्तपाणं पडिदंसेंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु

देवाणुप्पिया (!) जाव कालगए। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! इमं पुव्वगहियं भत्तपाणं परिट्ठवेत्ता सेत्तुजं पव्वयं सणियं २ दु(रू)रुहित्तए संलेहणा(ए)झूसणा[झो]-सियाणं कालं अण(वकंख)वेक्खमाणाणं विहरित्तए-त्तिकट्टु अ-न्नम-न्नस्स एयमट्ठं पडि-सुणेंति २ त्ता तं पुव्वगहियं भत्तपाणं एगंते परिट्ठवेंति २ त्ता जेणेव सेत्तुजे पव्वए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेत्तुजं पव्वयं [सणियं २] दुरूहंति (०) जाव कालं अणवकं-खमाणा विहरंति। तए णं ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अणगारा सामाइयमाइयाइं चोद्दस-पुव्वाइं अहि(ज्जित्ता)ज्जंति बहूणि वासाणि (सामण्णपरियागं पाउणित्ता) दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झो(सि)सेत्ता जस्सट्ठाए की(कि)रइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे जाव तमट्ठमाराहेंति २ त्ता अणंते जाव केवलवर-नाणदंसणे समुप्प-न्ने जाव सिद्धा ॥ १३५ ॥ तए णं सा दोवई अज्जा सुव्वयाणं अज्जियाणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूणि वासाणि (सा०) मासि-याए संलेहणाए आलोइयपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा बंभलोए उववन्ना। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। तत्थ णं दुव(ति)यस्स [वि] देवस्स दस-सागरोवमाइं ठिई प-न्नत्ता। से णं भंते! दुवए देवे ता(त)ओ जाव महाविदेहे वासे जाव अंतं काहिइ। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सोलसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ १३६ ॥ **गाहाउ**—सुबहुं पि तवकिलेसो नियाणदोसेण दूसिओ संतो। न सिवाय दोवईए जह किल सुकुमालियाजम्मे ॥ १ ॥ अमणुन्नमभत्तीए पत्ते दाणं भवे अणत्थाय। जह कडुयतुंबदाणं नागसिरिभवंमि दोवइए ॥ २ ॥ **सोलसमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते! समणेणं० सोलसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे प-न्नत्ते सत्तर-समस्स (०) नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं सम-एणं हत्थिसीसे नामं नयरे होत्था वण्णओ। तत्थ णं कणगकेऊ नामं राया होत्था वण्णओ। तत्थ णं हत्थिसीसे नयरे बहवे संजुत्ता-नावावाणियगा परिवसंति अड्ढा जाव ब(हू)हुजणस्स अपरिभूया यावि होत्था। तए णं तेसिं संजुत्तानावावाणियगाणं अन्नया कयाइ एगयओ (सहियाणं) जहा अरह-न्नओए जाव लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणस-याइं ओगाढा यावि होत्था। तए णं तेसिं जाव बहूणि उप्पा(ति)यसयाइं जहा मा-कं-दियदारगाणं जाव कालियवाए य तत्थ सं(स)मु(त्थि)च्छिए। तए णं सा नावा तेणं कालियवाएणं आ(घोलि)घुणिज्जमाणी २ संचालिज्जमाणी २ संखोहिज्जमाणी २ तत्थेव परिभमइ। तए णं से निज्जामए नट्ठमईए नट्ठसुईए नट्ठस-न्ने मूढदिसाभाए जाए यावि होत्था न जाणइ कयरं (देसं वा) दिसं वा विदिसं वा पोयवहणे [अ]व-

हिए-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ। तए णं ते वहवे कुच्छिधारा य
कण्णधारा य ग(ब्भि)ब्भेल्लगा य संजुत्ता-नावावाणियगा य जेणेव से निज्जामए
तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी-किन्नं तुमं देवाणुप्पिया! ओहयमणसंक-
(प्पा)प्पे (जाव) झियायसि?। तए णं से निज्जामए ते वहवे कुच्छिधारा य ४ एवं
वयासी-एवं खलु [अहं] देवाणुप्पिया! नट्ठमईए जाव अवहिएत्तिकट्टु तओ ओहय-
मणसंकप्पे (जाव झियामि)। तए णं ते कण्णधारा [य ४] तस्स निज्जामयस्संतिए
एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया० ण्हाया करयल [जाव] वहूणं इंदाण य खं(दा)धाण य
जहा मल्लिनाए जाव उवायमाणा २ चिट्ठंति। तए णं से निज्जामए तओ मुहुत्तंतरस्स
लद्धमईए ३ अमूढदिसाभाए जाए यावि होत्था। तए णं से निज्जामए ते वहवे
कुच्छिधारा य ४ एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! लद्धमईए जाव अमूढ-
दिसाभाए जाए। अम्हे णं देवाणुप्पिया! कालियदीवंतेणं सं(वू)छूढा। एस णं
कालियदीवे आलोकइ। तए णं ते कुच्छिधारा य ४ तस्स निज्जामगस्स अंतिए एय-
मट्ठं सोचा हट्ठतुट्ठा पयक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव का(ली)लियदीवे तेणेव उवाग-
च्छंति २ त्ता पोयवहणं लंवेंति २ त्ता एगट्ठियाहिं कालियदीवं उत्तरंति। तत्थ णं
वहवे हिरण्णागरे य सुवण्णागरे य रयणागरे य वइरागरे य वहवे तत्थ आसे
पासंति किं ते? हरिरेणुसोणिसुत्त(गा)ग आ(ई)इण्णवेढो। तए णं ते आसा(ते)ओ
वाणियए पासंति (०) तेसिं गंधं आ(अग)घायंति (०) भीया तत्था उव्विग्गा उव्वि-
ग्गमणा तओ अणेगाइं जोयणाइं उब्भमंति। ते णं तत्थ पउरगोयरा पउरतण-
पाणिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहंसुहेणं विहरंति। तए णं [ते] संजुत्ता-नावावा-
णियगा अन्नमन्नं एवं वयासी-कि(ण्हं)न्नं अ(म्हे)म्हं देवाणुप्पिया! आसेहिं? इमे णं
वहवे हिरण्णागरा य सुवण्णागरा य रयणागरा य व(इ)यरागरा य। तं सेयं खलु
अम्हं हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स य वन्यरस्स य पोयवहणं भरित्तए-
त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स
य वन्यरस्स य तणस्स य कट्ठस्स य अन्नस्स य पाणियस्स य पोयवहणं भरेंति
२ त्ता द(पय)क्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीरपोय(वहण)पट्टणे तेणेव उवाग-
च्छंति २ त्ता पोयवहणं लंवेंति २ त्ता सगडीसागडं सज्जेंति २ त्ता तं हिरण्णं जाव
वइरं च एगट्ठियाहिं पोयवहणाओ संचारेंति २ त्ता सगडीसागडं संजो(इं)एंति (०)
जेणेव हत्थिसी(सए)से नयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता हत्थिसीसयस्स नयरस्स
वहिया अग्गुज्जाणे सत्थ-निवेसं करेंति २ त्ता सगडीसागडं मोएंति २ त्ता महत्थं जाव
पाहुडं गेण्हंति २ त्ता हत्थिसीसं च न(ग)यरं अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव [से] कण-

गकेऊ (राया) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव उवणेंति। तए णं से कणगकेऊ तेसिं संजुत्ता(णावा)वाणियगाणं तं महत्थं जाव पडिच्छइ [२] ते संजुत्ता-वाणियगा एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! गामागर जाव आहिंडह लवणसमुद्दं च अभिक्खणं २ पोयवहणेणं ओगा(ह)हेह, तं अत्थि-या(इं)इ [त्थ] केइ भे कहिंचि अच्छेरए दिट्ठपुव्वे?। तए णं ते संजुत्ता-वाणियगा कणगकेउं (रायं) एवं वयासी–एवं खलु अम्हे देवाणुप्पिया! इहेव हत्थिसीसे नयरे परिवसामो तं चेव जाव कालि(य)यं-दीवंतेणं सं-छूढा। तत्थ णं वहवे हिरण्णागरा य जाव वहवे तत्थ आसे, किं ते? हरिरेणु जाव अणेगाइं जोयणाइं उब्भमंति। तए णं सामी! अम्हेहिं कालियदीवे ते आसा अच्छेरए दिट्ठपुव्वे। तए णं से कणगकेऊ तेसिं संजु(त्तगा)त्ताणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा ते संजुत्तए एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! मम कोडुं-वियपुरिसेहिं सद्धिं कालियदीवाओ ते आसे आणेह। तए णं ते संजुत्तावाणियगा कणगकेउं–एवं वयासी–एवं सामि–त्ति(कट्टु) आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेंति। तए णं [से] कणगकेऊ–कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! संजुत्तएहिं [नावावाणियएहिं] सद्धिं कालियदीवाओ मम आसे आणेह। तेवि पडिसुणेंति। तए णं ते कोडुंवि(य०)या सगडीसागडं सज्जेंति २ त्ता तत्थ णं वहूणं वीणाण य वल्लकीण य भामरीण य कच्छभीण य भंभाण य छब्भा-मरीण य विचित्तवीणाण य अन्नेसिं च वहूणं सो(तिं)यंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सग-डीसागडं भरेंति २ त्ता वहूणं किण्हाण य जाव सुक्किलाण य कट्ठकम्माण य ४ गंथिमाण य ४ जाव संघाइमाण य अन्नेसिं च वहूणं चक्खिदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता वहूणं कोट्ठपुडाण य केयइपुडाण य जाव अन्नेसिं च वहूणं घाणिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता वहुस्स खंडस्स य गुलस्स य सक्कराए य मच्छंडियाए य पुप्फुत्तरपउमुत्तर० अन्नेसिं च जिब्भिदिय-पाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता [अन्नेसिं च] वहूणं कोय(वया)वाण य कंवलाण य पा(वरणा)वाराण य नवतयाण य मलयाण य मसूराण य सिलाव-ट्टाण [य] जाव हंसगब्भाण य अन्नेसिं च फासिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं जाव भरेंति २ त्ता सगडीसागडं जो(एं)यंति २ त्ता जेणेव गंभीरए पोयट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति (०) सगडीसागडं मो(एं)यंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता तेसिं उक्किट्ठाणं सद्दफ-रिसरसरूवगंधाणं कट्ठस्स य तणस्स य पाणियस्स य तंदुलाण य समियस्स य गोरसस्स य जाव अन्नेसिं च वहूणं पोयवहणपाउग्गाणं पोयवहणं भरेंति २ त्ता दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव कालियदीवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं

लेंवंति २ त्ता ताइं उक्किट्ठाइं सद्दफरिसरसरूवगंधाइं एगट्ठियाहिं कालियदीवं उत्ता-रेंति २ त्ता जहिं जहिं च णं ते आसा आसयंति वा सयंति वा चिट्ठंति वा तुयट्टंति वा तहिं तहिं च णं ते कोडुंवियपुरिसा ताओ वीणाओ य जाव (वि)चित्तवीणाओ य अन्नाणि बहूणि सो(इं)यंदियपाउग्गाणि य दव्वाणि समु(द्दी)दीरेमाणा ठवें(चिट्ठं)ति तेसिं [च] परिपेरंतेणं पा(सए)से ठवेंति (०) निच्चला निप्फंदा तुसिणीया चिट्ठंति। जत्थ जत्थ ते आसा आसयंति वा जाव तुयट्टंति वा तत्थ तत्थ णं ते कोडुंवि-या बहूणि किण्हाणि य (५) कट्ठकम्माणि य जाव संघाइमाणि य अन्नाणि य बहूणि चक्खिंदियपाउग्गाणि य दव्वाणि ठवेंति तेसिं परिपेरंतेणं पासए ठवेंति २ त्ता निच्चला निप्फंदा तुसिणीया चिट्ठंति। जत्थ जत्थ ते आसा आसयंति (४) तत्थ तत्थ [ते] णं (ते कोडुंवियपुरिसा) तेसिं बहूणं कोट्ठपुडाण य अन्नेसिं च घाणिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं पुंजे य नियरे य करेंति २ त्ता तेसिं परिपेरंते जाव चिट्ठंति। जत्थ जत्थ णं ते आसा आसयंति ४ तत्थ तत्थ गुलस्स जाव अन्नेसिं च बहूणं जिब्भिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं पुंजे य नि(क)यरे य करेंति २ त्ता वियरए खणंति २ त्ता गुलपाणगस्स खंडपाणगस्स पा(पो)रपाणगस्स अन्नेसिं च बहूणं पाणगाणं विय(रे)रए भरेंति २ त्ता तेसिं परिपेरंतेणं पासए ठवेंति जाव चिट्ठंति। जहिं जहिं च णं ते आसा (आस०) तहिं तहिं च ते बहवे कोयवया (य) जाव सिलावट्टया अ-न्नाणि य फासिंदि-यपाउग्गाइं अत्थुयपच्चत्थुयाइं ठवेंति २ त्ता तेसिं परिपेरंतेणं जाव चिट्ठंति। तए णं ते आसा जेणेव (ए)ते उक्किट्ठा सद्दफरिसरसरूवगंधा तेणेव उवागच्छंति (०)। तत्थ णं अत्थेगइया आसा अपुव्वा णं इमे सद्दफरिसरसरूवगंधा (इ)तिकट्टु तेसु उक्किट्ठेसु सद्द-फरिसरसरूवगंधेसु अमुच्छिया ४ तेसिं उक्किट्ठाणं सद्द जाव गंधाणं दूरंदूरेणं अव-क्कमंति [२] ते णं तत्थ पउरगोयरा पउरतणपाणिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहंसु-हेणं विहरंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा सद्दफरिस (रसरूवगंधा) जाव नो सज्जइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं ४ अच्चणिज्जे जाव वी-ईव(य)इस्सइ ॥ १२७ ॥ तत्थ णं अत्थेगइया आसा जेणेव उक्कि(ट्ठ)ट्ठा सद्दफरि-सरसरूवगंधा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेसु उक्किट्ठेसु स(द्द०)द्देसु ५ मुच्छिया जाव अज्झोववन्ना आसेविउं पय(त्ते)त्ता यावि होत्था। तए णं ते आसा (एए) ते उक्किट्ठे स(द्द)द्दे ५ आसेवमाणा तेहिं बहूहिं कूडेहि य पासेहि य गलएसु य पाएसु य वज्झंति। तए णं ते कोडुंबिया (एए) ते आसे गिण्हंति २ त्ता एगट्ठियाहिं पोयवहणे संचारेंति २ त्ता तणस्स [य] कट्ठस्स [य] जाव भरेंति। तए णं ते संजुत्ता(णावा-[illegible]) दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीर[ए] पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति

२ त्ता पोयवहणं लंबेंति २ त्ता ते आसे उत्तारेंति २ त्ता जेणेव हत्थिसीसे नयरे जेणेव कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति (०) ते आसे उवणेंति। तए णं से कणगकेऊ (राया) तेसिं संजुत्तावाणियगाणं उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता सक्कारेइ संमाणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से कणगकेऊ-कोडुंवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता सक्कारेइ संमाणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से कणगकेऊ राया आसमद्दए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम आसे विणएह। तए णं ते आसमद्दगा तहत्ति पडिसुणेंति २ त्ता ते आसे वहूहिं मुहवंधेहि य कण्णवंधेहि य नासावंधेहि य वालवंधेहि य खुरवंधेहि य कडगवंधेहि य खलिणवंधेहि य अहिला(णे)णवंधेहि य पडियाणेहि य अंकणाहि य (वेलप्पहारेहि य) वि(चि)त्तप्पहारेहि य लयप्पहारेहि य कसप्पहारेहि य छिवप्पहारेहि य विणयंति (०) कणगकेउस्स रन्नो उवणेंति। तए णं से कणगकेऊ ते आसमद्दए सक्कारेइ २ (०) पडिविसज्जेइ। तए णं ते आसा वहूहिं मुहवंधेहि य जाव छि(वप्)वापहारेहि य वहूणि सारीरमाणसा(णि)इं दुक्खाइं पावेंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा पव्वइए समाणे इट्ठेसु सद्दफरिसरसरूवगंधेसु सज्ज(न्ति)इ रज्ज-इ गिज्झ-इ मुज्झ-इ अज्झोववज्ज-इ से णं इहलोए चेव वहूणं समणा(ण य)णं [वहूणं समणीणं] जाव साविया(ण य)णं हीलणिज्जे जाव अणुपरिय(ट्टिस्स)ट्टइ। [गाहा]—कलरिभियमहुरतंतीतलतालवंसकउहाभिरामेसु। सद्देसु रज्जमाणा रमं(ती)ति सोइंदियवसट्टा ॥ १ ॥ सोइंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। दीविगरुयमसहंतो वहवंधं तित्तिरो पत्तो ॥ २ ॥ थणजहणवयणकरचरण-नयणगव्वियविलासियग(ती)एसु। रूवेसु रज्जमाणा रमंति चक्खिंदियवसट्टा ॥ ३ ॥ चक्खिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ ह(भ)वइ दोसो। जं जलणंमि जलंते पडइ पयंगो अवुद्धीओ ॥ ४ ॥ अ(गु)गरुवरपवरधूवणउउयमल्लाणुलेवणविहीसु। गंधेसु रज्जमाणा रमंति घाणिंदियवसट्टा ॥ ५ ॥ घाणिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। जं ओसहिगंधेणं विलाओ निद्धावई उरगो ॥ ६ ॥ तित्तकडुयं कसायं(व) [अंविरं] महुरं वहुखज्जपेज्जलेज्झेसु। आसायंमि उ गिद्धा रमंति जिब्भिंदियवसट्टा ॥ ७ ॥ जिब्भिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। जं गललग्गुक्खित्तो फुरइ थलवि(र)रेल्लिओ मच्छो ॥ ८ ॥ उउभयमाणसुहे(सु)हि य सविभवहिययमणनिव्वुइकरे(सु)हिं। फासेसु रज्जमाणा रमंति फासिंदियवसट्टा ॥ ९ ॥ फासिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। जं खणइ मत्थयं कुंजरस्स लोहंकुसो तिक्खो ॥ १० ॥ कलरिभियमहुरतंतीतलतालवंसकउहाभिरामेसु। सद्देसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ ११ ॥

थणजहणवयणकरचरणनयणगव्वियविलासियगईसु। रूवेसु जे न रत्ता वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १२ ॥ अगरुवरपवरधूवणउउयमल्लाणुलेवणविहीसु। गंधेसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १३ ॥ तित्तकडुयं कसायं-महुरं[व]वहुखज्जपेज्जलेज्झेसु। आसा(ए जे)यंमि न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १४ ॥ उउभयमाणसुहेसु य सविभवहिययमण-निव्वुइकरेसु। फासेसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए ॥ १५॥ सद्देसु य भद्दयपावएसु सोयविसयं उ(व)वागएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ १६ ॥ रूवेसु य भद्(ग)यपावएसु चक्खुविसयं उवगएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ १७ ॥ गंधेसु य भद्दयपावएसु घाणविस(यं उ)यमु॰ वगएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ १८ ॥ रसेसु य भद्दयपाव॰ एसु जिब्भविस-यमुवगएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ १९ ॥ फासेसु य भद्दयपावएसु कायविस-यमुवगएसु। तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया न होयव्वं ॥ २० ॥ एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ १३८ ॥ **गाहाओ**—जह सो कालियदीवो अणुवमसोक्खो तहेव जइधम्मो। जह आसा तह साहू वणियव्व॰ ऽणुकूलकारिजणा ॥ १ ॥ जह सद्दाइअगिद्धा पत्ता नो पासबंधणं आसा। तह विस॰ एसु अगिद्धा वज्झंति न कम्मणा साहू ॥ २ ॥ जह सच्छंदविहारो आसाणं तह य इह वरमुणीणं। जरमरणाइं विवज्जिय संपत्ताणंदनिव्वाणं ॥ ३ ॥ जह सद्दाइसु गिद्धा बद्धा आसा तहेव विसयरया। पावेंति कम्मबंधं परमासुहकारणं घोरं ॥ ४॥ जह ते कालियदीवा णीया अन्नत्थ दुहगणं पत्ता। तह धम्मपरिब्भट्ठा अधम्म॰ पत्ता इहं जीवा ॥ ५ ॥ पावेंति कम्मनरवइवसया संसारवाहयालीए। आसप्पमद्द॰ एहि व नेरइयाइहिं दुक्खाइं ॥ ६ ॥ **सत्तरसमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते! समणेणं॰ सत्तरसमस्स (णायज्झयणस्स) अयमट्ठे प-न्नत्ते अट्ठार॰ समस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वण्णओ। तत्थ णं ध(ण)णे नामं सत्थवाहे (परिवसइ) होत्था भद्दा भारिया। तस्स णं ध(ण)णस्स सत्थवाहस्स पुत्ता भद्दाए अत्तया पंच सत्थवाह॰ दारगा होत्था तंजहा–धणे धणपाले धणदेवे धणगोवे धणरक्खिए। तस्स णं धणस्स सत्थवाहस्स धूया भद्दाए अत्तया पंचण्हं पुत्ताणं अणुमग्गजा(ती)इया सुंसुमा नामं दारिया होत्था सूमालपाणिपाया। तस्स णं धणस्स सत्थवाहस्स चिलाए नामं दासचेडे होत्था अहीणपंचिंदियसरीरे मंसोवचिए बालकीलावणकुसले यावि होत्था। तए णं से दासचेडे सुंसुमाए दारियाए बालग्गाहे जाए यावि होत्था सुंसुमं दारियं

अलियं-पयावइणा इस्सरेण य कयंति केति, एवं विण्हुमयं कसिणमेव य जगंति केई, एवमेके वदंति मोसं एको आया अकारको वेदको य सुकयस्स दुक्कयस्स य करणाणि कारणाणि सव्वहा सव्वहिं च निच्चो य निक्किओ निग्गुणो य अ(न्नो अ)णुवलेव-ओत्ति-विय एवमाहंसु असब्भावं, जंपि इहं किंचि जीवलोके दीसइ सुकयं वा दुकयं वा एयं जदिच्छाए वा सहावेण वावि दइवतप्पभावओ वावि भवति, नत्थेत्थ किंचि कयकं [तत्तं]कयं च लक्खणविहाणनियती[ए]य कारि[यं]या एवं केइ जंपंति इड्ढि-रससातगारवपरा वहवे करणालसा परूवेंति धम्मवीमंसएण मोसं, अवरे अहम्मओ रायदुट्ठं अब्भक्खाणं भणेंति-अलियं चोरोत्ति अचोरयं करेंतं डामरिउत्तिवि-य एमेव उदासीणं दुस्सीलोत्ति य परदारं गच्छतित्ति मइलिंति सीलकलियं अयंपि गुरुतप्पओ, अण्णे एमेव भणंति उवाहणंता मित्तकलत्ताइं सेवंति अयंपि लुत्तधम्मो इमोवि विस्सं-भ[वाइ]घायओ पावकम्मकारी अकम्मकारी अगम्मगामी अयं दुरप्पा वहुएसु य पा(प)वगेसु जुत्तोत्ति एवं जंपंति मच्छरी, भद्दके वा गुणकित्तिनेहपरलोगनिप्पिवासा, एवं ते अलियवयणदच्छा परदोसुप्पायणप्पसत्ता वेढेन्ति अक्खातियवीएण अप्पाणं कम्मवंधणेण मुहरी असमिक्खियप्पलावा निक्खेवे अवहरंति परस्स अत्थंमि गढि-यगिद्धा अभिजुंजंति य परं असंतएहिं लुद्धा य करेंति कूडसक्खित्तणं असच्चा अत्थालियं च कन्नालियं च भोमालियं च तह गवालियं च गरुयं भणंति अहरगति-गमणं(कारणं), अन्नंपि य जातिरूवकुलसीलपच्चयं मायाणिगुणं चवल पिसुणं पर-मट्ठभेदकम[स]संतकं विद्देसमणत्थकारकं पावकम्ममूलं दुद्दिट्ठं दुस्सुयं असुणियं निल्लज्जं लोकगरहणिज्जं वहवंधपरिकिलेसवहुलं जरामरणदुक्खसोयनिम्मं असुद्धपरिणामसंकि-लिट्ठं भणंति अलिया(हिं)हिसं(ति)घिसंनिविट्ठा असंतगुणुदीरका य संतगुणनासका य हिंसाभूतोवघातितं अलियसंपउत्ता वयणं सावज्जमकुसलं साहुगरहणिज्जं अधम्म जणणं भणंति अणभिगयपुन्नपावा, पुणोवि अधिकरणकिरियापवत्तका वहुविहं अणत्थं अवमद्दं अप्पणो परस्स य करेंति, एमेव जंपमाणा महिससूकरे य साहिंति घायगाणं सस-यपसयरोहिए य साहिंति वागुराणं तित्तिरवट्टकलावके य कविंजलकवोयके य साहिंति साउणीणं झसमगरकच्छभे य साहिंति मच्छियाणं संखंके खुल्लए य साहिंति म(ग्गि)-गराणं अयंगरगोणसमंडलिदव्वीकरे मउली य साहिंति वा(यलिया)लवीणं गोहा सेहग सल्लगसरड[गे]के य साहिंति लुद्धगाणं गयकुलवानरकुले य साहिंति पासियाणं सुकबरहिणमयणसालकोइलहंसकुले सारसे य साहिंवि पोसगाणं वधवंधजायणं च साहिंति गोम्मियाणं धणधन्नगवेलए य साहिंति तक्कराणं गामागरनगरपट्टणे य साहिंति चारियाणं पारघाइयपंथघातियाओ सा(हं)हिंति य गंठिभेयाणं कयं च चोरियं

नगरगोत्तियाणं लंछणनिल्लंछणधमणदुहणपोसणवणणदवणवाहणादियाइं साहिंति बहूणि गोमियाणं धातुमणिसिलप्पवालरयणागरे य साहिंति आगरीणं पुप्फविहिं फलविहिं च साहिंति मालियाणं अग्घमहुकोसए य साहिंति वणचराणं जंताइं विसाइं मूलकम्मं आ(हिव्व)हेवण[आविंधण]आभिओगमंतोसहिप्पओगे चोरियपरदारगमणबहुपावकम्मकरणं उक्खंधे गामघातियाओ वणदहणतलागभेयणाणि बुद्धिविसविणासणाणि वसीकरणमादियाइं भयमरणकिलेसदोसजणणाणि भावबहुसंकिलिट्ठमलिणाणि भूतघातोवघातियाइं सच्चाइंपि ताइं हिंसकाइं वयणाइं उदाहरंति पुट्ठा वा अपुट्ठा वा परतत्तियवावडा य असमिक्खियभासिणो उवदिसंति सहसा उट्ठा गोणा गवया दंमंतु परिणयवया अस्सा हत्थी गवेलगकुक्कुडा य किज्जंतु किणावेध य विक्केह पयह य सयणस्स देह पियय दासिदासभयकभाइल्लका य सिस्सा य पेसकजणो कम्मकरा य किंकरा य एए सयणपरिजणो य कीस अच्छंति [१] भारिया भे क(रिंतु)रेत्तु कम्मं गहणाइं वणाइं खेत्तखिलभूमिवल्लराइं उत्तणघणसंकडाइं डज्झंतु सूडिज्जंतु य रुक्खा भिज्जंतु जंतभंडाइयस्स उवहिस्स कारणाए बहुविहस्स य अट्ठाए उच्छू दुज्जंतु पीलिज्जंतु य तिला पयावेह य इट्ठकाउ मम घरट्ठयाए खेत्ताइं कसह कसावेह य लहुं गामआगरनगरखेडकव्वडे निवेसेह अडवीदेसेसु विपुलसीमे पुप्फाणि य फलाणि य कंदमूलाइं कालपत्ताइं गेण्हेह करेह संचयं परिजणट्ठयाए साली वीही जवा य लुच्चंतु मलिज्जंतु उप(फ)णिज्जंतु य लहुं च पविसंतु य कोट्ठागारं अप्पमहउक्कोसगा य हंमंतु पोयसत्था सेणा णिज्जाउ जाउ डमरं घोरा वट्टंतु य संगामा पवहंतु य सगडवाहणाइं उवणयणं चोलगं विवाहो जन्नो अमुगम्मि उ होउ दिवसे सुकरणे सुमुहुत्ते सुनक्खत्ते सुतिहिम्मि य अज्ज होउ ण्हवणं मुदितं बहुखज्जपिज्जकलियं कोतुकं विण्हावणकं संतिकम्माणि कुणह ससिरविगहोवरागविसमेसु सज्जणपरियणस्स य नियकस्स य जीवियस्स परिरक्खणट्ठयाए पडिसीसकाइं च देह देह य सीसोवहारे विविहोसहिमज्जमंसभक्खन्नपाणमल्लाणुलेवणपईवजलिउज्जलसुगंधिधूवावकारपुप्फफलसमिद्धे पायच्छित्ते करेह पाणाइवायकरणेणं बहुविहेणं विवरीउप्पायदुस्सुमिणपावसउणअसोमग्गहचरियअमंगलनिमित्तपडिघायहेउं वित्तिच्छेयं करेह मा देह किंचि दाणं सुट्ठु हओ सुट्ठु हओ सुट्ठु छिन्नो भिन्नत्ति उवदिसंता एवंविहं करेंति अलियं मणेण वायाए कम्मुणा य अकुसला अणज्जा अलियाणा अलियधम्मणिरया अलियासु कहासु अभिरमंता तुट्ठा अलियं करेत्तु होंति बहुप्पयारं ॥ ७ ॥ तस्स य अलियस्स फलविवागं अयाणमाणा वड्ढेंति महब्भयं ...ामवेयणं दीहकालं बहुदुक्खसंकडं नरयतिरियजोणिं तेण य अलिएण समणुबद्धा

[वि]वीहिं पंतजी-वीहिं लूहजी-वीहिं तुच्छजी-वीहिं उवसंतजी-वीहिं पसंतजी-वीहिं विवित्तजी-वीहिं अखीरमहुसप्पिएहिं अमज्जमंसासिएहिं ठाणाइएहिं पडि[मंठा]मट्ठाईहिं ठाणुक्कडिएहिं,वीरासणिएहिं णेसज्जिएहिं डंडाइएहिं लगंडसाईहिं एगपासगेहिं आयावएहिं अप्पावएहिं अणिट्ठु[व]भएहिं अकं[ड्ड]डुयएहिं धुतकेसमंसुलोमनखेहिं सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्केहिं समणुचिन्ना सुयधरविदितत्थकायबुद्धीहिं धीरमतिबुद्धिणो य जे ते आसीविसउग्गतेयकप्पा निच्छयववसाय(विणीय)पज्जत्तकयमतीया णिच्चं सज्झायज्झाणअणुबद्धधम्मज्झाणा पंचमहव्वयचरित्तजुत्ता समिता समितिसु समितपावा छव्विहजगवच्छला निच्चमप्पमत्ता एएहिं अन्नेहि य जा सा अणुपालिया भगवती इमं च पुढविदगअगणिमारुयतरुगणतसथावरसव्वभूयसं(य)जमदयट्ठयाते सुद्धं उञ्छं गवेसियव्वं अकतमकारिमणाहूयमणुद्दिट्ठं अकीयकडं नवहि य कोडिहिं सुपरिसुद्धं दसहि य दोसेहिं विप्पमुक्कं उग्गमउप्पायणेसणासुद्धं ववगयचुयचावियचत्तदेहं च फासुयं च न नि(सि)सज्जकहापओयणक्खासुओ[व]णीयंति न तिगिच्छामंतमूलभेसज्जकज्जहेउं न लक्खणुप्पायसुमिणजोइसनिमित्तकहकप्पउत्तं नवि डंभणाए नवि रक्खणाते नवि सासणाते नवि दंभणरक्खणसासणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि वंदणाते नवि माणणाते नवि पूयणाते-नवि वंदणमाणणपूयणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि हीलणाते नवि निंदणाते नवि गरहणाते नवि हीलणनिंदणगरहणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि भेसणाते नवि तज्जणाते नवि तालणाते नवि भेसणतज्जणतालणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि गारवेणं नवि कुहणयाते नवि वणीमयाते नवि गारवकुहवणीमयाए भिक्खं गवेसियव्वं नवि मित्तयाए नवि पत्थणाए नवि सेवणाए नवि मित्तपत्थणसेवणाते भिक्खं गवेसियव्वं अन्नाए अगढिए अदुट्ठे अदीणे अविमणे अकलुणे अविसाती अपरितंतजोगी जयणघडणकरणचरियविणयगुणजोगसंपउत्ते भिक्खू भिक्खेसणाते निरते, इमं च णं सव्वजीवरक्खणदयट्ठाते पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभावियं आगमेसिभद्दं सुद्धं नेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाण विउसमणं ॥ २२ ॥ तस्स इमा पंच भावणातो पढमस्स वयस्स होंति पाणातिवायवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए-पढमं ठाणगमणगुणजोगजुंजणजुगंतरनिवातियाए दिट्ठीए ईरियव्वं कीडपयंगतसथावरदयावरेण निच्चं पुप्फफलतयप[वा]वालकंदमूलदगमट्टियबीजहरियपरिवज्जिएण सं[स]मं, एवं खलु सव्वपाणा न हीलियव्वा न निंदियव्वा न गरहियव्वा न हिंसियव्वा न छिंदियव्वा न भिंदियव्वा न वहेयव्वा न भयं दुक्खं च किंचि लब्भा पावेउं एवं ईरियासमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए

तत्थ पढमं अहिंसा जा सा सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स भवति दीवो ताणं सरणं गती पइट्ठा निव्वाणं १ निव्वुई २ समाही ३ (संती) सत्ती ४ कित्ती ५ कंती ६ रती य ७ विरती य ८ सुयंगतित्ती ९-१० दया ११ विमुत्ती १२ खन्ती १३ सम्मत्ताराहणा १४ महंती १५ वोही १६ बुद्धी १७ धिती १८ समिद्धी १९ रिद्धी २० विद्धी २१ ठिती २२ पुट्ठी २३ नंदा २४ भद्दा २५ विसुद्धी २६ लद्धी २७ विसिट्ठदिट्ठी २८ कल्लाणं २९ मंगलं ३० पमोओ ३१ विभूती ३२ रक्खा ३३ सिद्धावासो ३४ अणासवो ३५ केवलीण ठाणं ३६ सिवं ३७ समिई ३८ सी[लं]लं ३९ संजमोत्ति य ४० सीलपरिघरो ४१ संवरो ४२ य गुत्ती ४३ ववसाओ ४४ उस्सओ ४५ जन्नो ४६ आयतणं ४७ जतण मप्पमातो ४८-४९ अस्सासो ५० वीसासो ५१ अभओ ५२ सव्वस्सवि अमाघाओ ५३ चोक्खपवित्ता ५४-५५ सूती ५६ पूया ५७ विमल ५८ पभासा ५९ य निम्मलतर ६० त्ति एवमादीणि निययगुणनिम्मियाइं पज्जवनामाणि होंति अहिंसाए भगवतीए ॥२१॥ एसा सा भगवती अहिंसा जा सा भीयाण विव सरणं पक्खीणं पिव ग(ग)मणं तिसियाणं पिव सलिलं खुहियाणं पिव असणं समुद्दमज्झे व पोतवहणं चउप्पयाणं व आसमपयं दुहट्ठियाणं (व) च ओसहिवलं अडवीमज्झे विसत्थगमणं एत्तो विसिट्ठतरिका अहिंसा जा सा पुढविजलअगणिमारुयवणस्सइबीजहरितजलचरथलचरखहचरतसथावरसव्वभूयखेमकरी एसा भगवती अहिंसा जा सा अपरिमियनाणदंसणधरेहिं सीलगुणविणयतवसंयमनायकेहिं तित्थंकरेहिं सव्वजगजीववच्छलेहिं तिलोगमहिएहिं जिणचंदेहिं सुट्ठु दिट्ठा ओहिजिणेहिं विण्णाया उज्जुमतीहिं विदिट्ठा विपुलमतीहिं विविदिता पुव्वधरेहिं अधीता वेउव्वीहिं पतिन्ना आभिणिवोहियनाणीहिं सुयनाणीहिं ओहिनाणीहिं-मणपज्जवनाणीहिं केवलनाणीहिं आमोसहिपत्तेहिं खेलोसहिपत्तेहिं जल्लोसहिपत्तेहिं विप्पोसहिपत्तेहिं सव्वोसहिपत्तेहिं बीजवुद्धीहिं कुट्ठवुद्धीहिं पदाणुसारीहिं संभिन्नसोतेहिं सुयधरेहिं मणबलिएहिं वयबलिएहिं कायबलिएहिं नाणबलिएहिं दंसणबलिएहिं चरित्तबलिएहिं खीरासवेहिं म(धु)हुआसवेहिं सप्पियासवेहिं अक्खीणमहाणसिएहिं चारणेहिं विज्जाहरेहिं चउत्थभत्तिएहिं एवं जाव छम्मासभत्तिएहिं उक्खित्तचरएहिं निक्खित्तचरएहिं अंतचरएहिं पंतचरएहिं लूहचरएहिं समुदाणचरएहिं अन्नइलाएहिं मोणचरएहिं संसट्ठकप्पिएहिं तज्जायसंसट्ठकप्पिएहिं उवनिहिएहिं सुद्धेसणिएहिं संखादत्तिएहिं दिट्ठलाभिएहिं अदिट्ठलाभिएहिं पुट्ठलाभिएहिं आयंबिलिएहिं पुरिमड्ढिएहिं एक्कासणिएहिं निव्वितिएहिं भिन्नपिंडवाइएहिं परिमियपिंडवाइएहिं अंताहारेहिं पंताहारेहिं अरसाहारेहिं विरसाहारेहिं लूहाहारेहिं तुच्छाहारेहिं अंतजी-

[वि]वीहिं पंतजी-वीहिं लहजी-वीहिं तुच्छजी-वीहिं उवसंतजी-वीहिं पसंतजी-वीहिं विवित्तजी-वीहिं अखीरमहुसप्पिएहिं अमज्जमंसासिएहिं ठाणाइएहिं पडि[मंठा]मट्ठाईहिं ठाणुक्कडिएहिं वीरासणिएहिं णेसज्जिएहिं डंडाइएहिं लगंडसाईहिं एगपासगेहिं आयावएहिं अप्पावएहिं अणिट्ठु[व]भएहिं अकं[डु]डुयएहिं धुतकेसमंसुलोमनखेहिं सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्केहिं समणुचिन्ना सुयधरविदितत्थकायबुद्धीहिं धीरमतिबुद्धिणो य जे ते आसीविसउग्गतेयकप्पा निच्छयववसाय(विणीय)पज्जत्तकयमतीया णिच्चं सज्झायज्झाणअणुबद्धधम्मज्झाणा पंचमहव्वयचरित्तजुत्ता समिता समितिसु समितपावा छव्विहजगवच्छला निच्चमप्पमत्ता एएहिं अन्नेहि य जा सा अणुपालिया भगवती इमं च पुढविदगअगणिमारुयतरुगणतसथावरसव्वभूयसं(य)जमदयट्ठयाते सुद्धं उञ्छं गवेसियव्वं अकतमकारिमणाहूयमणुद्दिट्ठं अकीयकडं नवहि य कोडिहिं सुपरिसुद्धं दसहि य दोसेहिं विप्पमुक्कं उग्गमउप्पायणेसणासुद्धं ववगयचुयचावियचत्तदेहं च फासुयं च न नि(सि)सज्जकहापओयणक्खासुओ[व]णीयंति न तिगिच्छामंतमूलभेसज्जकज्जहेउं न लक्खणुप्पायसुमिणजोइसनिमित्तकहकप्पउत्तं नवि डंभणाए नवि रक्खणाते नवि सासणाते नवि दंभणरक्खणसासणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि वंदणाते नवि माणणाते नवि पूयणाते-नवि वंदणमाणणपूयणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि हीलणाते नवि निंदणाते नवि गरहणाते नवि हीलणनिंदणगरहणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि भेसणाते नवि तज्जणाते नवि तालणाते नवि भेसणतज्जणतालणाते भिक्खं गवेसियव्वं नवि गारवेणं नवि कुहणयाते नवि वणीमयाते नवि गारवकुहवणीमयाए भिक्खं गवेसियव्वं नवि मित्तयाए नवि पत्थणाए नवि सेवणाए नवि मित्तपत्थणसेवणाते भिक्खं गवेसियव्वं अन्नाए अगढिए अदुट्ठे अदीणे अविमणे अकलुणे अविसाती अपरितंतजोगी जयणघडणकरणचरियविणयगुणजोगसंपउत्ते भिक्खू भिक्खेसणाते निरते, इमं च णं सव्वजीवरक्खणदयट्ठाते पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभावियं आगमेसिभद्दं सुद्धं नेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाण विउसमणं ॥ २२ ॥ तस्स इमा पंच भावणातो पढमस्स वयस्स होंति पाणातिवायवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए-पढमं ठाणगमणगुणजोगजुंजणजुगंतरनिवातियाए दिट्ठीए ईरियव्वं कीडपयंगतसथावरदयावरेण निच्चं पुप्फफलतयप[वा]वालकंदमूलदगमट्टियबीजहरियपरिवज्जिएण सं[स]मं, एवं खलु सव्वपाणा न हीलियव्वा न निंदियव्वा न गरहियव्वा न हिंसियव्वा न छिंदियव्वा न भिंदियव्वा न वहेयव्वा न भयं दुक्खं च किंचि लब्भा पावेउं एवं ईरियासमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए

सुसाहू, वितीयं च मणेण पावएणं पाव[गं]कं अहम्मियं दारुणं निस्संसं वहबंधपरिकिलेसबहुलं जरा(भय)मरणपरिकिलेससंकिलिट्ठं न कयावि मणेण पावतेणं पावगं किंचि-वि झायव्वं एवं मणसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू, ततियं च वतीते पावियाते पाव-कं-अ० कं.....वईए पाविया(ओ)ए पावगं-न किंचिवि भासियव्वं एवं वतिसमितिजोगेण भावितो भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसओ संजओ सुसाहू, चउत्थं आहारएसणाए सुद्धं उंछं गवेसियव्वं अन्नाए अ[गढिते]कहिए अ[दु]सिट्ठे अदीणे अकलुणे अविसादी अपरितंतजोगी जयणघडणकरणचरियविणयगुणजोगसंपओगजुत्ते भिक्खू भिक्खेसणाते जुत्ते समुदाणेऊण भिक्खचरियं उंछं घेत्तूण आगतो गुरुजणस्स पासं गमणागमणातिचारे पडिक्कमणपडिक्कंते आलोयणदायणं च दाऊण गुरुजणस्स गुरुसंदिट्ठस्स वा जहोवएसं निरइयारं च अप्पमत्तो, पुणरवि अणेसणाते पयतो पडिक्कमित्ता पसंते आसीणसुहनिसन्ने मुहुत्तमेत्तं च झाणसुहजोगनाणसज्झायगोवियमणे धम्ममणे अविमणे सुहमणे अविग्गहमणे समाहियमणे सद्धासंवेगनिज्जरमणे पवतणवच्छ(ल)लभावियमणे उट्ठेऊण य पहट्ठतुट्ठे जहारायणियं निमंतइत्ता य साहवे भावओ य विइण्णे य गुरुजणेणं उपविट्ठे संपमज्जिऊण ससीसं कायं तहा करतलं अमुच्छिते अगिद्धे अगढिए अगरहिते अणज्झोववण्णे अणाइले अलुद्धे अणत्तट्ठिते असुरसुरं अचवचवं अदुतमविलंबियं अपरिसाडिं आलोयभायणे जयं पयत्तेण ववगयसंजोगमणिंगालं च विगयधूमं अक्खोवंज-णव-णाणुलेवणभूयं संजमजायामायानिमित्तं संजमभारवहणट्ठयाए भुंजेज्जा पाणधारणट्ठयाए संजएण समियं एवं आहारसमितिजोगेणं भाविओ भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू, पंचमं आदा[न]णनिक्खेव[ण]णासमिई पीढफलगसिज्जासंथारगवत्थपत्तकंबलरयहरणचोलपट्टगमुहपोत्तिगपायपुंछणादी एयंपि संजमस्स उववूहणट्ठयाए वातातवदंसमसगसीयपरिरक्खणट्ठयाए उवगरणं रागदोसरहितं परिहरितव्वं संजमेणं निच्चं पडिलेहणपप्फोडणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण होइ सययं निक्खियव्वं च गिण्हियव्वं च भायणभंडोवहिउवगरणं एवं आयाणभंडनिक्खेवणासमितिजोगेण भाविओ भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजते सुसाहू, एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होति सुप्पणिहियं इमेहिं पंचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं णिच्चं आमरणंतं च एस जोगो णेयव्वो धितिमया मतिमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो-अपरिस्सावीसंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुन्नातो, एवं पढमं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

विवागसुयं

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था वण्णओ, (० चं० ण० उ० दि० एत्थ णं) पुण्णभद्दे (णा०) उज्जाणे (हो० व०) ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मे-नामं अणगारे जाइसंप-न्ने वण्णओ चउ(द)द्दसपुव्वी चउनाणोवगए पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं जाव जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, परिसा निग्गया धम्मं सोच्चा निसम्म जामेव दि(सं)सिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडि-गया, तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्म(स्स)अंतेवासी अज्जजंबू-नामं अणगारे सत्तुस्सेहे जहा गोयमसामी तहा जाव झाणकोट्ठो[वगए] विहरइ, तए णं अज्ज-जंबू-ना(मे)मं अणगारे जायसड्ढे जाव जेणेव अज्जसुहम्मे अणगारे तेणेव उवागए तिक्खुत्तो आयाहि(णं)णपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पज्जुवासइ, [२] एवं वयासी–जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं दसमस्स अंगस्स पण्हावागरणाणं अयमट्ठे प-न्नत्ते, एक्कारसमस्स णं भंते ! अंगस्स विवागसुयस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प-न्नत्ते ?, तए णं अज्जसुहम्मे अणगारे जं(बू)बुं अणगारं एवं वयासी–एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अंगस्स विवागसुयस्स दो सुयक्खंधा प-न्नत्ता, तं०–दुहविवागा य सुहविवागा य, जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अंगस्स विवागसुयस्स दो सुयक्खंधा पन्नत्ता, तं०–दुहविवागा य सुहविवागा य, पढमस्स णं भंते ! सुयक्खंधस्स दुहविवागाणं समणेणं जाव संपत्तेणं (के) कइ अ(ट्ठे)ज्झयणा प-न्न(त्ते)त्ता ?, तए णं अज्जसुहम्मे अणगारे जं-बुं अणगारं एवं वयासी–एवं खलु जंबू ! समणेणं० आइगरेणं तित्थगरेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं दस अज्झयणा प-न्नत्ता, तं०–'मियापुत्ते य उज्झियए अभग्ग सगडे ब(व)हस्सई नंदी । उंबर सोरियदत्ते य देवदत्ता य अंजू य ॥ १ ॥' जइ णं भंते ! समणेणं० आइगरेणं तित्थ(य)गरेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं दस अज्झयणा प-न्नत्ता,

२ त्ता अव-ओड-यवंधणं करेइ २ त्ता एएणं विहाणेणं वज्झं आणावेइ, एवं खलु गोयमा! उज्झियए दारए पुरापोराणाणं कम्माणं जाव पच्चणु-भवमाणे विहरइ ॥ १२ ॥ उज्झियए णं भंते! दारए इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ० कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! उज्झियए दारए पणवीसं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे सूलीभि-न्ने कए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्व-ट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले वा-णरकुलंसि वाणरत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे तिरियभो(ए)गेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोवव-न्ने जाए जाए वा-णरपेल्लए वहेइ तं एयकम्मे [एयप्पहाणे एयविज्जे एय-समुदायारे] कालमासे कालं किच्चा इहेव जंबुद्दीवे दीवे भार(ह)हे वासे इंदपुरे नयरे गणियाकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, तए णं तं दार(गं)यं अम्मापियरो जाय(मि)मेत्तकं वद्धेहिंति नपुंसगकम्मं सिक्खावेहिंति, तए णं तस्स दार-यस्स अम्मापियरो निव्वत्तबारसाहस्स इमं एयारूवं नामधेज्जं क(रेहिं)रेंति तं०—हो(ऊ)उ णं [अम्हं इमे दारए] पियसेणे नामं नपुंसए, तए णं से पियसेणे नपुंसए उम्मुक्कबालभावे जोव्वण-गमणुप्पत्ते विण(णा)णयपरिणय-मेत्ते रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठे उक्किट्ठसरीरे भविस्सइ, तए णं से पियसेणे नपुंसए इंदपुरे नयरे बहवे राईसर जाव पभि(इ-य)ईओ बहूहि य विज्जाप[यो]ओगेहि य मंतचुण्णेहि य हियउड्डावणाहि य निण्हवणेहि य पण्हवणेहि य वसीकरणेहि य आभि-ओगिएहि य अभि-ओगित्ता उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरिस्सइ, तए णं से पियसेणे नपुं-सए एयकम्मे० सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता ए-क्कवीसं वाससयं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, त(ओ)-त्तो सरीस(सिरिसि)वेसु सुंसुमारे तहेव जहा पढमो जाव पुढवि० से णं तओ अणं-तरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे चंपाए नयरीए महिसत्ताए पच्चाया-हिइ, से णं तत्थ अ-न्नया कया-इ गोट्ठिलएहिं जीवि(आ)याओ ववरोविए समाणे तत्थेव चंपाए नयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबाल-भावे तहारूवाणं थेराणं अंतिए केवलं बोहिं.....अणगारे सोहम्मे कप्पे जहा पढमे जाव अंतं करेहिइ ॥ निक्खेवो ॥ १३ ॥ **बिइयं अज्झयणं समत्तं** ॥

तच्चस्स उक्खेवो एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं पुरिमताले नामं नयरे होत्था रिद्ध०, तस्स णं पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए णं अमोहदंसणे उज्जाणे होत्था, तत्थ णं पुरिमताले (ण०) म(हब्ब)हाबले नामं

राया होत्था, तत्थ णं पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए देसप्पंते अडवी संठिया, एत्थ णं साला-नामं अडवी-चोरपल्ली होत्था विसमगिरिकंदरकोलंबसं-निविट्ठा वंसीकलंकपागारपरिक्खित्ता छि-न्नसेलविसमप्पवायफरिहोवगूढा अब्भिंतरपाणीया सुदुल्लभजलपेरंता अणेगखंडी-विदियजणदि-न्ननिग्गम[प]पवेसा सुवहुयस्स-वि कुवियस्स जणस्स दुप्पहंसा यावि होत्था, तत्थ णं सालाडवीए चोरपल्लीए विजए नामं चोरसेणावई परिवसइ अहम्मिए जाव (हणछिन्नभिन्नवियत्तए) लोहियपाणी वहु-नयर-निग्गयजसे सूरे दढप्पहारे साहसिए सद्दवेही परिवसइ (अहम्मिए०) असिलट्ठिपढममल्ले, से णं तत्थ सालाडवीए चोरपल्लीए पंचण्हं चोरसयाणं आहेवच्चं जाव विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं से विजए चोरसेणावई वहूणं चोराण य पारदारियाण य गंठिभेयाण य संधिच्छेयाण य खंडपट्टाण य अ-न्नेसिं च वहूणं छि-न्नभि-न्नबाहिराहियाणं कुडंगे यावि होत्था, तए णं से विजए चोरसेणावई पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमिल्लं जणवयं वहूहिं गामघाएहि य न-गरघाएहि य गोग्गहणेहि य वंदिग्गहणेहि य पंथकोट्टेहि य खत्तखणणेहि य ओ-वीलेमाणे (२) विद्धंसेमाणे तज्जेमाणे तालेमाणे नित्थाणे निद्धणे निक्कणे कप्पायं करेमाणे विहरइ, महव्वलस्स र-न्नो अभिक्खणं २ कप्पायं गे-ण्हइ, तस्स णं विजयस्स चोरसेणावइस्स खंदसि(रि-)री नामं भारिया होत्था अहीण०, तस्स णं विजयचोरसेणावइस्स पुत्ते खंदसिरीए भारियाए अत्तए अभग्गसेणे नामं दारए होत्था अहीणपुण्णपं(चें)-चिंदियसरीरे वि(ण्णा)न्नयपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणु-पत्ते । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पुरिमताले नयरे (जे० अ० उ० ते०) समोसढे परिसा निग्गया राया निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा राया य पडिगओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी गोयमे जाव रायमग्गं समोगाढे, तत्थ णं वहवे हत्थी पासइ वहवे आसे पुरिसे संनद्धवद्धकवए ते(सि)सिं णं पुरिसाणं मज्झगयं एगं पुरिसं पासइ अव-ओडय जाव उग्घो(से)सिज्जमाणं, तए णं तं पुरिसं रायपुरिसा पढमं(मि)सि चच्चरंसि नि(सि)सीया(विं)वेंति २ त्ता अट्ठ चुल्ल[प्पिय]पिउए अग्गओ घाएंति २ [त्ता] कसप्पहारेहिं तालेमाणा २ कलुणं का-गणिमंसाइं खावेंति खावेत्ता रुहिरपा(णी)णियं च पा(यं)एंति तयाणंतरं च णं दोच्चंसि चच्चरंसि अट्ठ चुल्ल(लहु)माउयाओ अग्गओ घा-एंति एवं तच्चे चच्चरे अट्ठ महापिउए चउत्थे अट्ठ महामाउयाओ पंचमे पुत्ते छट्ठे सुण्हा सत्तमे जामाउया अट्ठमे धूयाओ नवमे नत्तुया दसमे नत्तुईओ एक्कारसमे नत्तुयावई वारसमे नत्तुइणीओ तेरसमे पिउस्सियपइया चो(चउ)दसमे पिउसियाओ प-न्नरसमे माउ-

सियापइया सोलसमे माउ(स्सि)सियाओ सत्तरसमे मा(सि)मियाओ अट्ठारसमे अव-सेसं मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरि-यणं अग्गओ घा-एंति २ त्ता कसप्पहारेहिं तालेमाणा २ कलुणं का-गणिमंसाइं खावेंति [२] रुहिरपा-णियं च पाएंति ॥ १५ ॥ तए णं से भगवं गोयमे तं पुरिसं पा(स)सेइ २ त्ता इमे ए(अयमे)यारूवे अज्झ-त्थिए (पत्थिए) समुप्प-न्ने जाव तहेव निग्गए एवं वया-सी-एवं खलु अहं णं भंते! तं चेव जाव से णं भंते! पुरिसे पुव्वभवे के आसी जाव विहरइ? एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पुरिमताले-ना-(म)मं नयरे होत्था रिद्ध०, तत्थ णं पुरिमताले नयरे उदिओदिए-नामं राया होत्था महया०, तत्थ णं पुरिमताले निन्नए-नामं अंडयवाणियए होत्था अड्ढे जाव अपरि-भूए अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं नि-न्नयस्स (अंडयवाणिय-ग-स्स) बहवे पुरिसा दि-न्नभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं कु(को)द्दालियाओ य पत्थि(या)यपिडए [य] गि-ण्हंति, [२] पुरिमतालस्स नयरस्स परिपेरंतेसु बहवे काइअंडए य घू(घू)इअं-डए य पारेवइ० टिट्टिभिअंडए य ख[ग्गि]गि अं० मयूरि० कुक्कुडिअंडए य अ-न्नेसिं च बहूणं जलयरथलयरखहयरमाईणं अंडाइं गेण्हंति २ त्ता पत्थियपिडगाइं भरेंति [२] जेणेव नि-न्नयए अंडवाणियए ते[णामे]णेव उवागच्छन्ति २ त्ता नि-न्नय(ग)स्स अंडवाणियस्स उवणेंति, तए णं (से) तस्स नि-न्नयस्स अंडवाणियस्स बहवे पुरिसा दि-न्नभइ० बहवे काइअंडए य जाव कुक्कुडिअंडए य अ-न्नेसिं च बहूणं जलयरथल-यर(खेच)खहयरमाईणं अंडयए तवएसु य कवल्लीसु य कं(डु)दुएसु य भज्जणएसु य इंगालेसु य त(लिं)लेंति भ(ज्जं)ज्जेंति सो(ल्लिं)ल्लेंति तलेंता भ(ज्जि)ज्जंता सो-ल्लेंता रायमग्गे अंतरावणंसि अंडय(एहि य)पणि(ग)एणं वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, अप्प(णो)णा-वि य णं से नि-न्नयए अंडवाणियए तेहिं बहूहिं काइ(य)अंडएहि य जाव कुक्कुडिअंडएहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भ(ज्जे)ज्जिएहि य सुरं च.... आसाएमाणे विसाएमाणे विहरइ, तए णं से नि-न्नए अंडवाणियए एयकम्मे ४ सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता एगं वाससहस्सं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा तच्चाए पुढ-वीए उक्कोससत्तसागरोवमठि-इएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ १६ ॥ से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव सालाडवीए चोरपल्लीए विजयस्स चोरसेणावइस्स खंदसिरीए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उवव-न्ने, तए णं तीसे खंदसिरीए भारियाए अ-न्नया कया-इ तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं इमे एयारूवे दोहले पाउब्भूए-ध-न्ना-ओ णं ताओ अम्मया० जाओ णं बहूहिं मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरियणमहिलाहिं -नाहि य चोरमहिलाहिं सद्धिं संपरिवुडा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया वि-उलं

सालाडवी चोरपल्ली तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई तेसिं चारपुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं सोचा निसम्म पंच-चोरसयाइं सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! पुरिमताले नयरे म-हाबले जाव तेणेव पहारेत्थ गमणाए (आगए, तए णं से अभग्गसेणे ताइं पंच-चोरसयाइं एवं वयासी-) तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं तं दंडं सालाडविं चोरपल्लिं असंप(त्तं)त्ते अंतरा चेव पडिसेहित्तए, तए णं ताइं पंच-चोरसयाइं अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स तहत्ति जाव पडिसुणेंति, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई वि-उलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ २ त्ता पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं ण्हाए भोयणमंडवंसि तं वि-उलं असणं ४ सुरं च ६ आसाएमाणे ४ विहरइ, जिमियभुत्तुत्तरागए-वि (अ) य णं समाणे आयंते चोक्खे परमसुइभूए पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं अल्लं चम्मं दु(रू)रुहइ २ [त्ता] संन्नद्धबद्ध जाव पहरणेहिं मग्गइएहिं जाव रवेणं पुव्वा-(पच्चा)वरण्हकालसमयंसि सालाडवीओ चोरपल्लीओ निग्गच्छइ २ [त्ता] विसमदुग्गगहणं ठिए गहियभत्तपाणे तं दंडं पडिवालेमाणे चिट्ठइ, तए णं से दंडे जेणेव अभग्गसेणे चोरसेणावई तेणेव उवागच्छइ २ [त्ता] अभग्गसेणेणं चोरसेणावइणा सद्धिं संपलग्गे यावि होत्था, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई तं दंडं खिप्पामेव हयमहिय जाव पडिसेहि० तए णं से दंडे अभग्गसेणे-णं चोरसेणावइणा हय जाव पडिसेहिए समाणे अ(त)थामे अवले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु जेणेव पुरिमताले नयरे जेणेव म-हाबले राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० एवं वयासी-एवं खलु सामी! अभग्गसेणे चोरसेणावई विसमदुग्गगहणं ठिए गहियभत्तपा(णि)णीए नो खलु से सक्का केणइ सुबहुएणावि आसबलेण वा हत्थिबलेण वा जोहबलेण वा रहबलेण वा चाउरंगिणि-पि० उरंउरेणं गिण्हित्तए ताहे सामेण य भे-एण य उवप्प(दा)याणेण य वि[स](वी)संभमाणे उ(प)वयए यावि होत्था, जे-वि (य) से अब्भितरगा सीसग(स)भमा मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरियणं च वि-उलधणकणगरयणसंतसारसाव(इ)एज्जेणं भिंदइ अभग्गसेणस्स य चोरसेणावइस्स अभिक्खणं २ महत्थाइं महग्घाइं महरिहाइं पाहुडाइं पेसेइ [२] अ(भंग)भगासेणं चोरसेणावई वी(वि)संभमाणेइ ॥ १८ ॥ तए णं से म-हाबले राया अ-न्नया कया-इ पुरिमताले नयरे एगं महं महइमहालियं कूडागारसालं करेइ अणेगक्खंभसयसंनिविट्ठं पासा(इ)ईयं दरसणिज्जं०, तए णं से म-हाबले राया अ-न्नया कया-इ पुरिमताले नयरे उस्सुक्कं जाव दसरत्तं पमोयं (उग्)घोसावेइ २ त्ता कोडुंबियपुरि(सं)से सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया!

सालाडवीए चोरपल्लीए तत्थ णं तु[ब्भे]म्हे अभग्गसेणं चोरसेणावइं करयल जाव एवं व०-एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले नयरे महाबलस्स र-न्नो उस्सुक्के जाव दसरत्ते पमो-ए उग्घोसिए तं किं णं देवाणुप्पिया ! वि-उलं असणं ४ पुप्फवत्थ-(गंध)मल्लालङ्का(रे य)रं ते इहं हव्वमाणिज्जउ उदाहु सयमेव गच्छि[त्था]त्ता ?, तए णं [ते] कोडुंबियपुरिसा म-हाबलस्स र-न्नो करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता पुरिमतालाओ नयराओ पडि० नाइविकिट्ठेहिं अद्धाणेहिं सुहेहिं वस(हिं)हीपायरासेहिं जेणेव सालाडवी चोरपल्ली तेणेव उवागच्छंति [२] अभग्गसेणं चोरसेणावइं करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले नयरे म-हाबलस्स र-ओ उस्सुक्के जाव उदाहु सयमेव गच्छि-त्ता ?, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई ते कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी-अहं णं देवाणुप्पिया ! पुरिमता(ले)लनय(रे)रं सयमेव गच्छामि, ते कोडुंबियपुरिसे सक्कारेइ""पडिविसज्जेइ, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई बहूहिं मित्त जाव परिवुडे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए सालाडवीओ चोरपल्लीओ पडि-निक्खमइ २ त्ता जेणेव पुरिमताले नयरे जेणेव म(-ल)हाबले राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० म(हव्व)हाबलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं उवणेइ । तए णं से म-हाबले राया अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स तं महत्थं जाव पडिच्छइ, अभग्गसेणं चोरसेणावइं सक्कारेइ संमाणेइ पडिविसज्जेइ कूडागारसालं च से आवसहं दलयइ, तए णं [से] अभग्गसेणे चोरसेणावई म-हाबलेणं र-न्ना विसज्जिए समाणे जेणेव कूडागारसाला तेणेव उवागच्छइ, तए णं से म(-ल)हाबले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! वि-उलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेह २ त्ता तं वि-उलं असणं ४ सुरं च ६ सुबहुं पुप्फ[वत्थ]गंधमल्लालंकारं च अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स कूडागार-सा(लाए)लं उवणेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा करयल जाव उवणेंति, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई बहूहिं मित्त-नाइ जाव सद्धिं संपरिवुडे ण्हाए सव्वालंकारवि-भूसिए तं वि-उलं असणं ४ सुरं च ६ आसाएमाणे ४ पमत्ते विहरइ, तए णं से म-हाबले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तु(ब्भे)म्हे देवाणुप्पिया ! पुरिमतालस्स नयरस्स दुवाराइं पिहे० अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीव-गाहं गिण्हह [२] ममं उवणेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता पुरिमतालस्स नयरस्स दुवाराइं पिहेंति अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीवगाहं गिण्हंति [२] म-हाबलस्स र-न्नो उवणेंति, तए णं से म-हाबले राया अभग्गसेणं चोरसेणा-वइं एएणं विहाणेणं वज्झं आणवेइ, एवं खलु गोयमा ! अभग्गसेणे चोरसेणावई

पुरा(पु)पोराणाणं जाव विहरइ । अभग्गसेणे णं भंते ! चोरसेणावई कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहि० कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा ! अभग्गसेणे चोरसेणावई सत्तत्तीसं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे सूलभिन्ने कए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोस····नेरइएसु उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता····एवं संसारो जहा पढ(मो)मे जाव पुढवीए, तओ उव्वट्टित्ता वाणारसीए नयरीए सूयरत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ सो[सू]यरिएहिं जीवियाओ ववरोविए समाणे तत्थेव वाणारसीए नयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे····एवं जहा पढमे जाव अंतं काहिइ ॥ निक्खेवो ॥ १९ ॥ **तइयं अज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते !····चउत्थस्स उक्खेवो, एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं साहंजणी-नामं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा, तीसे णं साहंजणीए बहिया उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए देवरमणे नामं उज्जाणे होत्था, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए महचंदे नामं राया होत्था महया०, तस्स णं महचंदस्स रन्नो सुसेणे नामं अमच्चे होत्था सामभेयदंड० निग्गहकुसले, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए सु(दं)दरिसणा-नामं गणिया होत्था वण्णओ, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए सुभद्दे नामं सत्थवाहे (हो०) परिवसइ अड्ढे०, तस्स णं सुभद्दस्स सत्थवाहस्स भद्दा-नामं भारिया होत्था अहीण०, तस्स णं सुभद्द(स्स)सत्थवाहस्स पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए सगडे नामं दारए होत्था अहीण०, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे····समोसरणं परिसा राया य निग्गए धम्मो कहिओ परिसा (रा०) पडिग(ओ)या, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जाव रायमग्गमोगाढे तत्थ णं हत्थी आसे पुरिसे····ते-सिं च णं पुरिसाणं मज्झग[ए]यं पासइ एगं सइत्थीयं पुरिसं अव-ओड-यबंधणं उक्खित्त जाव घो(सेणं)सिज्जमाणं चिंता तहेव जाव भगवं वागरेइ, एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे छगलपुरे नामं नयरे होत्था, तत्थ सी(सिं)हगि(रि)री नामं राया होत्था महया०, तत्थ णं छगलपुरे नयरे छ(ण्णि)णिए नामं छागलि(छगली)ए परिवसइ अड्ढे० अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं छ-णियस्स छा(छ)गलियस्स बहवे अ(जा)याण य ए(ला)लयाण य रोज्झाण य वसभाण य ससयाण य सूयराण य पसयाण य सिंघाण य हरिणाण य मयूराण य महिसाण य सयवद्धाण य सहस्सबद्धाण य जूहाणि वाडगंसि संनिरुद्धाइं चिट्ठंति, अन्ने य तत्थ बहवे पुरिसा दिन्नभइभत्तवेयणा बहवे अए य जाव महिसे य सारक्(ख)खेमाणा संगोवेमाणा चि

र-न्नो चित्ते नामं अलंकारिए होत्था, सिरिदामस्स र-न्नो चित्तं वहुविहं अलंकारियकम्मं करेमाणे सव्वट्ठाणेसु य सव्वभूमियासु य अंतेउरे य दि-न्नवियारे यावि होत्था; तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोस-ढे परिसा निग्गया राया(वि) निग्गओ जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समण० जेट्ठे""जाव रायमग(गं ओ)गमोगाढे तहेव हत्थी आसे पुरिसे"", तेसिं च णं पुरिसाणं मज्झगयं एगं पुरिसं पासइ जाव नर-ना(रि)रीसंपरिवुडं, तए णं तं पुरिसं रायपुरिसा चच्चरंसि तत्तंसि अयोमयंसि समजो(ई)इभूय(सिं)सीहासणंसि नि(वि)वेसावेंति, तयाणंतरं च णं पुरिसाणं मज्झगयं वहुविहं अयकलसेहिं तत्तेहिं समजोइभूएहिं अप्पेगइया तंवभरिएहिं अप्पेगइया तउयभरिएहिं अप्पेगइया सीसगभरिएहिं अप्पेगइया कलकलभरिएहिं अप्पेगइया खारतेल्लभरिएहिं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिं०, तयाणंतरं च णं तत्तं अयोमयं समजोइभूयं अयोमयसंडासएणं गहाय हारं पिणद्धंति, तयाणंतरं च णं अ(द्ध)द्धहारं जाव पट्टं मउडं चिंता तहेव जाव वागरेइ—एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे सीहपुरे नामं नयरे होत्था रिद्ध०, तत्थ णं सीहपुरे नयरे सीहरहे नामं राया होत्था, तस्स णं सीहरहस्स र-न्नो दुज्जोहणे ना(मे)मं चारगपालए होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स इमेयारूवे चारगभंडे होत्था—वहवे अयकुंडीओ अप्पेगइयाओ तंवभरियाओ अप्पेगइयाओ तउयभरियाओ अप्पेगइयाओ सीसगभरियाओ अप्पेगइयाओ कलकलभरियाओ अप्पेगइयाओ खारतेल्लभरियाओ अगणिकायंसि अद्दहिया(ओ) चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स वहवे उट्टियाओ अप्पेगइयाओ आसमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ हत्थिमुत्तभरि(आ)याओ अप्पेगइयाओ गोमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ महिसमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ उट्टमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ अयमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ एल(य)मुत्तभरियाओ वहुपडिपुण्णाओ चिट्ठंति। तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स वहवे हत्(थुं)थं[डु]दुयाण य पायं-दुयाण य हडीण य नियलाण य संकलाण य पुंजा (य) निगरा य संनिक्खित्ता चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स वहवे वेणुलयाण य वेत्तलयाण य चिंचालयाण य छिया(णं)ण य कसाण य वायरासीण य पुंजा निगरा चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स वहवे सिलाण य लउडाण य मोग्गराण य कणंगराण य पुंजा निगरा चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स वहवे तंताण य वरत्ताण य वा(ग)गुर(जा)याण य वा(वा)लयसुत्तरज्जूण य पुंजा निगरा चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स वहवे असिपत्ताण य करपत्ताण य

नयरे उसभदत्ते गाहावई पुप्फदत्ते अणगारे पडिला० मणुस्साउए निबद्धे इह उप्प-न्ने जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहि० ॥ **तइयं अज्झयणं समत्तं** ॥

चउ-त्थस्स उक्खे० विजयपुरं नयरं (मणोरमं) नंदणवणं उज्जाणं वासवदत्ते राया कण्हा देवी सुवासवे कुमारे भद्दापामोक्खाणं पंचस० जाव पुव्वभवे कोसंबी नयरी धणपाले राया वेसमणभद्दे अणगारे पडिलाभिए इ(हं)ह जाव सि० ॥ **चोत्थं अज्झयणं समत्तं** ॥

पंचमस्स उक्खे० सोगंधिया नयरी नीलासोए उज्जाणे अप्पडिहओ राया सुकन्ना देवी महचंदे कुमारे तस्स अरहदत्ता भारिया जिणदासो पुत्तो तित्थ(ग)य-रागमणं जिणदासपुव्वभवो म(ज्झि)ज्झमिया नयरी मेहरहो राया सु(ह)धम्मे अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ **पंचमं अज्झयणं समत्तं** ॥

छट्ठस्स उक्खे० कणगपुरं नयरं सेयासोयं उज्जाणं पियचंदो राया सुभद्दा देवी वेसमणे कुमारे जुवराया सि-रिदेवीपामो० पंचस० क० पाणिग्गहणं तित्थ-यरागमणं धणवई जुवरा(या)यपुत्ते जाव पुव्वभवो मणिवया नयरी मित्तो राया संभूति-अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ **छट्ठं अज्झयणं समत्तं** ॥

सत्तमस्स उक्खे० महापुरं नयरं रत्तासोगं उज्जाणं बले राया सुभद्दा देवी म(हा)हब्बले कुमारे रत्तवईपामो० पंचस० क० पाणिग्गहणं तित्थ-यरागमणं जाव पुव्वभवो मणिपुरं नयरं नागदत्ते गाहावई इंदपुरे अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ **सत्तमं अज्झयणं समत्तं** ॥

अट्ठमस्स उक्खे० सुघोसं नयरं देवरमणं उज्जाणं अज्जु(ण)णो राया तत्तव-ई देवी भद्दनंदी कुमारे सि-रिदेवीपामो० पंचस० जाव पुव्वभवे महाघोसे नयरे धम्मघोसे गाहावई धम्मसीहे अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ **अट्ठमं अज्झ-यणं समत्तं** ॥

नवमस्स उक्खे० चंपा नयरी पुण्णभद्दे उज्जाणे दत्ते राया द(र)त्तव-ई देवी महचंदे कुमारे जुवराया सिरिकंतापामो० पंचस० क० जाव पुव्वभवो तिगिञ्छी नयरी जियस(त्तु)त्तू राया धम्मवीरिए अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ **नवमं अज्झयणं समत्तं** ॥

(जति णं) दसमस्स उक्खे-वो एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सागेए नामं नयरे होत्था उत्तरकुरुउज्जाणे मित्त-नंदी राया सिरिकंता देवी वर-द-त्ते कुमारे वरसेणापामो० पंच देवीसया तित्थ-यरागमणं सावगधम्मं""पुव्व-

भ(वो)वपुच्छा सयदुवारे नयरे विमलवाहणे राया धम्मरु(चि)ई नामं अणगारं एज्जमाणं पासइ० पडिलाभिए समा० मणुस्साउए निबद्धे इहं उप्प-न्ने सेसं जहा सुवाहु-स्स कुमारस्स चिंता जाव पव्वज्जा कप्पंतरिओ जाव सव्वट्ठसिद्धे तओ महाविदेहे जहा दढपइन्नो जाव सिज्झहिइ ५। एवं खलु जंबू! समणेणं (भगवया महावीरेणं) जाव संपत्तेणं सुहविवागाणं दसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे प-न्नत्ते, सेवं भंते!० ॥ ३२ ॥ **दसमं अज्झयणं समत्तं ॥ सुहवि० ॥ बीओ सुय-क्खंधो समत्तो ॥ विवागसुयं समत्तं ॥**

विवागसुयस्स दो सुयक्खंधा दुहविवागो य सुहविवागो य, तत्थ दुहविवागे दस अज्झयणा ए(क)क्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जंति, एवं सुहविवा-(गो)गे-वि, सेसं जहा आयारस्स ॥

॥ एक्कारसमं अंगं समत्तं ॥

तस्समत्तीए

एक्कारस अंगाइं समत्ताइं

॥ सव्वसिलोगसंखा ३५००० ॥

